

सं• 17] No. 17।

नई विस्ली, सनिवार, अप्रेल 27, 1985 (वैशाख 7, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 27, 1985 (VAISAKHA 7, 1907)

उस असा में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है विक्षा कि कह असम संस्थान के रूप में एका आ सके (Separate paging is given to this Park in resim test is may be liked as a aspecta compilation)

### **新村 日上一年1**

## [PART M-MECTION 1]

उच्च न्त्रायालयों, नियत्वक और महस्तेखापरीकक, सं<mark>थ लोफ लेका आयोग, रेल विभाग और भारत</mark> सरकार के संपन्न और अधीय कार्या<mark>लयों द्वारा जारी की गई</mark> अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मार्च 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा०-2(ii)—कार्मिक तथा प्रशा० सु० वि० के का० जा० सं० 22011/6/75-स्था० (घ) दिनांक 30-12-76 के अनुसार वि० प० स० की पुनरीक्षा की सिफारिणों के आधार पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में श्रीमती टी०जी०मारीकुट्टी, अधीक्षक (त० सं०) को आयोग के कार्यालय में 1-3-1985 (पूर्वाह्म) से अन्वेपक (त० सं०) के पद पर प्रत्यावर्तित करते हैं।

एस० वनर्जी अवर सचिव (प्रगा०) कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1985

मं ० ए,०-38013/5/83-प्रणां ०-2—श्री ब्रह्मानन्द, स्थाई सहायक तथा प्रतिनियुक्ति की शर्ती पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (राजभाषा) ने 31 मार्च, 1985 (अपराह्म) से 3601/85 निवर्तन आयुहो जाने पर उनके सेवा निवृत्त हो जाने के फलस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालंय में सहायक निदेशक (रा० भा०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> एम०पी० जैन अवर सन्तिय (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय कार्ज के सुरुविक्के **अञ्चरी** न<sup>74</sup>.-1, दिनांक 2 अप्रैल 1985

सं 0 3/20/85-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, श्री के ० एन ० गुप्त, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को, दिनांक 28 मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से एवं अगले आदेण होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अर्धाक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं। आर ० एस ० नागपाल

प्रजामनिक अधिकारी (स्था०) कें० अ० ब्यूरी महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल मई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मार्च 1985

सं ० ग्रो ० ने 1774/83-स्थापना— महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर सुरेन्द्र कुमार परिमल को 25 जनवरी, 1985 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

### धिनांक 29 मार्च 1985

सं श्रो वि वि । 1846/83-(स्थापना) - श्री पदम सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, के विर्वार पुरुष्ठ केल, 31 वाहिनी का देहान्त विनांक 24-2-1985 को हो गया है। उन्हें दिनांक 25-2-1985 पूर्वाह्न से पुलिस की गणना से हटा दिया है।

#### दिनांक 31 मार्च 1985

सं ० डी ० एफ ०-9/83-स्थापना-I—श्री के ० सी ० एस ० थे नेगी, पुलिस उप-अधीक्षक, 73 बाहिनी कें ० रि०पु० बल की सेवाएं 2-3-1985 (अपराह्म) से सिविल एबीएशन सिक्यू-रिटी को सौपी जाती हैं।

#### दिनांक 2 ग्रप्रील 1985

मं० ओ० दो०-1102/73-स्थापना- निम्नलिखित ग्रिध-कारियों ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप उनके नामों के ग्राग दर्शाई गई तिथियों से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:--

- श्रीरण सिंह, सहायक कमडिंट 28-2-85 (श्रपराह्न)
   18 वटा० के० रि०पु० बल
- श्री एम० ए० बिलयप्पा, 28-2-85 (ग्रपराह्म)
   सहायक क्यांडिंट,
   यहा० के० रि० पु० बल

### दिनांक 4 ग्रप्रैल 1985

मं० ओ० दो० 546/69-स्थापना--36 बटालियन के० रि० पु० बल के श्री सी० पी० पाल, पुलिस उप-श्रधीक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्ग्वाई के निर्णय स्वरूप राष्ट्रपति ने उनको तारीख '18-3-1985 (पूर्वाह्म) से सेवा से बरखास्त कर दिया है।

एम० भ्रमोक्ष राज सहायक निषेशक (स्थापना)

### महानिदेशालयः

### केन्द्रीय औद्योगिक मुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 अप्रैल 1985 सं० ई-16016(3)/2/84-कार्मिक-1---सहायक के ग्रेड में प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० एन० श्ररोड़ा, श्रनुभाग श्रधिकारी (तदर्थ) के० ऑ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली ने 11 फरवरी, 1985 के पूर्वाह्म से श्रनुभाग श्रधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभाग छोड़ दिया ।

#### दिनांक 4 मप्रैल 1985

सं० १-32015(4)133/84-क्यामिक-1--- राष्ट्रपति श्री एम० के० गर्मा को प्रोन्नति पर 26 फरवरी, 1985 के पूर्वाल्ल से के० औ० सु० व० यूनिट, बी० सी० सी० एल० सरिया के सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> (ह०) अपठनोय महानिदेशक के० ओं० सूब

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मुप्रैल 1985

सं० प्रशासन 1/कार्यालय ग्रादेश सं० 86--श्रीमान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय राजस्य) इस कार्यालय के श्री रिपु दमन बाली स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रब सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी के बेतनुकम 840-1200 रुपए में 1-4-1985 पूर्वीह से ग्रगले ग्रादेण ग्राने तक नियुक्त करते हैं।

> (ह०) ग्रपठनीय उप निदेशक ले० प० (प्रशा०)

#### रक्षालेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिस्ली-110066, दिनांक 30 मार्च 1985

स० प्रशा०/1/1150/1/जिस्द 5--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्राग्रोग द्वारा श्रायोजित सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 1983 के परिणाम के श्राधार पर निम्नलिखित व्यक्तियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधियों के रूप में उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीखों से सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

		_			_
ऋम	नाम '		नियुषित	की तारीख	
सं०					
		. — -			_
1	2			3	
_	· O C .— .				
1. श्र	। संजीव मित्तल		21-12-84	१ (पूर्वाह्म)	
2. <b></b>	मारी भ्रनराधा मित्रा		30-8-84	। (भ्रपराह्न)	

1 2		3	
3. 3	<b>गी भ्र</b> णोक कुमार धमीजा		20-12-84 (पूर्वाह्म)
4. %	<b>री</b> रजनीश कुमार		1-1-85 (पूर्वाक्ष)
5. %	प्री वी० वेनु गोपाल		22-2-85 (पूर्वाह्न)
6. 8	ग्री स्वराज-बीर सिंह -		28-8-84 (पूर्वीहर)
7. 8	ग्री जमखोंगम <b>रह</b> ंगदिम		31-12-84 (पूर्वाह्म)

ए० के० घोष, रक्षालेखाभ्रपर महानियंत्रक (प्रशा०)

#### श्रमं मंत्रालय

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1985

सं० प्रशा०/4/(12)/84 (1)—राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नई दल्ली में प्रतिनियुक्ति पर चयन होने पर श्री एम० आर० दास ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय बरोइल का कार्यभार 29-9-1984 (अपराह्न) को छोड़ दिया।

मं० प्रणा० /4/12/84(2)—स्यानांतरण होने पर श्री एसर्थ एन० मुकर्जी ने 17-8-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केंन्द्रीय) कार्यालय, पकुर का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर ज्वाइनिंग टाइम व छुट्टी इत्यादि व्यतीत करके उसी हैसियन में 31-10-84 (पूर्वाह्न) को मद्रास में कार्य-भार संभाल लिया।

सं० प्रणा०/4/12/84 (3)—सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री टी० वैंकटेशन ने 30-9-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय, मद्रास का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०/4/12/84(4)—स्थानांतरण होने पर श्री डी॰ प्रधान ने 16-10-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय, भुवनेष्वर का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उसी हैसियत से 30-10-84 (पूर्वीह्न) को बर्यबल का कार्यभार-संभाल लिया।

सं० प्रशा० 4 12 84 (5) - सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय के पद पर प्रोक्षत होने पर श्री श्रो० पी० शर्मा नै० 5-10-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय जयपुर का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० । प्रशा ं 4 12 84 (6) — सहायक श्रमायुक्त (केंन्द्रीय) के पद पर प्रोन्नत होने पर श्री एस० के० मित्रा ने० 26-11-84 (पूर्वाह्र) में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय कार्यालय, कलकत्ता का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा० 1 4 (12) 84 (7)—स्थानातरण होने पर श्री के० एल० कुणकाहा, 16-11-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय कानपुर में झासी कैंप का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर 16-11-84 (अपराह्न) को उसी हैसियत मे कानपुर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० । 4 (12) 84(8)—स्थानांतरण होने पर श्री आर० एन० ग्रोझा ने 4-12-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय भागलपुर का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 15-12-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से जयपुर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० ! 4 1284 (9)—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री आर० वी० तायदे ने 30-11-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केंन्द्रीय) कार्यालय, वंबई का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रगा० 1 4(12) 84(10)—स्थानांतरण होने पर श्री एस० एन० ग्रोझा ने 4-12-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय चाईबासा का कार्यभार छोड़ दिया और ज्वादन्तिग टाइम व छुट्टी इत्यादि बिता कर 7-1-85 (पूर्वाह्न) में उसी हैसियत से भुवनेस्वर में कार्यभार संमान लिया।

सं० प्रशा० 1 4(12) 84(11)—स्थानांतरण होने पर श्री आर० प्रसाद ने 12-12-84 (अपराह्र) में श्रम प्रवर्तन अधिकारी केन्द्रीय) कार्यालय, लैंडिंग का कार्यभार छोड़ दिया और 23-1-85 (पूर्शह्र) को उसी हैसियन में टीटलगढ़ में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 1 4(12) 84(12) — प्रत्यावर्तन होने पर श्री एम० टी० तयादे ने 26-11-84 (पूर्वाह्र) को सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय, वास्कोडिगामा का कार्यपार छोड़ दिया।

सं० प्रशा० 1 4(12) 84(13)—स्थानांतरण होने पर श्री बी० टी० माल्हे ने 15-1 -84 (अपराहं) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय, जबलपुर का कार्य छोड़ दिया ग्रीर 17-12-84 (पूर्वाह्र) को उसी हैनियत से बबई में कार्यभार संभास लिया।

सं० प्रशा० 1 4 (12) 84 (14)—स्थानान्तरण होने पर श्री णान्तीलाल ने 16-11-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्यालय, कानपुर का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर 18-12-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियन मे झासी में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 14 (12) 84 (15)—स्थानांतरण होने पर् श्री आई० जे० एस० भाटिया ने 10-12-84 (अपराह) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय कार्यालय, दिल्ली का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 10-12-84 (अपराह) की श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) दिल्ली—III का कार्यभार संगल लिया।

सं प्रगा 4(12) 84 (16) -- स्थानांतरण होने पर श्री ए के सिंह ने 10-12-84 (अपराह) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कार्याक्षय, दिल्ली III का कार्य-भार छोड़ दिया श्रीर 10-12-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय), दिल्ली-II का कार्यपःर सभाल लिया।

> नन्द लाख प्रशासन अधिकारी

वाणिज्य मंत्रः लय

(बस्र विभाग)

वस्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 30 मार्च 1985

मं० 2 (29) स्थापन-एक 84/1185 वस्र तायुक्त का प्रावेशिक कार्यालय, वस्त्रई के श्री पी० बी० जेठानी महायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रथम श्रेणी मेवानिवृत्ति की आयु पूरी करते हुए दिनाक 28-2-1985 की अपराह्र में मेवा में निवृत्त हो गये।

सं० 2(27) स्थापन-एक/84/1187 →वस्र आयुक्त कार्यास्य की कुमारी बी० इंग्नेशियस, सहायक निर्देशक, द्वितीय श्रोणी, (एन० टी०) मेवानिवृत्ति की आयु पूरी करती हुई विनाक 29-2-1985 की अपराह्म स मेवा में नेवृत्त हो गई।

> आर० के० कुलकर्णी समुक्त वस्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

सं० ए०-19018 (214) 75 प्रधा० (राज०) → राष्ट्र-पति, लवु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा के अधीन लवु उद्योग सेवा संस्थान, विस्तार केन्द्र, मेरठ के महायक निर्देशक, ग्रेड—1 (चर्म/पादुका) श्री डी० के० गुहा राथ को, दिनाक 17-12-1984 (पूर्वाह) से अगने आवशों तक, प्रक्रिया मह उत्पाद विकास केन्द्र, मेरठ में उपनिदेशक (चर्म/पादुका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रणासन)

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग सीमेन्ट नियन्त्रक का कार्यालय नई दिल्ली-110008, दिनांक 18 मार्च 1985

सं० 1 (61) 81-प्रशासन-प्रथम 2360--निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को (वेतनमान रुपये 840-40-1000 ई० बी० 40-1200 के स्थान पर महायक सीमेन्ट नियन्त्रक (लेखा श्रीर विन) वेशनमान रुपये 700-40-900 ई० बी०-40-1100-50-1300 क द्वारा प्रद्योग मतःलय श्रीद्योगिक विकास विभाग के आदेश मख्या 16-16/79-सी० ई० एम० दिनाक 23-12-1980 के द्वारा निर्यामन स्प म सघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन से उनके पत्र मख्या एफ० 4/1 (1) 85-ए० यू० आई० दिनाक 11-3-1985 द्वारा उनके नाम के सामने दी गई तिथि ने पुन. पदनामित किये जाते हैं:—

1. श्री कें० एमं० गुप्ता

23-12-1980

2. श्री ग्रो० पी० नैय्यर

23-12-1980

3. श्री एल० एस० केशवानी

1-2-1983

कें ० आर० अ<mark>श्वामुधन्</mark> सयुक्त सीमेट नियन्त्रक

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनु०-6)

नई दिल्ला, दिलार 30 मार्च 1985

स० ए० 17011/290/85-प्र० 6--- राष्ट्रपति र.घ लोक सवा श्रायागद्वारा नामित एए उम्भीदवार डा० (श्रीमती) कृष्णा कोह्नी को 15 फरवरी, 1985 के पूर्वाह्न से और श्रामामी श्रादशों के जारी होत तन, भारतीय निरीक्षण मेवा, ग्रुप "ए" (श्रीमयान्त्रिकी शाखा) के ग्रेड III में स्थानापन रूप में नियुक्त हरते है।

2. डा० (श्रीमती) हुल्णा काह्नी ने 15 फरवरी 1985 के पूर्वीत्न से निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के आर्यान्य मे निरीक्षण प्रधिकारी (प्रभियान्तिकी) के पद का कार्यभार सभान निया है।

3. भा॰ (श्रीमनी) कृष्णा कोहली 15 फरवरी, 1985 में दो वर्ष के निए परिवीक्षाधीन रहेगी।

> सोहन लाल कपूर उपनिवेशक (प्रशा०)

# इस्पान और खान मंत्रालय इस्पान विभाग लोहा और इस्पान नियवण

कलंशता-20, दिनांक 2 मप्रैल 1985

सं० ई० 2(2)/85(1)—म्ब्रधोहस्ताक्षर व र्ना एतद् द्वारा श्री पी० एत० मण्डल, श्रदीक्ष , ना दिना : 1/4/85 के पूर्वीह्म से इस व यिनिय में सहायक लोहा और इस्पान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करन है।

> र्द।पक कुमार घीष लोहा और इस्पात नियन्नक

### श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1985

सं० 4/8/84 एस० 2--- आकाशवाणी महानिदेशालय की प्रिधिसूचना सं० 4/8/84 एस० 2 दिनांक 26/3/84 के अनुक्रम में महानिदेशक आकाशवाणी श्री आर० डी० नालगे, हिन्दी अनुवादक, आकाशवाणी सागनी, जाकि आकाशवाणी पुणे में 650-30-740-35-810 नं० रो०-35-880-40-1000-द० रा० 40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे, हीं, की नियुक्ति की अवधि को दिनांक 6-3-85 से आगामी एवा वर्ष के निष् उन्हीं भतों पर बढ़ाते हैं।

मोहन प्रासिस प्रणासन उपनिदशक कृते महानिदेशक

### नई दिल्ली, दिशांक 2 अप्रील 1985

म० 6/11/63-एत० एक--श्री एस० श्रार० भोरे, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाणवाणी, बाडोदरा का दिनां 4 मार्च, 19.85 को स्वर्गवास हो गया है।

हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ए० 31013/7/83-प्रशासन-1---राष्ट्रपति ने डा० जी० के० बिस्वान को 18 जुलाई 1983 से स्वास्थ्य सेवां महानिदेशालय में लहाया सहानितेशा (अंडार) के पद पर स्थायी श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> पी० एन० सकुर उप निदेशक प्रशासन (रो० एवं बजट)

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1985

सं० ए० 19025/4/85-प्र०111--संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तुतियों के अनुसार अपि विषणन सलाहकार, भारत भरकार द्वारा श्री रामचन्द्र पंडा को इस निदेशालय के अधीन विनोक 20-2-85 (पूर्वाह्म) से ध्रगल आदण होन तक स्थानापन सहायक विषणन अधिकारी (वर्गी) के इप में नियुक्त किया गया है।

ज० कृष्णा निदशक प्रशासन कृते कृषि विपणन मलाहकार भारत सरकार

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1985

> वी० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांच ! अप्रैल 1985

सं० ए० 32013/1/75-ई० एस०-- राष्ट्रपति न श्री डी० डी० सामी, महायक विमान निरीक्षक को उनके कनिष्ठ श्री एन० जॉन की पदास्ति की तारोख (दिनांक 24-11-1985) से विमान निरीक्षक (स्रब उड़नयोग्यता स्रिधकारी) के ग्रेड में नियुक्त करने की कार्योत्तर मंजुरी प्रदान की है।

> जी० बी० लाल, सहायक निदेशक प्रशासन

#### कन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-66, दिनांच 1 अप्रैल 1985

मं० ए० 19012/1024/84-ईस्ट० V—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिणों पर, प्रध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० बी० हलधर पर्यवक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200 के वेतनमान में 26-3-1983 की प्रपराह्न से श्रन्य भावशों तथ नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयंग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिनीक्षा पर रहेगे।

> श्री महादेव श्रम्यर श्रवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1985

सं० 1/345/69-ई० सी०-9--इस विभाग के वास्तुक, श्री जै० पी० सक्सेना वार्यक्य को श्रायु प्राप्त करने पर 31-3-85 (ग्रपराह्म) को सरकारी सेवा से विभुक्त हो रहे हैं।

> मनि मोहन दास उप निदेशक (प्रशिक्षण)

इंडस्ट्री और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रीधिनियम, 1956 और श्री बंशी इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में पटना-800001, दिनांश 4 श्रप्रैल 1985

सं० 598/560/52--कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसार एतद-द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्री वंशी इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्त न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्षत कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> हर्० अपस्तोय कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना

कार्यालय निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज-I

### णुद्धि-पन्न

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन दिनांक 7-1-1985 के निदेश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन-1 एस० श्रार-3 5-84-170 के तहत प्रकाशित सूचना की ऊपर से 14वीं लाइन में तथा उक्त सूचना की, 'अनुसूची' में सं० ई-8, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, सम्पति के मामले में 'प्ला,' सं० एवं-77 ग्रेटर कैलाश भाग-1, नई दिल्ली परिमाप 500 वर्ग गज' पढ़ें।

श्चार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेज-1 नई दिल्ली प्ररूप आहुर्, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**ग्रर्जन** रेंज, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ए० जी०-74/रेंज-4/क्ल०/1984-85--श्रत: मझे, णंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मं० 107-एफ० हैं तथा जो बी० टी० रोड़ में स्थित हैं (और इमसे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैलक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-7-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री गोबिन्द लाल दागा

(मन्तरक)

2. मैं० जे० एम० इन्डस्ट्रीज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनुसूची

जमीन---47 काठा 3 छटाक 2 स्को० फीटसाय मकान।

पता -- 107-एफ॰, बी॰ टी॰ रोड़, याना खरवट। विलिल सं॰ -- 1984 का 7810।

> एस० के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायकक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 18-3-1985

### सक्त बार्ष्य स्थान होन् हुन् हुन् हुन्

### बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### मारत ब्रकार

### कार्यालम्, सहायक आमकर वायुक्त (विरोधक)

धर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० 1727/ग्रर्जन रेंज-3/84-85--ग्रतः मुझें, शंकर बनर्जी,

नायकर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतर्जे इसके पश्चरत 'उक्त अधिनियम' कहा गना है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० 2 हैं, तथा जो लाला बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 1 ए० सी०, एक्यु० रेंज-III, कलकत्ता सें रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीखा 18-7-1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुन्ने मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्दोष्य से उक्त अंतरण निधित में यास्तिका. रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-पिताम के अभीन कर दोने के जन्तरक के ट्रीयरक में कमी करने वा अंतर्क क्वन के बुविधा के लिए; बार-/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जाँधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था कियाने से स्थिया के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियसं की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-- भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- में पर्स टोडी टी० को० (प्रा०) लि० (ध्रन्तरक)
- 2. मैं० बिनोद इंजीनियरिंग एण्ड मेकेनिकल वर्क्स (म्रन्तरिती)

कार यह सुणना जारी करके पृथानित सम्परित के अर्थन के जिल्ला कार्वनाहियां गुरु करता हूं।

### वन्द्र सम्मारत के वर्षक के बुम्बरूप में कीई भी नाक्षेप रू-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 हिन की जनकि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानींज से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ब किसी जंन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास निहेत्वत में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शन्दों और पवाँ का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, कही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विधा भषा हैं!

### वनसर्वी

दफ्तर ५४ नं० 216, क्षेत्र— 521 व० फु०। पता ~- 2, लाल बाजार स्ट्रीट, कलकेता। 1 ए० सी० एक्वि० रेंज-III कलकत्ता द्वारा 18-7-1984 तारीख पर निधन्ध हुम्रा।

> शंकर बैंत्जीं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज०-3, कलकला

तारीख 14-·3-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन -एम. ----

1. मैं० टाईं। टें:० कं० (प्रा०) लिं०

(अन्तरक)

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

2 मार्थ बिधा एन्ड घोठ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्भनं रेंज- 3, धलकत्ती

बाल सा, दिनांग 14 मार्च 1985

निदेश सं० 1728/अर्जन रेंज-3/84 85--अत: मुझे, शंगर वार्जी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000 ∕ - रु. से अधिक है

और जिलकी सं० 2 है, तथा जो लाल बाजार स्ट्रीप्ट, 'ल० में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूवी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), दिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गार्यालय, 1 ए० सी० एक्यू० रेज-III, अलाता में शजिस्ट्रीकरण ग्रधिनित्तम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख 21-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया वितिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी अाय या किसी धन गा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ,था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की ल्पभारी (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--2-46GI/85

ेकां यह मुभना गरा करके पुर्याचन सम्पत्ति के **वर्जन के लिए** कायवाहियां वरतः हा ।

उनत सम्पत्ति के अर्गन के सन्ध में कोर्ट भी हाओप :--

- (क) य सकता के राजभत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यह भी तामील र 30 दिन की बनीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्रा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 के भीतर रात स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यभित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें थे।

स्पद्धकरण:--६ समे प्रयक्त मन्दो गौर गर्दो का. जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिशापित है वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया gui 8 .

### बन्स्ची

दपार कक्ष नै० 213/214 क्षेत्र 6,90 व० फ०. पगा--- 2, ताच बाजार स्ट्रीट) व्यवस्ता ।

21-7-84 नारौद्ध में 1 ए० नी०: एक्यु० रेंग-द्वारा विश्व हमा।

> शंकर बैनर्जी सक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -प्रार्वतः रोज-3, व'लवसाः

तारीख 14-3-1985

### मायकर मिनियम, 1981 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के नथीन स्पना

### गारव शहरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजंत रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेश सं० 1729/म्रर्जन रेंज-3/84-85--प्रतः मुझे. शंकर बनर्जी.

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'यकत मिनियम' महा ग्या ही, की माड़ा 269-च में नभीन समन प्राविकारी की, यह विस्माध करने का कारण ही कि स्थानर सम्परित, जिसका उपित बाचार मून्य 1,00,000/- रा. में जिथक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो लाल बाजार स्ट्रीट, कल० में स्थित है (और इसमें उपानद प्रानुसूची में और पूर्ण स्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीयती श्रिधिकारी के कार्यात्य, 1 ए० मी० एक्यू० रेंज-III, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीक 20-7-1,984

का पर्वेक्स समात्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गड्ड 5 यङ्क विष्वास करने 8 का कारण कि मधापवाकित संपरित का उचित भाजार मुख्य, उसके श्वयमान प्रीतफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से **कथित** नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्त वैधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरण वी दाणिक में किसी करने या उससे जवने से स्विधा के किए; और/बा

कतः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी. भी, खक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीर जिल्लामिसस कार्वितयों, अधीर ह—

- 1. मेसर्स टोंकी टीं० कों० (प्रा०) लिं० (श्रन्तरक)
- 2. मेनसं पंचशील होल्डिंगस एण्ड एपार्टेसेंट्स (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कारके पृश्नेंक्त संपरित के न्वंन के विष् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संप्रित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओब ह---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की बनीं में भी बनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्य स्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीश श्रे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मित्त में हितबबुध किसी जन्म स्थित द्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा कर्केंगे।

स्कृतीक रणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### कर करें

द्रपत्र गक्ष नं० 218, क्षेत्र 662 व० फु० पता--2, लाल बाजार स्ट्रीट, यन्त्रता। 1 ए० मी० एक्यु० रोज-सा द्वारा 20-7-1984 तारीख में निबन्ध हुआ।

> र्णाल जैनजी शक्य प्राधिसारी सहाया क्षापसर क्षायुक्त (शिक्षिण) क्षाजीन रोजिन्श, कालकक्ता

तारीक्": 14--3-1985

मोद्धर :

प्रकृत आई. टो. एव. एस. -----

### नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, राहाभक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्धन केंग्र, एक का

स्कुला, किले ।उस्पति ⊥985

निदेश सं० 1730/अर्जन रेंश/84-485--- प्रतः मुझ, प्रांतर कार्जी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उपिन बामार मृल्य 1,00.000/-रु. से बिधिक हैं

और ि.की सं० 11-ए० है तथा जो बार्ना पार्क, बल्पाता में स्थित है (और इनसे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से विणित है), रिवस्ट्रीयकी अधिवारी के दार्यालय, दल्पाता में रिजस्ट्रीयका अधिनयम, 1908 (1908 दा 16) के अबीन, तारीख 24-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यवाप प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृश्वे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है ;—

- (क) बन्तरण से हुई कि छी आब की बाबत, उक्त वर्षिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उनसे बणने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन अन्य अस्तियों की जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिभा के लिए;

नतः नव, उक्त प्रभिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित स्वक्तियों, अर्थात्:— 1. भीरपती रेंगु अञ्चविती

(धरन्त एक )

2. थी मानवन्त्र घनजी

(अन्तिः निर्दिशे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हु।

**उथत सम**्पत्ति को अर्थन को सम्बद्ध में कोहें भी धा**लेप** :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्यस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय से दिया नया है।

#### अनुसूची

पता--11 ए०, मानी पार्क, शतकाना। प्रमथना रजिस्ट्री ४५वर द्वारा 24-7-84 ता० सं डीड नं० 1 8632 शतुभार एडिस्ट्री हुआ।

> वसर बुनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायदः श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जनरोजें 3, शलकत्ता

तारीखा: 14-3-1985

महिर:

अरूप का प्रस्ता एखा निर्माण विश्व कामिश

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 369-व (1) के विकास

**阿瓜科** 电流系统

कार्योत्तय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेज-- ३, वलकत्ता

क्लक्ता, दिनोज 14 मार्च 1985

निरेश सं॰ 1731/अर्जन रेल-<math>3/84-85—अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांत जिसकी सं० 321 है, तथा जो गाडियाट रोह, कलकत्ता में स्थित है (भ्रांत इससे उपाबद्ध अनुसूत्री से भ्रांत पूर्ण एप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना भ्रियासी से कार्यालय, 1 ए० मी०, एक्यु० रिज-III, अलक्ता में रिजस्ट्रीकरण भ्रियित्मम, 1908 (1908 का 16) के भ्रतीत, सारीख जलाई 1984

कां पूर्विकत सम्पत्ति को जीवत बाकार मुला से काम के प्रस्मान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुळे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संगीत का उचित शाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एमें खब्बशान अतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है,और मुक्ते वह विश्वास करने (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरणे के लिए हथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक हथ से किथित नहीं किया एया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अन्य की वाक्षा अव्य जिनियम के अभिन कर याने के अन्तरक के दासित में अभी करने का दारने उच्च भी स्थितिका के जिए; भी 'प्र
- (क) प्रेसी किसी लाय पा किसी भन या छन्य अस्तियों की, पिन्हों भारतीय आयकर अभिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिधम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ करती ह्यारा तकत मही किया गया था ता किया जाना भारतिस् या किया यो सिक्या जाना भारतिस् या किया यो सिक्या काना भारतिस् या किया यो सिक्या काना भारतिस् या किया यो सिक्या काना भारतिस् या किया यो सिक्या के सिक्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियां, अर्धातु:----

- 1. मेशर्स अमृत कार्माशयल कं० (प्रा०) खि० (श्रन्तन्क)
- 2. श्री श्रशीक कुमार बोस (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्ट सम्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हूं।

बयत अन्परित के अर्बन के सम्बन्ध में कारे भी वाश्रेप:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीषित ही, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसृची

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1985

माहर 🖫

### प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3, कलकत्ता

वलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1985

निरेश सं० 1732/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मझे, शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परात् 'डक्त अधिनियम' कहा रुपां**ह**ै), की धारा 269-इन की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर भिक्ती सं० 2/7 है, तथा जो भरत बोन रोड, कलकत्ता में स्थित है (प्रोर इतसे उपायद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिन्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 1 ए० सी० एवित्र० <sup>के</sup>ंगं−Ⅲ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-84 को पूर्वेशित सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से काम के शरयमान प्रतिफल तिए अन्तरित गहुँ विश्वास करने का कारण ह<sup>ें</sup> कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृदयमान प्रतिफल सं,, एसे दृदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंस-रितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उदुदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के संधीन कर दोने के अंतरक की कायित्व माँ कामी कारने या उसमें बक्ष्ये मां मुनिधा ं व दिल्ल, जोर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्ला अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा स्कट नहीं किया गया धा सा किया जाता चाहिए स, जिल्ला में ग्रिक्स के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हों, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- া. मै॰ অন্ভয়ারা স্নার্থনীর (সা॰) লি৽ (अन्धरक)
- 2. मैं० व्हिनसमास प्राजेक्ट्स प्रा० लि० (ऋक्षरिसी)

को यह सुचना जारी करके पृत्रायत सम्परित के अर्जन के लिए कायपाहियां करता हो।

राष्ट्र सम्पर्ति क वर्जन के म अन्य में कार्य भी बाक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अअधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर र्जन को हामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अविष्य बाद का समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त सर्वेदर १ र में किसी केरिक्त देवार ह
- ्(६) इन्: सुभना जे राजभाराम अकाशन का लाया**ण ह** 45 (६०० वेकर २३) स्थल र प्रशंत मा उ**हाप्यक्र** कियी अस्य गर्भक इंदारमा व्यवस्था**धारते। के पोरू** जिल्हा भाग गुणा गर्भका

**भक्तिकरण** - - समा प्रकृत अपना और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा मका 🕫 🐇

#### श्रनुसूची

बमुनधरा, 2/7 शस्त बीत रोड़, कलकत्ता क्षेत्र-1086व० फु०। 1 ए०सी० एक्त्रि० रेंज-111, बलकसा द्वारा 269ए०बी० श्रारा श्रन्ताण 4-7-84 सा∙ में नियन्त्र हश्रा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर **आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज—][]. क**लकला**

तारीख: 14-3-1985

प्ररूप आर्प. टी, एन. एस.-----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सःगयक आयक्त आ<mark>यक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन **रेंज**∸3, क**सकत्ता** 

्रुलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० 1733/अर्जन रेंज-3/84-85--ग्रसः मुझे शंकर बनर्जी

शायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्ब 25.,000/- रो. सं अधिक हैं

प्रांद जिलको १० 2/7 है, तथा जो घरत बोम रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रांद इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांद पूर्ण का से बणित है), रिजल्ट्रीनर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 1 ए० सीठ एक्विंग रेज-3, कलकत्ता में, रिजिल्ट्रीकरण श्रधिनियम, 190'8 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-7-1984

को पूर्वीति सस्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने, का कारण है कि सथाप्बेंक्ति सम्मिति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशिक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रति-चम, निम्निलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अमी अरने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; करिनेशा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंधीरनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: अब, उयस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-----

- मै० बसुन्धारा प्रापर्टीस (प्रा०) लि० (ग्रन्सरक)
- 2. विजिनकास प्रोजेक्ट्स (प्रा०) लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्पन्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---- इरमें प्रयुक्त याब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनुसूची

बमुन्धारा, 2/7 शरत बोस रोष्ट्र, कलकत्ता क्षेत्र-955 वं फ्रं।

1 ए० सी० एक्विं रेंज—III, कलकत्ता द्वारा 269ए०, बी० घारा 4 श्रवृतार 4-7-84 तारीख में निवस्थ हुन्ना।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुपत (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-III, कलकत्ता

तारीब: •14-3-1985

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन संभाग

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3, क्लकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निधेश सं० 1734/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मझे, शंकर बैनर्जी,

कामकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह जिल्हाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 11/3 है, तथा जो बान्ड बालीगंज सेंकन्ड लेन, केलकता में स्थित है (श्रीर इनसे उदाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इन्द से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए० सी०, एक्वि० रेंज-3, कलकता में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के ध्रयमान अतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्ड प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्थ को, को उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात :--- 1. श्रीमती श्रनुराधा चौधरी

(अस्तरकः)

2. श्रीमती अनिमा गृह

(%)न्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्ने भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील में 50 दिन की व्यक्तियों पर स्वता की तामील में 50 दिन की व्यक्तियां आों भी अविध बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियां;
- (स) इस स्कान के राजपश मो प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीति जनत स्थाकत अमिति मो जित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हा अधोहरनाक्षरी है पास विखित मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दा अ(र पदी का, जो सक्त अधिनियम के अध्याप 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जम अध्याम में

### मन्स्थी

फ्लाट नं० 26 (5वां फ्लोर)

पता—11/3, वान्ड वालीगंज सेंकन्ड लेन, कलकसा। आई०ए० सी० एस्वि० रेंज-3, कलकत्ता द्वारा 269ए० बी० धारा के प्रतुमार निबन्ध हुआ।

> शंकर **बैनर्जी** ग्रंथम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1985

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ए (1) के महास न्यना

#### भारत सरकार

कार्याक्षयः क्षाप्तः आपुष्तः (विशिक्षणः) अर्जन रेज पलकता यसकता, दिनांकः 14 मार्थः 1985 ,

निदेश सं० 1735/प्रशंत रेज-3/84-85---प्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर लिंबिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'छक्त बिधिनियम' शहा गरा हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी छो, यह विद्यास करने कारण हो कि स्वीहर स्पील, जिसका कोचल बाजार राज्य 1,00,000/- क. सं विनिक ही

श्रीर जिनकी सं० 1/1 है, तया जो लेक एवन्यू, कलकत्ता, में स्वित है (ग्रोर इनते उभावद्ध श्राप्त्र में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजन्ट्रोकर्ता श्रीकर्मा में कार्यालय, आई ए० सी० एक्यू० रेंज-3, में, रिजन्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, कारीख 16-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार, मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्दरित को गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभाष्य कि द्रश्रीत का उचित बाजार बूस्म, उसके द्रायमान को एति में एति लगामान प्रतिफल का बन्दर प्रतिफात से अधिक ही और अवर्क (अंग्रस्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एगें अंतरण के लिए उथ पाया गया प्रति-कस, निम्नोनिक्त सब्द्रायय से अवत खन्तरण निवित में बास्तिक कप से किंग्रत नहीं किंका भगा है :—

- (का अन्तरण महित्र किसी राज्य की वेश्वर्त, उत्तरण अभिनियम की अभीन कर दाने के अन्तरक की दासिएल मी कमी करने मा उपयेचनने भी सुविधा कि किसी अभिन्या
- (क) एता किहा गा बंगह थी पन या जन्म अस्तियाँ का जिन्हा भगलंग अमकार अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या प्रचः गीर्माचण, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुत्रीति ब्वास प्रकट नहीं किया गया भाषा शिका प्रचा नहीं। किया से स्थान

बत: सक, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण हो, हो, बन्ध अधिनियम २१ एटर 200 थ की उपभारा (1) ब हमीस, निकालिक्षित स्माध्यामां, अधिन् :----  मै० क्षेक प्लेष कोब्राएरेटिव हाउसिंग मोसाइटी सि०।

(अल्लरक)

2. श्री एस० महादेवन

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए राजपाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यवितरती पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशरा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारांख , सं 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हिस्ताद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में एक गया हैं।

### बन्स्ची

फ्लाट नं० 21

प्रमान्ति, 1/1 लेक एवेन्यू, कलकत्ता।

आई ए० सी०, एक्यू० रेंज-3, कलकत्ता द्वारा 269ए० की० भारा के भनुसार निवन्ध हुआ तारीख 16-7-84।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी **सहायक श्राय**कर <mark>प्राय</mark>ुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, कलरूत्ता

तारीखा: 14-3-1985

मोहर 🗦

प्ररूप आईं, टी. एन. एस. -----

जायकः, विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

### भारत् सरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज 3 कलकत्ता कलकत्ता, दितांक 14 मार्च 1985 निदेश सं० 1736 प्रर्जन रेज 3/84-85---धराः मुझे शंकर धनर्जी ,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 11 ए० हैं तथा जो पाम एवेन्यू कलकता में स्थित है और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यू आर-III कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक 7 जुलाई 1984 को प्रांचित संपत्ति के उचित बाबार मृत्य है कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित ही गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथा प्रांचित संस्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पामा गमा है :----

- (क) बंगरण से हुइ किसी बाय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में मृतिधा के लिए; बौड/वा
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों श्रं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 का 27) अने-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविभा के किस?

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>त</sup>, उक्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----3---46 GV85

- (1) मैंसर्स के॰ एनं॰ प्रपटोस (प्रा॰ लि॰) (धन्तरक)
- (2) सत्यनारायन खानडेलवाल और भ्रन्य (भ्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में काई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थावत व्याय, जभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकेंगे।

हपख्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नप्त्यी

पलौट नं० 5 मी० 11ए पाम एवेन्यु 1 श्राई०ए०सी एक्यू श्रार-III द्वारा 7 जुलाई 1984 दिनांक में निबन्ध हुन्ना श्रायकर अधिनियम 269 ए वी धारा श्रनुसार

> शंकर पनर्जी पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 कलकता

दिनांव: :- 14-3-1985

प्रकपः, बार्षः, टी. एम., एस., -'त - - -

मायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

### भारक सरकार

कार्यालय, सहायक अवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , 3 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांव 14 मार्च 1985

निदेश मं० 1737 श्रर्जन रेंज /3/84-85--श्रतः मुझे शंकर अनर्जी

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के विधीन सक्षत्र प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्णिक बाजार मृत्यं 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 9/8 मी है तथा जो मुर एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यान्य आई० ए० सी एवयू आर-II कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य से कब के दब्बमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गर्व है और मूर्ज यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से मिथक है और बन्तरक (अम्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उच्चेष्ट से उक्त बन्तरण विचित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुनिधा की निए;

(1) श्रीमती मारूल मेन

(भन्तरक)

(2) ग्रहण विदाश सेन

(भ्रन्तिरती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:---

- (क) इत स्वान के रावषण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्यंच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्राँर पथां का, को उन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा को उस मध्याय में विया मुसा है।

#### अगस ची

पता 9/8 सी मुर एवेन्यु कलकता आई० ए० सी एक्यू आर-3 द्वारा 269 ए वी धारा अनुसार 28-7-84 ता में निकन्ध हुआ

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 3 कलकासा

नतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिति व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक :- 14-3-1985 मोहर : प्रकल नाहुँ हु दर्ज हुन हुन है के कर स्थान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्वना

#### भारत चहुकार

### कार्यालय, सहायक नायकर जावृत्रत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 3 वरलक्ता कलक्ता, दिनांक 14 मार्च 1985 निदेण सं० 1738 श्रिजंन रेंज-3 /84-85-- मतः मृष्ठी शंकर बनर्जी धावकर विभिन्यन, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इतके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्नित बाजार मृस्य

1,00,000/- र. सं अधिक हैं
और जिसकी सं 1 सी है तथा जो बी । सी ० रोड़ कालकता
में स्थित हैं (और इससे उवाब अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वृणित हैं) रिजस्ट्री । ती प्रधिकारी के कार्यालय प्राई ए सी
ऐक्यू प्रार-III कलकत्ता में रिजस्ट्री करण प्रधित्यम,
1908 (1908 का 6) के अधीन दिनांक 25 जुलाई 1984
को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभो
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त
संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण चे इंद्रं किसी आव की वावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए में कमी करने वा सबबे वचने में सुविधा के सिद्; और/में।
- (भा) एंसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारं प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिपाने दें सुदैवधा के जिए।

सतश क्षत्र, उत्सत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में मैं, उत्सत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिखित अधिनायों, क्षंशींत्र ह— (1) प्रदीपराज धनसी, ।

(भ्रन्तरक)

(2) कमीन्ज ढीजल सेल्स एन्ड सर्विस (प्रा॰) लि॰ (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिरुष्ट कार्यवाहियां करता हा।

### जनत समिति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र अ--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों स्पिक्तयों पर चूचना की सामील से 30 दिन की अवधि को भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए या सबीगे।

श्यक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्द जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **मनुसूची**

पर्लंट नं० 94 ब्लाक ए क्षेत्र 1800 व० फुट टोभोली कोर्ट, 1 सी बी० सी० रोड़ 1 ए सी एक्यू धार-3 द्वारा 28 जुलाई 1984 दिनांक में 269 ए बी धारा ध्रमुसीर निवन्ध हुद्या ।

> मंकर मनर्जी सक्तम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण,) भर्जन रेंज – 3 कलकत्ता

दिनांक :→ 14→3-1985 नोहर ः प्रक्य गाइ. टी. एन. एस.----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### शाहर बर्काड

### कार्यांकय, सहायक अध्यकर जानुकत (निरक्षिण)

प्रर्णन रेंज 3 कलकत्ता'
 कलकत्ता दिनांक 14 मार्च 1985
 निदेश सं० 1739/ प्रर्जन रेंज 3/84-85--प्रतः
 मृष्ठी शंकर जनजी

हारवंकर मिधिनवम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परकार 'उक्त मिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह मिस्वास करने का कारण है कि स्थायर सुम्पत्ति, विसका अभित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गहियाहाट रोड़ कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद भनुभूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्सा भिधकारी के कार्यालय भाई ए सी एक्यू भार $-1I_I$  कलकत्ता से रिजस्ट्रीकरण भिधित्यम के भिधीन नियम 1908 (1908 का 6) के भ्रधीन दिनांक 31 जुलाई 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्वसमान् प्रतिक्षम के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके द्वसमान प्रतिक्ष्त सं, ऐसे द्वसमान प्रतिक्ष्त का बन्द्रह प्रतिद्यत से मृश्कि है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तम पाया नया प्रतिक्ष्म निम्मितिद्यत उद्विचय से उक्त बंतरण सिचित में वास्त-विक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वैदारण से हुए चिची बाय की बांबए, उथके बिप्रिक्ष के क्षीन कर बाने के बंदारक के वाजित्य में कनी करने वा बखबे बचने में बुविका के लिए; शरि/शा
- (थ) होती किसी बाद वा किसी बाद वा अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर ब्रिश्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए बा, जियाने में सुविधा है विद्राः

वतः, वतः, उक्तः विधिनयमं की धारा 269-गं की वनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) श्री बी० के० प्रपार्टिस (प्रा०) लि०
  - (भ्रश्तरकः)
- (2) हिन्दुस्थान लिवर लि०

भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके नुवीनत सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवादियां करवा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहुस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण:---इसमें प्रयानत शब्दों और पर्दों का, भी उनस विभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अंगसची

फ्लैंट नं० 9 बी और एक गैरेज पता 18/2 गडियाहाट रो कलकत्ता 30 जुलाई 1985 दिनांक में म्राई ए सी एक्यू भार-3 कलकत्ता द्वारा 269 ए बी धारा म्रनुसार निबन्ध हुमा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर **प्रायुक्**त (निरीक्षण) **प्रजैन रें**ज 3 कलकत्ता

दिनांक :→ 14-3-1985 मोहर प्ररूप गाइं.टी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 3 कलकत्ता

निदेश सं० 1740 /धर्जन रेंज 3 /84-85 →-अतः मझे शंकर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

औ जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गडियाहाट रोड़ अलकता में स्थित और इस उपाबद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रूप से वर्णित हैं , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय आई० ए० सी० एक्स् आर-3 वववता में रजिस्ट्रीअरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 जुलाई 1984

करे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्के अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: क्षश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नालिकित व्यक्तियों, वर्णात् ■—— (1) बी० के० प्रपर्टिस (प्रा० लि०)

(अन्तरक)

(2) हिन्दुस्थान लिवार (लि०)

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ि) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नग्स्ची

फ्लैट नं० 9 ए और एक गेरेज पता 18/2 गिडियाहाट रोड़ कलकता 30 जुलाई 1984 दिनांक में आई ए सी एक्यू खार-3 कलकता द्वारा 269 ए बी धारा ध्रनुसार निबन्ध हुआ

> र्शकर बनर्जी सक्षम प्राविकारी सहायक आवकर थायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 कलकत्ता

दिनांक : 14-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप काइ . टी. एन , एस ,-----

### ं जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जचीन सुज्जा

#### भारत सरकार

कार्याल**य, महायक आयकर जाय्**क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेण सं० 1741 प्रजैन रैंज 3/84-85--- प्रतः मुझे शंवर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी मं० 2, है तथा जो भाशतोप मुखर्जी रोड़ कलकता में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण ख्य से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय आई० ए मी एक्यू श्रार-3 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिना 13 जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृत्य, उगके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (बन्तरिश्यों) के बीच एसे अन्तरक के बिए तय गया नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चविष से उच्च अन्तरण लिखित वास्तिमक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अधी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए; और/या

भतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनीखत व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) म्ननुणित गांगुली आंर म्रन्य (म्रन्तरक)
- (2) भरिबन्दु कुमार गरच (एच० यू० एफ) (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाद्यिं शरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियत्र के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

#### अनुसूची

पलैट 5 वाँ पलोर में पता 2, ग्राशुतोष मुखर्जी रोड़ कलकता क्षेत्र 800 वर्ग फुट आई ए सी ए सी एक्यू ग्रार-3 दफ्तर द्वारा निबन्ध हुन्ना 13-7-1984 दिनांक में

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 कलकत्ता

दिनांक → 14-3-1985 मोहरःः प्रकप बाई.टी.एन.एत.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, रहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण) अर्जन रेंज, कलकता

कलकता, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेण सं० 1742 श्रिजन रेंज-3/84-85 -- ग्रन: मुझे शंकर बनर्जी

अपनकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थानर संस्परित, जितका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 186 ए है तथा जो राम बिहारी एबन्यु कानकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के नार्योग्य कराकता में रिजस्द्रीत्यरण अधिनियम 1908 (1908 ता 16) के अधीन विनां र 31 जुलाई 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य ते कम के ज्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्याम शुमार मिल्ल

(श्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार दत्त और प्रन्थ

(श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के खिल् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, आ भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएवक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है:

### अनुसूची

जभीन 6 विन्ठा 10 छ सह दो तल्ला मकान पता-186क घार बिहारी एक्क्यू धलकता रिजिक्ट्री दफतर द्वारा डीड नं० 1 8788 दिनांक 31 जुलाई 1984 प्रतुक्षार रिजिस्ट्री हुआ।

> मंदार बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 14-3-1985

प्रकृष बाह्र , द्वी , एन , एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० 1743 धर्जन रेंज - 3 /84-85--ध्रतः मुझ, शकर बनर्जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ?69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4 है तथा जो क्रकेड लेन कलकत्ता सें स्थित में हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकृत प्रिधिकारी के कार्यालय आई ए सी एक्यू आर.—111 सें, रजिस्ट्रीकृरण अधिनियक के 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृष्कुक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए: बीह/या
- (क्ष) ए सी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या विस्था जाना चाहिए था, खिपाने में सुर्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपः अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन रिप्पलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रजन्ता अडिट वास्पेरिशन

(भ्रन्तरक)

(2) मतिलाल नरेश कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांत से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर स्वान कि तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समान्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### **जन्**जुची

कार्यालय अक्ष क्षेत्र-6053 व.५. पता-1, ऋकेड लेन अलकता आईए सी, एक्यू ग्रार-III कलकता द्वारा 269 ए बी धारा श्रनुसार दिनांक 27 जुलाई 1984 निबन्ध हुमा

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज,कालकक्षा

दिनांक : 14-3-1985

मोहरू ::

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. -----

आयथार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की दारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजयः, महायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्यन रेंग, प्रसन्ता

्यक्षकत्ताः, विनांक 14 मार्च 1985

नियंग सं० 1744/ श्रृजेन हें। - 3 /84-85 ~- श्रहः मुझे शंदण बन्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से शिधक है

ऑल जिल्ली संव 8 /1 ई है तथा जो पाम एवेन्यु अलकता में ल्यित है (और इनरे उपायह अलुसूनी से और पूर्ण रूप से विकार है ) लिल्लिइटिली अधियारी के वामील्य कलकत्ता रे किल्लिइटिल प्रिट्टिसम, 1908 (1908 रा. 16) के अधीन दिन्ति जुलाई 1984

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली नाय की बाबत खावत खिल-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिधा के लिए:

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :——
4—46 GI/85

ा. श्रीमती मापा चौदरी

(भ्रम्तरकः)

2. श्रीमती उमा देवी परशरामका

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया हैं।

#### अनुस्ची

जमीन 2 नठा, 8 ष्टः सह दो तल्ला भकान पता-- 8/1 है पाम एवेन्य, कलकता,

रिजिस्ट्री दफ्तर द्वारा डीड नं० I 8151 तारी**ख** जुलाई, 1984 अनुसार रिजिस्ट्री हुआ।

शंकर धनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्वक रोज-3 कलकसा-16

तारी**ख** 14-3-85 मोहर: प्ररूप **भार<sup>\*</sup>्र** टी., एन., एस<u>.</u>, -----

भावकर गिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत परकार

### कार्यास्त्र, सहायक नामकर नाम्कर (निर्देक्तन)

ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1985

े निदेश सं० 1745/मर्जन रेंज-3/84-85--मतः मुझे, शंकर बनर्जी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 2 है तथा जो श्राणुतीय मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्यू० रेज-3 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीत, दिनांक 14-7-84

को प्राक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कं रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जंतरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा कियाने में स्विधा की निए?

अतः वाव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनसरण वां, वां, उक्त, अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, विधीत् हि—— 1. मनुजित गांगुली और मन्य

(भन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार गरच (एचयूएफ)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निचित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

#### अनुमूची

्लाट नं० 5 तत्ला भें क्षेत्र- - 800 व० फु० पता- - 2, श्राणुतीय भुखर्जी रोड, बाजनता- 20 आईएसी, एनयू० श्रार- III दफ्तर द्वारा 37ईई फर्म श्रनुसार निवन्ध हुश्रा, दिनोक 14- 7- 84

> णकर वार्जी संद्रम प्राधिकारी सहायक श्रादकर श्रायुक्त ्रिरीक्षण) श्राजैन रेंज,-3 नजस्ता-16

বিনিটি 15∼3−85 >>

मोष्टर :

### मुक्तम् बार्च , दी. एव. व्य. -------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वात

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कल हता, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश र्स० 1746/भ्रजंत रेंज-3/84-85---भ्रतः मुझे, शंकर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुप्ये इ अधिक हैं

श्रीर िाकी संख्या मीजा कसबा है तथा जो धादवपुर 24 परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अटि/या
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

कतः कवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— विधुतपर्गा भट्टापार्य

(अन्तरक)

2. रथीन्द्रनाथ भट्टाचार्य

(अन्तरंग्ती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मन्वन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, औ भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के. पास लिसित में किए आ सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

#### मनस्पी

जमीत—5 कण्ठा, 3 छटांक पता—मीजा—कसवा, यादवपुर, 24 परगणा रजिस्ट्री दत्तर, कलकत्ता द्वारा डीड नं० 3246 दिनांक 10~7~84 श्रनुसार रजिस्ट्री हुश्रो।

> मंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज,कलम

दिनांक 12-3-85 मोहर: प्ररूप . आह्र . टी . एन . एसं . -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकता कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० 1747/अर्जन रेंज-3/84-85--ध्रतः मुझे, शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उपनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

शौर जिसकी संख्या 15 बी है तथा जो भवनाथ सेन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल हत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-7-84 को पूर्वोकत संपत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के अध्यवान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृस्य सम्में यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके अध्यवान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तों) के बीच एसे क्तरण के मिए तथ पाया गया प्रविफल , निस्तिलिक्त उद्देश्य से उचित कन्तरण लिखित में बास्तिक है स्था से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयी भा या किया जाना गाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

जतः अब्. जन्नतः अधिनियमः की भारा 269-गं के अन्तरण में, में उपत अधिनियम की भारा 269-नं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्योक्तयों, जर्भाद्यः—— 1. श्री श्यामल कुमार मुखर्जी

(भ्रन्तरक)

2. क्षी प्रफुल्ल कान्ति घोष स्रोर श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सन्यान के कनन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकारन की तारीख में अठ दिन की अवधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताक्षरी की गास तिक्का में किए का मर्थोंगे।

स्पट्टीक रण: ---- धनाई प्रश्नमत शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के जध्याय 20-के में परिभोषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गमा हो।

### ग्रनु सूची

दोतल्ला मकान सह जमीन 1 कण्ठा 1 छटाक, पता—15 बी भवनाय सन स्ट्रीट, कलकत्ता डीड नं I 7688 दिनांक 5-7-84 अनुसार रिजस्ट्री दक्तर कलकत्ता द्वारा रिजस्ट्री हुआ।

> गंकर वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रारुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कलकत्ता

दनांक 15-3-85 मोहर :

### शस्य आहां. ती. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन स्वमा भारत सर्कार

कार्यालय . सहायक सायकर जायकत (निरक्षिण) अजन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० 1748/भर्जन रैंज-3/84-85--भ्रतः मुझे, संकर बनर्भी

भायकर अध्यतियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सकाम पाणिकारी को यहं जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थानर मुम्हित्त, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/~ का से अधिक ही

श्रोर जिनकी पंख्या 242/1 है स्या जो प्रिंस भनवर शाह रोड, कल कना में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हवीं अधिकारी के कार्यालय कल कता में रजिस्ट्री हवा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-7-84

ध्य पूर्विका संपत्ति के उचित बाजार मृथ्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास १२५ का कारण हो कि यथापूर्वियत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उप्तमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतियों के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्देश्य से उठत अंतरण लिखित में भारतीवक एप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की शायत, उक्स अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा है है के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री हरिएद चक्रवती

(भ्रन्तरक)

2ः श्री पश्चित्र कुमार दास भौमिक

(भ्रग्वरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्धत्ति को अर्जन की लिए कार्यवाहियां ध्यरता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेष :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र को प्रकाशन की हारीय वें 45 दिन की अविधि वा तत्त्रवंधी व्यक्तिकों दृष्ट सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मित्त में द्वित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया एका हैं।

#### BREW

प्लाट नं ० बी-2 क्षेत्र---500 वर्ग फूट पता--242/1, प्रिन्स धनवर णाह रोड, कलकता डीड नं ० 3127 दिनोंक 3-7-84

> गंकर बनर्पी **तक्षन जाभिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षक) ग्रजॅम रेंज-3, कक्ष*न*ता

तारीख: 15-3-85

प्ररूप आर्थ, टी. एन. एस. - -

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 कम 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकार कायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, मद्रास

मद्रात, दितांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं० 1/जुलाई, 84--धतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्के इरच्डे परभात् 'उद्त निधनियम' कहा गया है), की पारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने 🖦 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 383 है तथा जा पुरुषिजयकर काविल स्ट्रीट कान्केमनल्लुर में रियत है (श्रीर इयथे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण **रू: से व्हा**णित है), किस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ए४० श्रार० काठपाठि दस सं० 2195/84 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1984

का प्रविकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के उदयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **करनं का कारण ह**ै कि यभाजुर्वेक्त सम्पत्ति का उ**षित बाजार** भूरूप, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिक्षत उद्देश्य सं उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिबक रूप म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्तरण स हुइ किसी माय की वाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; मरि/श
- (स) एसी किसी अाय या किसी धन गा अन्य असितमां को, जिल्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा भनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में महेत्रभा की लिए

टी० छार० प्रषोधमन

(भ्रन्तरक)

9. श्रीटी०टी० पलिन

(भन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पूर्वे क्लि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया सरा करता हो।

उक्त राम्पिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी आमील सं 30 दिन की मुत्रिभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास रिस्तित में किए जा सकेंगे।

**ल्पक्टीकरण:---इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो अ**क्ट** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियो 🖰 न्या हुन ।

#### **बग्**र्भी

भूमि ग्रीर निर्माण--383, पृद्विजयकर काविल स्टीट. कान्केमनल्स् र ।

(दस: र्स० 2195/84)

प्रेम मासिनी वासन नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, मद्राय

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्नस अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारोखा: 20-2-85

मोहर 🕽

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

**कामकर निपत्तिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्व**ना

#### भारत सरकार

### कार्यांचयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, मद्रास

मदास, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

तिदेश सं० 2 जुलाई/84----श्रतः मुझे प्रेम मालिनि स्वासन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह िश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसके: सं , सर्वे नं 185/1 है तथा जो का कली नवूर में स्थित है और इगम उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) राजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय एस० धार० काठपाठ दप० सं 0 2219, 2211, 2212 और 2213/84 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को प्रांवत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तिंकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बत्तिरितियों) के बीच एमें उपतरण के सिए सय पावा गया बित्तकत, निम्नलिबित उद्देश्य में उक्त अन्तरण तिवित में बास्तिक रूप से बाबित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अकत व्यक्तियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनसे अवने में स्मिधा के तिए; और√या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं, किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के निया।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1( श्री एस० कगजसवार्षीत ऐमर ।

(धन्तरक)

(2) श्री वी० ग्रमुदाकनेसन क और श्रन्य (धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के खिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी
  अवधि दाद में संगाप्त हांती हा, के भीतर पूर्वोचच
  स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित मों किए जा सकेशी।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भी खबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा तो उस अध्याय में विका स्वाही।

### अनुसूची

निर्माण सर्वे सं० 185/1 कलीनवूर (दस०सं० 2210 2211, 2212 और 2213/84)

> प्रेम मालिनि वासम सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेज, महास

दिसाँक 21-12-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एास.------

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्वास्त्र , सहायक कार्यकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, मधास

मदास, दिमांकं 21 फरवरी 1985

निवेच सं ● 4/जुनाई/84-प्यतः मुझे, शेम मालिनि ससन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. के अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 421 है तथा जो विक्पाचिष्ट्रम गांव बेलूर तालुक में स्थित हैं (और इसले उपावद प्रनुसूची में भीर पूर्ण कप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रविधकारी के कार्यालय जीव एसे बारे । विल्हा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्वी तत सम्पत्ति को जिनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफक्ष के लिए अन्तिरत की गई है और कुमें यह पिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वी कर सम्पत्ति का जिनत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफक्ष से, एसे व्ययमान अतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विक से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) अल्पारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिक्स भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की नधीन, फिल्मिलिक्स व्यक्तियों, अधित :--

(1) श्री एं० एस० ए० परमसिवम

(ऋन्तरक)

(2) श्री वि० संलबराजा

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपृष्टि के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुन्नेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

भूमि स्रोर निर्माण, विष्पाचिपुरम गांध वेलूर ालक, सर्वे सं० 421 (दस॰ सं० 2567/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुवत (विरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

वियोक : 21-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्देशण)

ग्रर्जन रेंज-, मद्रास भद्रास, दिनांक 28 जनवरी 1985 निदेश सं० 8 जुलाई/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव एसव नंव 310/7 तथा जो वार्ड संव 1 इसा करें वार्ड संव 1 क्लाक संव 12 तिरुपत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एसव स्नारव तिरूपतूर दसव संव 2267/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्नियीन तारीख ज्लाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण निष्ति में बास्तिक खप से कृषित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंती किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 5—36GI/85

('1) श्री पी० एस० कोबालन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पटेल नवाब सकिब

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्त्री

भूमि और निर्माण वार्ड सं० 1, ब्लाक सं० 12, तिरुपतूर टी० एस० सं० 310। (दस० सं० 2267/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज; मद्रास

दिनांक : 28-1-1985

### म्बर् बार् ः टीः पुरुः पुरुः "----

नायकः ऑध्योनयम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-प (1) से मधीन सुन्ना

#### NICE SEE

### कार्याक्ष्म, ब्रह्मक भागकर नाम्कल (निर्देशक)

भ्रजीन रेंज-1 मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1985

निवेश सं० 9 जुलाई/84—प्रतः मुझे; प्रेम मालिनि वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 काटेरी रोड तिरूपसूर टाउन है तथा जो तिरूपसूर में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) रहिजड़ीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय एस० प्रार० तिरूपसूर दस० सं० 2326/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीजिस्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिस्ति में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है हिल्ल के सिंग कर से काथत नहीं किया गया है हिल्ल

- (का) बन्तरण से हुई किसी नाम की नामता, उन्नत निध-ज़ियम के अधीन कर बोने के बन्तरक की दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के स्थिए;

ंबत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीटी०ए०पदमनबन।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन मुदलियार और भ्रवय

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स संपृति के वर्धन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना को श्रामपण में प्रकासन की तारीचा से 45 दिन की ब्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाह्य;
- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
  बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
  पास किहित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकर्ण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौ का, जो उच्त जिम्मिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

#### अनुसूची

बिल्डिंग सं० ७, कचेरि स्ट्रीट, तिरूपसूर। (दस० 2326/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29-1-1985

मोहरः

प्रस्य बाह्<sup>\*</sup>् टी<sub>ं</sub> एग<sub>ं</sub> एस<sub>ं</sub> ल-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं • 10 जुलाई/84—श्रतः मुझे प्रेम मालिन वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुसे अधिक है

और जिसकी सं अवें सं 61 है तथा जो तोष्ट्रमुटयाम्पट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० एक्मेपट्टी दस० सं 0 1128/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1984 को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे बंतरज़ के बिए तब पाया ग्या प्रतिक्ष का निम्मीबिद्द उद्देश्य से उसते सन्तर्भ विविद्ध में बाद्धिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क्क) बन्दाहम से हुइ कि की बाय की बायद , अबद अप्रिनियम के बभीन कर योगे के बन्दाहक को बायित्स में कभी कुहने वा उपस्ते ब्याने में सूर्तिया के लिए; और/या
- (क) होती कि जी अन्य वा कि जी भूग वा अन्य अस्तिनाँ को चिन्हें भारतीय नायु-कह अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उन्हें अधिनियस, 1957 का 27) के प्रवादमार्थ अन्तिहरू होती दुवारा प्रवष्ट नहीं हिजया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के जिए;

भतः अब, उक्त विभिन्नियम् की भारत 269-व की ब्नुसर्ग में, में, उक्त विभिन्नियम की भारत 269-व की उपभारत (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती पनगार

(भन्तरक)

(2) श्रीमती पाम्पति।

(मन्तरिती)

को सह सूचना आहरी करके पूर्वोक्य सम्बद्धित से सूचन में सिक्ष कार्यवाहियां सहसा हो ते

रक्त सम्मृतिस् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री बाखोद्ध--

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबींच या सरखंबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की ताजीन से 30 दिन की सबिंच, जो भी अविध् बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से निक्की कांकित द्वायु;
- (क) इस सूचना के लाजपत्र में प्रकार की वारीत ने 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में दितबव्ध किसी अप्य व्यक्ति वृद्ध अधाद्वस्तालारी के पास निवित में किए जा सकती।

स्थलक्षिरणः इसमें प्रयुक्त बंब्बों बीह पदों का, को उपत अभिनियसं, के बच्चाय 20 क में पीट्रशांचित है, वहीं वर्ष होगा को उस बच्चाय में दिशा म्या है।

### जगुलुची

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 61 तोट्टमुटयान्पट्टी गाव, एरमेपट्टी, नामकल । (वस० सं० 1128/84)

> त्रेम मालिनि बासन ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंजुओं, मद्रास

विनांक : 20-2; 1985

मोहर 🚁

प्ररूप् आर्ड्,टी.एन.,णुस...----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभूना

#### भारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रजंन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० 11 जुलाई/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं ० सर्वे सं ० 61 है तथा जो तोट्समूट्यानपट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय एस० म्रार० एर्स्मपट्टी दस० सं० 1049/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तिरत की 'विश्वास मुक्ते यह करने का कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

- (1) श्रीमशी पन्कार ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नन्नप्प कोन्टर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **म**ग्सूची

भूमि और निर्माण-तोट्टमुटयान्पट्टी गांव सर्वे सं० 61 (वस० सं० 1049/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण्) मर्जन रेंज I, मद्रास

विमांक : 20-2-1985

नोहर 🛭

प्ररूप बाई . टी. एन. एस.,------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश मं० 12/जुलाई/1984—-श्रतः मुझें, प्रेम मालिनि ।सन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 10 है, जो टेवरायपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० एसमैंपट्टी देस सं० 1129, 1130/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिकक्ष के जिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके ध्यमान प्रतिक त से, एसे ध्यमान प्रतिक स्था पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, जिम्मिसीयत उपदिस्य से स्वत् मृत्यरण विविद्य के पास्तु-विक रूप से किश्यत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावतः, उसत अधिनियम् के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीद्व/वा
- (क) ए'सी किसी जाय या किसी भन का अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसल अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना जाहिए या किया में स्निया के जिस्सी

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् — (1) श्री वरदराजलु नायुठु श्रौर श्रन्यों

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनोनमणि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 🎥

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तिस्माँ में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद िल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण---पेवरायपुरम गांव सर्वे सं० 10 (वस सं० 1129/84)

> त्रेम मालिनि वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-।, मद्रास

बिनांक: 20-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत प्रकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ध्रजंन रेंज- रेंज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985 निदेश सं० 25/जुलाई 1984--धतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० सर्वे सं ० 25/1 है, जो वाकुराममट्टी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—।। नामकल, दस० सं ० 1339/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1984, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उक्कोंश्य से उक्त अन्तरक विष्कृत में बास्तिक क्या से किया गया ही हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त विचित्रम के स्थीन ऋड देने के श्लारक की वाहित्य में कनी करने वा उब्हें नुभने में बृविधा के निष्; औट/या
- (य) एसी कियों बाब वा किसी भन ना बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत अधिनियम, या यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिया में विद्या

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित :—

(1) श्रीमती नाजम्माल

(प्रन्तरक)

(2) श्री म्नार० बालसामि श्रीर मन्यों

(मन्तरिती)

को नह सुमना बारी कारके प्रशेष्ट संपर्टित के सर्पन के विष कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

जनत संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीच चेंद्र 45 विन की जन्मि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध याद में समाप्त झेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अस्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए का सकी ।

स्पन्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कम्बाँ और पर्यों का, को उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया वृत्ता है।

#### नवस्पी

भूमि और निर्माण वाकुराम्यद्वीगांव, सर्वे सं० 25/1 (दस सं० 1339/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-।, मद्रास

दिनांक : 21-2-1985

मोष्टर 🛭

प्रक्रम आहें .टी .एन . एस 🖸 -----

नावकर न्यिनियुज्ञ 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नयीन स्थान

#### बारव स्टब्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निट्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मन्नास महास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० 30/जुलाई/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राध्मिकारों को वह विद्यास करने का कारण हूँ कि स्थावर कम्परित. विद्या जिल्हा वाकार मूक्व 25,000/- रु. से अधिक हूँ

श्रोर जिसकी सं० सर्व सं० 160/2 है, जो मोसी गांव, तिरुचेन्कोठु में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०—I, नामकल दस० सं० 1017/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक जुलाई 1984,

को पूर्विक्त संपृत्ति के उजित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया ग्वा प्रतिक्त स्व विक्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया ग्वा प्रतिक्त स्व विक्रितियों के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया ग्वा प्रतिक्त का विक्रितियों है के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया ग्वा प्रतिक्त का विक्रितियों है कि वा प्रतिक्त अन्तरण की जिए तब पाया ग्वा प्रतिक्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का वावत, उक्त विविध्यक्ष के जुबीन कार दोने के बन्तरक के वाक्तिक के ककी कारने वा कक्क कुछने में सुनिवा के क्कि: अडिंग्या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थन वा बन्य जास्तुओं को , जिन्हें भाउतीं जाय-कड़ विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा थन-कर विधिनियम, भा थन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अधोकनार्थ जंतरिती इवारत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री सी० सुन्दरम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नटराजन

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकी पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी बासोब ह—

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्याप्त हवाराः
- (क) इब् सूच्या के उक्पन में प्रकादन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्म स्मन्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पाव विद्याल में किए जा सकोंचे।

स्वृत्यीकरणः --इतमें प्रयुक्त वन्धों वृति वर्षों का, वो उवस् वृत्यिनियम, के वश्याय 20-क में वृत्यिमावित इं, वहीं वर्ष होगा यो उस वश्याय में दिवा गया है।

#### ननुसूची

भूमि और निर्माण-मौसी गांव, तिरुचेन्कोटु गांव (यस: सं० 1017/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नतः सव, उनतः विधिनयम कौ धारा 269-म की अवस्थरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिनित व्यक्तियों, वर्धात् :---

दिन् कं : 20-2-1985

# मुक्य आहे . दो . पुन . पुष . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मब्रास मद्रास, दिनांक 28 जनवरी 1985 निदेश सं० 31 जुलाई/84-म्ब्रतः मुझे, प्रेम मालिनि घासन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 161/1 है, जो केलूर गांव में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) द्विरद्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—I नामकल चस० 1013/84 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1984, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता उक्त बाधिमियस के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1942 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय पन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था: जियाने में मुविधा के लिए।

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यास्कार्यों, वर्षात् क्र— (1) श्रीमती तन्कम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नललम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारीच में 45 किन की मक्षि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीज से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

हपम्बीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदो का, जो उक्त श्राध-नियम के अध्याय 20नक में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

### STORE

भूमि श्रौर निर्माण सर्वे सं० 161/1, वेलूर गांव नामक्कल। (दस० सं० 1013/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶ं; मद्रास

दिनांक: 28-1-1985

मोहर 🛭

प्रकप आहुर, टी, एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम । 1961 (1961 का 43) की प्राप्त (१५०० का 43 अधित स्विता

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार बायकार (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, हिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० 32/जलाई/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, धायकर अधिनिरमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिल्ला परिनियमें कहा गया है), की भारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पति जिनका उचित बाजार मुख्य 25 000/- कर जो प्रिक्ति हो

श्रीर जिसकी सं० एके सं० 254/1, 254/2 है, जो तिरुमलिकिरि में स्थित हैं (श्रीर छा) उपायद्ध लन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, एस० श्रार० सेन्द्रमन्कलम दस: 1090/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1984, को पूर्वोक्त नार्णीक में स्थित अन्ता के क्रम के क्रममन प्रतिकृत में तिम रिजर्म किर्मा अविरत की गई की सुने मुक्ते गई तिम रिजर्म किर्मा अविरत की गई भी अपने मुक्ते गई तिम प्रविक्त में कार्म के क्रममन प्रतिकृत में तिम प्रतिकृत का एकिंग वाजान जला, उसके इंड्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का लिए का लिए में संवित्ती (जंगितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) लीर वंतियती (जंगितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए गय पाम समा प्रतिकृत, निम्नालियत उद्देश से उक्त अंतरण किलिए में प्रतिकृत, निम्नालियत उद्देश से उक्त अंतरण किलिए में प्रतिकृत, निम्नालियत उद्देश से उक्त अंतरण किलिए में प्रतिकृत, निम्नालियत नहीं किसा गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर राने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) लेकी कियी अस्य या किसी धन या अस्य आस्तियों करें, जिल्हों १९५९तीय आसकर अधिनियम, 1922 (१९७१ का ११) या उपत अधिनियम, वा धन-पर अधिनियम, 1957 (१९७१ का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः वह परम परिविधार की धार 269-म की अनुसहरा मों, मीं, गरम अविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कंभीन दिस्तिविक्षित व्यक्तियों अर्थात (1) (1) श्री कन्दसामि कैण्टर

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सवियाबेकम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कार्रता हुने।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृबारा;
- (स) इस स्चना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरे। है।

# ल**न्सर्ज्य**

भूमि श्रार निर्माण-तिरुमलिकिर सर्वे सं० 254/1 (दस० सं० 1090/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, मद्रास

दिनांक: 20-2-1985

मोहर ः

प्ररूप वाहाँ ही एन एस . ------

जापकार वरिधित्रधम, 1961 (1961 का 43) जी बाह्य 269-व (1) के अभीन क्षमा

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 19 फरवरी 1985

निदेश मं० 34/जुलाई/1984---श्रतः मुझे, श्रेम मालिनि वासन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पान्धात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-त के अधीन सक्षम श्रीधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे सं० 47/1 है, जो धन्नदानपट्टी गांव, मेलम तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस० धार० नदकपट्टी दस : मं० 1931/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पृवांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यजान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गर्द हैं और म्फे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित्त वाजार मृत्य, उसके स्थ्यजान प्रतिफल ने ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से मिधक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया वृतिफल निन्तिवित अवविद्यं से स्थत बुलारण कि बिच्च में बास्तविक स्व के लिए तब पाया गया

- ाक) अन्तरण में हुई किसी आम का आबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व को कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन था वस्य आसिसमें को, जिल्हों भारतीय नायकर निर्मित्रमा, 1922 श्री 11) या उत्तर निर्मित्रमा, वा धन-कर निर्मित्रमा, वा धन-कर निर्मित्रमा, 1957 (1957 लग्न 27) के स्मोजना ने जन्तरिती वृत्तरा अन्तर नहीं किया गरा धा किया गाना नाहिए था, जिलाने में शृतिका वे सिर्मा

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , भैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस व्यक्तियों , अर्थात् ६—-- (1) श्री एस० नठेसन पिले ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पेरुमामी श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

का यह भूषण कारी करको पृत्रोंकतः संपरित के वर्षन के रिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्बद्धि के वर्षन के श्राप्तमध में कोई भी नार्याय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीण से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः जी तानील से 30 दिन की वविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नान निकास में किए सा अभोगे ।

स्वकृतिकरण:---इन्नमं प्रयुक्त सन्दों भीर पर्यों का, जो जनस स्विधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विधा गवा ही।

# अनस्यी

भूमि और निर्माण-प्रश्नदानपट्टी गांव, सेलम तालुक सर्वे सं० 47/1, (दम॰ सं० 1931/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1, मद्रास

दिनांक: 19-2-1985

महेर 🖫

# प्रकृप बाइं.टी.एन.एस. -----

(1) श्री एस० नठेसन पिल्लै

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीम मुचना

(2) मैनर नन्दकुमार

(भ्रन्तरिती)

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश मं ० जुलाई/1984—श्रतः मुझे, प्रेम मालिन वासन; आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्ब 1,00,000/- रह से अधिक है

1,00,000/- र. में अधिक हैं
और जिसकी संव सर्वे संव 47/1 हैं, जो अन्नदानपट्टी गांव मेलम में
स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत
हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एसव्यारव नादकपट्टी
दस: संव 1932/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पामा गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हाई किसी बाग की बावत, जिस्से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में मुविधा के लिए।

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति भी वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील में 30 दिन की अवधि, तो श्री अवधि बाद में सभारत होती हो, के भीतर पूर्वित्रक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुकार:
- (स) इस सुभना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति मों हित्यक्ष किसी बन्ध व्यक्ति इवारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - अगमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उजस अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

भूमि प्रत्नदानपट्टी गांव, सेलम, सर्वे सं० 47/1, (दस सं० 1932/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेज–1, मद्रास

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित ज्युक्तियों, अधीत्:—

दिनांक : 20-2-1985

मोहर 🖫

प्रक्याः, भाषीः, ही. इतः, एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-शु (1) के अभीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 28 जनवरी 1985

निदेश सं० 36/जुलाई/1984—श्रतः मुझे श्रे**म; ज्ञा**लिनि वासन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित अजार एक 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी एं ० श्रश्नदानपट्टी गांव, सेलम तालुक में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० तादकपट्टी दस: 1933/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का मन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम नया प्रतिफन निम्निसिख्त उद्वर्षय से उसके अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बायत, उक्त विधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अर्थः उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ भ", म", उक्त जिमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), अ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों । अभीन ।

(1) श्रीमती नल्लम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जि० रेन्कराज्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन को जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (घ) इस स्चना कं राजपत्र मा प्रकाशन की सारीख से 45 दिए ये भीतर जनता रशायर समाति मा हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मी किए जा सकींगे।

#### प्रवस्त्र की

भूमि और निर्माण—सर्वे सं० 88/5, अन्नदानपट्टी गाँव, सेलम तालुक, (दस० सं० 1933/84)

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 28-1-1985

मोहर -

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निज्ञीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मदास मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेण सं० 37/जुलाई/84---ग्रतः मुले, प्रेम मालिनि वासन हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव टी ब्लासव संव 384 है, जो अन्नदानपट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० नादकपट्टी, दस : मं० 2139/84 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ज्लाई, 1984, को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित कारण महार से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हुं कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तरहं प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है 🦫 🗕

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा वायित्व के लिए; और/या
- (श्व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयन्त्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, टा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

**अत: अब,** उक्तः अधिनियम करिं•ियारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्थात् ः--

(1) श्री एन० रामकृष्णन और अन्यों

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० ए० पी० वरदराजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण-ग्रन्तदानपट्टी गांव (दस : सं० 2139/84)

> प्रेम मालिनि धासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1; मन्नास

दिनांक : 20-2-1985

मोहर 🏻

वृक्ष्य बाइ . ही. एव . एस . ------

(1) श्रीमती एस० नसीम

(भ्रन्तरक)

नावकर गाँपनियम्, 1961 (1961 मा 43) स्त्री भारा 269-म (1) से मधीन तुम्ला (2) श्री के० कनेसन

(भ्रन्तरिती)

#### RING SECTION

कार्बाभय, बहारक जायकर जाक्क (निद्वासक)

म्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० 38/जुलाई/1984—श्रतः मुझे, श्रेम मालिनि वासन,

बावकर मिश्रिनवम, 1961. (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर निभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ में अधीन बात्रम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तान उपित वाचार 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० टि० एस० 1, 2 और 3 है, जो अम्मापेट्ट सेलम में क्रियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सेलम ईस्ट दम०: सं० 1805/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल, का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाना नवा प्रतिकृत, निम्निस्चित उच्चोक्य के उच्च बम्लर्स्य विश्वित में बास्तिकृत कम से के सित् नहीं किया एवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाब्त, उक्त अर्थित्वम के स्थीद कर देने के अन्तरक की अर्थिक्ष की की कार्य वा उपने देखने के अर्थिका के स्थित और/का
- (क) इसी कियों नाय ना कियी भन ना बन्न नास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं निजा गया वा का किया जाया जाहिने था, किनाने में सुविधा के विहर;

नतः नव, उनतः विधिनियमं की भारा 269-गं की वनुसरण भी, जी, तकत विधिनियमं की नाय 269-नं की उपभागः (1) को अधीन, निम्मतिचित व्यक्तियमों, वचित ॥—— को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मिरित को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्सा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताकारी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उसत बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा नया है।

श्रनुसूधी

भूमि और निर्माण—ग्रम्मापट्टी गांव (दस : सं० 1805/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—Ⅰ, मदास

दिनांग : 25-2-1985

प्रकल् आहू", टर्ड, एम । एस . ----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) महे अभीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहामक मामकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1985

निदेण सं० 42/जुलाई/1984—श्रतः मुझे, श्रेम मालिनि वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख़ के अधीन सक्षम एधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे नं० 158/84 है, जो नमकिरिपेठ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध जनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-। सेलम दम/मं० 1697/84, 1698, 1699/84 में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7 जुलाई 1985

एत एप्राप्त प्रणीत के द्वाचन प्राचार प्राच्य में कर के दश्यभान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीतन सम्मित का उन्तित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित अन्तरण निम्नलिखित से धारतियक रूप से किथन नहीं किया गया है ...

- (क) बलरण से हुई किसी बाय की बाबत, जबत अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के वार्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा के लिए;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अध्या, धिक्वीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् डिल्ल (1) श्रीमती लक्ष्मीकान्दम्माल और ग्रन्थ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एसं० कन्दसामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी वाश्रेष ह---

- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश से 45 बिन की अविधि या तत्त्वस्वाधी व्यक्तितमों पर सुबना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्वास्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत जीधनियम के जध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

ग्रनुसूची.

भूमि और निर्माण—नामकिरिपेठ गांव सर्वे सं० 158/84

(दस : सं० 1697/ 1698, 1699/84)

प्रेंम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 10-2-1985

महिर:

प्ररूप आइ ्टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 45/जुलाई/1984—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासमः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने दा कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुं से अधिक है

और जिसकी सं व्ही० एस० सं ० 12, है, जो वार्ड सं ० 7, प्रसमम्पट्टी गांव सेलम में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जि० एम० प्रार० 1, सेलम दस: सं ० 1639/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनोक जुलाई 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंगत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंगत में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बज़ने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिविधा केलिए;

जतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री एस० मृत्

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जि० कन्कादरन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर्टें सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किपी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण हिन्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गड़ा है हो

# अनुसूची

भूमि और निर्माण वार्ड बी, ब्लाक-।, श्रसतम्पट्टी गांव सेलम, टी० एस० सं० 12, (दस : सं० 1639/84)

> श्रेंम मार्लिन वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, मद्रास

दिनोक: 7-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूपः नाइः दीः एतः एसः -----

भारकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, 'महायक आवकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जनः रीज-17 म≭स्त

मदास, दिनांक 28 जनवरी 1985

्रासन, रें भारत, रें

भायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त किश्तियम' कहा गया है), की धाग 269-क के अधीन सक्ता प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कार्य हैं। कि उद्योग सम्पत्ति, जिस्ता उणिल बाजार मूर्य 1,09-000/- रा. से अधिक हैं।

1,09:000/- का से अधिक हैं.

और जिसेकी सेंठ प्रारं एसंठ मेंठ 21/2ए हैं, जो एकंट गांव में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूनीमें और पूर्ण रूप से विणत), रिज़स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जेठ एसंठ प्रारंज-। सेलम स्यान-संठ 1526/84 में भारतीय रिज़स्ट्रीफरण प्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई 1984, को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पत्ति प्रारंग के लिए तय प्रया प्रतिफल से लिए तय प्रया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (स.) अहरण से हुइ किंदिंग अहथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अल्लास्क के वायित्व में कामी कररों मा उससे बचने में मृतिशः के लिए, और/याः
- श्री फिसी आय या कियी भन ए अन्य कारित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ जन्मीरिती द्वारा प्रकृत नहीं फिया गया था या किया जाना साहिए था, किया में सुविभा के निए:

नतः अय, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के नम्मरण में, में, अवल अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :--7--36GI/85

(1) श्री टिट्टा मेर्नैस सिमनल्ली।

(ध्रम्तरक)

(2) श्रीमती अ॰ पार्षीद रामन ।

(प्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के संबंध में काहे भी बाक्रीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील हं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अप्रीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीक्षारण — इसमी प्रमुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिवर्ध घड़ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गमा है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण-एकटि गांव ग्रार० एम० सं०० 21/2ए, (दस सं० 1576/84)

> प्रेंम मालिनि वासन सक्तमे प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास

विमांक : 28-1-1985

मुक्प<sub>ु</sub> बाह्<sup>र</sup>ु टीं<sub>य</sub> एन्<sub>य</sub> एस्<sub>य</sub> = = = = =

बाधकार जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमना

#### भारत संहकार

कार्याभयः, सहायक आयकर वायकः (निर्शाक्षण)। धर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं ० 52/जुलाई/1984—अतः मुझे, प्रेम मासिनि वासन,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सभाम प्राधिकारी को यह विकास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 13 है, जो श्रसहम्पट्टी, सेलम टकुन, बाई—बी, ब्लाक—। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—। सेलम दस : सं० 1530/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ज्लाई 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित .बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उन्नस अधिनियम के अधीन कर दोने भी अन्तरक औ शायित्व में कमी अरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बरारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था. कियाने में मुक्तिण की निए;

(1) श्रीनक्षी निरमसा ।

**新祀(平)** 

(2) श्रीमती सिशवान्।

(प्रश्व(स्ती)

की वह स्थना वारी करके प्रॉक्त कम्पत्ति के अर्थन के निव कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्मतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामीप ८----

- (क) इस स्वता के राजपत्र के प्रकाशन की तारीय के 45 विन की अवित वा तत्वकारणी व्यक्तिकों दर स्वता की तारीस से 30 विन की अवित, को भी जबिभ वाद में समाप्त होती हो, से भीतर व्यक्तिया के से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की सारीय कें
  45 दिन को भीतर उक्त स्वावर सम्मरित में दिसवद्येश
  किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताकरी के पाव
  सिविस में फिए या सकोंगे।

स्थव्योकरणः---इसमें प्रयूक्त सब्दों जीर पदों का, की अवस विधिनयन के सभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा की उस सभ्यास में दिशा गया है।

बन्स्की

भूमि और निर्माण—पार्ड--बी क्लाक--।, न्नसतस्मद्री, तेलम टकुन ।

(दस : सं 0 1530/84)

प्रेम मालिन बासन सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (गिरीक्षण) ग्रुपेन रिज-1, महास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसित स्यक्तियों, अर्थात् ▶—

दिनांक : 21-2-1985

# प्रथम् बार्चः टी. एन्. एवः - - --

# बावकार क्षीपरिवय, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) से बजीन स्वना

# बार्थ ररक्त्

# कार्तका, सङ्घाक बावकर बाज्यक (निरीक्तन) सर्जन रेज-1, महास

नद्राच, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं • 55/जुलाई/1984-प्रतः मुझें, प्रेम मालिनि भारत

कार्यकार वीधीनवंब, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क परमात् 'उक्त वीधुनियम' कहा नया हैं), की भाग 269-य के बधीन तथान प्राधिकारी को, यह नियमस करने का स्थरन हैं कि स्थानर केन्यता, विवका उचित नामार मून्य 25,889/- क. वे विवक्त हैं

और जिसकी सं टी । एस । सं । 1134 है, जो सेलम टाउन में, स्थित है (और इससे उपाबद में अनुसूची और पूर्ण रूप से वांणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे । एस । आर । सेलम दत्त : सं । 1463/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 18 के अधीन, दिनांक जुलाई 1984, के दूर्वीकर बजारित के अधित बाबार बुख्य से कन के अवनाम अधिकत के विषय बजारित की वह है और मुक्ते वह विश्वास करने का कार्रक है कि बचाप्योंकत संपत्ति का उचित बाबार बुख्य, उक्के अवनाम अधिकत से एने स्थाना अधिकत का पन्छ अधिक से विश्वास करने के स्थान अधिकत के पार क्षेत्र के स्थान अधिकत का पन्छ अधिक से विश्वास के बावर के विश्वास के बावर के विश्वास के बावर के विश्वास के बावर के बावर के विश्वास के बावर के बा

- विके विकास से हुए किया नाम की नामस, उसके सुनिविषय के स्वीत कर योगे के मृत्यूरक के स्वीतर के स्वीत करने ना क्यार्ट करने में सुनिवा के सिक: स्वीर/मा
- (क) घेंसे किसी बाय गा िती भन या अन्य आस्तियों को किन्दी भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारिती देवाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविभा के सिए;

सम्भः स्व, अक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, बी, उक्त विधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) वै क्ष्मीय, विव्यक्तिविक् व्यक्तिकों, व्यक्ति क्र— (1) श्री ए० सामिनका जेहीसार और भ्रन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वि० ओबुलि चेट्टीयार

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोकत सम्पत्ति, को कर्णन के लिए। कार्यमाहियां करता हुः।

उपत सम्पत्ति के अर्जन है मह्दर्भ में कोई थी आशं ।

- (क) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्तिस्थाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा नया है।

धनुसुची

भूमि और निर्माण-मेट्टुनेरु, वे कन्ठराम रोड, सेलम टाउन। (द० सं० 1463/84)

> प्रेम मार्गलिन वासन . सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, मद्रास

दिनांक : 20-2-1985

श्ररूप आइ<sup>र</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना (1) श्री प्रब्दुल ध्रसीस

(श्रन्धरक)

(2) श्रीमती झार० राजम

(भ्रन्त(रती)

#### भारत सरकार

आविलिय', बहायक गायकर गाय्क्स (निरीक्षण) भर्जन रेंण-1, मदास

मधास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० 56/जुलाई/1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

लायकर थिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 98/1 है, जो सेलम टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-1 सेलम, दस ० वं ० 1730/84 में मारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के सिए मन्तरिस की गद् विष्यास करने बन् . यह कारण बह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रति-फल से, एरेसी ध्ययमान प्रतिफल को पन्द्रीह प्रतिशंत से अधिक 👸 नौर अन्तरक (अन्तरकीं) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हिसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित शिक्**य रंग से उक्त सिक्षित में वास्तविक रूप** से कथित नहीं किया **थ्या ह**ै:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर जुभिनियम, 1922- (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंशरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा के किए:

भतः अभ, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित करिकायों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्थन क सबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क्ष) इस सूचना क राजपत्र मो प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ते व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में श्रकाशन को तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा अकरेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्वो का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-के में प्रिप्ताधित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स् ची

भूमि और निर्माण-सेलम हाउन टी॰ एस॰ सं॰ 98/1। (द॰: सं॰ 1730/84)

> प्रेम मार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, मद्रास

विनांक 21-2-1985

# प्रस्य आई. ही. एन . एत . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर वायुक्त (निरीक्षण)** धर्जन रेंज, मद्रास

मबास, दिनांक 23 फरवरी 1985

निदेण स० 61 जुलाई/84—म्बतः मुझे प्रेम मालिनि वासन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं अबे नं 77/1 है जो कुन्टुमरक्पली गांव, देन्कनीको जा नालुक कोनूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीबिकारी का कार्यात्रय एस० ग्रार० कोसूर दस० नं 2119/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जुलाई 1984

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथा पृशेक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक से, एसे स्थमान प्रतिक के पंग्रह प्रतिशत से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक तिम्निक खित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से अधित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों नते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्षत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) श्री ॉं॰ पी॰ वेनुकोबासना जीर भन्म। (भन्तरक)
- (2) मेससं क्रनेट मानुमन्ट (इण्डिया) एक्सपोर्टस । (श्रन्सरिती)

कां यह सूचना आरी करके पृत्तीक्त ककाति के नर्वत के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध को कोई भी काओब :---

- (क) इस सूचना के राज्यव के क्रक्रक्य की हारीब से 45 दिन की अविध ना सर्ववंधी व्यक्तिकों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वविध, को भी मनिध के बाद में स्वाप्त होती हो, की जीवर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में के बिनती व्यक्तिय द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण के प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बंगीत के दिस्ववृथ किसी अन्य व्यक्ति प्रवास क्षोह्स्ताक्षरी के पाक लिखित में किए या क्षीचें।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त कृष्यों बीर वर्षों खा, जो उपव अधिनियम, को सम्बाद 20-ख को वरिधादित ही, वहीं वर्ष होंगा जो उस सम्बाद को विका गया है।

# संस्थ

भूमि अंदि निर्माण कुन्दुमरवपस्त्री गांव देग्कमीकोठा, कोसूर।

(बंग० सं० 2119/84)

ंप्रेम मालिनि वासन सञ्जन प्राधिकारी महाबक खाबकर धाबुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 23-2-1985

प्रस्य बाह्री, दी, प्रश्न, ब्रुबा,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी पाय 269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निद्रोक्तण) श्रजन रेंज-1, महास

सदात , दिनांक 20 फरवरी 1985

निवेश सं० 62 जुलाई/84——मतः मुझे प्रेम मालिनि वासन गामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसमें परफात 'ज़का अधिनियम' कहा नवा हैं), की वास 269-व की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी तं वस्तें नं 314 है तथा जो सेम्सीयानूर गाँव भारूर तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावक भनुसूनी में भीर पूर्ण रूप ने विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे एस० भ्रार०—1 धर्मपुरी दस० सं 464/84 में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीब जुलाई 1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्याप प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार बुओ वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का कीचक बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के जार कंतरक (अंतरका) चार वंचीकी (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाना प्रवाप्तिकल निम्मिलिखित उद्दोश्य से स्था बंतरण किविका के क्रिस्तिय के किविका के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिस्तिय क्रिस्तिय के क्रिस्तिय के क्रिसिय के क्रिस्तिय के क्रि

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बायन उनक अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाविस्त की कमी करने या उससे वचने के जुविशा के खिद; बार/या

कतः भव उक्त विधिनियम की धारा 269-त के वश्वरक मं, वं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्धात् रूप्प (1) श्री सिदेशवरन ग्रीर श्रन्म।

(अंशरक)

(2) श्री रामास्वामी के। ढर।

(ब्रन्सरिती)

को बहु बुचवा पारी कारके पूर्वीवत सन्दरित के वर्षत की हिस्सू सामैचाहितां करता हूं।

सम्बद्ध संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाओर !--

- (क) इत सूचना के राजपण भें प्रकाशन की बारीच है 45 दिन की सर्वीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या की तानीन से 30 दिन की सर्वीध, वी बी सर्वीध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्राय;
- '(थ) वत क्षाना के राजपण में प्रकाशन की दारीज वें

  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुभ किसी जन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के

  क्षा किसीजन में किए वा ककेंगे।

क्क्यूनिकरण:----इसमें प्रमुक्त प्रकार नीर पर्यो का, जो उक्त नीय-विवय के नामाय 20-का वें परिमाणित हैं, वहीं नर्ज होगा, जो उन्न वामान में किया नवा है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण सम्मीयानूर गाँव आकर ताजुक। (वस सं० 464/84)

त्रेम मालिनि चासन सक्षम प्राधिकारी सहायम आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, महास

विनोक : 20-2-1985

त्ररूप बार्च. टी. एम. एस. -----

नासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के नधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाब्क्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विशांक 23 फरवरी 1985

निवेच सं० 64 जुलाई/84--धतः मुझे प्रेम मालिनि बासन

नावकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्तर्मे इत्तर्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धाख 269-च से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं 0 12/6 है तथा जो घरनतीरदम गांव, भारूर सालुक धर्मपुरी बिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यास्थ एस० भार० श्रारूर दस० सं 0 1393/84 में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भशीन तारीख जुलाई 1984

कां वृशेंक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यक्षाय प्रतिकाल के लिए जंतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार असके पृष्टिकान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का प्रस्क पृष्टिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अध्यिपियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तब वावा गवा प्रतिकाल, निज्योलिका उद्देश्य से उच्त बन्तरण विविद्य में बास्तविक रूप से अधिक को बास्तविक रूप से अधिक को बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत बाधि-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रादित्व में कभी कारने वा उससे वचने में सुविधा की प्रिए; बार/वा
- (व) एंसी किसी नाय या किसी भन या कर्य जात्तिकों को, किसी भारतीय जायकर निर्धानक, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनिक्य, या भनकर अधिनिक्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यहा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए;

अतः अव, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण जो., जी, उथत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी॰ कुसणास्वामी नायडु।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मन्जुलामणियम ।

(भ्रन्तरिती)

की वह सुधना भारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्ष करता हुं।

जनत तम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की बनिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, धों भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबव्ध विश्वी चन्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकारी।

स्वाधिकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

बन्स्ची

भूमि भीर निर्माण वरुन दीरतम गांव भ्रारुर तालुक भर्मपुरीटीरतमग डिस्ट्रिक्ट।

(दन र्सं 139म/द4')

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज,-1, मद्रास

दिनकि : 23-2-1985

महिर :

त्रक्ष बाह्<sup>1</sup>.टी.एन.एस. ------

भावकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-य (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

काथतिय, इहावक श्वाकर नागुम्त (निरीक्षण) शर्जम रॅंज∸1, मद्रास मद्रस, विनांक 20 फरवरी 1985

जियेश सं० 65|जुलाई 84--अतः मुझे प्रेम मासिनी बाधन,

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को वधीय इसके शिषकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर उन्नीत, विश्वका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से स्थापर ह

श्रीर जिसकी सर्वे स० 764/84 है, जो देन्कानकोटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आ२० देकिनिकाटा दस० सें० 1495/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाहे 1984

का पूर्वोक्स सञ्चरित के स्वित्त काचार मृह्यू से काम के दश्यमान प्रीतफल को लिए रिपस्ट्रीकृत विलोश को जनुसार अन्त-रित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि वचल्योंका सम्मति का उचित वाजार वृत्य , उन्ने क्ष्य क

- (क) बच्चल्य हे हुए किया नाम की बागत, जनत मर्गियम्ब में सभीत कर दोने के अन्तरक के शायित्व में सभी व्यक्त का उससे बचने में मृविधा के लिए; स्रोद/का
- (क) श्रेती किसी शाव वा किसी भन या जन्य जास्तियों की, किसी नारतीय जासकर जिभिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उनत अभिनियम, या भन-कार जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोकताओं अन्दरिस्ती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा वा किसा जाना वाहिए भा, छिपाने में स्विधा से निका

मान का पान करियायम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, में पान विभिन्नक की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीम, रिक्निशिक्त व्यक्तिकों, नर्मात् .--- । श्री टी॰ आर॰ बेन्कसिन्यिपा

(अन्तरक)

2 श्री वस्भिटप्पा

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना **धारी करके पूर्वीक**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई आऑप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, क भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (व) इत त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति मा हितद्रद्र किती जन्म व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षारा के पास तिवित में किए जा सकींगं।

# नगृज्ञी

भूमी श्रोर निर्माण-देम्कनिकाटा। दस० मं० 1495/84)

> प्रेम मािलनी वासन सक्षम प्रतिध⊲ारी स**हायक श्रा**यकार श्रायुक्त (निर्राक्षण), अर्जन रेज–1, मद्रास

नारी**ध 20-2-198**5

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. -----

भावभार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की गुण्य २६० थ 🔆 ) के बधीन मुच्या

#### ब्राइत मरकार

कार्यात्य, सहाराका भायकार आधुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज 2, बम्बर्ड बम्बर्र, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० 67 ज्लाई 84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी धासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवान 'उक्त अधिनियम' कहा, गया है), की धार 260 साले अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाय असने का आरण है जि तथापर्शिया संपत्ति का , उचित बाजार मृत्य 25.000/ राजा में शिक्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 35 है, तथा जो जेम्पाम्पालयम गांव तिरुवेन्कोठ तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० नलासमद्रम दस० सं० 893 84) म भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पर्वोक्त स्माति के लीचत वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्माति का उत्तित ताजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखत में आस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण में हाइ विक्रमी आव भी सम्बद्धाः, कर्यन क्राफिनिकाण में कारीण क्राफ्ट कोचे ल्ले बालकरूम को न्तिहरू को करवी अरम बा प्रथम राजने सो स्विधाः के लिए; कीर का
- (स) एसी किसी आय का िकसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (५००० का ५०) जा एकर प्रिकेश्या जा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों ब्वारा जेकट नहीं किया गरा धा या किया जाना चाहिए था, व्याने में स्विधा के किए.

1. श्री महेस्वरी

(अन्तरक)

2. श्री कन्दसप्रिम

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के द्रायपत्र में प्रकाशन की तारीय सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकास के किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा एका हैं।

जन्स्ची

भूमि—सम्पीयमपायय गांव, कुरुमाकर कुरुप, नामकल सेलम डिस्ट्रिकट। दस० र्स० 893 84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 23-2-1984 ....

मोहर 🕄

# प्रस्त् तार्चे. टी. युन्. तुच. .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाछ 269 व (1) है अधीन सूचना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985 निदेश सं० 101 जुलाई 84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

भायकर अधिनियात, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एफ के प्रवास जात अधिनाम कहा गया हो), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर स्मित, जिसका जिसका अधिन शाकार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 38/1 है, तथा जो सनालम्पट्टी गांव, उदन्करें, दरमपुरी डिट्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एच० आर०-1, मद्रास नार्थ, सद० सं० 1945/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1984

को प्रशिक्त संपत्ति को उधित बाजार मुखा से कम के खरमान अतिफल में लिए अंतरित की गर्थ है और मुके यह विस्तास करने का कारण है कि प्रशाद कॉंगल संपत्ति का उधित गाजार मुन्य, उसके रथयमान प्रतिफल से, एगे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्यों से स्वक् अन्तरण शिवित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ने हुवा किन्ती जाम की मझता, नकता बाँबनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के श्रीवरण में कमी करने या उससे वचने में स्वीयक्षा के लिए: बीर/बा
- (च) एतेरी किसी जान मा किसी पन ना अन्य जारिस की किसी जान मा किसी पन ना अन्य जारिस की की जिन्हों भारतीय भाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त विभिन्नियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधांजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्;

अत. अत. उक्त अधिनियम को धारा २६०-ए के अध्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**व की उप**धारा (1) के अ**धीन,** निम्मलिखित व्यक्तियों, मुंबात क्र— 1. डावटर एस० ए० सिन्नराज्

(अन्तरक)

2. श्री ए० पलनियप्पन

**अन्तरिती**।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्षन के निध् कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कीहाँ भी वांश्रेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपन मों प्रकातन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर् सूचनब की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास सिक्ति में किए जा सकते हैं।

हराका किरण :---- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों बौद प्रशें का, वो सबस विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा वो तस अध्याय में दिका चेता हैं।

भ्रनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—सन्नलाम्पट्टीगांव, उदन्करै, दरमपुरी, डिस्ट्रिक्ट ।

(दस० सं० 1945/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्न (निरीक्षण) अनर्ज रेंज–1, मद्रास

सारीख: 7-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाहु टी एन एस -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निर्देण सं० 102, जुलाई, 84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अति जि.की आर् एस ए 4946 है, जी चिक्कन्मण, नायक्त स्ट्राट महास-1, में स्थित है (आर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे एस आर् आर् मिदास नितकस 1848/84 में भारतीय रिजन्द करण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधीन, जुलाई 1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से ज्वत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं शुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स (सरीपेमीन

(अन्तरक)

2. श्री सम्पीया द उसुप बोहारा

(अन्तरिती)

को यह स्चूना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्स्**ची

भूमि और निर्माण--सिन्कन्न नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1। वस० सै० 1848/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--1, मद्राप

सारीख: 21-2-1985

मोहर 🛚

# प्रकृप आई.डी.एन.एस.-----

# कामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कांग्रलिय, सहायक आयकर आकृत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1985

निवेश सं० 103/जुलाई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ठोर सं० 6, बैंक स्ट्रीट, अब्बकण्पा नगर, कीलपाक, मद्रास-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, मद्रास नार्थ दस० सं० 1928,84 ) भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1984

को पुर्शेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री के० रामचन्द्रन,

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजनी श्रीदरन

(अन्तर्रिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितब्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के। पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि श्रीर निर्माण—सं० 6, बैंक स्ट्रीट, अलकप्पा नगर, कीलपाक. मद्रास-10 (दस० सं० 1928.84)

> प्रेम मा'लिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रोज−ा, मद्रास

तारीख: 9-1-1985

नोहर छ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निदेश सं० 104/जनाई/84--अनः मुझें, प्रेम मालिनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रान, दिनांक 21 फरवरी 1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----1 श्रामती वा० सोमालक्ष्मी

अन्तरक

2. श्रीमतः वी ० सीतालक्ष्मी

( अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय सै 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रीर जिसका सं० सर्वे सं० 57/1 है, जो कुमारवालयम गांव में स्थित है (ऋौर इनरे उपावड़ अनुसूची मैं श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिनस्ट्राहर्ता अधिकारों के कार्यालय

जे० एन० आए०-1, मद्रास नार्थ, दन० 2018/84 में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

16) के अधान, ताराख जुलाई 1984

1,00,000/- रा. में अधिक हैं।

को पूर्वे क्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास - करने का जारण है कि यथापुर्वेदित अभित्त का उदित साजार मुल्य, उसके दरभमान प्रतिकल से, एमे द्रायमान जीतका का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं.और अन्तरक (अन्तरकां) और अंगरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमं अन्तरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल, निम्निलिंग्यत उद्देश्य सं उत्रत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हु**इ** किसी आय की बाबत, उय<del>त</del> अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयांचा किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण--कुमारपालयम अकरकारम गांव (दश० सं० 2018/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग के अनसरण , मौ, अवत अधिनियम की धारा 269-भ भी एउएला (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

गारोख: 21-2-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 फरवरी 1985

निदेश मं० 105/जुलाई/84---अतः मुझः; प्रेम मालिनी वासतः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसको सं० ठोर सं० 59, है तथा जो बाडवे, मद्रास— 1 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राइन्ती अधिकार। के कार्यालय, जे० एस० आर०—1, मद्रास नार्थ दस० सं० 2060/84 में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधोन, नाराख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण तिलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उंक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्सिक व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म 1. श्रा इत्रठ हमोदुर ।

(अन्तरक)

2. श्रो एम० अप्दुल वहिब

(अन्तरिती)

को यह । सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण---डोंग सं० 59, ब्राडवे, मद्रास। (दस० सं० 2050/84)

> प्रेम मालिनी वासन ्याम प्राधिकारी पहायल ग्रायकर श्रायुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेजि-1, मद्रास

तारीख: 23-2-1985

मोहर 🗈

बाय्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कों धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत संस्कार

क्षायां जुन, सहायक कार्यकर बायुक्त (निर्फाण) अर्जन रेज-1, मद्रास

मदास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश मं० 107/जुलाई/84---वतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

भायुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कर स्थार सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

ग्रीर जियकी मं० जार० एस० सं० 488 है, जो सं० 21, एराबाल बेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इसते उपावड अनुसूची में ग्रीर पुर्ग रूप व वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० जार०-11, मद्रास नार्थ, दस० सं० 1904/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख ज्लाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वां सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंक्ररकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अंश्वरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्क अधिनिया के अधीन कार दोने के अंतरक के बायिस्त में कामी कारने या उससे बाजने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी पून या अत्य कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१५८ का ११) वा उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकित तथारा प्रकट नहीं किया प्रकार या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अक्ष': अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सै नक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) अधिकारित क्विक्ति स्विक्तियों, अधिस् : 1. श्री बी० जार० सिर्वालकम श्रीर अयोग्द।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एस० श्रीवासदेव

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षदी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उभत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण स० 21, एराबालुचेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1, आर० एस० सं० 488 (वस० सं० 1904/84)

> प्रेम माशिनी वासत सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼1, मद्रास

तारीख: 20-2-1985

प्रकप नाईं दी. एन . एस . ------

1. श्री एफ ए० नादन,

(अन्तरक)

2. श्री के० आर० अण्पवू

(अन्तरिती)

नायकर् निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जत रेंज-ा, मन्नास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० 116/जुलाई/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासत,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० एम० सं० 525 है, जो 69, वेस्ट माट वर्च रोड, रायपुरम, मद्रास-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० राय-पुरम, देस० स० 12-3-84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवीक्त संपीत्त का उचित बाजार

करने को करिण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिकिए उव्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में जास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण ते हुई किसी बाद की बादत, उसके अभिनियम के मधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बखने में मुजिधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार जिमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के पेस्ट।

नतः अव उक्त विधिनयम'को धार 269-ग के जन्सरण वो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, वर्षात कुन्न को यह सूचना जाड़ी कहरके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

इवल संभित्त की अर्जन क संबंध में कोड़ि भी आक्षेप :--

- (क) इस सुका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 बिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शोतर उपल स्थावर सम्पत्ति में 'हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को सम बध्याय में दिया गया है।

# वयस्य

भूमि-69, बेसठ माट चर्च रोड, शायपुरम, मढ़ास-13 आर० एस० सं० 525। (दस० सं० 1243/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जत रेंज-1, मद्रास

तारीख: 6-2-1985

मोहर 🗈

**इक्ट बार्ड**, बी<sub>ट</sub> एम<sub>ा</sub> ह्वा<sub>ल</sub> करण्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 फरवरी .1985

निदेश सं० 119/जुनाई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अितानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन राज्य प्राधिकारी को यूह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पेति, जिसकी उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी श्रार ० एक ० सं० 39342 है, जो 623/2, टी० एम० रोड, तन्ट्याररेठ, मद्राम-81 में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण क्ल मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० रायपुरम, दस० सं० 1188/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ीारीख जुनाई 1984

को प्रवेकित सम्मत्ति को जिल्हा बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुइ किमी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी बाय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ करों, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खियाने में सिवधा के लिए:

अत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-स्थ के अनसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के-लधीन, निभ्नितिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:——
9--36 GI/85

1. श्री टी० बन्कार चेट्टी

(अन्तरक)

2. श्री एस० के० रामन

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्त्र अवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण--623/2, टी॰ एम॰ रोड, तन्टयार-पेठ, मद्रास-81। (दस॰ सं॰ 1188/84)

> प्रेम मालिनी वासत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, मद्रास

तारीख: 23--2--1985

मोहर 🛭

प्रकार कार्ष. टी एत. एख. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश मं० 122/जुलाई/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

जायकर लियिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ब्रीर जिपकी सं० आर० एम० सं० 386 है, जो काट्र सटयप्रत स्ट्रीट, मद्राम-41 में स्थित है (ब्रीर इसने उपा-बद्ध अनुसूचा में ब्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय, एत० आर० पेरियपेठ, दस० सं० 724/84 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1984

को पुत्रीत्त सम्परित के उषित वाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिभाल के लिए अवस्ति को गई हैं जीर मुक्ते यह विक्वास भारते का कारण हैं कि गुवापुत्रीक्त सम्बद्धि का उषित वाजार मृत्य, उसके क्षमान प्रतिकान में एसे क्षमान प्रतिकान का कम्बाह प्रतिकार से अधिक है जीर जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरक के लिए तक वाण गया प्रतिकात, निम्निलिखित उद्देश्य से उद्धा सन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिक्षी बाब की बाबत, उक्त विशिव्य के बधीन क्या दोने के ब्रुक्तरफ के वासित्व में कमी फरने सा उगले उसते में हिविधा के लिए; बीहर/दा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया) जाना चाहिए था, एक्किं हो मित्रभा की किया।

कत अब, उत्तर जीधनियम की धारा 269-ग के जन्मरण बी, भी उत्तर जीधितियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) ने शिल निरम्भिक स्वक्तियों, बर्बात क्रिक्स 1. श्रो एम० के० मादवन

(अन्तरक)

2. श्रीमती शम मुनीस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

# उक्त सम्परित के कर्मन के संबंध में कोई भी आक्रेप---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि भिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिद हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गता हैं।

वन्स्वी

भूमि श्रौर तिर्माण---पेरियपेठ गांव, महास--3। (क्स० सं० 724/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 21-2-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1985 निदेश सं० 123/जुलाई/84--अत: मुझे, प्रम मालिनि बासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), का धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं आर एम ० सं ० 91/180, ब्लाक सं ० 9 है, जो एकमोर गांव में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम ० आए ० रेरियमेठ, दस ० सं ० 720/84 में भारतीय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क, (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नसिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) मनारण वे हुए किसी थात की नावत, खब्ध मिनियम के मधीन कार दोने के बन्तरक के बामित्य में कभी करने वा चारशे दलने में सुविधा में सिए।
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ जिल्ह;

नतः नक, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री किशोर गोकुल दास अलैस किशोर कुमार कोकलदास

(अन्तरक)

2. श्री बन्सीलाल दुर्कादास

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्शि स्त्रें शर्जन के . लिए कार्यमाहियां करता हूं।

ब बता संपरित को अर्थन को संबंध माँ कांध्रं भी जाकाँप ..

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-मब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्यूची

भूमि श्रौर निर्भाण--एकमोर गांव, आर० एस० सं० 91/180।

( इस० सं० 720/84)

प्रेम मालिनि वापन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) अजंत रेंज~1, मद्रास

गरीख: 29-1-1985

प्रकार माई • टी० एन० एस० ~

श्रायकार सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नंबीन सूचना

#### STREET STREET,

.कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज $-{f I}$ , मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० 124/जुलाई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

भायकर निभिनियम 1961 (1961 का 43) (चिते इतनें इसने परचात् 'उनत अधिनियम' कहा नया हैं), की चाछ 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार कृष्य 25,000/ क से नधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० आप० एम० सं० 1632/1 है, जो एकर्मो, मद्राम-8 में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आप० रेरियमेष्ट दस० सं० 718/84 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वास्त समपत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के क्षयधान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विश्वेष के अनुसार बन्त-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार भूक्य क्सके क्ष्यमान प्रतिकृत संपरित का उचित बाबार भूक्य क्सके क्ष्यमान प्रतिकृत से एवे क्ष्यमान प्रतिकृत का पन्त्रस् प्रतिकृत से विश्वक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्वेषम से जन्त बन्तरण शिविकं में बास्तिक क्षय से क्रिया नहीं कि बा वहां है

- (क) बन्तरंत्र से बुद्द किसी बाय की बावत, उपल अधि-निवम के बचीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कहने वा उससे बचवे में बुविधा के लिए; औद/वा
- (थ) एसी निज्ञी जाय वा किसी थन या अन्य जारिसकी को जिन्हों भारतीय जायकार जीभनियम, 1922 (1922 का 11) सा उन्ता अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में जुनियों के जिन्हों।

वतः वाव, अवत विभिनियम की भारा 269 न के वनुकरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269 न की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंखत व्यक्तिस्वाँ, संधात अस्स 1. मैसर्स वासुदेव चन्जैकुर्मा

(अन्तरक)

2. मैंसर्स 20थ सेंचुरी फाइनेंस कार्पोरेशन

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कृरको पूर्वोक्त सम्परित को वर्चन के टिलप् कार्यवाहियों करता हूं।

# उक्त तम्मित्त से बर्जन के सम्बन्ध में सोध भी वाक्षेप :----

- (क) इस सुमना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारिका वे 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सृजना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अदिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवड़भ किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **व्यक्त**

भूमि—एकमे, मट्राल-४, आर० एम० सं० 1632/1, (दस० सं० 718/84)

> प्रेम मालिति वासन लक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-1, मद्रास

तारीख: 21-2-1985

मोहर्

प्रकल बाइं. टी. एन . एस . -- -------

बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार्टी (1961 का 43) की

#### BILL STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 फरवरी 1985

निर्देश सं० 125/जुलाई/84—अतः मुझे, प्रेस मालिनि वासन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के मधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्, जिसका उचित् बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी आर० एम० सं० 1110/84 है, जो 118, स्वामी नयकन रेठ, विदादीरें। पेठ, मद्रास-2 में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ब्रीकर्ती अधिकारें। के कार्यालय, एस० आर० रेरियमेठ, दस० सं० 709/84 में, भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को प्राप्तित सम्पृत्ति के अभित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पृत्ति का अभित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्ति-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिकित उद्देश्य से उदल अन्तरण जिण्डि में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) जन्मद्रम् सं ह्या किसी अपन की पान्त अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अन्तरे में सुविधा के निए; और/शा
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा को सिए;

अत: अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग कि उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८श्रीमतः विसालाशामः वठिकरिः

(अन्तरक)

2. श्री वी० एस० रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याम में दिवा स्या है:

### · अनस् ची

भूमि श्रौर निर्माण--118, सवासोनायकन स्ट्रीष्ट, चिन्दादोरापेठ, मद्रास-21

(दस० सं० 709/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

गारीख: 23-2-1985

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिलांक 29 जनवरी 1985

निर्देश सं० 132/जुलाई/84—अत: मुझे, प्रेम मालिनी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 88 है, तथा जो अया मुद्दलि स्ट्रीट, चिन्दादिरीपेठ, मद्रास-2 में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद्ध अनुमूखी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीशर्ता अधि-कारो के कार्यालय, एस० आग० रेरियरेठ, दश० सं० 679/84 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पदृष्ट् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निष्निचित्रत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबतें, उक्त बीधनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बादित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) यो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

मतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1). को अधीन, निम्निः विकास व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्रीमती लक्ष्मी देवी अम्माल और अन्यों

(अन्तरक)

2. श्री टी० आर० एस० राधाकृष्ण पी० आर० अन्यों।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना आरो करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के वर्षन के लिए। क्ष्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की क्षारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त न्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध जिल्ली करण न्यक्ति द्वारा अक्षेत्रन्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्भाण, 88, अथामुदलि स्ट्रीट, चिन्दाविरीपेठ, मद्रास-2। (दस ० सं ० 679/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जत रेंज-1, मद्रास

नारीख: 29-1-1985

प्रसूप आह<sup>4</sup> टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुभूना

#### सारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1985

निर्देश सं० 133/जुलाई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

शायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 1, है, जो डाक्टर टं.० वी ० तायुबू रोड, चेटपठ, मद्राम-31 में स्थित है (स्रोर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, एस० आए० परीयमेठ, दस० सं० 681/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रेसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बहुनार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बीधूक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे लंगरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ न निम्निसित उब्बेश्य से उक्त बंतरण निधित में बारमियक स्म से कथिस नहीं किया गया है अ---

- (क) बन्तरण मं हुन्तं किसी बाय की बाबत. उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कंसी करने या उससे अधने में सूबिधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकते अधिनियम, धा भनकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रसोचनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नदीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुधिभा के निरा:

जतः अत्र , उक्त अधिनियम की भारः ⊥69-ग'के अनुसरण कों, में . उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः— 1. श्री जि० दारा

(अन्तरक)

2. श्र) कोजिनेति वेकटस्वरराव

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पृत्ति के नर्जन के स्व्युन्ध में कोई भी नास्त्रेद्ध⊷

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी हु वें 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी स्थासित्यों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वन्तियों में से किसी स्थासत ब्याग् ।
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए या सक्षेत्र ।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा स्वा है।

#### वन्त्रची

प्रापर्टी एण्ड डोर सं० 1, डाक्टर टी० वी० तायुडू रोड, चेठपठ, मद्रास-31।

प्रेम मालिनी वासन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जत रेंज-1, मद्रास

तारीख: 5-2-1985

बोहर ३

हरूपा, मार्चा, द्वी, एन्, एस्, नन्नन

नायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-न (1) के बाधीन क्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रें ज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 फरवरी, 1985

निर्देण सं ० 134/84 अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ को अधीन स्थम प्राधिकारों जो , यह विस्वास कारन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० आर् ० एम ० सं ० 45 0/23 है, जो मं ० 4, बेन्कटसामि नायडु, स्ट्रीट, पन्धरिट, एकमोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कायोलय, एम ० आर ० रेरियमेठ दस: सं ० 666/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख जुनाई 1984,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्लेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक में वास्तिवक के कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाजत, उक्त श्रीभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविभा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जातिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्रा पा ० एस ० जुब्स अटयर और अन्यो

(अन्तरक)

2. श्री फविकट विन्सन्ट

(अन्तरितः)

की यह सूचना चारी करके पूर्विक्त सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति को भवनि को संबंध में कीई भी बाकोप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ग) इस मुखना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा, जो उस सध्याय में दिया गमा है।

#### बतसर्ची

भूमि श्रीर निर्माण-डोर सं० 4, वेन्कटास्वामी नायष्ट्र स्ट्रीट, पंन्टरटी, एकमोर, आर० एम० सं० 450/23। (दस्तावेज सं० 666/84)।

प्रेम मालिनो वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेत रेंज-1, मद्रास

तारीख : 20-2-1985

प्रकृष कार्ड, टी. एन. एस. ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

1. श्री एस० डी० राजिल

(अन्तरक)

2. श्री के ० गैल्लम

(अन्तरिती)

#### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 फरवरी 1985

निर्देश सं ० 135/जुलाई/84—यतः, मुझे, प्रेम मालिनी वासत,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन राक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका डोर सं० 4 है, तथा जो कासा रौड सकेण्ड लेन, मद्राय-8 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रॉकर्ता अधिकार। के कायोलय, एस ० आर ० पेरियमेंट दस्ता ० सं ० 667/84 में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के जिस्त पाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का जिस्त बाजार मृत्य, उग्रके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्दोश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक स्प हो कि बाज नहीं किया गया है :—

- (क) मन्त्ररण से हुन्दें किसी बाव की नावतः, अनक निमिनियम के सभीत कर दोने के संतर्भ के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (था) एसी किसी बाय था किसी भन या अन्य आस्तिकर को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त् अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना साहिए भा छिपाने में सविभा के निए:

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पारक्षिकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सनस चौ

भूमि और निर्माण, डोर सं० 4, कासमेजररोड, सेकण्ड लेन, मद्रास-8।

प्रेम मालिनी वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख : 26-2-1985

मोहर 🛭

त्रक्ष बाइं.डी.एन.एस .-----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंस रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 137/जुलाई/84--यतः, मृझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

ग्रौर जिस्को सं० आर० एस० सं० 91, 92, 93, 94 ग्रौर 96 है, जवे अकलप्पा तगर, हिल्स रोड, मद्रास-10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूणा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारा के कायोशय, एस 2 जार० मेरा मेट दस्तावेज सं० 651/84 में रजिस्ट्रांकरअ अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख जुनाई 1984

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके त्र्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत संपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नीलिश्त उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की वाबस, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उक्तसे अकने में सुविधा के जिए; और/या
- रें एंसी किसी नाय या किसी प्थन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना पाहिए था, स्टिपानी ही सहिया की निए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा..(1) के अधीन, निम्नतिश्चित व्यक्तियों. अर्थात:---- 1. श्री कुषों कुमारी गोकुलदास

(अन्तरकं)

2. श्रीमतो लीला जार्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करुको पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप द्र-

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जयाँच दा तत्सावन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की जबिंद, जो भी खब्धि बाद में स्वास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 हिन को भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबहुध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे जा सकींगे।

स्थब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त बुक्ते बौर पदों का, बो उक्त बाँधीनयम् के बश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बश्याय में दिया ग्रा है।

#### अन्स्ची

भूमि डोर सं ० 141, अलकप्पा तगर हिल्स **रोंड**, मद्रास-10 (दस्तावेज सं ० 601/84) ।

प्रेम मालिनी वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 21-2-1985

शक्त आहें <u>को अन्य अन्यय</u>नकान

भावकर किभिनियस, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के अधीम सूचना

बारत सरकाड

कार्वाजय, सङ्घावक नायकारु आयुक्त (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज-1 महास,

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1985

निदेश सं ० 140 / जुलाई / 84 — अतः मुझे प्रेम मालिनी वासन,

क्षामकर अविविद्या 1961 (1961 का 43) (जिसे इसका इसके परवाद 'जलन अधिक्षित्रमा' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वात करने के कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 25,000/-. रह. से अधिक है

और जिसकी मं डोर सं 11 है जो पेरियन्नमेल्ट्री स्ट्रीट पेरियपेठ, मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है ), रिजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय एस० श्रार० पेरियमेठ दस सं 0 633/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिनांक 16 जुलाई 1984

को प्रवेदित सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जीर मृत्रे वह विश्वास करने का आरण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृत्य, उश्की स्वयमान एनिकान में एनि द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा क्या प्रतिफल, जिन्निमिसित उद्योच से उन्त बन्तरण विविद्

- (क) अंतरण से हुई किसी शाय की बाबता, स्वयं अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक को वाबित्य में कनी करने या उससे अधने में तुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तिनों की विन्हें भारतीय आयकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) था उक्त जिनित्यम, या भन- कर अधिनित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्वा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

बत्क श्रंब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निस्थिस व्यक्तियों, वर्षात 2---- (1) श्री पेरि जेम्स और ग्रन्थों

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० सुबुसुन्दरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यस्पत्रियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की सर्वीप या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भोतर एवन स्थावर स्थावित के हिल्लबद्ध निमी नाय व्यक्ति द्वारा प्रवाहन्तरशहर है पान निचत में निग्र चा सकेने।

### बन्द्रकी

भूमि और निर्माण पेरिमन्न मेस्ट्री स्ट्रीट पेरियमेट महास-3

(दस्तावेज सं० 633 /84)

प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1, मद्रास

दिनांक : 29-1-1985

मोहरः ∹

# मुक्त आहे<sup>\*</sup>. कीं , एमं , एसं , ------

भावभार विभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

# **जारत तरकार**

# कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजाँन रेंज-1, मद्रास मद्रास दिनांक 29 जमवरी 1985 निदेश सं ० 141 /जुलाई/84-अप्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ,25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० हैं जो पेरियनमेस्ट्री स्ट्रीट पेरिमेंट मद्रास 3 में स्थित हैं (और इससे उपाधद ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय सं० प्रार० पेरियमेठ दसनावेज सं० 632/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निम्निलिचित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण निचित में गास्त- विक रूप से कृषित नहीं किया मुद्रा है ----

- हैंक) कन्तरक ने हुवै किसी जाये की बाबता, उबस जिम्मीनयम के जभीन कर दोने की जन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मॉर/श
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्त्त, व्या, उक्त विभिन्निम, की भारा 269-न की वनुसरक्ष वं् में, जक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्नुलिखित व्यक्तियाँ स्थाति ६(1) श्री पीर जैम्स और ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस मुत्तुसुन्दरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनक संपत्सि को अर्जन की संबंध में करेड़ी भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

## **न**न्स्**ची**

भूमि और निर्माण डोर सं ।।, पेरियमन्न मेस्ट्री स्ट्रीट, पेरियमेठ मद्रास-3

(दस्तावेज सं० 632 /84 )

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक :- 29-1-1985 मोहर:

# प्रकृष बहुर् हैं हुन् हुन् हुन

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर नायुक्त ((नरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० 142 जुलाई | 1984 -- ग्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख कि अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काल्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित वाजार मृत्व 25,000/-रुपवे से अधिक हैं

और जिसकी सं० घार० एस० सं० 77/1 है, जो पलैंट 9, ठोर सं० 8 एकमोर में स्थित है (और इससे उपाबड धनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय एस० घार० पेरीयमेठ दसतावेज मं० 626/ 84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण घाष्ट्रानयम 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन दिनांक 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्पित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एमें कश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्स अन्तरण निष्ति में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्मरण से हुई किसी जाय की बावत, उनते अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्य में कनी करने या उससे जयने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाम या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, अस्ति-का अधिनियम, अस्ति-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वार्क्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वार्क्त अधिनियम, विश्वार प्रकार नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती बनुमदि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें अपुन्दरेसवरन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को अर्थात को लि कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बामपे रं---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी ववधि ब्राध में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी-स्वन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किये जा सकर्ष।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, वो उनत अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अस्**स्**चीं

भूमि और निर्माण फ्लैंट सं० 9 ठोर सं० 8 एकमोर और० एस० सठ० 77/1 (बस्ताबेज सं० 626/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 21-2-1985

मोहरः

प्रकप नाइ, टी. एन. एस. -----

1 बि० प० नन्दकोबाल

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्वासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका) मर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० 143 जुलाई 1984 — ग्रतः मुझे प्रेम मालिनी वासन

भायकार गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ठोर सं० 18, फ्लैट सं० 85 है जो, हालस रोड़ कोलपाक मदास -10 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उग्चत बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसित उच्चे हेय से उक्त जन्तरण सिस्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्सरण से हुई किसी नाथ की नावत , अचत निधिनियन के बधीन कर देने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में अविधा के शिल्ए; बौर मा/
- (व) एसी किसी बाव या किसी वन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अपर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वैतिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिवित स्योक्तियों, अर्थात:—

2 मेसस एस० राजकोबाल और ग्रन्य

(मन्तरिती)

का वह सूचना वादी कार्के पूर्वीक्त संगरित के वर्चन के निष्ट कार्वनाहियां करता हु।

ंडक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपौस्त मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति मों किए जा सकरेंगे।

स्थळींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वन्त्रकी

भूमि और निर्माण ठोर सं० 18, पनैट सं० 85 हाल्स रोड, कोपाक मद्रास $\sim$ 10 (दस्तावेज सं०  $719^{\dagger}84$ )

्रेम माजिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, मद्रास

दिनांक:- 9-1-1985 मो**ह**ुं ः प्रकव बाह्य, टी. एत्. एत्.------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० 145/145 जुलाई 1984—प्रतः मुझे प्रेम मालिनी वासन आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिक्त गणिनियम' कहा गमा ही, की वार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गणार मृत्व 1,00,000/-रा. से अधिक ही

और जिसकी मं० श्रार० एस० सं० 190 फ्लैट सं० 50 हैं जो पेरम्पूर मदान में स्थित हैं (और इमसे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० सेम्पीयन दस्तावेज सं० 2304 /84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 जुलाई 1984 को पूर्वींकत संपरित के उचित बांजार मूल्य से कम के इच्यमान श्रीतफल के लिए जल्लिन की गर्ध है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है जिल्लाम श्रीतफल को स्थान श्रीतफल को एसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण

- (क) जन्तर्ज ते हुई किसी बाब की वाबत, उक्त जीभीनयभ के अभीन कर दोने के जन्तरक कें दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एनी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट-नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा कै-किए!

बत: अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निक्रनिविद्या व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रीमती कलपकम रेन्काचारि और मन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० चेल्लदुरै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचला जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 विन की ज़बीभ या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

भूमि पर्लंट सं० 50, पेराम्पूर परसवाकम, तालूक मदासः (दस्तावेज सं० 2304 /84 )

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸1, मद्रास

विनांक:- 21-2-1985

माह्य थ

प्ररूप वार्ष टी एन एस् - - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985 निदेश सं० 147/ जुलाई /1984—अतः मुझे प्रेम मालिनी बासन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आर० एस० सं० 11282/1 है, जो सं० 46, मलय पेरूमाल स्ट्रीट जी० टी०, मद्रास -1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सोंकार पेठ दस्तावेज सं० 333/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1984

का कृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित कि गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपरित का उचित. बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिकत उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ने हुई कियी जाय की वावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाबित्य के क्यों करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १०५७ (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, दिलाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. में. उथत अधिनियम की धारा 269-म की सर्पधारा (१) के सभीन्∡ निम्न्टिनकित व्यक्तियों, स्वीक् क्र--- (1) श्री एस० काजा मुहैदीन

(अन्तरक)

(2) श्री मासमिन हमीद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहमा शुरू करता हुं।

जन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व बनिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विशेष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निश्चित में किए या सकी।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 46, मलयपेरूमल, स्ट्राट, जी ० टी ० मद्रास -1 आर ० एस ० सं ० 11282/1 (दस्तावेज सं० 333/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, मद्रास

दिनांक: 20-2-1985

हिर :

प्ररूप लाई. टी. एन. एस. 🗷 - -

भायकर अधिनियभ, 1061 (1961 का 43) की भारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्रास मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985 निर्देश सं० 48/जुलाई /1984—अतः मुझे प्रेम मालिनी सन

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह दिक्यास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलको सं ० ठोर सं ० 45 है, जो पेंदुनयक्षनपेट, मब्राप में स्थित है (श्रीर इतके उपाबद्ध अनुसूच) में श्रीर पूर्ण या से विणित है) पितस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० एए ० सीकाप्रपेट दस्तावित सं ० 299/84 में भारतीय रिप्ट्रिं एप अधितिसम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिन. प्राहित 1984

को पूर्वोका सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति । कं ित अतारत की गृष्ट हैं और मज यह निश्चान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मजिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप रूप से किथत नहीं किया नहा है दि—

- (क) गामिक में हुई किसी आय की बाबत उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी एरने में उनमें बचने में सृविश्व के लिए, अर्रेंग्रंथ
- (स्व) एन्सी एकसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आध्वार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती रादाबाय श्रीय मुक्तेमन अलैस सुरेन

n ne<u>jamatu</u>nnu yingil w<u>atara marin</u>opol<u>imba</u>an kanolika, kol<del>imba</del>akkee ka ku o

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी के राउमा और अमबाहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कराडे पूर्वावत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) देंस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या मत्मध्यन्थी व्यक्ति।यों पर सक्ता में तामील में एवं कि वर्त अवधि, यो की सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स प्रक्रियों में में मिली व्यक्ति स्वास्त,
- (ख) इस मूचना के राजवत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उपाय स्थातर रुम्पत्ति मा हित-बद्ध पिसी जन राजवा स्थाप अमोहरू क्षारी के ग्रस निक्ति मा किए जा सकोंगे।

स्विधानेकारण (२००८) समे पापकन अवसे और प्रशासित, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बही अध्यानी, ना उसे राज्य र जिल् स्था ही।

## वन्स्ची

भूमि ग्रांश निर्माण ठोर सं० 45, वठमले मेरदी स्ट्रीट पेद्नयकनगेट, मद्रास (दस्तविज सं• 299/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक: - 21-2-1985

प्ररूप बाइं.टी.एच.एस.------

नायकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्याजव, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राय

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश स० 150 /जुलाई/1984--अतः मुझ प्रेम मालिमी वासम

भावकर निविवयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बीधनियम' कहा गया ह″) की भारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लाच करने 🖏 कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

चौर जिसकी सं० आर० एस० सं० 6857 घो० एम० सं० 4412 है जो ठोर सं० 100, नारायण मुदला भद्रास --79 में स्थित है (धीर इससे उपावद्व अनुसूर्च: में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० न्वीकारपेठ दस्तावेज सं० 305 /84 में भारतोय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक 16 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का धिकत बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब भावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनक अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया रदा 🖫 :----

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की बाक्स, विधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा को लिए; और∕या
- (कं) एरेसी किसी जाय या किसी भन या अन्यः आस्त्रियों को चिन्हुं भारतीय नायकर निधनियस, 1922 1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थं अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए:

वतः वव, उक्त वर्धिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरक थी, थी, उनते अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) 🖷 वर्षीरा, शिम्नलिकित व्यक्तिवर्रे, वर्षात् ए-—

(1) श्री एन० नायुमानसुन्दरम

(अन्तरक)

(2) श्री सन्दीलाल गौर तीन अन्य

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्स सम्पक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबिंध बाद में समाप्त होती हो, के शीसर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ल्बच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा 🐉।

# अन्यूची

भूमि भीर निर्माण सं० 100, नारायण मुदलि स्ट्रीट मद्रास -79

(दस्तावेज सं० 305/84)

•प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक नायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जम ऐंज-1, मद्राय -

दिनांक : 21-2-1985

मोडर 🖫

ब्रक्षण बाहाँ, टी. एन. **एक**ुंच------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत वर्डकार

# कार्यालय, सहायक अन्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 26 फरवरी 1985

निर्देश सं० 151/जुलाई 1984—अतः मुझै प्रेंम मालिने।

वासन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

भीर जिसको सं ० ठोर सं ० 289 है, जो मिन्ट रोड मद्रास -79 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रिजिट्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, एस० आर० श्रो० सौकापेंट वसतावेज सं ० 297/84 में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनाक 17 जुलाई 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाबार मूल्य, उसके इस्यभान प्रतिकत से, एसे इस्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया स्वाप्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधित में अस्तिक हमा से अस्तिक कर से किया मूला की सिंग से अस्तिक कर से अस्तिक कर से किया नहीं किया मूला है :-

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कभी करने में उसमें बचने में स्विधा के लिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अत्र, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में , इक्स अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रः टि० वेन्कटमुक्रमणयम

(अन्तरक)

(2) श्री पि० ए० सुबमणय तेंबर

<sub>(प्रत्स</sub>रिती)

को यह श्वापा जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के कर्जन के विषय कार्यवाहियां करता हुं।

# उसत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाबांप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वै 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यथि, यो बी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वा 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्मति में दिख-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उपर विभिन्नियम के वश्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिना नवा है अ

# बनुसूची

भूमि श्रोर निर्माण ठोर सं० 289, मिन्ट स्ट्रोड जी •टी • मद्रास -79।

(बस्तावेज सं० 297/84)

प्रेम मालिकी वासम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 26-2-1985

मोहर∎

प्रकृप बाह्", दी. एष्. एस. ------

नाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### **मारुत सरकार**

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राय

मद्राम, दिवांक 21 फरवरी 1985

निर्देश सं० 152/ जुलाई/1984 ---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

सहायक आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० 231 मिन्ट स्ट्रीट है, जो मद्रान -3 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), -रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय एस० आर० सोकारपेट दस्तावेज सं ० 296/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक 16 जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हाइ किसी भाष को बाबल सक्तर अभिनियम के अधीन कर की के अन्तरक से शास्त्र में कमी करने या संसक्ष तक्षम में स्विक को मनए; और/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को किही भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हत अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए पर, छिपान में सुविधा अहे नेलए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, अधीत् :--- 1. श्री अरूताचल कुरूकल

(ग्रन्तरक)

 श्री डि॰ अमोक कुमार ग्रोर एस रमेष कुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखें के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्माना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में संकिती व्यक्ति द्वार.
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को शारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहम्साक्षरी के पास जिल्हित में फिए जा स्कारी।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिमा एया है।

# **उन्**स्ची

भूमि श्रीर निर्माण ठोर सं ० 231 मिन्ध न्द्रीय मद्रान-3 (दस्तावित सं ० 296/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज्=1, मद्रास

दिनांक : 21-2-1985

प्रकृष् वार्षं .टी . एस . एस , -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की न्यारत २६७-६ (1) के वधीन स्वणा

#### भारत बहुकान

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) **प्र**र्वत रेब-1, मदान

मद्रात, दिनांह 21 फरवरी 1985 निदेश मं० 153/ ज्लाई 1984---- ग्रतः मुझे प्रेम मालिनी वाधन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तरें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 /- रत. से अधिक हैं

और जि.की मंग्र ठी। मंग्र 70 है, जो परमानन्दमुतलि स्ट्रीट मद्रा :-1, में स्थित है (और इनसे उपावद अनुसूची में और पूर्व का ने विणित हैं ), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, के ार्या त्य, सं०ए ३० श्राप्त सो ारपेठद∳तावेज सं० 287/84 में भारतीय रिजण्दीहरण अविदिस, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांत जुलाई 1984

को दुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान पितफार के लिए अस्तरित की गई है। और भूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिस्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण् निस्तित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत, उक्त अधि -नियम को अपीन कार दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे भचने में लेकिया के लिए; वौर/याः
- (ब) एमी ने लगी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तल अधिनियम, मा भेनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नका था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधाके लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उवत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्तीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हु---

(1) श्री पी० दूरैसामि

(श्रतरकः)

(2) श्री पी० टी० सेनवराजन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

करत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधानस्माक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

**म्पच्योकरणः--इस**र्मे प्रयुक्त कर्न्यों और पटौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बादी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मयां 🗗 ।

भूमि और निर्माण सं० 70, परामानग्रमुतलि स्ट्रीट मद्रासः -1

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहाय र श्रायकर आयुक्त (िरीक्षण मर्जन रेंज-1, मधास

दिनांक : 21-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप कार्ड, टी. एत. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाग्क्त (निर्दाक्षण)

भर्जन रेज-1, मदास

मद्रास, दिनांकः 19 फरवरी 1985

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 28, जी में सिन्दा साक्षिय स्ट्रीट, मद्रास-1 है, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है ), रिजस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सौशापेंट दस्तावेज सं० 289 /84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से का के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कोर अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पत्ना ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क्) नंतरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-निवृत्र के ब्रथीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कभी करने या उससे अध्योग स्विधा के लिए और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन जा बन्स वस्तिकों की, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विभाने में सुविभा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभाय (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हु--- (1) श्री एस० ए० सेत श्रांत और श्रन्यें

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० ए० एम० सकीरा

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बादी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के न्वन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीज़ से 45 दिन की जनिज मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की जनिभ, जा भी नवीध बाद में समान्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किली एड कित दुवारा;
- (क) इस लुक्ता के राज्यक में प्रकाशन की तारीक् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कांगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उन्ह अधिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यी

भूमि और तिनींग-28, ग्रन्टा सित्ब स्ट्रीट, मब्रान-1 (दस्तावेज सं० 289/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज∎1, मद्रास

दिनांस: 19-2-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाई.टी.एन.एत. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षिक)

र्मर्जन रेंज-1, मब्रास मब्रास, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० 155 जुलाई 1984----म्रतः, मुझे प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मर्वे सं० 572 है, जो कोवकोन्टयल्ली, कोसुर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मृतुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० भार० कोसूर दस्तावेज सं० 2290/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रतिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन दिनांक 16 जूलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल से पत्ते इत्यमान प्रतिफल से पत्ते इत्यमान प्रतिफल से पत्ते अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी नाय की वाबत, उक्त अधि-ृिनयम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; अरि/क्ष
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह अरितीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए:

जतः जब उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अध्रुत, निस्निसिक्त स्यक्तियों, अधौतः :---

(i) श्री मृक्कीप्षियापा और धन्य

(ग्रन्तरक)

(2) मै० दःजनान एन्टरप्रासस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारौंख वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध-किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय भें दिवा गया है।

# यनुसुची

भूमि और निर्माण कोदकोन्डपल्ली गांत्र, बोम्मखालाली, कोसूर तालुका।

(दस्तावेज सं० 2290/84

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिवारी सहायक स्नायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1 मद्राः

विनापः :- 20·2-1985 नोहरः प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राज, दिनांक 27 फरवरी 1985 िदेश सं० 156/जुलाई 1985---श्रतः मुझे प्रेम मालिनी वासन,

बायकर किंचित्रमा, 1967 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ कें अधीन संधम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति , जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी क्षाय की नावल, उक्त लिधिनियम के जधीन कर बोरी के क्ष्तरक फं दायित्थ में कमी करने या उसले तचने में स्विधः के सिए; बीर/वा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, बिन्ही भारतीय आय-छर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९22 का 11) या उक्त अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती दशस्य प्रकट नहीं किया स्थानी स्थानिय किया जाता प्राहिए था किया में सुविस्स के निष्ट्

सरा: अच, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण कें, सी, लबेल कीधिनियम की धारा 269-च को उपधार (1) कें सधीत, निकासित किसित किसित कें। (1) श्रीमती राजम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० देः राजमणिकम ।

(ऋन्तर्रितीः)

भी यह सूचना गरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के किंद्र कार्यवाहिमां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख संव 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 थिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समापा होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पट्योकरण:—इसमे प्रय्क्त शंब्दों बीर पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण देशिविति हू गाय, ओमलुर तालुर । (दस्तावेज सं० 681/84)।

प्रेंम माधिति वामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (दिरीक्षण) श्रापन रेज-1, महास

तारीख: 27-2-1985

बोहर 🛭

प्रकप बाहै. टी. एन. एस. -----

बावकर बीधिव्यव, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्योग क्या

#### नारत बरकार

कार्यासय, सहावक आवकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रेंज-1, मदास

मद्रास, धिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं० 159/ जुलाई /1984----प्रतः मुझे प्रेन भालिनि वासन,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतने इतको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थाबर तस्यीत, जिसका उचित बाजार मूल्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी मं० टी० एम० सं० 629 है,

जो राम सामि स्ट्रीए िचिपालयम सेतम उन्कृत में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिक्किट्रीकर्ता में श्रीधकारी के वार्यालय, जें० एस० झार०-1 सेनन धरतावेज सं० 1767/84 में, भारतीय रिजस्ट्रीयरण मधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीवीन दिनांग 16 जुलाई, 1985

की पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिबतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास
का कारण है कि ग्रभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिकत्त से विश्वक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निलित उद्वेष्य से उच्त लिखत में वास्तविक रूप से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है १——

- (क) जनतरण **पे हुई किसी आय की बावत,** उपका अधिनियम की अधीय कार दीने की मृत्यूरक की सहित्य में की करने का उसते वचने में सुविधा के सिन्ह; बीट्र/बा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या खन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, ता धनकर अधिनियम, ता धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के किए;

अतः शव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधिन निम्मलिखित व्यक्तियां व्यक्ति के स्थान (1) श्री टी० पीर० मुक्तमप्ट रावृतर ।

(प्रन्तरक्)

(2) ए० पेव्हमाला।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना धारी करके पूर्वितत सम्परित के वर्षन के लिल कार्यजाद्वियां करता हुं।

जनत सम्भाति। के भर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी बाक्सेप :---

- (क) इस भूषना के राजपत में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, शो भी अवधि शाद में तसापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यां नत्या भी से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थल को शाप्तत्र में प्रकाशन की सारीच वे 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित्बब्ध किसी कन्य व्यक्ति इंगरा सभोहस्ताझड़ी वे पाद लिखित में किए आ सकरेंगे।

न्त्रं को स्वतं का स्वतं को स

# **प्रनुमुची**

भूमि और निर्भाण रामसामि स्ट्रीट, कीचिपासयम (दम्तावेज सं० 1767/84)

> प्रेम मालिनी वासन सझम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर प्रायुपत (निरीक्षण) प्रार्वन रेंज-1, मद्रास

दिनों हं :- 21-2-1985

नासन,

प्रकर्ा भाराँ हो हो । प्रन् प्रवाद क्रान्ट

(1) श्री जे॰ सुरेव।

(जन्तरक)

भायक उ सींभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सुचना

1. क्षी सुमन जी॰ सकसानि
 2. नमरटा जी॰ सकसानि

(अम्तरिती)

#### बारत सरकार

कार्याभव, सहायक वायकर जागुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, विनांक 26 फरनरी 1985

निदेश सं॰ 160/जुलाई /1984-प्रतः युक्ते प्रेम मालिनी

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन कक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० ठी सं० 36, है, जो मान्टीत रोड . मान्टीत स्ट्रीट, एकमीर, मब्रास-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब्रास सेन्ट्रल, दस्तावेज सं० 762/ 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उद्धित बाबार मृन्य से कम के इस्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त संपरित का उद्धित नाबार मृन्य उसके द्वयमान प्रतिकल के एसे द्वयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से शिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्वेषय से उसत अन्तरण निम्निसत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबद, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिलु कार्यवाहियों करता हुं।

# उक्त संपत्ति के बर्धन के बंबंध में कोई थी आसीप ह----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी कारितवीं पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की बनीच, थीं. भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका क्यक्तियों में से किसी कारित प्रविदा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बन्यत्ति में हिंच-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकरी के बाब लिखित में किए वा सकती।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिमाणित ह<sup>5</sup>, यही कर्ष होगा, को उस कथाय में दिवा गया है।

# नन्त्र्यो

भूमि और निर्माण सं० 36, मान्टीत लेन, एकमीर महास-8.

(दन्तवेज मं० 762/84)

प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रिमंन रेंज-1, महास

दिनांक :- 26-2-1985

**जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की भारत 269-म (1) हो अधीन स्थना

## बार्ड ब्रेडकार

कार्यासम् , सञ्चानक सायकर सामुक्त (निर्धाण)

धर्जन रेज-1, मद्रास

मद्राय, धिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० 161/जुलाई /1984--अतः, मुझे, प्रेम मासिनी वासन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इक्ष परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),** की धारा 269-इं के अधीन तकाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का **कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृ**ल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

**भीर जिसकी स० भार० एस० स० 1633/16 है, जो ब्लाक** स॰ 52, एकमेर गांव, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद **धनसूची** में **भौर पूण** रूप से वर्णित है ), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल दस्तावेज स० 747 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उपित माजार मूल्य से कम के रश्यमान नित्कत के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार भूतम, उत्तक स्थमान प्रसिक्त से, एसे स्थमान प्रतिकल की पल्ला प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंसरितिबों) के बीच एसे बंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कल, निम्नलियित उप्रदेश्य से उक्त मन्त्ररण लिखित में वास्त्-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बर्रिशीनवस् के ब्योग कार दोने के बन्तरक के **दादिल्य के क्रामी** करूने या **उक्से दलने में** सुविधा में विद्याः लीड/वा
- (६६) ऐंद्री किया अगय मा किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्ही नारुतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या धन-**कर अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) **के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं** नवा था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रीवया ने बिरः

**जब: जब, उक्त अधि**नियम की भारा 269-न के अनुसरण में , में , **अक्त मधिनिय**म की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्नीसियद् व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्रीमती विदया हिंदारि।

(म रह)

(2) मैं भर्म श्री रमलसीमा पापु मिलसू लिमिटेड । (झन्तरिती)

को यह सुक्ता आडी करके पृथ्यित सम्मृतित के वर्षत के सिव कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप हन्त

- (क) इस स्वाना के राजप्त में प्रकासन की सारीच । 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी अयुक्तियों प सुचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती है, को भीतर पूर्वी क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभेष्ठस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धिकरण्:--देसमे प्रमुक्त सम्बद्धे और पश्चे का, वा श्वक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा यो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्माण ब्लाक गं० 52, एक भर गांत्र, मंद्रास आए० एस॰ र्मे 1633/16।

(दस्तावेज र्स० 747/84 )

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहाए भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंजडा, मद्रास

दिनांक:- 13-2-1985

माहुद्र 🖰

भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सामकार आयुगत (निर्देशिष) अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास धिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० 167 / जुलाई 1985 --- श्रतः, मुझे, प्रेम मासिनी वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उझ्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से राधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लॉट र्स० 3465 है, जो मुलास में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० मन्नानगर दस्तावेज श्रार 2485/84 में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 1607 के श्रधीन विनांक 16 जुल।ई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- बिराय के हुई किसी नाय की नानत, सकत अभिनियम के अनीन नार दोने के अंतरफ के दायिक में अभी कारने पर उसारे नकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957—(1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

ब्रुः बंब, उपरा अधिनियम की धारा 260-ग के ब्रुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) डाक्टर जमधी कुण्णन।

, 7, 19 )

(अन्त रक)

(2) मास्टर एम० एस० रामचन्द्रन ।

? भ्रम्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की टारींच है 45 दिन की अविध या तरसंबंधी क्योंक्टियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिनवष्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त खन्यों और पदों का, भी उन्हें अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ण होगा करें उस अध्याय में विमा ग्या है।

## बनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण फ्लॉट र्स० 3465, मुलकम,। (बस्तावेच र्स० 2485 ग्रीर 2486/84)

> प्रेम माणिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायक ब्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, श्रहास

दिनांक -: 1--/3--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1985

निरेण स 170 जुलाइ 1984--- म्रातः मुझे, प्रेम मार्थिमी नसन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात उकत मिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

करें प्रवीवत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करि गई हैं और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण हैं कि सभा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखत उक्तेच्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की बाबस, उपत अभिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया क्या धा का किया चाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

शतः सम, सक्त विविधिष्य की भाग 269 न के अनुसरक की, मी, सक्त विधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के विधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधार :--- (1) श्री टी॰ ए॰ सरिपया मुहमद।

(अन्तरका)

(2) श्री जी० माध्यूस

(भ्रन्भिरती)

स्रो वह स्थान वारी करके पृश्वीक्त सम्मिति के वर्षन के जिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मां कोडी भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, मो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंकिं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारोख से 45 दिन के भीतर तक्त स्थानर सम्पात में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सम्पातक में किए का सकर्य .

क्ष्ण्यकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मस्म्**ची

भूमि क्रोर निर्माण पेरियगूठल गांव टी॰ एस०र्स॰ 100। (धस्तावेज र्स॰ 2415/84)

> प्रेम मालिनी भासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, मन्नास

दिनांकः :-- 1-13-1985 मोहर अ મ ુ

1

प्ररूप कार्ष. दी. एव**् एस**्नन्नन

भायकार अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

## भारत रारकार

कार्यालय, वहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्णन रेज-1, महास बहार, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० 171/जुलाई/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिने। यासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूर्ल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिपका संक क्षिट संक 1843, है जो, अन्ना नगर, भद्रास-40 में स्थित है (श्रीर इत : उपाबद्ध अनुसूखी में श्रीर पूर्ण कर सा गीण (है), रिजिस्ट्राक्षती प्राधिकारी के कार्यालय, एमव आरव अगामगर संकाल के 2406/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीन करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16') के श्रधीन तारीख 16 जुलाई, 1984

को प्रवेधित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल को जिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरदमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार बंतरिती (अंतरितियां) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से अक्त अंतरण किवित में बास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई कियी आय की बाबस, उक्त लिधिनिया के अधीय कार दोने के बंसरक के प्राप्तिया में कभी कारने या उससे नचने या सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में न्धिया ही लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुहरण के, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिखित क्यिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० नरायण ऐयन्कार।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री डाक्टर वी० एम० वेन्कटेसन । (ग्रन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

दक्त सम्परित के लर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
  45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी
  जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
  स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिसबस्थ
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहन्ताक्षरी के पास
  जिख्य मो निग्र जा सकोगे।

# नन्दर्ध

भूमि और निर्माण ब्लाट सं० 1843 श्रारिकर श्रन्ता नगर, महास-10

(दस॰ सं॰ 2406/84)

्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकाशी महायक ग्रापकर ग्रापुणन (निरीक्षण) ग्रुजन रेज—1, महास

दिम**ि**न : 1-3-1985

मोदर अ

प्रस्प काई. थी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-घ (1) के अधीन सूचना । भारत सुरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मधास, विनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं2-172/जुलाई/84—श्रतः, मुझे, प्रेम मालिति वासन,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्नि अधिनियम' अहा गया है)., की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी मं० श्रार० एस० सं० 238 है तथा ओ के कार्ट कालोनी II स्ट्रीट, विचियाकम, महास-40 में स्थित हैं (और इसमें उपावह श्रृतुम्बी में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजर्ड़ीकर्ता श्रिवकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रन्तानगर, दस० सं० 2346/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसकी दश्यमान प्रतिफल से, एंचे दश्यमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम् संहुई किसी बाय की बाब्त, उक्त अभिनियम के अधीन कर योगे के बन्तरक श्री दायित्व मी कमी करने या उससे वंगने मी सुविधा श्री सिए; बाँड/बा
- (वा) एसी फिसी नाम मा किसी धन या अन्य नास्तिमाँ का, जिन्हां भारतीय ज्ञाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट वहीं किया था या किया जाना चाहिए था। सिष्पाने में सविभा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण म, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीत, निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत् हिल्ल (1) श्रीमती कस्तूरी बाई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमसी ए० सन[द देशी।

(भ्रन्त(रती)

भी यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपथ में प्रकारत की तारीश से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी ध्यित्तयों पर स्कन की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तिण में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उत्रत स्थातर स्थिति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व निविद्या में किए जा महर्ति।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि और निर्माण कै कोर्ट कालोती, श्रस्ट्रीट विलिवाक मद्रास—49। (वस० सं० 2346/84)

> श्रेम माजिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रःथुक्त(किरोधण) श्रर्जन रेज~1, मद्रास

विनांक : -1-3-1985

मोहर इ

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

कानकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यातम, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महाम

मश्रास, दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० 176/जुल।ई/84--धनः, मुझेः प्रेम मालिनि बासन,

सायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ड के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 311 है तथा जो भ्रयनावरम गाव में स्थित है (अंदि इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वांणत है) राजस्ट्रीकर्ता भ्राधकारी के कार्यालय एस० भ्रार० श्रन्ता नगर दस० सं० 2608/84 में राजस्ट्रीकरण भ्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जुलाई 1984

की पूर्विति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ण्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं किसा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती कृष्ण वेणि रतनम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० कनुमनवन्द्र ।

(श्र•ा(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थानतारं में से किसी स्थानत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति ने में हित्र का नहीं है।

स्थल्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण ग्रमनावरम गांव टी० एस० सं० 3/1 (दस० सं० 2608/84)

श्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्शन रेंज⊶1. महास

िदनांक 1<del>8</del>3—1985 मो**हर** ⊈ प्रकृष् आइ".टी.एन.एस्.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, महास

मदास दिनांक 1 मार्च 1985

निदेश सं० 178/जुलाई/84—श्रतः, मुक्षे, प्रेम मालिनि वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- छ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं ० प्लाट सं ० 80सी ० है तथा जो सान्दी कालोनी मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के इच्यमान प्रतिफल के लिए मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बाधक है और कन्तरक (कन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया यदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्लिक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त लिभ-नियब के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उबड़े बचने में सुविधा के निष्: और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना बाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

लतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तिया, अर्थात :--- (1) श्री सी० टी० एनिराजुल्।

(भ्रन्तरक)

(2) एम० बी० सुन्नमणवम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पृतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोर्च भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बक्षि भाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पृशांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल वर्ष किसी बन्य स्थावर संपत्ति में हिल वर्ष किसी बन्य स्थावत व्यासा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सक्ति।

स्पष्ठीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी जर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया बना है।

# **धनुसूची**

भूमि और निर्माण-प्लॉट सं० 80सो सन्दी कालोनी, नदास-40।

(दस॰ मं॰ 2580/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, गदास

दिनांक : 1~3~1985

मोहरः :

13--26GI/85

# प्रकथ नाइ . दी . एन . एवं , -----

भाषकर वांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-1 मदास मदास, दिनांक 1 मार्च 1985

निवेश सं ० 179/जुलाई/84--- प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

भीर जिसकीं सं े टी े एस े सं े 392 है तथा जो मुल्लम गांव में स्थित ह (और इससे उपाबड़ प्रनुसूची में और पूण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस े प्रारं प्रशानगर, दस े मं े 542/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1984 को पूर्वोक्स संपत्सि के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखिर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कां) अन्तरण संहुर किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिएपत हा सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के असमरण कें,, कें, जक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) कें, केंग्रिक निम्मित स्थितियों अधितः— (1) श्री पीठ जेठ पिन्टो।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टाक्टर एस० नटेसन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीक से '
  45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि; जो भी
  भवति बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, को उन्हर अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

भूमि और निर्माण मुल्लम गांव टी० एस० सं० 392 (दस० सं० 542/84)

> प्रेम मालिनि बासन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 1-3-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष बाह्ं ु टी ु एन ु एस ु------

(1) डक्टर प्रसन्ता विजयराघवन ।

(मन्तरक)

# बाबफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाद्रा 269-घ (1) वे वधीन व्यवना

## बारत सुरकात

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1985

निदेश सं० 182/जुलाई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिन वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० वार्ड सी, ब्लाक 6टी० एस० सं० 161 है तथा जो अलकप्पापुरमपुतुर गांव सेलम डेस में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत हैं) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० अगर० सूलमन्कन्लम दस० सं० 1590/84 में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का

16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1984
क्या पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिकल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचत में वास्त्रिक
क्या से कवित नहीं किया गया है द

- (क) अध्याप से हुई हैक्सी मान की नायक उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में क्सी कहने या उसके वक्त में सुविधा के निए; बीर/मा
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी पन या जन्य अगस्तियाँ की, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त् अधिनियम या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए:

जतः अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथातिः (2) श्री एम० ग्रार सोमलिन्कम ।

(मन्तरिती)

को बहु सूचना बा<u>डी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन</u> के बिह्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप 🚃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दानील से 30 दिन की बन्धि, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाहत
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पूर्वों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया यथा है।

# अनुस्ची

मूमि और निर्माण ग्रलकपुरमपुतुर गांव (दस० सं० 1590/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 5-3-1985

# प्रकृष बाह् ं टी. एत्. एव .-----

नायकर निर्धानयम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंच-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1985

निर्देश सं० 9/जुलाई/84-स०ुआ०आ०-अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 36/3 ह, जो, अविलपट्टी गांव, सेलम तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है । रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० बाबपिठ दस: सं० 17 89/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 190 € (1908 का 16) के श्रवीन 16 जुलाई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यः से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिस में बास्तिबक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तहरू के हुई किसी बाब की बाबत, उनक बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; बरि/या
- (श) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपभारा (1) के बर्धना निम्निसिक्त व्यक्तियों, बर्धात क्ष्म (1) राजमाणिकम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रसेकरन

(अन्नतरिती)

का यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जुर्वन के तिल् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त हम्पति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष् :---

- (क) इस स्वा के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की नविध्या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वा को तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वष्ट्रीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया युवा हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण- ग्रवटिपटटी गांव सर्वे सं० 36/3 (दस सं० 1789/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायकं ग्रायक**्धायुक्त निरीक्षण)** श्रेजनरें ज-1, मद्रास

तारीख : 21-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आधकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनां ३ 20 फरवरी 1985

निदेश सं० 33/जुलाई/84---ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें -इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

है, तथा जो राजमपालयम गांव, और जिसकी सं० परामदी सें स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० स्नार० परामदी ,दस० रं० 642, 643, 644, 648, 652 और 656 है तथा जो भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ज्लाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ड्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल् के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अग्तरण के लिए तय गुया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाने। चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

वतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री करुपा नायकर ।

(अन्तरक)

2. नामकल कोन्कुनाडु वेलकर सन्क।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्**षी

भूमि और निर्माण --परामदी नाकम्पालयम गांव, सर्वे सं० 85/1।

(दस० सं० 642, 643, 644, 648, 652 और 656 84) 1

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 20-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय... सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार० → 62/43765/84 - 85 -- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 7/4 है, तथा जो 12 कास-6, मैन रोड़, मल्लेश्वारम, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 84

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सूर्तिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

श्री के० डी० शेषादि,
 नं० 25, नारयणा कृपा,
 तिरुवेंन्गडम स्ट्रीष्ट,
 नन्दाविल्ल,
 मडास-28।

(अन्तरक)

श्री जे० रमेश,

 नं० 33,
 मैंन रोड़,
 X कास, मल्लेश्वरम,
 बेंगलर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुष्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45. दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनस्यी

(दस्तावेज सं० 2211/84, ता० ग्रगस्त 84) सम्पत्ति है जिसका सं० 7/4, जो 12 कास, 6 मैन रोड़, मल्लेश्वरम, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 14-2-1985

मोहर 🖁

# प्रस्य बाह् ्टी. एन . एव . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक वायकर वायकः (निरोक्कण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/43782/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

बायकर अधानपम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 1,00,000/-रंग. से अधिक हैं

और जिसकी स० 254 है, तथा जो कारकला कसवा विलेज, में आरकला (डी० के०) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारकला में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफ ल्ली क्ली क्ली कि विच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफ ल्ली क्ली क्ली कि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अपय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एची किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अकः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रोमती कें राधा वाई,
गणेश निवास,
श्रावनूर चर्व रोड़,
काबहु~सत्मान,
कि ओ० कारकता (एस० के०),
 (ग्रन्तरक)

श्री जिंक वीरि,
 कावलू ग्राफ कारकला,
 कसचा विलेज,
 पोस्ट कारकला-574104

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से.
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

(दस्तावेज सं 341/84, तारीख 28-8-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० 254, जो कारकला कसबा बिक्षेज, कारकला (डि० के०) में स्थित है।

> आंग्० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, बंगल्र

तारीख: 20-2-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/45433/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो चिकाक टिरपा गार्डन, तामस टाउन, बेंगशूर-84 सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के वार्यालय, शिवाजी नगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से एसे दर्शमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख), एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया'जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती ए० एन० इंदिया, नं.-94-ए०, 1-ए, कास, 7 मैन, II ब्लावा, जयानगर, बेंगलर।

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्स ह्यापि कन्स्ट्रवशन्स, पार्टनर--श्री बी० बी० जान, 134, माधावा रावा शेदलाबार रोड़, फेजर टाउन, बेंगलुर-5।

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निश्

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखत में किए **वा सकेंगे**।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अनुसूची

(दस्तावेज रं० 2399/84, तारीख 19-11-84) सम्पत्ति है जितका एम० नं० 40, जो चिकुकाकदिरप्पा गार्डन, नामस टाउन, बेंगलूर सें स्थित है।

> श्चार० भारहाचे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रुकेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 8-2-1985

प्ररूप बाई .टी.एनं.एसं. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बेंगलूर बेगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1985 नवेश संबुधित स्थार 62/45190/84-85---

निदेश सं० सि० म्रार 62/45190/84-85-- म्राः म्राः म्रार० भारद्वाज,

बायक्र अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/15 है तथा जो II मैंन रोड़ केम्पापुरी अग्रहारा, मारेनाहिल्ल, बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय श्रीरामगुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; ऑर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती एम० सी० कृष्णम्मा, नं० 1, XX 20 मैन रोड़, केम्पापुरा ग्रग्रहारा मारेनाहिल्ल, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

श्री के० एस० नागराज,
 नं 1654, III स्टेज
 राजा/जनगर, प्रकाशनगर ब्रेंगलूर
 (अन्तरिती)ः

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत सन्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किकी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास किएए। वे विष्णु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अपित्रियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

## जन्म की

(दस्तावेज सं० 2824/84 तारीख नवम्बर 1984 सन्पत्ति है जिसका सं० 15/15 II मैन रोड केम्पा-पुरा अग्रहारा, मारेनाहाल्लि बेंगलूर में स्थित है

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज; बेंगलुर

तारीख: 13-2-1985

मोह्रु ;

14-36GI/85

# प्रस्प शाइ .टी.एन.एस. .----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 14 फरवरी 1985 निदेश सं० 62/45635/84-85-अतः मुझे आर० भारदाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिक्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी सं० 2323 है तथा जो II स्टेज बना करि एक्सटेंशन, बेंग्जूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्म से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्तं अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आब या किसी धन वा जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आंबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती एस० सौबाव्या,
 296, 26-कास,
 IX मैन, II स्टेज,
 बनाशकरि एक्सटेंशन,
 बॅगलूर।

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी श्रार० एन० सुदा, डाटर श्राफ श्रार० बी० एन० मूर्ति, 219, काटनपेट बेंगलूर-53

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

# अनुसूची

(दस्तावेज मं० 3107/84 ता 5-11-84) सम्यक्ति ह जिसका नं० 2323 जो II स्टेज बनाशंकरि एक्सर्टेशन, बेगलूर में स्थित हैं।

> र० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रुक्त रेंक बेंगलूर

नारीख: 14-2-1985.

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - -

ब्रायकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### धाउत स्टब्स

# कार्यालय, सहायक नामकर नाय्क्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेज बेगलूर

बेलूगर दिनाक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/43711/84-85-म् मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बायकर बिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी नठ० 661 है तथा जो II फेसक सारिक्क, उत्तराहां कि होबाल बेगलूर दक्षिण तालुक मे स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्णक्ष्य से, वाणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण तालुक में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने । क

कि यथा पूर्वोक्त सम्पांत का उचित बाजार मूल्य, उसके छवनान मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंति एती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भें बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाब की बाबत, उक्ख ब्रिश्नियम से ब्धीन किर दोने के बन्तरक के ब्रिबरण में कमी करने का उससे ब्यने में सुविधा के निए; ब्रीड/बा
- (क) एसी किसी वाय 'या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारितिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय या किया, जावा चाहिए था, छिपाने में सृविधर के लिए;

गतः जब, उबल जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, भीं, उबल जिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को नधीन, निम्निनिश्वट व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती बी० पुट्टामिणि
नं० 1 येडिबूर पोलिस लेन,
24-कास, 6 ब्लाक
जयानगर,
बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

सि० कृष्णप्पा
नं० 1461, 38 कास
4 टि० ब्लाक
जयानगर,
बेगलूर-11

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियाँ करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन, की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज स० 2892/84 ता० 6-8-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 661 जो सारक्कि 11 फेंस उत्तारहिल्ल होबिल, बगलूर दक्षिण तालुक में स्थित हैं।

> र० \ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर स्राधुक्त (नि**रीक्षण)** स्रर्जन रेज **बेंगलूर**

तारीख: 16-2-1985

प्ररूप आई°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेगलूर बेगलूर दिनांक 19 फरवरी 1985

निदेश सं० सि ग्रार० 62/43786/84-85--- ग्रतः

मुझे ग्रार० भारद्वाज

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बांजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 57-7, 57/9 और 57/11 है तथा जो टोडत्तरे बिलेज, कुन्द्रापुर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 16-8-1984

राजस्ट्रीकर्ता स्राधकारी के कार्यालय, बैन्ट्र (एस० के०) में, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 डाक्टर एम० लक्ष्मीनारायड शेट्टि शारदा कन्सलटेंट्स रूमस बैन्ट्र (एस० के०)।

(ग्रन्तरक)

 श्री मुल्ला मोहम्मद मीरा साहेब, शिरूर विलेज, कुन्दापुरा तालुक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज स० 116/84-85 ता० 16-8-84) सम्पत्ति है गिसका सं० सर्वे 57/7 57/9 और 57/11, जो वेडत्तरे विलेज कुन्दापुरा तालुक में स्थित है।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, बेंगलुर

ताख: 19-2-1985

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1º61 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कॉर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

्र प्रजैन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनान 13 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० आ२० 62/43770/84-85---- अत:, मुझे, आ२० भारदाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 234 से 241 है, तथा जो के कामाराज रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर सें, रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दो 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

- का पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रांतकल के लिए अन्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिव्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिकल रूप से कथित हों किया गया है
  - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत बाधिन्यम के ब्रंथीन कर दोने के ब्लाइण क दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्-/स
  - (क) एसी किस्स नाय या किसी धन या बन्य वास्त्यों. को, विन्हें भारतीय बायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत् विधिन्यम, या धनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, स्थादि क्षान्त

श्री एच० फतेचंद,
नं० 191/219,
के० कामाराज रोड़,
बेंगलूर।

2. श्रीमती जि॰ पूरपावलि तायार, केयर/प्राफ ए० के० सारंगपाणि, भहि अं।र रान्स, जनरल मर्चेटस, संवापेष्ट, संलम, (2) पि० राभालक्ष्माम्मा, ब्राहिम स्ट्रीट, चित्तूर (ए० पी०,) (3) सि॰ वसन्ता कुमारि, इब्राहीम साहेब स्ट्रीट, बेंगलूर, (4) जि० कोडिया, केरासिन डीएक्स, पेरिकृतम, मदास, (5) कें ० कं अंतूरि, मैन बाजार, वास्र, (6) जिं० ए ८० हेमालना, 111, दर्भाराजा कोयल स्ट्रीट, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनृमुची

(दस्तावेज सं० 1442/84, ता० अगस्त 84) सम्पत्ति है जिसका सं० 234 से 241 (पुराना सं० 201) जो के कामाराज रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बेंग्लूर

ता्रीख - 13-2-1985

• मोहर :

(अन्तरकः)

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961/(1961 का 43) की . स 264 छ (1) के अधीन सुचना

आरत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

वंगलूर, दिनाक 19 फरवरी 1/98 5

विदेश सं० पि० **ग्रार**० 62/43755/8-4--8,5---- ग्रत: मुझ, ग्रार० भारद्वार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० 78/40 है, तथा जो 12 कास, मागडि रोड़, बेंगलूर सें कि त है (अंद इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण क्य से विकार है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, गांधी लगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, गांधी लगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारी अधिका 84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अजरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ता रात्यों) के जान एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से की अत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई निजी बाब की दाव्त, सक्छ बिधिनियम के अभीन कर दोने के ब्लारक बी दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आज या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कत. कव उवत शंवित्यम की धारा 269-व के बन्दरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री शक्ष चन्छः
सं० 383/383,
श्रविन्यु रोड़,
बेंगलूर-•2।

(अन्तरकः)

 श्रीमती सुवा वाई, एच० ए० आर०, मोहम्मद्र विल्डिंग, बेंगलूर-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ज्ञामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्बद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्में का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज स॰ 1718/84, ता॰ अगस्त 84) सम्पत्ति है जिस*ा* सं० 78/40, 12 कार, मागडि रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधितारी (सहायक स्रापक्षर स्नायक (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, बेंगलुर

नारीख 19--2--1985 मोहर: प्रकृत लाहें .टी एन .एस .-----

ज.वा-र जरेपांचयम, 1961 (1961 कां 43) की धारा १६९-घ (1) के बधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्याच्य, यहायक व्यायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्वन रेजः, वेगल्य

वेभल्य, दिवतः 10 फरवरी 1985

निहेश में नी आएं 62/438 35/8 4-8 5--- अत: गझे, आ ७ भाई स,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रश्वात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-ख के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से विधिक ही

अ: ि.स.ी सं० 605/2 ,605/वे:०--2, 605/कें०--2/2, 605 कि 0 - 2/3 है. तथा जो 8 कार क्षेत्राय्या रोड़, भे कार मोहल्ला, मौसूर में स्थित है (और इस**से उपाबद्ध** अनसूचो मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधि-दारी के बायोलब, मैसूर में, रजिस्ट्रीयरण श्रधिविधम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ख 13-8-1984

- क रामाधन भए दिल के उचित बाजार मृत्य सं कम के **दण्यमान** प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरम आ बार्य है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मण्य उनके स्टमान प्रतिफल स , ऐसे स्टमान प्रतिफल का व क्रिर्ज नगत अधिक ही जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती ारितिराँ), दो बीच ोम जतरण के लिए तय पाया गया प्रति-े, रिक्किटिन न्द्रश्यार में अपने अवताओं विश्वित **में वास्तविक** 
  - (क) कन्तरण म हुई फिसी आय की स्वत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षाप्तितः में कार वरने या उनसे ज्वने में सुविधा 是中下 新人/AL
  - (क्ष) गोशी किसी आय या किसी धन या अन्य नाम्तियाँ जो किन्हें भारतीय वाय-कर विधियम, 1922 (:02) का 11) या उदत अधिनयम हा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र्छ प्रयोजनार्थ कन्त्रिती दनारा प्रकट नहीं किया गुग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा में निए;

अत. अब, उद्देश अधिनियम क्री धारा 269-ग के अनुसन्त्रण ब्रॉ, मी, उक्त विधित्तियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वं गीत, निम्नितिविन व्यक्तियों, क्षांन :--

- 1. श्री एस० के० श्रीविवासन
  - अलियास म्राति
  - (2) थी एस० के० लक्ष्मीतरासिंहन, म्रलियास एस० के० सुन्दर,
  - (3) श्री बी० के० गोविन्याराजन,
  - (4) एस० के० पद्मितिनि, म्रलियास वीण, श्रलियास राणि, वैश्री एस० कृष्णस्वामी। अलियास वस्तान, नं० एफ- 8. II ऋस, शंकरमठ रोड, फोर्ट मोहल्ला, मसूर।

(সন্বৰ্ধ)

2. (1) डाक्टर आर० लिना, चम्न्डेश्दारि मेटरनिर्दा और नरित्न होम, दवाम्बा, भ्रम्रहारा, मैसूर।

(अन्तरिर्तः)

को यह स्वना जारी करके प्रांतन सम्मत्ति के सर्जन के सिष् कार्यवाहिया रूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (फ) इस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा;
- (म) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पंष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अम् सी

(दस्तावेज मं० 2218/84 ता० 13-8-84) सन्पत्ति है जिसका सं० 605/2, 605/के०--2, 605/ कें।  $\cdot 2/2$ , 605/कें। -2/3, जें। 8 कास, कुणेंहाया रोड़, निः भार० मोहल्ला, मैसूर मे स्था है।

> आ ० भारद्वाज सन्तर 'गाविकारा सहायक आकार जायका (किरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख 29-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

#### भारत सरकार

र पर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

वेंगलूर, दितांक 15 फरवरो 1985

· निर्देश सं० ति० आए० 62/43586/84-85-अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्श अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 79-2 (उत्तर भाग) है, तथा जो किंद्र विलेज, मंगलूर में स्थित है (प्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, मंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्येमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और श्रंतरिती (अंतरितियों) कि बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) सोताम्मा, (2) शारदा,
  - (3) सुनन्दा, (4) वसन्ता,
  - (5) वनामाला, (6) सदानन्दा,
  - (7) सत्तोशा, (8) प्रेमाः
  - (9) सरोजनो (10) भासकारा,

- (11) सोताम्मा,
- (12) जयाकृष्णा
- (13) राजावि,
- (14) नारायणा,
- ( 15) श्रीनिवासा,
- (16) शिवारामा,
- 17) अम्मु,
- (18) जगत मोहन,
- 19) सुलोचना,
- 20) महेश,
- (21) वासन्ति, ग्रौर (22) हेमा, आल रेपासेन्टेड वै पी० ए० होल्डर, श्रो के० राधावा राव, कद्रि टेम्पल रोड, मंगलुर।

(अन्तरक)

बि० रामा सोतायटीजि,
 हेमावतो बिल्डिंग,
 बालमट्टा,
 मंगलूर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ंअनुसूची

(दस्ताविज सं० 514/84. ता० 9-7-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० सर्वे सं० 79-2, (उत्तरः भाग), जो कद्रि विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है। आर० भारद्वाज,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 15-2-1985

प्रकार कार्ड. डी. एन. एस. 🗷 - - ----

# **आवकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की** वास 269-व (1) के अभीन सम्बना

## भाइत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1985 निदेश सं० ति० आर० 62/43581/84-85-अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० 179-1, टि० एस० नं० 22-1 है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-7-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धितफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित भ नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्ट बीर/वा
- (६) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि वा जाना चाहिए था. छिपाने में ध्वविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के वर्षात, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत ः-

1. (1) के ० रुक्मणि शेट्टि, पोल्लाचि, कोयम्बत्तूर डिस्ट्रिक्ट, (2) मुलोचना आलवा, वेटैकरनपुटूर, वैयापोल्लाचि, कोयम्बत्तूर डिस्ट्रिक्ट

(3) मुनड्याक्के टि॰ आलवा गोकुलम III स्टेज मैसूर

(4) के० सुवासिनि दि हैगडें,

(5) डाक्टर के ० सुब्बाय्या आलवा, वेटैकरनपुदूर कोयम्बत्र डिस्ट्रिक्ट

(6) के० जगदीश आलवा शेशाद्रिपुरम बेंगलूर

(7) के ० नरेन्द्रा आलवा, लोग्रर बेनेदोर मंगलूर।

(8) मल्लिका वि० सेट्टि आर० एस० पुरम कोयम्बतूर

(9) के० गणेश आजवा बेस्ट आफ कार्ड रोड बेंगलूर सब रेप्रासेटैंड बै० पि० ए० होल्डर नं 7 के नरेन्द्रा श्रालवा बेनटूर मंगलूर (अन्तरक)

2. मेसर्स कर्त्ताजम्मा, नियर रोसारियो जार्च, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके वृबीक्त संपक्ति के वर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृक्षेंकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवास;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **सै** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### अन्सर्घी

(दस्तावेज सं० 505/84, ता० 6-7-84) सम्पत्ति है जिसका आर० एस० नं० 179-1, टि० एस० नं० 22-1, जो अतावर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> भ्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

वारीख: 14-2-1985

मोहर 🚁

# प्ररूप बाइं टी, पुन् एत -----

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर आयुक्त (नि.स.कि.) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरीं 1985

निरेश सं ० सि ० आर ० 62/43780/84-85---अतः मुझे, आर ० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 0 1008 है, तथा जो एच 0 ए० एल 0 II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकतो अधिकारी के कायोलय, शिवाजी नगर में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम या धनकर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत क्रिक श्री नारायणाप्पा,
 रिप्रेसेन्टेड बैगलूर
 श्री एम० आर० उन्निकृष्णन्,
 नरंबिसन, 2995,
 एच० ए० एल० II स्टेज,
 इंदिरानगर,
 बेंगलूर-38।

(अन्तरक)

 मेसर्स सत्या राधाकृष्णन, नं० 10/ए०, एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगश्ररू 38।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1576/84, ता० 23-8-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 1008, जो एच०ए० एल अा स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर०ॣभारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 19-2-1985

मोहर 🛭

# प्ररूप बाई. टी.ं एव . एव ु क्ला क्ला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 19 फरवंरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/45617/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 414 हैतथा जो XIV मैन रोड़, लक्का-कांसेन्द्रा एक्सटेशन, बेंगलूर-30 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणतं हैं) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कैंग्यिलय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचे एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 श्री एच० वि० प्रसन्ना कुमार, न० 414 , 14 मैन रोड़, लक्कासन्द्रा एक्सटेशन, बेंगलूर-30।

(म्रन्तरक)

 श्री एच० रामाचन्द्रा रेडि, वारेदाहित्ल, जिगणि होबली, ग्रानेकल तालुक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध
  किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2113/84 ता० 23-8-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 414, जो 14 मैन रोड़, लक्कासन्द्रा एक्सटेशन बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 19-2-1985

## प्ररूप. बार्ड - टी : एन . एस . ----

# नायक इ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, बेगलूर

मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

अस्वकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० 84-ए० है, तथा जो कनकाना डि विलेज, मंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1984

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ह) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के/अधीन, निरुक्तिखित व्यक्तियों, अर्थास् ४...

- 1. (1) एन० ई० सुवर्ण, ए० ए० 79,ग्रन्ना नगर मदास,
  - (2) एन० दिनाकर सुवर्ण, मोवर बेन्दर, मंगलूर,
  - (3) एन० रूस्तम सुवर्ण,
  - 1-71 ग्रन्ना नगर, मद्रास।
  - (4) हेमालता अशोक, ए० ए० 139, शांतकालोनी अन्ना नगर, महास-40,
    - (5) अमीला भगवानदास, "प्रेम भाग", रोड़ नं 12 बनजारा हिल्स, हैदराबाद।,

- (6) एन० संवाशिवा सुवर्ण "सुवर्ण बिलास, मीनाकक्षी नगर, मदुरै–18,
- (7) निर्नात प्रसन्ना कुमार, नं० 6, 29-क्रास, इदिरा नगर मद्रास-20,
- (8) एन० तारानात सुवर्ण,

नं० 7, मेधदूत, पेसटम सागर, बम्बई-80,

- (9) डाक्टर मालिनी शावत, 4/1सौदर्स रोड़, बेगलर-5.
- (10) एन० रंजन सुवर्ण, एच०ए० जी० 122-बी०, जिस्टिस राजामन्नार, सलै, के० के० नागर, महास-78।
- (11) एन० राजन सुवर्ण, सि०-122, एस० जे० पी० कालोनी, नन्दामबाकम मद्रास-89,
- (12) एन० मनु सुवर्ण, 81, नारायणाप्पा ब्लाक स्रार० टि० नगर, बेगलूर-32
- (13) एन० रोहन सुवर्ण, रांची, बिहार नं० 2 फार सेल्फ और पी० ए० होल्डर आफ नं० 1 और 3 से 13।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी॰ मोइद्वीन हासन, जडजास काटेज, सोमेश्वर विलेज, मगलूर तालुक।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रविभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, खे भीतर पूर्वीकर क्यबितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहरे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### अन्स्क

(दस्तावेंज सं० 622/84 ता० 27-7-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 84-ए० जो कनकानाडि विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेगलूर

तारीख: 15-2-1985

मोहर 🛭

प्रक्य बार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० सि० ग्रार०-62/45427/84-85-ग्रत: मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 283 है तथा जो सारिक II फेस बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण हे हुए किसी बाय की बाबत, उपस समितियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को सायित्य में कमी करने या उससे देवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया जाना चाहिए जा, जिपाने के सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ग्रार० श्रीनिवासन, 200/एफ०, 27 कास, III ब्लाक, जयानगर, त्रेगलूर।

(भ्रन्तरक)

श्री जी० पी० स्रार० स्वामी
 340 36— क्रास
 मन रोड़ 5 ब्लाक,
 जयानगर,
 बेगलूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों. में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय · 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्यी

(दस्तावेज सं० -5413/84 ता० नवम्बर 84) खालि जगह है जिसकी सं० 283, जो सारिक II फेस, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (1नरीक्षण्) **ध**र्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-2-1985

मोहर 🛚

प्ररूप बार्ड, टी., एन्., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 श्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/4561.5/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० 44(17) है तथा जो विश्वेश्वारय्या ब्लाक, बैरासंन्द्रा, IV ब्लाक ईस्ट, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगित है), रिजस्ट्रीकरण, श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के स्वयमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्त में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुएं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), यां उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री बी० जी० कंचारंगप्पा,
 सं० 989, 36-कास,
 IV-, 'टी' ब्लाक,
 जयानगर, बेंगलूर-II।

(भ्रन्तरक)

(2) सैदा तासनीम सुलताना,
जी० पी० ए०—श्रीमती शरादिबि,
नं० 54, ऐंडियल हार्जीसंग, सोसायटी,
एल० एल० सी० कालोनी,
III ब्लाक ईस्ट, जयानगर,
बेंगलूर—II ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गवा है 🎚

#### वम्स्यी

(दस्तावेज सं० 1911/84 दिनांक 10-8-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 44 (पुराना सं० 147), जो विश्वे-खारय्या ब्लाक, बैरासंन्द्रा, IV-ब्लाक, ईस्ट -जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है ।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायकभ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 10-2-1985

प्रकम नाहाँ न टी न एन न एक .---- धाःश्रह

नायकर् निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलुर, दिनांक 18 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/43574/84-85--- यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्या 1,00,000/- रुंसे अधिक है

भौर जिसकी सं० 31/2 है, तथा जो श्रत्रास्वामी मोदलयार रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण- रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1984, को शिवाजीनगर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, ऐसे द्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निक्ति से बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक डे बाबित्य में कनी करने वा उत्तसे बचने में खुँकिया के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को. जिन्हीं भारतीय आय-कर आधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निकारिकिन्यन व्यक्तियों, बचात :---

(1) श्रीमती सरस्वति, सं० 31/2, कोदण्डारामा ले श्रौट, बेंगलूर---42।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० भवानाम्मा,
2. श्री वि० कन्नाप्पा
3. श्रीमती जी० ज्ञानाम्बा,
सं० 3/4, IV— क्रास, बसवन्ना टेंपल स्ट्रीट,
श्रंचेपेट, बेंगलुर।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मिति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख टं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध 'किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्विकेरण:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्छ विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस वध्याय में दिया क्या है।

#### भ्रनसूची

(पस्तावेज सं० 1061/84 दिनांक जुलाई 1984) सम्पत्ति है, जिसका सं० 31/2, जो अन्नास्वामि मोदलयार रोड, बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो स**हायक भाय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) **श्र**र्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 18-2-1985

मोहर 🛭

# प्रकर् बाई.टी.एन्.एड.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० श्रार० 62/45610/84-85---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 104 है, तथा जो बनाशंकरि II स्टेज, बेंगलूर मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 3-8-1984, जयानगर,

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिह्बास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण। लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी काम की बाबत, उन्तर ब्रिधिनियम के बधीन कर इंगे के बन्तरक के ब्राबिस्थ में कमी करने या उससे बचने में मृत्या के लिए; बरि/मा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में गृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :— (1) डाक्टर के० भ्रार० चन्द्रा प्रकाश,सं० 1.2, 38-क्रास, VIII ब्लाक,जयानगर, बेंगलूर-II

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर राजानन रामानाथ ज्ञानबोग, सं० 28, मौनटन स्ट्रीट, I ब्लाक, नियर माधवन पार्क, पूरब, जयानगर, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्बन के लिए कार्यवान्तियां शूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्परि

(दस्तावेज सं० 1789/84 ता० |3/8/84|) सम्पत्ति है, जिसका सं० 104, जो बनाशंकरि  $I^I$  स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगल्र

दिनांक: 15-2-1985

# प्रस्त् वार्ड. टी. हर. एड. अरवनन

# बायकर बिशिवर्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन ब्याना

#### भारत सहस्राह

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/45666/84-85--यतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज.

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 59/3 है, तथा जो 21 कास, VI ब्लाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 10−9−1984, जयानगर

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसं क्ष्यमान प्रतिफल का विन्तर का विकत का विन्तर का विन्तर का विन्तर का विन्तर का विन्तर का विन्तर का विषक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण निम्निख वे बीचरतिया गया का का विन्तरितिक का से का विन्तर नहीं किया गया है किया विन्तरितिक का से का विन्तर नहीं किया गया है किया विन्तरित का से का विन्तरित नहीं किया गया है किया विन्तरित का स्वास्तरिक का से का विन्तर नहीं किया गया है किया विन्तरित का स्वास्तरिक का से का विन्तर नहीं किया गया है किया विन्तरित का स्वास्तरिक का से का विन्तर नहीं किया गया है किया विन्तरित का स्वास्तरिक का से का विन्तरित नहीं किया गया है किया विन्तरित का स्वास्तरित का स्वास का स्

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क जिए; बहि/बा
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य नास्तिपा कार, जिन्हें भारतीय झाय-कर लिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बात: बाब , उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के अनुसरक मों , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :---- 16-36GI/85

(1) के० झारदा, 59/3, 21-कास, VI ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर।

(भ्रन्तरेक)

(2) मेसर्स शाजाज बेगम 289, मसजिद मोहल्ला, कनाकापुरा।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थना जारी करके प्यॉक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

(दस्तावेज सं० 2339/84 दिनांक 10-9-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 59/3, जो 21-कास, VI ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 16-2-1985

प्ररूप आइं<sup>5</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौर्क्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/45628/84-85--यतः मुझे, आर० भारहाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1796 है, तथा जो बी० एस० के० II स्टेज़ बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-9-1984, जयानगर,

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लि में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ शारा 269-ग के कन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के कथीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती एस० णांतामणि, नं० 1595, ईस्ट एण्ड रोड, यX ब्लाक, जयानगर , वेंगलूर,

(अन्तरक)

(2) मुलोचना देवी जिन्दल, नं० 10/1, I फ्लोर, लाल भाग रोड, I क्रास, एस० जी० एम० लेग्रीट, बेंगलूर्-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा, रखा ही।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2309/84, दिनांक 6-9-1984) सम्पत्ति है, जिसको सं० 1796, जो बनाशंकरि II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15-2-1985 मोहर. प्रस्य नाइ . टी ्एन . एड . -----

बायकर बविभियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के भंदीन स्मना

#### बारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 20 फरवरी 1985

निदेश स० सी० आर० 62/44372/84-85—यत मुझे, आर० भारद्वाज

क्याकर जिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके क्यात् 'उन्ह जिनित्रम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी की वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० आर० एस० स० 101/बी०-1, टी० एस० न० 749/III है, तथा जो कद्रि-II-िवलेज बेन्दूर वार्ड, मगलूर में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनाक 27-9-84, मगलूर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अर्कार्ती की एई और मुक्ते यह जिन्मस करन का कारण है कि यथाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही दौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्यारिती (अन्तरित्यों) से बीच एसे वन्तरण के लिए तय पाम प्रया प्रतिफल निम्नितिक उन्हें देश से उक्त अन्तरण की लिए तय पाम प्रया प्रतिफल निम्नितिक उन्हें देश से उक्त अन्तरण की लिए न्य

- (क्ष) जन्तरण ते'हुद्दं किसी जाव की बावत, उक्क जिथाविक्य के स्थीन कर देवे के सम्सरक के खेक्सि में क्रमी सर्वे वा सत्तते क्वने में सुविधा के लिए, जॉर/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य नास्तिकों का, विक्श भास्तीय बाय-कर बांधनियम, 1922 १२० ११ ११ ११ वट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-गर्थ अन्तरिती इवारा जिट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए,

बहा: अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमंती शाता ए० गेरसोप्पे, बै श्री एन० सुब्बान शिवा राव, शिवा भाग, मरकेपा हिल, कंद्रि, मगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० लतिका शेनाय, पिन्टोस लेन कोडिवलबेल मगलूर।

(अन्तरिती)

को बह क्षूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश्व कार्यवाहिष्यं करता हूं।

उक्त सज्मिक्त के अर्थन के सम्बन्ध में केल्ड् भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपम में प्रकाशन की तारीय 'से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पह स्थान की तामील से 30 दिन की वर्गीय, यो नी अविध वाद में हमाप्त होती हो, के मीतर पर्योक्त व्यक्ति में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त कब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गंबा है।

## अनुसूचा

(दस्नावेज स० 966/84 दिनाक 27-9-84) सम्पत्ति है, जिसका स० आर० एस० 101/बी01, टी० एस० न० 749/III, कद्रि:II- विलेज बेन्दूर वार्ट, मगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

दिनाक: 20-2-1985

मोहर 🕄

# हरूष बाहाँ, टी. एन. एवं . ----

# नायकद्ध मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-म (1) कें नधीन सूचना

#### बारव बरकार

# कार्यानव, बहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दितांक 2 फरवरी 1985 निदेश सं० सी० आर० 62/44504/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उस्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के निधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उन्नित वानार मूल्य 1,00,000/- रु से निधक है

श्रौर जिसकी सं० 11 हैं, तथा जो XII ब्लाक, शापइंग स्ट्रीट, कें० पी० वेस्ट एक्सटेंशन, बंगलूर-20 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 5−9−1984, गांधीनगर,

- (क) बन्दान्त से हुई किसी बाय की बादतः, उसत विभिन्निक के बचीन कड़ देने के बन्दाक के दायितः में कनी कड़ने वा उदाई वचने में सूबिया के सिए; बॉर/वा
- (ए) एची किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आरिसर्वों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए इ

असः अब उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, मैं उक्त बीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, बर्धास्ः—

(1) श्रीमती एन० नागु बाई पवार, नं० 48, — क्रास, बेस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वारम, बेंगलूर — 3

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० सी० वेंकाटेशय्या, नं० 9, सरपेंन्टैन रोड, I फ्लोर, के० पी० वेस्ट एक्सटेंशन, बेगलूर-20

(अन्तरिती)

(3) टेनेंट

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मं हितबद्ध है)

को गृह सूचना जारी करके प्वोंक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्ष्री के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त सब्दों नीर पदों का, को सकत वीधनियम के सध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वृज्य होगा को उस सध्याय में दिया स्वा हैं !!

## मनुसूची

(द्वस्तावेज सं० 1792/84 दिनांक 5-9-84) सम्पत्ति है, जिसकीं सं० 11, जो XII ब्लाक, शापइंग स्द्रीट, कें ० पी० वेस्ट, एक्सटेंशन, बेगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक: 2-2-1985

प्ररूप बार्ड दी. प्रा. प्रा.

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज→, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 फरवरी 19**85** निदेश सं० सी० **ग्रा**र० 62/43663/**8**4-**85----**यतः .मुझे, **ग्रा**र० भारद्वाज,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें क्सके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिंस की सं० 84-ए है, तथा जो इन्कानाडि विलेज, मंगलूर सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 27-7-1984,

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमालिखित उंद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (त्द) अन्तरण सहार किसी काम का बान्त अवत किमियम के अधीन कर दन के बन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे जयने में द्विशा के बिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री एन० इगेने सुर्वण, ए० ए० 79, ग्रन्ना नगर;मद्रास-40 ।
  - श्री एन० दिनाकर सुर्वण, लोवर बेनदूर, मंगलूर---2।
  - 3. श्री एन० रुसत्तुम सुर्वण, 1-71, श्रन्ता नगर, मद्रोस--40।
  - 4. श्री मती हेमलता श्रशोक, ए०ए० 139, शांति कालोनी, श्रन्ना नगर, मद्रास--40।
  - श्री प्रमिला भगवानदास, प्रेम भाग' रोड, नं० 12, बन्जारा हिल्स, हैदराबाद ।
  - 6. श्री एन० सदाशिवा सुर्वण, सुवर्णनिवलास',मीनाक्षी-नगर, मदुरैं--- 18 ।

- 7. श्री निलिनि प्रसन्ना कुमार , सं० 6, 29-क्रास, ईन्द्रानगर, मद्रास-20।
- श्री एन० तारानात सुर्वण, नं० ७, मेगदूत, पेसटम सागर, बम्बई-789।
- 9. डाक्टर मालित वेशावन्त, 4/1, सौन्दर्स रोड, बेंगलूर-5।
- 10. श्री एन० राजन सुवंण, एच० ए० जी-122 बि-जसिटस राजामन्तार, सलै, के०के० नगर, मद्रास-78।
- 11. एन० राजन सुर्वेण, सि०-122, एस० ए० पी० कालोनी, नन्दामबक्रम, मद्राय-89 ।
- 12. एन० मनु सुर्वण, नं० 81, नारायणप्पा ब्लाक, ग्रार०टी० नगर, बेंगलूर →32।
- 13. श्री एन० रोहन सुर्वण, मंघि, बिहार, (नं० 2 फार सेल्फ और पी०ए०होल्डर ग्राफ नं० 1 और 3 से 13)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० कुंन्हि ग्रहमद , बद्रिया—III क्राप्त रोड, कान्डाक, मंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हु।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्षाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपतित में हितनस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताझरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

(दस्तावेज सं० 623/84, दिनांक जुलाई 1984) सम्पत्ति है, जिसका सं० 84-ए, जो कनाकानाडि विलेज, मंगलूरु सें स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 15--2-1985

मोहर ह

# प्रकथ बाह् . टो - एमें : एख् .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचेना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० म्रार० 62/44814/84-85---यत मुझे, म्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्म प्रकार क्वत अधिनियम' कहा गया है), की धारा , ) के के दर्शन स्थान जिस्तारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. में अधिक है और जिसकी सं० 657 है, तथा जो सारिक III फेस, बंगलूर में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के अधीन

को पूर्वीवत सम्पत्ति के इचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखिन में बास्तिवक रूप से कंथित नहीं किया गया है:---

दिनाक 29-10-1984, बगलूर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त निधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त निधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नथित् हु— (1) श्री के रंगस्वामी, नं० 257, V मैन, VIII कास, जयानगर, मैसूर—14।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45-दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में कि इस सुकोंगे।

स्थब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20 क में परिभावित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

# अनु सूची

(दस्तावेज स० 4722/84 दिनाक 29-10-84) खाली जगह है जिसकी सं० 657, जो सारिक III फेस, बंगलूर' में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्ष</mark>ण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 20-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . -----

भागकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

.बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/45751/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 2033 है, दथा जो प्यालेस रोड, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नितिद्यत उद्देश्य से उच्त अंतरण निक्ति में बाल्यिक हूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत उक्त जीवनियन के अपीत कर बेगे के जन्तरक की वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्षः) हसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य जास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय साय-कर विधिनयम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नति खित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री बुपीन्दर सिलैथिया, प्लाट नंग 7, नरेन्द्रा भवन, III फ्लोर, बूलाबाई देसाई रोड, बम्बई-36।

(अन्तर्रक)

(2) मेसर्स मदुलिका मेहता, "राजहन्स", 36, VII क्रास, वसन्तानगर वंगलूर -52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष-से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### जन्स्ची

(दस्तावेज सं 0.3040/84 दिनांक 10-9-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं 0.2033, III फ्लोर एन ० एम ० नं ० 45 तथा 45/2, प्यालेस रोड, बंगलूर, में स्थित है ।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 20-2-1985

त्रस्य बाइ', टी. एन. एत.-----

कारवर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/44369/84-85—यत मुझें, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 101/बि॰टि.नं 749/ए० है, तथा जो कद्रि 'ए' विलेज, बेंन्द्र वार्ड मंगलूर (श्रौर इससे उपाबद्ध

अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-9-84,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क्ष, किन्निलिखत द्र्षेत्र से उक्त कन्तरण है निव्विद्ध में बास्त-

- (क) अच्छरण से हुइ किसी बाव की बावत उचन विध-नियम के जमीन कर दोने के सम्बद्धक के दायित्व वें कृती करने वा उससे बचने में सुविधा के जिये; जॉर वा/
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तें अधिनियस, या धन-भार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधेन्यार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिनने में बृविधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (न) के अधीन, निम्मिनिकर व्यक्तियों, अर्थात् ह—र

- (1) श्रीमती शांता ए० गेंरसप्पे, जी० पी० ए० श्री एन० मुब्बान शिवा राव, शिवा भाग, मरकेरा हिल, कद्रि मंगलूर (अन्तरक)
- (2) श्री जी० अनन्दा राया शेंनाय, पिन्टो लेन, कोडियलबैल, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए जायवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## वन्स्**यी**

(दस्तावेज सं० 967/84 दिनांक 27-9-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० आर० एस० 101/बी०, टि०एस० नं० 749/1ए, जो कद्रि 'ए' विलेज, बेंन्द्र वार्ड, मंगलूर, में स्थित है ।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्रन रेंज, बंगलूर

तारीख: 20-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बगलूर बंगलूर, दिनांक, 15 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62,44361,84-85—ग्रतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित्व वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 44/1 है तथा जो निन्ददुर्ग रोड, बार; र्में स्थित है (श्रीरं इससे उपाबद्व अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17−9−1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स टेंरिट मारिटस, रेप्रासेंन्टेड बै० श्री पी० दयानन्दा पै आफ न० 2, ।।। क्रास. वसन्ता नगर, वेस्ट, बेगल्र—52 ।

(अन्तरक)

(2) प्रोफेसर एम० एन० श्रीनिवास, 2 मिस्स लक्ष्मी श्रीनिवास, र्न० 78,ए, बेंनसन कास रोड, बेगलुर ।

(अन्तिरिती)

को यह सचन वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

(दस्तावेज स० 1907/84 दिनांक 17-9-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 44/1, जो निन्ददुर्ग रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर ।

दिनाक: 15-2-1985

माहर :

प्ररूप बाइ े. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1985.

निदेण सं० सी० ओर० 62/45631/84-85—यतः मुझे, आर० भारदाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2429 है, तथा बी० एस० के०।। स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्वरित ब्ली गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उरचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रविफल का अन्वह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे वंतरण सं विष् तब पाना भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त बंतरण जिन्सित में बास्तिबिक रूप से कीयत नहीं किया गया हु :--

- (भा) असरण संबुद्ध किसी बाय की बाब्स, उक्ट जोधिनियम के अधीन कर दांबे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसस्ये कचने में सुविधा के सिए; जॉर/ए:
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बया का या किया जाना चाहिए था छिपाने बंतिरा सुविधा के लिए,

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन ह निम्मलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् हम्म (1) श्री एस. वि० रामेय्या सेट्टी , नं० 30,11, नारायण पिलै स्ट्रीट, शिवाजीनगर, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० चित्राकला, सं० 421, बी० एस० के० II स्टेज, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के लर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से A5 दिन को बर्जीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद्द सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दन के भीतार एम्ला क्यानर सम्माल में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाह किसी का माहित का सकता ।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिध-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं०  $2992_184$ , दिनांक 22-10-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 2429, जो बनाशंकिर II स्टेज, बेंगलूर, मैं स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 14-2-1985

नोहर:

# त्रक्ष् बार्स. टो. एन. इस.-----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के क्यीन स्वना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बगलुर

बगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश स० सी० आर० 62,45363,84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक ही

ग्नौर जिसकी स० 182(182,4) है, तथा जो मेन रोड महा-लक्ष्मी लेग्नौट, बेगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-11-1984

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार । मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रत से अधिक ही और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण हो लिए तय पाया स्था प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त बन्तरण विवित्त में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक से शियर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या किस कारिसकों को, जिन्हा भागतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिभा के लिए,

श्व तथ , अक्त अधिनियम की भाष 269-म के स्वृहरूप में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीज, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अभीद :--- (1) श्री बी० एल० गौडा,न० 37, निन्ददुरग रोड, एकसटेशन,बेगलूर ।

(अन्तरक)

(2) एन० प्रसाद कुमार (मैनर), मा श्रीमती आर. लक्ष्मी, न० 200, महालक्ष्मी लेऔट बेगलूर-86

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पृवाकत संपत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्द संपत्ति के अर्वन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- -(वं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया सका हैं।

# कम्स्**य**ी

(दस्तावेज सं० 3662/84, दिनांक 28-11-84) सम्पत्ति हैं, जिसका सं० 182(182/4), । मेन रोड, महालक्ष्मी लेग्रीट, बेंगलूर, में स्थित है ।

आरं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 7-2-1985

भोडर '

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, .1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर वायक्त (निस्किण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1985

निदेश नं० सी० आर० नं० 62,45696,84-85— यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार. मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 210 है, तथा जो डिफोंस कालोनी एच० ए० एल०-।। स्टेंज, बन्ना मंगला, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)। के अधीन, दिनांक 31-12-84

का पूर्वोक्त सम्मिति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती कार्तिरितियों) के और एसे भन्तरक के निष् तय पाया गर्म प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तर्ण निश्वित के बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है हिन्

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उन्ध अधिनियम के वधीन कर देने के जन्तरक के शिवश्व को सभी करने या उन्नसे वजने में सृविधा के सिए; बीर/या
- (क) एंनी किसी अप या किसी धेन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अंतरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः बन . उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में , में , उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बभीन , निम्मीलिखित व्यक्तियों , बन्नित :— (1) अडमेरल (रिटैरङ) पि० आर० के० नायर, नं० 69, डिफेंस कालोनी इंदिरानगर, बेंगलर-38।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर बूदियप्पा ई० गौडा, एम० डी० होसाहल्लि, होन्नालि तालुक, शिमोग डिस्टिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्ट व्यक्टियों में से किमी 'स्यक्टि द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त जिथीजयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्वी

(दस्तावृज सं० 2930/84 दिनांक 31-12-84) सम्पत्ति हैं, जिसका सं० 210 जो डिफेंस कालोनी, एच० ए० एल०-11 स्टेज, नामंगला, बेंगलुर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांकः 19-2-1985

# त्रस्य बाइं. टी. एव. एवं ु -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62,43689,84-85-यर्तः मुझें, अर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 क मैं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 2'96 है तथा जो सारिका ।।। स्टेज लेग्रौट, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्नीलिस उद्ध्येश्य से उचल अंतरण चिचित में वाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- कन्तरण सं हुई निक्ती बाय की बावत सकत वाधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए बार्/बा
- (क) इंडी किसी वार्ष या किसी वन या कम्य जास्तियों की, विन्हूं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यथिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया वावा चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० पी० शेनाय, नं० 353<sub>/</sub>29, नं० 6 अशविन, वल्लाबाबाग रोड, घाटकोपर **ई**स्ट, क्रम्बई-77 ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स धीमा श्रीधर, नं० 59,6, आशित्राद VI मैंन रोड, टाटा सिल्क फारम बेंगलूर—4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2554/84 दिनांक जुलाई 1984) - सम्पत्ति, जिसका सं० 296, जो .सारिक: ।।। स्टेज लेग्नौट बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 27-2-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

## भारत श्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई -3/37—जी/2496/83—84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गवा हैं), की बारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० लैण्ड एस० नं० 19, एच० नं० 2, सी० टी० एस० नं० 19 ग्रीर एस० नं० 19, एच० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 20 एट मुलूंड (पूर्व), गवाणपाडा विलेज, मुलूंड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध ,अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 है (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-7-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरमान प्रिक्षित के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरबमान प्रतिफल से, एसे इरबमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चरेय से उक्त अंतरण निवित् में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य के कभी कड़ने वा उन्नसे बचने में सुविधा . के सिए; औद्ध/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती काशिबाई दामजी वैती श्रीर अन्य (अन्तरक)
- (2) मुलूंड किता किरण को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड: ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके प्वोंक्स सम्पर्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं 113/1984 श्रीर जो ऊपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है:

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक: 12-3-1985

प्रस्य बाह". टी. एन. एस.----

बायकर -बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउँ 269-च (1) के बधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई,

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2508/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

धायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट न 62 ए, जो, सी टी एस वं 139 (ग्रंग), सर्वे नं 7, एच वं वं 1 (1) फुट मौजें कुरार, जो रिवली तालूका में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 16) के अधीन, दिनांक 31-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित का बार मुल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्वत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिककं रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

पत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० वी० अमृते

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बी० चिकोप।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रवोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (सं) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

अनुसूची जैसा विलेख सं० एस $-2970_{l}$ 82 ग्रौर जो उप-रिजट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई,

दिनांक : 12-3-1985

मोहर ध

# प्रस्प बार्ड. टी. एन. एत.-----

बागकर बीधनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3,37-जी,2518,83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मध्यम प्रविधकारों को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट ऑफ लेंग्ड अट पोई लीपाड़ा ब्लिज तुरभे हे (ट्रॉम्बे), 3 रूम्स इन ए वाल किका नं० 46, सी० टी० एस० नं० 247, 12, 247, 13, 14 ग्रौर 15, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-7-1984

भी प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के, लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लंपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन मा बन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेयाजनार्थं अन्तिश्ती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया गराना वाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित करिक्तवों, वर्षात् क्ष--- (1) श्री मोहम्मद युसुरू खान पठाण ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० झोड देविकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पन्ति में हितबह्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पार निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त कर्नां और पदां का, का उक्त विधिनियमं, के लक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया द्या है।

# ननुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-2162/80 श्रौर जो उपर जिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1984 को र जिस्टर्ड किया गया है ।

्ए० प्रपाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब्रई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर्) ः

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

# भाग्यकर अधिनिष्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3. बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश स॰ अई-3,37-जी,2509,83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जिस ग्रौर पार्सेल आफ लैण्ड विद स्ट्रक्वर जकारीया रोड, मालाड, तालुका बोरिवली, बम्बई, सी० टी० एस० न० 153 ग्रौर 153,1 से 21 ऑफ मालाब में स्थित हैं। ग्रौर जिससे उषाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं। रजिस्ट्री को कार्यालय, बम्बई में रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के अधीन, दिनाक 20-7-1984,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक के बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कैमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्रीमती खातिजाबाई मोहम्मद ईब्राहीम । (ग्रन्तरितो
- (2) स्टोन हेन्ज कन्स्ट्रवणन प्रा३वेट लि० । (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा रो उस अध्याय में दिया गया है।

# ^अनुसूची

अन्मूची जैसा कि विलेख स० एस०-1787/83 ग्रीर जो उपरिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिन'क 20-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण अर्जन रेंज-3 बृम्बई

**दिनांक** : 12-3-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

अपनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्माश्यम, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/1345/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंतक पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

बौर जिसकी सं० कमरा नं० 406, जो, 4थी मंजिल, गोकुल 80-ए, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (ब'र इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विण्त है, ब्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायोजय में रिजस्ट्री है, दिनाक 26-7-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के उत्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य से उक्त अन्तरण विविद्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

जतः अब, उक्त जीविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त जीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं—

(1) श्रीं डीं एम व कोठारी।

(अन्सरंकः)

(2) श्री इन्हैयालाल इंगरमल।

(अन्तरितः)

(3) अन्तरिर्तः । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाह में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वों कत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इसक्षाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिका से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति स्त्रारा अशोइस्ताक्षरी के पृत्रि विकित में किए का सकरें।

स्वक्षीकरण : इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया-गया है:

## अनुसूर्चा

कंम'ा नं० 406, जों, 4थो मंजिल, नोहुल, 80-ए, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि क०सं० ई-1/37ईई/2658/84-85 प्रोर जो नक्षम प्राधिक रो, बन्धई द्वारा बिनांक 23-7-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सञ्जय प्राजिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निहीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 14-3-1985

परूप बाइ'. टो एन. एस.----

भायकर बांधनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचनः

#### माइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई, दिनांकः 12 मार्च 1985

निर्देश सं  $^{*}$  अई-1/37ईई/2037/83-84—अत: मुझें, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मध्य प्राधिकारी थी, यह विज्यास करने का कारण है कि श्थावर संपरित जिसका उच्चा बाजार मूल्य 25.000/- र. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल यूनिट सं० 238.— बी जो दूसरा मंजिल, अध्यारू इंडस्ट्रियल इस्टेंट, सन मिल कंपाउंड, लोअर परेल, बम्बई—13 है तथा जो बम्बई में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है, ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सर्जन प्राधिकारों के कार्यालय में रिनस्ट्री है, दिनांक 11—7—1984,

को पूर्वोद्धत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनियन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हथ में कियान नहीं किया गया है —

- (क) मन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत उक्त कि नियम को अज़ीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या समसं बचने में सुविधा को लिए, करेर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अ्ष, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत ह—

1 मास्टरंच द् विक्योनल । द्वारा श्रोमती. लक्ष्मीबाई विक्योमल ।

(अन्तरकमे)

2 मेसर्स वेनू ग्राफिक्स ।

(अन्तरितामे)

की यह स्चना बारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिख् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्वन् के सम्बन्ध में करेई भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब द 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ₄ बविष् बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-वक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों को थे। हिष्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गवा है।

## अनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट सं ० 238-बी, जो दूसरी मंजिल, अध्याक इण्डस्ट्रियल इस्टेट सन मिल कंपाइंड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/2550/84-8,5 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण । अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक : 12-3-198<sup>5</sup>

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्चे 1985 निरेश सं० अई-1/37ईई/2352/84-85-अतः मुझे, ए० लहिरो;

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ०  $5/\sqrt{-1}$ , जो 5 वीं मंजिल, गिरीराज इमारत, अल्टामांउट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 19-7-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में .कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1 श्री होसंग सोली श्रॉफ ।

(अन्तरक)

2 डा०केवन पीड जैन , ग्राँ(र श्रोमती मंजूला के ० जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### ,अनुस्ची

पलैट्र नं ० 5/ए-1, जो, 5वा मंजिन, गिरीराज इमास्त, अल्टामांउट रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूत्री जैसािक कि सं० अई-1/37ईई/2561/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाल दिना ३ 19-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर.

प्ररूप बाई टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर क्षायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वम्बई बम्बई, दिनाक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/235**6**/84-85--अतः मुझें, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अपीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फलैंट न० 40, जो, इमारत न० ए/2, 4 थी मजिल, जानेश्वर नगर, वडा़ला, बम्बई-31 में स्थित है (स्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची मे स्रीर पूर्णक्ष से विणित है), स्रोर जिनका करारतामा आया पर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीत, बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, मे रिजस्ट्री है, । दिनांक 26-7-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह्रं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य' उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिण लिखित मे वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त के कि नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्रा सदाशिव जगन्नाथ देताई ।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुकर ए। मचन्द्र कावले।

(अन्तरिती)

(3) अन्त्ररिती ।

(वह इयक्ति, जिनक अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ज्ञानेश्वर नगर को-आप०हाउसिंग सोसायटी लि०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्राक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जासी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हूँ, बही अर्थं द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया महा है।

## ग्रनुमुची

फ्लैंट नं ० 40, जो, इमारत नं ०ए/2, 4थी मंजिल, ज्ञानेश्वर नगर, वडाला, बस्बई-31 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा कि क० सं० अई-1/37ईई/2653/84-85 ग्रोर जो सजन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी, सक्षेम प्राधिकारी सहायक्त आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्कन रेंज-1, बम्बई

दिनांदा : 15-3-1985

प्ररूप साइ. टी. एन. एस. -----

कायक,र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारंत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्मवई रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/2362/84-85-अर्त. 'मुझें, ए० लहिरी,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसक़ी सं० फलट नं० 52, जो, 52ों मंजिल, "जिमी लाजर 618, दादर पारमी कालोनी, वम्बई-14; स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रौर पूणरूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रार दिनांक 28-7-84,

को पूर्वोक्ष्य सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (म) कतरण मं हुई , किसी बाय की बायत, अक्स अंगिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक की श्यित्व में कसी करने या उससे बजने में सजिधा के लिए, और/या
- (या। एसी किसी आग या किसी धन या अन्य बाहितमाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के निए;

अतः अड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) गांधी चेरीटेंत्रल ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फरानक दिनयार कबीर ग्रौर श्रीदिनयार फिरोज कबीर।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तःरितयों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग मैं सम्पत्ति हैं)
- (4) अपतिरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके बारे; अधोहस्ताक्षरी जानता है.कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्थबाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ध में 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से तिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार त्रधोहस्ताक्षरों के जिस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शैब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्थ होगा, जो उस कथ्याय में किया गया है।

अनुसूची

पलट नं० 52, ज, 5वी मंजिल, जिमी लाज' इमारत, प्लाट नं० 618 आश दावर माडुगा इस्टेंट, पारसी कालोनी, दावर, बम्बई-14 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फि॰ सं॰ आई-1/37ईई/266/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26/7/84 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

# प्रक्ष बाह्'.टी. एन . एस . -----

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

# BIZG STEAT

# कार्यालय, सञ्चयक बायकर नाम्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/2379/84-85—अतः मुझें, ए० ल/हरी,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के विधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसन्ता उचित वाचार मूर

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० स्टोअर सं० 10, जो, इमार्त, "रहेणा सेटर" 214, नरीमन पाईन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्व में ग्रीर पूर्ण एप से वर्णीत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 26-7-1984,

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वल करने का कारण है कि मध्यपूर्णेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बोच एसे अतरण के लिए तय यामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की वायत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना थाहिए था, जियाने में सुविधा से लिए;

कतः कव, उक्लं अधिनियम की भारा 269-ग के अवृत्ररण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीन, रिम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेसर्स फोर्च्यून हाटेंल्स एण्ड इस्टेंटस प्राइवेट लि॰। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स महादेव गंगात्रसाद ।

(अन्तः रती)

को यह सुबना जारी करके पुर्वोक्त संपत्ति को अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

एकत सम्पत्ति के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूर्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की जबीध, जो महि जबीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में में पित्रणी काबित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कार्के परीख स 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर र म्पीन्त कहतबद्भ जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक पास तिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण :—हसमे प्रगृक्त शब्दो और पद' का, जो उका अधिनियस के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहां अर्थ हांगा जो उभ अध्याय में दिया गया है।

#### जन्तु जी

स्टोखर र्म ० 10, इन वेंसमेंट, जो, इमारत "रहेजा सेंटर'रु, 214, नरीमने पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि लं अई-1,37ईई, 2662,84-85 ग्रौर जो सर्त्रम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1984, को राजस्टर्ड किया गया हैं।

> ए० ल हरी, सक्षम प्राधिकारी सहायम जानकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

# प्रक्ष बार्ड टी. एर. एस.-----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37—ईई, 2416/84—अतः मुझें, ए० लिहरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कार्यकारों के स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित वाजार मून्य 25, कार्यकार रा से अधिक है

ग्रीरक्लिकी सं० फ्लट नं० 202-ए, 202-वी, जो, दूसरी में जिल, "ग्रंजलो इमारत, फेंच बीज, चौपाटी, बम्बई-7 में स्थित ई (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-7-1984,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दरयमान की ' अन्तरित के लिए करने का विश्वौस कारण मभ्रे यह हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आनः याहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत बब, उक्त बिधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क बधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) राजा बिरुडर्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइबेट लि०। (अन्तरक)
- (2) डा॰ राजूल आर॰ दलाल (एच॰ यू॰ एफ॰), ऋौर डा॰ धरेन एल॰ शहा ।

(अन्तारती)

- (3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) अन्तरितयों । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पृवां कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप इ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलट नं०  $202_I$ ए $_I$  203-बी, जो, दूसरी मंजिल, "श्रंजली" इमारन, फेंच ब्रीज, चौपाटी, बम्बई-7 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई $-I_I$  37ईई $_I$   $3400_I$  84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-84 कों रजिस्टई किया गया है

ए० लहिरीमक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

## प्रकथ बाह्र टी. एन . एस ----

गयका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) तो अधीन सचना

#### बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिन, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० वर्द-1, 37ईई, 2425, 83-84--ज़तः मुर्झे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लट नं०, जो पहली मजिल, इमारत नं० 12, नवजीवन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लिमस्टन रोड, वम्बई-8 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-7-1984,

को पूर्वोंक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति। कि इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; आर्थ/या
- (क्ष) एती किसी बाब वा किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 19--36GI/85

(1) श्रीमती तेहमी मिन भगत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परेश हिरालाल शहा, भीर श्रीमती निर्मेला हिरालाल शहा । जजमें (ग्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाडियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उवक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टिन हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिर वक्ष हैं।

#### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई<sub>/</sub>2663<sub>/</sub>84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 14-3-1985

मोहर:

प्रकृष बार्ड .टी. एन .एस . -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शहा 269-थ (1) के नधीन सुचना

#### भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० **अई**-1/37-ईई/2460/84-85---म्रुत: मुझे, ए० लहिरी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें वर्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो, 6वीं मंजिल, सेंट्रलकोर्ट, 18, मोटलीबाई स्ट्रीट, बम्बई-11, में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26→7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि विषाय करने का उचित बाजार मूल्म उसके अंग्यमान प्रतिफल से, एसे अग्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना मवा प्रतिफल निम्नलिस्ति उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया बना है

- (क), वन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत उक्त वृधिनियम के अधीज कर दोने के अन्तरक के दाविस्थ के कभी करने वा तसके बचने के सुविधा के शिक्; करि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (4922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था. जियाने में हिन्दा के सिक्द;

बतः वव, उपत विधिनियम की धारा 269-म के अमृतरम में तं, उसत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नितिबित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री केवल हुन्ण मेहरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिल्कीस झुबेर हवा, और श्री झुबेर श्रमरभाई हवा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सुम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी कारके पृक्तें क्स सम्पर्तित के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वविद ब्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के शस निविक्त में किस का सकींगे।

स्वक्योकरणः —इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, का उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशितः हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया विद्या है।

#### बन्स्ची

फ्लैट नं० 21, जो 6वीं मंजिल, सेंट्रल कोर्ट, 18, मोटली बाई स्ट्रीट, बम्बई-II में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई- 1/37ईई/2664/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज्∽1, बम्बई

दिनांक : 14-'3-1985

मोहर 🛭

प्रथम बाई .ठी . युन् . एस . -----

नामकर व्यविभिषय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीकाण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० अई--1/37ईई/3190/84-85---अतः मुझें, ए• जहिंरी,

कावकर विधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इवनें इसकें परकार 'उनस नोधनिवन' कहा पता ही की धारा 269-व के वधीय दक्षम प्राधिकारों को कह निकास करने का कहन है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका स्थित बासार नूका 25,000/-1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं व्यक्ति नं 37, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेंट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-7-1984,

को पृथांकत सम्मित को उत्थित वाचार गृत्य ते कम के अवसाय प्रतिकाल को लिए जन्तिरत की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापुर्वोजत सम्मित का उचित वाचार मृत्य, उसको असमान प्रतिकाल ते, एसे अवसान प्रतिकाल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितिज़ां) के बीच एसे अंतरण के बिए तम पावा नवा प्रतिकाल, निम्मिसिक्त उद्योग ते उच्या बन्तरण विश्वास में बात्तिकाल स्व से अधित नहीं किया कमा है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बाँधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कथीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँप/मा
- ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या उच्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोबनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया बाजा बाहिद था, जिनाने में सुविधा के लिए;

वत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण के, में, उक्त वर्धिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत. निकालिकित व्यक्तिमों, वर्षात् ह—

(1) शहा एण्ड लहार एसोसिएट्स

(मन्तरक)

(2) श्री मन हरी मिस्त्री

(अन्तरिती)

को नह सूचना चाड़ी अरुक पूजीवत संपरित के अर्थन के तिक् कार्यवाहिक कड़ता है?

उपला हज्मरिक के क्यान के सम्बाध में बोर्ड भी कुछारे हु-

- (क) इस स्वन्ता के राजनक में अन्यक्ष की ताड़ींस हैं ' 45 किन की कर्नी के अस्तिका अस्तिकार्थ क्यांत्रकार्थ का बूदना की साबीख से 30 दिन की नविभ, को बी जयिंग नाद में समस्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांत्रकार्थ में से विकती करिकत क्यारह
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितमक्थ किसी बन्य व्यक्ति इवास सभोहस्ताक्षरी के पास जिस्स में किए वा सकोंने।

स्वव्यक्षितरणः — इसमें त्रयुक्त बक्दों और पहों का जो उक्त वृद्धित्वक की अध्याय 20-क में परिवाधित ही, वृद्धी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिक्ष मक्त हैंगे।

#### वन्स्थी

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 37, जो ग्राउंण्ड फ्लोअर,श्रहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज प्रेनल कम्पाउण्ड, सितारा-राम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 मे स्थित हूँ है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/3048/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984.

> एं० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**द्धावक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

को रजिस्टर्ड किया गया है ।

मनेहर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी . एन .पुरा . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सुचना

#### भारत सहकार

# कार्यालय, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई<sup>,</sup> बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3191/84-85--अत: मुझें, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' सङ्घा गवा हूँ), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, चित्रका उचित्र बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसको सं० यानिट सं० 209, जो, दूसरो मजिल, शहा एण्ड बहार इंडास्ट्रयल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 भ स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप त वाँगत ह) श्रीर जितका करारनामा आयकर आंधनियम, 1961 को धारा 269 कख अधीन बम्बई स्थित सजन प्रात्वेकारों के कार्योजय ने राजस्ट्रों हे, दिनाक 3-7-1984, का पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उसके दश्यमान बाजार मृत्य, प्रतिफल अस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से विषक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) बे बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया त्रीतकल, निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिमक रूप से महीभव नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावह, उक्त जिथिनियम के जधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते वचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी फिसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर दिधीनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) कोलोस्टार ।

(अन्तरिती)

न्धे नह स्वना बारी करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के धिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाह्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षकों के पास लिकित में किए वा सकोंगे।
- सः किरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ह अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा है।

#### क्रम्बर्ग

इण्डस्ट्रियल युनिट सं० 209, जो, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि लं अई-1/37ईई/3049/84-85 सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी स्थास शासकारी सहायक भासकर शासुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां स्थापक अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/3194/84-85—अतः मुझे, ए० लिहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20बी, जो, लैण्ड एण्ड, 29, हुंगरशी रोड मलवार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह बिश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुभाष एम० आनन्द ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद सी० श्रीवास्तव।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन को लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाकाप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: — इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# बन्स् की

फ्लेट नं 20-बी, जो, लैण्ड स-एण्ड, 29, डुगरशी रोड, वेलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/3050/84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 15-1-85

मोहर 🖫

## प्रस्य बाइं. टी. एन : एव . ----=

बायकर वृषितियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### धारत सरकाह

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-गू, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985 निर्देश सं० आई-1/37ईई/3199/84-85-अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 112 ग्रौर 122ए, मरीन चेंबर्स, पहली मंजिल, 43, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाबार मूल्य से कन के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुन्ने बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाेंं) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पावा गयां प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निविध में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किती जाय की वाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृतिभा के लिए; जीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वर्भात् मू--- (1) श्री नटवरलाल हिरालाल अगरवाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणप्रभाद एन ॰ जाजोडिया (एच ॰ यू ॰ एफ ॰)

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग से सम्पति है)

को बह सूचना जारी करके पृषींकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्टींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वदिंध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीस हो 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकों ने।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जीवनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्स्यी

आफिस प्रिमायसेस नं ० 112 और 112-ए, म्रीन, चेंबसें, पहली मंजिल, 43, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई—20 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क०सं० आई—1/37ईई/3053/84—85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० ल**हि**री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, **बम्ब**ई

दिनीन: 13-3-1985

मोह्रर :

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

मायकर नियानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालव, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 15 मार्च 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/3204/84-85--अतः मुझे

निदेश सं ० अई-1/37ईई/3204/84-85--अतः मु**र्जे** ए० लहिरी

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/-रुं से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 93 जो 9वीं मंजिल मेकर टावर "बी" कफ परेड बम्बई—5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धयरा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रयधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3—7—1984,

को पूर्वोक्त । सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन, से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और बंद-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाशा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण विविद्य में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरक से हुई किसी बाय की यावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के नभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कौशल्या विरेंद्र अग्रवाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती रानी बी० अग्रवाल ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं-कार्यवाहिनां करता हूं।

बनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई मी नाहींप :---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 बिन की बनीचिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्र्यो

पर्लैट नं ● 93, जो, 9वीं मंजिल, मेकर टावर "बी", कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/2987/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1,बम्बई

**दिनांक**: 15-3-1985

मोहर :

प्रकप बार्ड ्टी . एन , एस . -----

आयकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं ० .आई—1/37ईई/3205/84—85——अतः ए ० लहिरी,

कावनार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारो की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं. फ्लैंट नं० 99, जो, सन फ्लावर इमारत, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-7-1984,

को पृषाँक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- 'क) बन्तरण से हुई किसी अध्य की वावत, उक्त अधि-निवम के सभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में क्षेत्री करने या उसते वचने में स्विधा के लिए: बीक्ट/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें नारतीय नामकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीवनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया चाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के विवाह

कतः कवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै. कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तिं, अधीत् हर्— (1) श्री विजय ग्रगरवाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या बिरेंद्र अगरवाल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया नया ही।

#### वन्स्यी

फ्लैट नं ० 22, जो, सनम्मलावर इमारत, कफ परेड, बम्बई— 5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-I/37-ईई/3058/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

मोहर :

प्रकप् बाह् . टी. एन. एत.-----

# बायकद्भ विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन स्वना

#### शारत सुरकार

## कार्वासय, सहायक वायकर वायका (विरोक्तम)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3206/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्मत्ति, जिसका उचित् वाजारु मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी ०/403, जो, पूनम अपार्टमेंटस, 4थी मंजिल, सागर इस्टेंट, अनी बेंसेंट रोड, वरली, बम्बई—18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना का विफल, निम्निलित उद्वेश्य से उच्त ब्न्तरण जिल्लित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) क्यारण से हुई किसी बाव की बावत स्वयः व्यक्तियम के जधीन कर दोने के अन्तर्क के वाक्तिय में कमी करने या उसमे वचने में बृविधा के लिए; नौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जन, उक्त जीधनियम की धारा 2-69-ग के जनूसरण मं, मंं उक्त जिधनियम की धारा 2-69-म की उपधारा (1) के बधीन. रिनस्निसित क्वीक्सियों, वर्षात रू~. 20—36GI/84

- (1) श्री मनोहरलाल तयाल, श्रौर श्रीमती लक्ष्मीदेवी तयाल। \_(अन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रकांत एच ० पारीख, ग्रौर श्रीमती भारती सी ० पारीख ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां एक करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस मुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अवधि या तत्त्व व्यन्तियों पर तृष्ता की तानींच से 30 दिन की नविध, जो भी बब्धि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध ध्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिख्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

फ्लैट नं ० डी/403, जो, 4थी मंजिल, "पूनम अपार्टमें सागर इस्टेट, डा ० अनी बेंसंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं श्राई-1/37-ईई/2819/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

`आयर्कर अभिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विना जे० झवेरी ।

(1) श्री महेन्द्र जें ० ठाकर ।

(3) अन्तरिती ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3207/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह् कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न०डी/307, जो, पूनम अपार्टमेंटस, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम , 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-7-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभाष्यों कत संपृत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रति-क्रमा निम्निनिसित उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिसित में वास्त-द्विक रूप से कथित नहीं जिल्ला कवा है है---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-विकास में बचीन कह दोने के जनसर्क के शांवित्य में क्यी क्लूने वा उपने वचने में स्विधा के जिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

र्षण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, नो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म हैं, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं ० डी ०-307, जो तीसरी मंजिल, पूनम अपार्टमेंटस, डी-ब्लाक, शिवागर इस्टेंट, डा० अनी बेंसंट रोड, वरली बम्बई-18 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/237ईई/2905/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-7-1984., को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-। बम्बई

बत. बंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न से समृहरूक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

दिनाक : 14-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

# भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985 निर्देश सं० आई-1/37-ईई/3213/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. सै अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधिक हं श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17 जो, तीसरी मंजिल, हरी-श्रोम निवास-को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 163, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, दिनाक 3-7-1984, का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृत्ता, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का श्रद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण निकति में बारतिक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, सकत बिधिनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; जौर/या
- (ख) इसी किसी आय'या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती मोतिया रानी जी ० ग्रोबेराय । (अन्तरक)
- (2) 1. श्री आर० श्याम, श्रौर 2. श्री पी० एन० रामास्वामी ।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरितियों भ्रौर परिवार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) हरी ग्रोम निवास को० आप० हार्जीसग सोसायटी लि ०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

### उक्त संपति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनों की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वस्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वगत ची

पलैट नं े 17, जो, 3री मंजिल, हरी-स्रोम निवास को आप० हार्जीसंग सोसायटी लि ०, 163, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० आई-I/37ईई/3061/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

मोहर 🌣

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के ब्योन स्वा

### ब्राइत बहुकार्

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (पि<u>र</u>क्षिण) ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्राई-1/37ईई/3220/84-85--ग्रत. मुझे, ए० लहिरी,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 100,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 109, जो चंद्रलोक, 12, मानव मंदिर रोड, बम्बई -400006 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (थौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणत है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और जिसका करारनामा अग्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 261 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है जो दिनांक 3 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिभक है और बन्तरक (बन्तरकों) बार बंतरिती (बन्तरितियों) से बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निविद्य उद्देश्य से उन्तरण कि विद्य में बास्तिक्त स्था से किथत नहीं किया गया है किया से किथत नहीं सिक्य से किथा से किथा नहीं सिक्य से किथा से किथा नहीं सिक्य से किथा सिक्य से किथा

- (क) बन्तरूप ने हुद कियी नाम की नाम्त, उस्त विश्वित्व के वृधीन कर दोने के जन्तरक के धीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के तिसु; बीट्र/मा
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नृता था वा किया चाना चाहिए था, दिवाने के सिए;

कराः वय उक्त नीधीनवन की भारा 269-म की अनुवरण में, बैं, उक्त निधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में नभीन निम्नितित व्यक्तियों, नर्थात् ह (1) श्री श्रेयम कांतीलाल झवेरी, और श्रीमती प्रेरणा श्रेयस झवेरी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चेतना किशोर कुमार शहा और श्री किशोर कुमार शहा ।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सें सम्पत्ति है)

का वह सूचना बारी करके पृथांक्त सम्मित्त के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपं:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किती जन्म अवित द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रवृक्त कर्यों तीर पदी का, को सकह विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा ही।

#### ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 109, जो चंद्रलोक इमारत, 12, मानव मंदिर रोड बम्बई-400006 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई/37-ईई/3064/84-85 और जो रजिस्ट्रकृत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक '-- 11-3-1985 मोहर ध प्ररूप बाइ रे.टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां र 12 मार्च 1985

निर्बेश सं० ग्रई-1/37ईई/3226/84-85--ग्रतः म्झे, ए० लहिरी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🗗), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14 , एफ० जो, मलबार ग्रपार्टमेंट को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, (नेपियन सी रोड़), एलं० जे० मार्क निमता हाउस के सामने, बरोडा पलेस, बम्बई-36 है तथा जो बम्बई-36 भें . स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्याक्य सें रिजस्ट्री है। दिनाक 7 जुलाई 1984 को पूर्वीक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचबे में सविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीना, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्रीमती प्रतीभा वि० गप्ता

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज देवी रूईया, और श्रीमती ग्राशा रूईया ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरितीयों ) (वह व्यक्ति , जिसके ऋधिभोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में त्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 14 एफ जो मलबार ग्रापार्टमेंट को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सीसायटी, (नेपियन सी० रोड), एल० जे० मार्ग, सिमता हाउस के सामने वरोडा, पेलेस बम्बई - 36 में स्थित है।

श्रनसूची जैसाकी क॰ सं० श्र-1/37-ईई/3016/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक :- 12-3-1985 महेहर 🕆

# प्रकृत बाह् .टी. एन . एड . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई; दिनांक 14 मार्च 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जसकी सं० फ्लैट नं० 20 जो टेरेस के साथ, "श्री राम प्रसाद", तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 75 भाउदाजी रोड़, गाटुंगा, बम्बई-19 है तथा जो बम्बई-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयर् अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 7 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्लिए, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्लिए, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्लिए, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्लिए, उसके दश्यमान प्रतिफल का ब्लिए, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्लिए, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल, से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुनिक रूप से किया नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या \*
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अधार है— (1) श्रीमती रतनबेने बचूभाई शहा और श्री प्रवोणचंद्र बच्चूभाई शहा ।

(स्रन्तरक)

(2) चंद्रकांत भिख्लाल गोदी और श्रीभती प्रफुल्ल चंद्रकांत मोदी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिंतीयों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सें सम्पत्ति हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता 🐔 ।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी ज़बीय बाद में संज्ञाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सची

फ्लैट नं० 20 जो टेरेस, के साथ, ''श्री राम प्रसाद", तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 75, भाउदाजी रोड, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसांकी कि० सं० ग्रई-।/37-ईई/3017/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज्-1, बम्बई

दिनांक :- 14-3-1985 मोहर 8

# त्ररूप बाइं.टी.एन ,एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1 बम्बई

बम्बई, दिनाक 15 मार्च 1985

निर्देश स॰ म्रई- 1/37-ईई/3236/84~85--म्रत मुझे, ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 18 जो, ग्रायरीज, ग्रपार्टमेट कफ परेड बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 7 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम कि, धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीमती, इच्छा ज० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें नातेसन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग से सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारा करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### a trek

फ्लैट नं० 18 जो, ग्रायरीस ग्रापार्टमेंट, कफ परेड, बम्बई 5, सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक ऋ० स० ग्रई- 1/37-ईई/3018/ 84-85 और जो सक्षम प्राधियारी, बम्बई द्वारा दिनाक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज 1 बम्बई

दिनाक - 15-3-1985 मोहर्: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985 निर्देश सं• ग्रई-1/37-ईई/3241/84-85—ग्रतः मुझे, ए• लिहरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लैंन्ड बेग्नरींग दि पोर्शन ग्राफ दि ग्रनिंडवायडेड प्लाट नं० 4 स्किम नं० 52 ग्राफ वरली इस्टेट बम्बई, तथा जो बम्बई—5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं ), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनिम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 7 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की - गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित शहीं किया गया है:——

- क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ल्वत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) दि न्यू ग्रेट इस्टर्न स्पितिग ग्रज्ड व्हीविंग कंपनी लिमीटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) न्यू इंडिया एक्सपोर्ट प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

(3) 1. श्री के० के० कनोरीया

 टेम्पल मामेंट मन्युफैक्चरीग कंपनी प्रायवेट लिमीटेड ।

स्वाउंड इव्वेस्टमेंट कंपनी लिमीटेड ।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रधीभोग में सम्पत्ति हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाढ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अर्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

#### **बन्स्याँ**

लैन्ड बेग्ररीग पोर्शन ग्राफ दि ग्रनडिवायडेड प्लाट नं० 4, ग्राफ स्किम नं० 52, ग्राफ वरली इस्टेट बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी .क० सं  $\sim$  ग्रई-/1/37-ईई/2887/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 6 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनांक :- 13-3-1985 मोहर ु प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शीयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचनी

#### भारत सरकार

क्षायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4%) (जिसे इसमें इसके पश्याह जिस्त अधिनियम किहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, जिलका उतित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 2 ए जो ग्राउंड पलोर, "सुयोग कालेज, को-ग्रापरेटिन हाउसिंग सोसायटी लि०, गोखले रोड, बार्य दादर, बम्बई—28 हैं तथा जो बम्बई—28 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं, और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। और दिनांक 7 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सन्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बार्जार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में. एमें दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रतिक कब विस्वविद्या उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त लिंध-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अमीं करने या उसंसे बचने में सुविधा के लियें; अल्थ/लाः
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा अस्तियः;

अत: कथ, उस्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 21—36 GI/85 (1) श्रीमती अन्नपूर्ण शामराव भैदा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भुषन तारकर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके धर्योकन सम्पर्कतं के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जा के सम्बन्ध नं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र नं प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या शत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तासीन से 30 दिन की अविध आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में व्यस् दा कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ उत्था, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **अनुसुन्नी**

फ्लैंट नं० 2 एं जो ग्राउंड फ्तोर, "नुयोग" कालेज को ग्रापरेटिव, हार्जिसग कोसायदी लि०, गोखले रोड नार्ष दादर, बम्बई-28 में स्थित हैं।

म्रानुस्चो जैसाकी, क्र० रां० म्रई-।/37-ईई/3021/84-85 और जो सक्ष्म प्राध्यकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 जुलाई 1984 को राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक :- 15-3-1985 मोहर: प्ररूप बाइं े टी े प्रति एस . --=---

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सद्कार

कार्णांसय, सहायक जायकर जायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 15 मार्च 1985 निदेश सं० श्रर्ड-1/37—र्रेड्/3218/84—85— श्रतः स्क्षे, ए० लहिरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 19, जो धिव व्हयू, 93 बी, देसाई, रोड़, तथा जो विम्बई—36 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धम्बइ-36 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनांक 3 जुलाई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रीप्तरत को दिला पालिस को पालिस है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एरे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आध की बाबत, उक्त विश्विष्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के विश्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों गो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 भी गा।।) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था टिपाने में हिस्सा के किए।

वन अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्रीमती, पेरीत खनशेष विश्वक्यार और 2. डा • जनशेद नौरोजी विश्वपदार ।
  - ज (ध्रन्तरक)
- (2) 1. श्री देविचंद कुशालराज पार्टनर श्रीफ शहा देविचंद जवेरी लाल.
  - 2. श्रीमती विमलादेवी देविचंद, पार्टनर आफ बी० डी० टेक्सटाईल मिल्स । (असरिती)
- (3) अन्तरितीयों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के किंचु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्ज़न के सम्बन्ध में कीई भी जाकी ह---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की बाडींबा क्री 45 दिन की ननीम या तत्त्रकाली व्यक्तिकों पह त्यना की तामील से 30 दिन की वर्गीय, श्री की ननीम नाद में सनाप्त होती हो, से बीतार प्रकाश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाह्न है
- (व) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्मित के विश्वपृत्य किती जन्म व्यक्ति इवारा अभीक्ताकड़ी के नाम सिवित में किए वा सकते हैं।

स्यच्टीकरण :---इसमें प्रगुक्त कर्यों और वर्ष स्थान ही अवस् अधिनियम से अध्याय 20-क में विश्वक्रिक है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है हैं।

## वन्स्य

फ्लैंट नं० 19 जो बीच ऋयू, 93, बी, देसाई रोड बम्बई-36 में स्थित है ।

त्रनुसूची जैसाकी कि सं प्रई-1/37/ईई-3047/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 जुलाई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए॰ बहिरी समय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंक रेंज-1; बम्बई

दिनांक :- 15-3-1985

मोहर:-

प्ररूप बाहर् टी. एन, एस. -----

नावंकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 वस्वई

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 25 जो सातवीं मंझील , सत्वेशन को आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी प्लाट नं० 857 को एन० एन० काले मार्ग, दादर बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है और दिनांक 3 जुलाई 1984

का प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उथके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्छ प्रांचयत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंवरितियाँ) के बीच होते अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निविधित उद्वदेय से उक्त अंतरण निधित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणं से हुईं िकसी जाय की बाबत, उकर विधिन्दम के वधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कीमी करने या उन्हों बचने में स्विधा के लिए, बीर/बा
- (ग) एंसी किसी जाब था- किसी धन या बन्य जास्तिया का, जिन्हें आपनीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ज्यिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए थी, छिपाने में सूविधा के विष्:

कतः बद, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्री जे० ए० डिसोझा ।

(भन्तटक)

(2) श्रीमती टेरेसा डिसोझा, और रोनाल्ड डिसोझा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिकां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप अ-

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीं भाग त्रक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षेत्रना की ताजीख ते 30 दिन की ख्वीं , को भी कमीथ वाद में स्मांक होती हो, से बीतर पूर्वों कर क्षीं कर्ता में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वाम के राजपुत्र में प्रकाशन की साहीस से 45 दिन को भीतर उनत स्थान, सम्मित में हिह्हस्त्रुष किसी जन्म व्यक्ति स्थाय, जभोहस्ताशरी के पास सिक्ति में किए या सकोंगे।

स्वासिकरण :---इहार्ने प्रमुक्त घेकाँ बीड वक्षे का, हा उनक्ष लीवनिक्ता, को अध्यास 20-क ने परिश्वाचित् हाँ, वहीं अर्थ होगा को उन अध्यास में जिन। प्रसाहाँ।

## **बन्**स्थीं

फ्लैट नं ० 25 जो 7वी मंजिल सल्वेशन को स्नापरेटिव हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं ० 857 बी, एन ० एम ० काले मार्ग दादर, बम्बई -28 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं० अई-1/37-ईई/ 3022/ 84-85--और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज≘1, बम्बई

दिनांक :- 12-3-1985 मोहर ब प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के अधीन स्वका

भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1 दम्दई बम्बई, दिनांज 12 मार्च 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3255/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिष्ट नं० 231 , जो दूपरी मंजिल, शहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-। धनराज मिल कपांडंड लोधर परेल, बम्बई-13 है तथा जो वम्बई -13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जित्रवा करारनामा आवतर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन दिनांक वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजस्ट्रों है और दिनांक 7 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- [क) बन्तरम् सं हुईं किसी नाय को बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक वी दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

कतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधार, निम्निसिख्त ब्युक्तियों, अधितृ:——

- (1) मैसर्स मिस्त्री इन्व्हेस्टमेंट कार्पोरेकन । (अन्तरक)
- (2') मैसर्स शेट्टी गारमेंटस, प्रायवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह 'सूचना चारी करके पुर्वोक्ट सम्पृत्ति को वर्षन के तिहर कार्यवाहियां करता हूं।

चक्छ सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप्:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रामि, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के वध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं बर्भ होगा को उस वध्यह्य में दिवा वसाहै।

## **अनुस्**ची

युनिट नं० 213 जो दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-। धनराज मिल कंपाउंड लोधर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।.

अनुसूची जैसानी कं सं प्रई-1/37-ईई/3026/84-86 और सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनांक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक - 12-3-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहादक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 अस्वई /

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निर्देश सं० घई--1/37-ईई/3256/84-85-- घत: ो, ए० लहिरी,

ाब्क्टर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...) पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ... हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 00,000/- रु. से अधिक है

ीर जिनकी संवे युनिट नंव 230 जो, दूसरी मंजिल, गहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कंपाउंड लोग्नर, परेल, धन्बई-13 है तथा जो धन्धई-13 में स्थित है (और इममे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप के विणितहै), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ध, ख के अभीन दिनांक धन्बई स्थित स्थान प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 3 जुलाई 1984

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है , और मृत्रे यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दे ख्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से क्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया एमा है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या बन्ध ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर ब्राधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्राधिनयम, या धनकर ब्राधिनयम, या धनकर ब्राधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने के सुविधा के लिए।

कृताः अव., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मैं तर्स मिस्त्री इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन । (अस्तरक)\_
- (2) मैं सर्व शेट्टी मार्नेट प्रायवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

युनिट नं० 230, जो दूपरी मंजिन, शहा एण्ड बहार इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ए-।, धनराज मिल कंपाउड लोक्सर परेल अन्बई -13 से स्थित है ।

अनुसूबी बेंसाकी कि सं अई-1/37-ईई/3026/ 84-85 और जो सक्षम प्राकिशारी धन्धई, द्वारा दिनांकः 3 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० चाहेरी सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-1, धन्बई

दिनाकः - 12-3-1985 मोहरः प्रस्थ बाई. टी. एत. एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263(घ) (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) · अर्जन रेज-1, अम्बर्ध बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/325/84-85 अतः मुझे, ए० लहिरी गायकर गिंधनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पण्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लाब करने का कारण है कि स्थापर मम्पत्ति, विसका उचित बाबार शक्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिलकी संव इंडिस्ट्रयल युनिट नंव 255 जो दूतरी, मैजिल, शहा एण्ड यहार इंडस्ट्रियल **इ**स्टेप्ट ए-1, **धनराज** मिल कंपाउंड लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तया जो बम्बई-13 में स्थित है ), (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) , और जिसचा अरारनामा भायकर भिधिनियम, 1961 की धारा .269 वं, ख के भिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 7 जुलाई 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रस्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उपित कावार मृत्य, उसके दरयभाग प्रतिकास से, एवे अवकान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिवार से बरियक ही जोर अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के सिष् सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उदुदेश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण लें हुई किसी बाय की बाबल, सीमिनियम के अधीन कर दोने को बन्हरक खै दायित्व में कमी करने दा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिक को जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनवम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मधिनियम, या धन-कर विश्वितयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खियाने में सविधा के जिल्हा

बतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्ध . में, उक्त लिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) रे अबीत, निम्नौलाश्वत व्यक्तियों, अर्थात ह-

- (1) मैंतर्ल एम० के० एम० इंडस्ट्रिज । (अन्तरकः)
- (2) श्री मुरलीश्वर जयंतीलाल दोशी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी त्रंक्ते पूर्वोक्त सम्पीत्त के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उसत् सुरुपत्ति के हन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच वे 45 दिन की बक्षि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर बुषमा की तानील से 30 दिन की बयीध, धरे 🎝 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताशरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रबुक्त शब्दों और पर्वो का, अधिनिहम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में विचा

## अनुस्ची

इंबस्ट्रियल युनिट नं० 255 जो दूतरी मंजिल, शक्षा एण्ड नहार इंडरिट्यल इस्टेट ए-। , धनराज मिल कंपाउड, लाध्नर परेल, बन्बई-13 में ख्यित है।

भनुसूची जैसाकी का० सं० भई-1/37-ईई/3027/ 84-85 और जो नक्षन प्राधिशारी, वस्बेई द्वारा दिनांक 3 जुलाई 1984 को रिनस्टर्ड िया गया है।

> ए० लिशिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भाय्कत (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, भन्मई

दिस्कि - 13-3-1985

मोहर :

प्ररूप लाइं.टी.एन.एस. -----

आरक्कर, विधिविवय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ल्लीन मूलमा

#### ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्बई, जिन्द 13 मार्च 1985

निदेश सं० % ई-1/37-ईई/325 %/84-85-- श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्कें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 65 जो 17वी मंजिल इमारत नंव जी-50, डाव झारव जीव यहानी माग वरकी सी फेस, बम्बई-18 है तथा जो बन्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबह झनुपूबी में और पूर्ण का से वर्णित है), और जिसका करारनाना झायकर झिविन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अजीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांत्र में रिजिट्टी है दिना 3 जुलाई 1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्के यह विश्वास कित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिकृत से विश्वत से विषित्त की प्रतिकृत की स्थाप विश्वत संगिति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिकृत से विधित है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (वन्तरितयों) को बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया विषक , निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में आसीवक, क्रिय की कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किती धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकते. ब्रीधिनयम या धन कर ब्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वास्य प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था. छिपाने में सृतिधा के खिए:

कतः कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की इपधारा (1) ≈ ल्पीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधाँत ह—

(1) श्रीमतो इंद्राटी छात्रीया

(भारारक)

(2) र श्रीमती दोरात बी, भाते ।।

2. श्री जहांगिर वी, भाते ३, और

3. श्रीमती विरा जे० भातेना ।

(श्रम्तरिती)

(3) श्रन्तरितियां

(बहु ब्यप्ति जिसके अधिक्षोग में सम्पत्ति है)

्को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ट भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को हारीख से 45 विन की भविधि शा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्पानित्यों में से कि हो व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना कं राजपत्र में पकाशन की गारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर संपत्ति में हित-स्दम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी कें पास सिस्टित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों । की, जो उनत बाधिरियम के सध्याय 20 के में गरिभाणित हैं, बही अर्थ होगा को पर लघ्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंध नं 65, जो 17वी मंजिल , इमारत नं जी-50 डा डार० जी० थडानी मंगि, वरली सी फेस, बन्बई-18 में स्थित है ।

र्जार जैसा की कि० सं० घई-1/37-ईई/3028/84-85 जीर जी सजन प्राधिकार बंभ्वई द्वारा दिनां। 3 जुलाई 1984 जी रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ाहिरी सक्षम प्रावितारी सहावक भायकर भायक्त (निरीक्षण)1 भार्वन रेंज-I, बम्बई

दिनांक - 13-3-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 बन्धई यक्ष्मी, जिनोद 15 मार्च 1985

निर्देश सं० %६- 1/37-६६/3259/84-85 -- अतः मुझे, ए० लिहेनी

आयकर आधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से विधिक ही

जी: जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 406, जो 4थी मंजिल, मंगल कुंड़-वी, माउंट फ्लेवेंट रोड, इम्बई- 6 है तथा जो इम्बई--6में स्थित हैं (ओर इंटि उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसा कराज्यामा आयार अजिनियम, 1961 की धारा 269 इ. ट. के अलील इम्बई स्थित रक्षम प्रावि गरी सार्यालय में रिजर्स्ट्र है दिन्तें : 3-7-84

को पूर्वोक्त संबत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमसन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मफ़ें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्स् प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त ांतरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरण के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जनक भान् शंकर तिवेदी

(अन्तरकः)

2. श्री विजय शांतीलाल शहा और निना विजय शहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अवधि था तिसम्बन्धी व्यक्तियों प् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भे अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन-मित्रम को वध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियों गैयाँ हैं।

#### बन्स्ची

फ्लैट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, मंगल कुंज-बी, माऊंट प्लेवंट रोड, क्षम्बई-18 में स्थित है।

धनुसूची जैला कि क० सं० धर्धः I/37 ईंध्/3029/84 केंग्रिश को सक्षम प्राधिकारी, बम्धई द्वारा दिनांक 3...7-84 को जिल्हें किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रावाण श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॅक्ट-1, यम्पेई

विनांक: 15-3-85

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई बस्बई, दिनाक 15-3-1985

निर्देश: सं० म्रइ-I/37-ईई/3261/84-85--म्रन मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तें अधिनियम' कहा गया है), की धार्वे 269-इ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 105, जो 1ली मंजिल, मंगल कुंज, 2, माउंट फ्लेझंट रोड, मल्वार हिल, इम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), और जिसका दरारनामा आयण्य अधिनियम, 1961 की बारा 269 कु ख़ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार जिसकी में रिज़स्टी है दिनांग 3-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22-36 GI/85

1. श्री नितीन जयंतीलाल मेहता

(ऋनारव )

2. श्री जन- बी० तिवेदी और दमयंती जे० तिवेदी। (ग्रन्तरिती)

3 श्रीजनक बी० तिवेदी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमता दमयंती जे० विवेदी

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनिबम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहनै अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

पलैट नं 0 105, जो, 1ली मंजिल, मंगल वृ ज, 2, माजन्ट प्लेझंट रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

हिल, बम्बई-6 में स्थित है।
हिल, बम्बई-1/37-ईई/3033/84-85
को सक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-84 को रिजर्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी गहायवः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, बम्बई

दिनांव': 15-3-1985

मोहर :

## प्रकल् नाइ. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/3268/84-85-- ग्रन मुज्ञे, ए०, लहिरी,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इतके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अगेर जिसकी गं० फ्लैंट नं० 501 , जो, एक्पी मंजिल इकाल अपार्टमें , हार्डास्य सोकायटी, लि.०, क्षाम एम० सी० ए० रोड़, अग्रिपाडा, क्षम्बई-8 है तथा जो बम्बई -8 में न्यित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ग्विणत है), और जिपका करारनामा आयकर अधिनिया, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन स्क्षम आहि ारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनां 12 जुल ई 1984

को पर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्म के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य उसके दश्यमान प्रतिष्मल से, ऐसे दश्यमान प्रतिष्मल का पन्द्रह गितशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिष्मल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिन्दित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क), बन्तरण से हुई किसी आव की आशत, उसत वीपीनसम के बभीन कर दोने के बन्नरक के सायित्व में कमी करते ए जगमे । चने में स्विधा के सिए; और/या
- (बा) एसे किसी लाय या किसी धन या जन्य जास्तिया करे, जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनः कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबाजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अपना काहिए था. किया में स्विधा के लिए;

बत्र मन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण कें, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) कें बधीन निम्निनिवित स्विक्यों, कर्याल (1) श्री सादीक्ष्मली ग्रहमदग्रली, और मुहम्मद हुसेन ग्रहमदग्रती।

(ऋन्तरव)

(2) श्री मोहमद दृशाल मोहमद दृलाई शिख । (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पनि के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बाई भी हाओंप ---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या नंत्सामा विश्व व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो सस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

प्लैट नं० 501 जो 5ती, मिलिल इम्प्रान मपार्टमेंट, वाग ०, एम ० सी० ए० रोड, प्राम्रीधाडा, धन्यई--8 में स्थित हैं।

और जैसाकी अनुसूची कि सं० ४६- /37-ईई/2850/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, वन्दई द्वारा निगक 12 जुलाई 1984 को रस्टिंड विदा गया है /।

> ए० रहिरी स्थम प्राधिकारी सहायव श्रायवार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्ति रेज 1

दिनावः -- 15-3-1985 मोहर:- प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंग 1 बम्बई
बम्बई. दिनाक 14 मार्च 1985

निर्देश: सं अई--1/37--ईई/3288/84--85-- अत. मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जि.की सं० श्राफीन नं० 29 , जो दूसरी मजिल ताडदेब ,एअर कंडिश्चन्ड मार्केट ताडदेब घम्बई-34 में है तथा जो घम्बई-34 में स्थित है (और इसमे उपाबढ़' अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), और जिलवा करारानामा श्राय र अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है । दिनांक 10 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ 1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोनती चंद्राबाई जे आजारीया

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दुलीचंद शर्मा ।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्राफीस नं० 29, जो दूसरी मंजिल, ताडवेद एश्रर कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव , बम्बई-34 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-।/37-ईई/3108/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनां ह 10 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहंरी सक्षम प्राधिारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1 बमाई

दिन(क.:- 14-2-1985

मोहर:

## प्ररूप बाह'. टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकाड

क्श्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां 15 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/3292/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राफीत नं० 403 जो एम्बेसी सेंटर, चौथी मंजिल, नरीमन पाइंट बम्बई-21 है तथा जो बम्बई 21 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिना 10 जुलाई 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सै कम के दश्यमान के लिए अन्तरित की गड़ 🕻 और विश्वास करने का कारण हैं यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्रश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे जबने में सूविधा के निए; बार/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी बन या बन्य आस्तियाँ को, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्थि। खें सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मैसर्स ए० आर० छवा एण्ड कंपनी ।

(ग्रन्तरका)

(2) मैनर्स सुपर पार्टम प्रायवेट लि॰ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

भ्राफीत नं० 403 जो चौथी मंजिल, एम्ब्रेसी सेंटर नरीमन पाइंट, बम्बई-121 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/3069/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 10 जुलाई 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी ६क्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 15-3-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्थन रेंग्र-1, अम्बई
बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

ित्रदेश स० झई-1/37-ईई/3299/84-85-- झत:

मुझे, ए० लहिरी,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० आफान नं० 41 जो चोथी मंजिल मितल टावर, प्लाट नं० 210 व्याह न० 3, बब बे रेक्समेहान स्विम, नरीमन पाइट बम्बई --21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से विणित है ), और जिल्ला करारनामा आलकर अविनियम, 1961 की घारा 269 वा छा के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-वारों के वार्याच्य में रिजस्ट्री है। बिनाक 10 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नेवर संपत्ति का जीवर का प्रतिक्त का नेवर से अवित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखिला में कभी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिल्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धा, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित अयिक्तयों, ब्राधीत् (1) 1. श्री हिरो होतचद नवानी और' श्रीमती सजनी हिरो नवानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स दानकाई इन्टरनैशनल ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती
,(वह व्यक्ति, जिसके अधिकोग से सम्पत्ति है)
को यह सूचना बादी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोपत ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचर, की तामील मे 30 दिन की अत्रिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीधर पूर्वों श्री व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक १३ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदी बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृशारा अधाहस्ताक्षर। अध्यास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## बन्स्ची

श्राफी तं नं 41, जो चौथी मंजिल, मित्तल टावर प्लाट नं ं 210 ब्लाक 3, ब ्रवे रेक्लमें शन स्थिम, नरीमन पाइंटस बम्बई-21 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/3075 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी . सक्षम प्राविनारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज, 1 बम्बई

दिनांक :- 15-3-1085

मोहर :

# प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1)-के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेज-1, अम्बई

बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985 निदेश स० अई--1/37-ईई/3314/84--85--- अतः मंक्षे ए० लहिरी,

आयोकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी २० गाता न० 124 जो पहली मजिल, ए-2 इसारत, शहा एण्ड नहार इन्डिस्ट्रियल इस्टेट लोग्ना, परेल अम्बइ-13 है तथा जो अस्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), और जिसका कराजामा अल्चार प्रविनियम, 1961-की धारा 269 ा ख के अत्रीत बम्बई स्थित सक्षत प्रविन्तारी के नामीन में रजिस्ट्रों है दिनाक 16 जुलाई 1985

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का 'पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए और (या
- (क) एमो किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) घनराज मिल्तु प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रनारका)

(2) श्री हेनचन्द्र जैन, श्रीभती मुशिला विनिद्धकुमार और मास्टर ग्रीपत कुमार बोवा (मायनर) मार्डीयन श्री हेमचद जैन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्भात के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हू ।

उक्त मम्पिति के अर्जन के मंबंध मा कार मा आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति देशना अवहत्ताकार व ए। में निधित में किए वा सकें में।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

गानान 124 जो पहनी मजिन, ए-2 इमारत शहा, एण्ड इडरिट्रथल, बहार इस्टेट लोग्नर परेल, धम्बई -13 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकि क० स० अई-I/37-ईई/3084 84-85---और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16 जुलाई 1984 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राद्यिकारी सहाय्यः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, यम्बई

হিনাস : 12-3-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांवा 14 मार्च 1985

िदेश सं० ऋई-I/37-ईई/3323/84--85----%तः मुझे ए० रहिरी

बायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ईसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 205 जो दूसरी मंजिल, शहा एण्ड बहार इडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2 एरा० जे० मार्थ, लोग्नर परेल, बम्बई-13, है तथां जो बम्बई-13 में स्थित है (और इपसे उपाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), और जिसका कराएतामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रवीन दम्दई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रजिस्टी हैं दिनानः 17 जुलाई 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का बारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, मिग्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात '---

- (1) मैसर्स शहा एण्ड नहार आसोत्रिएटस । (अन्तरक)
- (2) बाल इणन लल्ला ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

इंडस्ट्रियल युनिट नं० 206 जो दूसरी, मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इंस्टेट, ए-2 ए $\epsilon$ 0 ज० मार्ग, लोग्नर परेल कम्बई-13 में स्थित है ।

श्र्नुसूची जैनािंग कि सं० श्रई- 1/37-ईई/3086 '84-85 और जिसद्रा प्राधिकारी दम्दई हारा दिनांग 16' जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड विया गया है ।

> ए० हिरी सक्षम प्राधिवारी सहायः स्नायकरं झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांव: :- 14- 3- 1985

मोहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985
निदेश सं० अई—1/37—ईई/3333/84—85—अतः मुझे
ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं पार्ट ऑफ युनिट नं 202, जो, टाप फ्लोअर विकास इमारत, 11, बैन्क स्ट्रिट, फोर्ट बम्बई-23 में स्थित है तथा जो बम्बई 23 में स्थित है (ग्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्नरण में हाई किसी बाठ की बाबत, खक्त सिंपनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ थायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>‡</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) मैसर्स लक्ष्मीनारायण इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स दिक्टोर ट्रान्यपोर्ट कंपनी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

पार्ट आफ युनिट नं० 402, जो टाप फ्लोर, विकास इमारत, 11, बैंह स्ट्रिट फोर्ट बम्बई-23 में स्थित है । अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-1/37—ईई/3093/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

्र ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक :- 15-3-1985

मोहर:

## बक्द बार्च , टी. एव. एव. ...----

# बावकर वरिगियम, 1961 (1961 का 43) को बाद्य 269-व (1) के ब्रोग स्वेगा

#### राख खबर

कार्यासय, सहावक बायकर बावुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, वस्वई
बस्वई, दिनांक 13 मार्च 1985
निदेश सं व अई-1/37-ईई/3334/84-85--अतं. मुझे,
ए ० लहिरी,

वावकर क्षितिवन, 1961 (1961 का 43) विसं इस्त्रों इसके परवात् 'उक्त विधिवनन' कहा गया है, की भाग 269-च के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्यत्ति, विसका उचित वावार मृत्य 1,00,000/-फ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 29ं, जो तीसरी मजिल, गीता भवन, "सी" इमारन, 93 भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई—36, है तथा जो बम्बई 36 में स्थित है (भोर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है ), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 10 जुलाई 1984

के पुर्वोक्त नजरित के जीवत बाबार नृत्य से कम के प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उचने अववान प्रतिफल का पंद्रह इंडिच्च वे विश्व है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरित (बन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब पावा गवा विश्वक, विन्नतिवित उद्देश्य से उचन बन्तरण निश्वत में बालाविक कम ने कीचन नहीं किया गवा है :----

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विधितवय के जभीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए, जीर/मा
- (थं) देशी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य बास्तियों की, विन्हें बारतीय नाव-कर सिवनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत सिवनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया निया या वा किया बाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा वे विक्;

कतः बद, उक्त वीधीनवद की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त क्षीनवद की धारा 269-न की उपधारा (1) के वधीन, निक्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् :----23---36 GI/85 (1) श्री हमीद जुबेर ।

(अन्तरक)

(2) श्री छविलभाई वावाभाई पटेल ।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरितो (वह व्यक्ति, जिसक अधिभोग में सम्पत्ति हैं )

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं.!!

उब्द सपिल के अर्जन के सब्ध मा काई भी आसप :--

- (क) इस भूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिश्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामीन से 30 दिन की जबिथ, को भी: बक्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाद;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्तानरी के पाव निस्ति में किस या स्टेंगी

स्वकारिकरणः----इसमें प्रयुक्त सम्बां नीड पर्यों का, को उनक विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभावित है, क्ही वर्ष होगा, वो उस वध्याय में दिया नवा

## बन्स्ची

पलैट न ० 29 जो नौनैशी मिजिल, गीना भवन "सी' इमारत 93, भुलाभाई देमाई होड, बम्बई--36 में स्थित है।

अनुसूची जिनका कि० स० 1/37 ईई/2665/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्नई द्वारा दिनाक 10 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी "मक्षम प्राधिकारी महायक आपका आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, बम्बई

दिनाक 13-3-1985

मोहर ः

प्रक्रम बार्ड - टीं - इन्. एत .-----

आयुक्त अर्थिक्यम, 1961 (1961 का 43) औं भारत 269-म (1) के अधीन सूचना

## nica assers

आप्रक्रियः , ब्रह्ममक नायकर नायक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं ॰ अई-1/37-ईई/3338/84-85-अतः मुझे, ए ॰ लहिरी,

कालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्की पश्चात् 'उक्त ऑधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन कताम प्राधिकाची को, यह विश्वात करने का काडण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं 0 8.15 टक्का शेअर आफ अनिडवायडेड शेंअर इन प्लॉट नं 0 772, डी० एम 0 इस्टेट साउथ, तिलक रोड़, पार्सी जालोनी दादर, बम्बई—14 है तथा जो बम्बई 14 में स्थित है) (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रुप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961। की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संस्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्वमान इतिकास को सिए अव्यक्ति की नह है बीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकों उच्चमान प्रतिकास से, एसे उस्पमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंवरण के लिए तय पाया गया प्रति-का, निक्निवित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित में बास्तियक रूप में किथा नहीं किया गया है;——

- (क) बन्तरण से हुइं जिसीं बाय जी बाबसा, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अधीर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन वा बन्य आस्तियों को, क्रीजन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ, अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स बिल्ड क्वीक ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अलोक कुमार बसू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कर्रता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्हाक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सायार में रिया गया हैं।

## अनुस्**चीं**

8.15 टक्का शेअर ऑफ अनिडवायहैंड शेअर इन प्लॉंट न ० 772, डी० एम० इस्टेट साउथ, तिलक रोड, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 ने थित हैं।

ग्रीर जैसाकि क० म० अई-1/37–ईई/3111/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिभारी तम्बई द्वारा दिनारू 1,6 जुलाई 1984 को जिप्पड़ी िया गया ह ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंग-1 यम्बई

**दिनाक** 13-3-1985

मोहर '

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेंज 1 वम्बई

बम्बई, दिनींक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-1/37—ईई/3339/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही) की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सक्षिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

म्रौर जिसकी सं इंडिस्ट्रियल युनिट नं 216 जो दूसरी मंजिल, महा एण्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट (ए-।), धनराज मिल कंपांड ड लोअर परेल, बम्बई-13 है तया जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है ), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । दिनांक 16 जुलाई 1984

को प्राॅक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अकुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---,

(1) मैसर्स प्रिटोपैक ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जी० टो० इंटरत्रायजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्मुची

इंडस्ट्रियल युनिट नं० 216 जो दूसरी मंक्रिल, ''शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल, इस्टेट ए-। धनराज मिल कंपाउंड लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसािक कि के सं अई-1/37—ईई/3112/84-85—और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 16 जुलाई 1984 को रिजस्ट्री किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🛭

# इस्प बार्ं. टी. एन. एव.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अभीन सचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3343/84-85-- अत: मुझे ए० लहिरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी, सं ० दुकान नं ० 22, जो हिरा पन्ना जंक्शक आफ भुलाभाई देसाई रोड़ भौर ताडदेव रोड, बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-34 में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है ) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास कारने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यद ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए दृश्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्डिक रूप से किथन नहीं किया गया है

- (क) बतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स बौधिनियम के बधीन कर दोने के बंदरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क निए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धने-अर अचिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे अव्योजनार्थ अतिर्ती करान प्रश्न ह नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिषाने में सिवधा भी सिक्;

विका अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को जनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) मैसर्स एस े पी विलडर्स ।

(असरक)

(2) श्रीमती लिलका आर० महा,।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिकों । (वह व्यक्तिं, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना बादी करने पूर्वों कर सम्पृतिसः से वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध वें कोई ही बाको ह---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीब हो. 45 दिन की संवीध ना तत्संबंधी स्वीत्तवों पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्वीध, को भी अवधि नाद में क्यान्य होती हो, के भीतर प्रॉक्स स्वतियों में से किसी स्वतित द्वारा;
- (क) इव स्थना के स्वपन के प्रकारन की तारींव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थावर स्थावर के पास किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किस् वा क्कोंगे ।

न्यध्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को इक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासिश्व है, वहीं वर्ष होंगा वो उस अध्याय में दिवा गवा है!

## वन्युक्ती

दुकान नं ० 22 जो ग्राउंड फ्लोर, हिरा पन्ना , जंक्शन ऑफ भुलाभाई देसाई रोड ग्रौर ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है ।

अनुसूची जैसािक क० सं० अई-I/37-ईई/3116 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांच 16 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (ए० त**हिरो)** सक्षम **प्राधिकारी** सहायक आयकर आ**युक्त (निरीक्षण)** अजंन<sup>े</sup>रेज<sub>ने</sub> 1 **सम्बर्ध**

दिनांक : 14-3-1985

माहरु

# मुक्त बार्ष . टी , व्य , व्य , क्षा

# नाथकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के वधीन कुषवा

#### STOR BERTS

शार्थालय , तहावक बायकर वायुक्त (निर्यक्रिक) अर्जन रेंज-1, वस्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निरेश सं ० अई-1/37-ईई/3344/84-- अतः मुह्ने, ए ० लहिरी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 23 , जो हीरा पन्ना, जैक्खन ऑफ भूला भाई देसाई रोड और ताडदेन रोड, बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची

में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित है ) भीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 को घारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16 ज्लाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मृत्य वे कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का प्रत्यक्त प्रतिफाल का प्रत्यक्त से विश्व है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाना नवा प्रतिक क्या विकास के वाक्तरित क्या विकास के वाक्यरित क्या विकास के वाक्तरित क्या विकास के वाक्तरित क्या विकास के वाक्तरित क्या विकास के वाक्तरित क्या विकास के वाक्यरित क्या विकास के वाक्तरित क्या वाक्यरित क्

- (क) तत्वरण वं हुए जिली बाव की बावत उत्तव विश्व-विवय के वर्षीय कर दोने के बन्तरक के सामित्व वो कमी करने वा तक्के वचने वो जुनिया के निए; वरि/या
- (क.) एसी किसी जान वा किसी जन वा बच्च वास्तियों की, जिन्हों भारतीय नामकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विधिनयन, या धन-कर विधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ मंन्तिरती कृताय प्रकट वहीं किया गया था वा किया बाना चोडिए ना, कियाने ने व्यवधा के विष्

बत: जब, उक्त वीधनियम की धारा 269-ग के बनुसरण हो, में उक्त विधनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) मैतर्स एस० पी० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

- (2) श्री दिनेशकुमार नाने कचदजी कोठारी । (अन्तरितो)
- (3) अन्तरकों । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्बक्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष:---

- (क) इव श्वना के जनपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताशीश से 30 दिन की जनिथ, वो भी जनिश बाद में सवाध्य होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तितां में से किसी क्यांच्य इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उत्तर स्थावर संपीत में दिस- वर्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के गर्भ मिं कि में किए या संक्रीने।

स्था है।

स्था है।

स्था है।

स्था है।

स्था है।

स्था है।

#### लवरी

दुकान नं ० 23 जो होरा पन्ता, जक्शन ऑफ भुलामाई व देसाई रोड ग्रीर साडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैतािक कि॰ सं॰ अई-3/37-ईई/3117/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 14-3-1985

# प्ररूप बार्ड हो दो पन प्र एव :----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, ब वर्ष

वस्बई, दिनांक । 4 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/3345/84-85---अत: मुझे। ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 317, जो, तीसरी मंजिल, शहा नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, कख के अधीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनां 16-7-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के । लए, ऑर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों कर, जिन्हा भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या कृतत अधिनियम, या धर कर अधिनियम, 195 के (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरियम, 195 के (जिंदा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) शहा एण्ड नहार एसोसिट्स।

(ग्रन्तरक)

(2) टोकंरशी ए० लालका।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति 'द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सची

अनुसूची जैसा कि कुं सं अई-1/37-ईई/3118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984, को रिजस्टर्ड किया गया है ।

यूनिट सं० 317, जो तीसरी मजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल्कम्याउण्ड, सिनाराम जाधन मार्ग, लोग्नर परेल, बन्बई-13 में स्थित है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, **बम्ब**ई

दिनां अ 14-3-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय महायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, अम्बई

बम्बई, टिनाक 12 मार्च 1985

निदे: कैंसं० अई- 1/37ईई/3346/84--85--अत: मुझे, ए० लहिनी,

कायकर जिथितिरम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रइसके परणात् 'उक्त बिधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि भावरे सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00.000/- रह से अधिक ही

और जि भी स० यूनिट सं० 240, जो, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड स्टाएं इंडस्ट्रिंट्स इस्टेट ए- 2ख धनराज मिल वम्पाउण्ड, एस० जे मार्ग, लोग्नर परे!, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपायह अनुसूची में औं पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करार समा आयनर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के अधीन बम्बई स्थित उक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनाक 16-7-1984,

को पृबंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अतिरित की गई और मृक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वीया स्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमे क्यमान प्रतिफल का पर्सह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित गों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नित्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किमी आय की बाबत, अक्त बिध-बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दिखिला में किमी करने का उससे बचने में मृतिधा के लिए बरि/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्याँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनगत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ले तिया।

अत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधानत (1) के बचीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स ।

(झन्तरक)

(2) एम० डी० इष्टरपायजेस ।

(भ्रन्नरिती)

को वह स्वना वारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से कि 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मिन्स् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभाहेस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### मन्सूची

यूनिट सं० 240, जो, दूनिंग मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एम० जे० रोड लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/3119/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 16-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक **श्रा**यकर **श्रा**युक्त (निरीक्षण), **ग्र**र्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🌶

प्रस्त बाइ'.टी. एन. एख . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकाह

कार्यातव, महायक आवरार बायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सः श्रई-1/37ईई/3347/84-85 **अ**त्, मुझें, ए॰ लहिरी,

नायकर निर्मित्रमा, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'ज़कत निर्मित्रमा कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट गं० 1001, जो शिरीन अपार्टमेंट त, सी० एस० गं० 1/315, ताडदेव डिविजन, गंगा-जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेव, ब्रम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप दे विणित है), और जि०वा करारनामा आयक अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के वार्यालय से रिजरूट्री है, दिनाक 16-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अत्ररण लिखित के क्रिस्तिक रूप में कमित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वायत उनतं अधिनियम क अधीन कर दोने के अतरक क दायित्व में कभी करने या उसने अपने में निक्रमा के लिए, नीर/मा
- (क) -एनी किसी बाय मा किसी भन मा जिल्ब जास्तिमों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनस्त्र 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनस्त्र, या नकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियान में नुविधा क लिए,

वतः कवः, उक्त विधितियम की धारा 269-म के क्वृंसरण में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-म की उपभीरा (1) के वधीन, निम्निविधित व्यवितयों, वर्भातः—

- (1) मैं ० ताडदेव प्रापर्टीज प्राइवेष्ट लि ०। (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेश पी० चोशसी और श्रीमती शक्टंतला एम० चोलसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  वर्षीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थामर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# गगुसूची

पनैट नं ० 1001, जो, शिरीन भगाटैमेंट त, सी ० एस ० नं ० 1/315, ताडदेव डिवि ।न, गंगा-जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेव, वन्वई में स्थित है ।

प्रशुन्त ने राकि क ० सं० घड्-।/37ईई/3120/84-85 और जा समम प्राधिकारी, वस्थाई द्वारा दिलांक 16-7-1984 को जीक्टाई किया गया है ।

> ्र ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारो महायक आयक्तर आयुकः (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 15-3-1985

प्रकल'बाद". टी. एन.; एस्.----

नायकार निधीनयमें, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं॰ भई-1/37ईई/3349/84-85--श्रत:, मुर्से, ए॰ लहिरी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिकम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाबार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल ग्रनुराय, बाणगंगा अनुराग की० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 9, वाणगंगा रोड, वालके व्वर, बम्बई-6 में स्थित् है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायर भ्रधिनियम, 1961 की उारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 16-7-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उरयमान प्रतिकल से, एसे उपयमान प्रतिकल का पन्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच इसे जन्तरण के लिए तव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया वदा है :---

- (क) जन्तरण से हुई क़िसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कामी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/बा
- (स) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा ने लिए:

बत: बब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🗝 अधीतः, निम्नीलिश्वतः व्यक्तियोः, वर्षात् 🤋 🖚 24-36 GI/85

- (1) 1. श्रीमती इंदूबेंन बकुलभाई धामी, श्रीर
  - 2. श्रीमती मंजूबेन सुबोधभाई धमी

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती मनुबाई श्रोटरमल जैन श्रीर
  - 2 श्रहणकुमार श्रोटर मल जैन ।

(भ्रन्तरिती)

(3) धन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु । 🕐

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबीध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **बन्**स्ची

फ्लैट नं० 503, 5वीं मंजिल, धनुराग, बाणगंगा धनुराग को० भ्राप्० हार्जीसम सोसायटी लि०, १, बाणगंगा रोड, वाल-केश्वर, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कo संo ग्रई-1/37-ईई/3122/84-85 सीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 15 3-1985

# प्रकृष् बार्यः हो पुन् पुन् पुन् ---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### श्वारत सहका।

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० म्रई-1/37ईई/3362/84-75--- म्रतः, मुझें, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 \*(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- कं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-. रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव पलैट नंव 20, जो 4थी मंजिल, रोशनी कोव श्रापव हाउसिंग सोसायटी लिव, क्लेग्रर रोड़, बाईंकुला, बम्बई-8 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-7-1984,

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित. बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्क में कमी करने वा उससे दचने में बृध्यिक्षः के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) श्रीमती जरीनाबाई श्रब्दुल करीम । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रब्बास इन्नाहिम उनवाला, भ्रौर श्रीमती रशीदा भ्रब्बास उनवाला। (भन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से रिगर्ट व्यक्ति तनारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्**स्प**ी

फ्लैंट नं० 20, जो, 4थी मंजिल, रोशनी को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, क्लेभ्रर रोड, बाईकुला, बम्बई-8 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ म्रई-1/37-ईई/3135/84-85 म्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक् आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च, 1985

निदेश सं० म्रई-1/37ईई/3392/84-85— म्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिंसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं यूनिट सं 235, जो, दूसरी मंजिल, "पंचरत्न", आपरा हाउसस, बम्बई—4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आककर श्रिधिनियम, 1961 की ज्ञारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री दिनांक 16—7—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बल्यार बृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के ब्ल्यूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में कुविधा के लिए, और/या
- ्क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य बास्तियां की जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपमास (1) से अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्रीमती भानूमती हसमुखलाल शहा ग्रौर श्री हशमुखलाल गुलाबचन्द शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं जनम डायमण्ड प्राइवेट लि ।

(अन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तस्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्न किरणः — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गवा हैं॥

#### जग संस्थित

यूनिट सं० 235, जो, दूसरी मंजिल, "पंचरत्न" इमारत, श्रापेरा हाउस, बम्बई में-4 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-।/37-ईई/4058/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनर्कि 16-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षेम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रें ज-1, बम्बई

तारीख: 15-3-1985

मोहर 🖫

# प्रकृष् बार्ड ुटी .एव .एव . -----

पायकर व्यंत्रिक्त ३५%। (१९७१ झ 43) की बारा 289-व(1) के सबीत भूवना

#### बारुत सरकाड

# कार्यालय, सहायक वाय्कर वाय्कत (निरीक्क)

अर्जन र्रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च, 1985

निर्देश सं अाई-1/37ईई/33079/8 4-8 5---अतः **मुझे** ए॰ लहिरी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थान्द संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, जो, दूसरी मंजिल, निर्मल निवास नं० 2, 79, श्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई—36 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसकाकरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16—7—1984,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंग्र के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्द है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्नतरण निश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाब्द, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने कें जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; बीट्र/बा
- (व) ऐसी किसी जाव या किसी वन या कन्य वारिस्त्यां को, चिन्हों करतीय काव-कर निधितवस, 1922 (1922 का 11) या उन्ता जीवनियम, या वन-कर व्यक्तिनियम, या वन-कर व्यक्तिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया दिया या वा किया बाना वाहिए या, विभाने में स्विधा के लिए?

कर: कड, उक्त अधिनियम की धारा 269-क कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांक :—

- (1) श्री बंसीलाल बालूभाई शहा ग्रीर हसुमती बंसी लाल शहा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हुर्षंदराय फ़बिलदास सेठ ग्रौर भारती हुर्षंदराय सेठ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) श्रन्तरितियों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षा के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के वर्षम के तम्बन्ध में कोई भी बाह्ने :---

- (क) इब सूचना के समय में प्रकाशन को ताड़ीय वें
  45 दिन की जगिंध या तरसञ्ज्ञां व्यक्तियां कृत कृषना की तामील से 30 दिन की जगिंध, जो भी नचीय बाद में बनाय्त होती हो, जो मौतर नृष्टेंक्य व्यक्तिसमों में ते किसी व्यक्तित सुवारम
- (स) इस स्चना के राजक्त में प्रकाशन की तारीय से 45 किन के भीतर उक्त त्यावर सम्पत्ति में क्रिक्क्षण किसी क्रम व्यक्ति इवारा वश्रोहक्क्षण्या से पाद विविध्य में क्रिक्ट का स्वीप्ते ।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित है, बही अर्थ होगा, वो उक्त अध्यास में दिया एका है।

# वन्ष्यी

फ्लैट नं० 24, जो, दूसरी मंजिल, निर्मृत निवास नं० 2, 79, श्रांगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37-ईई/4047/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984 को रिब्स्टिंड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 13-3-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-चू (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च, 1985

निर्देश सं॰ भई-1/37-ईई/3480/84-85---भतः, मुझे, ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंगरेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक हुँ

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 101, जो, पहली मंजिल, विग-एफ, "वीना बीना अपार्टमेंटस", श्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प), वसींवा, बम्बई-15 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वींणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के भधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16 जुलाई 1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रात्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बब्त , उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के तिए; बार्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए था, डिजाने में सुविधा के लिए;

कर बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निस्ति, व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोर्धनदास शिवचन्दराय गरोडिया । (धन्तरक)
- (2) श्रीमती `रुक्मिनीबाई लाहोटी । (भ्रन्तरिती)
- (3) श्री हरीभाई वी० पटेल । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री हरीभाई वी० पटेल । (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को ग्रह सूचना जारी कंरके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

फ्लैट नं 101, जो पहली, मंजिल, विग-एफ, बीना बीना प्रपार्टमेंटस्, श्राचार्यं दोंदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि फ॰ सं॰ श्रई-1/37-ईई/4048/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-84 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-3-1985

मोहर 😩

# त्रवा बार् हो हा वर

बायकार विधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

कार्यातम, **बहुनक वारकर वार्**क्त (निर्**का**न)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/3384/84-85---ग्रतः **मु**झें, ए० लहिरी,

बावकर किंदीनवन, 1961 (1961 का 43) (किंचे कार्ये देखके नश्यात् 'उन्तर विधिवनक' वक्क नथा हैं), की पाछ 269-ख के बंधीन सक्रम प्राधिकारों को वह विश्वास खरने का भारत हैं कि स्वायर कन्मीरा, विश्वका उपित वाबार मून्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस नं० डी०/3, ग्रम्बा भवन, 4थी मंजिल, देवजी रतनसी मार्ग, बम्बई-9 मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रीयकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख ग्रधीन बम्बई, स्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, दिनांक 16-7-1984,

को प्वॉक्त सम्मत्ति के उवित बाबार मूच्य से अन के स्वामन प्रतिका के विकृ बन्तिका को पर्व हूं खेंड मुखे वह विकास का का कारण है कि यथा प्वॉक्त सब्यत्ति का उवित वाचार ब्रुक्त का कारण है कि यथा प्वॉक्त सब्यत्ति का उवित वाचार ब्रुक्त, उसके क्यमान प्रतिकर्त से, एसे क्यकान प्रतिक्रक के पन्त्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरित (अंतरित वां) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया। प्रतिकात, निम्नितिकत उद्योक से क्या ब्रुक्त विकास की स्थाप की स्था

- (क) वन्तरण वे हुई किसी बाण की कावस, उनक बीधनियम के व्यक्ति कर दोने के क्लारक के द्वांबरण में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा जी निए, और/या
- (क) इंसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाध-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, वा धन-कार अधिनित्तक, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशकार्य अन्तरिकी स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना पर्रोहर था, रिक्रमान में सुविका के निक्;

बब्ध वर, उपरा विशिवस्य की पाद्य 269-मु के ववृत्तरक में, में उनल विशिवस्य की भारा 209-म की उपवारा (1) के वधीय, निम्मीबिक्स व्यक्तिकों, व्यक्ति ह— (1) मेससं जय भारत स्टील एजेंसी।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स ग्रनी इण्टरप्रायजेंस ।

(भ्रम्तरिती)

को वह बूज्या वाडी करके प्यॉक्स कुक्तिस के वर्षन में निव कार्यवाद्वित क्रासा हो।

# उपद संप्रित के बर्धन के संबंध में कोई थी बार्शन :---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 शिष की अवींच वा त्रसंबंधी, व्यक्तियों पर सूचवा की दावीन से 30 दिन की वर्षा, वो भी स्वर्धिय वाद में समान्य होती हो, के बीहर प्राॅक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस स्वाच्छ;
- (ख) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारींख से 45 दिव को भीशर उक्क स्थावर संपत्ति मों हिलबद्ध किसी काम व्यक्ति क्यारा वमोहस्ताकरी के नाल विश्वित मों किए का सकीने।

स्वच्याकरण:--- इसमें जबकर सम्बाँ बीड पर्वो का, को उसके अधिनियमें, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्व झेना जो उस सम्बाग में हैस्स स्था है।

# भ्रनुसूची

· श्राफिस नं० डी०/3, जो, श्रंबें भवन, 4थी मंजिल, देवजी रतनशी मार्ग, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-/37-ईई/4051/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, बस्बई

दिनकि: 14-3-1985

प्रकष बाह्ं दी एनं एत .

नायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नचीत स्चतः

#### प्राप्ता स्टब्स्स

कावतिब, सहावकं जायकर बाब्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई
बस्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-1/म ७ईई/ 340म/ 84-85---- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पत्रवात् 'उन्त निधीनयम' कहा नवा हैं), की बारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को नह निध्यास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उपित बाचार मून्य 1,00,000/- रु. से निधक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 25, जो, दूसरी मंजिल, इमारत "भ्रनीता", माउंट प्लेझेंट रोड, बम्बई—6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 20—7—1984,

की प्रॉक्ट सम्पत्ति के उपित नाचार मृत्य से कम के क्लामन्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो जार मुक्ते यह निकास
असने का कारण है कि नपाप्योंक्त सम्मित्त का उपित नामर
मृज्य, उसके क्ष्ममान प्रविफल तो, एसे क्ष्ममान प्रतिप्त्र का
पन्द्रह प्रतिचात से निभक है और नंतरक (नंतरकों) और मंजिती
(नन्तरितिकों) से नीम एसे नन्तरम के निम् कम पाना प्रमा
प्रतिक्त, निम्नसिचित् उद्देष्य से उपक नम्बरण किलिकः
में नास्त्रिक रूम से समित नहीं किना प्रमा है हु—

- हुँक) बन्तरण तं हुड़ किसी बाव की बावत उपत सीध-विषय के अधीप कर दोने ने बंतरक की शाँवरण में कभी करने वा उत्तर्भ वचने में सूर्विमा के चिए; नीरं/वा
- (क) एंकी किसी नाम या किसी धन या कम्य शाहितकों की, चिन्हों आरतीय नाम-कर निर्मितवन, 1922 (1922 का 11) वा उपत् निर्मितवन, वा धन्-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा में किया

नतः नवः, उत्तव विधिनवन की धारा 269-त के वयुवरण में, जें, उत्तर विधिनवन की धारा 269-व की उपधारा (1) के जवीतः, निम्मिनिटत म्यन्तियों, अर्थात ः— (1) श्रीमती निरा एल वातरथ।

ं (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सर्विताबेन एम० संघवी, श्रीर श्रीमती पूजा के० संघवी।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना कारी करके प्रवेक्त सम्मित्त के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अनिध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इसारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वृष्ट किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

न्यच्छीकक्षणा इसमें प्रवृक्षण कर्ता और पतां का, को उक्स विश्विमन, को बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होना को उस बच्चाय में दिना नवा है: यहा हैं।

# मनुसूची

'पर्लैट नं० 25, जो, दूसरी मंजिल, इमारत, "ग्रनीता", बाउंट प्लोझेंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-।/37-ईई/3189/84-85 भीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर ग्रायुक्त (**निरीक्षण) **भ्रजैन** रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 15-3-1985

मोहर ।

प्रका बाहै. टी, एर, इस. -----

नावकच मीर्थानयन, 1961 (1961 का 43) की धास 269-च (1) के मधीन श्चना

शारत वरकार

सार्वालय, सञ्चायक वावकर वावक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश: सं॰ग्नई-1/37-ईई/3408/84-85---म्रत: मुझें, ए॰ लहिरी,

कारकर विधिनयम, 1961 हैं1961 का 43). (जिसे इसमें इसके क्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की क्षम 260-य को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका स्थित पायार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 43, जो, गोल्ड काइन "ए" इमारत, 35/35-ए, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, भ्रौर जिसका करारनामा नामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।, दिनांक 25-7-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम भी उरवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते वह विश्वात कम कारण है कि वणापूर्वोक्त सम्बद्धि का उजित वाचार मूक्त, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया नका प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में कास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुइ<sup>व</sup> किसी जाय की बाबत, अक्ट वृद्धिनियम के संचीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कसी करने वा जसके बचने में तृष्टिभा के निम्, वरि/मा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधीजनार्थ बन्तरिसी ब्नाए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिभा की लिए;

बक्क क्य, स्वतः वर्षिनियम की भारा 269-न के अनुतरम भा, की, सकर मिथिनियम की भारा 269-न की जनभारा (1) को क्षीन, विकासिका व्यक्तिकां, सुनत्, हम्मा (1) सी० जे० श्राफ और 2. श्रीमती एस० जे० श्राफ ।

(भन्तरक)

(2) 1. श्रीमती एस० ग्रार० शहा श्रीर 2. श्री डी० ग्रार० शहा।

(श्रन्तरिती)

(3) 1. श्री दिपक श्रार० शहा, श्रीर
2. श्रीमती सुरेखा ग्रार० शहा।
(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का बहु तुषना बारी कारके पूर्वोक्स तम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत बन्दत्ति के वर्जन के सम्बन्धे में काई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील ए 45 किन के भीतर उक्त स्थानर तस्पत्ति में हितनद्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित हो किए जा नकींगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो स्वतः अभिनियम के कथ्याय 20-क में प्रिणाचित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिन।

#### वस्या

फ्लैट नं 42, जो, गोल्ड कॉईन, 'ए' इमारत, 35/35-ए, तारदेव रोड, बम्बई -34 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि कि सं भ्रई-।/37-ईई/3194/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकाची सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

हायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निरेश सं० ग्रई-1/37-ईई/3408/84-85--- ग्रतः मुझें,

ए० लहिरी, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ईसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, दूसरी मंजिल, इमारत ''प्रेंम कार्ट'', प्रेंम कॉर्ट को०-ग्राप० हाउसिंग, सोसायटी लि०, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-7-1984,

को प्वाँकत सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित स्थितयों, अर्थात् :--- 25—36 GI/85

(1) श्रीमती इंद्रा जे॰ रहेजा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुंतीलाल सी० मुथीयान।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गवा है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं 16, जो, दूसरी मंजिल, इमारत "प्रेम कॉर्ट", प्रेम कॉर्ट को -- श्राप हाउसिंग सोसायटी लि ०, पेडर रोड, बम्बई— 26 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि ले श्रई-।/37-ईई/3195/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज-।, बम्बई

दिनिक : 15-3-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदंश सं. अर्द -1/37ईई/3416/84-85--अत: मुझे, ए. लहरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

पलैट नं. 21, जो 3री मंजिल हरमन हाउस को. आप. हाउसिंग सोसायटी लि., प्लाट नं. 148, स्कीम नं. 52, वरली डी. डी. वाल के बाजू में, बम्बई -18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क्ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिणस्ट्री हैं, दिनांक 25-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिर कें करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित करने मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित वे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्रीमती गोविंदीबाई एच० रोहेरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार जी० जोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलट नं० 21, जो, तीसरी मंजिल, हरगन हाउस को०प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 148, स्कीम नं०
52, वरली डी० डी० चाल क बाजू में बम्बई—18 में, स्थित है।
प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई—/37ईई/3203/84—
85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25—7—
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–।, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### बार्ट बरकाइ

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13मार्च 1985

निदेश सं॰ ग्रई-1/37ईई/3421/84-85--ग्रतः मुझे ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 404, जो 4थी मंजिल, विमल सोसायटी 91-एल बाणगंगा, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्ममान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तक पावा जवा श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया नवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त ब्रीभिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने ये उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (ख) एस किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे सिंह;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एच० वी० शाहा।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती शीला एल० शाहा।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# श्रनुसूची

फ्लैंट नं॰ 404, जो, 4थी मंजिल, विमल हसोसायटी, 91 एल॰ बाणगंगा, बम्बई - 6 सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई- 1/37ईई/3206 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

प्ररूप बाईं हो , एन , एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 13 मार्च 1985 निदेश सं० अई- 1/37ईई/3434/84-85--ग्रतः मुझे ० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं व्युनिट नं विकास का कमरा नं विकास हाउस, प्रिमायसेस को - ओप सोसायटी लि विवास हाउस, प्रिमायसेस को - ओप सोसायटी लि विवास है (और इससे उपाबद अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना जाहिए बा, जियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ह्या (1) श्री पुष्कर दत्त शर्मा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय कुमार गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

# गगुस्पी

युनिट न० 5, जो कमरा न० 305, 3री मंजिल, ट्रापिनेक्स, हाउस प्रिमायसेस को-ओप० सोसायटी लि०, 15, शोलापुर स्ट्रीट, एल्फीन्स्टन इस्टेट, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/3217 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक/ 25-7-1994 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

प्ररूप बाह्रे, टी., एन., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 13 मार्च 1985

निदेश सं • म्रई- 1/37ईई/3439/84-85--म्रतः मुझे ए॰ लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 102, जो भागनारी को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० डक्ष्न कॉजवे रोड़, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका करारनामा म्रायक्षर मधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का लिय सें रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (का) अन्तरण सं हुई िकसी आम की बाबत, उरक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीट्र/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ं बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

(1) श्रीमती राधा के बोंडानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांती स्रार० गुरवानी ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

फ्लैट नं० 102, जो भागनारी को-ओप० हार्जिसग सोसायटी लि०, डंकन काजवे रोड़, चुनाभट्टी, बम्बई-22 सें स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37ईई/3222/1984-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

# प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

बंबई दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3399/84-85--अतः **मुझे** ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 64, जो 10वीं मंजिल, जयंती अपार्टमेंटस ..बी" विंग, फ्लैंन्क रोड, सयायन पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई 22 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूणी में ग्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री नरहरीभाई प्रेमजीभाई पटोलिया । (अन्तरक)
- (2) श्रीमति मंजू ए० अगरवाल

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं ० 6, जो, 10वीं मंजिल, अवंती अपार्ट मेंटस, 'बी" विंग, फ्लन्क रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-।/37-ईई/4063/84-85 श्रौर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन-रेंज, 1 बम्बई

दनांक: 16-3-1985

# प्ररूप गाई. टी. एन. एस. ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन स्वना

#### भारत संस्थाप

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, 1 बम्बई बम्बई दिनांक 16 मार्च 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3438/84-85--अत: मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 7, जो इमारत नं० 5, कोलाबा लैन्ड ऐंड को ०आप हार्जीसंग सोसाइटी लि०, सोहराव भरूच रोड, कुलाबा बम्बई 5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्व में कनी करने या उससे सचने में ब्रिया के निष्; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविशा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

1. श्री रुस्तम बुरजोर हकीम ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री दिनेश बहल, (2) श्रीमित पूनम बहल, श्रीर (3) श्री राजीव बहल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होंगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लैट नं० 7, जो इमारत नं० 5, कुलाबा लैन्ड एण्ड को०-आप हार्जीसग सोसाइटी लि०, सोहराब भरूचा रोड, कुलाबा, बम्बई 5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/3221/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक: 16-3-1985

मोहर ध

प्रकृप बाइं.टी.एन.एइ.

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बस्बई बम्बई, दिनांक मार्च 1985

निर्देश सं ० अई-1/37-ईई/3265/84-85--अत मुझे, ए ० लहिरी

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो कवि अपार्टमेंटस, वरली सी फेस. बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ अनसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-7-84 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त बन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक खे दायित्व में कसी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविषा के निष्टा

बतः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुबारण वं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री बी० सी० लार्ड, ग्रौर (2) श्रीमती के० बी० लार्ड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंद्रा टी० छान्नीया ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं ० 15, जो 1ली मंजिल, कवि अपार्टमेंटस, वरली सी फेस, बम्बई 18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-1/37 ईई/3038/84-85 श्रीर जो सक्षम प्रधिकारीं बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-1985

# प्ररूप बाह् ं दी. एन . एह .----

बाजकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सुचना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

्बम्बई दिनांक 16 मार्च 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3273/84-85--अँत: मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 323, वर्मा चेम्बर्स, 3री मंजिल, 11, रहोमजी स्ट्रीट,- बम्बई फोर्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 10-7-1984

को प्वोंक्त संपत्ति के उपित बाकार अन्य से कम के अवसान प्रतिपक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके अध्यमान प्रतिकल से, एसे अध्यमान प्रतिफल, का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय शवा गया अतिफल निम्निजिबित अष्टिक से उक्त अंतरण विश्वत में बालाविक स्थ से अधिक सहीं किया गया है है—

- (का) बन्तरण से हुइ किस्ती की बाबत, उक्त बिधीनयम के कारकार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कैस्टिया उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्-या
- कि ऐसी किसी बाब या किसी धन या कृन्थ आफ्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया काना चाहिए का किया के सिए;

नतः जब उक्त विधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह——
26—36 GI/85

(1) श्री लालजी एम ० पोपट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा आर० रेशमवाला, कुमारी मनाली, आर० रेशमवाला ग्रौर श्री अवनिश के० गांधी (ट्रस्टी आफ मनाली मनिष ट्रस्ट) १

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध् में कोई भी नाम्रोप् ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अविध, को जी जक्षि वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्ति रणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वां उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्याह्नै।

### अनुसुची

आफिस प्रिमायसेस नं० 323, वर्मा चेंबर्स, 3री मंजिल, 11, होमजी स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई 1 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-।/37-ईई/3096/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन-रेंच 1 बम्बई

दिनांक: 16-3-1985

बोहुर 🕹

# प्रकल बाह्र टी एन क्या .----

जायकर जिम्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज- ्1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37/ईई/3264/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपता अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्षाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कमरा न० 603, जो आटो कामर्स हाउस 6वी मंजिल, नाना चौक, बम्बई 6 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनांक 3-7-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया नया प्रतिफल, निम्निसिंबत उच्चेक्य से उक्त अन्तरण निकत में वास्तिक रूप से कथित नहीं जिल्हा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी बाय की वावता, इक्त जिमिनियम के अधीन कर देने के जन्तरच के दाखित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (स) एसी किसीं आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, खिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) दे अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, कर्जात :—— (1) श्रीशिना के० पुजारी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रसाद एण्ड लॉरेंस ।

(अन्तरिती)

(3) श्री के० विश्वप्रसाद शेट्टी ग्रौर श्रीलॉरेंस एफ० राड्रिपार्टनर ऑफ मेसर्स प्रसाद एण्ड लोरेन्स। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिकां करता हूं।

जनत कम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समान्त होती हो, को भीशर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ब) इस स्वा के राजपत्र में प्रकादन की तारीच से 45 दिन के भीतर उचत स्वावर सम्पत्ति में दिव- वंद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कर्क्यों जौर पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

कमरा नं० 603, जो आटो कामर्स हाउस, 6वीं मंजिल, नाना चौक, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुस्ची जैसा की कि सं० अई-1/37/ईई-3037/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1984 को रजिटर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 16-3-1985

त्रक्त बाह् .टी . एन् . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

कार्यानयः, सञ्चयक नाम्कर नामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5093/84-85-अत मुझे, एं० लहिरी

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्वास करने स्म कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1356, गिँरगांव बिविजन, 6, बनाम हाल कास लेन, न्यू एस० नं० 23/7910, बम्बई 4 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल ते कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नीसिंद्य उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तार्य वे हुए किसी बाब की वावस, क्वस मध्यिनियम के वर्षीय कार दोने के बन्तरक के बग्नीयस्य में कबी करने वा उससे वयने में सुविधा के निष्य: ब्लीस/वा
- (स) श्रेसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहर्षे किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के किए?

नतः नव, उनत निपिनियम की भारा 269-न के अनुसरक मों, मों, उन्नत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघुनाथ शिवशंकर वरलीकर ।
  - (अन्तरक)
- (2) बनहान सरस्वती भुवन प्रिमायसेस को० ऑप सोसायटी लि० 1 ।

(अन्तरिती)

(3) सदस्य ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पंति है)

का यह सुचना वारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के वर्धन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनक् सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में सोई' भी वालोप:---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारिश्व के 45 दिन की नवींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वान की नामील से 30 दिन की नवींध, वो भी नवींध वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्वित्यों में से किसी क्वित्व द्वारा;
- इस ब्या के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीडर उक्क स्थावर सम्पादित में दिसम्बद्ध किसी जन्य अपित द्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पाड़ तिथित में किए चा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनिषम के ' अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूखी

अनुसूची जैसा की विलेख ह्याम 984/80 स्रौर जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 16-3-1985

प्ररूप बार्च .टी . एन .एस . ------

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### MING GEORGE

कांगीलय, सहायक बायकर वायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-जो/5094/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० नं० 1779 ग्रॉफ मांडवी डिवीजन, विशनपोडा रोड, डोंगरी, बम्बई

में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गुवा प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से अक्त कन्तरण मिचित में बास्तुविक स्थ से किया नहीं किया गया है:--

- (क्यं) बन्तरण वे हुद्धं किसी जाव की बाक्त, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरण के खबिरण में कनी करने वा उक्को वचने में खुविधा के किय; बीसा/का
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, 1922 का 11) या उक्त विधिनयम; वा धन-कर विधिनयम; वा धन-कर विधिनयम; वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिहती द्वारा प्रकट नहीं किया पता था वा वा विधा जाना आहिए था, जिनाने वें सुविधा के निरुष्;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण हैं, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्निसिस व्यक्तियों. अर्थात् :----

- (1) श्री शवानअली इन्नाहीम अलीमोहमद ग्रौर अन्य । (अन्तरक)
- (2) कर्नाटका बायतुल हुज्जाज ट्रस्ट । (अन्तरिती)

को वह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उस्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस ब्यान के राज्यन में प्रकारन की वारीय है
  45 वित् के शीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हिस्बर्ध
  किसी सम्य के निरुष्त स्थारा नथोहरवासारी के पास
  विश्वित में किस वा सकोने था

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कट्टों और क्यों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० बॉम-2080/80 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 237-1984 हि रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनिर्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-जो/5097/84-85—अतः मुझे, ए० लाहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1889 भूलेश्वर िडिवजन, 7, क्रास लेम, 178 ए ग्रौर बी, गायवाडी, कावेल स्ट्रीट, बम्बई-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध

अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की ज़िन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) हिराबाई रामदास ।

(अन्तरक)

(2) कनक रश्मी कुमार और रश्मी कुमार मुलराज, दूस्टी आफ कनक रश्मी कुमार दूस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ब्राद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्णिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० 845/82 और जो उपराज-स्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, 1 बम्बई

दिनोक : 13-3-1985

# प्ररूप बाईं. टी. एव. एव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं ० अई-4/37-ईई/11126/83-84--अतः, मुझें, ए ० प्रसाद,

बायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो ग्राउंड फ्लोअर, निलधारा, देविदाम रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति-रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बासत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। कीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अल्ल कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1'922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें सुविधा को सिक्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन हिन्दिन व्यक्तियों, अर्थात् है 1 श्री प्रकाशभाई र्मणलाल शहा।

(अन्तरक)

2 श्री पटेल वाशराम देवराजभाई वनपारीया (अन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की कविंध या तत्सीम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त झंती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्या

दुकान नं 0 3, जो ग्राउंड फ्लोअर, निलघारा, देविदास रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा की ऋ० सं० अई-4/37-ईई/11126/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए ॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

बस्य बाह' दी एम पर -----(1) श्री जय पाली । बल्डर्स

(अन्तरक)

माथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन हचना

(2) श्रीमतो स्मिथा शशिकांत भोसले। (अन्नरिती)

#### शास्त्र सहस्राष्ट्र

कार्यालय, सहायक आयकर आवक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं ० अई-4/37ईई/1105/083-84-अत: मुझे, ए०प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के नमीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 329, जो, 4थो मंजिल, "गोविद अपार्टमेंट" जयपाली हिल, शांती आश्रम के ब जुमें बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को ध्वोंक्स सम्पत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के स्वयंत्रक व्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है क्षेत्र मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पक्ति का उचित कानार मृल्य उसके दश्यकान प्रीक्षणका खेळा हुंचे श्रयकान प्रीतिकास का पन्त्रह प्रतिकात अधिक ही नंदि अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए इस पाया गया प्रतिकत, निम्नति<u>शि</u>त उद्दर्शन से उन्त<sup>्</sup>र्वटरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:--

- (क) कलारण से हुई किसी बाब की बावस, जीपियर के जभीन कर दने के जनारक स्वित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा चे विष्: जीर/वा
- (था) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनिवम, 1957 (1957 का 27) 📽 प्रबोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विए,

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पृजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजवत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकांगे।

ल्क्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याव में दिया नया है।

फ्लट नं 0 3 29, जो, 4 थी मंजिल, ''गोविद भ्रपार्टमेंट, जय पाली हिल, शांती आश्रम केबाजुमें बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं ० अई-4/37ईई/11050/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारोख: 12-3-1985

मोहर 🍼

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं ० अई-4/37ईई/11295/83-84--- अतः मुझे, ए ० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दूकान नं० 7: जो ग्राउड फलोर प्लाट नं०7 मुलजी नगर एस. वी रोड, बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा कख 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राथिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है। तारोख 2-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और यह कि बंतरक (नंतरकों) और बंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) अन्तरक से हुई किभी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) मेसर्स ज रमेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी (बाम्बे)

(अन्तरक)

(2) 1 श्री नरेश कुमार जयती लाल शाहा और 2 श्री धिरज लाल विरजी शहा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो और जनिथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सू औ

दुकान नं० 7 जो ग्राउड फ्लोर, प्लाट नं०7, मूलजी नगर एस॰ वी० रोड बोरिवल (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूणी जैसा कि क० स० अई-4/37ईई/1105.0/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🤋

प्रारुप बाई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वेना

भारत सरकार

# कार्यातय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रजनरेंज-4 वम्बई

बम्बई, दिनाक 12 मार्च, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्की मं० दुकान नं० 2, जो, ग्राउड फ्लोर, सर्वे नं० 222, एच० नं० 1, से 5, रत्न नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई 66 सें स्थित है। (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है)। और जिसका करानामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है, तारीख 2-7-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें द्श्यमान प्रतिफल से ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए: और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
27—36 GI/85

(1) मेसर्स परम श्रानन्द बिल्डर्स प्रा० (लि)०।

(ग्रन्तग्का)

(2) श्री एम० एस० रामनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

#### बन्स्वी

दुकान नं० 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० ए० 28, सर्वे नं० 222, एच० नं० 1 से 5, रत्न नग्र, बोरिवली (पूर्व), बम्बई 66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई 4/37ईई/12401/84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाँद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-4, बस्बई

तारीख:12-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

फार्यानयं, सहायक आयक्त जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, वस्बई

बम्बई दिनाक, 12 मार्च, 1985 निदेश सं० ग्रई 4/37ईई/11035/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रस द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 2, जो ग्राउड फ्लोर, इमारत नं० बी 2, रत्नानगर, प्रेमजी नगर ओर दौलत नगर के बाजू मे, एस ०वि० रोड बोरिवलीपूर्व, बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलं के लिए अंतरित् की गईं है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरके के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स परम ग्रानन्द बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री पूनम ए० ए०।

(अन्नतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुक न नं० 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० बी 2, रत्न नगर, प्रेमजी नगर और दौलत नगर के बाजू सें, एस० वि० रोड, बोरिवली पूर्व बम्बई-66 में स्थित हैं

अनुसूची जैंसा कि कि के सं भई 4/37ईई/11035/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी ⁻सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

# प्रस्य बाह्यं टी. पुन ु पुस्

बायकर वृष्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारुक बरकाड

# कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं० म्रई 4/37ईई/11331/84-85-- म्रहः मुझे, ए० प्रसाद,

बाबक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रूटा से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान न० 6, जो, ओम सुदरम को० ग्राप०, हाउसिंग सोसाइटी लि०, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में और पूर्णरूप से विणत है)। और जिसका करानामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ), के बीच एसे अन्तरण की लिए तय पाया गवा अतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गवा है की

- (क), अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस्स जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री राजेश्वर रघुनाथ सिंह ठाकुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रजीत मणिलाल सिंह।

(ग्रन्तरिती)

- (3) ग्रन्तरक और रामसेवक जगधारी गोड । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग भें सम्पत्ति है)
- (4) ग्रन्तरकः और रामसेषक जगधारी गोड । (वह व्यक्ति जिसके बारे से ग्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिख्य कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्तं संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकांगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, वो उक्त वरिधानियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वदा हैं।

#### अनुसुची

दुशान न० 6, जो, ओम सुन्दरम को०-श्राप० हार्जीसंग सोसाइटी लि० सिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं. ग्रई-4/37ईई/11331/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जमरेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

रजिस्टर्ड किया गया है।

# त्रक्ष वार् .टी . दन . दस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ज्थीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जमरें ज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/11403/84-85-- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इतसें ध्रमके वस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्ये 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुनान नं० 3, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, रूधानी पार्क, माकृपा, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है)। और जिसका करारद्वामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल सं, एके क्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखित च्द्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसा किसी जाय वा किसी धन वा जन्य लास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कड् वाधिनयम, या धन-कड् वाधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अधावनार्थ जन्मिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाडिस था, कियाने में सुविधा के सिह;

**अतः अध**, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क*ै ज*नुसरण

कराः अका, उक्त आयागयम का पारा 209-म का जनुकरण काँ, माँ, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इन्डे अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अधित् ६(1) रघुवंशी डिवलोपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) डूंगरशी मेघ जी राम्बीया।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिष्

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्रचन के राजप्त में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की बर्बीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथीक से 30 दिन की क्वीध, को भी बर्बीच काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इत तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उच्च अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याद भें दिका गया हैं।

# अनुसूची

दुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड पलोर, रूघानी पार्क, मा कृपा, सिम्पीली रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के सं० ग्रई-4,37ईई/11403/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख:** 12-3-19**85** 

मोहर 🕹

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के ब्धीन स्थाना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985 निर्देश सं० अई-4/37ईई/11118-84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, इमारत नं० ई-20, योगी-नगर, एकार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। • (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है)। श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269) कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए वय पाया नवा प्रतिफल, निम्नीसिवत ज्यूपोन से उच्च सम्बर्ण विकित्त में वास्तीवक रूप-से क्षित नहीं दिवा नवा है दि—

- (क) वन्ताह्रण वं हुई किसी वाय की वायत, उक्त विधिनियस को विधीन कुट दोने को बन्तरक की वासित्व में कमी करने या उद्देश वचने यो मुदिबा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाद वा किसी वन वा बन्य वास्तिकों को, विन्हें भारतीय बाय-कार विभिन्नम, 1922 (1922 को 11) वा उत्तत वाधिनयम, वा धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहियेथा. छिपाने में तुविधा को निए;

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों अधीत । (1) मेसर्स विजय नगर कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल अहमद शेख अहमद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वाँक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में खोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 स्थि की वर्षीय ना तत्वान्यां की क्यानित्वां पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की वर्षाय, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी न्यानित ब्यारा
- (क) इस स्वना को राक्षपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरेण:---इसमें प्रयुक्त यब्दों कीर पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यबा हैं।

### वन्स्यी

दुकान नं ० 10, जो, इमारत न ० ई-20, योगी नगर, एकसार, रोड बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/11118/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

प्ररूप बार्ष ु टी ु एन ु एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-4/37ईई/10878/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० प्रापर्टी बेअरिंग सर्वे न० 203, एच० न० 2 (ग्रशा), सी ०टी ०एस ० न० 1439, विलेज एक्सार, देवीदास लेन, वायु देवता मंदिर के मामने, आफ एस० वि० पटेल रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है)। ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरन से हुई किती बाय की बावर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री केंशव नारायण ठाकुर ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सहकार बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्यख्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्यी

प्रापर्टी बेअरिंग सर्वे नं० 203, जो, एच०नं० 2, (ग्रंश), सी ॰टी ॰एस० नं० 1439, विलेज एक्सार, देवीदास लेन, वायु देवता मंदिर के सामने, आफ एस० वि० पटेल रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/10878/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4; बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🛭 .

त्ररूप बाइ .टी .एन . एस . -----

कायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/11365/84-85— अतः मुझें, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो, योमी नगर, इमारत नं० डी/24, मेससं योगीनगर को ०-आप० हार्जीसंग सोसाइटी लि० एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है)। ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कृप्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नीतींचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया नहा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्क वर्षिम्मित्रक के वधीन कर दोने के बन्तरण से दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्रीमति सुशीला एस ० पावस्कर।
- (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल नरसी पटेल ग्रौर -श्रीमिन मजुला मोहन लाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्त के अर्जन के ट्लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### गग्स्थर

फ्लेट नं ० 101, जो, इमारत नं ० डी/24, योगी नगर, मेसर्स योगी नगर को ० आप ० हा्उसिंग सोसाइटी लि ०, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-4/37ईई/11365/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है। •

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985 -

अत:

# प्ररूप नाइ'. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-4/377ईई/10850/84-85--

मुझे, ए ० प्रसाद,

वायकर विधिनिवय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियय' कहा गया हैं), की भारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं०ए-1, जो, वृषभ विला, रोकड़िया क्रौस लेन, बोरविली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है)। ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्थमान प्रतिफन के लिए अतिरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल ता पन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिंबत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निविद्य वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दारण से हुई किसी बाय की बावक, डक्क बीधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उसस बचने में स्विधा के तिन् और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क जिल्हें भारतीय आय-केर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, विज्ञा निर्माण प्रतिविध्य प्रतिविध्य प्रतिविध्य या किया चाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विध्य के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिसित व्यक्तियों, अभारत :— (1) तोशी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षद जगमोहन दास जरीवाला ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमित हेमती एच् ० जरीवाला । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कं रता हुं।

उक्ते सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी बन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रबुक्त शब्दों और प्रकों का, जो उक्त जीधीनवम के जध्वाद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया यहा है।

# वन्स्त्री

फ्लैट नं ० ए-1, जो, वृषभ विला, रोकडिया,कॉस लेन, बोरिविली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि क सं० अई-4/37ईई/10850/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 12-3-1985

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ---=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37—ईई/1246/84—85—अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधी। स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, श्री जी अपार्टमेंट, ग्राउंड फलोर, एक्सार विल्लेज, कंदारपाला रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92, में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणत है ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्रो है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मूझे वह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तर्कों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंसित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
28 —36 GI/85

(1) मैं सर्स के० पटेल एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल मथुरादास ठक्कर स्रौर श्रीमती उर्मिला जयंतीलाल ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि'नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसर्वी

दुकान नं० 2, जो, श्री जी अपार्टमेंट, ग्राउंड फलोर, एक्सार विलेज, क्ंदारपाडा रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ०सं० अई-4/37-ईई, 11246/84-85 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

# प्ररूप बाई. ट. एन्. ऐस. - - ---

शॉयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईहैं/11256/84-85-अतः मुझे, ए° प्रसाद,

र्नाचंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि द्वंधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, इल-प्लाझा, ग्राउंड फ्लोर, सी० टी० एस० नं० 1086, सर्वे०नं० 155, आई० छी० कालोनी, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धास 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984। को पूर्वेचित सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके द्श्यमान श्रीतफल से, एसे क्यमान श्रीतफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पृतिधा के लिए; और/बा
- (ख) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धा जा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुकरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीमिखित स्पिन्तियों, अधीत ह (1) मैंसर्स कौरीया बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रोज मरीया फर्नान्डीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

# उक्त सम्बद्धि के कर्बन के सम्बन्ध के कोई भी काशोप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समस्य होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इत कुषका के राजकत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

# वन्स्की

दुकान नं० 10, जो, इल-प्लाजा, ग्राउंड पलो सी विक्रिक्त नं० 1086, सर्वे नं० 155, आय०सी० **कांलो**डी, कोरिकनी (प०) बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क० सं० अई-4/37-हैई/11256/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**इायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🖟

# प्रस्य बाह् .दी. एन. एस. -----

(1) जय पाली बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना (2) श्री महेश मनोहर कालवलकर।

(अन्तरिती)

#### शास्त सरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11061/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजा मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 4, जो, ग्राउड • फ्लोर, "राम-चद्र अपार्टमेष्टस बी-इमारत, जय पाली हिल, शाती आश्रम के बाजू मे, बौरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पुर्ण रुप से विणित है, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की ग्रारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करु दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (क) एसे किसी काय या किसी धन या कन्य कास्तियों को, चिन्हें भारतीय काय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृष्यिक्ष के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ड्र— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

ेस्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमानियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# वन्त्वी

फ्लैट नं० 4, जो, ग्राउड फ्लोर, "रामचद्र अपार्टमेंटस "बी इमारत, जय पाली हिल, शाती आश्रम के बाजू मे, बोरिवली" (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्नं० अई-4/37-ईई/11061/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🖫

# प्ररूप बार्ड हो. एन. एस अ-----

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11370/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज दुकान नंज 10-बी, जो, "कस्तुरबाग", प्लांट नंज 24, बी। टीज्पीज्एसज्ना, बोरिवली (पज्), बम्ब्रई-92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक, कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1), के अधीन निम्नीलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) स्काय बिल्डर्स प्राईवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री उदय के० परव ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

दुकान नं० 10-बी, जो, "कस्तुरबागँ, प्लांट नं० 24, बी/1 टी०पी०एस० 1, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर्निं० अई-4/37-ईई/11370/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

त्ररूपु वाइर्.टी.एन - एस . -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) को बधीन स्क्राना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

बम्बई, दिनाक 12 माच 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11371/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका उन्नित बाजार मृ्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 10-ए, जो, "कस्तुरवाग", प्लांट नं० 24, बो/1 टो ०पी ०एस० 1, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर) इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या "बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बी या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ? 1) स्काई-बिल्ड प्राईवेट लि ।

(अन्तरक)

(2) शहा डेरी फर्म।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बादी करको पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्जन को बिरु कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त संपर्ति के कर्जन की तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वार्स लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्काकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं ० 10-ए, जो, "कस्तुरबाग", प्लांट नं ० 24, बी/1 टी ०पी ०एस ०-1, बोरिवली (प ०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क ०सं० अई-4/37-ईई/11371/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

# हरू बाह् ंटी हर एक

# बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11027/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० एलेट न० 206, जो, 2 री मजिल, निर्माणिधिन इमारत, एकविरा नगर इमारत न० 2, योगी-नगर के बाजू में, लास्ट बस स्टान, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से विणत है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को सूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिति (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया कथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तराण से हुई किसी बाय की बाबत , उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृद्धिक्ष के निए; बोंड/बा
- (ब) ऐसी किसीं जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हुरिया के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) एकविरा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधवी मधुसुदन वाकडे। (कुमारी लीला वि, तेंड्लकर)

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपित्त के वर्जन के निष् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

ेस्पच्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलेट नं ० 206, जो, 2 री मज़िल, निर्माणाधीन इमारत, एकविरा नगर इमारत नं ० 2, योगी नगर के बाजू में, लास्ट बस स्टांप, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-4/37-ईई/11027/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर अ

# प्रकष् आई .टी . एन . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्वता

#### भाषत सर्थार

कार्यालय, सहावक जायकर बायुक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश से ० अई-4/37-ईई/11026/84-85---अतः मुर्झे, ए० प्रसाद,

- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसकें इसकें पद्चात् 'उक्त अधिनियम' त्या गया है), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विक्थाब करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका जीवत बाबार मूल्य 1,00,000/- रा में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जां, 2 री मंजिल, निर्माणाधीन इमारन एकवीरा नगर इमारन नं० 2, योगी नगर के बाजू में, लास्ट बस स्टौंप, बोरिवली (प०), बस्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपानद अनुसूची में श्रौर पूर्ण इस से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 2 ज्लाई 1984

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मुस्म से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वात करने का कारेण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिक्ति से अधिक है आर अंतरिक (अंतरित्यों) और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्मतिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तिक रूप से जनीक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय करें बाबता, उजता अधिनियंत्र के अधीम कर दोने के जन्तरक चे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिशें का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) एकविरा कन्स्ट्रवशन कंपनी।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती शलाका लक्ष्मीकांत तें बुलकर।

(अन्तरिती)

को यह बूपना वारी करके [बॉक्स सम्मरित को वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उनक तंपरि के नवीन को तंबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनकि ना तरसंबंधी व्यक्तियों पर तृपना की तानील से 30 दिन की नदिश, जो भी जविथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत तुष्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीठर उत्त स्थावर संपर्शि में हितबद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का संकोंगे।

स्पाक्तीकरणः इसमें प्रयुक्त शस्त्रां और पदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### प्रस्तवी ।

मिटी सर्वे शिष्ट नं० फायनल सी ब्टी ब्एस बनं० 1823, पर्लैष्ट नं० 204, 2 री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत एक-बीरा नगर इमारत, नं० 2, योगी नगर के बाजू में, लास्ट बस स्टॉप, बोरीबली (प०). बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-4/37-ईई/11026/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रगाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जैन रैंज-4, बम्बई

नारीख: 12-3-1985

# प्रकृ वार्े. टॉ.एन. एव ..-----

मापकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यन्य, शहायकं शायकतः नायुक्त (निर्वोक्त्र) अर्जन रेज-4, वस्वर्ध

बम्ब , दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11018/84-85—अतः मुझें, ए० प्रसाद,

कायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 301, जो, 3 री मंजिल, श्रंकूर इमाएन, मंडपेश्वर रोड, बोरिश्वली (प०), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कु,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 2 जुंलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे क्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रशिक्षत, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्लिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के रायित्य में अपी करने या उससे बचने में सुविधा अंकिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिक के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धन्न (1) गोमालिया बदर्स।

(अस्तर्क)

(2) अनिल कुमार मनोहर सराफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्बन के निष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त सम्मति के भूषीन के तंत्रंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इत क्षेत्रमा के रोजवज में प्रकाशन की तारित से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 विन की अविध, जो भी जनीं बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इत क्वना के रायक्त में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्ध स्वित इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् निचित्त में किसे का सकति।

स्युक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उक्त अधिनिज्ञा, को अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

# अन सन्दीं

फ्लैट नं० 301, जो, 3 री मंजिल, श्रंकूर इमारल, मंडपेश्वर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-4/37-ईई/11018/84-85 धौर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

नारीख: 12-3-1985

मोहर 🛚

प्रकृप आई.टी.एन.एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
अम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/11333/83-84--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित प्राजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिपकी पं० पर्नेष्ट नं० 84, जो, 1 ली मंजिल, इमारत नं० 8, 9, 10, "स्तन नगर" स्किम, बोरिवली (पूर्व), कम्बई-66 में स्थित हैं। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूती में और एगें का से विधान हैं), और जिसका करारनाम, अधिकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, क अधीन, बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और जंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- एक) कन्तरण से हुए जिल्ही जाय की वासत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वर्षियल में कमी कारने या उससे अक्षने में स्विभा के लिए; जॉर/बा
- (क) एमी जिल्ली जाय या किसी धन था अन्य आरिश्य. को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जयत विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिषाने में सिवधा के लिए:

- (1) भन्तमं प्रश्म स्नानंद विल्डमं प्रायवेट लिए। (स्नन्तरक)
- (2).श्री प्रफुल्लचंद्र पश्णुत्तमदाग पारीख । (भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेत्र !!--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्थिकत्यों में से किसी स्वित्त बुक्ताः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकी ।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्सूची

फ्लैट नं० 84, जो, 1 ली मजिल, इमारत • 8, 9, 10, क्तन नगर स्किम, बोरिवली (पूर्व), अम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जमाकी कर्न्सर्थ प्राष्ट्र-4/37-११ विमांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्ह4, बम्बई

तारीख : 12-3-1985

मोहर 🕄

प्रकार कार्य हो प्रना एस .------

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुबना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

बम्बई, दिनाः 12 मार्च 1985

निवेश ए० श्रई-4/37-ईई/11335/83-84---श्रतः मुझ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स थें ज्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

अँश जिसकी एक फ्लैट नंक 1. जा. प्राउंड फलीर, इमारत नंक बी-4, रक्ता हमार स्थिम, बोरिवली (पूर्व), घट्ट्यई-66 में श्वित है (और इ.चे उत्तयद्व प्रमुखों में और पूर्ण कर ये विश्व है), और जिसाम करारतामा प्रायक्षर प्रवि-विश्व, 1961 को घारा 269 लाख के प्रवीन, बम्बई स्थित मञ्जन प्राविकारी के शासीता में रजीस्ट्री हैं, तारीख ा जलाई 1984,

की पर्वेकिन सम्पर्णि के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहर विश्वास यह करने कारण कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (फ) जन्तरण से हुक्कें किसी जाय की बाबत उपत अधि-तिश्चम की अधीन कर दीने के अन्तरक के विधित्व में किसी करने या जामें उचने में सरिक्षा के जिए: रोश (म)
- (६) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्हीं भारतीय अथ-कर खींधीनयम, 1922 (1922 को ११) या अवत अधिनयम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्योजनार्थ अन्तरिती वयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा को सिए;

सत: अस, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को क्षेत्र, जिस्सिन व्यक्तिकों, संस्थित रूप

- (1) मेससं परमं भ्रानंद जिल्डसं प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) दिनकर शंकर शिंदे। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुमार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा भया है।

# मन्स्यी

पसैट सं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत बी-4, रत्तन तगर स्थिम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। श्रनुसूची जैमाकी ऋ०स० श्रई-4/37-ईई/11335/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड स्थि। गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

प्रका बार्च दी ुँ एत , एस :-----

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

बम्बई, विनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० मई-4/37-ईई/11170/83-84--- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट नंव 13, जो, 4 थी मंजिल, बोरिवली रत्नदीप प्रभार्टमेंट, दक्षिरा नाबा, एलंक्टीक रोड, बोरिवली (प), बस्बई में स्थित है। (और इससे उपायड प्रमुस्ची में और पूर्ण कर से विधान है), और जिसका करारनामा प्रायक्त प्रविधियम, 1961 की धारा 269 थे, खे के प्रधीन, बस्बई स्थित संज्ञन प्राविधारी के पार्यालय में रजीस्ट्री हैं 2 जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्मत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुन्द किसी भाग की पायत उक्त विश्व नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वाशित्य में कामी कारने या उससे सचने में सूर्विभा की लिये; सीर/या
- (क) एतेनी किसी बाय या किसी अने जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त , अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती पुजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीनिवृत स्पिक्तयों, अर्थात :—

(1) रत्नदीप कनस्ट्रमशन ।

(अन्तरकः)

(2) श्री रमेण बालू बादीवडेकर।

(ग्रन्तिरती)

(3) ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के प्रक लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्तैष्ट नं 13, जो, 4 थी मंत्रिल, बोरियना रत्सदीप श्रनार्टमें ट, विक्षना नाका, एल ब्ही व रोड, बारियनी (प०), बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकी क०म० श्रई-4/37-ईई/11170/84-85 और जो सक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ा,० प्रसाद धजन प्राधिधारी महाबह स्रावकर स्रायुक्त (निर्शक्षण) स्रावेन रेज-4, बस्बई

तारीख 12--3-1985 माहर . प्रकृष् वार्षः, ही., एम. एव.,-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 क 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### नारत वरकार

काया लय, तहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंत्र-4, वस्बई अम्बई दिनांव: 12 मार्च 1985

निदेण सं० श्रई-4/37-ईई/12401/83-84---श्रमः मुझे. ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निश्वाम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निश्वाम स्थाम प्राप्तिकारों को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकों सं० एनट नं० 22, जा, 4 थो मंजिल, इमारत ए-23, रक्तन रगर, बारियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से बिजित है), और जिल्ला करारतामा आयकर श्रीवित्सम, 1961 की धारा 269 जाई के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984,

को पूर्विक्त सम्बक्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिष्म के लिए अन्तरित की गई है कि मूम्मे यह विद्यास करने का कारण है कि मभापूर्विक्त संपत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्मल सेन् एसे दश्यमान प्रतिष्मल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब बाया गया प्रतिष्मल, निम्नलिखित उद्वेदय से उद्दर्श अन्तरण निविद्या यो जास्तरिक रूप से किया गया है ;—

- (क) बन्तरण से हुर्फ किसी बाब की अध्यक्ष, उपस्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरका के सामित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

भाराः स्वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उल्लेखांश के अधीन, निम्नजिभित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेर्स परम भ्रानंद विल्डर्स प्रायवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) श्री चद्रकांत लक्ष्मण खांबतवाडकर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्परित के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मुक्तेंगे।

स्वध्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा को उन अध्याय में विया न्या है।

### अन्स्ची

पलैट नं ० 22, जो, 4 थी मंजिल, इमारत ए-28, रत्तन नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी फ़॰स॰ श्रई-1/37-ईई/12401/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, जम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टई निया गया है।

ए० प्रसाद सक्षरा प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्शन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12- 3- 1985

# प्रकृष् वार्, टी. एक. एस अन्यत्रात्रात्रात्रात्रा

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

### माउन बरकार

# कार्यस्य, सहायक सायकर सायक्त (निर्दाक्तण) अर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेण सं० अई-4/37-ईई/11037/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्जे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लेट नंव 6, जो, 1 ली मंजिल, इसारत् नंव वी-5, "रतजन नगर" स्किम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984।

की. पूर्णेक्स संपत्ति के उसित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफन, निम्निलिंबत उद्देश में उसते अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरणा में हुई किसी नाम की बाबस, उसस जिल्लिम को जभीन कर दोने के जन्तरक क बाबित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना धारिए था, स्थिनाने में सुविधा की निए;

(1) मेसर्स परम आनंद बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री पंडित गंभू चुनीलाल और अन्य।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोजन सम्परित के बाउन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सं ांशी स्थानितयां पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, ना भी स्थाधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टित व्यक्ति स्थापता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममुस्ची

फ्लैट न० 6, जो, 1 ली मंजात, इसारम नं० बी-5, "रत्तन नगरें स्थित, बोरवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़र्न्स अई-4/37-ईई/11037/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद राक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

नारीख: 12-3-1985

प्रकृष बाहे, दी.; एन. एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--थ (1) के सभीन सुचना

#### भारत उहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11360/83-84---अत: मुझे. ए० प्रसाद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 1.00,000/- रुट, से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पनेट नं० 23, जो, 3 री मंजिल, यो गिता को-औप० हार्जिसम सोसाइटी लि०, दौलत नगर, रोड नं० 6, बो रिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं); श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान श्रीतफल के लिए जन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का शब्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिमा) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उपल वीच-दिवसू के बभीन कर दोने के बन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; बीच/वा
- (क) श्रेती किसी नाम मा निजी भन या जम्म आस्तियाँ को, निन्हें नाइतीय नायकर मिश्रीनवन, 1922 (1922 का 11) या अन्त निभीनवन् मा मन काउ अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च मन्द्रीरसीं क्षाय मक्ट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के स्वाहर;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अवस्ति ध--- (1) लेबिन जोस फर्नान्डीस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निता लक्ष्मण सहस्वबुद्ध ।

(अन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के नियं कार्ववाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंव हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विश की व्यविध मा तत्त्वम्बन्धी व्यविद्यां पर सूचना की ताजील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यविध वाद में सजाप्त होती हो., के भीषर वृक्षेत्रक व्यविद्यां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनस्यी

फ्लेट नं० 23, जी, 3री मंजिल, योगिता को-ऑप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, दीलत नगर, रोड नं० 6, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि अई-4/37-ईई/1136 4-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रतिधकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

नारीख़: 12-3-1985

मोहर 🥲

प्रकृष कार्ष .टी .एन .एस . .....

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के वधीन स्वना

मारत सरकार

# कामिक्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11049/83-84——अतः मुझे, ए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 327, जो, 4थी मंजिल, "गोविंद अपाटमेंट्स, जय पाली हिल, णांती आश्रम के बाजू में, बोरिवली (प०), बस्बई-92 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बंम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वास्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हुए से करिया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किली बाय की बाबस, अबल जिभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कामी कारने या स्थस बचने में सुविभा के सिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विध्या वाना वाहिये वा, खियाने में सुविधा के लिए;

जतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं को जनसरक में में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1)-के अधीन, निम्निजिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) जय पाली (बर्ल्डम )

(अन्तरक)

(2) श्री कें ०ई० मैं ग्यू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित् के वर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उस्त संपरित के अर्जन के संबंध में कांड भी बाक्षप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्विकत व्यक्तियों में से किएी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित यें किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदा का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गंगा है।

# वन्स्वी

फ्लेट नं० 327, जो, 4थी मंजिल, "गोविंद अपार्ट-मेंटस , जय फालो हिल, मांत्री आश्रम के बाजू में, बोंरियली (90), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-4/37-ईई/11049/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

चनाप्रधानक प्राप्त कार्याका विकास कार्याकार विकास स्थापन कार्याकार विकास कार्याकार विकास कार्याकार विकास कार्य अस्थि **वाह्<sup>†</sup>ेटी. एन. एस**्नान्य---

भायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/10841/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ,269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लट नं० 022, जो, 2 री मंजिल, भूषन अपार्टमेंटस, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-400 092 में स्थित है। (स्रोर इससे उपाबत अनुसूची में स्रोर पूणं रूप में विणत है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभीन्यम के बभीन कर येने के बंतरक के अर्धायत्व में कभी अपने या लससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/मा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी भूग या अन्य बास्सियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अवतः अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिक्ति अविकारों, क्योत् अ--- त्यः च्या च्या प्रस्ति । (1) मेससं भूषन कन्स्ट्रवणन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री नामदेव राजाराम णिवलकर ।

(अन्तरिती)

ं 3) अन्तरकों।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिकित में दिये जा सकरें।

स्वकारण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत सिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

#### anach

पलेट नं० 022, जो, 2री मंजिल, भूषन अपार्टमेंटस, सिम्मोली रोड, बोरिवली (प), वम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसाकी क०सं० अई-4/37-ई/10841/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीच : 12-3-1985

मोहर 🛚

प्रकथ बाइ .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# नार्यासक, सहायक जायकाह जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ध दिनांवः 12 मार्च 1985

निदेंश म० श्रई--4/37-ईई/10844/83-84---- श्रन: मुझे, ए० प्रमाद

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैंट न० 032, जो, 3री मजिल, भूपन अपार्टमेंटम्, स्मिपोली रोह, बोरिवली (५०), वम्बई-92 सें स्थित है। (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), और जिसका अरारतामा अयहर अधितियम, 1961 की धार 269 ए ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ए योजय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्णोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण स् हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के आयित्व में कमी करने या उसमें बचने मा लुजिया के सिए; अतर/बा
- ्ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था छिपाने अस्तिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ≼ अधीम. निम्निलियत व्यक्तियों, जर्मात्≟—

30-36 GI/85

(1) मेसर्स भूषन कन्स्ट्रक्णन कपनी।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री उमेण कृष्णा विश्वेकरा।

(ग्रन्तिनिती)

(3) श्रतरकों।

(बह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त संपरित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाक्ति हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

# वन्स्ची

पलट नं० 032, जो, 3री मंजिल, भूपन श्रपार्टसेंटस्, निम्पोली रोड़, बोग्विली (प०), बम्बई-92 से स्थित है। श्रतुसूची जमाकी फल्स० श्रई-4/37-ईई/10844/85-84 जोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

माहर ा

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

# बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन सूचना

#### **भारत तरकार**

कार्यासय, सहुत्रयक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के मधीन-सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, ग्राउंड फलोग्नर, समर्पन इमारत, दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख़ के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के. कार्यालय से रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उश्वित बाजार मृस्य से कम को स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मृल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) करारण से हुइ किसी जाब की बाबत सबत अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिणाने में स्विधा के लिए:

जा: जब, जबत विधिनयम की धारा 269-ग के बनुतरण कों, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). भें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाति:—— (1) एस०ए० कोन्ट्रक्ट. अंण्ड कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचंद वेरशी शहा और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्सरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना चारी कृरके पूर्वोक्तुं सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन के भीक्ट उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका शबा हैं।

दुशान नं , 6, जो, ग्राउंड फलोग्नर, समर्पन इमारत, दौलत नगर, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-4/37-ईई/11284/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

त रीख : 12-3-1985

माहर 😘

# प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्द्रीकाण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/11182/83-84-- अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायक हैं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० बी-1 प्रेमजी नगर, लिकमल की-प्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 10वां रस्ता, दौलत नगर, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 सें स्थित है। (और इससे उपाबद्ध प्रनुसुची सें और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका कर रनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, हिन्म्सिकित व्यक्तिकाँ, अधीन, हिन्म्सिकित व्यक्तिकाँ,

- (1) श्री बेरजींदर सिंह ग्रमरीक सिंह गिल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्णप्पा चिएनकर कुंडर और अन्य।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्विथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्स्यक्षारी के पास सिचित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट नं० 11, जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० बी-1, प्रेमजी नगर, निल कमल को-श्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०; 10 वां रस्ता, दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जसाकी क्र०सं० श्रई-4/37-ईई/11152/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजोस्टई किया गया हैं।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

तारीख: 12-3-19**85** 

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ दी एत एस .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वमः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/10843/83-84- - श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 031, जो, 3री मंजिल, भूषन अपार्टमेंटस्, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा अयकर अधिनियम, 1961 की धार 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजीस्ट्री है, तरीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूभी यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचाने में सुविधा दासित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'का धन-कर अधिनियम, 'का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन निम्निजिसित, व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स भूषत कन्स्ट्रमशन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विश्राम सामा राऊत ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी कार्धप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से.
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमृत्यी

पस्त नं० 031, जो, 3री मंजिल, भूषन श्रप.र्टमैंटस्, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रमुस्ची जैसाको ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/10843/84-85 और जो संग्रम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

त,रीख: 12-3-1985

मोहर 🖫

प्रकृष काइ . टी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### बारक करकार

कार्यांसय, सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेण सं० अई-4/37-ईई/10832/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लेट नं० डी/50, जो, श्रोम श्री गोकुल को-आंप हाउसिंग मोसाइटी लि०, म्युनिसिपल स्टाफ कांलनी एस०वी० रोड, बोर्यिली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण र्ह्प से विणित है। श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 216क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

का प्यास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम क क्ष्यमान प्रितिकत के लिए अन्ति की गई है और मुश्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि अभाप्याँकत संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास है, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एंखे बन्तरक के बिख तब पाम नवा प्रतिक्ष एक निम्मानियत उद्देश्य है उम्बर्ध अन्तरण लिखित में वास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूविधा के जिए; और/या
- (थ) प्रेसी किसी बास या किसी भ्रम या खन्य जास्तियों को, जिन्हाँ भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधनियम, या थन-कर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुसरा प्रकट नहीं किया गया या किसा कामा चाहिए या, कियाने में स्विभा के सिए;

कतः अस, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वस्तर्व में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन निम्मलिकित व्यक्तिको वर्षात ह (1) श्रीमती प्रितम प्रभाकर ठाकुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता विश्वनाथ राजुरे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक प्रीर उनका परिवार।

(वह व्यक्ति, जिसके व अधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह स्थना चारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप्त-

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की सबीध मा तत्सम्बन्धी स्मित्तमों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि सार्व में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त स्थारत;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की सारीय से 45 दिन के भात र उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्वा किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए वा बकोंगे:

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, वो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

#### अनुसूची

पलेट नं॰ डी $_{I}$ 50, जो, श्रोम श्री गोकुल को-आंप॰ हाउसिंग सोसाइटी लि॰, म्युनिसिपल स्टाफ कोलनी, एस॰ वी॰ रोड, बो $_{I}$ रवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुमूची जैसाकी कि०सं० अई-4/37-ईई/10832/83-84 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🦸

# प्रका बाह्ि हो , एवं , एवं , व - - ----

# नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीत स्मता

#### भाउत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक' 12 मार्च 1985

निदेण सं० अई-4/37-ईई/10912/83-84--असः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त विधितियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान न० 28, सर्वे नं० 94, पी०नं० 4 श्रीर 5 श्रीर 89, पी०नं० 3 श्रीर 4, चंदावरकर लेन, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित्त) है। श्रीर जिसका करार-नामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, सारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभितं बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय भी जावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/था
- (ख) एंसी किसी भाग या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वाचा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः जब, उक्त किथिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तिकों, कर्षात् ध--- (1) श्री रमणलाल हरजीवनदास पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री ,मगनभाई पी० पटेल ग्रीर जीवराजभाई जेड पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्ववाहियां चुरू करता है।

उपल कम्परित के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्यक्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यार मभोहस्ताक्षरी के पास लिक्टिय में किस का सकेंगे।

स्वकारिकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पाँरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया वया है।

# धनुसूची

दुकान नं० 28, जो, सर्वे नं० 94, पी०नं० 4 थ्रौर 5 थ्रौर 89, पी० नं० 3 भ्रौर 4, चंदावरकार लेन, बोरिवली, वस्वाई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि०सं० अई-4/37-ईई/10912/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🛢

प्रारुप बार्च टी.एप.एस..------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यासय, सष्टायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11041/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 34, जो, '3 री मंजिल शिवम इमारत, एस०वी० रोड, फतेहबाग, कांदीवली (प), अम्बई में स्थित हैं। (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूणं रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 8 जुलाई 1984

कां पूर्वीकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्सिश की गई है और मुक्ते यह विष्वास करण की लए बन्सिश की गई है और मुक्ते यह विष्वास करण का कारण है कि यथापूर्वीकत संपति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से अस्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की धावत, शक्त अधिनियम के बधीन कर वोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया जब था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औ सिष्:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अधीत त—

(1) मेसर्सं राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योती विजय दोशी श्रौर श्री विजय कृष्णलाल दोशी।

(अन्सरिती)

सा यह सूचना जारी करके पृत्रांचित संस्पृत्ति के अर्धन के निए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी स्पनित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी, के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# मनुसुची

फ्लेट नं॰ 34, जो, 3 री मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी॰ रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प॰), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-4/37-ईई/11041/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1984 को रजिस्ट्रडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (विर्विक्र्ण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश मं० अई-4/37-ईई/11414/83-84—अतः मृझे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, उदय अपार्टमेंटस, प्लांट नं० 37, मंघवी प्रायवेट स्किम, बेअरीग मर्थे नं० 85 (श्रंश) श्रीर सर्थे नं० 86, एच०नं० 1 श्रीर 2 (श्रंश), पोईसर, बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबज़ अनुसूची में श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28 जुलाई 1984

को पूर्वेक्त संस्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयसान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यबान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया जा सा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों अर्थात् क् (1) श्रीमती प्रभावती नागिनदास संघवी।

(अंतरक)

(2) श्री दुर्लभजी नानजी पालन, ग्रौर श्रीमती विजया गोरी दुर्लभजी पालन ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्शन :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### नपृत्ती

पलैट नं० 5, जो; उदय अपार्टमेंटस, प्लांट नं० 37, संघवी प्रायवेट स्किम, श्रीर बेअरींग सर्वे नं० 85 (श्रंण) श्रीर सर्वे नं० 86, एच०नं० 1, श्रीर 2 (श्रंण), पोईसर, टुवर्डस इस्ट बाय म्युनि(सपल रोड, वेस्ट प्लांट नं० 32, नार्थ प्लांट 36 श्रीर साउथ प्लांट नं० 38, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची ज़ैसाकी ऋ०सं० अई-4/37-ईई/11414/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

# प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्मई बस्मई दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश मं० अई-4/37-ईई/11097/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० ग्लैंट न ० 21, जो, 1 ली, मंजिल, "णिवम्" फितहबाग, एस ०वी ० रोड, कांदिवणी, बस्बई में. स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूणी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 9 जुलाई 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ,ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्निनिमित व्यक्तियों, अधीन :--- 31-36 GI/84

1 मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2 श्री यमवंत नागरजी देसाई।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहवां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्षच्छीकरण:--इसमा प्रयुक्त हान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्यो

फ्लैट नं ० 21, जो, 1 ली मंजिल, अधिवम्", फतेह बाग, एस ०वि ० रोड. अदिवली, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जीसाकी ऋ०सं० अई-4/37-ईई/11097/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 9-7-1984 को रजीस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद शक्षम प्राधिकारी महामक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, सम्बर्ध

नारी**ख**: 12--3-1985

मोहर 🖟

# प्रकद नाहरे. टी. प्र. एक -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनाक 12गमार्च 1985

निदश सं • अई-4/37-ईई/11022/83-84---अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसप्रे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रन. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० 3, जो, ग्राउंड फलोअर, अशोक आनंद को, आँप० हाउमिंग सोमाइटी लि०, अशोक नगर, आकुर्ली रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खा.के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीखा 6 जुलाई 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उचित बाजार स्ल्य से कम को प्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते वह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित दाजार भून्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंकरका) और अफ्सिरतो (अन्तरितिवों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल निम्मलिखित उब्देश्य से उस्त कर्मण लिखित से वास्तिमक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी साय की वादत, उक्त कथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उक्को वचने में सुविधा ने जिस करिया
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन मा अन्य झास्तियों की जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1972 का 11) मा उक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ भन्नींगती द्वराण एकट नहीं जिया गया भा या किया जाना चाहिए था, किंगाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कि क्षीत, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- (1) 1. डां० भागंव एम० देसाई, श्रीर
  - 2. श्रीमती सर्तविद्या मनहरलाल देसाई।

(अन्तरक)

(2) 1. मोहमद उस्मान हुमेन गोगडा श्रीर

2 फातीमाबाई यू० गोगडा ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें ▲5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत स्योकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वस्भ किली अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहत्ताक्षरीं के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया यवा हैं।

# वन्स्ची

फ्लैप्ट नं० 3, जो, ग्राउड फ्लोअर, अशोक आनंद को-ऑफ व्हाउमिंग सोमाइटी लि०, अशोक नगर, आकुर्ली रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी फ ०सं० अई-4/37-ईई/11022/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई ढारा दिनाक 6-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीखा: 12-3-1985

माहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनाक 12 मार्च 1985

निदेशें सं० अई-4/37-ईई/11129/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लॉक न० 6, जो, 1 ली मंजिल, आय-18, महावीर नगर को-ऑप० हाउमिंग सोसाइटी लि०, छहाणूकर वाडी के बाजू में, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं। ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण इस्प से विजित है जिसका करारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 10 जुलाई 1984

का पूर्वोक्त समित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित खब्दिय से उक्त अन्तरण निचित में सास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आध की बाक्त, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को तिए; और/बा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तिवों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था कियाने में के जिहा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृनरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिट व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती सरोजबेन दिलीपकुमार व्हौरा। (अन्तरक)
- (2) श्री महेद्रकुमार महानीर प्रसाद टमा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्हां संपरित के अर्थन सबध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बस्ति में हिस्सब्ध कियी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास् लिखिस में किए का सकर्ष।

स्पष्टीकरणः----हमभा पयुक्त शब्दों और यदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-वा में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो कस अध्याय में दिया नमा हैं।

#### जनसंची

ब्लांक नं० 6, जो, 1 री मजिल, आय-18, महाबीर नगर को-आंप व हार्जींग सोमाइटी लिंव, डहाणूकर बाडी के बाजु में, कांदिवसी (पं०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०स० अई-4/37-ईई/11129/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 10-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बाई

नारीख . 12-3-1985

# प्रक्ष वार्. हो. एन. एस. -----

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनाक 12 मार्च 1985

निवेश स॰ अई-4/37-ईई/11336/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रोर जिसकी स० जे/25, जो, महावीर नगर को-आंप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, डहाणूकर वाडी, काविवली (प०), बम्बई में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 24 जुलाई 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीना, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीनः (1) श्रीमती रसीला आर० व्हांरा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०एच० रडेरीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# अनुसूची

जे-25, जो, महाबीर नगर को-आँप०, हाउसिंग सोसाइटी लि०, डन्नाणूकर वाडी, कादिवली (प०), बम्बई में रिथत है।

अनुसूची जैसाकी फ्र॰सं॰ अई-4/37-ईई/11336/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 24-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)** अर्जन रेंज-4, बस्**बई**

नारीख: 12-3-1985

माहुर 🖫

इंक्स बाई. टी एन. एस.

नामुकर निभिनियम, 1961 (1961 को 43) की शरा 269-व (1) को नभीन क्वना

#### सारतं चरकार

# कार्याजन, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्तक)

अजन रेजं -1, वम्बई

बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदण स० अर्द-4/37-ईई/11167/83-84 — ,अतः मुझे ए० प्रसाद

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

1,00,000/- रु स आधक हैं

ग्रौर जिसकी म० फ्लैंट न० 3 जो ग्राउड फ्लाअर, दि०
विनीत को आप रिटब हाउसिंग मानाईटी लि०, इहाणूकरवाडी,
कादिवली (प), बम्बई -67 में स्थित हैं (ग्रौर इससं
उपबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं ), ग्रौर
जिमका करारनामा आयकर अधिनिम, 1961 की धारा
269 क, ख क अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं ,िदनाक 13 जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्त्रित की पद् हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश से उपल सन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्ञा नवा वा वा किया आता वाश्विए था, कियाने में स्निया के सिहः

अतः नम, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-न कै बन्सरम में, मैं, पक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) रघवेद वामणाचार्य नाग्रहल्ली ।

(अन्तरिक)

(2) थीमती पत्रती वातरणा चाफेकर।

(अन्तरिती)

का' यह सूचना कारी करके प्यॉक्त सपित्त के वर्षन के जिए कार्यनाहिया करता हु।

# उच्य सम्पारत के अर्थन के सम्मन्य के कोई भी बाक्सेन्.--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में शकाशन की तारीय ध 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की जबिध को भी व्यक्ति कह में समान्त होती हो, के मीटार पूर्वों कर अविकासों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन कर्के हिरीस में 45 विन के भीतार उनत स्थावर स्थाति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, नधीहरताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अली अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

# ग्रनुसूची

फ्लैट न ० 3 जो ग्राइड फ्गोजर, दि बिनीत को-आपरेटिब हाउसिंग सोसायटा लि ०, डहाणूकर वाडी कादिवली (प) बम्बई--57 में स्थित हैं ।

अनुमूची जैसाकी ऋ० स० अई-4/37-ईई/11167/ 84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 13 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रपाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4,सम्बर्ष

मोहर 🛭

# प्ररूप नाहाँ, टी. एव. एव.------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई -4/37-ईई/2232/83-84 --अतःमैं मुझे, ए० प्रसाद,

णायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ,269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यान करने का काण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000 कि कार से अधिक है

ग्रौर जिन्नकी सं० फ्लैंट न० 12 जो पहली मंजिल, णिवम इमारत ,एस० वि० रोड़ , फतेहवाग, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौ< पूर्ण रूप से वर्णित है ), ग्रौर जिनका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 वाख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 13 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान मितिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहवजान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्रीक रूप से काथा नहीं किया गया है है—

- (का) जन्तरण से हुई किसी नाथ की बाबत, उक्त बाधिनियम के वधीर कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तरों क्याने में सुनिधा के लिए, बार/या
- (थ) एती किसी श्राय या किसी धन या श्राय श्रीस्त्यों को, जिल्ही भारतीय जानकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः क्य उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्दरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्थिताओं, नवाँच उक्त

- (1) मैंसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कातालक्ष्मी प्रितमलाल वालीया । (अन्तरिती)

का देह सुचना नारी करके पृत्रोंक्स सम्मत्ति के नर्चन के सिक्ष कार्यगाहियां कारता हुए।

उक्त करवित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस स्वमा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की जबित या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की ताबीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी / के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्त्रक्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### वनसमी

फ्लैंट नं० 12 जो पहली मिजल, शिवम इमारत, एस० वि० रोड़ फनेहबाग, कादिवली (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी ऋ० स० अई-4/37-ईई/2292/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 **बम्बई**

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🛭

. प्ररूप आर्ड्: टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2}$  अर्जन रेंज-4, बम्बई  $% \frac{1}{2}$  सम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, जो, 3री मजिल, शिवम इमारत, एस० वि० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर और जिसका करारनामा ग्रायकर भींद जिसका करारनामा ग्रायकर मंघारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान गद्द है को लिए अन्तिरत की यह मभरे विष्यास करने क्त कि यथा पूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान -प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया**ग्याह**ै:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्हिलिक्कित स्यक्तियों, अधोत्:— 1. मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

 श्री जे० एन० मेहता और श्रीमती डी० जे० मेहता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हारोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अमुसुची

पर्लंट मं० 36, जो, 3री मंजिल, शिवम हमारत, एस० वि० रोड़, फतेहुबाग, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

| त्रनुसूची जैसा कि क० सं० घई-4/37-ईई/10868/ 83-84' और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

T....

दिनांक: 12-3-1985

प्रकल मार्च , टी. एन. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

#### भारत सहकार

# कार्यानय, सहायक अध्यक्त वास्पत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निर्देश मं० ग्नई-4/37–ईई/1119483–84–-ग्नतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, इमारत "मरस्वती", प्लांट बेर्झारम सी० टी० एस० नं० 19, 20 और 95 विलेज वाधवान, शंकर ग्राम, कांदिवली, (पूर्व), बस्बई—101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 13-7—1984

को पूर्वे कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उत्तः अभिनियम को जभीन कर दोने के अन्तरक को दाणित्व में कमी करने ये उसमें बमन मूँ सविधा के लिए सीप्रिक्ष
- (ए) एसी किसी काय था किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, अ 957 (1957 का 27) के अयोजनाचे जन्मियों कारा पान नहा किया है या किया जाना चाहिए था, जिनाने में मुविधा चे निए;

जतः जम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६—— 1. श्रीमति शिवानी जे० सिंग

(ग्रन्तरक)

डा० भागंव एम० वेसाई,
 और श्रीमती जयश्री बी० देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि वा नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में निश्च वा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त व्यक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

फ्लैंट नं 106, जो, 1ली मंजिल, इमारत "सरस्वती" क्लाट बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं 19, 20 और 95, विलेज बाधवान, शंकर ग्राम, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37-ईई/11194/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 13-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोक: 12-3-1985

मोहरः 🧓

# प्रकृत कार्युः हर्तुः एक<sub>ा</sub> एक<sub>ा</sub> ५ - - स्टब्स

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चनर

#### भाउत सङ्कार

कार्याजन , बहायक जायकर जायकत (निर्देशक) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्वेश सं ० अई-4/37-ईई/11289/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० ६-401, जो, 4थी मंजिल, इमारत "राजिकशोर", सी० टी० एस० नं० 1065, मेडरीन स्ट्रीट कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीधन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 21-7-84

को पृथोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान परितक्त के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह निवस्तास करने का कारण है कि यथापूनोंकत संपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नसिचित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण जिन्तिव के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उनत बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के शिए; और/धा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय अगब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा वा किया जाना चाहिए वा कियाने में बुविधा के निक्त

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—32—36 GI/85

1. श्री ग्रजीत पी० कपाडिया।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती चंद्रिका जे० महा,
 और श्री जितेन्द्र टी. महा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्पत्ति से वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे.

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० ६-401, जो, 4थी मंजिल, इमारत "राज-किशोर", सी० टी० एस० नं० 1065, मेडरीन स्ट्रीट, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० भई-4/37-ईई/11289/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० साद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रैंज−4, बम्बइ

दिनांक: 12-3-1985

प्रकृप. बार्ड. टी. एन्. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निर्वेश सं अई-4/37-ईई/11286/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैंट नं बी -104, लो, 1लो मंजिल, इमारत राजिकशोर को ज्ञापि हार्जिस सोसायटी लिं , सी टी एस वं 1065, मेडरीन स्ट्रीट, एस जी रोड, कांदिवली (प०), बम्बई -67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिष्ठकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 21-7-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपित्ति का जायत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बीधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकत्त, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कबी कर्डन वा उससे क्यने में त्रिक्षा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तिकों, अर्थात् :—— श्रीमती जसवंतीवेन एच० दोशी।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती नयना ग्रार० मदानी और हीरामणी वि० मदानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप "---

- (क) इस सूचना के ख़जपूत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### And the last

फ्लैंट नं० डी०-104, जो, 1ली मजिल, राज-किशोर, को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सी० टी० एस० नं० 1065, मेडरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं भई-4/37-ईई/11286/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

# प्रकृष कार्यः, टी., एक., क्ष<sub>रः</sub>, ५ - - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37 -ईई /11251/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी—3 जो, अनामिक को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, चाणक्य नगर, आकुर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई—101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है दिनांक 20 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे स्थमान प्रतिफल को पढ़ह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पावा भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण संहुइ किसी नाम की नायछ, उन्स् अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्च बारितवाँ को, जिन्ह भारतीय जायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्य बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, क्रि-

- (1) श्रीमती शुभांगी सुनीलचंद्र गोखले (अन्तरक)
- (2) श्रीमती, मंगला शांताराम देसपांडे । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की जबिंध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बार्ट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (य) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार सिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुसूचीं

फ्लैंट नंग सी--3 जो, अनामिक को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, चाणक्य नगर, आकुर्ली रोड़, कांचिवली (पूर्व) बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/11251 83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहरु 🛭

प्ररूप बार्ड . टी. एन् , एस , ५ -- -

श्रायंकर गाँधनियसः, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं अई-4/37~ ईई/11242 /83-84--अत: मुझे ए० प्रसाद,

भावकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 67 जो 4थी मंजिल सत्यम इमारत एस० वि० रोड़, फतेहवाग, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है ( श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है ), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20 जुलाई 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार भूक्य उसके कायमान प्रतिफल से एसे अवस्थान प्रतिफल का बन्दि अवस्थान प्रतिफल का बन्दि प्रतिकार से अधिक ही बार अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्क , निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) कलाइण संबूद्ध किसी बाब की बाबत उनका सहिध-नियम के बंधीन कर बोने के बन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या नत्म नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायक र मिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त मुश्तियन, या पूनुकर मिनियन, या पूनुकर मिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया शासा कारिए था, कियाने में सुन्धा के रिए;

कतः वय, उनते विचित्रित की भाडा 269-व व नितृत्रित में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स क्रिलोक कन्स्टुक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुजाता रविंद्र जोशी भ्रौर श्रीरविंद्र विष्णू प्रसाद, जोशी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त क्रम्मोरू की वर्षन की लिए कार्यमाहियां क्षरता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के धर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाधरेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकते।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में थिया गया है।

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं० 67 जो 4थी मंजील, सत्यम इमारत , एस० वि० रोड़, फतेहबाग कांदिवली (प०) वम्बई में स्थित है। अमुसूची जैसाकी क्ष० सं० अई-4/37-ईई/11242 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20 जुलाई 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

भोहरु 🖫

प्रकृष भार्षः, टी., एन., एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
 अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37— ईई/ 11227/83-84—अतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 29 जो दूसरी मंजिल, शिवम, इमारत एस० वि०रोज, फतेहबाग कांदिवली (प०) बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18 जुलाई 1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (थ) एसं किसी जाब मा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: ब्रच, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों का विधीत ध—

- (1) मैसर्स राजलक्ष्मी कंस्ट्रबगन कंपनी । (अन्तरक)
- (2) श्री कमलेण हतमुखभाई मुनी । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकालन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंग।

स्वयक्ति हुन:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्युची

फ्लैंट नं० 29 जो दूसरी मंजिल, शिवम इमारत एस० वि० रोड फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-4/37-ईई/11227 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4**; बम्बई**

दिनांक : 12-3-1985

मोहर् 🛭

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस.-----

सायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक शायकर नायुक्त (निरक्तिण) अर्जन रोज-4, नम्बर्द

बम्बद्दां, दिनांक 12 मार्च 1985

निवर्षेत्र, सं. आर्घ-4/37-ई/ई/11224/83-84— अतः मुझे, ए. प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 20 जो 1ली मंजिल, शिवस इमारत एस. वी. रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, स के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, विनांक 17 जुलाई, 1984

को पूर्वेक्ति सम्मित्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चिष्य से उक्त अन्तरण निकित्य में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी गाय की गावत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उससे वचने में सूर्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा की चिक्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति हि—

1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभुदास करसनजी मांडविया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्रेप :---

- (क) इस त्यान के रायपन में प्रकारन की तारीय से 45 विन् की वन्धि ना तत्त्वस्थानी व्यक्तिता एर त्यान की तारीस से 30 दिन की बन्धि, को भी जन्धि नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर क्यूरिया की में से किसी व्यक्ति क्याराः
- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया जवा हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 20 जो पहली मंजिल शिवम, इमारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई/11224 83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 17 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाच, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-3-1985

मोहर :

प्रकप बाई , टी , एव , यस , -----

नायकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11401/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, जो, 3री मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प०) में बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है तारीख 28-7-84

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त जन्तरण किश्वत में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) क्लाइन से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरक के दासित्व में कभी कारने मा तससे बचने में सुविधा के सिए; और/धा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा के लिए;

बत् अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के अनुसरक वे, में, उक्त विभिन्यम की भारा 269-य की उपधारा (1) के विभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ह— 1. मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

2. रजनीकौत नागराजी देसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध मा तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए या सकने।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त क्षिथिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### न संपत्ति

पलैट नं० 43, जो, 3री मंजिल, "शिवम" इमारत एस० वी० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37–ईई/11401/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7–84 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-3-1985

मोहर :

भक्त भार<sup>क</sup>ः, टी<sub>ज</sub> एन<sub>ज</sub> एसः. हर-स्टब्स

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रें ज-4, बम्बई

भम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/11380/83-84--अतः मुझे. ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 19, जो, 1क्षी मंजिल, शिवम इमारत, एस० बी० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से बर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

27-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह निश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण स हुई किसी जाय की वाजर, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (थ) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या जन्य कास्तियों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोचनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

कतः बब्, उक्त स्पिनियम का भाष 269-ग के सन्सरण के, में, उक्त स्पिनियम की भाष 269-म की उपभाष (1) के अभीन निम्निकीयत स्वित्यों. स्वांत है--- 1. मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा लक्ष्मीवास कल्याणी, श्रीर श्री लक्ष्मीवास विठ्ठलवास कल्याणी। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के गर्भन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

फ्लैंट नं० 19, जो, 1ली मंजिल, शिवम इमारत, एस० बी० रोड़, फतेहबाग, कांवियली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क० सं० अई-4/37–ईई/11380/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 27–7~1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर:

# प्रकप बाहै । टी , एन । एस , -----

# आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायव आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-।, बम्बई

बम्बई, दिसांका 12 मार्च 1985

निदण सं० अई-4/37 ईई/11328/83-84--अत: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

द्यौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 37, जो, 3री मंजिल, दाल्तानी ग्राम विल्डिंग, नं० 1, हेमू कलानी क्रांस रोड़ नं० 31 कांदिवली (प०), जम्बई-67 में स्थित है (प्यौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित ), ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्यमान करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल् से, एसे दृश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच् एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निकत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नत्तरण ते हुए किसी साथ की बाबत, शब्स श्रीधनियम के जधीन कर दोने के बसारक के दासित्व में कभी करने या उसमे बचने में मृषिशा से लिए: और/बा
- (म) एंगी किसी आय दा किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिए:

जतः अव, उक्त अधिनयम को धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीन िनम्तिष्यित व्यक्तित्यों, अर्थात्य—
33—36 GI/85

ा. श्रीमती सलमा आदम हलाई

(अन्तरक)

 श्रीमती त्रिलास सावंत ग्राँर श्री त्रिलास नारायण सावंत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध . जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी अविध्त द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सब्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

## प्रकृतका

पलैट नं० 37, जो, 3री मंजिल, दात्तानी ग्राम बिल्डिंग नं० 1, हेमू कलानी क्रास रोड़ नं० 31, कॉदियली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं । अई-4/37—ईई/11328/84–85 ग्रीर जो सभम प्रतिवकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 24–7–1984 को रिजस्टर्ड किया गया है $^{1}_{3}$ ।

ॄंए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−4, बम्बई

दिनांदा: 12-3-1985

माहर 🗯

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

# माइकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन केंज-4, अभ्वर्ध

वालाई, दिनों / 12 मार्च 1985

िक्षा मं ० दहिन् म्/ 37-ईडी/11422/83-84--अतः **मुझे**, ए ० अभाद,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इतमें क्ष्मके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रीत जिसकी सं ० करैट नं ० 502, है जो, तिस्पति अपाट मेट, 5वी मंजिल, जाकुर्ली विलेज, बादिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (प्रीत इसमे उपावद अनुसूची में स्थार पूर्ण का में स्थान है), स्थार जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई मात पत्रम प्रविकारी के कार्यालय में र्याजस्ट्री है, नारीख 28-7-1981

का पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे गृह विश्वास करने का काश्य है कि युग्नमांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सल्य, असके इज्यमान प्रतिपत्ति है एसं दश्यमान प्रतिपत्ति का पन्दह प्रांतशत स अधिक है जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) पर्म के लिए तय पाया गुणा प्रतिपत्ति निम्ति कि उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्व मा वार्गिक रूप स अध्या नहीं कि सा गुणा ही —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के ने कि कर वार्य के उत्तरक अ वाधित्व में कमी करने या उससे बचाने में मिविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्म जास्तियों का, िक्टो भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) इ. असी , निम्निसिमित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री शांती चंद्रा वाफना।

(अन्तरक)

 श्रीमती कांताबेन अमृतलाल सोनी श्रीर श्रीमती स्वाति रसेणचन्द्र सोनी।

(अन्तिरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवनगः;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 फिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जन्स्यी

पर्तेट नं 502, जो तिक्यति अपार्टमेंट, 5वीं मंजिल अत्कुर्ली विलेज, कांदिवली (पूर्व), बम्बई--67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37-ईई/11422 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ् ए० प्रसाद संभाव पांचे करी सहाय के आया कर आयुक्त (बिरोक्सग) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर:

# प्रकथ आहे. टी. एन. एस------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

बम्बर, ।दनाक 12 माच 1985 निदेश सं ० ग्रई-4/37ईई/11329/84-85--ग्रतः मुझ

ए० प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट नंव 3, जो ग्राउन्ड पलीर, आकांशा ग्राकेंड, 60 विश्वमदास रोड़, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-7-1984

को पूर्वाक्ति सम्पिति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पित्त का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंति। रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निमालिखित त्यक्तियों, अभीतः—

(1) श्रीमती ज्योति जे० पाउन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० ए० माटेन और अन्य

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# ंखक्त अञ्चलि के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष पं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष तं. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### -

युनिट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लार, ग्रांकाणा श्राकेंड,60 विकमदास रोड, कांदिवली, (प), तम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/1132984-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 24-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रवाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (किरीअण) ग्रजंन रीज--4, तम्बई

दिनाक : 12-0-1985

HIE V

परूप नाइ ं.टी. एत .एस्.------

नाथकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के निधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० म्रई-4/37-ईई/11123/83/84--म्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर सिभानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्स अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नंवं 15, जो ग्राउन्ड फ्लोर, गुरुनानक ग्रपार्थमेंट, शंकर लेन, कांदिवली (प), वम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिश्वनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-7-1984 को पूर्वोग्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिश्वन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिल खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एंबी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गंवा था वा किया जाना शाहिए था, छिनाने में सुविधा के सिहर;

नक्ष कर, उन्त कथिनियन की भाषा 269-ग के अनुसरन कों, पो, उन्त अभिनियम की भाषा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पारसनाथ रामदुलार उपाध्याय। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रघुराम चिक्कया हेगडे। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# नगुस्ची

दुर्कात न्० 15, जो प्राउन्ड पलोर, गुम्मनानक ग्रपार्टमेंट शंकर लेन, कोदिवली रोड़ (प), बम्बई-67 में स्थित है श्रनुसूची जैसा कि कमार सं० ग्रई-4/37ईई/11123/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, द्वारा बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर:

# बच्च बार्च, बी.; एवं. एवं.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्याप्त सूचना

## भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० श्रई-4/37ईई/11159/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, श्राकृति श्रपार्टमेंटम मधुरादास रोड़, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क खू, के श्रिशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 13-7-1984,

को पूर्वोक्त संपरित् के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जनसङ्ख्य से हुइ कि.सी आय की बाबत, उकर, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अडि/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त जिमिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थान :--- (1) मैसर्स मुर्यराज बिल्डर्स (कांदिवली)

(अन्तरकः)

(2) कान् मुमताज सैन पेंटर, और मुमताज हुसैन हसनअलः पेंटर।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए चा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भन्स्ची**

दुकान नं २ 1. श्री, ग्राउड फ्लोर, अत्कृती अपार्टमेंट्रम मथुरादास रोड, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम संव अई--4/37ईई/11159/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

माहर :

# व्रक्त बार्च हरी । एवं । एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के स्पीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 नि सं० प्रई-4/37ईई/11145/83-84--मन. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रीर जिपकी सं० दुकान नं० 6, जो ग्राउन्ड फ्लार, चितामणी सरदार बल्लम भाई पटेल रोड, स्राफ णंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विशित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-7-84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क), बन्तरण्यं हुई किथी जान की नान्त, उन्छ जिथिनित्यं के संभीत कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने ना उन्हों नचने में सुन्धा के सिष्ट; अरि/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाता जाहिए था, खिपाने में सुमिभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लामित व्यक्तियों, अधीत .---

- (1) मैसर्स यशोधन डेवलपमैट कार्पोरेशन। (म्रन्तरक)
- (2) श्री पारसनाथ ग्राग उपाध्याय। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की बवीभ, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का तकींगे।

स्पव्योकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

# वन्त्वी

अनुसूची जैपा कि कम सक अई-4/37ईई/11145/84-85 को सक्षम प्राधिकारी, उम्बई हारा दिनां ए 13-7-1984 को रीजन्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षम प्राप्तिकारी यहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रतिकेतन्य, वेम्बई

दिनांके : 12-3-85

मोहर 🗈

# प्ररूप आई .टो . एन . एस . -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश म॰ श्रई-4/37ईई/11130/84-85--श्रतः मुझे ए॰ प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल युनिट गं० 26 श्रीर 27, जो, 2री मंजिल, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रमोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (प), बम्बई—101 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 10-7-1984

को पृबंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्:) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के डायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; वर्षर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चनिहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बोगाजा इंडस्ट्रियल इस्टेंट प्रा० लि० । (ग्रन्तरक)
- (3) मैंसर्स मदनलाल मेहरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त क्यिक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुधी

ईडस्ट्रियल युनिट मं० 26 स्रीर 27, जो 2री मंजिल बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, स्रणोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-4/37ईई/11130/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर ;

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेण मं० आई-4/37**ईई**/11445/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिते इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० युनिट नं० जो 2री मंजिल 'डी'' 26 विंग, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका कटारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही हैं, तारीख 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एमें स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से जिथक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिएसाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आव की वाबस्, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में तृषिभा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

डत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्स्मूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पुष्पा डब्यू जेठवानी।

(अन्तरक)

(2) मैमर्म इंडियन हेटर्स ।

(अन्स(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो जी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

## वक्त्वा

युनिट नं० 26, जो 2री मंजिल, ''डी'' विंग, बोनांन्झा इंडस्ट्रियल अणोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व) इस्ट्रेट सम्बद्द-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अहै-4/37ईई, 11445, 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 30-7-1984 को रस्टिई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

नोहरः 🖫

प्ररूप बार्च्, टी. एन , एस , -----

र, 1961 (1961 का 43) की भारा

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई सम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई--4/37ईई/11350/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संव डंड स्ट्रियल इस्टेट युनिट नंव बी-25, जो 2री मंजिल, बोनान्झा इंड स्ट्रियल इस्टेट, कांदिबली (पूर्व,) बम्बई 101 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 24-7~1984

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वाम करने का कारण है कि यथाप्त्रेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप हो कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्सरण से हुई जिसी जाय की वाब्त उक्त जिसीनयम के अभीन कर दोने के जन्सरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; जॉर/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी भग या बन्य आस्तिवों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में कृषिभा के निक्;

)तः अत्र उक्तः अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण हाँ , की, े भेत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिहिश्ता व्यक्तियाँ, अर्थात् ध—— 34—36 GI/85 (1) श्रीमती पुष्पा वधुमल जेथवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा कृष्णलाल नाकरा, ग्रीर श्री संजय कृष्णलाल नाकरा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जाड़ी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेत्र हिन्स

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### रवस की

इंडस्ट्रियल युनिट नं० डी-25, 2री मंजिल, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, कॉदिवली (पूर्व), बम्बई 101 में स्थित है अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/11350/ 83-84 और जो की सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्र अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिमांक : 12-3-1985

मोहर 🕹

# प्रकृष कार्यक्त होता हुन् त एक . . . . . . . . .

পাথভার अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकाह

# कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/11282/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इतनें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्थ भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० युनिट सं० 16, सी विंग, जो, 2री मंजिल बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चकवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई 101 में स्थित है स्रोप इससे उपाबंड अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप मे विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 21-7-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के अधित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्द्रित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार भूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिखित उद्वेष्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया ग्या है द्रा

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तर्ध वचने में वृत्तिभा के लिए; जार/वा
- (क) ऐसी किसी बास वा किसी धन वा बृत्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकार जिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कार अधितियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्ज जन्मदिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1)बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेप्ट प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स रोलेक्स आर्टीफिशियल ज्वेलरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष्:---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अमीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की बामीन से 30 दिन की अपि, यां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांबर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकारन की तारींच के 45 जिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्य्य जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में गरिभावित है वही पर्य होगा जो उन यहवाय में दिया भवा हैं।

अनुसूची

युनिष्ट सं० 16 सी विंग 2री मंजिल, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेंट अशोक चक्रवर्ती रोड कांदिवली (पूर्व) बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/11282/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन ऐंज-4 बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

मोहर ः

# अक्ष नार्षः हो , एत , एच , मनमननन्त्र

# बायक द विधिनियम , 1961 ((1961 का 43) की धारा 269-व (1) से स्थीन स्टब्स

## मारत सरकात

कार्यौलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4; बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37ईई/11446/83-84—अतः मुझें, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंकते इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसेकी सं० युनिट नं० 27 जो 2री मंजिल "डी" विंग बोतांक्सा इंडिस्ट्रियल इस्टेट अणोक चक्रवर्ती रोड़ (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यान्य में रिजस्ट्री हैं, तारीख 30-7-1984

न्ये पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मून्य से कन् के क्यमान अतिफल के किए जन्तरित की गई हैं जरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पर्शित का उपित बाजार मून्य, उत्तके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अभिक हैं और जन्तरक (बन्तरुक्तें) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् स्य पामा न्या प्रतिकृत का निम्नितियों के वीच एसे अन्तरण के निष् स्य पामा न्या प्रतिकृत का निम्नितियों के वीच एसे अन्तरण के निष् स्य पामा न्या प्रतिकृत कर निम्नितियों के स्वीचित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरणं सं हुई किसी शाव की वावत , उक्त वीधनियम के अधीन कर दोने के वंतरक के वावित्य में कमी कडने या उससे वचने में तृतिधा के सिए? वीड/वा
- (थ) एंसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योब्यार्थ अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने भें सुविधा के निहा;

वतः वयः, अक्त वीर्णनियम की भारा 269-ग के जनुसरण के, कें, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निश्मित्वित व्यक्तियों, वर्धित् ः—

(1) श्रीमती पूष्पावज्ञमन जेथवानी।

(अन्तरक)

- (2) श्री कल्पेश आर० देसाई ग्रौर डा० शशांक आर० देसाई-ट्रस्टी ।
  - 1. स्पृहा बेनफिट ट्रस्ट,
  - 2. क्षिति बेनेफिट ट्रस्ट,
  - 3. रुची खेनेफिट ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के हिनए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्सप्:----

- (क) इस सूचना के राज्यान में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी नविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी क्यन्ति प्रवाद:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत सम्मत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्वों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननस्ची

युनिट नं ० 27, जो 2री मंजिल, "डी" विंग, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूत्रो जैसा कि कम सं० अई-4/37 ६ई/11445/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर :

प्रस्य वार्षं, दी , एन , एष , ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बारत चुडुक्स

कार्यालयः, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई धम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37ईई,12401/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दर्भ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल इस्टेट, युनिट नं० 21, जो 1ली मंजिल, "डीं" विंग बोनान्सा इन्डस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवती रोड़ कांदिवली (पूर्व), बम्बई—101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-7-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह निक्तास करने का कारण है कि यंजापूर्वोक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की वाबत, उक्त जिथ-निष्त्र के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ज़रि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने से सुविधा को लिए;

बतः बव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, न्मिनलिवित क्युक्तियों, अर्थात् क्रिक

- (1) श्री पधीलाज चिमनदास खिलनानी।
- (अन्तरक)
- (2) श्री हरेश परमानन्द मर्चेन्ट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सवधी स्पितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बसि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्पितियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत किपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जकत अध्याय में दिया गया हैं।

# **प्रनुस्**ची

इंन्डस्ट्रियल इस्टेट युनिट नं० 21, जो 1ली मंजिल, "डी" विंग, बोनाझा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवता रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-4/37ई $_{1}12401$ , 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🖺

प्रकृष बाहै - दी. एत. एव. -----

बायकर विधितियत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीद सुचना

## भारत सर्कार्ड

कार्यानय, सहायक आवकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-4, 'चम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश स॰ अई-4/37ईई/12401/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल युनिट नं० सी-10, जो, 1र्ली मंजिल बोनान्छ। इंडस्ट्रियल इस्टेट, चक्रवती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित हैं (भीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में भीर पूर्ण रूप में विणित हैं) भीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-7-1984

को पूर्वेक्स सम्मित्त के उपित नाजार मूल्य से कम के कर्वमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मित्स का उपित नाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल सं, एसे श्रममान प्रतिफल का पन्यह प्रतिप्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-फल निक्तिस्तिस उद्देश्य से उन्त अंतरण सिवित में नास्तिक क्य से श्रीयट नहीं किया प्रा हैं "---

- (क) कलारण के सुनूर हिंकती बाय की बाबता, उक्ता अभिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कमी कड़ने या उससे बखने में सुदिशा & लिए, और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उधत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिधा के सिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मीलीकत व्यक्तियाँ, वर्भातः :--- (1) श्री कपिल आर० अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) वीनस इलेक्ट्रो मेकानिक्स।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जादी करके पूर्वोक्य सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तृथना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रक्र तृथना की ताबील से 30 दिन की मनिष, जो भी सवित नाद में समाफ होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में ते दिन्दी व्यक्तित स्वारा;
- (क) इत ज्वान के राज्यन के प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर जन्मित में हितनक्ष किती जन्म व्यक्ति इतारा, जभोइस्ताक्षरी के पास मिनियत में किए का मलेंकी।

स्पृथ्यिकण :---इसमें प्रवृक्त शुक्यों बहि पथीं का, धा उक्स विश्वीनवन, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

# वयुस्ची

ई डस्ट्रियल युनिट नं० सी-10, जो 1ली मंजिल, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्क्वती रोड़, कॉदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम मं० अई-4/37ईई/12401/ डी/83-84 और जो सक्षम प्राःधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🗓

# मुक्ता बाद है हो है हुए है मुक्ता है है

# भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के व्यथीन कुछना

## नारत चरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, ब्रम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37ईई/11314/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिमकी संज्युनिट नंज 40, जो, 1नी मंजिल "डीं विंग बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवता रोड़, कांदिवली १(पूर्व), बम्बई—67 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई सक्षम स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23—7—1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य है कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृख्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफस का पंद्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया नवा प्रतिफल कन निम्नसिवित उद्वरिय से उन्त अन्तरण निम्निवित में बास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बायत उक्त कांध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; करि/बा
- (व) ध्रेबी किसी जाय या किसी धन या बन्ध नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर विधिनियम, या अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए:

कतः कवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, कन्सरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीतः --- (1) मैसर्स ए० एच० इंजीनियरिंग वर्कस।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सिम्पलिकान ।

(अन्तरिती)

सहै वह शृक्षना शादी करने पृत्रा निष्य सम्पृतित् के श्राम के दिल्ए कार्यनाहियां शुक्र करता हूं।

वनत बन्दीता के वर्षय के शुम्बुल्य में कोई भी काक्षेप्≥~

- (क) इस स्थान में राजपन में मजाइन की ताड़ींड़ से 45 विश्व की संबंधि वा तत्सम्बन्धी न्यतिस्था दूर सूचना की तानील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद के तमान्य होती हो, के भीतर प्रानिद व्यक्तियों में से किसी न्यांक्य दुवारा;
- (क) इस मूच्या चे प्राक्षपुत्र में प्रकारन की तारीय दें 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष किसी सम्य स्थावित स्वारा सभोहस्ताक्षरी के पार विचित में किस ना उक्तेंगे !

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# TOTAL

युनिट नं० 40, जो 1ली मंजिल, "डी" विग बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4,37ईई,11314,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🕉

# प्रकथ आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई, 11405, 83-84-अतः मुझे ए ० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को उह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रुट से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल गाला नं० सी, 13. जो, 2री मंजिल, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसुची भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टी है, तारीख 28-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्या से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि गथा पूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असको दृश्यमान अतिकल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक 🐒 और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्नलि**क्ति** उददेश्य से उक्त अंतरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी कः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर गीने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः केलिए:

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुमर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री महेन्द्र वानेचन्द दोशी ग्रौर श्रीमनी निला महेन्द्र, दोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री पवनकुमार मगतूराम बैराग्रा ।

(अन्सरिती)

को यह सचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कस्ता 🗗।

उक्स संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हान्नेती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी । से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्यप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकेंगे।

ल्पक्टोबरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्यादा में दिया गमा 😵 🖟

# अन्द्रची

इंडस्ट्रियल गाला नं० सी, 3, जो 2री मंजिल, बोनान्सा इंडस्ट्यिल इस्टेट, कांदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनसूची जैसा कि कम सं० अई-4,37ईई,11405, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर:

# प्ररूप बाइ े.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

क्रम्बर्ध, दिनांक 12 मार्घ 1985 निदेश संर्व प्रर्ड-4/37-र्ट्ड/10917/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्मित, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 37, जो इहाणूकर बाडी, गृरू कृपा गोखले रोड, बेग्नरीग नं० 966, 966 /1 से 4, कांक्विली (प), वस्बई—67 में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत है ). और जिसका कारारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन घम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3 जुलाई 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिष्ठन के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, जसके रक्ष्ममान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुंड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिक व्यक्तियों. अर्थात :---

- (1) श्री शशिकांत विनायक टकले और भ्रन्य । (भ्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स डी० के० एण्ड श्रासोसिएटस । (ग्रन्तारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संअंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसूची

प्लाट नं० 37, जो डहाणूकर वाडी, गुरूकुपा, गोखले रोड़, वेद्यरींग नं० 966, 966/1 से 4 कादिवली (प) बस्बर्श-67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी कर मंश्र श्रई-4/37-ईई/10917/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनांक :- 12-3-1985

माहर 📱

प्ररूप आई.टी.एर्न.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० टु प्लाटस ग्रा लैंग्ड विथ स्ट्रक्चर, (होटेल रेसिडेंटस, णाप्स, टबेलस वगेरे ), सुभाष लेन, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है ), और जिसका करारनामा, श्रायकर श्रीष्ठानियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है । दिनांक 24 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, पूंचे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आए गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमै की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
35—36GI/85

(1) ग्रमेरणी माधवणी ठक्कर उर्फं मंगलवास माधवजी ठक्कर ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स प्रतिक डेव्हलोपमेंट कार्पोरेणन

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबख्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधीष्ट्रम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, घही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

दुष्लाट ग्राफ लैन्ड स्ट्रक्वर के साथ, (होटेल, रेसिइंटस, शाप टेबेनाम ई) मुभाप लेन, कां(दन्नली, (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुमुची जैमाकी क० सं० ग्रई-4/37-ईई/11452/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 जलाई 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन **रेंज-4,** बस्बर्द

दिनांक :-- 13-3-1985

माहर 🌣

प्रस्क आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (तिरीक्षण) ग्रजैंत रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985 निदेश सं० ग्रई-4/37-जी/63/84-85---अतः मुझ् ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाबार मल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1324 ( एस० नं० 26-ए) , माउंट पोईसर, बोरिवली, वस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विशत है),

रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वस्वर्ड में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 19 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्किय से उक्त अन्तरण निकास में अन्तिकिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या ज़समें बचने में स्विधा के पिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रोशी सीवना लारेन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र जे० शहा ।

(श्रन्तरिती)

(3) डा रमेण पडित , श्री टी० अंद्वाडे, और श्री वेरसी श्रार० शहा –। सभी भाडत

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिक्षोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्तेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में से किए वा सकेंगे।

स्यक्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ्**अनुस्**ची

धनुसूची जैसाकी विलेख सं० 535/1980 और जो उपरजीस्ट्रार , बम्बई द्वारा दिनांक 19 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 15-3-1985

मोस्य

# **१७म् वार्ं्टो\_एप्.एस्.**००००००

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

## सारत बरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 13 मार्च 1985 निदेश सं० श्रई-4/37-जी/66/83-84-- अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

अर जिसकी सं ग्रांल दट पिस और पासेंल ग्राफ लैण्ड अट व्हिलेज बोरिवली, सीं टीं एस नं 260, 60 फीट वाईड डीं पीं रोड़, एस नं 37 (अंग), सीं एस नं 270 (अंग) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री करण श्रधिनयम, 1908 (1908 के 16) के श्रधीन दिनांक 17 जुलाई 1984 का पूर्ण कित संप्रतित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्दौरत को गुई हैं और मुक्ते यह बिह्नास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्दौरत को गुई हैं और मुक्ते यह बिह्नास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किना गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उचत अधिनियम, कं अधीन कर बोने के अस्तरक कं दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविभा के निष्टुं

बत. बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूर्य में, में उक्त अधिनियम को भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिखित व्यक्तियों, बंशतिः—

- (1) धाकलूबाई एम० केनी और 40 श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) ओम श्री श्रलकापूरी को० श्रापरेटीव हाउसिंग सोसायटी लि०

(भन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के सिह्द कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उपत संपुत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की जबीध या तत्स्यन्यन्थी स्थानित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत् स्थानितयों में से किसी स्थाप्त सुवारः;
- (क) इक्ष बुक्ता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के ग्रीवर उक्त स्वान्त सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्द क्वांक्त इवारा न्याहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित इ., बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया मुसा है।

## नन्स्यी

श्रनुसूची जैसा की विलेख सं० एस०-1675/84 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 17 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद,. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, वम्बई

दिनांक : 13-3-1985

मोहर 👙

प्रस्य बाह्नै, दी. एन , एस , ------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37 **ई**ई/11/212/83-84--- अत: मु**रो** ए० प्रसाद,

भायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106 जो, इमारत पारंसनाथ अपार्टमेंट एस० बी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान तिए मन्तरित की गद्भ सभौ विष्वास करने का कारणं िक सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से., एसे प्रथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उन्ते अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रथित नहीं गया ቼ^ ፼---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अखने मे सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अन्ररण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-्व की उपधारा ()) कु अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) श्री हरबंसलाल जैन ।

(अन्सरकै)

(2) श्री नरेंद्र कुमार अभिचंद जैन और अन्य । (अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्स्जी

पलैट नं० 106 , जो इमारत पारसनाथ आपार्टमेंटस, एस० वि० रोख, बोरियली (प), बम्बई~92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अ-4/37इई/11212/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज#4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🐠

# प्रकृष बार्ड . टी , प्रन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985
दिदेश सं० अई-4/37ईई/11334 /83-84-अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्नीर जिसकी सं ज्लाट नं 30 जो, सागर निवास, 5वा कस्तूरबा रोड़, बोरिविरी (पूर्व) बम्बई -66 में स्थित एहैं) स्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्नीर पूर्ण रूप से विणित हैं) स्नीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एएयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित हब्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में भारतियक रूप से कथित हिंदी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित जिक्तयों, अधीत्:—

- (1) श्रीमती निलांबरी दुष्यंत जोगीण । (अन्हरक)
- (2) श्री रतीलाल गोकलदास गोहिल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 30 सागर निवास, 5 वा कस्तरबा रोह, बोरिवली (पूर्व), बम्बई -66 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०ं सं० अई-4/37ईई/11334/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 4, बम्बर्ष

दिनांक : 12-3-1985

मोहर :

प्रकप बाइ. टी. एन. एस्.-----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-4. बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/112223/84-85 ---अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें अधिनियम कहा गया है), की आहा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित गायार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं. 8 जो दूसरी, मंजिल सर्वे नं० 61, एच० नं० 5 ग्रौर सी० टी० एस० नं० 262 262/1 से 262/9 दत्त पाड़ा काम रोड़, बोरिवली (पूर्व) बम्बई—66 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास ग्रंग हा गारण है दियंगापूर्वोन्त गर्भोत का उचित नाजार मूल्य ग्रंग वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्यह प्रतिश त प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) हे बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा च्या प्रतिकत; चिन्नकितित उद्देश्य से अन्त ग्रन्तरण निधित में बास्तविश छप से क्वित नहीं

- (क) अन्तरण **से हुई निक्सी भाग की गायरा,** अन्तरण अधिनियम को अधीन कर दीने की अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सिवधा के खिए; और/या

मत: शत्र, उक्त अधिनियम की भाष 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् हि—

- (1) मैंसर्स वखाहीया एण्ड आसोसिएटस । (अन्सरक)
- (2) बंकीम जयंदीलाल शहा श्रीर अन्य (अन्तरिती)

को यह सुखना बारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के द्विष्ट्र कार्यनाहिमा सुरू करता हुँ।

- उन्हरः सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शक्कों :----

- (क) इक् सूचना के सक्पन में प्रकाशन कों तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकातन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विद्या किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों शीह पदों का, जो उक्त सिंगियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया नवा है।

## नपृत्त्वी,

पलैट नं० 8 जो दूसरी मंजिल सर्वे नं० 61 एच० नं० 5 श्रीर सी० टी० एस० नं० 262, 262/1 से 262/9, दत्त पाडा ऋस रोड, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/63-ईई/11223 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद ्सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनोक : 12-3-1985

मोहार 🛭

# प्रकल आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निर्**क्षिण)** अर्जन रेंजे 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-37—ईई/11113/ 83-84 —अत: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रथात (उस्त अधिनियम) कहा गया हो), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301 जो तीसरी, मंजिल, इमारत डी-8 योगी नगर को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से बिणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थितं मक्क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 2 जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्यमान प्रतिकृत के सिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से एसे दृष्यमान प्रतिकृत के पन्तद् प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (जन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्वा ग्या प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण के जिए तम मान से सारतिकृत के से कियत नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबते, उत्का अधिनियम के अधीस कर दोने के अन्तरक की बासित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा की लिए; और/बा
- (भ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अनुसरण चॅ, मॅं, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) प्रेमजी मुलजी विरा।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सी० एस० पिटो श्रौर अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वन्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्त स्वतियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किमे या सकी।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगाः, जो उस अध्याय में दिया मुद्या हुँ।

## ननृतुची

फ्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० डी -8 योगी प्रभात को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, प्रोगी नगर, एक्सार रोड, (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र॰ सं॰ अई-4/37—ईई/1111384-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धौरा 269-म (1) के अधीन सूचना अगरत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेण सं० श्रई-4/37-ईई/11248/83-84--- श्रतः मुझे मझे ए० प्रसाद,

शांग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 31 ,जो विंग ए- तिसरी मंजिल ड्रिमलैंन्ड, 120 लिंक रोड, बोरिवली (प) बम्बई-400092 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत हैं), और जिसका फरारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय हैं दिंगक 2 जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत मिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन भिम्निलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी एन० इंटरप्राईज।

(म्रन्तरक)

(2) जॉन एडवर्ड डिसोझा और ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिक्त में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

फ्लैट नं० 31, जो तीसरी मंजिल ए- विंग, ड्रिमलैन्ड 120, लिंक रोड़, बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

मनुसूची जैसाकी कि० सं० मई-4/37-ईई/11248 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4 बम्बई

विनांक : 12-3-1985

मोहर :

प्र€प. बर्द्धः टी. एनः एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीव सचना .

#### भारत सरकार

कार्याभय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध बम्बई, धिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० प्रई-4/37-ईई/11222/83-84--प्रतः श्रतः मुर्झे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो तीसरी मंजिल, धत्तापाडा, क्राम रोड नं० 2, बोरिवली, (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्भोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असको इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का गंब्रह अतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'अंतरितियों') के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निसित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप क्षे किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरूग से हुइ किसी बाब की बाबत, सक्ट अभिनियम के संधीत कर दोने के अन्तरक के वापित्य में कभी करने या छससे नवने में सुविधा के सिए; और∕या
- (श) एंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय लाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रिया के क्षिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित स्यक्तियों , अधीत् ६---36-36 GI/85

- (1) मैसर्म क्खारीया एण्ड श्रासीस्एटस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दिनेण बी० पारीख ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुनं ।

उनतं सम्पर्शि के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितववृभ विस्ती बन्य व्यक्ति व्यारा, अभोद्वस्ताक्षरी के पास विविध में किए पा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## न्त्र्यी

फ्लैंट नं 12. जो तीसरी मंजिल, दत्तापाड कास रोड, नं० 2, बोरिवली, (पूर्व) बम्बई -66 में स्थित है। भ्रत्मूची जैसा कि कि के सं भई-4/37-ईई/11222/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1974 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर :

प्रकप काई, ही, एव - एवं है ------

भायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन स्वना

## भारत सुरकार

अक्ष्मित्य, महायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-4 बम्बई,

बम्बर्ध, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश मं० ऋई-4/37-ईई/10914/83-84-- श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

णायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-701, जो 7बी मंजिल, अशोका टावर कुलूपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत हैं ), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिसित उद्वीच्य से उक्त अन्तरण लिसित में वान्तरियक रूप से किंगित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-मियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्व में कभी करने या उत्तरते क्यने में स्विधा के िन्छ; बौर/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त कोधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधित्यम की धारा 269-ध की उपधारा (1) फें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स गोयल निल्डसं प्रायवेट लि॰ । (ग्रन्तरक)
- (3) मैसस दिनेश इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रिकरण ६—- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा उन्हर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा इ<sup>8</sup> ॥

# अनुसूची

पलैट नं० ए-701, जो 7वी मंजिल, ग्रशोकाटावर, कुलूपवाडी, रोड़ बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है। श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/10914 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रासाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर, आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज∽4, बम्बई

दिनांक :- 12-3-1985

मोहर 🖫

# प्रकृष बाह् े टीं पुर्व पुर्व हुन्। स्थान

# भागकार नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सुचना

#### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/10925 /83-84--धतः मुझ ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

पलट नं ० 504, जो 5 वी मिजिल विग-बी, परेश श्रपार्टमेंटस, एस० बी० पटेल रोड, बोरिबली, (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घार 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984 को

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल, से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिता (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंदरण से हूर कि दी बाय की बाबत, उपत विधिनियम के बंधीन कर दोने के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या ेअन्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा श्री लिए।

नतः नन, उक्त निधित्यम कौ भारा 269-न कै, नन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन निम्तिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबेन चंपालाल जैन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

## **अंग्स्यो**

पर्लंट नं० 504, जो, 5वीं मंजिल, विंग बी, प्रेश प्रपार्टमेंटस् एस० वि०पटेल रोड, बोरिवली, (प), बम्बई-92 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैमाफि कु० गं० श्रई-4/37-ईई/10925 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक :- 12-3-1985 मोहर प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. - -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अभीन सुभना

## बार्व सरकार

# कार्यास्य, सहायक बायकर नायकर (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देण र्म० अई-4/37-ईई/11399/83-84--अतः मुसे ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी फ्लैंट नं० सी-13, जो मदवी देविदास लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयक्र अग्निवियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिकित वास्त्विक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- [का) बन्तारण वं हुई किसी बाय की बावत उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उद्यक्त नभने में सुनिधा के लिए; दौर/या
- (का) एसी किसी नाय वा किसी धन का जन्य जास्तियों नहें, जिन्हों भारतीय जाय कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना का बाहिए था, कियाने में सृदिधा के लिए:

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित काक्तियों, अधीर ए---

(1) श्रीमित आर० आर० खंघार।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० पी० सामंत ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध शह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकासन की शारीय है

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्भ

  किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
  चिक्ति में किए था सकेंगे।

स्वाक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्धों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वर्त्या

पलैट नं० सी०-13, जो मंदवी देविदास लेन, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है,

अनुसूची जैमा कि कम सं० अई-4/37-ईई/11399/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक 12-3-1985 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थमा

## भारत सरकार

# कार्यालयः, सहावक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, ब बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निर्देश मं० अर्ड, 4/37-ईई/10856/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिल इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० हुकान नं० 1, जो, ग्राउंड पलोर, इमारत नं० 2, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लैन, बोरिवली (प०) बम्बई 92 में स्थित है (ग्रीर इसने उपबाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्या के क्ष्मममन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूसे वह विकास करने का कारण है कि बयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके देवयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वचा प्रतिफल निम्निशिवत उक्के देव पंद्रक बंदरण विविद्य के बारतिक कर दे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बल्ताइण से हुई किसी बाद की बाबता, उक्त निवासिय के बचीन कर देने के शंतरक के शामित्व में कामी, करने या उससे बचने में सुविधाः के जिए; कौर/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकार बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत जिथिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

नतः। अन, उन्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसम्भ को, मैं, उन्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) भी वभीन, निस्तिविधित व्यक्तिस्यों, वर्षात् क्र---

(1) चंद्रेकांत एम० अजमेरा ।

(अन्तरक)

(2) डा० सुधिर वि० आशार ग्रौर अन्य । (अन्तिरती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के नियः कार्यवाहिकां करता हूं।

# दक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नार्धाव:----

- (क) इस सुचना से रायपन में प्रकाशन की तारी के 45 विस की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस. सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखा सैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितर बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाथानी की पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं 1, जो ग्राउड फ्लोर दमायत. नं 2, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन्, बोरिवली (प), बम्बर्ध-92 में स्थित है।

अनुसूचि जैसाको का संव आई-4/37-ईई/10856 श्रौर श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाव सक्षम प्रा∩धकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 12-3-1985

मोहर:

प्रकप बाह<sup>र</sup>् टी.. एव , एस... =====

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4 बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11448/83-84-अत मुझे

ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **ए**समें इसके परचात् 'उक्त अधिनिग्रम' कहा गया है), की धारा 2,69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रु से अधिक हैं

श्रांर जिसकी म० फ्नैट न० 1 जो सी न14 इलाक बोरिबली इमेराल्ड को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, जीवन बिमा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुमूची में ग्रीर पूर्णा रूप में वर्णित है ), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्तेयह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके इक्यमान प्रतिफल से एेसे इक्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यरण से हुए किसी बाग की बाबस, उचन अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कभी करने वा इसके बचने में सुविधा क सिए: मीर/वा
- '(वा) एसी किसी जागगा किसी भन या अन्य जास्तियों को, चिन्हां भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वग-कर **मधिनियम, 1957 (1957 का** 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया थाबाकियाचानाचाहिए था, छिपाने में सविभा औ विए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मों, उक्त आधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---

- (1) श्री ए० सिथनम्
- (अन्तरक)
- (2) श्री सी० जेकब और अन्य
- (अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति , जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

## उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखाय ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीया से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **ब्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भा उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

. फ्लैंट न० 1, जो,ब्राफ न० गी ~17 , बोरियली इमेराल्ड को० आपराटेव हार्जामन सामायटी लि०, जीवन बिम नगर, बोरिवली, (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुमूची जॅमाकि ऋ० म० अई-1/37-ईई/11448/ 84-85 श्रीर जा मजम प्राधिताला, बम्बई द्वारा दिनाक 2 जुलाई 1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायह ग्रामकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक 12-3-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्वेण सं० अई-4/37-ईई/11254/83-84— अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० प्ताट नं० 108, जो फ्लैट नं० 303, तीसरी मंजिल इमारत नं० बी०, साईबाबा नगर, बोरियली (प), बम्बई -92 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बॉगत है ), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थातृ :--- (1) श्रीमती रिटा प्रकाश शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल कांतीलाल ठक्कर

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में

से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची :

म्लाट नं० 108, जो म्लाट नं० 303 तीसरी, मंजिल इमारत नं० बी, साईबाबा नगर, बोरिवली, (प), बम्बई-92 में स्थित हैं ।

अनुमूची जैसािक ऋ० सं० अई-4/37-ईई 1/11254/ 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहुर 🙄

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म् (1) के बधीन सुमना

## भारत सरकार

# कार्यासम्, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बग्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई 4/37ईई/11031/83-84 म्रतः मुझे, लक्ष्मण चास,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तात् 'उन्दर्श अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो 2री मंजिल, ई विंग, विंग गुलिस्थान अपार्टमेंटस, प्लाट सी० टी० एस० नं० 1053/1 से 7 एस० वी० रोड़, दिहसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7 जुलाई 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि बभाप्बेंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच हुने अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिकत, निम्नितिबंद उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्रिक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई कियी अाम की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; करेंद्र/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः वंद, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुँ अधीन, निस्तृतिचित व्यक्तियमें, अधित् क्र-- (1) मैसर्स वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) नुरअली वाली मरेडिया ।

(भ्रन्स(रती)

(3) अन्तरकों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जाड़ी करकें पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के तिरु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# शब्द सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो की सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे

स्पष्क्ष्मिरण द्र--इसमें प्रयुक्त सन्दों महि पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसुची

फ्लैट नं 12 जो घूसरी मंजिल, "ई" विंग, गुलिस्थान अपार्टमेंटस, एस० वी० रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/137ईई/11031/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन–रेंज, 4 बम्बई

दिनांक :- 12-3-1985 मोहर ध प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च.(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिसांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई--4/37-ईई/11168/83-84-- अत: मुसे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 100,000/- रक. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लाट नं० 2 जो विसर्ग, को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, पाठारे वाडी, दिहसर (प), बम्बई 68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13 जुलाई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है

जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा .के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अभ या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर किंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विभा के लिए;

अतः वस, उकत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधाँत् :——
37—36 GI/85

(1) श्री वसल लक्ष्मण कुर्ते

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ जी॰ बी॰ चट्हाण

(अन्तiरती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके आधर्मांग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ,शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमः प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्सूखी

पलैट नं० 2 जो निसमं को आपरेटिब, हाउसिंग सोसायटी लि०, पाठारे घाडी, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई/11168/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा । स्नांक 13 जुलाई 1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन—रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🖫

प्रथम् बार्षं . टी ृष्र् . पृष् . -------

शम्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) की संधीन स्वना

#### बारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई **बम्बई**, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/11053/83-84 --अत: मुमे, ए० प्रसाद,

वायां र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 15, जो एच० नं० 3, सी० टी०
एस० नं० 1353, व्हिलेज दिहसर, बम्बई में स्थित है (और
इसने उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की
धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7 जुलाई 1984 को
को पुत्रेंक्त सम्भारत के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृथींक्त संपत्ति को उचित बाजार
क्षम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
क्षम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
क्षम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
क्षम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
क्षम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
क्षम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से लिए तय पाया गया प्रीयक्षम, जिस्मीलिक उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में वास्तक्षम, जिम्मीलिक उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जीध-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यव्तियों अर्थातु:—

- (1) श्री भास्कर आर पाटील भौर अन्य (अन्तरक).
- (2) मैंसर्स बी० आर० इंटरप्र।यजेस । (अन्सरिती)

को यह सूचना **जारी करके प्**र्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पर्कांकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों अर पदा का, जो उक्त विभिन्नियम के विभाग 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस विभाग में दिया वैवाही।

#### बत्स्ची

सर्वे नं० 15, एच नं० 3; सी० टी० एस० नं० 1353, व्हिलेज दहिसर, बम्बर्स में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37—ईई/1105384—85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम **प्राधिक**्री सहायक आयष्टर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्ब**ई**

विनोक: 12-3-1985

क्ष र पार्ट, द्वी. युव. हुस् त्र्यान्यान्यान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सुपता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4-बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेण संव अई-4/37-ईई/11059/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

नं 189 श्रीर 185, एच । नं 8, शिव वल्तभ रोड, अशोक वन के बाजू में, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), ग्रीर जिनका दरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 7 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एरयमान प्रतिकले से, एसे एरयमान प्रतिकल का पहरू प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आयं को बादल, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जाय-कार जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

- (1) श्रीमती जनाबाई डासहयाभाई देसाई श्रीर अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री बहुत्रली को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी (नियोजित),

(अन्तरिती)

# को बहु तुम्बा कारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित् के अर्पन् वो लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 विन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों सुचना की सामील से 30 दिन की बबधि, जो भी जनभि वाद में समाप्त होती हो, के भौतर पृथ**िक्य** भ्यानि त्याँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबहुच किमी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, को उथल विधिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिवा गरा⊺ र\*।

## अनुसूची

एग्रीकलचरल पीस आफ लएड विद्या सर्वे नं 189 भीर दहिसर (पूर्व) शिवा वल्लभ रोडु, 185, एच नं 8, अशोक बन के बाजू में, बम्बई में स्थिप्त है।

अनुसूची जैसा कि % रू० सं० अई—4/37/**ईई**/11**059** 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब्रई द्वारा दिनाक 7 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकल आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनांक : 12-3-1985

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-5 बम्बई

वम्बई दिनां । 12 मार्च 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/11080/83-84→-श्रतः मुझे, ए० श्रश्सद

बायकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उन्. से अधिक है

अंगर जिनकी संव पाट प्राफ लैंग्ड विथ 3 टेंग्ल्ड स्ट्रवर्म वेश्विपि ए 10 मंव 141, एचव गंव 1 (अंग), आंगर एमव गंव 142, एचव गंव 7 (अंग) सोव टींव एउव गंव 786 (1से 14) एकनार विलेश, इहिन्द (प) बम्बई 68 में स्थित है (आंग इससे उपावड धनुसूची में और पूर्ण घप से विणत है), और जिल्ला एखरनामा ध्राहरूप प्रविविधम, 1961 की धारा 269 ज, का के अग्रीत बम्बई स्थित मक्षम प्राविकारी लायनित से रिजस्ट्री है, दिनांच 9-7-1984

भी प्विस्ति संगत्ति के जिल्ला याजार मुल्य में कम ते हर्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुर्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके अध्यसन प्रतिफल में, एमे हर्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत है अधिक ही और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्ती रित्यों) के बीच एमें अन्तर्ण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मीनिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्मीनिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्मीनिखन नहीं किया एमा है :—

- (म) अम्तरण म हार्र विक्ती आद की बाबत. जलत अधिपायम के अधीन कर यात के बलारक क द्रायत्व में कमी करने पर उनाम बचार में मुविधा के लिए; शेरार्था
- (क) एंटी किसी बाय या किसी बन या अन्य शास्तियों का जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्ति स्वारा प्रकाद नहीं किया गया या या किया अन्ति नहीं ह्यारा प्रकाद नहीं किया गया वा या किया अन्ति नहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

णत. धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भीं, उचन अधिनियम की धारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) अनंत कन्स्ट्रभणन वापरियन।

(ग्रन्तरः)

(2) परेडाईम मेटलम ।

(भ्रन्तरिनी)

(3) प्रन्तिरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)।

(4) अन्तरिती ।

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हिनबड़ है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रत सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वार!;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा,सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अंत संपत्ति

प्लाट आफ लैंडु विश्व 3 टेंनन्टेंड स्ट्रबचर्स वेअरिंग एस० नं० 141, एम० नं० 1 (अंध) और एस० नं० 142 एस० नं० 7 (अंध), सी० टी० एस० नं० 786 (1 से 14), एमनार विलेज, दहिसर (प०), बम्बई 68 में स्थित है। अनुसूची जैना कि ऋ० नं० अई-4/37-ईई/11080/ 84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 9-7-1944 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, संभग प्राविकारी, सहायक द्रायक्त (किरीक्षण), क्राजैन रोज-4, बस्बई

दिनांक 12-3-1984 मोहर : प्रकथ कार्द्र, टी, एन. एस. = - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### नारत बह्नाड

कार्यालय, महायक आम्यकर आमृक्त (निरीक्षण)

श्रार्थम रेज-4, शम्बई

बम्बर्ड, बिनांब 12 मार्च 1,985

सिर्वेण म'० शई-4/37-ईई/11033/83--84----प्रा: मुझी, ए० प्रातन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रथात (उन्त अधिनियम कहा गया हो), की भार 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण की कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- राज से अधिक है

अंद जिल्ली सं पनेट नं 2, जो, प्राउंड पलंद, "ही" विग, जुनिलान प्रार्टमेंट्रस, प्रार्ट वेश्विता मी टी एन नं 1053/1 से 7, एम वी राग, दिस्सर (पूर्व), बम्बई में स्थिन है (और इससे उपावज प्रसुपूर्वो में आर पूर्ण क्य से बणिन है), और जिल्ला प्रारंतामा प्रायक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितार के त्रार्थात्य से रिजर्दी है, दिनांच 7-7-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ है और मूफे यह विश्वास करने का बारण है कि एशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिषत से अविक ही और अन्तरित (अन्तरितारों) और अन्तरिती (अन्तरितारां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तप्रपाय गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्यश्य में प्रयत्न अन्तरण निकात में वास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) सम्मरण से हुई फिली आम की बासता, उदस अधिनियम के अधीन कर दर्भ के अन्तरक के दायित्व मों कभी अन्तर्भ मा उसमें इप्यन मों स्थित्य मालक्ष्य सीर/या
- (क्ष) एसी किसी नाम या किसी भन ना नन्य आस्तिनी की, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विभा के निए।

बतः अवः, उत्तत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मैं, मैं, उत्तत अधिनियम की शारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधात् ॥— (1) वेस्टर्न इंडिया जिल्डर्स।

(ग्रन्तर्ः)

(2) हबीश्रनाई समग्रुद्दीन मंजीयानी, और मोहम्मदश्रिती समग्रुद्दीन मंजीयानी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

का यह मृचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ श्रुफ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड्र भी अरक्षेप :- -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्परदीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिथ गया हैं।

#### वगत्त्री

फ्लैट नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, ''डी'' विग, गुलिस्तान भ्रानार्टमैंटस, प्लाट बेश्चरिंग मी०टी०एस०नं० 1053/1 से 7, एन० बी० रोड, दहिस्स (पूर्व) अन्बर्ध में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37 ईई/11033/ 84-85 जार जा लक्ष्म प्राधिनारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-7-1984 को रजिस्टई िया गया है।

> ए० प्रनाद, सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्भन रोज-4, बस्बर्द

दिनांक 12-3-1985 मोहर:

# वस्य जोह<sup>त</sup>्टी . एन् . एस . ------

भायकर लिंबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में लधीन सूचना

#### मादव बदकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, अम्बर्ध

बम्बर्ड, दिनाक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/2291/83--84---झतः मुझे, ए० प्रशाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रभात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० दुशन नं० 3, जो प्लाट नं० 18, सी० टी० एन० नं० 897, एल० टी० रोड, दिहसर रेलवे स्टेशन सामने, दिहसर (प), यम्बई 68 में स्थित है। और इनसे (उपायद अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणित है), और जिनका कराउन्सा श्रायकर श्रीविन्यम 1961 की घारा 169 प, ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्ड़ी है दिनांव 13-7-1984

को पूर्वीवत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उन त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिभा के निए;

अतः अव, उठ त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) मैसर्भ जिलाईट इंटरप्रायजेस ।

(भ्रदायक)

- (2) मैं भर्म बी० झार० कदम और कंपनी। (ऋग्तरिती)
- (4) रामचंद्र राजाराम तावडे और भ्रन्य । (वह व्यक्ति, जिसके बारे सें श्रश्रीहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पति सें हितबद्ध हैं)

न्त्रं यह सुमना कारी करके पृत्रों कर सम्पृतित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **भ**न्सूची

दुशान नं० 3, जो प्लांट नं० 18, सी० टी० एस० नं० 897, एल० टी० रोड, दिहसर रेलवे स्टेशन के सामने, दिहसर, पश्चिम बम्धई 68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से प्रई-4/37-ईई/2291/ 83-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिशारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, यस्बई

विनांक 12-3-1985 **मोहर**ः प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-४, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश • नं ० श्रई-4/37-ईई/11044/83-84→श्रसः मुझे, ए० प्रशाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रेष्ठ विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औं जिसकी संव दुवान नंव 5, जी ग्राऊंड फ्लोर, हरी शंकर जोणी रोड, एिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (और इससे उपात्रद्ध प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका कर एतामा प्रायक्षर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, खें प्रधीन अध्वाद स्थित सक्षम प्राधिकारी के धार्यालय में रिजिस्त्री हैं दिशोज 7-7-1984

को पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० भी० माही।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमित माना श्रर्जनदास केणवानी।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरक ।

(बहब्यक्ति जिसके अधियाम में लम्मति है)

का मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अधिक, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ह) इस सूचना को राजपत्र यो प्रशाहन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्की

दुसान नं० 5, जो ग्राउंड फ्लार, ह्रीशंसर जोशी, रोड, इहिमर (पूर्व) अम्बर्द, 68 सें स्थित है।

अप्रभूषी जैंग कि कर संर अर्थ-4/37-ई%/11044/ 84-85 और जी संक्षत प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-7-1984 को रिजिटई किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (सिरीक्षण) ऋर्जन रोज-4, बस्बई

दिनाँ : 10-3-19**8**5

# प्रकल कार्ड, टी. एन. एस्,-----

# कायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की णरा 269-ण (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यानव, सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 12 मार्च 1985

निर्देश गं० अर्द-3/37--ईई/11029/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आसंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंगर जिल्ली से पर्लेट ने 0 11, जो 2री मजिल "डी" बिंग, गुलिस्थान अपार्टमेंट, प्लाट बेश्वरिंग सी 0 टी 0 एस 0 नं 0 1053/1 से 7, एस 0 बी 0 रोड, दिस्सर (पूर्व), बावई में स्थित हैं (और इस्से उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं), और जिस्सा धरारनामा श्रीयकर श्रिधित्सम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिशारी के वार्याण्य से रिजिस्ट्री हैं, दिना र 7-7-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुमें रह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का स्थात का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का स्थात का स्थात करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का स्थात का स्थात करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का स्थात का पदह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए कम पाया गया प्रतिकल निम्निस्ति उद्विध्य से उस्त अन्तरण कि सित में वास्तिकल निम्निस्ति उद्विध्य से उस्त अन्तरण कि सित में वास्तिकल निम्निस्ति उद्विध्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तिकल कप से अधिक नहीं किया गया है :---

- ्ता) सन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त पितिसम के घड़ीन कर देने के घलारण के दासित्य के कड़ी करने मा उसमें क्षाने में सुविधा के सिए: और/का
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १०२१ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का पर कर अधिनियम, का पर कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के उपाजनार्थ कर्नारिनी दवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिवधा के लिए।

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिकत व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैंसर्भ वेस्टर्न इंडिया बिल्डर्स ।

(अन्तरस्य)

(2) श्री रहोम वाली मरेडिया ।

(श्रन्तार्याः)

(3) श्रान्तरका

(यह व्यक्ति जिल्लो अविभोग में ज्यानि है)

को मह सुमना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की . कारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ल 45 दिन को भीतर उपक्त स्थापर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्यें।

स्पथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ प्रवास अध्याद में दिया गया है।

#### गम संची

पर्नेष्ट नं० 11, जो 2र्ग मंजिल, "डी" विंग, गुलिस्थान श्रपटिमेंट, प्राट वेद्यरिंग सी० टी० एम० नं० 1053/1 से 7, एस० वी० रोड, दिहार (पूर्व), बम्बई ।

श्रतुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/11029/ 84-85 और जो अक्षम प्राधि असे बस्पई द्वारा दिनांक 7-7-1984 की एनिस्टई क्रिया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आक्षकर प्रायुक्त (विर्शक्षण) प्रजैन रोज-४, सम्बद्ध

दिनांक 12-3-1985 मोहर

मुक्त बार्यः, श्रीन एक्त एवं . -------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत संस्काड

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

महायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च, 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/11196,84-84-अतः म्झे, ए० प्रसाद

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-रू के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मरू

1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० द्कान नं० ए-ए-2,6, जो छत्रपती णिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका भरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्दी है दिनांक 13-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मरुप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का रन्त्रह प्रतिचत से मधिक है और मंतरक (मंतरकों) मौर मंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के मिए तम नामा गया प्रति-कल मिम्नसिवित उद्देषय से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक म्प से कथित नहीं **किया गया है** ६----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, इक्त विभिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा व्देतिए; वीर∕वा
- 🐿 ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य अवस्तियों को. जिन्ह<sup>ा</sup> भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिक्सा रे लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण . मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) 🔫 क्रफीत, निकासि**सित व्यक्तियाँ, वशाँत ४.**---38-36GI/85

1.स्पिस बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2 श्री रमेश चन्द्र बी० धारोड।

(अन्तरिती)

को यह त्वना बारी कहके पूर्वोक्त संपत्ति में वर्षन के सिद् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विव की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी कै पास सिवित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः--इसमी प्रयुक्त संबंधे नीर पद्यों का, भी सम्बं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

दुकान नं० ए-1-ए-2,6, जो छत्रपनी शिवाजी **रोड**, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4,37ईई/11196/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 13-7-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

# मक्त बार्ड्, दी. एन. एस. ------

बाबकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सूरकार

कार्यांसय, सहायक नायक र नायुक्त (निराक्तण)

अर्जन रंज-4, बम्बई

बम्बर्ছ, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं. आर्डः -4/37ईडिं/11424/83-84---अतः मुक्ते ए. प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त विधीनयम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 4, जो ग्राउन्ड पलोअर, इमारत नं. 8'ए'', संक्टर-2, जानन्द नगर, लेआउट, दिहसर (पूर्व), तालूका सालमेटटो, बम्बर्ड में स्थित हौ (और इससे उपाबद्ध अन्सूषी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हौ) और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क स के अधीन, बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हौ, तारील 28-7-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके "प्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से पिक है और वंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसीचत उद्देश्य से उच्त बंतरण कैनिचत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) नसारण से हुई किसी नाम की बाबल, उच्छें निधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वाजित्य में कजी करने या उससे क्यारे में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) एमी किसी नाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुदिशा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- 1. भैंसर्स, होपी होम हाउसिंग एजेन्सी,। (अन्तरक)
- 2. श्री करसनभाई, खुशालभाई मिस्त्री और श्रीमती भानमती करसनभाई मिस्त्री। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को सर्वन के लिए कार्यनाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध के कोई भी आशोप है---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनींच ना तत्वन्यन्थी स्थितियों एर सूचना की तासींच से 30 दिन की समित्र जो भी वनींच बाद में सुनान्य होती हो, के भीतर पूर्वोंचर स्थितामों में से किसी स्थित द्वाडा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किशी कम्य म्यक्ति व्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किमें वा सकींगे।

स्वृद्धकीकरण:—दसमें प्रयुक्त बृद्धि वर्षे का, को उक्त वर्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वर्षे उस अध्याय में दिया नवाही।

## नन्त्रची

बुकान नं. 4, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं. 8''ए'', सेक्टर-2, आनंद नगर, लेआउट, दिहसरा (पूर्व), तालूका साल-सेटट में स्थित है।

बनुसूची जैसा कि क. सं. बर्झ-4/37ईई/11424/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रींज-4, बम्बई

तारीख : 21-2-1985

मोहरु 🖟

प्ररूप बाई .टी. एम. एस. ------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/10963/83-84—अतः मुझे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, इमारस, नं० 8, सैक्टर-2, आनन्द नगर, लेआउट, दिह्सर (पूर्व), तालुका, मालसेटडे, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीन,

1. मैसर्स हपी, होम हाउसिंग एजन्सी।

(अन्तरक)

2. श्री चिरन्जीलाल, नथूणहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सँमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं :

# अनुसूची

दुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, इमारत, नं० 8, सेक्टर-2, आनन्द नगर, लेआउट, दहिसर (पूर्व), तालुका सालसेटटे, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैस कि क० सं० अई-4/37ईई/10963/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 6-7-1984 को रिजस्ट्रई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-3-1985 मोहर: प्ररूप मार्च, टी, एन्य एस. -----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजन, सहायक नामकार मायुक्त (निरीनाम)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-4/37 ईई/11423/83-84—अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिंपिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सैंपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, इमारत नं० 8, सेक्टर 2, आनन्द नगर, लेआउट, दिहसर (पूर्व) में सालुका, मालसेटटे, बम्बई में स्थित है श्रौर जिससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 28-7-1984

की पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकात में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी जाय की वायत, उनत निधिनियम के नभीन कर देने के जन्तरक जी दायित्य में कमी करने वा उसके वचने में सुविधा के निए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरकः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, 'मन्तिखित व्यक्तियों, वर्षात् हु—ः 1. मैसर्स हंपी, होम हार्जसंग एजन्सी।

(अन्तरक)

 श्री मनसुखलाल देवचन्द दोडिया, श्रीर श्री शांतीलाल देवचन्द, दोढिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

# अन्त संपत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी नासेय :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथ हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## नगसर्वी

दुकान नं 11, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, इमारत नं 8, सेक्टर 2, आनन्द नगर, लेआउट, दिहसर (पूर्व), तालुका, सालसाटटे बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 4/37ईई/11423/84-85 श्रीर जो.सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**र्ह**

दिनोक: 12-3-1985

मोहर 🖠

प्रस्य बार्ड , टी., एन , एस , ह - - ---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं ० अई 4/37ईई/11397/83-84—अतः मुझे। ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 602, जो 6 की मंजिल, राधाकृष्ण अपार्टमेन्ट्स, एस० वी० रोड, दिह्सर, (पूर्व), वस्वई 68 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप रे विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1962 की धारा 269 कख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीहैं दिनांक 28-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी नाय की वायतः, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उक्क वचने वें सुविधा के तिए; शार/या
- (क) एल्ली किसी आय या किसी धन या जन्य आस्कियों को, जिन्हू भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थित में सुविधा के निए:

सत् अत्र अस्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में म<sup>4</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, क्षकॉत् ह— 1. मैसर्स ठाकर कन्स्ट्रक्शसन

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी, विट्ठल प्रभुगांवकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, अपे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

फ्लैटनं० 602,जो 6 वीं मंजिल, राधाकृष्ण अपार्टमेन्ट, एस० वी०रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 4/37/ईई/11397/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 28-7 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बस्बई

दिनांक: 12-3-85

मोहर 🛴

प्रक्ष<u>ः</u> वाद<sup>\*</sup>ः टीः पुत्ः पुत्ः - - - = -

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं ० अई 4/37ईई/11398/83-84—अतः मुझें, ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं०601, जो, 6 वीं मंजिल, राधाऋषण अपार्टमेन्ट, एस० वि० रोड, दिह्मर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा जायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 28-7-84

को पूर्वित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल क्या से कामान उपित अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल क्या से कामान उपित अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल क्या से कामान उपित का स्वाप्त के सामान का स्वाप्त के बाद्य से अन्तरण के सिए तय स्वाप्त का प्रतिफल क्या से कामान वाहित से वास्तिक क्या से कामान वाहित का स्वाप्त का स्वाप्त

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की क्षावत उक्त जिम्मित्यन के अभीन कर दोने के जन्तरक के दारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जर/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाह्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

ा. मैससं ठाकर, कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

2. डा० विट्ठल रघुनाथ, प्रभुगांवकर।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

· अन्त सम्परित के क्षेत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वृवानः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त श्रृब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# मग्त्र ची

फ्लैंट नं ० 601, जो 6 वीं मंजिल, राधाकृष्ण अपार्टपेन्ट, एस ० वि रोड, दहिसर, (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37ईई/11398/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, ब्रारा, दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, **बस्बई**

दिनांक 12-3-1985

मोहर 🛚

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

**ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, स्हाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनर्रेज 4 , बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अर्द 4/37ईई/10920/83-84---अतः मुर्झे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका िचत बाजार मूल्ब 1,00,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206, जो राजा ज्या अपार्टमेन्ट सी० टी० एस० नं० 1182, श्रीर 1182/टाम० एस० वी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिमांक 2-7-1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्ड है और मभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि गथापबेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त जन्तरण सिलिस में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हाइ किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे वचने में तृषिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. ठाकर कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

- 2. (1) अझिभभाई, धरमशी भाई, बर्तेजी, श्रीर
  - (2) बहीन, धरमशी भाई वर्तेजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बर्गि के अर्चन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उनत तन्त्रति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो बी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिसित में किए वा सकरें।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, वो उन्त अधिनियम को अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा है है

## मन्त्रकी

फ्लैंट नं० 206, जो राधाकृष्ण अपार्टमेन्ट, सी०टी०एस० नं० 1182, भीर 1182/1, एस० वि०रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 4/37ईई/10920/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज:4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

प्रस्प नाइ. टी. एन. एउ.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत चडकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई,दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देण मं० अई-4/37ईई/10880/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 406, जो सी ० टी ० एम ० नं ० 1182, ग्रीर 1182/1, दिहमर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्ता, अक्त अभिनियम के अभीन कह दोने के अन्तरक के वाधिस्व में कमी शहरे या उससे वचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्थिता के लिए;

अत: अत, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्यितिखन, व्यक्तियों, अर्थात् :— ठाकर कन्स्ट्रकगन।

(अन्तर्क)

2. श्रंजना, ललित काकैया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अपूरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुवान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूनना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;

स्वध्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में विया भवा है !

#### **मन्स्**ची

पलैंट नं० 406, जो सी०टी० एस० नं० 1182/ श्रौर 1182/1, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई०-4/37ईई/10880/83-84 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहरुः

प्रकार कार्ड. टी. एन. एस. . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-4, वस्त्रई वस्त्रई, दिनांक 12 मार्च, 1985

निर्देश मं० अई-4/37ईई/11205/84-85——अतः मुझ, ए० प्रसाद,

्र शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए33, जो 3 री मंजिल चन्द्रलोक सर्वे नं० 260, एच० नं० 2, जे० एस० रोड दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल्ल के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल्य में रिजस्ट्री है दिनांक 13-7 1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हूँ और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्ध अन्तर्रार्टी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण गें, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

39\_36GI/85

1. श्री हरेश जी० पारंख :

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रकाण वासुदेव गोवें हर प्रोप्त श्रीमती अंजली प्रकाण गोवे हर ।

(ग्रन(रती)

को यह स्वना बारी करके प्रवासत सकता है जान के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकारन की तारीस क्षे 45 दिन की अवधि या तत्सराकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिए का धर्मां भी अवधि बाद मों समाप्त होती हैं।, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारण की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त रहा गा प्राणि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार के लिस किस में किए जा सकीं .

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों की पहा का अक्ट अधिनियम के अध्याद १००% में परिभाषित है, नहीं अर्थ होना, को स्थ अध्याय में दिशा गया है।

#### इन संची

प्लैंट नं ए-33, जो 3 री मंजिल चल्लोर सर्वे नं 260 एच० नं 2, जे० एस० रोड दहिस्य (१०) ाम्बई-68 में स्थित है।

श्रमुस्त्री जैसा कि ऋ० सं० श्रई-437 िं11295/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्पर्व हारा दिव<sup>†</sup> 13-7-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद जन प्राणिक्षण सहायक आपक्षण १८०३ (विक्. १७) सामि रीत-४, वस्वरी

दिनांक: 12-3-1985

मोह्नर 🥫

प्रकार नार्येख दौज एवज प्रत<sub>ास</sub>------

नामकर नीजनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नभीन सुजना

#### साइव सड्कार

कार्यासव, सहायक सायकर जायुक्त (निर्दोक्तण) ग्रजैंस रेंज-4, बस्बई जस्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निवेश सं० ग्रई-4/37ईई/11375/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'छक्त निभिनयम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के नभीन सक्तम प्राधिकारी कों., यह विद्यास करने का कारक ह" कि स्थावर संपरित विसका उचित वाबाद स्कार्

100,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी संव फ्लैट नंव 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर जय निजय,
111-112, एलव टीव रोड, बोरिवली, (पव), बम्बई-92 में
स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
निज्यत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961
की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 2-7-1984

को प्वानित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वित्यक्त के निरु बन्तरित की गई है, बीर मुक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संगीत्त का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्माम प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिकात, निम्मृतिबन्त उद्योग से उपत बन्तरण किवाब प्रतिकात स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) करारण वे हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-एंग्यूब के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निग्र; बीर/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी घन या जन्य ज्ञास्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाध-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उबत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क जन्तिरिही ब्वास प्रकट रहीं किया बया वा वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त अधिक्तमां, अधीन हिन्न

ा. श्री धीरजलाल, वि० मोदी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० के० नारायनदास और श्रीमती टी० के० प्रथिण ।

(भ्रन्तरिनी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यशाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाषाप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीएर उब्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्यीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुबा है।

## नन्त्र्यी

पलैट नं० 1, जो ग्राउन्ड, क्लोर, जय विजय "ए" 111-112, एस० टी० रोड, बोरियली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-4/37ईई/11375/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजम्टिङ किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🕽

प्ररूप आहें, टी. एन्. एस 👉 🕬 🗝 🗝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वस्यई, दिनांक 12 मार्च, 1985 निदेश सं० श्रर्ध-4/37ईई/10873/84-85---

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/10873/84-85--- भ्रत: मुझे; ए० प्रसाद,

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह गिश्वास करने का आरफ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1097, जो सर्वे नं० 152, रघुवंणी, अपार्टमेन्टम, इमारन, मी० एफ-301, 3 री मंजिल, चन्द्रावरकर, रोष्ड, बोरिजली (प०), वस्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल सं एमं दृश्यमान प्रतिकाल के पन्तर्ह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकाल, निम्नितिश्वित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ये हुए किसी आय कर्ष वायत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कैं दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुबरण जो, जो उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के जधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियो, अर्थात :---- 1. रघुवंशी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. डा० वसंत ग्रनंत खटाव।

(श्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुन्।

उक्स संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पूर् सूचना की तामीस से 30 दिन की अवस्थित को सी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यगस्य

र्मा० टी० एम० नं० 1097, एस० नं० 152, रधुवंशी, अपार्टमेन्ट्स इमारत सी एफ-301, 3 री मंजिल, चंदावरकर रोड, बारिवली, (प०), बम्बर्डमें स्थित है।

यनुगूची जैसा कि कर सं यहीर-4/37ईई/10873/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा, दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-४, त्रम्बई

दिनांक: 12-3-1985

ार्ष**े ठो. एव. एव. —** 

मामकर लिकि तका, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सुम्ता

## मन्दर सरकार

कार्या 🕾 👌 🕾 अध्यक्ष वाबुक्त (निरीक्षण)

२०११ विज्ञास, व**म्बई** सम्बद्धाः (क्लाकः १**० मार्चः, 1985** 

निक्षेण संर अं*चि/37ईई/11115/84*-85——**अ**त: मुझे, ए० असाव

आयकर अभिनियास १५०३ (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परपान् २०० अंगिनियम कहा गया है) की भारा 269-त के अथार । १५४आपी की, यह विश्वास करने का कारण औं १००० है। १००० जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 है। १००० जिसका है

और जिन्नकी ने रास्तानं है ई-21, जो फ्लैंट नं 201, योगीनकर, जनके का नाश्यानी (पर), बम्बई-92 में स्थित है (जोर इसरे प्रमुखी में और पूर्ण क्ष्म में बणित हैं) और जिन्कार अधिनयम 1961 की धारा 269 कुछ का स्थान के नार्वित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिश्वीत करार कर कर कर स

कर प्रविकास स्थान के अलड़ वाजार मृत्य से कम के स्थमान यानपान के कि जिल्हा ही और मुभ्ने यह विश्वास यानपान के कि उपकार संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपकार के कि जिल्हा संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपकार के कि जिल्हा संपत्ति का उचित बाजार स्थान प्रविकास के कि जिल्हा स्थान प्रतिफल का स्थान प्रविकास के जिल्हा स्थान प्रविकास प्रविकास के निष्या स्थान प्रविकास स्थान के सिवास में साम्बर्ध

- (क) अवस्ति का इंदि किसी आय की बाबत, उक्त हो अवदिस की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भी उभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर दि
- (स) ए.सी स्कार पान या किसी भन या कन्य जास्तिकों स्वर्ग, विकार पानित्रमा, 1922 स्वर्ग, विकार पान स्वर्ग स्वर्गनित्रमा या चन्त स्विभिन्नयम या चन्त स्वर्गनित्रमा या चन्त स्वर्गनित्रमा या चन्त स्वर्गनित्रमा पान पान पान स्वर्गनित्रमा पान पान स्वर्गनित्रमा स्वर्यम्य स्वर्गनित्रमा स्वर्यम्य स्वर्गनित्रमा स्वर्यम्य स्वर्यम स्वर्यस्वरमा स्वर्यस्वरम्यस्वरम्यस्वरम्यस्यस्वरम्यस्वरम्यस्वरम्यस्वरम्

अत. १८० । वेदास की धारा 269-ग के अनुसरण को भी, उक्षर की धीराम की धारा 269-**ग का उपभारा (1)** द तक्षर का कर का स्थाप का स्थाप १८० विकास मैसर्स, जिवय नगर, कार्पारेणन ।

(ग्रन्तरक)

 श्री मनहर जी० जाननपुता, आर श्रीमती डी० जी० जोनबनपूता ।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति को अर्थन को तिए कार्यवाहियां करता हो।

# **उक्ट सम्म**ित के जर्मन के सम्मन्ध में कांद्रों भी आधीप ह----

- (क) इस नुषमा के राजपन को अकायन की हारीब से 45 दिन की अन्निक्ष या तहन्त्रकार्यों व्यक्तियों पर सुबना की तामील से 30 दिन की अन्निन, जो की व्यक्ति बाद में समाप्त हार्यों हों, के भीतन पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृत्तार्य;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है, 45 दिन के भीतर उपने स्थावर संवर्ण से में हिड़-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के शम लिग्निह यो किस्स का स्वरंग न

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियस, के अध्याद 20-के र परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

# अनुसुची

इम्राप्त नं० ई-21, जो फ्लैट नं० 201, योगीनगर एक्सार रीड, बोरिबर्ली (प०), बस्बई-92 से स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० सई-4/37ईई/11115/84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनाक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए.० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर श्रीयुक्त निरीक्षण) अर्जन रंज-४, बम्बई

दिनांक 14-3-1985 गोहर: प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 वम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश मं० अर्द्द-4, 37-ईई, 10842, 84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 021, जो दूसरी मंजिल, भूपन अपार्टमेंटस, सिम्पोली रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण च्य में बिणिस है ), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं , दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए नय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धूर्व किसी बाव की वाबक्ष, उनक्ष अधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक को वासित्य में अपनी खरने वा सक्सी अधने में बृविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर बिधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपानै में धावधा को लिए;

कतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नियिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) भैसर्स भूपन कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर मास्ती पोक ।

(अन्त'रिती)

(3) अन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं )

की यह भूषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितवद्य किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्कितकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### नग्रुमा

फ्लैंट नं० 21. जो. 2 री मंजिल, भूषन अपार्टमेंटम सिम्पोली रोड. बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क०मं० अई-4,37-ईई,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

नारीख: 12-3-1985

मांहर:

# प्रकृष कार्यं 🖫 दर्जे । एन् व एस 🚉 - 🕒 🗷 🗷 🗷

# भागकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुन्ता

#### ब्रार्त सरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर भागृक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेण सं० अई-4/37-ईई/10927/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीए, जिसका उपित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 स्रीर पार्ट आंफ 202, अलकनंदा बी, व्हिलेज, एक्सार तालूका बोरिवली, एस० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थिम हैं। (स्रीर इसमें उपावड अनुसूची में स्रीर पूर्ण च्या से बणित हैं) स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तीरत की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिचित उद्देश्य से उनते अन्तरण मिणित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है हैं—

- (क) बन्सरण से हुई किसी जाय की बावज, बन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के साबित्य में कमी करने या उससे बचने में श्रुविधा औ निए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स मोहन कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

- (2) डां० (श्रीमती) उर्वशी आर० देसाई। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क)। इस सृथना के राजपत्र में प्रकशन की तारीं से 45 दिन की श्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविध, जो ी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकैंगे

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, श्रीर पार्ट ऑफ 202, 'अलकनंदा' बी, व्हिलेज एक्सार, तालूका बोरिवली, एल०टी० रोड, बो ली (प)(बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-4/37-ईई/10927,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🚁

# प्रकृप आहें. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वका

#### भारत सरकार

# कार्यासय, शहायक नायकर नायुव्य (प्रिरीक्ष्)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11219/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह नियमास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुक्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, 'बी' इमारस, "अलकनंदा" इमारस, व्हिलेज एक्सार, एल०टी० रोड, वाभई नाका, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूस्य से कम के कावान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते कावान प्रतिकल का पंकर प्रतिकल के लिए तथ पाया गरी प्रतिकल से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गरी प्रतिकल किल निम्मलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विक्रिक्त में बास्तविक स्था ते कथित नहीं किया नमा है हि—

- (क) अन्तरम कं हुई रिक्की मान की बाबत्, उनका जिल्लीनम्ब के अधीन कर दोने के मन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुरिष्धा के विष्; और/या
- (क) ऐसी किसी नान या किसी भन या कम्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्यमा, वा धन-कर निभिन्यमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया मृद्या था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्थिभ के सिस्ह;

सतः जब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग वी जनसरण को, में जनसरण को, में जिल्ला विभिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जभीत् ा—

(1) मैसर्म मोहन कन्स्ट्रकशन्स ।

(अन्सरक)

(2) 1. अरविंद जगन्नाथ साट विडकर ऋौर अन्य।

(अन्त(रती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के तस्यन्य में कोई आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीय से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलाह में किए का सकनें।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

#### अन्स्ची

पलैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, बी-इमारत, "अलंक-नंदा", व्हिलेज एक्सार, एल०टी० रोड, बाभई नाका, बोरि-वली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-4/37-ईई/11219/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्ह

वारी**ख**: 12-3-1985

# प्रकृप आर्थे . टी . एम . एस् . ------

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के मंभीन सुपना

#### भारत सर्कार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/11283/84-85---अतः मुझे; ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संचित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्लीर जिसकी मं० फ्लट नं० ए-17, जो, मध् जीवन ज्योति को-आंप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, कस्तूरबा क्रांस रोष्ट नं० 1, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण व्या से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधिन बाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रतिक्तस को निए अन्तरित की गई है और मूभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिकृत से, एसे द्रयमान प्रतिकृत का वन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंद्विरती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिकृत निम्नितियाँ उद्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्त-

- (क) जनसरह ते हुए किसी बाव की शवर, उनस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सावित्व में कभी करने या उनस्ये अवने में स्थिता के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों स्थे, चिन्हें भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया स्था बाया किया वाना चारिए था कियाने में स्विभा के बिदः;

बतः वय, रक्त जीभनितम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) चै अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत :--- (1) श्रीमती सिवता गुलावराय मेहता श्रीर अस्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना अनील मिस्त्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ही बाधीय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 बिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास निस्ति मा किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्याकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वय संची

प्लेट नं० ए-17, जो, मधु जीवन ज्योति को-ऑप हाउमिंग सोसाइटी लि०, कस्तूरबा क्रॉम रोड नं० 1, बोरिवली (प०), बस्बई-66 में स्थित हैं।

अनुमूची जैसाकी करूपं० अई-4/37-ईई/11283/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बाई

सारी**ख**: 12-3-1985

मोहर ः

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धीरों 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईई/11036/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फलोअर, इमारत नं० बी-2, रत्तन नगर सिक्रम, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है), ग्रौर जिनका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त संगिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरगमान प्रिंतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तारितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा गवा प्रतिफल के लन, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सूविभा के लिए; और/था
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
40—36GI/85

- (1) मेसर्स परमा नांच विरुद्ध प्रायवेष्ट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री ए० आत्माराम शोभराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्मत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसर्ची

दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फलोअर, इमारत नं० बी-2, रक्तन मगर स्किम, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि फ॰सं॰ अई-4/37-ईई/11036/84-85 भीर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

**तारीच**: 12-3-1985

प्ररूप बार्च. टी. एन. इस. ----

नायकर अधिनियम, 1967 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कायासय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11444/83-84— अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्कार करने के कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उधिस बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फलेट नं०, 3, जो, प्रमन्न प्रभा की-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ए-6/5, जीवन बीमा नगर, बोरिकली (प०), बम्बई-103 में स्थित है। (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी है कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिभाग के कि उच्चा करने के अर्थ मुमें गाउँ विकास करने का कारण है कि उधापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक कि कि उच्चा के कि गाम अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक कि कि गाम अन्तरक के किए तथ पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण निष्धित में अप्सिक्त स्थ में अधिक नहीं किया गया है :—-

- (क) बन्धरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत ग्रायीण्या, के अधील कर दाने के अस्तरक से दाराक्ष्य की कामी करने या उससे बचने में मुल्कि के लिए। अफि/शा
- (स) ए.सी किसी काय या किसी धन या अन्य असम्बद्धां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १४) के उन्न अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्तार्थ केत्रियी दुसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग दाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, जक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० पुण्यवती।

(जन्उए हमे)

(2) श्री एस० वि०लाड ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति, जितके अधिमोग में सम्बत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए इत्यंतिहियां करता हू ।

उक्त सम्प्रति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण मं प्रकाशन की तारीख अं 45 दिन की अवाज या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीजर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरी के पार निर्माणत में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

## भ्रनुसूच।

फ्लेप्ट नं० 3, जो, प्रमन्न प्रमा की-भौर० हाउँ निग सोता-इटी लि०, ए-6/5, जीवन बिमा नगर, बोरिबली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकि क्र०सै० अई-4/37-ईई/11444/84-85 झौर जो सक्षय प्राधिकारी, जम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

प्रक्रम बाह्", ही, एन एस. ----

आसकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

## मारत बहुकार

कार्यां नय, सङ्गायक कायकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० भई-4/37-ईई/10994/83-84---- भूते, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िस्म इसमा ६ ६६६६) पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापय स अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० पलेट नं० 405, जो, 4 थीं मंजिल, इमारत नं० डॉ-30, योगोनगर, एक्सार रोंड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के रहयमान श्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्मे यह ।वहवास करन का कारण है कि रमाप्यक्ति सपित्त का उपित बाजार मृत्य उसके रहयमान श्रीतफ से से, एसे रहममान श्रीतफ स का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है जोर अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) से बौक् एसे बन्तरक से निए तम वामा नवा प्रतिफ स निम्निनिक्त उद्योदन से उक्त क्तरण मिथित में धासा विक कप स सावत नहीं किया क्या है :---

- (क) बन्दर्भ सं हुई किसी बाय की बाब्द, जन्द बीजीनग्रम के बजीन कर बजे के बन्दरक के द्यापरन में कभी करने या उसस बजन मा सुविधा के लिए; बार/मा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में धृविधा के लिए।

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियो. अर्थात् :--- (1) श्री मुकेश लल्लुभाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री महेणकुमार रोणनलाल दालमिया ग्रीर अन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्मिक्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वा की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील में 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वार। अक्षोहरतांशरी के पास िकित में किस्र जा सकों।

स्पष्टीकरण: -- प्रसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क, के जिल्लाचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय यो विका यहा हैं।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 405, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० डी-30, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 मं स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी ऋ०स० श्रई-4/37-ईई/10994/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड गया गया है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, बम्ब

तारीख: 12-3-1985

मांहर:

प्ररूप वाइ. टी. एन. एस. ------

नायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) से वर्षीय सुचना

#### भारक सरकार

# कायीलय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निवेश सं० मई-4/37-ईई/11431/83-84---- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर विधिविषयं, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसके इसके परवात् 'जाकत विधिविषयं' कहा गया है);, की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार नृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो, 3री मंजिल, भोम लक्ष्मी गोविंद को-भांग०, हाउसिंग सोसाइटी लि०, राममंदीर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उच्त अंतरण विविद्ध में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाब की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; आंद्र/वा
- (क) एसी किसी साम ना किसी भन ना नम्म नास्तिनों को, जिन्हों नारतीय नाम-कर निर्मानक, 1922 (1922 का 11) या उनत निभनयम, वा भन-कर निभनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा ना ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा सुनिधा के निक्य;

बतः बत्रः, सन्त वीपीनयम् की पारा 269-ग के वमुक्रणः, मैं, उक्त विधिन्यम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) वर्षान्, निम्मिवियम् व्यक्तिस्यम्, वर्षात् ह---

(1) श्रीमती मंदाकिनं, मधुकर पाध्ये ।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसुदन विश्ववंभर जोशी।

(भ्रन्तरिसी)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्तित, जिसके भिधभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूच्य करता हुं:

जक्त सम्बद्धि के वर्जन की संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबद्ध किसी जन्म स्थवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित को किए जा सकी।

स्वकारिकरणः ---- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का को जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### and all

पलैट नं 12, जो 3री मंजिल, धोम लक्ष्मी गोविद को मांप हाउसिंग सोसाइटी लिं, राममंदीर रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

भनुसूची जैसानि फ॰सं० भई-4/37-ईई/11431/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टडें किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, अम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 🛭

# प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/11186/83-84—श्रत: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 3, जो, बी-विग, श्रलकन्दा ग्राउंड फलोग्रर, व्हिलेज एक्सार, बीरवली तालूका, बीरवली, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर मधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है आरे अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

त्रतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) मेसर्स मोहन कन्स्ट्रवशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अन्थानी श्रार० फर्नान्डीस।

(भ्रन्त(रती)

(3) भ्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्राधभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारो करके पूचाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकारन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्भञ्चीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बनुस्ची

पक्षेट नं 3, जो, बी-विंग, ग्रलकर्नवा, ग्राउंड फलोधार, बिहलेज एक्सार, बोरिवली तालूका, बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी क०सं० म्रई-4/37 ईई/11186/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

प्ररूप आइ. . टी . एन . एास . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, अम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० म्रई-4/37-ईई/10929/83-84—म्प्रत मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 4, जो, प्राउंड फनोग्नर, बी-विग, श्रलकनंदा, व्हिलेज एक्सार, बीरिवली तालूका, बीरिवली बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजीस्ट्रीहै, तारीख 2-7-84

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्रीहै, तारीख 2-7-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मेसर्स मोहन कन्स्ट्रक्शन्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती अनुपमा उमाकांत शेणाय :

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबघ्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचीं

पलेट नं० 4, आउंध फलोभर, बी-विंग, प्रसक्तवा, विहलेज एक्सार, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी का० सं० शई-4/37ईई/10929/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 12-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आग्वार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० ऋई-4/37 ईई/11187/83-84---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201 जो, बी-विग, श्रलकनंदा विहलेज एक्सार, तालुका बोरिवली, ग्रॉफ एल०टी० रोड बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है और जिमका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित वाजार एक र से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केंसिए:

अत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) मेसर्स मोहन कन्स्ट्रक्शन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मालतीबेन जयंतीलाल शुक्ला।

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके धर्धिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इसस्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अनुसूची

फ्लेट नं 201, जो, बी-विंग, प्रलक्तनंदा, व्हिलेज एक्सार, बोरिवली तालुका, प्रॉफ एल ब्ही रोड, बोरिवली (प०), बम्बर्ष-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक अ०सं० ग्रई-4/37-ईई11187/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-3-1985

प्ररूप आई', टी. एम., एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की । দকে 269-ল (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-4, अम्बई
अम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/11188/83-84—-म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 202 (अंग), जो, 2री मंजिल, ''बी'' विग, इगारत ''श्रलकनंदा'', व्हिलेज एक्सार, श्रॉफ एल०टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को प्यास्त सम्पत्ति से लिचत बाजार मृत्य से कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उणित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्न प्रतिकत का पेन्न प्रतिकत से विधिक हैं और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक कल निम्नितियों उद्दारय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्या से किया गया है:—

- (क) अन्तरण मों हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑपिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के द्राध्यस्त्र भी नभी करने या उसस बचने मी सृविधा के लिए नाम स्मा
- (ल) एजी किसी अप या बिस्सी धन या अन्य आस्तियां की, भिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निएए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण प्रा. में, उद्देत उधिनियम की धास 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मोहन कन्स्ट्रनशन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चिरंतन एम० शुक्ला और श्रन्य।

(धन्त(रती)

(3) धन्तरकों।

(बह व्यक्ति, जिसके म्रिमिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमूची

फ्लैंट नं० 202 (अंश), जो 2री मंजिल, बी-विग, इमारत भ्रालकनंदा, व्हिलेज एक्सार, श्रॉफ एल०टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्राई-4/37-ईई/11188/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-7-1985

मोष्ठर :

अस्य आहे .टी .एन् .**एस** .-----

(1) मेसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

(2) श्री जयंतीलाल बाबूलाल जैन।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्याक्षय्, सहायक भायकर नामुक्त (निर्धिक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्वेण सं० श्रई-4/37-ईई/10926/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्री परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्था उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- इ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 304, जो, 3 री मंजिल, विंग-बी, परेण भ्रपार्टमेंट, क्यू० बी०पी० रोड, बोरिवली (प०), बस्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची सें और पूर्ण क्प से विणत है), और जिसका बारास्तामा भ्रायक्षर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के भ्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय सें रजीस्ट्री है, नारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिप्त की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिंखत उद्विश्य से उक्स अंतरण लिक्सि में बास्तिविक रूप से किथत नहीं पाया गया है।

- (कं) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अचने में स्पीतभा के सिन्ध; बीट्र/बा
- (ण) ऐसी किसी बाय ्या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या अनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अब, उत्कल अभिनियम की भारा 269-ण के बन्धरण में, में, उक्ल अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
41—36GI/85

की मह स्वान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड़ व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इताय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकीं।

स्पव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त श्रीधीववध, के बध्याय 20-क में परिभाविद्य ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्यार में दिसा गवा ही।

# जन्स्ची

पलट नं 304, जो, 3री मजिल, विग-बी, परेश अपार्टमेंट, एस०वी० पटेल रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रमुम्मी जैंभाकी कर्नर श्रई-4/37-ईई/10926/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रश्नाद सक्षम प्राधिवारी सहायवः ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेंब-2, बस्बई

तारीख: 12-3-1985

प्रकप बाह्र टी. एन. एस------

णावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रेजिन रेंज-4, बस्बई अम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

अगमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० ए-705, जो, 7 वीं मंजिल, अधोका टावर्स, कुलूपवाटी रोड, वोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 सें स्थित है। (और इससे उपाधद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को वृत्येक्त सम्पत्ति के जिनत माजार मृत्य से क्रम के अस्पमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नहीं है और मुख्ये वह विकास करने का कारण ही कि स्थापृगोंकत संपतित का उत्यत नाचार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकास से, एके क्रममान प्रतिकास का पन्त्र प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के चिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नसिक्त उद्योग्य से कक्र अन्तरण सिकाल में कार्यायक स्थाप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कभी करने या उसमे अचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ.की लण्धारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) मेस**र्स** गोयल बिल्डर्स, प्राथवेट लि०।

(म्नन्तरक)

(2) मेसर्स दिनेश इंटरप्रायजेस

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुभाग बाही करके पृथा कर सम्परित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

## उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वाय अश्रोहत्ताक्षरी के पास निविद्ध में किए या सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और ददों का, को उन्स अधिनियम को अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा गमा है।

## नग्स्ची

फ्लैंट नं० ए-705, जो, 7 बीं मंजिल, ग्रशोका टॉवर्स, कुलपवाडी रोड्, बोरिवली (पू०), बन्धई-66 में स्थित है।

श्रृत्यूची जैसाकी क्र०सं० श्रई-4/37-ईई/10915/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

सोहर :

# प्रकृत वाद्ै, टी. वृत्, एव . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुकता

#### बारत चरका

कार्यालयः, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० मई-4/37-ईई/11432-ए/83-84--- मत: मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 268-च के अधीन स्वाम प्राधिकारी को; यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- फ. से अधिक हैं और जिसकी संब्धिलांक मंब्र 9, जो, 2री मंजिल, साई निकेतन, 236, मदोना कोलनी, मंडपेक्वर रोड, पोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित

है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्विकत संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल ते, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का प्लूह प्रतिकृत से प्रधिक है और पण्डरक (बन्तरकों) धोर प्रन्तरिक्षी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पामा गया प्रति- खब निम्नसिबित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण सिबित में बान्तिक का स्त से काश्री के कीच एसे सम्तरण सिबित में बान्तिक का स्त से काश्री के कीच एसे सम्तरण सिबित में बान्तिक का स्त से काश्री की सामा गया हैं.—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जीर/वा
- (क) एरी किसी नाय ना किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मिलियम, ना धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रियों धुनारा प्रकट नहीं निकास्तिया भा का या किया जाना भाहिए भा, छिपाले में सुविजा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीसिक्त व्यक्तियों, जबाँत अ--- (1) गाडियार बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

(2) श्री बी० भार० ए० जामथ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

# क्रमद सम्मन्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की सर्वीध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्तयों में से किसी स्थितत हुवाए।;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को छक्त विधिनिक्स, के जध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, कही वर्ध होगा को उस कथ्याय में दिया तथा हैं।

## अनुसूची

ब्लांक नं० 9, जो, 2 री मंजिल, साई निकेतन, 236, मवोता कोजनी, मंडपेश्चर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकी करुसं० श्रई-4/37-ईई/11432-ए/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-4, **बम्बई**

तारी**ष**: 12-3-19**85** 

मोहुद्ध 🕄

त्रस्य भार्यः, ट्री. एव. एस.,-------

नायकर निधीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) में न्यीन स्थना

कार्यांत्रय, सहायक नायकर नायक्तः (निरीक्तः) भारत सरकार

भ्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/11240/8 3-8 4----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें परकात् 'उक्त बांधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क कें अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, जो, 1 ली मंजिल, केंसर निकेतन को-ग्रांप० हार्जिसग सासाइटी लि०, कार्टर रोड नं० 4, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 सें स्थित हैं। (और इससे उपाबड अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 ग,ख के श्रिवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के पार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

कों प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के इवसान प्रिक्षणन के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास का उने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्ममान प्रतिफान से एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफान निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंगति नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संसूर्ण किसी बाय की बावत उन्ध्य शीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को साबित्य में कमी करने या जुससे बधने हो सुविधा के सियो; विद्यानिया
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म नास्तियों को, चिन्हुं भारतीय नावकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्च बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया परा धा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वै क्रिय;

जतः जनः, उन्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, ∮नम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थादा :— (1) श्री रतीलाल म्खंद टेलर।

(अन्तरवः)

(2) श्री नरेण टी० भ्रच्चपाल और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्बद्धि के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी कार्योप ह—

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जनिथ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानीन से 30 दिन की अवधि, को भी वद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स मन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकारत की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में दिन-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यास निधित में किए जा हकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयण के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मगत्त्रची

फ्लैंट नं० 13, जो, 1 ली मंजिल, केसर निकेतन को-,श्रांप० हाउसिंग मोसाइटी लि०, कार्टर रोड नं० 4, बोरियली (पूर्व), अम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/11240/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

मोहर ः

## शक्य आहे. टी. एन्. एड .......

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आशकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं ० असीत. 4/37-ईई/11217/83-84—- अत: मुझे, ए० असीत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से विश्वास हैं

और जिसकी सं० दुकान नठ० 14, जो, ग्राउंड फलोर रत्न दीप अपार्टमेंट, कस्तूरबा रोड नं० 1, बोरवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्विकत संपत्ति के उणित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप्वेंबर मंपित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल को प्रतिफल है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) कलारण से क्षूड़े किसी बाव की बाबता, सबल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में अभी करने या उत्तरी बचने में सुविधा को ख़िक्क; अहर/का
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया बता था वा किया बाना वाहिए वा खिपाने से सुविधा के सिष्ट;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अधीत :— (1) पंचरत्न बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोकीलाबंत रामचन्द्र पंडया और श्रन्य ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए अग्रविधियां करता हुए।

तकत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ::--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें अयुक्त श्रेषों और पर्षों का, पो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## भन्स्ची

दुकान नं 14, जो, ग्राउंड फलोर, रत्न दीप ग्रपार्ट मेंट, कस्तूरबा रोड नं 1, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० क्ष्मई-4/37-ईई/11217/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** 14-3-1985 मोहर त्रक्ष बाहां.टी.एन.एस.------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

## कामसिय, सहायक भायकार भायका (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई विनांक 14 मार्च 1985 निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/10967/83-84---ग्रत मुझे ए० प्रसाद

जायकर अधि रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट तं० 1, जो, 1 ली मंजिल, विखल अपार्टमेंटस, बी-99, एल०टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्कं) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की वासल, उपत स्थितियम के अधीत कर दोने के जस्तरक लें बायित्व कें कभी करने या उत्तरों बच्चे में सुविधा के लिए; अरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) श्रीमती राज कुमारी छाजा।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिवराज देवराज पाटील और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

### उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से · 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए या सकोंगे।

स्पाकतीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों आरि पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया भवा है।

## ग्रनुसूची

फ्लेट नं० 1, जो, 1 ली मंजिल, विखल श्रपार्टमेंटस बी-99, एल०टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० श्रर्श- $4^{l}37$ -ईई $^{l}10967^{l}84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

. सारीख : 14-3-1985

मोहरू 🛭

शक्य बार्ड . टी . एन . एस., ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बहुनाए

# कार्यात्व, अहायक अयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज\*4, बम्बई बम्बई दिनांक 14 मार्च 1**डै**85 निदेश सं० श्चई-4/37 ईई/11149/83-84-—श्चत सुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व धे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 24 बी, जो, दात्तानी घ्रपार्टमेंट नं० 1 को-म्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एल०टी०रोड, बोर्चिणी (प॰), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे, उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा घायकर घ्रांधनियम, 1961 की घारा 269 क, के घ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यार्लय में रजीस्टी है, तारीख 2 जलाई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में अस्तियक रूप में किया गड़ी किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुइं किथी नाथ की वाबत, सक्त अभिनियम के नभीन कार दोने के अन्तरक की वासित्स में कनी करने या उससे बचने, में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियभ, या धन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) अर्ज प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस स्यक्तियों, वर्षात् ६—— (1) श्री कांतीलाल बुटालाल शहा।

(म्रन्तरक)

(2) श्री संभाजी महादेव पालव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी हैं ते 45 दिन की अविधिया तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवय्थ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिक्षिय में किए जा सकी गे।

स्पथ्योकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्था है ;

## वन्सूची

फ्लेट नं० 24 बी, जो, दास्तानी श्रपार्टमेंट नं० 1, को श्रप० हाउसिंग सोंसाईटी नि०, एन०टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसाकी क०सं० श्रई-4/37-ईई/11149/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

मोहर 🚁

प्ररूप अर्खः ही एन एस . ------

# भायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म(1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्जालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-4. बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/11213/83-84--- श्रमे मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिवयम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर वंपरित, विश्वका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से निधक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो, साधरमती को-म्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 10वाँ रस्ता, दौलत नगर, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची म्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करार-नामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त तम्बिर्ट के उचित्त बाबार मृत्व से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि वथान्वॉक्त संपर्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्षवमान प्रतिकल से एसे क्षवमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम भावा गुक्त प्रतिकल, विकासिक स्वृद्धित से उसत अन्तरण किवित में पास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई सिली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन क्र- (1) श्रीमती भ्रम्तवेन जेथालाल मेहता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बसंतलाल भुरमल जैन और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) क्ष्म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास । लोखन में किस का सकेंगे।

स्पद्धिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

## ग्रनुसूची

फ्लेट नं 1, जो, साबरमती कोश्रॉप हाउसिंग सोसाइटी लिं, 10 वां रस्ता, दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसाकी क०सं० स्रई-4/37-ईई/11213/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

मोहरू 🛭

# प्रकृप बार्ड , टर्र , एन् , एस ह्न------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (१) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/11104/83-84--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 9, जो, 2 री मंजिल, ए-विंग, किंवता ग्रापार्टमेंटस्, नाटकवाला लेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाधद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिबों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमन-निश्चित उद्देष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है !:—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिशित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मेमर्स कविता कन्स्ट्रक्णन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संजय एच० मोदी श्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति इवारा,
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वदा हैं।

#### ननसभी

पलैट नं० 9, जो, 2 री मंजिल, ए-विंग, कविता ग्रापार्ट-मेटस्, नाटकवाला लेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-4/37-ईई/11104/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैंज-4, बम्बर्ध

दिनांक : 14-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37-ईई/10995/83-84—-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लेट नं० 304, जो, योगी नगर, इमारत नं० वी-40, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्विनत सम्पत्ति को जिनत बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विनत सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हेमंत कुमार मुकूंदराय देसाई ग्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोवकुमार प्रल्हादभाई शर्मा।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सदिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी स्थक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### समस्त्रीं

फ्लेट नं० 30, जो, 3 री मंजिल, इमारत नं० बी-40, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/10995/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायु**क्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** : 14—3—1985

कोहर:

प्रकृष बार्षः दीः एम्, एस्,-----

नायकः निभिनियमः, 1961 (1961 कः 43) कौ भाषः 269-म (1) के नभीन स्थना

#### भारत सरकाह

## कार्यासय, स्हायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निवेश सं० ऋई-4/37-ईई/11474/83-84---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फलोग्नर, प्लॉट नं० 9, एस०नं० 275 (ग्रंश), एच०नं० 1, सी०एस० नं० 787, क्षेत्रीय मराठा कांलोनी, दिहसर (५०), बम्बई-68 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 31 जुलाई

को प्रोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) अटरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन फार दोने के बन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, वॉर/या
- (क) ऐसी कियी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा को निय;

नतः नव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत:—— (1) मेसर्स नव भारत इंजिनिग्रर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभूलाल दालचंद जोशी श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर एवॉक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य स्थावत द्वार, वभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नपृत्यी

दुकान नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोअर प्लांट नं०, 9, एस नं० 275 (अंग्र); एच० नं० 1, सी०टी०एच०नं० 787, क्षत्रीय मराठा कांलोनी, दहिसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र०सं० श्रई-4/37-ईई/11474/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 15~3-1985

मोद्धर :

# प्रकृष बाइं . ही . एन . एस . -----

# भायकर समिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/11469/83-84--- अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 75, जो, 7 वीं मंजिल, दीनानाथ प्रपार्टमेंट, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 31 जुलाई 1984।

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्योक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/मा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स दात्तानी भ्रासोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जॉली ग्रॉस्टीन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्य

फ्लेट नं० 75, जो, 7 वी मंजिल, दिनानाथ अपार्टमेंट, एम०जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। अनुभूची जैसाकी ऋ०सं० अई-4/37-ईई/11469/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

# श्रुक्ष्यः वाद्यः, टी<u>. एन्, एष</u> ुन्तन्त्रवंशस्त्रवस्तर

# नायंकर न्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) में नधीन सूचना

## भारत सर्काट

## कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/10836/84-85--यतः, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पनेट नं० बी-53, जो, श्रेयस अपार्टमेंटस्, ऑफ मंचृभाई रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अश्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से काम के दश्यमाम विकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत से अविक है और पन्तरक (पन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीत ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया नया अविकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण सिक्तित वे बाध्तविक कर से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रसोधनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री ए०एम० चौधरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी०वी० देसाई।

(अन्तर्भिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीझ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **धनु**सूची

पलैट नं० बी/53, जी, श्रेयस अपार्टमेंटस्, ऑफ मंचूभाई रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची कैमा कि क्र०मं० अई-3/37-ईई/10836/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर श्रायुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, बस्बई

जतः जय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धांत ⊯—

तारीख: 11-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

# आयकर अधिनिवस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के स्थीन स्पना

#### प्रारद सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11232/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा ग्या हैं), की बारा 269-269-घ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० आय-6, जो, हरीद्वार इमारत-1, आफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित है। (भीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उशके परमान प्रतिफल सें, एसे परमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकार) और (बन्तरिश्वा) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त जीभ-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार्र/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए; और/या

भतः अत्र, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत :--- (1) श्री बंसीलाल रामचंद छात्रिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी इरेन बोर्गेस।

(अन्तरिती)

को यह सुपना पारी करके पूर्विक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध वश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया पत्रा है।

## अनुसूची

प्लेट नं० आय-6, जो, हरीबार इमारत, ऑफ मार्वे रोड, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11232/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्रकल बाहाँ .टी एन . एस .,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन, रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11240/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 1,00,000/- रास्त अधिक है

1,00,000/- रतः से अधिक ह**ै** श्रीर जिसकी सं० द्कान नं० 10, जो, ग्राउंड फलोअर, मनाली इमारत नं० 2, प्लाट नं० 48, 49 ग्रीर 50, वाल-नाय व्हिलोज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रोर इस.) उराबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिलका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उबदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कि बित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, सक्त विधिनियस के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे क्यने में धृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाब वा किशी धव वा बन्क बास्तिकों को जिन्हों भारतीय बायकर बीविनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विविनियम, वा धक-कर विविनियम, वा धक-कर विविनियम, वा धक-कर विविनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के बिय;

अतः अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मेसर्स मनाली कार्पेरिणन।

(अन्तरक)

(2) कुमारी शर्मिला लाल पंजाबी श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

का यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूथना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तर्रीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण : ---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्वो का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### वन्त्यी

दुकना नं० 10, जो, ग्राउंड फलोअर, मनाली इमारत नं० 2, प्लांट नं० 48, 49 ग्रीर 50, बालनाय व्हिलेज, मालाड (प०), बम्बई 64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37ईई/11240/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

नर्देश सं० अई-3/37-ईई/11262/84-85—स्यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी-11, जो, संकल्प, न्यू लिबर्टी को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं। (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कै क्रवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सृविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अप्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् क्रू

(1) श्री पी०आए० खटखदे।

(अन्तरक)

(2) श्री नाशयण जे० धोंड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकासन की तारींव है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधिहरताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्यक्षीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रसंस्थी

डी-11, जो, संकल्प, न्यू लिबर्टी को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क्र०सं० अई-3/37-ईई/11262/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर भा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**च**: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह् दी एन एस :-----

नायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 7, जो, 1िंस मंजिल, प्लांट नं० 6, सम्राट इमारत, जनकल्याण नगर, मालाङ, बम्बई-68 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7~1984

को पूर्वित संपत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विद्वास करने का कारण है कि संपापनोंकत सम्पत्ति का सौजत वाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से देखें क्रमनान प्रतिफल के विश्वह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पामा गया प्रतिकास, निम्निसितित संद्वेषय से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ अन्तिरती बुबारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया की साहिए था, कियाने की स्थापन के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों हो अर्थात् ध्राप्त 43-36GI/85

1. मैं शांग्रीला कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(मन्तरक)

14497

2. श्री बलवेर्वासह बारीयान ।

(भन्तरिती)

का यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनु की तारी से 45 दिन की अविध या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो ते
- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी को शास सिवित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदी का, को उपसे विविधित्र के अध्याय 20-क में गरिमानित हाँ, नहीं अर्थ होना को उस अध्याद में दिका नवा हाँ।

# **ग्र**नुसूची

पर्संट नं० 7, जो, 1ली मंजिल, प्लॉंट नं० 6, सम्प्राट इमारत, जनकल्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11174/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिटस्डे किय गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रकृष बाह्य हो । पुन्य पुन्य------

जाबकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### धारत सरकार

## कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई । बस्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/11509/84-85---ग्रतः मुझे, . ए० प्रसाद,

बायक र बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( विसे इसके इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 4, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 16-ए०, सी० टी० एस० नं० 432, विलेज वालनाय, ओलेंम मालाड, (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधीनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्योगों से उसते अन्तरण मिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संशुर्व किसी नाव की बावत, उस्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को निए; जीर/या
- (थ) एसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें सविधा के लिए;

जतः, जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण सं, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) क जभीरः निम्नलिखित व्यक्तियों, जभीत् ह— 1. मेसर्स गर्लन्डन इण्टरप्राईसेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री फ्रांन्सीस्को ए० जे० जे० डा कोस्टा कंपीझ। (अन्तरिती)

को बहु सूत्रका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नवीं भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूक्ता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इत सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की शारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास विचित्त में किए वा सकारी।

स्वासीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम के निभाग 20-क में परिभावित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ared.

प्लैंट नं० 4, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 16-ए०, सी० टी० एस० नं० 432, विलेज वालनाय, ओर्नेम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

मंनुसूची जैसा कि कं० सं० धई-3/37-ईई/11509/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकार

# कार्याजन, सहायक जायकार जानुकत (निद्वीक्षण)

ग्र **उ रेंज**−3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/10904/84-85--ग्रतः मुक्को, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० एल०/8, जो, 2री मंजिल, इमारत हरिद्वार—1, श्राफ मार्ने रोड़, विलेज बालनाय, मालाड (प०), बम्बई—64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से वणित है),और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुइं किसी नाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के अधिरव में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री भ्रजीत सिंग हरीसिंग

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती प्रालिनी बी० एस० नारूला।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🕾—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकोंग।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पर्लंट न॰ एल॰/८, जो, 2री मजिल, इमारत हरिद्वार-1 आफ नार्वे रोड़, विलोज बालनाय, मालाड (प॰), बम्बई--64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-3/37-ईई/10904/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 😩

प्रकम बार्च , टी , एन , एस ु ≓ - - =-

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

#### मार्च बरका

# कार्याजय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्शासन) ग्रजैन रेज-3, बम्बई

धम्बर्ष, दिनांकः 11 मार्च 1985 निदेश सं० प्रर्द-3/37-ईई/10785/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 16, जो, 4थी मंजिल, प्रचंता प्रपार्टमेंट्स, एस० बी० रोड़, सुन्दर नगर के सामने, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मंतरण से हुई कितीं भाव की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना आहिए भा, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन⊋ निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ⊡—— 1. मेसर्स श्रर्चना लैन्ड कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मंगाराम एल० लोहानी और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त द्वार;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

#### नगस्ची

फ्लैंट नं 0 16, जो, 4थी मंजिल, प्रचीना प्रपार्टमेंट्स, एस० बी० रोड, सुन्दर नगर के सामने, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37—ईई/10785/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीमुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

विनाक: 11-3-1985

मोहरु 🙎

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/11499/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पलैट नं० 309, जो, 3री मंजिल अजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री श्रशोक चेऊलकर।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिंसब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

प्लौट नं० 309, जो, 3री मंजिल, अजीत पार्क-''बी' सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकि ७० सं० ग्राई-3/37-ईई/11499/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टडं किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक री सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रकष् कार्यः, टी.. १५.. एवं..:-----

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्यीन स्वा

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज--3, बम्बई
बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985

निदेण सं० श्रर्थ-3/37-ईई/10909/84-85-श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्व 1,00000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1-ए०, जो, ग्राउंड फ्लोर, ''ए'', विंग ''अटलांटा'', प्लाट नं० 38, ग्राफ बालनाथ विलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुमुची में और पूर्ण ऋप से विणित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धार 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्त्री है, तारीख को पूर्वोक्स सम्मस्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्लास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, इसके पर्यमान प्रतिफल से, एसे पर्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उद्भवेष्य से उक्त अंतरण सिधित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) मन्तरम ते हुई किसी नाम की बाब्स, उक्स महिमिन्दम के मुबीन कर बोने के मन्तरक के बादित्य में कमी करने या उन्हों स्पूर्ण में सुविधा के लिए; क्षेत्र/श
- (ण) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं के किया गया या या किया जाना चाहियेथा, दिश्याने में ब्रिया के निष्ट;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, बचात् ः— 1. मेसर्स आर० जी० बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती मुशिला मारूत प्रभू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकें पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप 🎉

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव वे 45 दिन की जबींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष्ट ब्रांग की ताशींन वे 30 दिन की जबींध, वा भी वदींथ वाद के समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंबंध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांगर;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हितनब्द किसी बृन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा स्कान।

स्वक्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस वध्याय में विया गया है।

## वन्स्यो

दुकान नं० 1-ए०, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, ए०-विंग अटलांटा, प्लाट नं० 38, ग्राफ बालनाय विलेज, मार्वे रोड़ मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची जैसािक ऋ० स० अई-3/37-ईई/10909/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद. संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-3, बम्बई

.दनांक: 11-3-1985

चौद्धः 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/10948/84-85--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संयक्ति विसका उचित् बाबार मुख्य 25,000/- कि. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बीं०/25, जो, इमारत नं० 3 3री मंजिल, बाफ हिरा नगर, मार्चे रोष्ट, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के धारा 269क ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विषवास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एते स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) जार बन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निय्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के द्वायित्य में कभी करने या उबसे बचने में सविधा के सिए; बीह्य/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या वनका कर अधिनियम, या वनका प्रश्नित कर विधिनियम, वो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बगुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- मेसर्स बाफ-हिरा बिल्डर्स प्रायवेट लि०। (श्रन्तरक)
- 2 श्री फ्रांसिस फर्नान्डीस।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की मन्धि या तस्त्रम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी स्थित श्वास;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी कें पाट जिक्ति में किए जा मकरेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रमुक्त खब्दों और पर्यों का, जो उच्छ अधिनियम के बंध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्याः मना हैं।

## वनुसूची

फ्लैंट नं० बी०-25, इमारत नं० 3, 3री मंजिल बाफ-हिरा नगर, मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-3/37-ईई/10948/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रस्थ नाहाँ. टी. एन. एस<u>.</u> ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत परकार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 **मार्च** 1985

निदेश सं० प्रार्थ-3/37-ईई/10937/84-85-प्रातः मुझे ए० प्रसाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपतित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० सी/205, जो, 2री मंजिल इमारत लान्पेलेस, प्लाट नं० 51, बिलेज मालाड बानाय श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्नी है, नारीख 2-7-1984

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचिन बांजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बांजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उत्तत अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध——

श्रीमती भगवतीबाई बी० चुघ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शणि काथ नरसू शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदी का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## जनुसूची

फ्लैट नं॰ सी/205, जो, 2री मंजिल, इमारत लीं-पैलेस, प्लाट नं॰ 51, बिलेज बालनाय, ग्राफ मर्वे रोड़, मालाड (प॰), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसािक ऋ० स० श्रई-3/37—ईई/10937/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को र्जास्टर्ड किया गया है।

ा,० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269 घ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जागकर जागूवत (निर्शाक्षण)

म्रजीन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश मं ० ग्रई-3/37-ईई/11187/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्बात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, राष्ट्र विकास कारने का कारण है कि स्थावर सापित. जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैंट नं बी -602, जो, 6वी मंजिल, शितल छाया इमारन, मी टी एस नं 652, 77 एस बी रोड, मालाड (प), बम्बई -64 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप मे विणित है, और जिसक करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 2-7-1984

को पृथितित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फेयह विश्वास करों का कारण है कि प्रथाप्योंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्निसिचित उच्चेष्य मे उक्त अन्तरण निम्निसिचत में वास्तविक रूप मे किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबता, उक्त अधिक्रियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के अधिक्ष में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भागतिय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) ए उटल अधिनियम, या धन-त्यर अधिनियम, या धन-त्यर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ए दिया जाना नाहिए था कियाने में सविधा के निए;

अत अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपभारा (1) के के अधीन, निम्निजिलित व्यक्तियों, अर्थात :— 44—36GI/85 1. मै० चन्द्रविजय बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मणीबेन खिमजी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई. भी आक्षेप : ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्चाना की तामीन से 30 दिन की बविध, जो भी
  बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकिः।
  व्यक्तियों में से विशी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस् स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के भास

स्पष्टीकरणः — इसमा पयुक्त अध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अप होंगा जा उस अध्याप मा । हैंगा गया हैं।

#### नगत्त्रकी

फ्लैंट नं० बी०-602, जो, 6वी मंजिल, शितल छाया इमारन, सी० टी० एम० नं० 652, 77, एस० वी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि करु सं०ै। ध्रई-3/37—ईई/11187/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रकप आहाँ , टी . एन . एस . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के सभीन सुम्ता

#### भारत सरकार

कार्बास्य, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश मं० श्रई- 3/37-ईई/11380/84-85--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर बिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इतके पश्चात उक्त विश्वनियम कहा गया हैं) की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्द 1,00,000 रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ-1, जो, 1ली मंजिल, "श्रीराम भवन", मालवनी, म्युनिस्पिल कोल्झी के सामने, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्ये यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की धावस, उत्तर बिधिनियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक के दाष्टिनक में कसी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए। बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्राचन कर अधिनियम, प्राचन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नक्ष या या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिसयों, वर्धात:— 1. श्री राम बिल्डर्स प्रायवेट लि० ।

(भ्रन्तरक)

 श्री जोस क्रेसेंसीक्रो फेररोव क्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बाड़ी करके पुनारेक्ट संपत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यनाहियां कारता हूं।

सकत सम्मित के कर्णन के संबंध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या है।

## प्रनुसूची

फ्लैट नं० एफ-1, 1ली मंजिल, श्रीराम भवन, मालवनी म्युनिसिपल कॉलोनी, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रमुस्त्री जैसा कि कि के सं प्रार्थ-3/37- $\xi\xi/11380/84$ -85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–३, बम्बई

**दिनांक: 11-3-1985** 

प्ररूप आहें 🖟 थी . एन 👝 एव ुनन्दननन्दनन

नायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन तुलना

#### भारक तरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/10987/84-85---म्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्रशिधकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/12, श्रनविद्यायडेड शेश्वर इन लैण्ड एण्ड केंदारमल रोड, सी० टी० एस० नं० 442 (श्रंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्षे वादित्व में कमी करने या उससे क्थने में सुविभा के लिए; बार/या
- (च) एंडी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अयुक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाक्तभार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

कतः जवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत् ॥—

- 1. श्री सुरजीतसिंह भ्रौर श्री हरभजन सिंह,। (भ्रन्तरक)
- श्रीमती राज कौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनल सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

क्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

1/12 म्रब डिवायडेड शेयर इन व्हॅंकाट लैण्ड एण्ड केदारमल रोड, सी० टी० एम० नं० 442 (म्रंग), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-3/37-ईई/10987/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्रक्रप कार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/10989/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/12 ग्रनिडवायडेड शेग्रर इन व्हॅंकार लैण्ड एन्ड केदारनाथ रोड, सी० टी० एस० नं० 442 (श्रंग), मालाड (पूर्व), बभ्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति को जीवत बाजार बूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तद्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित को बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किती जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तर्स क्चने में सृविधा के निए; जोट्र/या
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्भ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री गुरजीत सिंह ग्रौर हरभजन सिंह। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कंबलजीत कौर सचदेव।

(ग्रन्तन ी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए आर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कुष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### श्रनुसूची

1/12 श्रनिखवायडेड ग्रेश्वर इन व्हॅं कांट लैण्ड एट केदार-नाथमल रोड मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/10989/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प० प्रसाद सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

दिनांक: 11-3-1985

मोहरः

## प्रक्रम बार्च . दी . एव . एस . -----

**बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) कौ** भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### मारत तरकार

कामलिया, सहायक प्राथकर आयक्त (निरक्षिक) प्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/10988/84-85--ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/12 शेग्रर इन श्रनडिवायडेड प्रॉपर्टी श्रॉफ व्हेंकाँट लैण्ड एण्ड केदारमल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984 को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मल्य उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण संहुई किसी काम की माबस, उक्तर अधिनियंग के अधीन कर दोने के सन्तरक बौ दाधित्व में कमी करन या उसस बचन में सविभा के जिए: बार/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ·27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री मुरजीत सिंह ग्रौर हरभजन सिंह। (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री रणजीत सिंह संचदेव।

(ग्रन्तरिती) -

का यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए। कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीआह से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्वेक्त अयिक्सयों में से किसी व्यक्ति बवारा;
  - (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

भ्यक्टीकरणः:--इसमं प्रयक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुर अर्थ होना को उस कथ्याय में दिया गया

# म्रनुसूची

1/12 अनडिवायडेड शेग्रर इन व्हेंकांट लैण्ड एन्ड केंदार-मल रोड, सी० टी० एस० नं० 442 (श्रंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैपा कि ऋ० सं० ग्रई−3/37–ईई/10988/ 84-85 श्रीर जो वक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

## प्रकल नाही, टी. एन. एव. -----

शायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के वधीन सूचना

#### मारत तरकार

कार्यांसक, सहायक नायकार बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/10985/84-85-म्प्रतः मुझे प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/12 शेग्नर इन व्हेंकंट लेण्ड केदार-मल रोड, सी० टी० एस० नं० 442 (अंश), मालाड (पू०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफाल को सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त बज्जित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिफाल से, एसं व्ययमान प्रतिफाल का पल्क प्रतिचत से अधिक है और बंदरक (बंदरकों) और बंदरितंद (अंतरितयों) के बोच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्चत उद्वरेश से उक्त बंदरण सिचित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (कः) अंतरण सं हुइं किसी नाम की मानत, उक्त शोधनियम के प्रधीन कर दोने के बंतरक के दामित्य में कभी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) एंसी किसी अब मा किसी भन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिधित व्यक्तियों, अधीय:—

- 1. श्री सुरजीत सिंह और श्री हरभजन सिंह। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती चंद्रिका और महेशकुमार। (ग्रन्तरिती)

 बह सूचना जारी कर्फ प्रतिकत सम्मित्त के वर्जन के हैंक्य कार्यनाहिया करता हो।

उन्ह सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के हायपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की नवीं या तत्क्रस्वन्धी व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं प्रति और नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में वे किसी स्वयंत व्यादा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिलिस में किए जा सकोंगे।

स्वस्थितिकाः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

## ग्रनुसूची

1/12 मोग्रर इन व्हेंकॉट लैंग्ड एण्ड केदारमल रोड, सी० टी० एस० सं० 442 (अंग), मालाड, बम्बई में स्थित

भ्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-3/37-ईई/10985/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टाई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक∭्श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनोक्: 11-3-1985

मोहर 🗄

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ई/11399/84-85---म्रतः मुझे, ए० प्रताद.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, प्रचंना प्रपार्टमेंट, एस० बी० रोड मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, खा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्लयमान प्रतिफल ते एसे क्लयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० श्रर्भना लैण्ड कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

 श्री इंदरसेन ठाकुरदास कपूर और प्रन्य। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्धार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी खाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्विन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्ग्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुसूची**

फ्लैंट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, ग्रर्चेना ग्रपार्टमेंट्स एस० बी० रोड, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्र $\xi-3/37-\xi\xi/11399/84-85$  और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रस्त्य कार्ड .टी . एन . एस . -----

The second the second s

बायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) <sup>क्र9</sup> भारा 269-थ (1) के सभीत सुमना

#### सारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयक्तः (निरीक्षणः) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सार्च 1985 निदेश सं० श्रई-3/37—ईई/10990/84-85—श्रतः मुसं ए० प्रसाद,

ए० प्रसाद, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं); की नाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव 1/12 अनडिवायडेड शेग्रर इन व्हॅंकान्ट लैण्ड एण्ड केदारमल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीगन है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खा के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 2+7-198 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकंत के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई यह विश्वास करने का कारण है कि है, और भुभे यथापृष्ठीयस सम्पत्सि का उचित उसके उरथमान प्रतिफल से, एसे उरयमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरभ संक्ष्मद्री फिली बाय की बाचल, तक्का अधिरिया के अधील वाय दीने के अन्तरक के दारियान भी कासी कारने वा तक्कमें बचने में सुनिया की प्रस्ता नीयांगा
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 1922 की 11) या उपन्त अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवा, उक्तः आधिनियमं की धारा 269-ग क अनुसरण मं, में अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ः— 1. श्री मुरजीत सिंह और श्री हरभजन सिंह।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रवत मिरचूमल और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी नविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों जें सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उप्तत स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकींगे।

लब्धीकरणः---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्योक्षा, थी उनस विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाया जो उस अध्याय में दिया देशा हैं।

## नन्स्ची

1/12 अनिडिवायडेड लिण्ड शैग्रर इन व्हेंकान्ट लिण्ड केदारमल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० छई-3/37–ईई/10990/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक** श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–3, क्षम्बई

दिनांक 11-3-1985 मोहरु प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/11260/84-85--अतः मुझे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं प्लैंट नं 25, जो, मोरूमल मेन्यान बचानी नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई—97 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण निकान में बास्तविक रूप ने किथन नहीं किया गया है "—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री जॉर्ज के० वर्गीम ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० एन० नायक और भ्रन्य।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्सूची

फ्लैट नं० 25, जो, मोरूमल मेन्शन, बचानी नगर रोड मालाड (पूर्व), बम्बई--97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ७० सं० श्रई-3/37—ईई/11260/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण)
स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11--3--1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त कायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेजिन 3, बम्बई

बम्बई, दिनांश 11 मार्च 1985 निदेश सं० श्रई--3/37-ईई/11161/84--85---श्रनः सुझे, ए० प्रशाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी मं० ए माला बुष्ड इन मालाड इंडस्ट्रियल यूनिट्म, को०-भ्राप० मालायटी लि०, रामचन्त्र सेन एक्सटेंग्रन, मालाड (प०), अम्बई--4 सें स्थित हैं (और इन्से उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिन्हा करारनामा भ्रायभ्र प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के व्ययिलय में रजिस्ही है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अत: अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:——

1. श्री मधुकार जी संबी ।

(भ्रन्तरकः)

2. मेन्दर्स उदवाडिया इंजीनियरिंग वर्क्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्स्ची

ए माला इन मालाड इंडस्ट्रियल यूनिट्म, की-प्राप० मोथायटी लि०, रासचन्द्र लेक, एक्यटेंग्रन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैना कि कर संर ग्रई-3/37-ईई/11161/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्ष्य (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां र : 11-3-1985

मोहर ः

प्ररूप मार्च् टी.एन.एस.-----

लावकर मीभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (१) को अभाग स्वकार

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)
प्रजीत रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनाक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-- 3/37- ईई/11310/84--85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्त पश्चिकारी क्यें यह जिञ्जास करने का शारण है कि स्थानर सम्यात्त, जिसका सचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिपकी सं० दुकान नं० 2, जो, निग्नेल इमारत, विलेज बालनाय, ओलेंम, मार्चे रोइ, मानाड बस्बई--64 में स्थित है (और इतमे उपावड ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिनका अरारतामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याच्य में रिजस्ट्री है, नारीख 2-7--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्यों कर संपरित का उत्तित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिक उन्वदेय से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रण की वधीन कर दोने के बन्तरक औ दामित्य में कमी करने वा बससे वधने में सुविधा के विए; सरि/वा
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती गुलशन नहनी, और कुमारी गुनीता सहनी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रशोक एन० सनवालानी।

(भ्रन्तरिती)

14515

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन् की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी वर्षीय बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस ब्रावन के राजपूत्र में प्रकावन की तारीस वे 45 दिन के मौतर उक्त स्थानर स्थारित में हितबब्ध फिसी जन्म व्यक्ति इवारा सभाहस्ताक्षरी के पास सिरवत में किए या सकति।

स्परवीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्तों और पतों का, वो उन्त अभिनियम दें अभ्याय 20 क में परिभाषिष्ठ ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याम में दिया गंगा ही।

## 

दुकान नं० 2, जो, निग्रेल इमारत, बिलेज बालनाय, ओर्लेम, मार्वे रोड़, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/11310/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, **बम्बई**

तारीख: 11..3-1985

# म्<mark>यम् भार्त्</mark> डी<sub>ळ</sub> पुत्<sub>य पुत्र</sub>

# भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के वभीत सूचना

#### नारत बुरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई- 3/37-ईई/10992/84-85--श्रन: मुझ, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1/12 श्रनिख्यायडेड शेश्रर इन ह्नुकांट लेण्ड एँट केबारमल रोड़, सी० टी० एस० नं० 442 (अंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्स्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निध-निगम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते वजने में सुनिधा के किए; गौर/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सुरजीत सिंग और हरभजन सिंग। (अन्तरक)
- 2. श्री दिलीप कुमार एम० श्रवलानी और श्रन्थ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चिति के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

## समझ सम्मारत के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा स्कर्ण।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनस्त्री

1/12, श्रानिडिवायडेड शेश्रार इन ह्नुकांट लैण्ड एँट केंदारमल रोड़, सी० एस० टी० नं० 442 (अंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/10992/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, **बम्बर्फ**

विनां स्ट 11~3~1985

# **प्रकृप आहो. टी. एन . एस**्ट च्यानक्षण्यनक्रम

# नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को नभीन सूजना

## भारत संदुकाद

कार्यानयः, सहायक जामकार आयुक्त (निर्दाक्षक) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

वस्सई, दिनांव: 11 मार्च 1985 लिदेश सं० श्रई--3/37-ईई/10986/84-85---श्रत: मुझे, ए० प्रमाद,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उन्त निथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के निथीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जियका जिल्हा बाजार मुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/12 म्रनिडवायडेड शेम्रर इन ह्वकंट लैंड एंट केडारमल रोड़, सी० टी० एठ० नं० 442 (अंग), मालाड (पू०), बम्बई में स्थित हैं (और इसके उपाबद मृतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भ्रायकर म्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के म्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया पमा है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे क्वने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा बकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्।— 1. सुरजीतस्मि और हरभजन स्मि।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती रनिन्दर कौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्योंक्त संपरित के अर्जन के लिखे कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं खा, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

1/12 श्रनिश्चियायडेड शेग्रर इन ह्युकंट लैंड एट केदार-मल रोड़, सी० टी० एस० नं० 442 (अंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई- 3/37-ईई/10986/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद राक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेंज-3, बस्**यद**

दिनाँक: 11-3-1985

प्रस्प भाष्ट्रं. टी. एन्. एस.----

नायकर निधितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

#### भारत जरकार

## कार्यासम, सङ्गामक भागकर नामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-3, बम्बई सर्वे दिसंह 1, सर्वे 100

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/10850/84-85---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जानकर अभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनित्रम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाकार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20, जो, श्रवंना, 5वीं मंजिल; एस० बी० रोष्ठ, मालाष्ठ (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्ष्त सम्मित्त को जीवत बाबार मूल्य से कम के इस्तमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्मित का उपित बाजार
मूल्य उसके हरु तन प्रतिफल से, एसे हर्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बान की बानत्, उक्त अधिनियम के जभीन कार दोने के अंतरक के वाजित्य में कानी कारने या उत्तरे वकते में सुविभा के सित्र और/भा
- (भ) एती किसी आव या किसी भन वा जन्म वास्तियों कां, जिन्हों भारसीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, ष्ठिपान में सुविधा के विष्:

बत: बब, उच्क विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फ़ें बधीम,, निस्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० के० खेमका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० जे० सेलारका (पारेख)।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुमना वारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्वचाकरण:--इसमा प्रयक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## जन्स्ची

पलैट नं० 20, जो, प्रर्चना, 5वीं मंजिल, एस० वी० रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-3/37-ईई/10850/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर **श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई**

दिनांभ : 11-3-1985

# that and a state of the second

आवकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत चडकाह

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/11409/84-85--यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503, जो, 3री मंजिल, बी— इसारत, नलंदा उला कालोनी, को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेदिय से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बार्ड/बा
- (च) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य अधिस्तयों की जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं. टक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सुरेपूवरसिंग कोणोरसिंग गोहिल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शामजी खिमजी छेड्डा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ान्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गगा है।

#### ननसर्ची

पलैट न० 303, जो, 3री मंजिल, 'बी'' इसारत, प्लाट नं० बी०-1, नालंबा उषा कालोनी, को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/11409/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रस्प बाह्रं, टी. एन. एस. 🧸 -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देशसं० ग्रई-3/37—ईई/10991/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरके पहतात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/12 श्रनिडवायडेड शेश्वर इन व्हुकांट लैंड एट केदारमल रोड, सी० टी० एस० नं० 442 (अंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; वाड/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुधिधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्विस व्यक्तियों, अर्थास :--

- (1) श्री सुरजीत सिंग और श्री हरभजन सिंग। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरकिशन सी० सेठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळाँकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मका है।

### वनस्यी

1/12 अनिडिबायडेड मोग्रर इन व्हकांट लैंण्ड एट केदार-मल रोड, सी० टी० एस० नं० 442 (अंश), मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37—ईई/10991/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर ≟

प्रका बार्ड . टी. एन . एस . \*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकात

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्वेश सं० म्रई-3/37—ईई/11224/84-85—यतः, मुझ ए० प्रसाद,

वाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से गिथिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 701, जो, "ए" विंग, 7वीं मंजिल, ला-धपेल, को-ग्राप० हार्जासग सोसाइटी लि०, एवर-शार्षन नगर के बाजू में, मित चौकी, ग्राफ मार्वे रोड मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

कर प्वांक्स सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उठत अंतरण लिखित में अस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-46-36GI/85

- (1.) श्रीमती उर्मिला ग्रीवर और राज ग्रीवर। (श्रन्तरक)
- (2.) श्रीमनी मंजू हिसारोया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करतः हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंच-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिशकरणः --- इस में प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त आयंकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्तुवी

फ्लैट नं० 701, जो, "ए" विग, 7वीं मंजिल, ला-घपेल को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एवरशाईन नगर के बाजू में, मित चौकी, ग्राफ मार्वे रोड, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37-ईई/11224/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किका गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 11-3-1985

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० ग्रई → 3/37 -- ईई/11202/84 -- 85----श्रतः मुझे, ए० प्रभाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 5, जो, ग्राउण्ड पलोर, गेरज इमारत, सीव टीव एसव नंव 347, पोदार पार्क, मालाड (पूर्व), वम्बई-64 में स्थित है (और इनसे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा श्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रशीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 2-7~1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण किखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गर, हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक औ दायित्व में कमी अध्यक्ते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात:—— मै० राहुल ट्रेडिंग कारपोरेणत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामकुमार जी० गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारों करके पूर्वीक्त सपित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध के कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख अ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टभेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त आयकर सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिला। गया हाँ।

## अनुसूचः

दुकान नं० 5, जो ग्राउंड फ्लोर, गेरज इमारत, सी टी० एस० नं० 247, पोदार पार्क, मालाष्ट (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० अई/3/37-ईई/11202/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 2-7-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक-3, बम्बई

दिनांक 11-3-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. =-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--3, अस्बर्ध

बम्बई, दिनांकः 11 मार्च 1985

निदेश मं० श्रई-3/37-ईई/10965/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, अर्बन अपार्टमेंट, सुखर नगर, एस० बी० रोड, मालाड (प०), बस्बई--64 में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयशर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन अस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 2-7-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में बासाविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण सं हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा वर्र लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः— 1. मेनर्स प्रचंना लेंण्ड कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एन० लोहानी और एच० एन० लोहानी (अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी सबिध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

फ्लैंट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, सुन्धर नगर के सामने, एस० बी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/10965/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० भई- 3/37-ईई/11241/84-85--- भ्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुक्षान नं० 3, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 2, ज्लाट नं० 48, 49 और 50, बालनाय इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणित है, विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा आयन्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के जायीलय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः, अवः,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन ,, निम्नलिचित व्यक्तियों, जर्भात् ह— 1. मेसर्स मनाली कार्पोरेशन।

(भन्तरक)

2. श्री इंदू एच० मीरचंदानी और अन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किए जा सकांगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। मेया है।

## मन्स्परै

दुकान नं० 3, जो ग्राउण्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 2, प्लाट नं० 48, 49 और 50, जालनाय बिलेज, मालाड (प०), अम्बर्ध-64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-3/37-ईई/11241/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज→3, बम्बई

धिनांक: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाही, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांवः 11 मार्च 1985

निवेश सं० ग्राई- 3/37-ईई/10843/84-85--- ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मृत्य 100,000 रु. से अधिक हैं

सीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, मालाड चन्द्र कोर को-धाप० हाउकिंग सोसायटी लि०, लिबर्टी गार्डन ,श्रास रोड नं० 4, मालाड (प०), बम्बई--69 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका वरारनामा श्रायकार श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2--7--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रम्यकान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विध से उक्त अंतरण कि सिंव में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) ब्लारण वे हुई किसी बाद की वायत, क्यस वीधिनियम के वशील कर दोने के बन्तपुष्क के शिवत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविशा के सिए; बीड/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जारिसयों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किना नवा था वा किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

बतः वयः, उक्त विधिनयनं कौ धारा 26%-न कै बन्धरन कों, को उक्त किधिनयमं की धारा 26%-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती सरला बाला घाप।

(श्रन्तरकः)

2. श्री रविन्द्र सीं ं पोंडा और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

## बनुसुची

प्लैष्ट नं० 2, जो, मालाड चंद्र कोर को-म्राप० हाउिंक म सोसायटी लि०, लिबर्टी गार्डन, कास रोड, मालाड (प०), सम्बर्द-69 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/10843/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी ' सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़– 3, बम्ब**र्ष**

दिनांक: 11-3-1985

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांज 11 मार्च 1985

निर्देश सं० श्रई- 3/37-ईई/11226/84--85-- यतः, मुझे, ए० प्रक्षाद,

क्ष।यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रुः. से अधिक हैं। और जिसकी सं० फ्तैंट नं० 3/जी-122, जी, बाफहिंदा नगर, खरोडी, मार्वे रोष, मानाध, बम्बई-195 में स्थित है (और इक्ष्में उपायब अनुसूची सें और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिन्ना अरारनामा श्रायक्ष श्रीधनियम, 1961 की धारा 2697 ख के ग्रजीन, दम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के बार्यापय में रजिस्ट्री है, तारीख 2- 7--1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नृत्य से कम के दश्यमान लिए अन्तिरत गर्द है प्रतिफल कौ विश्वास करने कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं अर्थर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्किक चिन्तयों, अधीत्:—— म० जाफिहरा बिल्डर्स।

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रेमनाथ श्रार० कीर्ति।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अम्**स्**ची**

फ्तैट नं० 3/बी-122, जो, बाफहिरा नगर, खरोडी, मार्वे रोड, मालाड, बम्बई-95 में स्थित है।

श्रनुपूची जैता कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/11226/ 84-85 और जा मजन प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 का रजिस्टई किया गर्या है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी नहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनांक: 11--3--1985

भ्रा**क**प आहे<sup>\*</sup>. टी. एन . एस . --------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-ण (1) के अधीन स्**चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाव्क्स (चिरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11303/84-85—प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं व दुकान नं 2, जो ग्राउंड फ्लोर, िटर अपार्टमेंट्रस सी विटी एस वनं 497 ग्रीर 499 (ग्रंग), विलेज वालनाय, ग्रोलेंम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वींगत है), ग्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 च्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचिता बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निम्निलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ सं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त लीजिनियम के अभीन कार दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जरात दाचन में स्वीवधा के बिए; बॉर/या
- एसी किसी आय मा किसी अन या अन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना आहिए जा, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मीलिखित व्यक्तियों, अभिति⊈— (1) यू० के० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) एत० मास्करेन्ह्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाज होती हो. के भीतर प्रविकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम विभिन्न में किए का सकती।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयक्त सब्दों और पदों का, जो उच्छ जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## नन्सकी

दुशत नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, पिटर अपार्टमेंर्स, सी०टो० ए०सं० नं० 497 श्रौर 499 (ग्रंग), विलेज वालनाय, श्रोर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/11303/ 84-85 और जो सन्नन पाधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

माहर :

प्ररूप भाइ. टी. एनं एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं अर्ह-3/37ईई/10684/84-85-अतः मुझे ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जितकों सं० फ्लैंट नं० 301, जो 3री मंजिल, '६", श्रंटनाडा", प्नाट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्ने रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अबीन बम्बई स्थिन पक्षम प्राविकारी के कार्यलय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल क लिए अंतिक्ति की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल कि में की अत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण ने हुद्द किसी बाय की बावत, उपके अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसके बणने मों मुविधा के लिए; आफ /या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था अ किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के रम्बरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर० जी० बिल्डर्स प्राईवेट लि०।

(अन्तरिक)

(2) श्री राम प्रसाद विश्वकर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्णन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्त जी

फ्लैंट नं0 301, जो, 3री मंजिल, 'ह' विंग भ्रॅटलाटा, फ्लाट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10784/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-3-1985

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11173/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं पनैट नं 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं 4, शालीमार इमारन, जनकस्याण नगर मालाड, विम्बई-68 में स्थिन है (ग्राँर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-1984 को पूर्णेक्स सम्पत्ति के जिप बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा स्रोधिनए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरणे में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—47—36GI/85

(1) शान्ग्रीला कन्सद्र नशन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एफ० वर्गीत, ग्रौर श्रीमती एस० के० वर्गीय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं 1, जो, प्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं 4, पालीमार इमारत , जनकल्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं अई-3/37-ईई/11173 83-84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रिजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर ३

## प्रकृष् बाई.दी.एन.एस.-----

## भायफर मिर्गिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मेथीम त्या

## भारत तरकात

कार्यालय, सहायक भायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश संग अई--3-37-ईई/10783---84~85---अतः मझे ए० प्रसाद

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

प्रौर जिनकी मं० पलेंध नं० 401, जो, "ई" विंग, प्रंटलाटा"

प्लाध नं० 38 आफ बालनाय विलेंज, मार्वे रोड़, बम्बई—64

में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से
विंगत है) ग्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनयम

1961 की धारा 269क, खं के अधीन तारीख 2-7-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान

पतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विकास

करने का कारण है कि यथाप्योंक्त तंपत्ति का उचित् बाजार

मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का

पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ट अन्तरण निचित

में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्स क्रिंपिनियम के अधीन कर दोने के कंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्हें इंडित व्यक्तियों, जर्मात् :---

- (1) मैससं आर० जी० बिल्डसं प्रा० लि०।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री पी० एस्० डिकोस्टा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी कारके पुन्नों का स्वश्नीत के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इब स्वमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तानील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इत त्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के याब विविद्य में किए जा सकींगे।

रचकीकरण :— इसमें प्रवृत्तत सन्यों और पदों का, जो उक्त प्रशिवियम के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

### सनसंभी

फ्लैंट नंग 401, जो, "इ" विग, "ग्रंटलांटा" प्लाट नंग 38 आफ मार्वे रोड़, वम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम संग (अई-3/37ईई/10783/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–३, **ब**म्बर्द

दिनांक : 11-3-1985

जोहर:

## प्रस्प बार्ड .टी..एर..एस. =----

# नायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

### भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11375/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल एफ विंग, ग्रंटलांटा प्लाट नं० 38 आफ बालनाय विलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण का से विणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की नायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जम्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स आर०जी० बिल्डर्सपा० लि०।

(अन्तरक)

(2) कुमारी विवेलेट डिसोजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिख् तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसू**ची

फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 38 आफ श्रंटलांटा एफविंग,आफ बालताय विलेज, मार्थे रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई-3/37ईई/11375/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्त्रई

दिनांक : 11-3-1985

प्ररूप वार्°. टी. एन. एस्.-----

**कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कों** धारा 269-च (1) के अधीन स्<del>च</del>ना

#### भारत सरकार

## कार्यांसय, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, जम्बर्द

बम्बई, दिनांत 11 मार्च 1985

निर्देश मं० श्रई- 3/37ईई/10910/84→85→-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायं कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निजकी सं० फ्लैट नं० 501, जो "इ" विंग, अंटलांटा" प्लाट नं० 38 झाफ वालनाय विलेख, मार्ने देरोड, मालाड (प), इम्बई-64 सें स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा झायकर झिबिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के झिबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्की है, तारीख 2-7-2984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, के भनकर अभिनियम, के भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा को निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् प्र---

- (1) में सर्स द्वार० जी० बिल्डर्स प्रा० लि० -। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विसेंट बेन्डीक्ट और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पृशेवित संस्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्यी

पलेट नं० 501, जो ''इ" विग अंटलांटा", प्लाट नं० 38 भ्राफ बोलनाय बिह्लीज, मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा थि क्रम मं० ग्रई--3/37-ईई/10910/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिवारी, अम्बई क्वारा दिनांक 2--7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायका श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, धस्बर्ध

दिनां सः : 11-3-1985

माहेर 🗯

## प्रकल कार्च . की . एक् . एक . ------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यात्तय, सञ्चयक भागकर वायुक्त (निर्फीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० श्रई- 3/37ईई/11102/85--85--**म**सं: मुसे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

और जिसकी मं प्लैंट नं 210, जो 2री मंजिल, अजीत पार्क-की, मोमवार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आवशर अधिनियमं 1961 की धारा 269 ; ख के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के वायोलय से रिजस्ट्री है, तारीख 2--7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तर्विक कप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के विद्यु; वीर/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्म शास्तियाँ की, बिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा को सिद्धः

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) चे अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, जर्थात ह— (1) देशमुख किल्डमें प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माया बलवंत पाटील।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी करके प्याप्ति सम्मत्ति के वर्जन के विष कार्यनाहियां करता हुं।

उन्हा सम्मति के क्रबंग के सम्बन्ध में कोई भी **वाक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से
  45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाइस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पाक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ ड्रांगा, खो उस अध्याय में दिया गंबा डिंग

## घनुसूची

पलेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, धजीत पार्क-बी, सोमबार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/11102/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि ग्रोरी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→3, बस्दई

दिनांव: : 11--3-1985

महिर:

प्ररूप भाइ ुदी, एन, एस, -----

आयकर मॅथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष भाषा 269-व (1) के मुधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

भम्बई ,दिनांवः 11 मार्च 1985 निर्देश सं० श्रई--3/37--ईई/11104--85--85 श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. सं आधिक ही और जिसकी सं पलेट नं 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, श्रजील पार्क-बी, सोमवार इजार रोड़, मालांड (प), बम्बई- 64 में स्थित है (और इससे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणा है) और जितका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्व में रिजन्द्रों है, तारीख 2-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) देशम्ख विल्डर्स प्रो० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरीब व्यंवटेश देशमुख।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूजाँकत सुम्मृतित् के व्यव् के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित श्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंचे।

स्थव्यक्तिस्यः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका नया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, अर्जीत पार्क-की, सोमबार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई--64 सेंस्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि कम सं० श्रई - 3/37ईई/11104/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्षर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶3, दम्झई

दिनां । 11-3-1985

प्ररूप नाहै, टी, एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### बार्द ररका

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० प्रई--3/37ईई/11103/84--85----भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाचार मुक्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो, 2री मंजिल, प्रजीत पार्के-बी, सोमवार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावह अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिनना करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 2690, ख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय से रजिस्टी है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया चवा या किया चाना चाहिए था, कियाने से सुनिधा के जिए:

नतः जन्न, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को नधीन, निध्नतिवित व्यक्तिस्यों, नथीत् क्र--- (1) देगमुख बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुशर एत० सालवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिनयम, के वश्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलेट नं० 202, जो, 2री मंजिल, श्रजीत पार्क-बी, सोमनार बजार रोड़, मालाड (प), नम्बई--64 सें स्थित है। श्रनुसुची जैताकि कम सं० श्रई-3/37-ईई/11103/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, नम्बई द्वारा दिनांक 2--7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए०ं प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज⊸3,बम्बई

दिनांक: 11-3-198**5** 

मोहरू 🛭

प्ररूप. माइं. टी. एन. एस. -----

बायधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत बस्ताहर

कार्यातय, सहायक जायकार जायका (विद्योक्षण) अर्जन रेंज - 3, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश मं० भ्रई- 3/37ईई/11049/84→85→-भ्रतः मझे ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्यात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के जधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्तित, जिसका उचित शाणार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पत्रैट नं० 8, जो, इमारत नं० एन-3 फोर एन्स को० ओप० हाउसिंग मोभाइंटी लि० सुन्दर नगर, और वी० रोड, भालाड (प), बम्बई--64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 व., ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त संवत्ति के उवित्त वाकार कृष्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संस्थित का उवित वाकार मृज्य उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का वन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्यरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) मिर क्यारिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक से सिंख तब वाका मवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिषित धें वास्त्रिक क्य से क्रिंचत नहीं विका गवा है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बावस, उक्त अधिनियम से अधीन कुट दोने के बन्तरक से दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियों इंगरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के सिए;

बतः बाब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, कंपीय क्रिक

(1) दीपवः ग्रार० मोदी । .

(भ्रन्तर्भ)

(2) श्री ज्ञानचंद राजमल जन।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं ।

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश, से
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायण की सारीय ने 45 दिन की नवींथ या सर्व्यंभी व्यक्तियों पद कृत्रना की राजीस से 30 दिन की वयांथ, यो औ अविथ बाद में सवास्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी म्लीक्स कुशारा;
- (व) इत तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्प्रील में हित-बब्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा, स्थाहस्ताकरी के बाव सिवित में किए वा समींगे।

## **प्रतृ**धूषी

प्लैट नं ० 8, जो, इमारत नं ० एन → 3, फोर एन्य को ० ऑप ० हाउभिंग मोक्षायटी लि ०, सुन्दर नगर, श्रार० वी ० रोड, मालाड (प), बम्बई – 64 में स्थित हैं।

श्रनुसुची जैसा कि कम सं० भ्रई-3/37ईई/11049/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸3, बस्कर्ड

विनांक: 11-3-19**85** 

मोहर 🗧

## प्ररूप काइ.टी. एत. एख-स्टन्स-स्टन्स-

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

#### भारत बर्दकार

कार्यालय, सहायक भावकर भावकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 मार्चे 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10907/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्नैट नं० बी/1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, पार्ट-ए विलेज वालनाय, ओर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अन्सार अंतरित कीगई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिश व्यक्तिमों, अर्थातः:—— 48-—36GI/85 (1) मैसर्स ल्यूबीन इंटरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री विन्सेर अलेक्जंडर मोंटेरो

(बन्तरिती)

को यह त्वना बारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथक्त तत्रपहित को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस तृषका के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की बनींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की तामील से 30 दिन की बनींथ, जो भी कर्वींथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

फ्लैट नं० बी/1, जो, प्राउन्ड फ्लोर, पार्ट-ए, सी० टी० एस० नं० 397, 397/1 से 6, विलेज वालनाय, ओर्लेम मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10907/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रिज़स्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बस्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11271/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 504, जो, "बी" विंग 5वीं मंजिल ला—चपेल को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एवरणाईन नगर के बाजू में, मितचौकी, आफ मार्वे रोड़, मालाइ (प), बम्बई—64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप ने विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि संभापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधिने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थातः:---- (1) श्री पी० आर० नरसिंहन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मैनादेवी अग्रवाल ग्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्षत्र सन्ती

फ्लैंट नं० 504, जो, "बी" विंग 5वीं मंजिल, ला-चपेल को० भ्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एवरणाईन नगर के बाजू में, मित चौकी, आफ मार्वे, रोड़ मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/11271/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

**पिनांक**: 11-3-1985

मोष्ठर :

प्रथम नाहर हो, हम . इस्.------

बावकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के विद्यान सुवना

#### मारत बरकार

कार्यातम, उद्दायक बारुकर नामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई ,दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11379/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर जिमिनमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उन्त निर्मितियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के जवीन सकन प्रामिकारी की यह निर्मास करने का कारफ है कि स्थापर सन्ति, जिनका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ-4, जो, 4थी मंजिल, श्रीराम भवन, मालवनी, म्युनिसिपल कालोनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (ा), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप सर्वणित है) श्रीर जितका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्विका संस्थित के उपित बाजार मूख्य के अब की काममान प्रतिफल को लिए किया गया है मुख्ये यह विश्वास अरने का जारण है कि समापूर्विकत सम्बद्धि का उपित बाधार मूख्य, उसके अवमान प्रतिकास ते, एसे अवमान प्रतिकान का पत्रक्त प्रतिकास से जीवक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिश्वी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकास, निकासिकत उक्करेप्यों से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिका रूप से अधिक नहीं किया गया है:----

- (क) नन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत अवत विध-निवस की नधीन कर वोते के बन्तरक के वायित्व को कभी करणे वा उनले धवने में तृबिधा के लिए; बीर/या
- (क) वृंधी किया आम वा किसी धन वा जन्य वास्तियों की, धिनहाँ जारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती वृत्रारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सविभा के सिए;

बक्तः जब, उन्त जीवनियमं की वारा 269-ग के अनुबरण में. में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, पेनस्मिसिस व्यक्तियों, वर्षात् इ---

(1) श्रीराम बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री फिलिप लोबो ।

(अन्तरिसी)

की वह तृषमा धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षन के लिए कार्यगाहिकों करता हुँ।

उन्त कमित से वर्षन से कमान्य में सोई भी भाषांत :---

- (क) इस स्वता के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बनींच या तत्संबंधी स्थनितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित मों भी नजींच बाद में समान्य होती हो, से शीतर पूर्वोंक्स स्वविश्वां में से किसी स्थवित ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बच्च किसी बन्य व्यक्ति द्वारा भथोइस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिरणः----इसर्वे प्रजूपतः सन्दं और पदों का, जो उक्क व्यक्तित्वन, के अभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया वक्क हीं

#### मन्द्रभी

फ्लैट नं॰ एफ-4, 4थी मंजिल, श्रीराम भवन, मालवानी म्युनिसिपल कालोनी के सामने, मार्वे रोड़, मालाड (५), बम्बई-64 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि कम सं० ंअई-3/37ईई/11379/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 11-3-1985

मोहर ३

## थक्त नार्वं, टीं. एन . एवं ..-----

बावकर विभिन्निका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

## भारत तरकार

कार्यालय, तड्डायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

वर्णन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ध, विनांक 11 मार्चे 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/11338/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद,

जायकर जिभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उन्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 2, जो "ए" इमारत, सिंबा इंडस्ट्रियल वर्कस की० भ्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाबार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफ स से एसे दश्यमान प्रतिफ स के पन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफ स, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित्र में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वेहुइ किसी बाव की बावत, उक्त विधिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वौर/या
- (व) ए'ती किसी या किसी थन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनिवस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीना, ौनम्नजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) गायत्री कन्सट्रक्शन कंपनी प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राधा नारायणन । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास तिवित में किये जा सकी।

स्वाचिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दाँ और पदौं का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्त्यी

पलैट नं 2, जो 'ए' इमारत, सिबा इंडस्ट्रियल वर्कस को अप्रॉप हाउसिंग सोसायटी लि , अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/11338/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा विनांक 2-7-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज~3, बस्बई

विनांक : 11-3-1985

मोहर 🔞

प्रकृष आईं, टी. एन. एस ,------

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन सुचना

## भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई धम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11373/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

लगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इचर्में इसके भवशास् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, "ए" इमारत, सिंबा इंग्रस्ट्रियल वर्कर्स को० ग्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बंतरण लिखित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- ूँक) अंतरण संहुदं किसी नाय की बानत, उक्त अभिनियम् के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्य में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के सिए; और/धा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) चे सभीना, निस्निसिवत व्यक्तितमों, समित् क्र---

- (1) गायती कन्सट्रक्शन प्रा० लि०। (अन्सरक)
- (2) श्री अब्दुल करीम महबुध एस० शेख। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लंट नं० 10, जो, "ए" इमारत सिवा इंडस्ट्रियल वर्कर्स को० घो० हाउसिंग सोसायटी लि०, अमृत नगर, भाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/11373/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 2-7-1984 को रिअस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप काई. टी. एव. एस्.....

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुभाग

### भारत सहकाह

कार्यालय, महायक अध्यक्त कायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11429/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेपात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हू'), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर मंगित जिसका उणित बादार मूनक 1,00,000/~ रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 58, जो "ए" इमारत सिवा आय डब्ल्यु को० ऑप० हार्जसग सोसायटी लि० अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की घ(रा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इसे क्रयमान प्रतिफल का कन्द्रम प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त सि निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गवा हैं

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उक्त विध-नियम के अभीन कर दाने के बन्तरक के दायित्व में कमी कटने या उसने विधने में सुविधा के निए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा वी लिए;

कतः अप, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कौ अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् ध--- (1) गायत्री कन्सट्रक्शन कंपनी प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री कुष्णप्पा अडका ।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन हैं जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो मीं जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः --- इसमें प्रयुक्त मञ्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

प्लट नं० 58, जो, ए-1, इमारत, सिक्षा आय क्रक्ल्यू को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/11429/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2--7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ण (1) के अभीन सूचना

### भारत चरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, श्रम्भई श्रम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/11081/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलट नं० 3, जो ग्राउन्ड पक्षीर, "माधव कुटीर" इमारस, प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 92 आफ 7वा रस्ता, रजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थयमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और सक्षे यह निष्ट्यास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्या, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के निए नए पाया गया प्रति-फला, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त-बिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुद्दं किसी आग की बखत, उभत निभिनियम के अभीन कर दोंगे के अन्तरक के दायिएन को कासी कारने या असन अभन पाँ बुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिय;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में , माँ , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिकिक व्यक्तियों, जर्थात् :---

(1) मेसर्स जे० एच० इंटरप्राइज।

(म्नन्तरक)

(2) श्रीमती सिवसा माधवराव पवार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्प्रांत्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबक्ष कि मी अन्य अधिक देवारा अधिक साथरी के पार्श्व सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

फ्लैंट नं० 3, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, "माधव कुटीर", इमारत ,प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 92 आफ 7वा रस्ता,रजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/11081/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनोक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 11-3-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के मुधीन सुचना

### भारत सहस्रा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्धई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10949/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विष्यात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00 000/- रा. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो "बी" विग , 1 ली मंजिल नवरे बाग अपार्टमेंट, सर्वे नं० 231 (श्रंश) रेलवे स्टशन के बागू में, (सी० टी० एस० नं० 4, 4/1, से 4/45 श्रीर एस० नं० 231 (श्रंश) श्रीर सी० टी० एस० नं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 कुर्ला (पूर्व), बम्बई-24 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बंजित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अत्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पदह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्धरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यापण सं हुन्हें किसी भाष की शास्त, उपक शिक्षित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाजित्य में कमी करने या उससे व्यमें में सृविधा के जिए; बौर/या
- (बा) ऐसी किसी बाग या किसी घन या जन्म वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायक र बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम भी भारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ,, उक्त अधिनियम असे भारा 269-म की उनकारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियमें अमृति ह—— (1) में सर्स जैंन बिल इसं।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एजस० कृषमूर्ति धौर श्रीमती पार्वधी कृष्णमूर्ति ।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी काउक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध वो भी
  जविध बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकर
  व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वध्योकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उपस विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट है, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया व्या है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 10, जो "बी' विंग, 1क्षी मंजिल, मबरे बाग अपार्टमैंटस सर्वे नं० 231 (श्रंश), रेलवे स्टेशन के बाजू में (सी० टी० एस० नं० 4, 4/1, से 4/45 श्रौर एस० नं० 231 (श्रंश) श्रौर सी० टी० एस० नं० 5में 5/1 श्रौर 5/2 कुर्ला (पूर्व), बम्बई-24 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10949/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, **धम्बई**

दिनोक : 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइ<sup>\*</sup>.टी.एन<u>.</u>एस<u>.</u>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीम सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

षम्बाई; दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11245/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद

षायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्ध्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 1, जो 3री मंजिल विंग एफ इमारत नं० 2, "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गाँ, गाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यविसयों, अर्थात् :— 49—36GI/85

(1) पारुल इंटरप्राइज ।

(अन्सरक)

(2) श्री अभर वाय बादेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 चिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 1, जो 3री मंजिल, विग एफ, इमारस नं०2 दामोदर पार्क एल० बो० एम० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं अई-3/37ईई/11245/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, झम्झई

दिनांक: 11-3-1985

## प्रकप काइ . भी . एन . युस् . =------

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10966/84-85--अत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 201, जो ए०—विंग, 2री मंजिल, हैतेल अपार्टमैंटस असल्फे विंलेज, होम गाउँस पेवेलियन के बाजू में, धाटकोपर (प), बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिस का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धार्ण 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रितिकल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंचह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मों अकत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैसर्स खिमया कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलजीत सिंह पुत्र श्री चरनसिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की विष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इदारा;
- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थान्य संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य स्थान्य स्थाहरताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

पर्लंडि नं० 204, जो, ए०-विंग, 2री मंजिल, हितेश अपार्टमेंटस असल्फे विलेज, होम गार्डस के धाजू में, पेवेलियन घाटकोपर (प), धम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10966/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 की राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

मोहर 🗈

## इक्द बाइ . टी . एम् . एस् . ------

बार्कर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की पाउर 269-व् (1) के वधीन व्यना

#### HIST SSTEE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10834/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, विसका उचित् शायार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, शी-विंग, हिनेण अपार्टमेटस असलफे विलेज, हाम गार्डम पेविलिधन के बाजू में, घाटकोपर (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 2-7-1984

को प्वां क्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि सथाप्यों कत सम्पत्ति कम उचित बाबार मृत्य उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्ह रित्री (अन्तरितियो) क बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिल्तित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुए किसी बाथ की नावस करते अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

वतः अध उक्त जीभिनियम की भारा 269-प क नपुचरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269ग की उपभारा (1) को सभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, सर्थात् ≟— . (1) श्रीमती पवन शांतीलाल रंका।

(अन्तरक)

(2) श्री अत्तर्रासंग टी० मलिक।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यकाहियां करता हूं।

**उन्त सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप** ८०००

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी जनभि नाव में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकारी।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किश्वित्यमं, के अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, दही कर्ष होगा, जो उस् अध्याय में दिशा क्या है।

## अमस् ची

फ्लट नं 104, जो, 1 शी मंजिल, बी विग, हितेश अपार्टमेंटस असरफे बिलेज, होम गार्डम पेविलियन के बाजू में, घाटकोपर (प), बम्बई में स्थित है।

अनुषूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10834/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2~7-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

**एरूप बाइ ० टी० एन०** एस•~

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) की भारा 269-क (1) के जुनीय सूचना

#### STATE STATE

कार्यात्तयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11074--अतः मुझे, - ए० प्रसाद

शायकर शिंशियम 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें प्रकात (उन्त अधिनियम कहा नया हो), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति विसका उचित्त वासार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० पर्लंट तं० 1, जो, विंग ए, ग्राउन्ड पलोर, इमारत नं० 3, "दामोदर पार्क" एन० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वांक्त समपत्ति के उचित बाजार मून्य से का के कामाब प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख को अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मून्य उसके कामान प्रतिकृत से पूर्व कामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकृत, निम्नसिबत अद्वेष्ट से अक्त अन्तरण शिविय में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया नवा है इ---

- (क) निराय ते हुई किती शाव की वावक, उक्त नार्ध-निवम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने ना उत्तसे नक्ष्ये में तृतिधा के लिए; बीट/ना
- (थ) ऐती किसी जाय वा किसी धन या जन्म शास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्ता अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाथ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना वाहिए था, किया है जिला हिए था, किया है जिला है किया के हिन्दू;

जात: अव, उक्त अधिनियन की भारा 269-ग की अनुसर्भ भों, भीं, उसत जीभीनयम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, निस्तिसित व्यक्तित्वों, अर्थात् ≟— (1) पारुल इंटरप्राइस ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोसेफ चार्लीज ग्रंद्राडे ग्रौर श्रीमती रोसालीन जोसेफ श्रंद्राडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति. को अर्थन के सिए कार्यवाहियों कारता हुएं।

## उक्त तुम्बत्ति के वर्णन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेप 2----

- (क) इस त्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीना से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त कथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही जर्थ होगा जो उस अध्याय में - दिया ग्या है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, विंग ए, इमारत नं० 3 ''वामोदर पार्क'', एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई–86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/11074/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक : 11-3-1985

हरून बार्ड <sub>त</sub> ठौ<sub>त</sub> एन <sub>न</sub> ६४७ हरून

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय. सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 11मार्च 1985

निदेश मं० श्रई-3/37ईई/11343/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० पलैंट नं० 005, जो ग्राउन्ड पलोर, इमारत नं० 12, कपाडिया नगर, सी० एस० टीं० रोड, कुलो, बम्बई—70 में स्थित हैं श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पंद्रह गितारत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशिय से उक्त अंतरण चिलित में बास्तविक । इप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अम, उक्त अधिनियम क्क्षी धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) यूसुफ उस्मान मर्चेन्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी कामने ---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म म्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए किस सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

## नग्राची

फ्लेंट् नं० 005, जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 12 कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड़, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम म० श्रई-3/37ईई/11343/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनक · 11~3~1985

अंहर 🛭

मुक्के, बाह्ये, टी., एक., एक., -----

नामकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्थान

### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 85

निदेश सं० अई-3/37ईई/10938/84-85--- मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन समझ लोगाया को, यह गणात कारों या कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकीं संव दुकान नंव के जो सुशींला श्रपार्टमेंट. एसव एसव रोड़र, मृलुड, (प), बाह्य मेंस्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्राय १ र श्रिधियम 1961 की धारा 269 कथ के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी, के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गयां है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे जजने मो सुविधा केलिए: जॉर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन यां अन्य अमिसवाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922ं (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने मं स्विधा स्ने सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीत् :→ (1) रंजन जै० देशीं।

(अन्तरक)

(2) मुलजीभाई जसराजजी पुरोहित श्रीर ग्रन्थ (श्रन्तरितीं)

की वह सूचना बाएी करने पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षान्त में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकरि।

स्मच्छीकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जा उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, चो उस अध्याद में दिया गया है।

## वन्स्ची

दुकान नं० 5, जो सुशीला श्रपार्टमेंट, एस० एन० रोड; मुलुंड (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूचीं जैसा कि कम मं० श्रई-3/37ईई/10938/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

विनोक /: 11-3-1984 मोहर क प्ररूप भार्द ुटी. एन्, एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 264-च (1) के बेभीन सुच्ना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

वम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश <sup>१.</sup> मं० श्रई-3/37ईई/10886/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परकात् 'उधत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी व े, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिनकी संव दुकान नव 27, जो जीनकमल हमारत, जंक्शन प्राफ गोविन्द नगर रोड़, मालाड (प), बस्वई-64 में स्थित है (प्रांग इस में उराबद्ध प्रतुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप में विगित है) ग्रांग जिनका करारतामा ग्राथकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269फ, ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजम्ही है, तारीख 2-7-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में काम के स्थमान प्रिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का जन्द्र प्रतिशत से मुधिक है और मंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कत निम्नितियत उद्वदेश से उक्त अंतरण मिश्वत में बास्तियक स्थ से कथित नहीं किया बचा है है—

- (क) अन्तरण सं हुइं किनी गाम की बाजत, उक्त जीधीनयम के जभीन घर वेने के अन्तरक अने दायित्व में कथी कारने या उससे वचने में स्विधा के निग्र; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का )1) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 169-ग के अनुसरण को, को उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) अ} अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् के— (1) श्री महेन्द्र एन० गांधी।

(मन्तरक)

(2) श्री दिनेश श्यामसुदर हलवाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस बुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिस् की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्का की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में जिल्ला कर सकाय ।

स्पध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित इं. सड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिका कका है।

#### वनस्था

दुकान नं० 27, जो नीलकमल इमारत, अंक्शन श्राफ गोनिंद नगरं रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/10886/ 84~85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🏨

प्रकल बाह्य टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निर्राक्षण) श्राजिन रेंज-3, अभ्यर्द अभ्यर्द दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/10999/84-85--- **श**तः मुझे ए० प्रशाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 402, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० 14, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, (प), बम्बई-70 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थिन मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते कम के अध्यमाम प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्मे यह विकास फरन का कारण है कि यभाप्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का क्ल्फ्य प्रतिशत से विभक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरित (अन्तरितियों) के बौज एसे अन्तरण के लिए तब बाया गथा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उपत अन्तरण निवित में भारतिक रूप से क्यार महीं किया गथा है ए—

- (क) जन्तरण से हुई फिसीं अथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन श्रद्ध को के जन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: श्रीदर्श्य का
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुजिधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन नियमित स्थानसर्थों, अर्थात हु--- (1) द्रोपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) नसीम श्रब्दुल रशीद शेख।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पुर्वेक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, इसारत नं० 14, कपाडिया नगर सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रमुस्थी जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/10999/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्ट के किया गया है 7

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर **ग्रायु**क्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 11-3~1985

मोहर 🖫

प्रकृप जादाँ, टी. एस., एस., ------

भायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारतः सरकाड

कार्याक्य, सहायक कार्यकार आवत्रत (निरीक्तक) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/10787/84-85- अतः मुक्ते ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का जारण है कि स्थावर मन्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/- का संअधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 407 जो 4थी मंजिल, इमारत नं० 8 क्याडिया नगर, सी० एम० टी० रोड़, कुर्ला बम्बई -70 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), ग्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जायांत्रिय में रिजस्ट्रिय हैं दिमांक 2 जुलाई 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्त्रह प्रतिश्रम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उन्त अन्तरण निमित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (कः) एमी एक मी अष्य था किसी धन था अन्य वास्तिको ।। १८०० आय वर नाँपानियम । १९२२ (१९२२ का ११) मा उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (१९६७ का २१) से प्रकारनार्थ अन्तिराधि प्रवास प्रकट नहीं नियम गया था था किया जाना साहिए था, दिल्याने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंद व्यक्तियों, अर्थील्:---50--36GI/85 (1) दिपक बिल्डर्स प्रायोध लिए।

(अन्तरक)

(2) ताहेरभाई ए० अली महासरवाला श्रीर-मोहमद ताहेर मकासरवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करक पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

चनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपः 🕶

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबीय ना तत्वम्यन्थी व्यक्तिनों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वाध्त, में भी सम्बंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्तिय इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तप्ररीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के शास विकित में अग्र का सकोंगे

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

पलैट नं 407 जो 4थी मंजिल इमारत नं 8 कपाडिया नगए सी एम टी रोड़, कुर्ला वस्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैमािक ऋ० सं० अई-3/37-ईई/10787 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिलांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद, नक्षम प्राधिकारी महायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक :- 11-3-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज --3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11050/84-85 —अतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सक्ष्यित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203 जो इमाप्त नं० 9, क्पांडिया नगप, विद्यानगरी मार्ग, सी० एम० टी० रोड़, कुर्ला, बम्बई -70 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ),श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजंस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे दचने में सुनिया के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन भा कन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मेंहेरून्नीसा एम० वकील । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शुबेदा मोहम्मद हनीफ मुर्ती । (अन्तरिती)

की यह सुवना जारी करके प्रविक्त सम्मिति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेंग को उस अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

पर्लैट नं० 203 जो इमारत नं० 9, कपाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ली बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-3/37-ईई/11050/ 84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :-- 11-3-1985• मोहर प्ररूप कार्द्र , टी. एन ु एस्,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत चरकाड

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रेज-3 अम्बर्ध अम्बर्ध, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेण सं० अई-3/37-ईई/112**3**1/ 84-85--- अतः

मुझे ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिनकी सं० पतेंट नं० 301 जो तीसरी मंजिल इमारत नं० 17 कपाडिया नगर सी० एस० टी० रोड़ कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका सुरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1985

को पूत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, असके स्थममान प्रतिफल से, एसे स्थममान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, जिम्मिलिंदत उद्देष से उच्य अभ्यत्न सिवित में बाजा-विक रूप से कथित महीं किया पना है।

- (क) बन्ताहरू वे हुई किसी बाव की वावता, अवस विधितियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; व्यक्त/वा
- (क) प्रेमी किसी बाय या किसी धन था जस्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया क्या था यो किया जाना वाहिए दा कियाने में सुविभा के निष्टु:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) विषक विल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) डॉ अब्दुल हमीत हाऊद पटेल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्य सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप 🖛

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विक की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पित्तकों कर सूजना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी स्विध गांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर क्युन्तियों में से किसी स्पित्त ब्यारा;
- (च) इस त्जना के राजपत्र संक्षेत्रकाशन की तारीच वी 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्म- किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी की पाच विलियत में किए जा सकी ग।

स्पष्टोकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पनैष्ट नं० 301 , जो तनरी मंजिल, इमारत नं० 17, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड़, कर्ज़ा (प्), बम्बई 70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० अई-3/37-ईई/11231/ 84-85ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 2 जुलाई 1984 को रिजस्टिंड किया गया है:

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहांयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :-- 11-3-1985 मा**हर** ⊴ प्ररूप आई.टी एन.एास. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37/ईई/11344/84-85—अतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. में, अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फेलैंट नं० 002 जो ग्राइंड फ्लोअर, इमारत नं० 12 कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड़ कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और भुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियंग के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ई अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के इनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्धात् :--- (1) दिपक त्रिल्डर्स प्रायवट लिए।

(अन्तरक)

(2) रिफक उस्मान सुमन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्िक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सृष्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित। है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 002, जो ग्राउंड फ्लोअर, इमारत न० 12, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड़ कुर्ला (प) बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई-3/37-ईई/11344/ 84-85 श्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> ए० प्रसाद पक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :-- 11--3-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

धारह गरदार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँवः 11 मार्च 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/11282/84-85, अतः मुझे ए० प्रामद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा में अधिक हैं

और जिसकी संश्युतिह नंश 36. जी. 1 ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट बिअशिंग मीशटीश एम० नंश 108/3, बिलोजहरीयाली, एलश्बोश एम० योष

विकोली बंस्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके पश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युद्ध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्लं एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियज, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियज, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियां जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) भुयोग इंटरप्राईम ।

(अन्तरक)

(2) समब टेकनी सेल्स ।

(अन्तर्रती)

की यह मुखना जारों करके पूर्तीक्त सम्पालि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण: ——इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

युनिट नं० 36, जो, 1ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट बेऑरंग मी० टी० एस० नं० 108/3, विलेज हुरोयाली, एस० बी० रोड़, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/11282/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बस्बई

दिनांक 11-3-1985 मां**डर** ॥

## प्रक्ष बाइं. दी. एन. एस . -----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धार्य 269-च (1) के मधीन सुच्ना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-37<sub>1</sub> 3ईई<sub>/</sub> 11389/84-85--असः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 196.1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेत (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 3-ए, दामोदर पार्क, लाल बहादुर णास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प), अम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूच्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे हरयमान प्रतिफल का पन्त्रम् प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त जिथितियम के जभीन कर देने के जन्तरक वी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1002 का 11) या उक्त प्रतिस्थिम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था. जियाने में सुविका क निष्ध।

कतः अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अभीन निम्निमिक व्यक्तियों, वर्षात् क्र-- (1) भरत एस० भट्ट।

(अन्तरक)

(2) 1 श्रीमती सुनीता भटनागर, श्रीर 2 श्री अविनास कुमार भटनागर।

(अन्तरिती)

की यह स्थना बारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के भजन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) ६७ सूजना र राज्यक्र मे अकाणा की तारीख मे 45 दित की अविधि या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याच में समाध्य होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस भूवना के ठाजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर भम्पत्ति में हितबद किसी भन्य स्थित द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकींगे

व्यवसीकरणः —इसर्ने प्रयुक्त जना योर पर्ने हा, ज उक्त प्रध-ान्यम ने अध्याय 20-क में प<sup>रित्</sup>णायित है, बही अर्थ क्षोमां, जो उम मध्याप में दिया गया है।

## वन्तुन्त्री

प्लीट नं० 3, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 3-ए, दामोदर पार्क, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर, (पश्चिम) धम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई-3/37ईई/11389/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहाकक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई.

दिनांक : 11-3-1985

मांहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई $-3_{l}$  37ईई $_{l}$   $10823_{l}$  84-85-3स: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, प्लाट नं० 76, "संगीत" इमारत, घाटकोपर संगीत को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी, गारोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं ,तारीख 2-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पित के जिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि उथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दिश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः —— (1) श्री के० एस० कृष्णन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला श्री निवासन।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अशीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अशीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-. नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

परीट नं० 4, जो, प्लॉट नं० 76, 1ली मंजिल, "संगीत" इमारत, घाटकोपर, संगीत को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी, आरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10823, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रार्धिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

प्रस्प बार्ष.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई अम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10802/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 18, जो, 4थी मंजिल, इमारस "ए", प्लाट सर्वे नं० 183, 183-1/70, श्री राज राजेश्वरी अपार्टमेंटस, नारायणा नगर, एव० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रिज़स्ट्री है, तारीख 2-7-1984

का' प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उकके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण स हुड़ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्च भ सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय गा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिप्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुतिथा के लिए:

बत: अम उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बसीलाल एव ग्रोबेराय।

(अन्सरक)

(2) श्री शंकर देवशी गजरा (भानुशाली)

(अन्सरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 18, जो, 4थी मंजिल, इमारत "ए" प्लाट सर्वे नं० 183, 183-1/70, श्री राज राजेश्वरी अपार्टमेंटस, नारायण नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है।

ं अनुसूची जैंमा कि कम मं० अई-3/37ईई/10802/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षंम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

मोहर ः

प्रकर्ः बार्कः टीः पुनः प्रवः :---

कारकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### मारत सरकाह

कार्यात्तय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई. दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10907/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सञ्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है भीर जिसकी स० फ्लैट नं० 2, जो, बम्बई सरगम, प्लाट न० 24, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), अम्बर्ध-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिवात से मभिक है और जन्तरक ं(अन्तरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकंत निम्नसिचित उददोव्य से उक्त वंतरण निचित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ै---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लामिया के ब्राचीन कार दोने के बन्तरक के बामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बाँट/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धर्म ए सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर, सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में स्विया के सिंद;

बतः बब, उक्त बिधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—51—36 GI/85

(1) रजनीकांत बजलाल माहा।

(अन्तरकः):

(2) श्रीमती कमलाबेन वनमालीवास टन्ना, ग्रीर श्री नवमालीवास विट्ठलदास टन्ना । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारश;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ष्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वध्यक्ति रण: — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, वो उक्त विभागियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

पलैट नं॰ 2, जो, धम्बई सरगम, प्लाट नं॰ 24, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई -7.7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10907/ 84-85 श्री जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 11-3-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइ<sup>3</sup>, दी. एन. एस्. -----

बायकर विधिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थाना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भागकर भागूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/10820/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि इस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 411, जो, 4थी मिजिल, हिल क्ह्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर. (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपावत अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का अचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय शवा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्धं कि.मी. काश की बाबता, अपन अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या जससे बचने के स्मृत्यिका के लिए; और या/
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कल अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957. (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

अतः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः— (1) मैंसर्स एस० एम० पी० इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीबंसीलाल एष० ग्रोबराय।

(अन्सरिती)

को वह ब्रुचना चार्टी कारके पूर्वोक्त बंगरित के अर्धन के निष् कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासीस से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती। हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र निवित में किए जा सकती।

स्वक्टोंकरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

युनिट नं० 411, जो, 4थी मंजिल, हिल व्हय इंडस्ट्रियस इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10820/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकथरी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

## त्रकत आहें हो . एवं , एवं , -------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

## भारत सरकाह

कार्यातच , पद्दायक नामकाह नामुक्त (निहासिक्य) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11279/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पश्चाल् 'उक्त व्यथितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विक्यास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित वाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी र्सं० यूनिट नं० 40, जो, 1ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली (प), बम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल स एस क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिक्षें) के बीच एसे अन्तरण के निए द्यं पाया भूषा प्रतिकृत, निम्निनिच्छ उद्योग्य से उन्तर अन्तरण विक्षित के व्यवदिक कम से कवित नहीं किया पना है कि

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाब्ब, क्या किय-नियम के अभीत कर दोने के अंतरक के वाबित्य के कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन वा बन्च वास्तिकों की बिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया ववा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में तृतिथा के बिका;

बतः अव, उत्तर विधिनियम की धारा 269-न के नन्तरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्निनिविध महिनाकों, अर्थव ■— (1) मैसर्स सुयोग इंटरप्राईज।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर बी० वेंगसरकर, और दिलोप बी० वेंगसरकर।

(अन्तर्दूरती)

को यह सूचना चा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षण के</u> सिए कार्यकर्षहर्था करता हुं।

उन्त सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्भि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थनित वों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा स्केंचे।

स्वष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त करूवें और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

## बगुसुची

युनिट नं० 40, जो, 1ली मंजिल, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विक्रोली (प), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37-ईई/11279/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण` अर्जन रेंज-3, बम्न

दिनांक : 11-3-1985

प्ररूपः, बाहुँ । टी ु एम् । एस् । = = = =

नायकर नाभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मं (1) के नभीन सूचना

#### प्राप्त सहकार

कार्यातयः, सहोयक भायकर भायकः (नि<u>ंदीकाण)</u> अर्जन रेंज-3, बम्बई

ं बम्बई, धिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई—3/37-ईई/11391/84—85—अतः **मुझे** ए० प्रसाद

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, विंग की, इसारत नं० 6, "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई—86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अबोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी शाय की वावता उक्कय अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उच्चये वचने में सुनिधा के सिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं फिया गया वा या किया क्रिया गाहिए था छिपान में मृक्षिण के किया।

सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) निम्नसि£चत अधिकार्यों क्रिशांत् क्र- (1) मैससे पारूल इण्टरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० अब् मोहिंद्दीन भौर श्रीमती आयशा ए० मोहिंद्वीन।

(अन्तरिती)

**की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्थन के लिए** कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनसूचीं

दुकान नं 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, विग-बी, इमारत नं 6, ''धामोदर पार्क'', एल बी एस मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/11391/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप थाइ. टी. एन., एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिगांक 11 मार्च 1985

निदेश संग अई-3/37ईई/11484/84-85/--अतः मुझे ए॰ प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रुपर्व से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं प्लैंट नं 401, जो, 4थी मंजिल, "ब" वि इमारत नं 1, यांती पार्क, गारोडिया नगर, घाटकोपांर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरफों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा नया प्रतिफल, मनम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में कास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; जौर/या
- (क) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों कां, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) मैसर्स नीलम डेवेलपमेंट।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश अमृत लाल मेहता कर्ता घौर मेनेजर आफ हिज घग यू० फंग अकांउट।

(अस्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बढिंश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किंग्रे वा सकीं।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## मन्स्यी

पलैंट नं॰ 401, जो, 4थी मंजिल, बी विग, इमारत मं॰ 1, शांती पार्क, मारोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), सम्बद्द में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/11484/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 11-3-1985

मोहर: .

## प्रथम बार्ड की , स्य . स्य . -----

वायक र विभिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### नारत तरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-3. **बम्बई** बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश संग अई-3-37ईई/10841/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं० युनिट नं० 412, जो, 4थी मंजिल, हिल वह्यू इंडस्ट्रियल इंस्टेट, एल बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विवनात करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का जोभत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत्त , निम्मतिविद्य उच्चेक्य से उच्च कन्तपुन निविद्य में बास्त-

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आग की वाबता, अकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की बायरक में क्षित्य में क्ष्मी करने या उत्तरे अभने में सुविधा के लिए, और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत्त, अ्व, उक्त निभित्तिवृत, की भारा 269-न की वनुकरण वं, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् थ— (1) मैसर्स एस० एन० पी० इंटरप्राईजेस।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कान्सेल्स आय० म० एन० सी०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के तिथ् कार्यशाहियां करता हुं ।

## क्षक संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## मन्स्ची

युनिट नं० 412, जो, 4थी मंजिल, हिवल व्हयू इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/10841/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**ध** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, **बम्बई**

दिनांक : 11-3-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.------

भागकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

#### भारत तरकार

कार्यां ज्या , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-3/37ईई/11284/84-85--अतः मुझे ए ० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्क 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं दुकान नं 7, जो, प्राउन्ड फ्लोर, "ए०" वि०, निर्माणाधीन इमारत, कदम वाडी, "मजानन निवास", वाकोला विलेज रोड़, सांताकूज, (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है (भीर इससे उपाबज अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, तारीख 2—7—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अधिरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उनत अभिनियन के अभीन कर देने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाब या किसी वन या जन्य आस्तिक। की, जिल्ही भारतीय जायकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिक अधीक, निम्मिखिकिक स्पिक्तियों, कर्मात् ;--- (1) मैंसर्स राव एन्ड एसोसिएटस।

(अन्तरक)

(2) श्री रेमंड डिडोरियो कुटीन्हो ।

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निगः कार्यवाहियां सूक करता है।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो शी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति सुवारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जा उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद ते दिया गया हैं।

## अनुसूची

दुकान नं० 7, जो, ग्राउन्ड पलोर, "ए" विंग, धिर्माणा-धीन इमारत, कदम वाडी, "गजानन निवास", बॉकोला विलेज रोड़, सांताऋज (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई—3/37ईई/11284/ 84—85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा विनांक 2—7—1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

भोहर 🗦

## होक्यु मार्च , दी, एव. व्ह , ----

## भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाल 269-म (1) के विधीन स्भाना

#### भारत नुरुक्तर

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/11390/84-85--अतः मुझे १० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमाह 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 5वीं मंजिल, विग-ए, इमारत नं० 3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाट-कोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को प्रविक्त संपत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के ख्रयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वृतिक्ष्म, निम्निसिचत उद्देखों से स्वत् जन्तरण कि विष् में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) सन्तरण वंहुई पिली बाद की नावल, उपक विभिन्दित के स्थीन कर दोने के सन्तरक के समित्व में कभी करने ना उससे स्थान में स्थिया के सिए; वरि/या
- (च) एसी किसी अब वा किसी वन वा अन्य आस्तिओं को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नया वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षांतु है—

(1) श्रीमती सारामती मुगतलाल पारेखा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पारुल इंटरप्राइज।

(अन्तरिती)

को वह बुवना बादी करके पूर्वोक्त बुज्यीत के वर्षन् के जिल्ला कार्यवाहियों करता हुं।

## डक्त सम्पत्ति को कर्षन को सम्बन्ध यो कीहाँ भी बाह्मेप ए---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विश्वि वाद में समाप्त होती हो, को भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्थाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पर्दों का, वा सक्य निधानियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही न्ध होगा थी उस अध्याय में विका प्रवाहीं की

## प्रनुसूची

पसैट नं 1, जो, 5वी मंजिल, विग-ए, इमारस नं व 3, "वामोवरं पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/11390/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-3-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

नायकद्र मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

क्रमालय, तहायवः नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० झई-3/37ईई/11388/84-85--- प्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रधाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूख्य 1,00,000/ रूस से अधिक हैं

और जिसकी संव पर्लंट नंव 1, जो, 4थी मंजिल, इमारत नंव 3-ए, दामोदर पार्क, लाल बहादुर णास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनाम भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रितफल से, ऐसे दृष्यमान प्रितफल के पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रितफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बनारण में हार्च किसी शाय की बाबता. जन्न श्रीकिया में अभीत कर दोने के अन्तरक के शारिश्य में क्यी करने या अभने बचने में भृष्यिश के निश्य श्रीर/या
- (ब) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या रकत अधिनियम, 1925 का 27) के पृत्र अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; खियाने में स्विधा से विषदः

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नितिकित व्यक्तियों, अधित :----52---36GI/85 (1) श्री प्रकाश पी० पाठक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इंदू भटनागर, और श्री महेश कुमार भटनागर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस-स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, को अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

## अनुसूची

पलैट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 3-ए० दामोदर पार्क, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/11388/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज-3, बम्बई

<sup>द</sup>नांक : 11-3-1985

प्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्<mark>क्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेण सं० म्रई-3/37ईई/11392/84-85--म्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर विशित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो 3री मंजिल, इमारत 3/सी, दामोदर पार्क, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पासा गवा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वश्य से उक्त अन्तरण सिचिता में

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अर्धानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे बचने में तृबिधा के लिए: और/बा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर महीं किया गवा धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा छे निए

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीग, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स प्रशोक कमशियल इंटरप्राइजेस (प्रन्तरक)
- (2) श्री श्रवन कुमार रोहरा, और र्श्वा अशोक हुंदराज रोहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## भनुसूची

पलैट नं० 2, जो, 3री मंजिल, इमारत 3/सी, दामोदर पार्क, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋब सं० ऋई-3/37ईई/11392/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

विनोक : 11-3-1985

प्रकार वार्षः, दी. एव. एव. -------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

## भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश र्फ्,० श्र६०-3/37ईई/11482/84-85---श्रतः मुझे; ए० श्रसाव

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रचात् 'उक्त निधीनयम' कहा गया हैं), की चार 269-यं के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने सा कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, चिसका उचित वाजार मूख्य ,00,000/-रा. से निधक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ६, जो, देव श्राणिष को०-ओप० हाउसिंग सोसायटी, नेताजी पालकर रोड़, श्रसल्फे घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका फरारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्षायांलय में रजिस्ट्री हैं तारीख 2-7-1984

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यसाण प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेस्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिकक रूप से किया नहीं किया गया हैं ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, उक्स जीधनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के साबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; स्वीर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिष्।

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निज्ञनितिश्वित व्यक्तियों, जथित :--- (1 श्रीमती लक्ष्मी हरीहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हेमराज खियाशी गाइ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्षेत्रिय माद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन के भीतर उक्स स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वम्स्वी

प्लैट नं 6, जो, देव श्राणिष को ज्याप हाउसिंग सोसायटी नेताजी पालकर रोड़, ग्रसल्के, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रर्नुसूत्री जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/11482/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड कियांगया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

प्रकृप वार्षं.टी.एम.एस.-----

आयकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुच्या

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निराँक्षण)
प्रार्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11431/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बौबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 3, जो, "ए" इमारत, सिबा इंडस्ट्रियल वर्कर्स को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरिक के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कीयत नहीं किया गमा है:—

- (क) नंतहण से हुइ किसी नाय की यावस, उनक मिनियम के मधीन कार दोने के. अन्याक के दायित्व में कार्य कारने या असमें बचने मो स्विधा के लिए: क्षेत्रिया
- (क) एंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना क्यांचा था, क्विया में क्विया कर्मीका के सिक्ष

कराः। वय उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की भारा 269-यं की उपभारा (1) के क्यीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अभिति :---

- (1) गायती कन्सट्रक्शन कम्पनी प्रा० लि०। (भन्तरक)
- (2) श्री एस० नटराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताय:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को सम अध्याय में विका गया है।

#### 1784

पसैट सं० 3, जो, "ए" इमारत, सिंबा इंडस्ट्रियल वर्कर्स को०-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, धमृत नगर घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं०, मई-3/37ईई/11431/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजंन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

मोहर ा

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बई / बम्बई, दिनाक 11 मार्च 1985/

वस्पर, (प्रापः 11 माण 1865)

निवेश सं० भई-3/37ईई/11342/84-85-मतः भुने, ए० प्रसाव

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 002, जो, ग्राउन्ड पलोर १मारत नं० 5, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, मुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है (और ६ससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा भायकर मधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के भायलिय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफ न को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जाग की बाबत, उच्त जीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी कारने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; आहि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन जन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त निधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्निसित स्यक्तियों, नधीत्:—

- (०) दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।
- (भ्रन्तरक)
- (2) महेरा फरोज मोहमद हुसेन सुर्ती।

(भन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अवक्षेय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

पर्लंट नं० 002 जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 5 कपाडियानगर, सी०एस० टी० रोड, कुर्ली (प), बम्बई-70 में स्थित है:

मनुसूची जैसा कि कम सं ग्राध-3/37ईई/11342/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊸3, बम्बई

तारीव: 11-3-1985

प्रस्प बाइ. टी. एव. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के बधीन सुचनः

## बार्व बर्डकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 1/1 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10788/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 206, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 11, कपांडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला, वम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बृत्व से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योगय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुइं किसी जान की नानत समस अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; प्रीर/या
- (का) एसी किसी आय वा किसी भन वा बन्त आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोजनार्थ जन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया जाना जाहिए था, जिपाने के सुनिवा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री सैयद अली नवाब अली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मेख बादर अलाम

(भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सन्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्**ची**

ंफ्लैट नं० 206, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 11, कपाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड, कुली, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अर्ध-3/37ईई/10788/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्रस्थ बार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

## भारत सर्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11419/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद

पायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उक्त अभिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 3/सी, दामोदर पार्क, लाल वहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री, है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निकालिका उद्देश्य से उकत अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तारण से हुए किसी आप की बाबत. करू जिथितियम के अधीन कर दान के कलएक क वाकित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय था किसी धन या अस्य आजिनका की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री एम० एफ० इमानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद उमर शेख, पुत्रश्री मोहम्मद उस्मान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीता उक्त स्थावा सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के नध्याथ 20-क में पीरभाषित है यही वर्ष होंगा को उस कथ्याय में दिया गया है ।

## भन्स्ची

फ्लैंड नं० 3, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 3/सी, दामोदर पार्क, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/11419/ 84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिशारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, बम्बई

तारीख 11-3-1985 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एव. एम.-----

भायकार क्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के सभीन सूचना

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/11478/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने आ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिपको मं० पर्नेट नं० 202, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 24, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई—70 में स्थित है (श्रीर इसस उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रोमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दंश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में षास्तिक रूप में कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (ब) एसी गंकसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायक र विभिनियम, 1922 । 1995 को 11) या उसत अधिनियम, या भनक र अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना आहिए बा, छिवाने बें सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण के, भी अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अग्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दिपक बिल्डसं प्राइवेट लि॰

(अन्तरक)

(2) श्री फांसिस वाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास प्रविक्त में किस जा अधीर

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयक्त सन्दों और पदों का, थो उसम अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

पलैंट नं० 202, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 24, कपाडिया नगर, सी० टी० एस० रोड़, कुर्ला, (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37ईई/11478/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, अम्बई

दिनौक: 11-3-1985

मोहरू 🖫

## भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/10864/84-85----- ग्रतः मुझे

ए० प्रसाद

बायकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नैं० 2, जो प्लाट न० 38, गरोडिया नगर घाटीपर बम्बई-400077 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुलूचों में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनयम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को प्रिक्ति सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिपत्न के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापृतीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरफ के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी काय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर / अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए:

(1) श्री बी० कुमार पुत्र श्री श्रार० के० शर्मा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या एम० नाचनानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाष्ट्रियां करता हु।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों 'का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्तुची

फ्लैंट नं० 2, जो, प्लाट नं० 38, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋम मं० अई-3/37ईई/10864/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अस्बर्ष

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) इंग्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11000/84-85--- अतः मुझे ए॰ प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

कोर जिसकी सं० पर्लंट नं० 204, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 17, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारतामा ग्रायकर प्रधित्यम 1961 की धारा 269क, खंके ग्रधीन बम्ब स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजल्ड्री है, तारीख 2-7-1984

को प्वें ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने के नारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की, बावत, उक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कीलए;

कतः अव, सकत अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमा देवदास अंदूरकर

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## बनुसुधी

फ्लैट नं० 404, जो, 4धी मंजिल, इमारत नूळ 17, कपाइया नगर, सी० एस० टी० रहा, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुपूर्वी जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/11000/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, प्रम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

माहर ३

प्रकम काड . टी. एम. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश मं० प्रई-3/37ईई/11167/84-85-प्रतः मुझे,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं० पलैट नं० 6, जो, 2री मंजिल, "साकेथ" इस्केयन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 165, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं। और इससे उपावत्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं। और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधानियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरेट्री है, नारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिशा के जिए;

सतः अस, उन्त किंभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थाक के--- (1) श्री एन० रमेश और श्री एन० गंगावर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० कुमारस्वामी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिम्भ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वि 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबीध, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य अयित द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में क्रिय जा सकींगे।

स्पष्टीकरण .--- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्धों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम भी भवग गमा है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 6, जो, 2री मंजिल, इमारत "साकेय" इस्केयन को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० 165, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/11167/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीज्ञण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बर्ष

दिनांक : 11-3-1985

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस., ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को बभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० ऋई-3/37ईई/11177/84-85—ऋतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार यान्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, जो 3री मंजिल, प्लाट नं० 108, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विण्ल है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गुद्द हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निस्ति में बास्तियक स्प्य से कथित नहीं किया गया है द

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने गाउसके अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पत्रा भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

बतः अक, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :--- (1) श्री के० भार० इण्वरत्, और श्रीमती लिल्था इण्वरत्।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र डी० श्रांफ और श्रीमती मिनाक्षी एम० श्राफ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शया है।

## मन्त्रची

फ्लैंट नं० 7, जो, 3 री मंजिल, प्लाट नं० 108, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/1117784-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 11-3-1985

माहर 🖫

प्रकृष जाद . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश: मं० ग्रई- 3/37-ईई /11335 /84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार ('उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है.

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो 9शी मंजिल विंग डी. इमारत नं० 6, "दामोदर पार्क" एक बी० एस० मीर्ग घाटकोपर (प), बम्बई- 86 में स्थित है (और इससे उपायड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), और जिसका वरारनामा श्रायवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 व, व के अधीन बम्बई स्थित रुक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिलाँद 2 जुनाई 1894

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उस्त धन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपछ अभिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक धी दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सविधा काभिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनाथं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उबत बिधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः —

(1) पारूल इंटरप्राईज ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती सुनीसा बी० केलानी।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

सकत संपति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिए की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

**ल्पध्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों** का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## बनुसुची

फ्लैंट नं० 1 जो 9 वी मंजिल, विग-डी, इमारत नं० 6, "दामोबर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), दम्बई--86 सें स्थित है।

अनुभूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11335/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 की रजिटर्स्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांकः : 11-3-1985

मोहर 🛭

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

## बावकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बहुद 269-व (1) के बधीन कुषमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, अम्बर्ड

बम्बर्ट, दिनावः 11 मार्च 1985

निदेश म० ऋई-3/37-ईई/11113/84-85--- ऋत. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ध्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो इमारत नं० 6, ए-विम दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (औ: इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है ), और जिस्था करारनामा आयश्र अधि नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अशीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 2 जुनाई 1984 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्न्सिवित उद्देश्य से उच्छ जन्तरण किवित में शास्त्रिक रूप से कैचित वहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का आबत, उवत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्रेश्या
- (व) एसी किसी जाव या किसी अन था बन्ध आस्तियों की, जिन्हें आरतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा धन-अध अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यदा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के लिए?

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री श्रनीत्र कुनार जयतीताल और सीभा श्रनीत्र कुमार ।

(अन्तरक)

(2) एम० वी. पॉल, एम० पी० राजन और श्रीमती एम० पॉल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्स संपरित के अर्थन के बिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षत को सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 43 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामीस से 30 दिन की मधिंग, जो भी वर्वति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (सं) इस सूचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास सिसित में शिश् का सकोंने ।

भाषा करण. — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को ज़ब्द अविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वहीं कर्ध होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

#### -

फ्लैंट नं० 1, जो इसारत न० 6 ए-विंग दामोदर पार्क, एका० बी० एक्षै० मार्ग घाटकोषर, झम्बई 86 में स्थित है।

अनुमूची जैंपाकि ऋ० 'स० ऋई-3/37ईई/11113/ 84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी, दम्बई द्वारा दिनाक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक्त प्रायक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-3, यम्बर्द

दिनांक : 11--3--19**8**5

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -=----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धनरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्यन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/11145/64-85→-प्रत. मुझे, ए० प्रसाय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और िशकी सं० फ्लैंट नं० 3 जो 7 वी मंजिल विग सी-इमारत नं० 3, "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग घाटकी र (प), बम्बई --85 में स्थित हैं (और इस्से उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिनका करारनामा श्रायार श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है थिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित योजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरंक (अन्तरंकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरंण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरंण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयळ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, बर्धात् :---

(1) पारुल इंटरप्राईज ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती शास्त्रावेन धीरजलाल मरुपरीया और श्री धीरजलाल वस्तूरचंद मरुपरीया । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरूताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

फ्लैंट नं० 3, जो 7वीं मंजिल, विग मी, इमारत नं०3, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं०, श्र $\xi$ --3/37-- $\xi \xi/11145/84$ --85 और जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रिजस्टर्ड िया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

ामोहर ध

प्र**रूपः, बार्द**्ध**टीः, एत**्र **एस**्न----------

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-3, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 11 माच 1985

निवेश सं० श्रई-3/37- ईई/ 11054 /84-85--- श्रतः मुक्ते, ए० श्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण उँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी लं बुकान नं 20 जो, श्री घनवती को-प्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिं , पेरू बाग, प्रारे रोड़ गोरेगांव (पूर्व), बम्बई 83 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणित है ), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

को प्वीवत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्तोंकत सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे संतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उन्त अंतरण निचित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं द्वान

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (क) एती किसी आयं मां किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः क्षत्र . उक्त विधिनियम की धारा 269-त के वनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) कं बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भारत नवीनचन्द्र शहा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांतादेन मनस्पच्दजी जैन । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निर्ध कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्मध्योकरण: -- इसमें प्रयूक्त कर्जी और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्वी

दुकान नं० 20 जो, श्री धनवनी को-प्रापरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लि० पेरू बाग, घ्रारे रोड़ गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-83 में स्थित है

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11054/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहा्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन €ेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

## प्रक्ष नार्षः, टर्नः एनः एसः -----

आयकर अधिनियम 1961. (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

## भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० भ्रई-3/37- ईई/ 11053/84-85 --- भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार में या 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैंट नं० 1 जो कमलेश भवन को-प्रापरेटिय हाउमिंग मोमायटी लि० प्लाट नं० 176 बी, 4था रम्ता, केंबर बम्बई—71 में स्थित हैं (और इसमे उपाबक प्रनृश्ची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 2 जुलाई 1984

को पर्योधन पंपत्ति के उत्तिन बाजार मृह्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त मध्यस्ति का उत्तिक दाजार मृह्य, उसके खरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध से उदस अन्तरण निम्तलिखत में भारतिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; तीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ अन्तिरती ह्यारा प्रकट नहीं किया एए था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 54—36GI/85 (1) श्रीमती सीता धरमवास ग्रसनानी।

(श्रन्तरक)

(2) मोहन डी० चुलानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अपने के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वयः में राजापथ में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वतः की तासील से 30 दिन की अपि। जो भी करिय वार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिमाँ में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस सचना को राजध्यत्र में शकाशन की तारीक सं ४० भिए को भीगण अनेत स्थायण गंगीनत की हिरावद्य किसी अनग स्थायित द्यारा अमोदन्याकारी को पास निकास में किए जा सक्षीते।

## ग्रनसूची

प्लैट नं० 1 जो, कमलेग भवन को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 176 4था रस्ता चेंब्र बम्बई-71 में स्थित है ।

भ्रतुसूची जैमाकि कि० सं० धई-3/37-ईई/11053 84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, वस्बई धारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) अर्जन केंग्र-3 बम्बर्ष

दिनांक : 11-3-1985

मुक्य कार्यं, बी. १६. एड..-----

एर .---- (1) मैसर्स पारेख बास।

(ग्रन्तरक)

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुमृता

(2) श्री कमल ग्रमरीतलाल ग्रारोरा

(ग्रन्तरिती)

## HILL STATE

कार्याक्षय , सहायक जायकर बावुक्त (विद्वाक्षिक)

भ्रजीत रेंज-3, बम्बई धम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेण सं० श्रई-3/37-ईई/11347/84-85---श्रतः मक्षे, ए० प्रसाद,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, विसका उचित वाधार 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 5 जो आउंड फ्लोग्रर, "वामण प्रपार्ट मेंटस", प्लाट सी० टी० एस० 642, 642/1 से 34, जंक्शन ग्राफ वि० एन० पूर्व मार्ग और घाटला निलेज रोड़, खेंबुर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबछ ग्रनुसूची में और और पूर्ण रूप ने वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांक 1 जलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बूम्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्निजित उद्वेष्य से उच्त बन्तरण विश्वित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया नया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियस के अधीन कर देवे के अकारफ चै सावित्य में कमी कारने या नसने नच्छे में बृष्टिया के सिए; बाँड/वा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिये था, किया जी निकार की किए:

जतः जब, अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त विधिनियम की बाग 269-ज की ज्युधाद्ध (1) के अधीन, ृतिस्तितिखत व्यक्तियों, अधित अ— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्देश्य के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करणा हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा वसा है।

## **ग्रनुष्**ची

दुकान नं० 5, जो ग्रांउड फ्लोग्नरे, "वामण श्रपार्टमेंट प्लाट सीं० टी० एस० 642, 642/1 से 34 अंक्शन श्राफ वि० एन० पूर्व मार्ग और घाटला गौवरोड़, चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/11347/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-3-1985

## प्रस्प बार्ड .टी .एन .एस . - - --

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

## भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बावकर मन्द्रक (निर्देशक)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 मार्च 1985 निदेश स० अई-3/37-ईई/10779/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर विधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है'), की भाख 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सुक्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० फ्लैट एम० एच० बी० में भास्त्री नगर, गोरेगाव (प) बम्बई-104 में स्थित है (भ्रीर इसमे उपाबदा अनुसूची मे प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिप्दी है, दिनाक । जुलाई 1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के अवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरफों) कौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया वधा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण सिविक ज वास्तावक रूप म कथित न**डी किया गया डैंड**—

- (क) अन्तरुण से हुए किसी बाद की दासक, उनक विभिनियम के वभीन कर देने के बम्बर्फ के शायित्व में कमी करने वा उससे वसने में प्रतिका के सिए; सौर/वा
- (म्ह्र) एम फिमी काद भारिती धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था क्याने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती प्रेमा जे० माल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कं बी होगड़े ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हु ।

उनका सम्परित को धर्मन को सम्बन्ध में कोड़ भी जाछ। प

- इस स्थान । को राजधन में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सम्बना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन का तारील से 4.5 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त व्यथिनियम, के अभीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवासमाह्यी 1

श्रनुसूची

फ्लैट न्यू एल० आय० जी० इमारत में, जी महाराष्ट्र हाउमिंग बोर्ड शास्त्री नगर, गोरेगाव (प), बम्बई-104 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० स० अई-3/37-ईई/10779 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2 जलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

11-3-1985 दिनांक माहर 💲

क्षाच बार्ड, दी. एन. एस. ज्याननकान

श्रायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीम सुचना

## प्राउत बरकाइ

## कार्यासन, शहायक नायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बस्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/11348/84-85--- अतः मुक्ते; ए० प्रमाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), अर्थ भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी का यह किवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो ग्राऊंड फ्लोअर, वामण अपार्टमेंटस, प्लाट सी० टी० एस० 642/1 में 642/34, जंभणन आफ वि० एन० पूर्व मार्ग ग्रीर घाटला विलेज खेंबूर बम्बई—71 में स्थित है (ग्रीर इसमें अगावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), ग्रीट जिनका उपारनामा आमकर अधिनियम, 1961 की बाण 269 ए, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकारी 5 कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य स कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल की, एमें ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है :----

- (क) बन्तरण सं हुन्हें किसी आप की नाबस, जाल स्वाध-नियम के अधीन कर को से सन्दरक के दासिक मों कमी करने या उससे अघने मों सुविधा के लिए; बरि/मा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ भनकर अधिनियम, आ भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः, बब, उक्त अधिनियम की धारा १६० प की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा १६० क की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मैसर्स पारेखा आस ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री भवन लाल भिमण लाल सोहनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ज्वन के तिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकोंगें:

स्पष्टिकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिय: प्या है।

## अनुसूची

दुकान नं० 8 जो ग्राउंड फ्लोअर, वामण अपार्टमेंटस, प्लाट सी० टी० एस० 642, 642/1 से 642/34, जंक्णन आफ वि० एन० पूर्व मार्ग श्रौर घाष्टला विलेज रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैमा की ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11348 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-3-1985

भाहर 🗈

वरूप मार्च .टी . एन . एस .; -----

# भागकर भृभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को भूभीन सुभना

## BUSIN SECTION

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/11510/84-85-अत: मुझे, ए० प्रसाद,,

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रॉर जिसकी सं० पलैट विलेज चिंचोली स्रॉर दिनडोशी में, सर्वे नं० 34 स्रौर 51, तालुका बोरिवली, गोरेगांव मुयुंड लिंक रोड़, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई—63 में स्थित है (धौर इससे उापाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), स्रौर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

को प्वांक्त संप्रित को उचित बाजार मून्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तर्ण के सिए त्य पाया ग्या प्रदिक्त का विक्रितियों के बीच एते अन्तर्ण के सिए त्य पाया ग्या प्रदिक्त विक्रितियों विक्रितियों विक्रितियों के बीच एते अन्तर्ण के सिए त्य पाया ग्या प्रदिक्त का विक्रितियों विक्रितियों विक्रितियों के बीच एते अन्तर्ण के सिए त्य पाया ग्या प्रदिक्त का विक्रितियों विक्रित के वास्त्रिक का विक्रितियों के बीच एते अन्तर्ण के सिए त्य पाया ग्या प्रदिक्त का विक्रितियों विक्रित की वास्त्रिक का विक्रित की वास्त्रिक का विक्रित की वास्त्रिक का विक्रित की वास्त्रिक का वास्त्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का वासत, उक्त विभिन्निष्क वृथीन कर याने के अन्तरक आ वादित्य में कानी कहने वा केन्नि वृद्धने में सुनिया के सिद्ध; आह्र/या
- (व) प्रति किसी भाष वा किसी थन या मन्य नास्तियों कारे, जिन्हें अद्देशीय नाय-कर निधिन्यम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम्, या वन-कर निधिन्यम्, या वन-कर निधिन्यम्, 1957 (1957 का 27) से अयोजनार्थ संतरियों ब्वादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुनिधा में लिए।

बदः नव्, उक्त विभिन्न की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) कें सभीन, निकासिकित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्रीमती निना जगदिश गहा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू एस० मेहता ग्रीर सनत पी० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संव्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के त्राचपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष क्यक्तियों में से किसी अधिका तथात.
- (क) इस स्थान के राष्ण्य मो प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त विश्व में किए जा सर्वोचे ।

स्वाकरणः -- इतमे प्रयुक्त घट्यां आर वर्षो का, जो उवस विधिनियम, के अध्याम 20-क में वृद्दिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

## अनुसूची

फ्लैट व्हिलेज जिचोली और दिनडोशी में, जो सर्वे नं० 34 श्रौर 51, तालुका बोरीवली, गोरेगांव मुयुंड लिंक रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कम सं० अई-3/37-ईई/11510 84-85 स्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

विनांक : 11-3-1985

मोहरू 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस , ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुचना

#### STATE STATE

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3- बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11096 /84 -85--अतः मशे, ए० प्रसाद

मामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट ग्राउंड फ्लोअर, पर जो प्लाट नं० 22-सी, सिंधी सोसाइटी चेंबूर बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

क कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984 को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त कम्सरण मिसित में वास्तिक इप से किनत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भौगितका के बाबीय कहा दोने के बुग्तरक के बाबिटन में कानी करने का उक्की न्थने में बुदिशा के निष्; मीर/सा
- (च) ऐसी किसी नास या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हीं भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के निर्देश

अतः वयः, उस्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री गोर्धनदास बी० वझिरानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी उत्तमचंद वामंदानी ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके प्वॉक्स संपर्णि के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविभि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के 'पास निस्त में किए या सकति!

स्यष्टीकरण: -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

फ्लैष्ट ग्राउंड फ्लोअर पर जो ब्लाट नं० 22-सी सिंधी सोतायटी चेंबुर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कै० सं० अई-3/37-ईई/11096 84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-3-1985

महिर 🖫

प्ररूप आहुँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, धम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/11214/84-85 --श्रतः मुझे, ए० प्रसाद, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्ति बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 369 जो सवर्बन स्किम-3 सी० टी० एस० नं०/1371 6वां रास्ता. िहलोज चेंबूर तालुक कुर्ली डिस्ट्रिक्ट, बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, क के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 जुलाई 1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशन उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में शास्तीविक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री इलीस सिमोन रूबेन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रम्णा प्रविण सेठना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🏣--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्रभी

प्लाट नं० 369 जो, भी० टी० एस० नं० 137.1 6वा रास्ता, गांव चेबूर तालुका कुर्ली डिस्ट्रोक्ट, बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा भी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11214 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज → 3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं प्रई-3/37-ईई/11383 /84-85--- प्रतः मृक्षे ए० प्रसाद,

श्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रहे. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12 जो अमर कुज, 67/68, पेस्टम सागर, चेंब्र बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य मे वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गर्ड ही और मुभ्ते यह विद्यास

करने का कारण है कि यथाप्वें कित सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए सम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती ललिता एस० मणियान ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जितेंद्र लक्ष्मीचन्द व्होरा।

(अन्तरिती)

को यह ।सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्ची

फ्लैट नं ० 12 , जो, धमर कुंज 67/68, पेस्टम सागर चेंबुर बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की त्रा० सं० श्रई-3/37-ईई/11383 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 11-3-1985

मोहर 🐠

प्रकल् बाह्य, टी. एन. एस. ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बभीन स्थाना

#### तारव वहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/11469/84-85--प्रतः मुक्ते ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-21 जो, जीवन बहार को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० गोवंडी रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप वर्णित है, श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बोध्य से उक्त अन्तरण निखित के बास्तिबक रूप से करियन नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरच से हुइ किसी साम की वावत, उच्छ विधित्यम के अभीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

कतः स्था, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसारक मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अधीत्।—— 55—36GI/85 (1) श्रीमती रेशमा पी० गुप्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसंत जे० नाईक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षंप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की बविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुजुर्ज,

फ्लैंट नं० सी-21 जो, जीवन बहार को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, गवंडी रोड़, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37—ईई/11469 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-3-1985

मोहरः

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. - - - -

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं ८ श्रई-3/37-ईई/11504-ए/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं० 4 जो ग्राउंड फ्लोग्नर, इमारत, नं. 136 अंबल को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० धेंगूर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधीनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण तं हुई किसी आय की वाबत, अक्ट अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दिस्ति में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने धा सविधा के लिए:

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (।) के सधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिओं, सबीक् क्---

(1) श्री जी एस० पार्यसारथी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० एन० शिवरामा कृष्णन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितयों के से किसी स्थानत इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा हैं ||]

# अनुसूची

प्लैट नं० 4 जो ग्राउंड फ्लोग्नर इमारत नं० 136 अंबल को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 16 वा रास्ता चेंबुर बम्बई--71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसांकि कि सं० ग्रई-3/37-ईई/11504-एं 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 11-3-198**5** 

मोहर:-

# प्रक्य आई.डी.एन.एस्.-----

जायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० मई-3/37-ईई/11526/84-85---मृतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनित्रज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- <u>ए</u>ठ. से अधिक हैं ब्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, जो, 4थीं मंजिल, बामण भ्रपार्टमेंट, सो० टी० एस० नं० 642, जैक्शन भ्राफ वि० एन० पूरव रोड ग्रौर घाटला विलेज रोड, बेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984 को पर्वोक्त सम्पर्किके उचित बाजार मुल्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिवक कप से क**ियत नहीं किया गया ह**ै ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/बा
- (वा) एसी किसी बाप या किसी धन या बन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकिङ व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्रोमती एस० ए० गुप्ता।

(भ्रन्तरक)

2 श्री एस० सी० चौधरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां दिना में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शृज्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**त्रची

प्लैट न० 13, जो, 4थीं मंजिल, बामण श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० सी० टी० एस० नं० 642/1, से 642/34, जंक्शन श्राफ वी० एस० पूरव मार्ग, श्रौर घाटला विलेज रोड, बेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि के सं प्रद-3/37—हेई/11526/84–85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, **बम्बई** 

दिनांक: 11-3-1985

मोहरः

प्रस्य बाइं., टी, एस., एस.,----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-व (1) के समीत सुचना भारत संस्कार

# कार्याभय, सहायक कायकर मानुक्त (निर्द्रीकाण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/10853/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-व के स्थीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 12थी, जो, गणपती निवास को-ध्राप हाउसिंग सोसायटो लिं , इमारत नं 10/7, बांगूर नगर, गोरेगांव (प॰), बम्बई-90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंटरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्वोदय से उत्तर जंतरण कि सित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी नाव की नावण उनत श्रीय-रिनव्ह के बधीन कर बोर्न के अन्तरक के सामित्न में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के जिए; श्रीड/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1962 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्रुविभा वी जिन्न;

क्तः। धव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण वं, वं, खक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्मीलिखन व्यक्तिवर्गे, वर्धात् क्र— 1. श्रोमती एम० के० द्यौता।

(अन्तरक)

2. श्री सदानंद श्रींदर मसूरकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुक्तन कारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिथ् कार्यवाहिकों करता हूं।

उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत ह--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिक नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांग;
- (७) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास सिक्ति में किए वा क्केंगे।

स्पब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त निध-विद्यम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, खद्दी तथ होगा, जो उस नध्याय में दिया नया है।

# **अनुसूची**

प्लाट नं. 12बो, जो, गणपरी निवास को-श्राप० हाउ-सिंग सोसायटी लि०, इसारत नं० 1017, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०) बम्बई-90 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37–ईई/10853/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रोज–3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रकप बाह्य हो हु एन , एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

वस्थाह, (दनाक II माथ 1955

निर्देश सं ० ग्रई-3/37-ईई/11470/84-85--- मतः मुझे, ए॰ प्रसाद ,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 15, जो, न्यू विश्वास की-प्रापं हार्डीसंग सोसायटी, प्लाट नं० 422, स्टेशन प्रैंबेन्यू रोड, डी० के० सप्रू मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायोलय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्ममान की गह प्रतिफल के लिए अन्तरित' करने का मभ्हे विद्वास कारण यस् है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: अरि/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, खिपाने में सुविधा

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, जर्मात् ह— 1. श्री जशवन्तराय एस० दोशीं।

(भन्तरक)

2. श्रीमती शैलजा बामण लेले।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब स्वा के द्राजपण में प्रकाशन की तारी वे वे 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमें पड़ स्वा की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, जो भी सर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### प्रमुस्पी

पर्लंट नं० 15, जो, न्यू विश्वास नगर को-म्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 422, स्टेशन एवेन्यू रोड, डी० के० सधू मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। म्रुनुसूची जैसा कि क० सं० मई-3/37-ईई/11470/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11~3-1985

प्रकल नाहाँ, टी. एस. एस.-----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

क्कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/10911/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, जो, 3री मंजिल, निर्माना-धीन इमारत, कृष्णा माई श्रपार्टमेंट, 107-108, जयप्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 कीं धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारींख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इत्यमान प्रतिफल को लिए **अन्त**रित की गर् मभ्रे विष्वास करने यह कारण बह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, असके कायमान प्रति-फल से, एरेसी करयमान प्रतिफल को पन्त्रहप्रतिकात से अधिक हैं मौर अन्तरक (अन्तरक<del>ों</del>) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इरिसे अन्तरण को जिए तयुपाया गुया प्रतिफल, निम्नलिक्वित अबुव देय से उक्त लिबिट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया भया **ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या न्यान्धर अधिनियम, या न्यान्धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्राः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियमों, वर्षात् ह

1. श्री केशर कृष्णा लिमये।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विश्वास दिगंबर देशपांडे।

(भन्तरित))

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाणन की तारीस क्षे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्यों और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### बनसंची

प्लैट नं० 31, जो, 3री मंजिल, निर्मानाधीन इमारत किष्णामाई श्रपार्टमेंट, 107-108, जयप्रकाभ नगर, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं भई-3/37-ईई/10911/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक दें 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 11-3-1985

प्रक्य बाइ. टी. एन. एस. अल्प्य-------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/11119/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 15, जो, इमारत नं०2, कमल फूल को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी ,चेंबूर, कोलनी, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तो खि 2-7-1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है बौर मुके यह विकास करने का कारण है कि सभाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृष्यमान प्रतिकृत का भावत् प्रतिकृत का श्री के विषय है और अंतरित (अंतरका) और अंतरित (अंतरित को ने वीच एसे अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरित को ने वीच एसे अंतरक के लिए तब पावा नया प्रतिकृत का निम्नसिवित उद्देश्य वे वच्छ अन्तरक विषय व पावा नया प्रतिकृत का निम्नसिवित उद्देश्य वे वच्छ अन्तरक विषय व पावा नया प्रतिकृत का निम्नसिवित उद्देश्य वे वच्छ अन्तरक विषय व पावा नया प्रतिकृत का निम्नसिवित उद्देश्य वे वच्छ अन्तरक विषय व पावा नया प्रतिकृत का निम्नसिवित उद्देश्य वे वच्छ अन्तरक विषय व पावा नया प्रतिकृत का निम्नसिवित उद्देश्य वे वच्छ अन्तरक विषय व पावा नया प्रतिकृत कर से किया नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी नाम की दावत, इक्स निभिन्दम से सभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे स्वाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी बाब वा किसी भन वा बन्य बास्तियां को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल विश्विष्यम, वा भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में. उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती ज्योति जे० वासवानी ।

(मन्तरक)

2. श्री के० पी० विजयशंकर

(भ्रन्तरिती)

को सूद्र बृह्यमा बारी करके पूर्वोक्य सम्मृतित के वृत्रीय के विक कार्यनाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेय:--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशत की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे।

स्थव्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बाधित पर्यो का, भी उक्त विभिन्निया, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस वध्याय में विया रया है।

## वपूज्यी

प्लैट न० 15, जो, इमारत नं० 2, कमल फूल को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है। प्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-3/37-ईई/11119/ 84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.,------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज−3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्वेश सं म्रई-3/37-ईई/11514/84-85--म्ब्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सीवस इण्डिस्ट्रियल गाला नं० 43, जो, प्राउण्ड फ्लोर, किरण इण्स्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के धिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विश्व में बास्तविक रूप से अप्रैशत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई कियी भाव की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्य में कानी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के सिद्धः
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आहित्यों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा डे किथ:

जतः जय, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-गं के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ह—— 1. मेसर्स गृंदेचा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शहा अंबालाल जगजीवनदास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई" भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में विया यया है।

# धनुसूची

सिवस इण्डस्ट्रियल गाला नं० 43, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-3/37-ईई/11514/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

प्रक्ष बाह् ु ही ु एत ु एव ु -----

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/11518/84-85---ग्रसः मुझे,

ए० प्रसाद, बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नंव 44, जो आउण्ड पलोर, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम जी रोड गोरेगांव (पव), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इसमे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रथयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से सिथक है और जंतरक (जंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नतिबित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि कि सिंह में नास्तिक, निम्नतिबित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि निम्नतिबत में नास्तिक, मिन्नतिबत से साम्या

- (क) नन्तरण से हुई किसी शाय की बाबस, उक्त वीधीनयन के अधीन कर दोने के जन्तरक के शावित्य में कभी करने या उत्तसे नचने हों सुविधा के शिष्ट; बीड़/वा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सविधा भी विद्या

नतः गव, उक्त मीधीनयम, की धारा 269-व को जन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिनित व्यक्तियों, नेषति :—— 6—36GI/84 1. मेसर्स गुदेवा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2 श्री शब्धीर नोमन लाइनस्न, और श्री मोबाझम युसुफ लाइनमून

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अन्निध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी कन्य स्यक्ति क्लारा अधोहस्ताक्षरी के गांस किकित में किए का सकेंगे।

स्पछ्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, कही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिका नया है:

# अपूर्वार्थी

मित्रस इण्डस्ट्रियल गाला नं० 44, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प०)

ग्रनुसूची जैसा कि कि के कं भ्रष्ट-3/37-ईई/11518/84-85 और जो सक्कम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-3, वस्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर

क्षरूप नाह<sup>र</sup>् ठी , पुन्, पुष्, -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### मारब सहकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-3, अस्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्वेश सं० श्र $\xi-3/37-\xi\xi/10931/84-85$ —श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्विम इण्डिस्ट्रियल माला नं० 27, जो, 1ली मंजिल, किरण उण्डिस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा धायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) कीर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उत्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरम से हुई किसी जान की नानतः अन्त विभिन्निय के अभीत कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अभने से सुविधा के जिल्; और/शा
- (य) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्सिवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनयम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया व्याधाय किया जाना जाहिए था कियाने वा स्विधा के सिए;

जतः इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में. में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीर किर्क्षित व्यक्तियों, अधीक है— 1. मेसर्स गुंदेचा बिरुडर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दौलत फागुमल नागपाल।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पृक्षोंकत संपृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां कारता हो।

# उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुध किसी बन्य स्थावत द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्म अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### वर्षाची

सर्विस इण्डस्ट्रियल गाला सं 27, जो, 1ली मंजिल किरण इण्डस्ट्रियल ६स्टेट, एम जी रोड, गोरेगांव (प०) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/10931/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनांक 11-3-1985 मोहर प्ररूप बाह् ही, एत. एत. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/11481/84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं ६ ६ ण्डस्ट्रियल यूनिट नं 125—सी जो, 1ली मजिल, श्रेयस ६ ण्डस्ट्रियल ६ स्टेंट, बी-1/बी-2, नाथानी ६ स्टेंट, बेस्टर्न एक्सप्रेस हा६वे, गोरंगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और ६ ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पू ६ प से विजत हैं), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-7-1984

को पूर्वेक्स सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुफे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पासा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; बर्डि/या
- (७) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आब-कर अभिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के भिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मेसर्स उथा सिल्क मिल्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री नरेश ओहरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस त्वना के राजवन में प्रकाशन की तार्तीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, यो भी नवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

श्रंडस्ट्रियल यूनिट नं० 125-सी०, जो, 1ली मंजिल, श्रेयस इंडस्ट्रियल इस्टेट, बी-1/बी-2, नाथानी इस्टेट, बेस्टर्न एक्सप्रेस हायथे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं। प्रनुसूची जैसा कि २० सं० प्रई-3/37-ईई/11481/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 11-3-1985

मोहर

प्ररूप् . आर्थः , टी . एन , एस , ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### वारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/10968/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकों सं० गाला नं० ए-74, जो, वींरवानी इंडस्ट्रियल एस्टेट, वेण्टर्न एक्तप्रेम हायबे, 3रीं मंजिल, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूपमें विगत है), श्रीर श्रीजिमको करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्याना प्रतिफल के लिए अन्तर्तित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यक पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूक्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उत्तर्ते बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाठ :---

- 1. श्रीमती प्रेमलता रसबिहारी लाल गोयेल। (भ्रन्तरक)
- 2. मेसर्स विरल इंजीनियर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हूं ।

#### उक्त संगीत के वर्षन के हंबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की वनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकीते।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और बदों का, जो उन्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## सन्दर्भ

माला नं० ए-74 जो, वीरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सर्रेस हायवे, 3रीं मंजिल, गोरेगाव (पूर्व), वस्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37–ईई/10968/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहरू 🛭

# मुख्य बाह् . हो . धन . एव . --------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) में अभीन सूचना

#### शहर प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बस्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० भई-3/37-ईई/11517/84-85---भ्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर विधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त निधिनयम' कहा नवा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रिक्षिकारी को, यह विद्वास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकीं सं० सर्विम इण्डिस्ट्रियल गाला नं० 49, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, किरण इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूणीं में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से तृद्दी किसी शाय की बाबत, उक्त समितियम् के समील कर दोने के अन्तरक के दानित्य में किसी करने वा उस्ते क्याने में सुविधा से सिक्ष; स्पेर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना वाहिए था, कियाने में विश्वा के किया

लतः लग, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिद व्यक्तियाँ₀, वर्धाद क्रिक्त 1. मेसर्स गुंदेचा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कुम्द्रबेन ग्रंबालाल शहा।

(भ्रन्तरिती)

को वह तूचना जादी करके प्रतिक सम्मन्ति के वर्षन् के निए कार्यगाहिकों करता हूं।

# बक्द दल्लीत्व से दर्बम से दस्तल में कोई भी नावोद हन

- (का) इस त्रूपा के रायपम में प्रकारन की लारीय ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाकितुम्:--इसमे प्रयुक्त विका और पदा का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### तम संची

सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 49, जो, प्राउंड फ्लोर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जीं० रोड, गोरंगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/11517/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहरु छ

प्ररूप नार्षे दी एम । एस । -----

मायस्थर किभिनियसः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### मार्डेच चंडकाड

भायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका)

भर्जन रेंज-3, बम्बई

अम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं अई-3/37-ईई/11366/84-85---श्रतः मृक्षे, ए० प्रसाद,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकीं सें० फ्लैंट नं० 1106, जो, 11वी मंजिल, भागनारी की-ग्राप् हाउसिंग सोसायटीं लि०, डंकन काजवे रोड, चूनाभट्टी, बम्बई-77 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉणित हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 कीं धारा 269क, ख के ग्रधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारींख 2-7-1984

को पूर्विश्वस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बंतरक खे वायित्व में कभी कहने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आरि/भा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए?

कतः नकः, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित स्थक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती भगवंती मूलचंद बुधरानीं।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० एम० तेजवानी।

(ग्रन्तरिर्तः)

की मह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित् के नर्बन के किए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

बन्त सम्परित के भवन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्पच्यीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय तो दिया नवा है।

#### जन्द्र गरी

प्लैट नं० 1106, जो, भागनारी को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन काजवे रोड, चूनाभट्टीं, बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/11366/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ंए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्राय**कर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रैज-3, बस्बई

**दिनांक**: 11-3-1985

मोहर 🥬

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

गारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

मर्जन ऐंज-3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/10825/85-85--श्रतः **मुक्षे** , ए० प्रभाद ,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्वित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 2, जो, ग्राउण्ड प्योर, इसारत नं० 5/बीं, तोलाराम नगर, केंब्र्र, बम्बर्ट-74 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्व श्रनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा धायकर ध्रिधिनियम, 1961 कीं धारा 269क, ख के श्रधींन, बम्बर्ष स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है, नारीख 2-7~1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्दोष्य से उक्त जन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, इक्क विभिनियम के वधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ जन्तिरती ह्वारा प्रकट नहीं किया गम का वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

शत: तम, उक्त मिनियम की भारा 269-न के जन्दरम व', में, तक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभा<u>रा</u> ﴿॥ ﴿ अधीन<sub>ः</sub> निपनःजिखित व्यक्तिसम्हें अर्थात् — 1. श्रौं शेख ग्रब्दल रजाक (बहाबाबा)।

(मन्तरक)

2. मेसर्स नेशनल मार्केटिंग एजेन्सींज।

(भ्रन्तरिती)

वां वह कुत्रवा वारी कर्य पृथीयत् बन्गरित् के वर्षम् के विष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिध, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्यक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुगा जो उस अध्याय में दिया गन्ना हैं।

#### बत संर्थी

फ्लैट नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत नं०  $5/\overline{4}$ ी, तोलाराम नगर, चेंबूर, अम्ब $\overline{\xi}$ -74 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैंगा कि कि के सं० ग्रई-3/37—ईई/10825/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक: 1 1 3-1985

मोहूर 🛚

# प्रकृत वार्षं ही एक एक प्रकृतन्त्र

बायभद्ध विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) क्याँ भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकाइ

# कार्याक्षय, सहायक नायकार नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं अई-3/37-ईई/10003/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित, वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलंट नं 4, जो, इमारत नंव 36, तोलाराम नगर, चेंबर कालोनी, बम्बई—74 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 भी धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2—7—1984

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफ ल के लिए बन्तरित की गई है और बुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूख्य, उसके क्यमान प्रतिफस से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से बिभ्क है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए हाय पाया गया प्रतिफ स निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंधरण वे हुई फिबी बाद की बावध, उच्च बीधीयवृत के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कजी करने ना उसके बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, बा व्यान्तिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) श्री प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं विक्रमा गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमाने में अधिया वौ किए;

वत: सव. उक्त वाधिनियम की भारा 269-ग के जम्बरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात क्ष्र

1. श्रीमती लेना टी० कोलासो

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमली महिन्दर कौर श्रारोरा।

(ग्रन्त्रांसी)

क्रा यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 💵

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीभ, जो भी अवीभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद सिवित के निष्ये या सकींगे।

स्वृद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्यों और पयों का, जो उक्त विधिनयम के वश्वास 20-क में परिभावित ही, बहु वृष् होगा को उस सभ्यास से दिवा नुवा हैं।

पलैट नं० 4, जो, धमारत न० 36, तोलाराम नगर चेंबर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है

श्रनुसूकी जैसा कि कि से प्रई-3/37–ईई/10003/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2–7–1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाप सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायक म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रॅज-3, बम्बई

दिनांक 11-3-1985 मोहर # प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# नावकर निधानयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के नधीन क्चना

भारत सुरकार

# कार्यां मा सहायक आयकर बाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रज न रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/10882/84-85--श्रतं: मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्ज इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की चारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव मुनिट नंव 307, जो ध्यिम्फ इंडस्ट्रियल इस्टेट, व्हिलेज दिनकोशी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुम्यों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिप्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में बास्तविक रूप से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी' जाप की बावत, ट्र उक्स अभिनियम भी सभीन कर दोने के नन्तरक खें स्रोजित्म में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; मीड़/बा
- (ख) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्थल अधिनियम, वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था. छिपाने में सुपिधा को सिए;

जत: जब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण मो, मो, उक्त बाधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन निज्नितिश्वित व्यक्तियां व्यक्ति प्र— ० 57—36 GI/85 1. मेसर्स डिम्पल एन्टरप्राईसेस।

(ग्रन्तरक)

2 मेसर्स परलाब प्रायवेट लिमिटेड

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पुर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

# उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन की जनिथ का सरतस्वन्धी स्वित्तनों एर स्वना की तामील ते 30 दिन की वनिध, को बी जनिध बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थितित स्थारा;
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य भाषित व्यारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरेंगे।

ल्लाकीकरण:--इसमें प्रयासत शब्दों और नदों का, को जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हैं।

# **ग्र**नुसूची

युनिट नं ० 307, जो, ध्यिम्फ इंडस्ट्रियल इस्टेट, व्हिलेज विनडोसी, बेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्वे) बम्बई-63 में स्थित है

भ्रनुसूची जैसा कि कि कि सें ग्रई-3/37-ईई/10882/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेज-3, बम्बई

दिनांक 11-3-1985 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई सम्बई, विकास 11 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/10973/84-85--श्रतः भुक्षे, ए० प्रसाद,

भागकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संवप्लैट नंव एच-14, जो चेंबूर गोवेडी रोड, बेंबूर, बस्वई-71 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्वई में स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के निए संतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार स्न्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंदह प्रतिचात से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय याया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अँ सिष्;

क्का: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंक व्यक्तियों, अर्थीत् हुन्न-

1. मै० एस्केनं इंजीनियरिंग इंटरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री एस गोधुल।

(म्रन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त बन्दिता के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थाकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकान में हिए नः कर्नने

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्रजी

पलैट नं० एन-14, जो, केंबूर गोवंडी रोर्ड, श्री सारस्वन कं० ए० सौ लि० चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्र. सं० श्रई-3/37–ईई/10973/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 2–7–1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए.० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-3-198**5** मो**हर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

िन स सं श्रई—3/37—ईई/1114/84—85——श्रतः मुझे, ए० प्र7ा

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पलैट नं० 7, जो, 1ली मंजिल "है" इमारत, श्री मंग्स्वती को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० एन० जी० ब्राचार्य मार्ग चेंब्र, बम्बई—71 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायक्तर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरथ संबूर्ण किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- 1. वसंत जनार्धन नाईक।

(अन्तर(७

2. श्रीमती विनोदिनी यशवन्त सुले।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपीत के वर्षन के लिख् कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4.5 दिन की मनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जबिथ, जो भी वस्तिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्विस्त में विकृत जा सकते।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **जो उत्तर** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, 1ली मंजिल, ''ई'' इसारत, श्री सरस्वती को-श्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, एन जी० श्रा**चार्यमार्ग**, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित हैं।

भ्रतुसूची जैसा कि २३० २४० भ्रष्ट-3/37-ईई/11114/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### 'भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

् निर्देण सं० भ्रई-3/37-ईई/ 10827/83-85---भ्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 2 जो ग्राउंड क्लोर कांता ग्रपार्टमेंटस, मौजे वाधवलीं, तालूका कुर्ला चेंबूर, बम्बई—74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2 जुलाई-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुदिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिशें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

(1) श्री मोट्रमल बी० तलरेगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामीरा एन० क्लाउडियूस । (भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ता संपत्ति के अज्जीन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंग।

रपद्धीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकाम नं 2, जो ग्राउंड प्लोर, कांता श्रापर्टमेंट्स, मौजे वाधनलो, तालूका कुर्ला चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुमूची जैताकी कि सं प्रई-3/37-ईई/10827/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक-2 जुलाई 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांकः- 11-3-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/11515 /84-85 -- श्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकीं सं० फ्लैट हैट गांव चिमीली ग्रीर दिनडोगी सर्वे नं० 34 ग्रीर 51, इन तालूका बोरिवलीं, गोरेगांव मृलूड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई में स्थित है ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसकी करारनामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने मीं सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) कालाबेन बीं, शहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मंजू एस० मेहता और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट रैंट गांव चिंचोली धौर दोनडोशी सर्वे नं० 34 भौर 51 इन तालूका, बोरियलीं गोरेगांव मुलूड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूजी जैं,साको ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई /11515 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 11-3-1985

# प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### ·भारत तरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बस्ब**ई** नम्बई, दिनाक 11 मार्च 1985 निदेण स० श्चई-3/37-ईई/ 11052/84-85--श्चनः मुझे ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकीं सं० गाला नं० 23 जो सूर्वे सर्विम इंडस्ट्रियल इस्टेट गहाडी गाव, सोनाबाला रोड, गोरेगाव (पूर्व) अभ्वर्ध- 63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 209 क, ख के अधीन वश्वर्द स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

· को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविश्य के लिए; अ<sup>3</sup>र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जीवरामभाई यू० पटेल , श्रीर अन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) हिराभाई के० पटेल ग्रीर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मों हित- बख्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के एास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गाला नं 23 जो सुर्वे सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, पहाडी गांव, सोनाबाला रोड, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई --63 में स्थित है ।

ग्रनुसूचो जैसाति क० सं० ग्रई-3/37-ईई/11052 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1985 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज-3, अम्बई

षिनांक :- 11-3-1985

प्ररूप आहु . टी. एन . एस . ------

आयकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
ंबम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० म्रई-3/37- ईई/11441/84-85 --- म्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० फ्लैंट नं० इत न्यू गोताजली सोमायटी, ग्रोन्ड पुलिप स्टेशन के मामने, लिध्दार्थ नगर, गोरेगाव (पूर्व) बम्बई -72 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबड़ ग्रानुस्थ। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायंकर ग्रिधिनियम 1961 कीं घारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति। के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिख्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देविय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने मी सुदिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 को (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चन्द्रकांत कें विस्त ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुलाब जी० खोले ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपार में प्रधाशक की तारीस से 45 दिन के भीतर उद्यत स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहेग।

स्पत्रदिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पनैट इन गिताजलो मोसायटी, श्रोल्ड पुलिम स्टेशन के सामने, पिध्दार्थ नगर, गोरेगाव (५), बम्बई-62 में स्थित है।

श्चनुसूची जैंगािक कि० सं० श्र $\xi$  $-3/37-\xi\xi/11141$ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनोक :- 11-3-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांग 11 मार्च, 1985 निर्देश सं० अई 3/37/11227/84-85-⊶ श्रतः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिस्की मं० फ्लैंट नं० 5, जो, एम० नं० 38, एम० नं० 3 (अंग्र), बार्मा दिलेज चेंबूर गंबडी रोड, यम्बई-58 में स्थित है। (और इससे उपायद्ध प्रतुमूची से और पूर्णरूप से चिंगत है)। और जिस्ता वक्तारतामा आयर्थर प्रधिनियम की धारा 269 बंद के अवीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिहस्टी है, तारोख 2, जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, ए'से स्थ्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए दय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) दांबी पांडुरंग नायवः।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमति चंचलबेन देवचंद गाष्ट्रा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में 'हित-बक्ध किमी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — स्क्रामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थीहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

फ्लैट नं ० 5, जो, एस० नं ० 38, एच० नं ० 13 (अंग्र.), बोर्ला विलेज, चेंबूर गोबंडी रोड, गोबंडी, बम्बई-58 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि का सं० स्रई-3/37ईई/11227/84-85 और जो प्रक्षम प्राधिकारी, दम्बई ब्रास दिनांक 2-7-1984 को रिक्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रकाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज-3, सम्बद्ध

तारीख: 11-3-1985

प्ररूप कार्ड्, टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेण सं० प्रई-3/37ईई/10969/84-85--- प्रतः । मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह बिस्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 203, जो 2 री मंजिल, पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। (और उससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्णक्ष में विणत है)। और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिदारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984 को प्रबंधन सम्पत्ति के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास प्रिप्यन के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पामा गया बतिफल. निम्निसित उद्वयम से उक्त अन्तरण कि सिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उथन अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा वै सिए;

चतः चन, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ को उपधार (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, वर्धात् ाः—— 58 —36GI/85

(1) श्री हरचरण सिंह गुरमुख गिह्।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित सुपमा एम० घोष और श्रन्य।

(भ्रन्तिनती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बक्श किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पवी का. जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है। मसा है।

#### प्रनुसूची

फ्लेट नं० 203, जो 2 री मंजिल, पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/10969/84-85 और जो सक्षम प्राधिहारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 की रिजम्टर्ड स्थि। गंभा है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी सहायय ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

# प्रकृष बाह्य हो । पुन् पुन् ---

भावकार विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के विभीन सुचना

#### भारत सम्बद्ध

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/10876/84-85→ श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 16, जो, 2 री मंजिल, एजाननम को०-प्राप० हार्जिंग सोसाइटी लि०, 10वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णेख्प से वर्णित हैं)। और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। नारीख 2-7-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफ त के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफ त से एसे दश्यमान प्रतिफ त का गर्दह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफ त, निम्नितिबत उद्वेष्य से उसत अन्तरण निम्नित में वास्तिक एप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीर, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् हि—- (1) श्री एन० सुब्रहमणयम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन राज मनरूप चन्द जी जैन ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्पीत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की शारी का के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्योकरण :— इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का जो उनत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नग्तु ची

फ्लेट नं० 16, जो 2 री मंजिल, गजाननम को०-आप०, हाउमिंग सोसाइटी लि०, 10 वां रास्ता, चेबूर, अम्बर्ध-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3-37ईई/10876/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 की रिजरू किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख: 11-3**-19**8**5

मोहर 🕸

थक्य आह<sup>1</sup>.टी. १५.५७<sub>-;</sub>-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### श्रारत सरकार

# कार्यानय, सहायक भायकर भागुक्त (निर्धकाण)

मर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनां र 11 मार्च 1985

निदेश सं० मई-3/37ईई/11333/84-85--- ग्रतः, मुझे,ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० परेट नं० 19, जो इमारत नं० एन-9 प्लाट नं०-12-बी, सर्वे नं० 161 (अंभ), नांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित हैं)। और जिसका करारनामा श्रायक्षर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 पृष्ट के श्रधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 2-7-1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से किथ्स नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/बा
- को ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विश्वित्यम, या वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित स्पिक्तमों, अर्थात् हिल्ल (1) श्राप्म०ए० माचार्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गापाल दास बी० नांगूर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के किए कार्यवाहियां कड़ता हुं:

उनत् सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् ह---

- (क) इस त्यान के राज्यम में प्रकारन की तारीं से 45 दिन की अनींच या तरसम्बन्धी क्वृतित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनींध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यृतित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्यी

फ्लेट नं 19, जो इमारत नं एन 9, नांगूर नगर, गणपति निवास को हा सो लिं एस नं 161 (अंश), ज्लाट नं 12बी , गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-3/37ईई/11333/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बर्ष

तारी**ख** : 11-3-19**85** 

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11367/84-85—अत:, मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 706, जो, भागनारी को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, डंकन कांजवे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है। (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एंगे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भोरतीन अधार श्राक्ष नियम, 1922 (1922 का 11) के उक्त अधिनियम, या भग कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा मृथिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ कन्सरक मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) नरीयणदास डीग लालवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री विपिन मनहरलाल मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसची

फ्लेंट नं० 706, जो, भागनारी की-ऑप ० हाउसिंग सोसाईटी लि०, डंकन कांजवे रोड, चुनॉभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11367/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11—3—1985

मोहर 🕄

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनिष्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/10790/84-85—अतः, मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 34, जो 3री मंजिल यूनिट नं० 3, एस०वी० रोड, गोरेगांव (प०). बम्बई-62 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाउ।र मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, मिम्निसिस उद्देश्य से उसत अन्तरण कि सिक्त में वास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आय की वावत, उच्च अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

वात: अंश, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के लाइनरण कों, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पी ० एवं ज्ञेनसी लेम्ड डेक्ह्लोपमेंट, कांपेरिशन ।

(अन्त रक)

(2) श्री मूलचंद चुनीलालजी, एच०यू०एफ०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भा काहि भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्था चारतमध्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की ताराख क्ष दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रवूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरण .—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# ।"श्**रुपर्य**ऽ

फ्लेट नं० 34, जो, 3 री मंजिल, यूनिट नं० 3, एस० वी० रोड, गोरेगांव, बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैपािक ऋ०सं० अई-3/37-ईई/10790/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

**भक्त नहाँ , टी त रम**् स्वा . - - / ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहाबक नावकर नावृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11087/84-85—अतः, मुझें, ए० प्रसाद

जायकर अधिनिजन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, देविदयाल स्किम, [प्रिया मोहन को-आंप० हार्जीसंग सोसाइटी लि० मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान अतिकाल के लिए अन्तिरित की गई है बार मुक्के वह विश्वास कारने का कारण है कि बजापूर्वोक्त संपत्ति का उजिल बाबार मूल्य, उसके कारमान अविषय से, एसे क्ष्यमान प्रतिकाल का मृत्य, उसके कारमान अविषय से, एसे क्ष्यमान प्रतिकाल का मृत्यह प्रतिवास से बिधक है और अन्तरक (कृत्वरकाँ) और बन्तिरिती (बन्तिरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के बिए सब श्वास क्या प्रतिकाल, विस्वविद्यात सुबद्धित से उसके अन्तरण विद्यात में नारविद्यात क्या से क्षिक नहीं किन्त क्या है के क्या

- (क) बच्चाइय हे हुए किसी नाम की बायक, उपक न्यानियन के स्थीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने या उससे बचने में हानिया के जिए; ब्रॉर/बा
- (क) ध्रेवी किसी नाव या किसी भन या भन्न मास्तियों का, धिन्ह भारतीय नाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, शा भन्कर विभिनियम, शा भन्कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) से ब्रुवोचन्त्र कृत्तिरती स्वाय प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया वाना भाहिए भा छिपाने में सुविधा से विक्;

बच्छ बच, डक्ट विभिनितम की भारा 269-भ के बजूबर्फ में, में, उक्त अभिनितम की भारा 269-म की उपधार (1) के अभीन, निकासिक्ष व्यक्तियों, बच्चेट् क्रिक्ट (1) श्री मुलचंद बीग शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभुलाल यू० विरा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करने प्रवेक्त सम्मृति के वर्षन के हैक्ट कार्यवाहिमां कारता हूं।

उक्त सम्बन्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् :----

- (क) इब भूवना के राज्यपम् में प्रकारण की तारीय वें 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुन।
- (च) इब त्या के राष्ट्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मूष्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताकारी के पाच लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकारण:--इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदौं का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका क्वा है।

## मन्त्री

दुकान नं० 1, जो, देवी दयाल स्किम, प्रिया मोहना को-आंग० हाउँबिंग सोनाइटी ति०, मुनूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11087/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

श्रुक्त आहु<sup>4</sup>. टी. एन . एस<sup>7</sup>. .......

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### नारव चर्चा

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11454/84-85—अतः, मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतरें इसकें पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य

1,00,000 / - रु. से अधिक हैं। भ्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3 (आर्यवर्ता), पी० नं० 2, एस०नं० 94, एच०नं०-1 (ग्रंग), सी०टी०एस०नं०-1071, मिठागर रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984 को वृबोंभत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के बस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करनो का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उत्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त की ध-नियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के सिए; बाँद्र/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भर या अन्य क्रांस्एसी को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

बंदेश बंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) पटेल भानजी करमणी एंण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) के० पूर्वप्पा शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्षमत सम्मित्ति के अर्थन के सम्मन्ध में नरेड्र भी बाक्षप:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वित वद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नगर हैं।

# बन्स्ची

फ्लेट नं० 3 (आर्यवर्ता) पी० नं० 2, एस०नं० 94, एच० नं० (श्रंण), सी० टी० एस० नं० 1071, मिठागर रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11454/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

प्रकष जाह . टरे. एन . एसं . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के कभीन सुभना

#### भारत सरकाह

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11022/84-85——अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, चंद्र दर्शन, रामजी खोराज इमारत, एम० जी० रोड, मुलूंड (प०), ब्रम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीम पूर्ण क्ष्य से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिखित उद्वेश्य में उकत अंतरण निक्ति को बास्तिक रूप से अधिक स्था गरी हैं .~~

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त क्रिशिनशम को अधीन कार तीन के असरक क दाधित्य की अधी कारत या उसरी बचने मी मिलिधा को जिला कीर्याक
- (अ) एका १६ ( बाय प्राक्तिस वन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अंतरिक्ती इवारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के स्वीवधा के सिए;

बत: अब, अक्त आँधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधित :— (1) श्री बुधिनान वेनजी ठक्कर श्रीर अन्य।

(अन्त रक्)

(2) श्री शामजी एच ० गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी-करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्सूची

दुकान नं० 2, जो, रामजी खैराज इमारत (चंद्र दर्शन), एम० जी० रोड, मुलूंड (१०), वम्यई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क०मं० अई-3/37-ईई 11022/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 11-3-1985

ं मोहर :

बक्द बार्ड्, टी., एव. एस. नन्न----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन क्ष्मा

#### गारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/11420/83-84---अतः, मुझे, ए० प्रसाद

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/-रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 131, जो, 1ली मंजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग स्टेशन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से बर्णित है), श्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1984

को नृवांकत नम्मीत के उपात नाभार मृत्य ते कम को प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उपात नाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल ते, एसे क्षमान प्रतिफल का पंत्रह महित्यत से निथक है जोड़ जन्तरक (अन्तरका) और नन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे जन्तरण के निए तय पाया ग्वा हित्कल, निश्नितियाँच उद्वरेग से उन्त भन्तरण लिखित में मुस्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त कर्षानियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निक्यीसिया व्यक्तियों, अर्थात् ६---59---36GI/85

- (1) मेसर्स हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायजेंस । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स मुगर सरकलाईप्त इंडस्ट्रो । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य किसी जन्य व्यक्ति ब्वाय व्याहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा व्योवेश

स्वकारणः ----इसमें प्रवृक्त सम्बंग नाँह पर्यों का, जो स्वक स्विभित्यमं, के अध्याद 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं क्षी होता, जो उद क्ष्याय में दिवा नया हाँ।

#### erri

यूनिट नं ० 131, जो ाली मंजिल, हिरानंदानी इंड-स्ट्रियल इस्टेंट, कांजूर मार्ग स्टेंशन, वस्वई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क०सं० अई-3/37-ईई/11420/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

भोहर 🛚

# प्ररूप नाई टी एन एत । -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11233/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० 25, जो, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, डां० आर्०पी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बनिरती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त विभिन्नियम को अधीन कर दोने की अन्तरक को काजित्व में कमीं करने या उससे बचने में कृषिधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैसर्स लक्ष्मी मेटल इंडस्ट्रिं।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कुंज मेटल इंडस्ट्रिज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पन्न किरणः --- इसमें प्रवृक्त कृष्यों और पक्षों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अपूज्

गाला नं० 25, जो, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० आर०पी० रोड, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11233/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रजिस्टेंड किया गया है।

ए० प्रक्षाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बर्स** 

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

# प्रकृत नार्. टी. एन. पुर .....

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मुनी सूचना

### BUT ASSES

# कार्बन्य, सङ्घावक नायकार नायुक्त (रिन्दक्तिण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/10356/84-85---अत: मुझें, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इहार्ये इसके परभात् 'उसत अधिनियम' कहा तथा हैं), की बार 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, विस्तका अभित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 228, जो, राम गोपाल इंड-स्ट्रियल इस्टेट, डां० आर०पी० रोड, मुलुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। (ग्रांर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई

को प्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की बाबत, स्वत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सृष्धि। क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १९22 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, क्रियाचे से सुविधा के लिए;

अतः जब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उप्भारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हुन्न (1) श्री भगवान एस० इसरानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी एम० वालेचा।

(अन्तरिती)

को बहु सूच्या थार्दी करके प्योंक्य सम्मृतित के अर्थन की लिए कार्यमहिमां करता हो।

# ब क्यू संपन्ति के वर्षम् के संबंध में कोई भी वासोए :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नवीं मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (ख) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

ल्ब्डॉकरणः—इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, थो उक्छ अधिनियमं, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुमुची

यूनिट नं० 228, जो, राम गोपाल इंडिस्ट्रियल इस्टेंट; डा० आर०पी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/10356/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसादं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/10970/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया 'हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो, 1 ली मंजिल, मोती सागर, गणेश भावडा रोड, मुलूंड (प०), बम्लई-80 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्मरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् हे— (1) श्रीमती इंद्र रामचंद्र।

(अन्सरक)

(2) श्री एल०सी० दासवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्थ गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 1 ली मंजिल, मोती सागर, गणिश भावडा रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/10970/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 11-3-1985

मोहर 🛭

# प्रस्य बार्ड , टी , ११न , एक ,-----

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक अन्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11283/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्पौर जिसकी सं यूनिट नं 24 जो, ग्राउंड फलोअर, राजगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट डां० आर० पी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 मैं स्थित है। (ग्रीर इससे उपाद्यद्ध अनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिणों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'लिखत में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया राजा है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जास की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः त्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की विश्वसरण में, मैं. इक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीत, निजनिलिख व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) श्रीमती दलजीत कौर अमरजीतसिंग आजाद। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स अलाठंड इंडस्ट्रिज।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्माना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारांख म 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर) व पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

यूनिट नं० 24, जो, ग्राउंड फलोअर, रामगोपाल इंड-स्ट्रियल इस्टेट, डां० आर०पी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11283/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्रसम् नार्के द्वार प्रस्तु पुरस्ता सकार सन

बायकाड वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अभीत सुचना

### मारव शहरूह

# कार्याज्य, सहायक भायकर भाग्क्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11288/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

स्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सीभीनियम' अन्ध गया है), की धार्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० डी, 3, जो 3 री मंजिल महेस्बरी अपार्टमेंटस, जे०ए.स०डी० रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड अनुतूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाबार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बाधक है और जन्तरक (बन्सरका) बार बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वृधिनियम के वर्षीन कर दोने के बन्छरक के दाबित्व से कभी करने या उम्रसंबचने में श्रीवधा के लिए; वर्षिश्वा
- (च) ऐती किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

चतः कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण थः, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के चथीन, जिल्लीकीक क्योंक्सवों, क्योंति क्र---

(1) श्री अर्रावंद एस० ठक्कर।

(अन्सरक)

(2) श्री वसंत आर० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ए---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के जन्माय 20-क में प्रिभाविष्ट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिर। वक्त हैं।

### अनुसूची

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्रकथ बाई : टी., एन :, एस ,,5----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मुधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय,, सहायक आयक र नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

षम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/11185/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं विविद्धि सिट्युएटेड श्रंट 24, एस० नायडू खोड एस०नं० 2, एच० नं० 1, (श्रंग) कीशल कुंज मूलूंड प० बम्बई-80 में स्थित है। (श्रीर जिससे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 2,69 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुनाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित वाजार मून्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय्भाया पथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिबित में वास्तिक क्य से के जिन नहीं किया पवा है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के निए; बार/बा
- (च) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै सिए;

श्रात वर्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नतिविद्य अधिकारों,, अर्थाद्य क्ष्र-ल (1) श्रीमती भगवंती देवी आर० कौशल।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविदसिंग बसंतराम।

(अन्तिरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पह्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के भवति के संबंध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिल्डिंग सिटयुएटड ग्रंट 24, एस० एन० रोड, सर्वे० 2, एच०नं० 1(ग्रंग), कौशल कुंज, मुलूंड धम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी फि॰सं॰ अई-3,37-ईई,11185,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी घम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 क्षम्बई

तारीख: 11-3-1985

मोहर 3

# प्रकृष् आहें, की., एन., एस्., ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

### भारत तरकार

## कार्यालय, तहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

भ्रजीन रेज-3, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/11222/84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड पलोग्नर, मयूर पंख, नेताजी मुभाष रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका वरारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्रीमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ए'से द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ए'से अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आ उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, अवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) श्री सुरेश रावजी गणावा।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती मध्कांता जे० पारेख।

(भ्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं ।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंगे 1)

स्पष्टिकरण :---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पद्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पूजा है ॥

### अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फ्लोर, मयूर पंख, नेताजी सुभाष रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क्र॰सं॰ ग्रई-3/37-ईई/11222/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सभाग प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज-3, बम्बई

तारी**ज**: 11~ 3~1985

मोहर ः

त्रस्य **वार्ड**् दी . एस . एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आवृत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 धम्धर्ष

बम्बई, विनां र 11 मार्च 1985

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट तंव 70, जो, 1 ली मंजिल, राजा इंडिन्ट्रियल एस्टेट, मृल्ड (प०), अम्बर्ड-80 सें स्थित है। (और इससे उपायद अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के ग्राधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिन कारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, तारीख 2 ज्लाई 1984

कारा क कायालय स राजस्ट्रा ह, ताराख 2 जुलाई 1984 को प्रांकित सम्पत्ति के तीवल बाजार मृत्य से कम के हम्यसान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संचीत का उचित बाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफाल्नीस्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हुई जिसी आप की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक है दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में मृविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर खींधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्म**लिखिस व्यक्तियों, जर्थात्** ——

60-36GI/85

(1) भैतर्भ गजा बिल्डर्भ।

(भ्रास्तरक)

(2) श्रीमती नारती सुरेंद्र खांधर और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामौल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीबा से 4.5 दिन के शीलर लक्षत स्थापन सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मी किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकित्पः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया गया है।

### धनुस्ची

यूनिट सं० 70, जो, 1 ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल एस्टेट, मंजूंड (प०), बम्बई-80 सें स्थित है।

श्रमुमूची जैमाकी कर्णन श्रई-3/37-ईई/11194/84-85 और या क्षाप प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजोस्टर्ड विद्यानदा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, **अम्बर्ध**

नारीखा: 11-3-1985

मोहर 🛭

# प्ररूप **वार्ड**्टी<u>.</u>एन<u>.एस</u>...-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, **बम्बई** 

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश मं० श्र**ई**-3/37-ईई/10857/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रक्षाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी मं० धूनिट नं० 132, जो, 1 ली मंजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, शंजूर मार्ग, अम्बई, में स्थित है। (और इसमे उपाबड़ धनुसूची में और पूण रूप से विणित है), और जिस्था अरास्तामा ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, ख के प्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984।

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बन्तरित गर्ह की लिए निष्यास करने जुओने यह का कारण कि यथा पर्वोधत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके करमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित **बबुदोब** से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप **से कथित** अहिं किया गया हैं:---

- र्र्क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की वाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)' ऋ बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) मैं भर्स श्रीराम ध्वास्टिष्म ।

(म्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माओप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बनींच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींच से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संबादत होती हो, के भीतर पूर्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन वहंभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, वधोहस्साक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इतमें प्रश्नुकत शब्दों और पर्यों का, जो उपत अभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषितः ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

यूनिट नं० 132, जो, 1 ली मंजिल, हिरानंदानी इंड-स्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मागँ, वम्बई सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रहै-3/37-ईई/10857/84-45 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टेंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3 वम्बई

नारीख : 11--3~1985

मोहुद् ∎

त्ररूप बाइ दी पुन एस ,-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

### कार्यां सम्, सहायक बायक र वायुक्त (निरीक्षण),

श्रजन रेंज-3, **अम्बर्ध** वम्ब**र्ड**, दिनांक 11 मार्च 19**8**5

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/11263/84-85---धतः मुझे, ए० प्रशद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्वावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव 55, जो, 1 ली मंजिल, विशाल इंडस्ट्रियल इस्टेट (सिएट टायर्स के बाजू में). व्हिलेज रोड, भांपूर, बस्बई-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से बिणत हैं). और जिसवा करारनामा श्रायतर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधन बस्बई स्थित रक्षम जाधिकारी के दार्यावय में रजिस्ट्री है, नारीख 2 जुलाई 1984

को पृत्रों क्ष्म संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं क्षम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्योंकत सम्परित का उचित बाजार श्ल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जबत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरकः में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तिरमों, अधितः —

(1) श्री इ०के०के० नायर

(अन्तरक)

(2) श्री इ०के० जनदीश कुमार।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिने की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए का सकोंगें।

#### म्मस् भी

यूनिट नं० 55, जो, 1 ली मंजिल, विशाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, (सिएट टायर्स के बाजू में) व्हिलेज रोड, भांडूप, बस्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कल्सं श्रई-3/37-ईई/11263/84-85 और जो सक्षम प्राधि-अभी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीमा: 11-3-1985

मोहर :

# मुक्त आई.टी.एन.एस -----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 व्हा 43) की भार 269-व (1) के न्भीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकार आयका (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंन-3, बम्बर्ड बम्बर्स, दिना- 11 मार्च 1985

निदेश म० म्राई-3/37-ईई/11144/84-85 --- म्रान मुझे, ए० प्रसाद,

अध्यक्तर अधिनेता 1961 (1961 का 13) (जिस अमर्म इसके पश्यक नेत्र कियान के कियान हैं), की भारा 269-म के अभीन सक्षण लोधकानी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका डोचत बाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी में यूनिष्ट गर्भ 32, जां, ग्राउड फरोर, जांच इडिस्ट्रि:त इस्टेट, पुरूपोत्तम रोगांत रोड तिस्तारि , मृत्ड (पर्), बम्बई-80 में स्थित हैं। (और उसे उपाबक श्रान् सूची में और पूर्ण रूप स विणित हैं), और जिल्ला निरास्तामा श्रायकर श्रिजिसम, 1961 की धारा 269 , ख के श्रिजीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्यांक्त सम्पतित का राचित वाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिभन सं, एमें अपमान प्राप्तिन का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितिमा) के बीच एम अन्तर्थ के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्व से तक्त अन्तर्थ सिवत से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण सं हुए किसी भाष को बायल उक्त अधिनिक्स के अभीत कर योगे को अन्तरक के वासित्व में कनी अक्तने या उससे क्यने में सुविधा के किस, और/या

जत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ वरी उपधारा (३) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री जैथालाल वि० नावला।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स निला कन्ट्रोल्छ।

(अन्तरिती)

खा यह इत्यना वारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्धन के सिए कार्यवाद्यिमं करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप्य---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि नाद में समाप्त होती हो, के गीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थावत ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए जा गर्कींगे !

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

### वनस्थी

यूनिट नं० 32, जो, ग्राउड फलोर, राजा इंडस्ट्रियल उम्टेट, पुरूषोत्तम खोराज रोड जिम्नारित, मुलृष्ट (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं।

श्रनुसूत्री जपाकी ऋ० स० अर्थ-3/37-ईई/11144/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

नारी**ख**ः 11–3–19**85** 

मोहर 🕄

प्रकथ आहे, टी. एवं . एस :: ------

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/11442/84-85---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोयत लंपरित के उमित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त संपत्ति का उमित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से करिश्त नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्द्ध किसी जान की नानत, उच्छ निध-नियम के अभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; नौर/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या अक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिय;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधार, रिम्निसिंसत क्युक्तियों, अधीतः— (1) अजय बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) डॉ॰ एकनाथ रामर्जा गवारे।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त संपरिक को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी भाषाप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. कही अर्थ होंगा जो उस क्ष्माय में विका गया है।

### वन्स्पी

प्लॉट एम०नं० 74, जो, ग्राउंड फलोर, ऋषभ दर्शन, सी०टी० नं० 564, श्रांफ 90 फिट वाईड डी० पी० रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 सें स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसाकि ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/11442/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद मक्षम प्राधिकारी सहायक **भ्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई.

तारीख : 11--3--19**85** 

मोहर 🖫

प्रकृष् नार्केत् दर्भः, एस्. -------

नावकर निधनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### मारत परकार

कार्यालय सहायक नायकर नाय्क्त (निरोक्तण)
श्रर्जन रेंज-3, बस्बई
बस्बई, दिनांच 11 मार्च 1985
निदेण सं० श्रई-3/37-ईई/11248/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

सहायक जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या गया है), की धारा 269-च के अधीन तकम प्राधिकारी को वह विक्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० य्निट नं० 3, जो, ग्राउंड फलोर, विद्याल इंडिस्ट्रियल इस्टेट, विलेज रोड, िएट टाएर्स के सामने, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधात हैं), और जिसका करारनामा ग्रायक्षर श्रविनियम, 1961 की धारा 269 का, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निविक्त उद्वेष्य से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी जाव की बाबध अध्ये जिमितियम के अधीन कार दोने के जन्मरक व दायित्य में कभी कारने या उससे बचने में सृतिक। को निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जान या किसी भन या जन्म नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा से सिए।

अत. अत. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री लक्ष्मीचंद भानजी नागडा।

(श्रहनदक्)

(2) श्री महा प्रोसे पर्स ।

(श्रन्तिःती)

को कह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के जर्जन के जिए कार्यगाहियां करता हुं।

अवस संपत्ति को वर्जन को संबंध को कोई भी आक्षंप ु----

- (क) इस सूचना क रायंपण मा प्रकाशन को तारोक स 45 दिन की अवधि या सत्यम्बन्धी अविकासों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त म्बन्सिमों में से किन्छी अविका दुदाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रायीब स 45 बिन के भीतर उभत स्थावर संपरित में हितयद्थ किसी अन्य स्थावित द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा उक्का।

राखिकरण: --- इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदी का, ओ उसल अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गवा है।

### असूची

यूनिट नं ं 3, जो, प्राउंड फलीर, विशाल इंडस्ट्रियन इस्टेट विह्लेज रोड, निएट टायप के भामने, भांडूप, वस्वई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकी क०म० अई-3/37-ईई/11248/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),** अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन ् एस 🕫 🗷 🗷 🗷

शरास्य भाषान्यम, 1961 (1961 का 43) **क्री** भाग 269 थ(1) के अभीन स्थना

### भारत स्रकृत

कार्बालय, सहाबक आबकर आव्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाव 11 मार्च 1985

निदेश स० अई-3/37-ईई/10877/84-85---- श्रत: म्झे, ए० प्रशाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसमें इसके परचात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260 स के अधीन मध्य प्राधिकारी को. यह विस्त्राप्त करने गा के कि स्वायर गम्पांक, जिल , उ**चित बाजार म्ल्य** 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जित्नो ए० फ्लैंट न० 14, जो, ए-विग, 1 ली मिजिल, निितमा श्रपार्टमेटम, एए ०पी ०एम० मार्ग, भाइप, बस्बई-78 में स्थित है। (और उत्तर उपाबड धन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिए में क्रारनामा श्रायतल अधिनियम, 1961 की प्राचा 269 के, ख क ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान परिया - त्या अपि के रिंटी अपि मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि वथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके इच्थमान प्रतिकल से एसे उच्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिसित उद्देरिय से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिबक रूप अध्य 🕝 क्रोधित नहीं किया गया 💕 🖫 🗝

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाथ की दाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य म कभी करते या उससे बचने म मुनिधा के लिए; वरि/धा
- (ख) एसी किसी अाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ जो जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अत. बाब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म-, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क न्यीन, निरनिलिखिय व्यक्तियों, वर्षात्य-

(1) मैं सी गणेश विल्हर्स ।

(ऋन्तर्क)

(2) श्री लाल्लान िया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अवधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की कामीन में ५० िन की सर्जां, जा भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाया,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सी 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बब्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अथोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण .---इसमा प्राक्त शब्दो अ.२ ५३ : ा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित 🚅 , वही अर्थ हामा, जा तस राधाय जा दिया गया है ।

### अन्त्रा

फ्लैट नं 14, जो, ए-विंग, 1 ली मंजिल, निलिमा भ्रपार्टमेंट, एम॰पी०एम० मार्ग, भारूप, बम्बई-78 में स्थित

श्रनुसूची जैसाकि क०सं० श्रई-3/37-ईई/10877/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वारील 11-3-1985

महिर :

प्ररूप बार्च , टी. एन , एत , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की अधीन सुचना

### भारत सरकाह

कार्यालयः, सहायकः शायकः: वायुक्तः (निरक्तिवा) अर्जन रेंज-3 बम्बई

धम्बद्दी, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/10998/84-85---अतः मुसे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्ज़ात 'उज़त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23 जो, बी-विंग, 2री मंजिल, निलिमा अपार्टमेंट, एस०पी०एस० मार्ग, भांडूप बम्बई-78 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूर्फ यह विक्यात करने का कारण है कि गथापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एते ध्रममान प्रतिफल सा पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियांं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिस्तित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के दािगटल में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एनेनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एओजनार्थ असिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अभीन, निम्निसितिक व्यक्तियों, अर्थतः :---

(1) मैसर्स गणेश विरुद्ध ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधाकर आर० भगत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्ड पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हुते ॥

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वयशि, जो जी जनभि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इत ब्रुवन के रावपत्र में प्रकासन की तारीं हैं
  45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताअरां के पाव लिखित में किए का मुक्तेंगे।

लक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

### मनुसूची

पलैट नं० 23, जो, बी-विंग, 2री मंजिल, निलमा अपार्टमेंट, एस०पी०एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकि ऋ० सं० अई-3,37-ईई,10998/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टढं किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

सारी**ज**: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . ट्री. एव . एस . -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

धम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/11443/84-85---अतः मुझे, ए॰ प्रसाष,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट एस०नं० 74, जो, ग्राउंड फ्लोर ऋषभ आशिश, सी०टी०एस०नं० 564 ऑफ 90 फिट वाईड डी०पी० रोड मुलूंड, बम्बई-81 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्तइ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----61-36 G1/85 (1) अजय बिल्डसं।

(अन्सरक)

(2) श्री के० एस० चंद्र-शेखरन।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन की जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इंच सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारी के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-3/37-ईई/11443/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बुई द्वारा दिनांक 2-7-1984 क्ये रिजिस्टर्ड किया गया है।

### वन्स्यी

प्लॉट नं० 74, जो, ग्राउंड फ्लोर, ऋषभ आगिष, सी०टी०एस०नं० 564, ऑफ 90 फंट बाइड डी० पी० रोड, मृलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

**तारीख**: 11-3-1985

महर ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### प्राप्तत चरकार

### कार्यातय, तहायक ग्रायकर मान्यत (निरीकन)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई विनोक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11497/84-885—अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाबार मून्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जिस और पार्सेल ग्रॉफ लैंन्ड विध फैंक्टरी ग्रेड, विलेज नाहर, मुल्इ, बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बृस्य वे कन के स्थमाय प्रतिफल को लिए जन्तीरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्यों कर संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए स्य पाया प्रया प्रतिक स्थ निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में पास्त-विक कर से कथिय नहीं किया कमा हैं हैं—

- (क) अन्तरण से शुर्भ किसी आग को बाबत उपक्त अधि-विश्व के बचीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व घे करी कर्ज़ या क्याचे क्याने में बुविशा के किए. बार्/मा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिक्टू आरसीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः वयः, उक्त विधिनियन की भारा 269-भ की व्यक्तपूर्व में, में, सक्त विभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, स्थिति हि——

- (1) श्री राधेश्याम प्लास्टिक इंडस्ट्रोज । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मैंसर्स देवरा सिल्क मिल्स प्रायवेट लि ० । (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किती व्यक्ति बुवारां?
- (क) इस सुजना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में विहत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकेंगे।

### अपृत्रची

पिस श्रौर पार्सेल ऑफ लैन्ड टुगेंदर विष फैन्टरी धैट विलेज नाहूर, एस०नं० 115(ग्रंग), एच०नं०-एस०नं०-127, एच०नं० 7(ग्रंग) मुलूंड, अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकी कर्नं अर्ह-3/37-ईई/11497/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **धम्बई** 

तारीख: 14-3-1985

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एसु.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11158/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संव यूनिट नंव 5, जो, 1 ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, पीवकेव रोड एक्सटेशन, नाहूर, मूलूंड (प) बम्बई-80

में स्थित है।

सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 जुलाई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया स्मा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित को शास्त्रविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कती करने वा उसके दचने में वृत्यिण के निष्; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन- भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्व अन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था. डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए को जनसरण में, मैं, उपत अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को सभीन, निम्हिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ए—

(1) राजा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री ताराचंद एस० पंजाबी।

(अन्सरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की जयधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के शास निवित्त में किए जा सकत्ये।

स्वक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नका है।

### वनुसूची

युनिट नं० 6, जो, 1 ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट पी०के० रोड एक्सटेंशन, नाहूर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०सं० अई-3/37-ईई/11158/84-85 ग्रीर जो नजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्मई

तारीख: 14-3-1985

मोहर :

# शक्य बाह्"ूटी पुन्युक ्रान्यान्यक

नाथकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11157/84-85-अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 7, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, पी० के० रोड एक्सटेंशन, नाहुर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण का से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख अधीन तारीख 2 जुलाई 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/र/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 1/1) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

सर्तः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, बक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) डे बसीन, निज्तिशिक्त स्थितसर्थों, स्थात्ः⊶ (1) राजा बिरुडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद टी० पंजाबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

इक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीब से 45 विस की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि; जो भी धविब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूंपूबॉवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पर्दों का, वो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा गवा है।

#### **HUTH**

यूनिट नं० 7, जो 1 ली मंजिल, ॄराजा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, पी०के० रोड एक्सटेंशन, नाहूर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०सं० अई-3/37-ईई/11157/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-7-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्मई

तारीख: 14-3-1985

मोहर 🖫

प्रकप मार्घ दी एन पुस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) में अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च, 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/10896/84-85-- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं व्यूनिट ं 96, जो, 1 ली मंजिल, राजा इन्डिस्ट्रियल इस्टेंट, पुरूषीतम धोराज रोड एक्सटेंग्रन, मृलुड (प), अम्बई-80 से स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है)। और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के अधीन तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कालत नहीं किया गया है:—

- (का) अंतरक से इंडिं किसी आय की वाबत, उक्त श्रीध-नियमुकों अधीन कर देने को अंतरक को दायित्य में कमी करने या उससे बडाने में सुविधा को लिए; और/वा
- (च) होती किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

सत्त अस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के शकीन, निम्मितिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राजा बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) पॉली प्लास्ट ।

(भन्तरिती)

को यह सुमना आरी करकी पूर्वेक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवतः सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में की हैं भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अधीकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

यूनिट नं० 69, जो, 1ली मंजिल, राजा इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, पुर्षोत्तम शेराज रोड, एक्सटेंशन, नाहूर, मुलुङ (प), बम्बई-80 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं भई-3/37ईई/10896/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**ः 14<del>5</del>3-1985

मोहर 🕄

### त्रक्य बार्ड . बी. युन , एक . ------

नायकर निभीनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थमा

#### भारत बरकार

कार्याखय, सहावक नायकर नायकत (नियोक्स)

म्रजन रेंज-3, बम्बई धम्बई, दिनांक 14 मार्च, 1985 निदेश सं० प्रई-3/37ईई/11242/84-85--- प्रत:

मुझे , ए० प्रसाद

मामकार सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे अधर्मे इक्क परवात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), 📽 भाषा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीवत बाबार जुल्ब 1,00,000/-रा. से जिथक है

और जिनकी लं० फ्लेट नं० बी० 53, जो, 5 वीं मंजिल, मनार्ला' इमारत नं० 4, वालनाय विलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। और इनसे उपाचढ़ अनुसूची सें और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिक्का करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 दा,ख के प्रवीत, जन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पुत्रोंक्त सम्परित को उपित बाजार मृज्य से कम 📽 व्यवसात प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख उत्सको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से जिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के बिए तय पावा बजा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उभव अंतरण निरिचय में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यवा है:--

- 'कं) अन्तरण से **हुई किसी का⁄य की बाबत, उक्त ग्रॉ**घ-विवस के संपीत कर दोने के बंतकुक के कावित्व में कार्यों करने वाउससे वचने में सुविधा के बिहर; क्षेत्र / क्षा
- (थ) एंसी किसी नाव वा किसी भन वा जन्म आस्तिकों को, जिन्ही भारतीय नावकार विदित्तिक्व, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिविजन, या अन-कार अभिवृत्तियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजभार्थ जन्तरिती वृंबारा प्रकट महीं किया बता भा या किया बाना पाहिए था, कियाने में सुविधा इं क्षिए:

बत: अब, उक्त वीधनियम की भारा 269-न के वनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तिं, अर्थात् ह---

(1) मेसर्स मानली कारपोरेशन।

(प्रन्तरक)

(2) श्री हरेश एन० पंचाल और भ्रन्य।

(भन्तरिती)

कां बहु स्वतः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाद्दिशं करता हुं।

इन्स सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामीन से 30 दिन की बदिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्विन्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की सारीब के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हिस-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी के नाश लिखित में किए था सकीं ने।

स्वचीकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्वो, का, जो सन्द मिशिनियम से मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी वर्ष होता, यो उन्न कथ्यान में दिना मया है।

### कम् सुनी

फ्लेट नं० बी-53, जो, 5 वी मंजिल, इमारत यैनाली जं 4, बांलनाप विलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क० सं० अई/-3/37-ईई/11242/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया यया है।

> ए० प्रसाध ं**सक्षम प्राधि**कारी सद्यायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

मोहर :

### म्**यन् वार्**, दौ , यन , **एव**ं, -----

नायकर स्रोभिनियम, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारतः सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांश 12 मार्च, 1985

निवेश सं श्र श्र - 3/37ईई/11070/84-84--- प्रतः मुसे, ए० प्रसाद,

वानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 35, जो, 2री मंजिल, हेमल श्रपार्ट मेंटस, पलाट नं० सी० एस० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज मजलवनी, मालाष्ट (प), बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है)। और जिसका करारनामा श्रायकार अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984 को पूर्वांकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के करवान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरिज के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखत में बास्त- किस से किस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिभिनियज के अधीन कर दोने के अंतरक को दाजित्य में कमी करने या उससे वचने में क्विंधा के निष्; बाँड/वा
- (थ) एंसी किसी जान या किसी भन या जन्म नास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए भा, जिभाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मेसर्स हेमल इन्टरप्राइ सेस ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री एस० के० भाना।

(भ्रन्तरिती)

सी वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त अध्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां अस्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ::---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की ठारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) स्व कृतना के राज्यक के प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबहुध किसी अन्य स्थाक्त ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

ल्ब्यक्तिकरणः ----इतमें प्रयुक्त सम्यों और पर्वों का, जो उक्त बीधनियम, को बध्याय 20-क मों परिभाषित ही, वहीं बर्ध होगा. जो उस कथ्याय में दिर प्रवाही है.

### अनुसूची

फ्लेट नं० 35, जो, 2 री मंजिल, हेमल भ्रपार्ट मेंटस, प्लाप्ट नं० सी एस० नं० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज मालभनी, मालाख (प), धम्बद्दी में स्थित है।

म्रनसूची जैसा कि क० सं० म्रई-3/37ईई/11070/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-3-1985

मोहर 😗

प्रकप् आह्य, टी<sub>ल</sub> एन्., प्रस्तु------

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक नायकर भाग्यत (निडाक्षण)

भ्रजन रेंज-3, बम्बई

घम्बई, दिनांक 11 मार्च, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/11239/84-85—- ग्रतः मुझे , ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 42, जो, 4 थी मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, प्लाट नं० 48, 49, 50, वालनाय विलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में रियत हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं)। और जिस्ता करारनामा आयवर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं। तारी द्ध 2-7-1984 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ण) खार अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए वार/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मनासी कारपोरेशन ।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रीण मेहरा, श्रीमति सुनोता मेहरा, श्री रिव मेहरा और श्रीमति नीना मेहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता बाड़ी करके पृष्टिकः स्म्युरित के वर्षन् के लिए कार्यवाष्ट्रियों सुरू करता हुं।

नक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्कार के राजधन में प्रकाशन की तारीबु से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, का भी अविधि बाब में समाप्त क्लेती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किली व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सुकना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितकपृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्थः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वे का, यो उन्त अधिनियम, के बुध्यास् 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 42, जौ, 4 थी मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, प्लाट नं० 48, 49, 50, बालनाय विलेज, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रतुसूत्री जैसा कि क० सं० प्रई-3/37ईई11239/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज-3, बम्बई

तारीख: 11-3-1985

जोहर व

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बई, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11069/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयवार व्यक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 32, जो, 2री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट नं० बेअरिंग सी० एस० नं० 19/41 नं० 85/5, 96/1, जिलेज मालबनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय है रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को प्राचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथाण्योंकत गंगील का उक्ति वाजार प्राच्य , उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पल्लह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर वाने के अस्तरक के दिखल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: अस्ति/पा
- (क) एसी किसी बाय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-जन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए।

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- मेसर्स हेमल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्री महाघल विलास कृष्णा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्थितयाँ में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी मृत्य स्थावत ह्यारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

पलैट नं० 32, जो, 2री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट बेअरिंग सी० एस० नं० 19, 41, सं० 85/5, 96/1 किलेज मालवनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11069/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–३, बम्बर्ड

दिनांक: 12-3-1985

मोहर :

62 -36GI/85

प्रकथ कार्षः. टी. एन , एस . -----

भावकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन म्चना

#### नारव वर्षकार

कामसिय, तहराक आयक्तर वाबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निवेश सं० अई--3/37-ईई/11056/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इत्तर्के पश्चात् 'उक्त जभिनियम' ऋकागवाह"), की धारा 269-ख के अभीन सक्षान प्राधिकाची को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थादन सहयात, जिसका उचित नाजार शब्य 1,00,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 1 जो,1ली मंजिल,ग्भलक्ष्मी शार्पिंग सेंटर, क्वारी रोड, मालाड (पू०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्यक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984 को पृथेक्ति संस्परित के जीवत राजार एलग हो कान के जयमहा प्रतिकास के निर्धान्य रिज की नई है और मुक्ते सह किनवास कारने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार बुरुष, उसके क्याबान अतिकाल से, एक ब्रवनान अतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक इं भार अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिनी (अंतरियों) के **बीच**्रेसे अंबरण **के बिस्** तय पाया गया प्र**ति**-**प्रथा . निम्मसिवित उदबोध्य से उक्त अन्तरण टिरीयट मों नाम्सीवफ** रूप में कथिक नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तारण सं शृह्य जिल्ला शाय की शावता, सकता जीविनियम की जर्बात कर कार की अन्तारक की श्रीमत्व मी कार्या कार्य या उगाय भागों में शिविचा की शिवाय की श्रीमा
- (क) एसी किसी आय या किशी धन शा बन्य नामिनयों की, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्जात अधिनियम, या धन-वार नीधिनियम, १९५७ (1957 में 27) में लोकिनाई लेक्सिकी रामन का मानिकार की लिए;

अतः अव, उचन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, में, उचन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीचिसिस व्यक्तियाँ, अधीत :—

मै० शहा बिल्डर्स ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र यु० मेहना (एच० यु० एफ०) श्रीर अन्य।

(अन्म(रती)

को वह सूचना जारी करक पूर्वेक्स संपरित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के 45 दिना की अपन्ति के तरशब्द थी। अपनिस्तरों पर सूचना की तासील हो 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि नाद मों सम्प्रपत होती हो, के भीतर पूर्वोका . के अप हो हो के विकास क्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अम्पति में हिलबद्ध किसी बन्य अधिक दुवरण अधितन्ताकारी के पास विशेषक मां निष्णु का लागीने

स्थण्डोकरण :---इसमी प्रयासन शस्त्री और पर्यो का, जो उत्तर अधिवियम को अभ्याद 20-क मी परिभाषित हुँ, नहां अधि हारेश को उस अध्याय का दिया एका है।

#### जनस्थी

अिंक्स नं ा. जो. ानी मंजिल, णुभलक्ष्मी शापिंग सेंटर, बवारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-,64 में स्थित है।-अनुसूची जैसा कि का सं ीश्चई-3/37-ईई/11056[ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज-3, श्रम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष साहरे. टर्डे. इन , एस. वनवक्रमण्य

नासकर नामिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-म** (1) के सभीन क्षमा

#### ATCE EXCER

शाबालिय (देशबक शावकार शावबार (निरीकार्च) अर्जन रेंज-3, बस्बई

वम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० अई--3/37-ईई/10815/84--85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धान 263-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित विश्वका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-क से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, गुरु कृपा, लिकिंग रोड के पीछे, एवर शाईन नगर के बाजू में, मित बौकी, आफ मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

का पूर्वोक्षत सम्मिरित के उषित नामार मृत्य स कम के बह्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्व ही और मृक्षे यह बिह्नास अपन का कारण ही कि समाप्तांचल संपत्ति का अभिक्ष महन्त्रम् गृत्य, उसके दश्यकाम प्रतिकाल सं, एते दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और मंतरक (मंतरकाँ) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के सिए तय पाचा गया प्रति-क्ष्म निम्नोंनितित उष्यंत्य से अस्स मन्तद्रम् निमित्त से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण वे हुई हैं जिली भाग की गांधत समत सिंध जिला के नवीन सर को से अन्तर्भ ने दावित्य की समी करने या उत्तरी स्थन में तृतिथा को लिए; अने रहा
- (४) ृसी फिली आय वा जिल्ली पर या अस्य आखितारों की, जिल्ही भारतीय जासकार अधितियम 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विभिनियम, या धन-किए अधितियम, 1957 (1957 का 27) की अव्योधवार्य अख्डीरती कृतांच प्रकृष्ट नृहीं किया गंकी था वा किया वाना आहिए था, कियाने की सुनिधा औ निक;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अवितः :--- 1. मै० प्रगति इंटरप्राईसेस।

(अन्सरक)

2. श्री एम० के० हुकीम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारौ करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उथत सम्परित के लर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के खबनन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनभि का सरसम्बन्धी अनिसयों पर सूचना की ताबील के 30 दिन की ग्राप्ति, वो भी जनभि बाद में सम्बन्ध होती हो. के भीतर पृजीकत क्विकारों में से सिसी त्यांतित प्रकाशन
- (अ) पस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अंक्स स्थावर संपत्ति में दिसा बच्च किसी जन्म का किस स्थाय अभोहस्ताक्षरी के पाछ । विस्त के विष्य का स्थाय अभावस्ताक्षरी के

स्पच्छीकारण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहाँ अधि हिन्दा के उस अध्याय में दिया पदा हैं:

बनसची

दूकान नं० 3, जो, गुरु कृपा, लिकिंग रोड़ के पीछे, एवर शाईन नगर के बाजू में, मितनौकी आफ मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/10815/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, घम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है!

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयु<del>न्त</del> (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर∉

प्रका बाद्री, की. युद्र, एक् ु------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्थान

#### भारत तरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 निवेश सं० अई-3/37-ईई/10813/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर उपरित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रुप्त से अधिक हैं

और जिसकी संव दूकान नंव 11 जो गृह कृपा लिंकिंग रोड़ के पीछे एवरशाईन नगर के बाजू में मित चौकी आफ मार्षे रोड़ मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्म्यमान प्रतिफल से, एसे स्म्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) जौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उच्च पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिद्द में बास्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है है---

- (क) वंतरण से हुई किसी वायुकी वायत्, उक्त वीधितियम के वधीन कर देने के वंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के 'लए; बोर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिथी करो, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिजाने में सुविधा अस्य:

बतः क्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नरिखित व्यक्तिवाँ, अर्थात डि— 1. मै० प्रगति इंटरप्राइसेस।

(अन्तरक)

2. श्री मध्यू पाल डान्टेस।

(अन्तिरती)

का यह सुधना बारी करके प्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुई।

### उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎥

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध मा तत्त्रंवंधी स्थानितमों पर स्थना की तानीन से 30 विन की ज्वधि, जो भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितमों में से किसी स्थानित इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन् के भीतर उचत स्थावर सम्बक्ति में हितबहुण किसी जन्म व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकरेंगे।

न्यव्यक्तिकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पदों का, को उबर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

दूकान नं० 11 जो गुरु कृपा लिकिंग रोड़ के पीछे एवरशाईन नगर के बाजू में मित्तचौकी आफ मार्वे रोड़ मालाड (प०)श्वम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/10813/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बस्बई
बम्बई, विनांक 12 माण 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/11054/84-85--- स्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकीं सं० माला नं० 14, जो, 1लीं मंजिल, क्षमलक्ष्मी उद्योग भवन, रामचन्द्र लेन, मालाइ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारींख 2-7-1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उम्स अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अरु: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित, व्यक्तियों, अर्थात् है—

1. मेसर्स स्वास्तिक कैमिकल्ल इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरक)

मेसर्स एमाराय एंटरप्राईसेस।

(भ्रन्तरिती)

का बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त तन्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई आक्रोप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

माला नं० 14, लो, 1लीं मंजिल,श्रमलक्ष्मी उद्योग भवन, रामचन्द्र लेन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रन्सूचीं जैसा कि कि सं श्रई-3/37—ईई/11054/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2–7–1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारीं सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🖫

### म्हन्त अष्टः, दी , एव , एस , ननगरननन्न ननगरन

पायकर व्यक्तिविकास (१०० (१९७२ १ ४३ को अपरा १९४०(१) से व्यक्ति कृष्याः

भारत सारकार

## कार्यानय, सहयक बानकर बायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/10873/84-85--श्रत: मुझे, ए० प्रमाद,

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकी इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का सारक है कि स्थानर संपत्ति, जिल्ला उच्चित् ोजार मूल 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-24. जो 2री मंजिल. ''मनालीं'', इमारत नं० 1, विलंध वालनाय. मार्वे रोड, मालाड (प०), वम्बई में स्थित है (धौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, श्रांत्र जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, वस्बई स्थित सक्षम पाधिकारीं के वार्यालय में रिजर्ट्रा है, तारोख 2--7-1984

का पूर्वितित सम्मितित के उचित बाजार मत्य स कम के करमात प्रतिकत है लिए अन्तरित की गई ही और मुकं, यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्मित का उनेवत बाबर पूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकत सं, एसे अश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एने अन्तरण है लिए व्य पाया प्रतिकल, निम्निलित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निलिस हो बास्तिवक रूप ते स्त्रीभत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हर्ष किसी आय की बाबत, उन्धर विधिनियम के अधीन कर दोन में अन्तरक में दानित्य में केमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के हैमए, टीर्ड क
- (ब) होनी फिसी आरू था निर्मी धन या अस्य बारिसेसी की. जिल्ही भारतीय आयानकर प्रीक्षित्रक्य, 1922 । १००० व्यापनकर प्रीक्षित्रक्य, 1927 का १८०० व्यापनकर प्रीक्षित्रक्य, १००० (1937 का १८०० के प्रकारमार्थ अस्तिरकी स्वारा प्रस्ति क्या का वा निर्मा जाना था। स्राप्ति का, स्थितार स्वापन के स्विक्षा के स्विक्षा

करः व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 205-भ के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिवत व्यक्तियों, अधित् र—- 1. कुमारी राजकुमारी जी० भतिजा।

(भ्रन्तरक)

2 श्री राहुल तलवार।

(ग्रन्तरिती)

की वह बूचना जारी काक्के पूर्णेक्स सम्माध के अर्थन के सिए कार्वजाहिनां कारता हुं।

### अवत तल्लीत को मर्चन का तत्वात्थ हो कांध्री भी आक्रोप :---

(क) १६ द्वामा के लाजपत मो गात्रमधन की ताहरीय वे 45 विभू की अमर्रेश या तहस्त्रमध्यी कारिताची कर नाजमा की तामील से १० विन की जबिश, जो भी क्यांत्र वाल या समाध्य होती हों, के बीचार पृत्रोंका वर्ष सम्बद्धी में के किसी समिक हुवाराक

(स) इत ब्रुचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीचर उक्त स्थावर तक्षीं में हित्बव्ध क्षिकी बस्य व्यक्ति इतारा नभीकृत्वकारी में पाक व्यक्ति में विक्र था सकीने।

स्यष्टीकरण: -- प्यामी प्रयक्त शब्दी और पर्दो का., ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, कहीं नर्थ होंगा, जो उस अध्याय मी विका एका हैं।

#### अनुसूची

पर्लैट नं॰ ए-24, जो, 2री मंजिल, "मनालीं" इमारत नं॰ 1, वालनाय विलेज, सार्वे रोड, मालाड (प॰), बम्भ्र $\xi$ -64 में स्थित है।

श्रनुसूर्वा जैपा कि कि के मं० ग्रई-3/37–ईई/10873/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्नन रेल- ३, श्रम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोद्धर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनिशम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-म (1) के अधीन सूचना** 

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बर्द बम्बर्द, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० श्रर्द--3/37-ईई/i0816/84-85--श्रनः मुझे

निदेश मं० श्रई--3/37-ईई/10816/84-85—श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इक अधीन स्क्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 1.00,000/- रुक्त से अधिक है

श्रौर जिसकी संव दुणान नंव 6, जो, गुरु कृपा, लिकिंग रोड, के पीछे, एवरणाईन नगर का बाज में, मितचौकी स्नाफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बर्व्याई-64 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीय पूर्व रूप से विणित हैंथे, और विश्व का रूपरनामा स्नायकर स्रिधितयम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रिधीन, बम्बई स्थित तक्षम वाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तार्राख 2-7-1984

कां पूर्वीक्त प्रम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उपके उपन्याग प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिक्षर से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से दृश्यित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अपर्णिती होतार प्रकट नहीं किया गया सा किया जाना चाहिए था, किया की प्रयोजनार्थ अपर्णित की हिए था, किया की ह

सन: अब. उक्त अधिरियम की रामा १९९-म को अनुसरण , मी, लक्ना अधिनिया को अस १९९-घाठी अपधारा (1) गलकार, रिम्निसिसन ध्रमिनमाँ अधित .-- मैतर्व प्रगति इंटरइप्राईसेस ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनोहर पी० श्राफ और अन्य।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सची

गुकान नं० 6, जो गुरु कृपा लिकिंग रोड के पोछे, एवरणाईन नगर े बानू में, मितवौकीं स्नाफ मार्वे रोड, मालाड (प०), वस्ब $\xi$ -64 में िथन है।

अनुभूतीं जैसा ि क० सं० अई-3/37; ईई/10816/ 84-85 गौर जो प्रथम प्राधि ग्राधी, यस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को एजिस्टर्ड निया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी यहास । आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-3, बस्बई

दिनां ३: 11-3-1985

7777 ;

प्ररूप बाइ, दी. एन. एस.-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन स्चना

### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्तन)

ध्यर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ार्व आरा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो इमारत गंगा, सर्वे नं० 40, एच० नं० 3, सर्वे नं० 91, एच० नं० 1, देवनार ग्रौर बोला विलेज, गोडंडी, बम्बई—88 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपान्नद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए क्ति रित को नई ही और मूर्स यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दूरयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उसके बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) पूर्व किसी बाद या किसी तम या अप आरिपारी को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (प्राप्त प्राप्त प्राप्त अधितियम, या अप कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित एवार प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिसित व्यक्तिकों, अधीर् :--- 1 हरी कृपा नं० 2 को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीं दिलीप श्रच्युत प्रभू।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबन में कार्ड में। असीप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तं 4.5 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मार्गात्त में जिलबदर किसी अस्य व्याक्त द्वारा अध्यक्ताकर के अस् निस्तित में किए का सकेगी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा हैं।

### मन्स्ची

फ्लैंट नं० 6, जो इमारत गंगा, फ्लाट सर्वे नं० 40, एच० नं० 3, सर्वे नं० 91, एच० नं० 1, देवनार श्रीर लोर्बा विलेज, गोवंडीं, बम्बई-88 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्र $\frac{5}{4}$ -3/37- $\frac{5}{2}$ /11009/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज–३, बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

मोहर :

### प्रकल नाह<u>ै, दी. एक एक उ</u>-----

1. श्री आरत जेव दवे।

(अन्तरक)

भायवार बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुधना

2. श्री चताकुक्षी मधाई मध्यू।

(ब्रन्तरिती)

#### बार्ड वेंड्रका

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीजन)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्ब्रई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37/ईई/11488/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्चात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका जिलत बाजार मूल्य 25,000/= रा. से अधिक हैं

जसकी संव फ्लैट नंव 2, जो ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नंव 7, सीव टीव एसव नंव 112/7, विलेज चित्रोली, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पल्क्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब गया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिकृत स्प से कथित नहीं किवा गया है:--

- (क) अन्तरन से झुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/वा
- (च) एंडी किसी बाव वा किसी धन वा कन्य कास्सियों को, विन्हें भारतीय बावकर अधिनियन, 1922 (1922 का 1!) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने। वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिशिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- का वह सूचना जारी करके पूर्नोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कुरू करता हुं।

उपत बन्दत्ति के वर्षम के बन्दरभ में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहर्थ किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

### ननसूची

फ्लैंट नं० 2, जो ग्राउण्ड फ्लोर, ब्लाट नं० 7, सी० टी० एस० नं० 112/7, विलेज चिचोली, गोरेगांव (पूर्व); बम्बर्य-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि % । सब अई-3/37अईई/11488/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-3-1985

मोहर 🕃

प्रकृत बाह् ुटी, एम, एख,------

वायकार विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वृथीन सूचना

### बाइत ब्रह्माड

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/10917/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें क्षके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्शत करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाबार मूक्य 100,000/- रा. से अधिक ही प्रीर जिसकी संच्या संपर्क नंदा 56-ंग, जो 2री संजिल, सिज्ञ-

ग्रीर जिसकी सं शेंड नं 56-ए, जो 2री मंजिल, सिद्ध-पुरा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एस० वी० रोड़, गोरेगांव (प०) बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुैसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके छयमान प्रतिकल से, एसे छस्मान प्रतिकल का पत्यह प्रतिवत्त से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और जंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पावा जवा प्रति-क्य मिन्निकिश उद्विक से उसल अन्तरण कि किश्व के बास्तरिक कम से कि चित्र की किया गया है।——

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बान की बासस, अवस वीपनियन के बचीन कर दोने के बन्तरक के धीनरण में कनी करने या उससे बचने में सूर्विशा के सिए; बीर/वा
- (क) ध्रेती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बाबा वा विध्वा चाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के सिए;

श्वतः बच वच्च निर्धानयम की वाच 269-व की ववृत्तरण मं, मं, उपत स्थितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) कूं स्थीन विक्तिवित व्यक्तियों, स्थात् क्र-- 1. श्री गोपाल फूमन टंडन।

(अन्तरक)

2. श्री के० एच० नाईक।

(भ्रन्तरिती)

क्ष बहु बुधवा बारी करके पूर्वांक्य सम्मरित के वर्षन के जिए कार्यवादियों करता हूं।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकांशन की तारीब से 45 विव की जनींच वा तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तानील से 30 दिन को बन्धि, वो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवहर्थ किती जन्य म्वतित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने ।

ल्लाकरण: इंग्लं प्रमुख बन्धे बीर वर्षे का, को उपक विधिनवम, के नभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्थं होगा को उस अध्याय में विध्या वृत्रा है।

### वन्स्वी

शेड नं॰ 56-ए जो 2री मंजिल, सिद्धपुरा को-आप॰ इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि॰, प्लाट नं॰ 3 गायवाडी, एस॰ वी॰ रोड, गोरेगांव (प॰) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई 10917 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, शम्बई

विर्माक: 13-3-1985

मोहर 🖫

वस्य भार<u>ी,</u> डी., एव., एव्.,<sub>सन्दर</sub>----

नायकर नरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-व (1) के बचीन त्वना

### बारक **राज्य**ड

# कार्वाजय, बहायक मायकर बायक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-1. बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37अईई/11506/84-85--अतः मुझे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इकके परचात् 'उनत निधनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के नधीन, संशंग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 212, जो सतगुरु नानीक इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (भीर इससे उपाश्वत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय में रजिस्ट्री है, सारीख 2-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित दाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के निए मृत्युरित की गई है बार मुझे वह विस्तात करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित वाचार न्त्य, उसके अथमान प्रतिकत से, एसे अवमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिचत से मधिक है जौर मन्तरक (बन्तरकाँ) और मन्तरिती (बलरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पावा नवा इतिकार, निम्मितिबित उपयोग से उपय ब्लार्स निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है है---

- (क) बन्दरम वे हुए किसी बान की बावड क्या विचित्रिक के नभीत कर रोगे के बन्द्रश्रक के कावित्य में कमी करने वा उबसे बचने में बहिया के मिए; बौर/वा
- (क्ष) एंसी फिसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर नीभीनवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधनियम, ना बन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था स्थिपाने में तुविधा ने सिए:

बतः नव, उक्त वीधीनवय की धारा - 269-ग के अनुसरण , में उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बर्धान, निम्नीसंखित व्यक्तियों, अव्यक्त र---

1. श्री एम० बी० थडानी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स धिन फिट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी।

(अन्तरिती)

को बहु त्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां शुक्त करता हो।

उक्त बन्गरित के वर्षभ के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इंड स्वनाके रावपन् में प्रकाबन की तारीब क 45 विन की अवधिया तत्त्वस्था स्थानितयों पर क्षना की सामील से 30 दिन की नविभ, यो भी अव्धि बाद में सुभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्वनाके स्वपन से प्रकाशन की तारीवास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवद्ध किसी बन्ध व्यक्ति बुवाय सभोहस्ताक्षरी के शास लिकित में किए जासकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया मवा 💕 ।

### वनसूची

212, सतगुरु मानीक इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11506/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टिंग किया गया है।

> ए० त्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, वम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर ;

प्रकृष् नाइ . टी. एन . एव . ------

नायकर नाभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन त्वना

### नाइत करकार

# कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बद्द, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/10791/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, जो,इमारत नं० 10-सी, नित्यानन्द बाग, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह निर्धास करमें का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से मिथक है और संतरक (जंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बौच एते अंतरण के लिए तम पास न्या प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त जंतरण निवित्त वे नास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण धे हुइ किसी बाव की बावत, उनत वीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कमी करने या उत्तत वधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय वा किसी धन या जन्य वास्तियों कां, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, अक्त निधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) में विकास किला किला किला किला किला किला 1. श्रीमती जानकी बी० खस्री।

(घन्तरक)

2. श्री एस । रामा कृष्ण रेड्डी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यमाहियां सूक करता हुं।

उन्ह क्ष्माश्च के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इत तुषवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर कृषता की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्यकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्सूची

फ्लैट नं० 6, जो इमारत नं० 10-सी०, नित्यानन्द बाग, चेंबूर कालोनी, धम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37—ईई/10791/84-85 और जो सक्षम प्रशिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महाकि ग्रायक्षरश्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, ग्रम्बई

दिनांक: 11-3-1985

मोहर 🖫

### त्रस्य बार्ड.टी.एन.एत. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन २ेज-3, **बम्ब**ई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं श्र श्र - 3/37-ईई/11434/84-85--- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंटन ० 16, जो ०, लिला गंकर को आप हाउसिंग सोसायटी लि०, 103/3, तिलक नगर, गोरेगांव. (प०), बम्बई-62 में स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बिलत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ्— 1. श्री प्रशोक होतचन्त बयानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चन्द्रशखर झार० सिंग और झन्य। (झन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### न्युस्ची

फ्लैंट नं  $\sqrt[3]{16}$ , जो $\sqrt[3]{6}$ लिला  $\sqrt[3]{9}$ कंकर को-प्रापि हार्जासग् सोसायटी लिल, 102/3, तिलक नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-3/37-ईई/11434/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 13-3-1985

मोहर:

शक्य नार्षं, टी. एन. एस.- - - ----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के विभीन संवता

#### भारत तरकार

कार्यां मय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षक)

प्रजैन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985

निवेण सं० प्रई-3/37-ईई/11162/84-85-प्रतः मुझे, ए० असाद,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसका संववंगला कोल्ड गुरदास भवन, 11वां रास्ता, केंबर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपावक मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनाम भायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के मिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वोषय से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (श), बलारण से हुए किसी भार की वासता, उक्त वीधीनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के शवित्य में कमी करने वा उससे गंधने में सुविधा के हुँस्ए; बॉर/या
- (श) एसे किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुक्तिया के शिए;

बड़ क्रम, उक्क विभिनियम की भारा 269-य के बनुसरक हो, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के बभीता निम्नतिबित स्वक्तियों, कर्काद ह— 1. श्री केवल किशन गुप्ता।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती साविकी नारायण और श्रन्य।

(मन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बूर्वन के जिए कार्यवाहियां सूक करता. हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

#### नपत्रकी

अंगलो कोल्ड गुरवास भवन, 11वां रास्ता, केंबर बम्बई-71 में स्वित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धर्म-3/37-ईई/11162/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिल्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बस्बई

विनांक: 11-3-1985

मोहर:

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरक्तिक)
प्रजीन, रेज-3, बस्बई

बम्बई दिनोक 15 मार्च 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/10923/84-85--- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्तर्भो इत्तर्भो इत्तर्भो पश्चात् 'उत्तर निधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रहा से निधक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० बी०-33, जो, 5वीं मंजिल, महाबीर मेंशन, प्लाट नं० 16, गरोडिया नगर, बाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूबी में और पूर्ण रूप से विजत हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-7-1981

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान वितिकत को सिए जन्तिरित की गई है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि बचाएवेंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिकृत हे, एसे व्यथमान प्रतिकृत के पंच व्यथमान प्रतिकृत है, एसे व्यथमान प्रतिकृत कर पंच व्यथमान प्रतिकृत के बार वंतरक (वंतरका) और वंतरिती (जन्तिरितियाँ) के बीच एसे वंतरण के सिए सब पावा गया प्रतिकृत, निम्नितिवित उद्देश्य से उच्त बंतरण सिचित में वास्तिक क्य से किशत नहीं किया गया है 3—

- (क) जलारण तं हुई किसी बाग की बावषा, डंक्स शीधीनवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाजित्व में कमी करने वा उससे वचने में बुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नम्ब कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियमं, 1922 (1922 की 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिभा के निए:

ं बतः वयः, उक्त वीधीनयमं की धारा 269-ग के वन्तरक वा, बी, उक्त विधिनयमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिधित व्यक्तियों, वर्षाद्ध---- 1. मेसर्स रतीलाल एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री भार० कस्याणसुन्दरम और भ्रन्य।

(ग्रन्तिरती)

को बहु सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच वं 45 दिन की जविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वक्यकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### ममुजुर्जी

पर्लंड नं भी-33, जो, 5वीं मंजिल, महाबीर में शन, प्लाड मं 16, गरोडिया नगर, बम्बई-77 में स्थित है। भनुसूथी जैसा कि कि से भई-3/37-ईई/10923/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० ५साव सक्तम प्राधिकारी सङ्गायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बम्बई

विमोक: 15-3-1985

गोहर 🛭

### श्क्य वाद् .टी. एव. एव. ------

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीब बुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जावकर वाय्क्त (निर्देशक) भर्जन रेज-3, वस्मई

बम्बई, दिनांक 15 साचे 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/11467/84-85---श्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतनें इसकें पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्र बाधार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पक्षेट नं० 6, जो, 2री मंजिल, साकेत जंकात आंक स्कूल रोड़, दावी भेठरोड़, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूधी में और पूर्णस्प से विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टी है, सारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिस्त से विभक्त है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पत्ता बया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण तिस्ति से नास्तिक रूप से किए तब पत्ती की वास प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण तिस्ति से नास्तिक रूप से किया नहां है ---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त बिध-मियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी भन या बस्व बास्तिकों को, जिन्हों नारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या जनकर विभिनियम, या जनकर विभिनियम, या जनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

नतः नवः, उक्त विधिनियम् की धारा 269-य के अनुक्ररण मों, मीं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-य की उपधाराः (1) के वधीनः, निम्नसिधित व्यक्तियों, वधीतः हम्म 1. श्री उमेण द्वारकावाल गीतेषा।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती लक्ष्मीदेशी काका और श्रग्य।

(ब्रन्तरिती)

को बहु स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उनत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :----

- (क) इस ब्यान के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की नवींथ ना तरतम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की दानीय से 30 दिन की नवींच, यो भी अपीच् नाम में बनान्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाप;
- (व) इस सूचना के रावपन में प्रकाबन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्मव्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्यों बरि पर्यों का, वो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क ये परिशावित हैं है, वहीं अर्थ होगा को उसे अध्याय में विया गया है।

#### वयक्ती

पर्लंट म० 6, घो, 2री मंजिल, साकेत, जैक्शन प्रांक स्कूल रोड़ और दादी केठ रोड़, मालाड (प०) भन्नई-64 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि से प्रि. 3/37-ईई/11467/ 84-85 और जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रामकर स्नाबुण्त (तिरीक्षण) गर्जन रोज-3, जम्बई

विशास: 15-3-1985

मोहर 🖺

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कधीन सूचना

### नारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

.बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/11449/84-85-- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्षावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्णाल् 'उक्त अधिनियम' व हहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० पिस और पाँल श्रॉफ लैण्ड एण्ड प्रिमाय-सेस, वेश्रिरिंग एस० नं० 17 (अंश), व्हिले मालाड (वाल-नाय), मालाड, बम्बई में स्थित (और ६ससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण स्प से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूज्य, उपाह राज्यमान प्रतिफल मं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक एस किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी जाद की बावत उपल अधि-निवम के अधीन कर दीने के अन्तरक के धायित्व में अभी फरने था उससे बचने में सुविधा के जिये; और/अ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

बतः कथा, उन्त अधिनियम, की बारा 269-मू के बनुंबर में , में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिन्नितिस्ति व्यक्तियों, अधीन हिन्दि 64-36GI/85

1. श्री भन्थोनी एफ० रिवरो।

(धन्तरक)

2. मेसर्स ला-बिल्ड करस्ट्रवशन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपहित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ६ कींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

पिस और पार्सेल ग्रॉफ हैं ज्ड एज्ड प्रिमायसेस बेग्नरिंग एस० नं० 17, एच० नं० 1 (अंग), व्हिले मालाड (वाल-नाय), मालाड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\frac{1}{2}$  $-\frac{1}{4}$  $-\frac{1}{$ 

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

मोहर 🖯 🗀

प्रक्ष बाहाँ, टी. एतः, एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश ६० ग्रई-3/437-ईई/11080/84-85-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संव पहाँट नंव सी/606, जो, ला-चपेल को-श्राप हाउसिंग सोमायटी, प्लाट नंव 51, विहलज वालनाय श्रांफ मार्चे रोड़, मालाड (पव), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रक्षीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्य-मान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्ट अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अस्य का गतत, तक्षत अधिनियम के अधीन कार दोरे के अन्तरक जे दायित्व में अभी करन या उससे नगरे के स्विध के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी पन ए। अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बदारा पकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में उपपृष् के लिए;

काः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात :--- 1. श्रीमती मालती ए० ग्रगरवाल।

(अन्तरक)

2. श्री ६० सी० अदाधक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील ये 30 दिन की ज्यांत्र, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के जिजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन को भीतर उथस स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में निश्च का सक्ता

स्थळितरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, श्री उन्हें अधिनियम के उच्छाए 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होंगा, आं उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्स्सी

पलैट नं करी | 606, जो, 6दीं मंजिल, प्लाट नं 651, ला-बंपेल बो-श्राप कोमायटी बिलेज, बालनाय श्राफ मार्बे रोड़, मालाइ (प०), बम्बई – 64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि २० सं० श्रई – 3/37 – ईई/11080/84 – 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 – 7 – 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० ६साद सक्षम प्राधिकारी (सहायक ायकर श्रापुक्त (निरीण्ण) प्रर्जन रेंज-3**धम्बई** 

रिनांक: 14-3-1985

प्ररूप बार्इं.टो.एन.एस. -----1. मेसर्स हेमल ६ंटरप्रायर्सस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम की० कृष्णा।

(भ्रन्तरिती)

भागावार व्योधिनियम, 1961 (1961 का 40) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/11068/84-85--- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इससी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पर्लंड लंब जो, 2री मंजिल हेमल भ्रपार्टमेंट, बिलेज मालवनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करांग्नामा श्रायकर ग्रहिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है, नारीख 2-7-1984

को पर्याक्त सम्परित से उचित बाजार मृल्य से कम कै दश्यमान प्रीतफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वायन राम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्म्रहप्रतिभात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्म्सलिखित उददोश्य में उपन बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 💕 :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर दोन के मन्तरक के शायित्व मा कमी फरने या उससं अधन में स्विधा के लिए बरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या कि.11 धन या अन्य काम्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया बाबाकिए धाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🛸 ल्भीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, बर्भात् ::---

की यह सूचना जारी करके पुत्रीकल सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाही करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मचना के राज्यत्र में प्रकालन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पट स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जांश। अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट **च्याक्तवो मा मा किस। व्या**प्ता वृष्याराः
- (ख) इस सुचरा के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अद्याप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की. पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीक रणः** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के जभ्याध 20-क में परिसाधिक हुँ, बही अर्थ होगा को उस अभ्याय में विधा गया है।

### नन्स्ची

फ्लैट नं० 31, ओ, 2री मंजिल, हे मल श्रपार्टमेंट, विलेज मालवनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।.

श्रनुसूची जैसा कि श्रं० सं० अई-3/37-ईई/11068 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजिस्टर्ड किया गैया है

> ए० ५साद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-3-1985

मोहर:,

प्रस्प बाइ टी.इन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ग्राह-3/37-ईई/11015/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी रं० प्लाट ग्रांफ लेण्ड टुगेदर विद दि स्ट्रक्चर अर्लेम, सर्वे रं० 147/2, और 147/3, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रिनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षियम, 1961 की घारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वेक्ति संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विद्यसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाला-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— 1. डा० एस० एल० मेहता।

(भन्तरक)

2. मैं पूंठ केठ बिल्डिसी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्ति है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### बन्स्ची

प्लाट भाषा लैण्ड टुगेदर विश्व दि ट्रक्चर अनेलेंम सर्वे नं 147/2 और 147/3, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० घई-3/37-ईई/11015/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को राजस्टिंग किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक: 14-3-1985

भोहर:

प्रकप काइंट, ट्री., एन., एस.,------

बायकर निभानस्न, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-स (1) के स्थीन स्वाम

#### भारत संस्कृत

कार्यालय, सहाथक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

षम्बद्दे, दिनांक 13 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/10892/84-85—मात: मुझे, ए॰ प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक्को पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिल्लाका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनिहो मंग्रहात नंग्रह जो, या उन्हें भनोर, मालाड थार्पिंग सेन्टर, आफ स्वामी खिवेजानन्द रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। (और इसभे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है)। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 के, ख के अधोन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृल्य में कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह श्रीतरात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया श्रीत-क्य विश्वमिश्रित उद्देश्य से उस्त नम्तरण निवित में वास्त्रिक एन वे कवित नहीं किया गया है :---

- (का) अध्यापण सं सुद्धं शिक्ष्यां नाय की बावल समल विधिन नियम के अधीन धर दोने के अन्तरक के दासित्य में क्यी कहने या अध्या अधन में सुविधा के बिए; बीक्प्या
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बस्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय कायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या भन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे विश्वासमार्थ कर्योश्यास क्यारिश क्यार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जम, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत्ः— (1) श्री उल्हास रामचन्द्र प्रभू।

(अन्तरक)

(2) श्री रूपचन्व टी॰ गियनामी ।

(अन्तरिती)

सा यह सूचना वारी करके प्याँस्त स्न्यौत्त से शर्वन के जिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिव की जबधि, को भी जबकि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडा?
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्त क्यावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति वन्य व्यक्ति व्यारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रनकांकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों बीर पदी का, भी वन्सें अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषिक्ष है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय। प्या है।

# अनुस्ची

दुशान नं० 69, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, मालाड शापिंग सेन्टर, आफ स्वामी विवेशानन्द रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूत्री जैना कि कर् पंर अई-3/37ईई/10892/84-85 और जो पत्तभग्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-3; बम्बई

तारीख : 13-3-1985

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-3, बम्बर्ड

तम्बई दिनांक 14 पार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37<sup>ईई</sup>/11413/84-85— अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रापये में अधिक हैं

और जिसकी मं० दुकान नं० 14, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, नीलकमल इमारन, गोबिन्द नगर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। (और इसने असबढ़ अनुसूची में और पूर्णक्य में विणत है)। और जिसका इसने असबढ़ जनुसूची में और पूर्णक्य में विणत है)। और जिसका करारनामा आयार अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अबोर बम्बई स्थित लक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-5-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के योच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप म कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उत्तर अधि-अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुर्विधा के लिए; और या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उत्कतं अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, जनत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—— (1) श्री जमरोत मल चतुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीर्मात लिला देवि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोक रणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### जन संची

दुकान नं० 14' जो' ग्राउन्ड फ्लोर, नीलकमल इमारत, गोबिन्द नगर रोड, मालाड (प), बबई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि ऋ० मं० अई-3/37ईई/11413/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद पक्षम प्राप्यकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-3, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

मोहर 🖺

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांकः 14 मार्च , 1985 निदेश स० अर्ड-3/37ईई/11415/84-85-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 10, जो, प्राउन्ड फ्लोर, नीलकम इमारन, जीवगुनव रोड, मालाड (प), वस्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य में बर्णित हैं)। और जिसका करारनामा जायाहर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल में रजिस्टी है, नारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितंत्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

दतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामस्वरूप एण्ड सन्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अन्जना बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

दुकान नं० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, नीलकमल, हमारत, जी० एन० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुपूची जैसा िक कर्ष मंद्र अई-3/37ईई/11415/84-85 और जो सभम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 22-7-1984को र्राजस्टर्ड कियां गया है।

> ए० प्रसाद सक्षन प्राधिकाररीम **सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3 बम्ब**ई**

नारीख: 14-3-1985

मोहर 🚜

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-3, वम्बई बम्बई दिनांक 14 मार्च, 1985 अदः

निदेश सं० अई-3/37ईई/10887/84-85--

मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनिर्मम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिरम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 7 ए, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, ससित अपार्टमेंटस, पोदार सर्कल, मालाड (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णछ्प से विणित हैं)। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धार 269कख के अधीन तारीख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यी। लग्न में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वक्यान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्छ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमित वनीता जे० शहा स्रोर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री० आर० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित ब्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सकोंगे।
- र ीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

कुकान नं० 7-ए० जो, ग्राउन्ड फ्लोर, ससता अपार्टमेंटस पोवार सर्कल, मालाङ (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/10887/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-3, बम्बई

तारीख : 14-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एव. एस. ------

यागकर कथितिसभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अथीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, यक्षयक नायकर मायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च, 1985

निदेश सं० अई-3/38ईई/11372/84-85-- प्रतः मुझे, ५० प्रसाद,

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अभके पण्यात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है'), की पारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० ६-4, जो, दि मालाड राजहंस को०-श्राप० हाउसिंग मोसाइटी लि०, प्लाट नं० 19, देवचन्द जितेन्द्र रोड, मालाड़ (प), बम्बई-97 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्णस्प से वणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रद्धितियम 1961 की धारा 269कष के श्रद्धीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं। तारीख 2-7-1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) कल्तरण से हुई किस्ती भाव की बावत उक्त किंध-नियंत्र के बधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें उचने में भविधा के सिस्: योर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का. (उन्हें स्वपनाय अन्यकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें स्वपनाय अन्यकर अधिनयम, सा धन-तर अभिनियम, सा धन-तर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरर मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपण्या (१) के अभीन, निस्तीविज्ञित पवित्ताों, सभीत् .---65 ---36GI/85 (1) श्रीमति दीपिका उद्देशीलाल णहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति देविकाबाई एन धारोड ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके प्यांक्त सन्यास्त के नर्धन के सिध कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्बत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोर्ड भी अल्लेब्ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगचन

फ्लेट नं ० एब4, जो, मालाड राजहंस को ० आपकहार्जासग सोसा इटी लि ०, प्लाट नं ० 19, देललश्रद्ध जितेत्रद्व रोड, मालाड (पूर्व) अनुसूची जैसा कि २०० सं० आई-3/37/ईट्ट/11372/8485-और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बट्ट क्षारा दिनांक 287-1984 को राजस्टबट्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरें ज-3, बम्बई

तारीख: 14-3-1985

भोहर :

# प्रकल बाह<sup>®</sup>् को<sub>ट</sub> हुल<sub>ट</sub> हुब<sup>©</sup>ं वरणा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(को (1) के अभीन कृषना

# नारुत् वरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बक्बई, दिनांक 14 मार्च, 1985

बामकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अभिनियम' कहा क्या हूं), की धास 269-स के अर्थान संश्रम प्राप्तिकारी को यह विकास प्राप्ति कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिनका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संब दुकान नंव 6 जो प्राउन्ड पलोर जलाराम कोव-ग्रापक हार्जीसग सोसाइटी लिव, प्लाट नंव 44, एमव जीव रोड घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। (और इससे उपाकक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)। और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्त तस्पीत को उपित बाबार मूच्य से कव के धक्य का प्रमिक्त के लिए बंतरित की गाई है जारे क्यों वह विकास करने का कारण है कि वधावाँकत वस्पीत का अधिक बावार मूच्य, असके क्यामान प्रतिक्ष थी, क्यों क्यामान प्रतिक्ष का पन्त्रह प्रतिबद्ध से विधिक है जार अन्तरक (अन्तरकार्ध) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिक्ल, निस्मिविष्य उद्योग से उच्य अन्तरण दिश्विष्य में वास्तविक रूप से क्यामान नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरूप से हुई किसी जाय की अध्वतः, उकत अभिनिवस के अभीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कसी करने या उसने स्वयते में सुविधा के सिए, और/या
- (क) एके किसी आय मा किसी धन या अस्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने यो स्विधा के लिए !

जतः जज, जजत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, मैं, जजत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) र अभीन, निम्नीलांखत व्यक्तियों, अभीत :---

(1) श्री कांतीलाल वसन्तर्भी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रामाणिक जनरल स्टोर्स ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को बहु तुचना चारी लच्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क्षेत्रीलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब ब्रुचना के द्वाचन में इकाइन की बारीय के 45 विन की नगीन ना तत्त्वस्थी मिनतां पर जूचना की बालीन से 30 दिन की नगीन, को भी जबीन नाद में नगाया होती हो, से भीनर वर्गेक्त मानवारों में वे निक्ती मानिक द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में द्विसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास जिल्लान में व्यक्ति जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को सक्त अपिनिवन को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय से- दिया ग्ला है से

## वन्स्ची

दुकान नठ० 6, जो, ग्राउक्षा फ्लोर, जलाराज को०ग्राप० हार्जासग सोसाइटी लि०, प्लाट ० 44 टी०पी०एस. नं० 3 एम०जी० रोा, घाटकशपर (पूत्रहु), बस्बई 77 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि ऋ० सठ.० प्रदृष3/37ईट्ट/11320/84क85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2ब7ब1984 को राजस्टबट्ट किया गया र।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेंज-3 बम्बई

तारीख 14-3-1985 मोहर: प्ररूप आई..टी. एन.. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन कृष्णा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आगुक्त (निन्दीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च, 1985

निदेश सं० प्रई-3/37ईई/11458/84-85-- अतः मूझे, ए७ प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'6,9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रः से अधिक है

और जिसकी सं० लेंण्ड अट विलेज तिरंदास, हुर्गा निवास प्रिमाइसेज सी०टी०एस० नं० 32, पी०टी०, भवानी टावर्स और प्लेट 6 वी मंजिल पर, आई टी० पेट्रोल पम्प के पास, बम्बई-76 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षत्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु बिह्वास करने का कारण है कि वथा पूर्वोक्स संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल स, एन क्ष्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरिक (अंतरित्यों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबिचित उक्षेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से का कित नहीं किया गया है :—

- (क) जनतस्य संबुद्धं किसीः जाय अप्रै बाक्सः, उचकः जिथिनितम् के अधीन कर दोने के अन्तचक के वाजित्क में कनी करने या उससे जवने में कृष्णिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बारिसकों को, रिज्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया कवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः कक, उक्त अभिनियस की भारा 269-ग के कनुबरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभान, निम्निजिति व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) चितरंजन दास।

(मन्तरक)

(2) के० के० नायर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जान्द्री नहरूने पूर्वोक्त संयुक्ति को जर्मन के सिए कार्यवाहियां सूच्य करता कई।

उक्त संपत्ति के कर्वन को संबंध में आहे भी बाधांप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिभ, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किती व्यक्ति द्वारा;
- (व) इच सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्त स्वावर संपरिक्त में हिशबब्ध किसी बन्च व्यक्तिक क्लारा नभोक्स्ताक्षरी के पास जिक्ति में किस्स जा सकोंगे।

स्वकानिकारणः — इतने प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनका, के अध्वाद 20-क में परिभाषित दी, बहा अर्थ द्वांगा जो उस अध्वाद में दिया गवा है।

#### मन्द्रवी

लैंग्ड घट क्षिलेज तिरंदाज, दुर्गा नियास प्रिमाइसेज, सी०टी०-एस० तं० 32, पी०टी० भवानी टावर्स, एण्ड फ्लेट तं० 6 वीं मंजिल पर श्राई०माई० टी० पेट्रांल पम्प के पास, बम्बई-76 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/11458 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 की रॉजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 14-3-1985

प्रस्थ बार्धः टी. एव . एवं .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की १८८५ का ११) के अधील स्थान

### भारत सरकाड

# क्शर्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निज़िक्शण)

ग्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च, 1985

निवेश सं० प्रई-3/37ईई/10874/84-85-- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर गिंधनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं क सर्वे नं 295, जो, एच व नं 4 (अंग), सिटी सर्वे नं 4040 बी, 4050 बी/1, कोले कल्याण, कालिना, सांता-कृज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1984

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थमान अन्तरित प्रतिफल को लिए की गह यह विद्वास करने कि का कारण है यथाप्योक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एंसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुद्रदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित महीं किया गया है हि---

- (क) बन्तरूप से धुर्घ कियी बाय की थावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के शामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुधिभा के ऐसए, अदि/क
- (क) एसी किसी आबू वा किसी भन् वा बम्ब् आस्तियां का, बिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से किए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्रे (1) श्रीमति एम a टी० शर्मा, और श्रन्य.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मार० जे० चौधरी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त शंपति के नर्धन के संबंध में कोई भी धाओर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूथना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए का सकति।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वर्ग सची

सर्वे नं० 295, जो, 1एच० नं० 4, (०,५१), सिटी सर्वे नं० 4050 बी० और 4950/, कोले कल्याण, कॉलिना, सांताऋज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है।

अनुसूची ज़ैसा कं ० सं ० अई-3/37ईई/1078/10874/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी है बंम्बई द्वारा दिनांक 2-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वारीख: 15-3-1985

प्रकप भाइ . टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांके 15 मार्च 1985

निदेश सं ० ग्रई-3/37-हेही/11477/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गर्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको मं० यूनिट सं० 5,जो, ग्राडण्ड फ्लोग्नंर, "ई" इमारत, ग्रंता इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अभीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांस 2-7-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बोध्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के लिए।

सतः अन्न, उक्क अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भें, भें, उक्त विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीतः निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीतः— (1) श्री तेजिंदर सिंग ग्रारीरा।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्म गिता एजेन्सीज।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजनात्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, "ई" इसारत, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/11477/84-85 श्रौर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 15--3-1985

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

(1) मेसर्स ग्रश्विन श्रार्टस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रोसिली सी० ए० थामस।

(ग्रन्तरिती)

मायकर अभिनियम, 1901 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11028/84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 ∕- रुत्त. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यनिट सं० 101, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विक्रोली, बम्बई-83 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किंधित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुद्दं किसी बाब की बावत, सबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक सी बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , म<sup>≭</sup>, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ण की उ**पभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया मया है।

# जन्तुची

यनिट सं० 101, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इंड-स्ट्रियल इस्टेट एल० बीं० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-83 में। स्थित है।

ग्रनुमूचीं जैसा कि ऋ० सं० श्रई – 3/37 – ईई/11028/84 – 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक : 15-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . ----

नायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० प्राई-3/37ईई/11218/84-85--प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधानियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सकान प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निचन बाजार संस्था 1,00,000/- रा. से निधक ही

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० 11, जो, पहली मंजिल, रूपल इंड-स्ट्रियल इस्टेट, भटवाडी, घाटकोपर (प०), बम्बई-84 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के श्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-7-1984

को ध्वाँचल सम्पाँत के उपित वाजार मून्य से का के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने की कारण है कि सभाप्योंक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकल स, एस अवयमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिक्रित से विश्व है और नंतरक (मंतरका) और अंतरिती (अंतरितीयों) को योज एसे अंतरित के लिए तस पाया भमा प्रतिक्त के निम्निविधित उप्योग से वस्त नंतरण विधित में वास्तिक क्य से कीमत नहीं किया गया है दै—

- (क) अन्तरण से हुई हिंग्जी आज की वाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के अधिन्यम में काशी कारने या उसमें बचने की मुख्यमा के लिए, और/बा
- (थ) होबी किसी बाव वा फिसी धन या जन्म बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार प्रथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के स्वरू:

अत. अस, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेसर्स अनील इंटारिग्रर डेकोरेटर्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दिलीप इण्टरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिकां करता हुं।

उपन्न सुम्बरित के कर्चन के लम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के रावन्त्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविभ मा सस्तत्रकाणी कि किसमें पर सूक्षणा की दाजीन से 30 दिन की मुवीभ, जो भी मुबीभ बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविभावों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इब स्थान के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विद के शीवर अनत स्थावर वान्यीत में दिल्यव्य कियी जन्म व्यक्ति स्थाय, अभीहत्ताक्षरी के वात लिया में किए जा तकाँगे।

### नन्त्र्यी

गाला नं० 11, जो, पहली मंजिल, रूपल, इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, भटवाडी, घाटकोपर, (प), बस्वई-84 में स्थित है। ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/11218/84-85 ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक : 15-3-1985

मोहर 🖫

अस्प बाइं. टी. एत. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

भागसिय, सञ्चयक मायकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेण मं० श्रई-3/37-ईई/11272/84-85--अतः मृत्रे, ए० प्रसाद,

कारक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी यूनिट सं 137, जो, पहली मंजिल, बीं - ज्लाक, घाटकोपर, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एलं बों ० एसं ० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-7-1984, को पूर्वोक्स सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल है और संतरक (अंतरकों) और प्रतिस्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है।:—

- (क) जन्तरण से हुईं. किसी बाय की बाबत उक्छ अधिनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक वौं वादित्य में कभी करने या तसमें बचने में स्विधा के निया: वीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग प्रकट नहीं किया गंगा था गा किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

कतः कवः, अक्त पश्चितियम की धारा 269-म को जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्रीमतीं हिम्० एस० वासवानी ।

(भ्रन्सरक)

(2) मेसर्स इगल रबर इंडस्ट्रिज ।

(धन्तरिती)

नो नह शुक्ता जारी करके प्वॉन्ट सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनक सम्मृतिस के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की क्विंध, जो भी वबिंध बाद में समाप्त होती हो, के शीलर प्रविका स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदन स्थादर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यम्बीकारणः - इसमे प्रयास्त शब्दों और पदों का, यो उकत स्विभिन्यस, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया नया है :

### नप्स्ची

यूनिट सं ० 137, जो, पहली मंजिल, "बी" ब्लाक, घाटकोपर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एन० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क० सं० स्रई-3/37-ईई/11272/84- व 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राक्षिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985~

मोहर 🕫

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रैंज-3. वस्कर्ष

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निवेश सं० प्रई-3/37-ईई/11530/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तिसं, विसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट एट विलेज दीनडोकी श्रीर चिचोली इन बोखिली तालका, सर्वे नं० 34 श्रीर 51, गोरेगांव लिंक रोड, बम्बई—63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 27—7—84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकृत का निम्निवित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अम्बर्ग से हुई किसी बाय की बायत उचत वीधीनवन के बचीन कर दोने के बण्डास्क की वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भून या बन्य वास्तिवाँ का, जिन्ह भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

वत: वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न कें, कन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मुचेता ए० खांडवाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गृधिका एम० मेहता ग्रीर एम० एस० मेहता। (श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### नगुसूची

फलैंट एट विलेज दीनडोशीं एण्ड चिचोली इन बोरिवली तालूका, सर्वे नं० 34 श्रीर 51, गोरेगांव मुलूंड लिंक रोड, बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/11530/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 27-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

मोहर :

66-36GI/85

त्रक्ष आहु<sup>\*</sup>छ द्री<sub>य</sub> सुरु<sub>य</sub> प्रत<sub>्य</sub>-न्यान्य

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-स (1), को अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धमबर्ह, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11570/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकों सं० फ्लैट तं० 63, जो, शिव किर्ती को०श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी०-इमारत, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 27-7-1984,

को प्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि मथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्त, जिम्मीनवित उद्योग से उक्त बन्तरण निवित में बास्य-

- (क) भन्नारण ने हुई किसी बाव की बावत सक्त बीच-नियम के बधीय कर दोने के बजारक के बाबित्य के करी करते या उछते वचने में सुविधा के लिये; जोर या/
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए चा, खिनाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिकिक स्थावितयों, अर्थात् क्षान

- (1) श्री सा**ई नाना** बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री संजीव शेशा नाईक । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन को लिए कामवाहियां शुरू करता हुं।

उन्दर सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वस्थ किया कर्म कर्म करा करा करा करा करा स्थाहरताकारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वयोजरण: इसमें प्रमुक्त बन्दों जीह पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

# धनुसुची

पलैट नं० 63, जो, शिव किर्ती क०-ध्राप० हाउसिंग सोसायटी, वी-इमारत, सर्वे नं० 397 चित्रोलीं बन्धर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुभूषी जैसा कि कि सं० प्रई-3/37-ईई/11570/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 27--7-1984 को रजिस्टर्ड किंबा गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन. रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15-8-1985

मोहर 🛭

प्रस्त बाह्य ब्राट्ट पुन् पुत् -----

भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वृधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयुक्त (निराक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11529/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथ्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० फ्लैट नं० 11, जी, पहली मंजिल, चेंबूर बिनस को०श्राप० हाउँसिंग सोसायटीं लि०, ए० सोग्ररेस मार्ग, चेंम्नूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रीमियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 27-7-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरित (अन्तरित को बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारण (1) के क्यीन, जिम्मलिक्ति, व्यक्तियों, अर्थात् :----

1, श्रीमती पूनम जैन ।

(भ्रन्तरक)

2, श्री पी० वि०, भ्रदप्पा भीर भ्रन्य।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 बिन की अविध या तत्तम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर सूचना की ताबौल से 30 बिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में पिया ग्या हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट नं ० 11, जो, पहली मंजिल, चेम्बूर विनस को ब्याप ० हाउसिंग सोसायटीं लि०, ए० सोग्ररेस मार्ग, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फ० सं० अई-3/37-ईई/11529/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3, वस्वई

दिनांक : 15~3~1985

मोहर.

प्रस्य बाही, टी. एन, एस,------

नायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नमीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्तय, सहायक आयक्त जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37—ईई/11569/84—85—-ग्रनः मुझँ, ए० प्रसाद,

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें श्राक्त प्रथमात् 'उस्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उपित शाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी गं० पलैट नं० 51, जो, शिव किर्ती को० स्राप० हाउमिंग मोमायटीं लि०, बी०-इमारत, चिस्रोली बन्दर रोड. मालाड, (प), बम्बई-64 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद सनुसूचीं में शौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायक्तर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजस्ट्रीं है, दिनांक 27-7-1984,

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वोच्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाम की बाजत, उच्छ विधिनयन के अधीन कर दोने के बस्तरक के बायित्व में कमी करने वा उद्यक्त बचने में बृजिधा के बिए; आहु/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किस्त गया वा या बावा बाहिए बा, खिपाने में सुविधा के सिक्;

नतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मैं स्पीन्ह निम्ननिषित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्री साईबाबा बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप राघोजी राणे।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति में अर्थन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपिकत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिवा गया है।

#### बरास औ

फ्लैट नं 51,जो,शिव किर्ती को ब्रेन्थ्राप हाउसिंग सोसायटी लिं , बी-इमारत, चिंचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/11569/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-1984 को रजिस्टाई किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिदारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15→3-1985

मोहर 🖫

# शक्य वार्ष<sub>ा होत</sub> हुन्<sub>य</sub> हुन्<sub>य स</sub>न्तर

# बायकपु विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के व्योग क्यारा

#### MINT WITH

# कार्यासय, सहायक मायक र वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, वम्बई वम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/11568/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्त प्राधिकारी का, यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 47, जो, णित्र किनीं को० आप० हाउमिंग सोतायटी लि०, बी-इमारत, निंचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अबीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, राजिस्ट्री है, दिनांक 27-7-1984,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाबार मूस्य से कम् के क्यमाब प्रतिफ स के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास आरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूक्त्र उसके क्यमान प्रतिफल से, एस व्ययमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिवाद से विभिक्ष है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गमा प्रतिकस, निम्निनिवत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किवित "ते बास्तविक कम से किवत नहीं किना गमा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाव की वाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वे विष्; बांड/या
- (च) हुंसी किसी बाध या किसी थन या अन्य वास्तियां का, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः जब, उक्त अधिनियम की पारा 269-व के अनुवर्ष मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्ननिकित व्यक्तियों अर्थास :--- (1) श्री साईबाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि ।

(अन्तर्क)

(2) श्री श्रीकांन वसंतराव मुर्वे ।

(अन्तरिती)

को वह ब्यना वादी करके 'प्यावत संपृतित के वर्षन के तिहर कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी अयिक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्पस्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्या

पलैटनं ० 47,जो, णिव किर्ती को ० आप ० हा उमिग सोसा-यटी लि ०, बी-इमारत, जिंचोली बन्दर रोड, मालाड (पं), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-3/37ईई/11568/84-' 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिवांक 27-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक : 15-3-1985

मोहर 😗

# प्रकृप नार्षे हो हुन् प्रकृत र---

भागमा अधिनियम, 1961 (1961 का 43), क्यी पाछा 269-भ (1) के सभीन सुभाग

#### ज्ञारव संस्कार

# कार्यास्य, बहायक बायकर माध्या (निर्देशण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/11567/84-85-अतः मुझे; ए ० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अभीन सक्षम प्रतिभकारी का यह निकास करने सक कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उच्चित बाजार मेस्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० पलैंट नं ० 46, जो, शिव किर्ती को ०आप ० हाउसिंग सोसायटी लि ०, बी-इमारत, सर्वे नं ० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कष्य के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 27-7-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से क्य के क्यमान प्रतिकास के निए बंतरित की गई है बार मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य, बसके क्यमान प्रतिकत् से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकत्त का पन्छ प्रतिकृत से अभिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरक् में बिए तब बाया प्या कृतिकत, दिन्त्यिक्ति कृत्यस्थां से अक्त बन्तरक् निवित के बास्तिकत क्य से कृत्य बहाँ किया गया है है---

- (क) अस्तुरण से हुई किसी मान की वान्त्, जनत अधिनिन्त्र के स्थीन कर दोने के बस्तुरक के वाधित्व में कनी कहने वा जन्ने वचने में कृषिणा के दिए; और/वा
- (क) एची किसी बाव वा किसी बन वा बन्ध बास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर विधिनियम, या बन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किसा बाना था, छिपाने में सुविधा के लिएह

जल: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण मं, में जन्म अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीत,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत: --- (1) श्री साईब(बा बिल्डर्स प्राहंबेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुडणा राणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति संपत्ति को कर्णन को लिए। कार्यवाहियाँ सुरू करता हुँ।

उनत संपृत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (6) इस स्वान को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के स्वपन में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के नीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवक्ष किती मन्य स्ववित स्वायः अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकोंगे।

स्वक्षीकरण:----इसमें प्रमुक्त सन्दों नीए पदों का, को उनत व्यक्षितियन के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, यही अर्थ होता को उस अध्याद में दिया एसा हाँ।

# ग्रन् सुची

फ्लैंट नं० 46, जो, शिव किर्ती को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी—इंमारत, चिवोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11567/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई ब्रारा विभात 2-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्प्रई

दिनांक : 15--3--1985

प्र**वन्य नाव**्<u>रती, एम . एस . . ---------</u>

, -

बायकर बर्शिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-म (1) के भवीन सूचना

### मारत सरकार

कायलिय, सक्क्ष्मक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्द अम्बर्द, दिनांक 15 मार्च 1985 निदेण सं० अई-3/37ईई/11545/84-85--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर निषित्वम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिसे कि निष्यम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संसम प्राविकारी को यह विकास सरने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, संजय राणे काटेज, मंखूभायी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई—97 में स्थित है (ग्राँर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य ते कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए क्ष्यौरती की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उद्धवे द्ययमान प्रतिफल का फ्लूह प्रविद्या से भीषक है बीए बन्तरक (क्ष्यूरकों) और अध्यार्थी (क्ष्यूरितिकों) के बीच एके बन्तरक (क्ष्यूरकों) कर प्राप्त प्रयास प्रतिफल किए तम प्राप्त प्रयास प्रतिफल कि बन्तरक (क्ष्यूरकों) के बीच एके बन्तरण के लिए तम प्राप्त प्रयास प्रतिफल कि बन्तरक व्यवस्था के विष्

- (क) अक्तरभ ने हुन्द जिसी अध की बावत, उनक अभिविश्व के अधील कर दोने के अन्तरक खे कवित्व में कभी करने वा सक्त बचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (क) एची किसी नाव या किबी भन या जन्य जान्सियों करों, जिल्ही भारतीय जाय-नार अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उदस्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तियसी द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

बहः क्या, उनत अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, में उनत अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोलिखित व्यक्तिंग, अभीत ह— (1) मेसर्स सोना बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार भाईलाल शेठ ।

(अन्तरिती)

को सह क्ष्मना नारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्थन के क्या कार्यवाहिकां करता हुं ।

उक्त सक्परित को जर्बन की सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ह---

- (क) इस स्थमा के राजपप में प्रकाशन की सारीच ते 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों वर् स्थमा की तानील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में झनाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्ष्य किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यक्य :---इसमें प्रमुक्त बन्दों और पर्यो का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### श्रमुसूची

प्लैट नं 0 1, जो, संजय राणें काटेज, मुख्भाई रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37-ईई/11545/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

मोहर 🔅

# प्रकर् नार्चः टी. १४. एक.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 15 मार्ज 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/11543/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १८९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद संपरित, जिसका उचित भाजार मृंस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 श्रीर 6, अशोक नगर लेआउट, सी०टी० एस० नं० 56, बिलेज मालाइ तालूका बोरिबली, मालाइ, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-7-84,

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुम्ने यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उत्वरिय से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्थ में कनी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए? बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिरागें, अर्थात् ह—-

- (1) के० आर० मेटल इंडस्ट्रियल प्राइवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) ठाकोरमायी देशाई एण्ड एसोसिएट्स । (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वनित सुम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त उन्तरित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंद ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना करूँ ताजील से 30 विन की जबिध, जो भी अमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियाँ के से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए का सकों ने।

स्यृद्धिरण:----इसमें प्रयूक्त सम्यों बीट पदी का, यो उपत् जीविनयम को कृष्याय 20-क में परिभाषित हैं,। बही वर्ष होगा जो उत्त अध्याय में दिया प्रवाहीं।

### अमुसुची

प्लाट नं ० 5 ग्रौर 6, जो, अशोक नगर लेआउट सी ० टी ० एस ० नं ० 56, विलेज नालाङ तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/11543/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15-3-1985

मोहर 🏻

प्रारुष मार्ड. टी. एन. एस. ------

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासयाः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/11566/84-85--अनः मुझें, ए **असाद**,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सैक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 23, जो, शिव किर्ती को ० आप ० हार्जीसंग सोमायटी लि ०, बी-इमारत, मर्जे नं ० 397, चिंचोली बन्दर रोड, बोरिवली (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जितका करारनामा आयर अधिनियम 1961 की बारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 27-7-1984,

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बित से वास्तरिक स्थ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दासिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के अग्राह, और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरणे में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
67—36 GI/85

(1) श्री माईबाया बिल्डर्स प्राइवेट लि ०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विन्नी नरोह्या ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# दल्**स्**ची

फ्लैट नं ० 23, जो, शिव हिनीं को ०आप ० हा उसिंग सोसायटी लि ०, बी ०--इमारत, सर्वे नं ० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि० मं० अई-3/37ईई/11566/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारी, वम्बई द्वारा दिगांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रपाद पञ्चम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 15--3--1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें ुटी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/11558/84-85-अत: मुर्झे, ए ० प्रसाध,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसर्जे इसके परभात् 'उन्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार अंक्ष 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 64, जो, शिव किर्ती को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी-इसारत, सर्वे नं० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-7-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित याजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गवा प्रतिफल, निम्ननिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम् सं हुई किसी बाव की बावसः, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (ण) एसे किसी बाब का किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री सांई बाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री पदमाकर माधवराव देशाई । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति में भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे वा सकी।

स्थळीकरण ६—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नथा है।

### बग्तुची

पर्लंष्ट नं ० ६4, जो, शिव किर्ती को ० आप ० हा उसिंग सोसायटी लि ०, बी ०-इमारत, सर्वे नं ० 397, जियोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37ईई/11558/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-84 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

मोहर 🛢

प्रक्षः नार्दः श्रीः एनः एसः - -----

नाय्क ह निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाष

269-म (1) में म्पीन स्मना

#### बारत बंदका

कार्यात्तय, सहायक भावकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 , बम्बई

बम्बई, विनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/11559/84-85--अत: मुझे,

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मस्ब 1,00,000/- रा. से **अधिक है** 

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, जो, शिव किर्ती को ०-आप० हाउमिंग सोमायटी लि ०, बी ०-इमारत, सर्वे नं ० 397, विचोली, बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 19516 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, दिनांक 27-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विख्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित् वाचार मुख्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तयु पाया नया प्रतिकार, निम्निसिवित उन्दर्शनों से उन्त नन्तर्भ निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है इ---

- (क) मृत्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अस्तरक की बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; नौर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ग्या भाषाकिया जाना चाहिए था, 🐷पाने में सुविधा हे थिए;

बत्त श्राम्य, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् धु---

(1) श्री सांइ बाबा बिल्डर्स प्रोइवेट लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील एस० जाधव।

(अन्तरिती)

का यह स्वना वारी कारके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो ज़ब्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### वनस्था

फ्लैंट नं ० 42, जो, णिय किर्ती को ० आप ० हा उसिंग सोसा-यटी लि ०, बी-इमारत, सर्वे नं ० 397, जिनोली बन्दर रोड, मालाष (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—3/37ईई/11559/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ত্০ সদাংধ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज-3, बम्ब€

दिनांक : 15-3-1985

प्रस्प बाइ ैं दा, एन , एस . - - ---

भारपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# **कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण)** अर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं ० अई-3/37ईई/11560/84-85-अतः मुझे, ए ० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, जो, णिव किर्ती को० ऑफ० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी-इसारत, सर्वे नं० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, दिनांक 27-7-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के ध्रयमान इतिफस् के लिए कन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल सं, एसे ध्रथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बन्तिरिती (अन्तिरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में श्रितधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रक्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वयः, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन ृौनम्नुसिवित व्यक्तियों, अधार्त ६—- (1) श्री साईंबाबा बिल्डर्स, प्राइवेष्ट लि ०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मालती माधव कुलकर्णी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्विक्य सम्बद्धिः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उन्त सम्बन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की संस्थित को भी अविधि से से समस्य होती हो, के भीकर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

### बन्द्र की

ं फ्लैंट नं ० 21, जो, शिव किर्ती को ० आप ० हार्जीसग सोसायटी लि ०, बी ०–इसारत, सर्वे नं ० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई–64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/11560/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनांक : 15-3-1985

मोहर 🕆

प्रकल बार्ड , टॉ., एन., एस., ५----

जाबकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

#### हारत दरकार

# कार्यांक्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निवेश सं ० अई-3/37-ईई/11571/84-85-अतः मुझे, ए ० प्रसाद,

बायकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 79, जो, शिव किर्ती को० आप० हाउसिंग सोमायटी लि०, बी०-इमारत, सर्वे नं० 397, विभोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में। ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, ,1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 27-7-84,

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रधा वितिषक, निम्निनिचित उव्वदेय से उच्त अन्तरण जिल्लित में भारतीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अपने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियर जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितालें, अधीत:——

- (1) श्री माई बाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि॰।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री बाल किशात एम ० गोयंका और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सभ्यक्ति को मर्जन की सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व सं 45 दिन की नयीं या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीं व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों कार क्यों का, जो उक्त अधिनियम, को सध्याय 20-क में परिभावित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं ० 79, जो, शिव किर्ती को०-आप ० हाउसिंग सीसायटी लि ०, बी-इमारत, सर्वे नं ० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37ईई/11571/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया हैं ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 15-3-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-3/37ईई/11572/84-85-अतः मुझें, ए ० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 80, जो, शिव किर्ती को ०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी०इमारत, सर्वे नं० 397, चिनोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उत्तर विधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविभा के लिए; बॉर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपते अधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

जताः संब, उक्त अधिनियम, कौ भारा 260-व कौ अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री साईबाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि ०।

(अन्तरक)

(2) श्री गितांजली एस० बागल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(क) इस सूचर्ना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
  पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चया है।

#### अनुसूची

्फ्लैंट नं ० 80, जो, शिव किर्ती को ०-आप ० हाउसिंग सोसा-यटी लि ०, बी ०—इमारत, सर्वे नं ० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बस्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37ईई/11572/84-85 झोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-84 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्गन रज−3, बम्बई

वितोक: 15-3-1985

# वरूप बाइ े टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

#### भारत सहस्रार

कार्यासम, सहायक शायकर वाष्ट्रक (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/11573/84-85-अत: **मुझें**, ए ० प्रसाद,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 75, जो, णिय किसी को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी० च्इमारत , चिंचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई – 64 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 27 – 7 – 84.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवनाब प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितयाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिश्तित उद्देश्यों से उक्त जन्तरण निविक्त के वास्तिवक कप से किंगत नहीं है किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की वाद्यून, उपस्थ अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; बहि/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन वा जन्म वास्तियाँ के जिम्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- भर अधिमियम, या भन- भर अधिमियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिक्त व्यक्तिस्था (1) श्री साईवाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि ।

(अन्तर्क)

(2) श्री वि० रघुनाथ ऋगारपूरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचल सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्चनाहियां करता हुं।

उक्त तम्बत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुर्त 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, जै भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यार;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कम्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिक्ति में किए या सकोंगे।

### वर्ष्या

प्लैट नं • 75, जो, शिव किर्ती को • आप • हार्डीमग सो गा-यटी लि •, बी • —इमारन, जिंघोली बन्दर रोड, मालाड (प) ∽ बम्बई—64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई-11573/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद नजन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक : 15-3-1985

मोहरः∄

प्रकृप सार्च , टी , दुन ,; एस , -------

वायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-व (1) के वर्षीन क्षता

#### भारत संस्कार

कार्बाखय , सहायक जायकर बायुक्त (निरुक्तिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11574/84-85—अत:, मुर्झे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, जी भारा 2'69-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, विसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 70, जो, शिव किर्ती को ०-आप ० हाउसिंग सोसायटी लि ०, बी-इमारत, जिंचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से विभिक्त हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) की बीच एसे अन्तरण के सिए तम पावा गया प्रतिफल, निम्मीसिकत उद्वेच्य से उन्त अन्तरण निचित में वास्तिबक्त कम वे का अंधित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्त, उनका अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक थें दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं सांई बाबा बिल्डर्स, प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल विनायक सीदागर।

(अन्तरिती)

को यह बूपना चारी करके |बॉक्स सम्मत्ति के अर्थन के सिध् कार्यमाहिमां करता हो।

उक्त संपत्ति के कबीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध ना तत्सवंधी ध्यक्तियों पर तूमना की तानीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इत बुचना के राषपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीत्रर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिचित में किए जा सकोंने।

स्यक्षीक्ष्णः इसमें प्रयुक्त क्षवां और पवां का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, कही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# यम्ब्यी

प्लैंड नं ० 70, जो, शिव किर्ती को ० आप ० हा उसिंग सोसायटी लि ०, बी-इमारत, सर्वे नं ० 397, जिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/11574/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 15-3-1985

प्रक्य बाई.टॉ.एन.एस.-----

नायकर की भीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (मिरीक्षण)

ग्रजन रेंज- 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं • अई-- 3/37--ईई/11562/84--85---अतः मुझे, ए • प्रसाद,

नायकर निधित्यमं, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसके परकात् 'उक्त निधित्यमं' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर तस्यरित, चिसका उचित वाचार जुन्च 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, जो, शिव किर्ती को०-झाप० हार्जीतग सोक्षायटी लि०, जिंचोली बन्दर रोड, बी०-इमारत, मालाड (प) बम्बई- 64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध झनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा झायकर झिंधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के झिंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 27-7-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफत को निए जन्तरित को गई है जीर मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक को सिए तय बाबा बचा प्रतिकत, निम्नसिक्त उच्चेश्व से उच्च बन्तरच दिवित वो बास्तिक क्य से कथित नहीं किया नवा है :—

- (क) जन्तरण वं हुर्च कियी जान की वानश्च, उक्त वीधीनवन के अधीय कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उक्ते क्यमें में श्रीवधा के तिए; वॉर/या
- (थ) ऐसी किसी बाद ना किसी वर्ष सा सम्ब आहिताओं का, विक्रृं भारतीय बाद-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सक्त विधिनयम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ मन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. किपाने में नृश्चिभा के सिंह;

बतः जब, उबत विधिनियम की धारा 269-म को जनुनरण बाँ, माँ, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बधीन. निम्नसिवित व्यक्तियों वर्धात र— 68.—36GI/85 (1) श्री सांईबाबा जिल्डर्स प्राइवेट लि॰।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी मुमन गुलाटी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूना किए कम्पृतित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं ।

बक्त कुम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी मानोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन की अवदित ना सरकारकों स्थानताओं नर स्थान की ताजीस से 30 दिन की जनिए, को भी जनकि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानताओं में से किसी स्थानत ब्याराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गत सिचित में निम्मू का सकेंगे।

क्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा वृता हैं...

### वन्त्वी

फ्लैट नं ० 41, जो, शिव किसी को ब्याप० हाउसिंग सोसायटी लि ०, बी ० → इमारत, चित्रोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई – 64 से स्थित है ।

श्चनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37ईई/11562/84-85 और यो सक्षन प्राधिसारी, बन्बई द्वारा दिनांस 27-7-84 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊸3, बस्कर्ष

दिनांस 15-3-1985

मोग्रह 🖫

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

चम्ब**र्ड**, दिनांकः 15 मार्च 1985 निवेश सं० **धर्ड** -3/37ईई/11561/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 28, जो शिव ित्ती को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी-इमारत, चिचेली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 सें स्थित है (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसवा बरारनामा श्रायकर शिवित्यम, 1961 की धारा 269 व, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-7-1984.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्री साईंबाबा बिल्डर्स प्राश्वेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी भारगी टी॰ सावत और ग्रन्यत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनुसूची

प्लैट नं 28, जो, शिव किर्ती की श्रीप व हाउसिंग सोसायटी लिं , बी - इमारत, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घई-3/37ईई/11561/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, घम्बई द्वारा दिनांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज∽3, बम्बई

विनोक: 15-3-1985

सांबुद्ध 🚜

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज--3; बम्ब**६** 

बम्बई, दिनांवः 15 मार्च 1985

निदेश सं ० प्रई- 3/37-ईहै/11563/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० पलैंट नं० 12, जो। शिव िर्ती को०-ग्राप० हार्जीतंग सोक्षायदी लि०, बी०-इमारत, चिंचोली बन्दर रोष्ट, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है), और जिसका वरार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 वर्ष्ट के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-7-84,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल त्वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंजापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उन्देशक से उक्त अन्तरण निजित्य में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क्र) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिसित व्यक्तियों, अर्थीन, निम्नृतिसित व्यक्तियों, अर्थीन,

- (1) श्री साईबाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (धन्तरक)
- (2) श्री सुनीलदत्त टी॰ बावडेकर । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, पो उक्त अधि । नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा घो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट नं० 12, जो, शिव किर्ती को०-भ्राप० हाउसिंग सोमायटी नि०, बी०--एमारत, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बन्धई-64 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई -3/37-ईई/11563/84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 27-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंजे→3, अम्बर्ष

दिनांक : 15-3-1985

# इस्त् बाई.दी.एन.एव.-----

नापकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वता

#### भारत चुडचाउ

# कार्यम्य, तहायक नायकार भागूनए (निर्देश्य)

ग्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

यम्पर्ह, दिनांकः 15 मार्च 1985

निदेश सं० भई- 3/37-ईई/11564/84--85---श्रतः मुझे, ग० प्रसाद,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, शिव किर्ती को०श्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, बी-इमारत, चिचोली बन्दर रोड, मालाड (प), अम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रृतुसूतों में ओर पूर्ग का में विणा है) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 का के श्रिधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-%-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतर्रक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्या सुनिया के सिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री माई बाधा बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री असोक के० भंडारे।

(धन्तरिती)

को यह जुजना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्पत्ति के नुर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किये वा सकींगे।

स्याधीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुद्या है।

#### जनसन्त्री

फ्लैंट न ० 1 0, जो, शिव किर्ती को ० श्राप ० हाउसिंग सोसा-यटी लि ०, बी-इमारत, चिंचोली अन्दर रोड, मालाड (प), कम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० स० भ्रई-3/37ईई/11564/84-85 और जो सक्षम जाधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 2-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायल श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक \* 15-3-1985 मोहर ३

# प्रकृत कार्ष<u>्टी ए</u>न् पुरा ु-----

# मायकार मिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्कृता

#### भारत चरकार

# कार्यांक्य, बहायक बायकर बायुक्त (निर्धिक्षण)

प्रजेन रेंज-3, धम्बद्

बम्भई, दिनांवः 15 मार्च 1985

निदेश सं० अई--3/37--ईई/11565/84--85→--श्रतः मुसं, ए० प्रसाद,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और शिसकी सं० पलैंट नं० 5, जो, शिव किर्ती को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी-इमारत, चिचोली अन्दर रोड, मालाड़ (प), बम्बई-64 सें स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हे), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम , 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्ष म श्राधिकारी के कार्यालय सें रजिम्ट्री है, दिनांक 27-7-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान बितफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित शावार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित प्रकृतिक्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय काँ बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दापित्क में अभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धलकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः वर, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधान, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री साई बाबा बिल्डर्स प्राइवेट स्टि॰। (धन्तरक)
- (2) श्री प्रकामः भातस्क्षेकर । (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संयुक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूँ।

#### उक्त संपत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पाद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं ० 5, जो, शिव किर्ती को ०-- म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी०--इमारत, जोली बन्दर रोड, मजिलाडा (प), बम्बई-- 64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई--3/37ईई/11565/84→85और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 27-7--84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज⊶3, **बस्स**ई

दिनांकः : 15--3--19**8**5

मोहर:

# प्रकम् नाइ".टी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के न्यीक स्वना

#### भारत सरकार

# नार्यात्तर, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोज-3, सम्बर्ध

दम्बई, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० अई--3/37--ईई/11531/84--85--- मत: मुझे, ए० प्रसाद,

कालकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाबार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एए टाईप फ्लैंट जो फ्लाट नं० स० नं० 34 और 51, विलेज डिदालेशी, गोरेगांद-मुल्ड लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में निर्माणाधीन इमारत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हो), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है, दिनांक 27~7~84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इष्टयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित च्व्ववेय
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जुन्द जारैसावों को चिन्ही भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोचनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिभा के सिह;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कै जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1), के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति डिचल (1) श्रीमती उशा शिरीश खान्डवाला ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती राधिका सनत मेहता और मंजू सनत मेहता ।

(भग्तरिती)

(3) मेसर्स करमरकर एसोसीएट्स ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वनीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में द्वित- व्यूष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोह्स्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकता ।

ल्ल्ब्योकरण :---इसमें प्रयुक्त बच्चों जीर वर्षों जा, जो उच्छ बर्गिनवर्ग के बच्चाय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में द्विका भया है।

#### जगुलुची

पलैट जो, प्लाट एस नं० 34 और 51, विलेज डिंदाशी गोरेगांव-मुलूंड लिंक रोड, गोरेगाव (पू०), वम्बई--53 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/11531/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-7--84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज→3, वस्बई

दिनांक: 15~3-1985

मोहर

टिप्पणी

# संघ लोक सेवा कार्यांग

#### नॉटिस

# सम्मिलित रक्षा क्षेत्रा परीक्षा, वन्तर्वर 1985

# नइ दिल्ली, दिनांक 27 वर्गल, 1985

सै. एफ. 8/9/84-प. (च)—संघ लोक सेवा नायोग द्वारा निम्नांकित कोसी में प्रयोग होते 27 अक्तूबर, 1985 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा बायोजित की जाएगी ४—

#### कोचे का नाम रिक्तियों की समावित सं० (1) भारतीय सैन्य घकावमी, 150 प्रिन∘ सी॰ सी॰ (सेना स्कब ) "सी" प्रभाग-पद्म प्राप्त देहराषुच, अनुसाई, 1986 उम्मीववारों के निए प्रारक्षित में प्रारम्य होने बाला 81वी 4)4 [ 32 रिक्तियां सम्मिक्ति हैं, (2) मौसेना प्रकादमी कोचीन (जुनाई, 1986 में प्रारम्य ही एहा की से) (क) सामान्य सेवा 49 [एन० सी० सी० (मी सेना स्करक) "सी" प्रमाण-पन शारियों के शिए 6 मारकित रिक्तियां सम्मिलित 📳 (स) नौसेना विमानन 33 3 (एन• सी० सी० बायु सेना (3) बायु वेचा प्रकासमी ए॰ एफ० रकाव के "सी" बमाक का पुर सी व कीथन्द्रपुर विकास वारियों के लिए 1 भारिकत 1986 में प्रारम्म होने वासे 140वां एफ (पी०) कोसे रिक्ति सम्मिलित है) 🗣 सिए स्थाप पूर्व प्रशिक्षण कोर्स] । (4) प्रशिकारी प्रशिक्षण शाखा, सबाब (धनतूबर, 1986 में 275 प्रारम्भ होने नाना 44नो एक एष० धी०) (एन० ही : ) को बं

विशोध ध्यान : (1) उम्मीदवार को आवेदन पत्र के कालम 7

में यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किन
सेवालों के लिए बरीबता कम में विचार किए
जाने का इच्छाक हैं। उसे यह भी सलाह दी बाती
हैं कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी
बरीयताओं का उल्लेख कर तािक योग्यता-कम
में उसको रीक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति
करते समय उसकी वरीयताओं पर भलीभाति
विचार किया वा सकी।

उम्मादवारों को ध्यान में रचना धाहिए कि नीचे विश्लेष ध्यान (।।) की व्यवस्था को छोड़कर उन पर क्लेक्स उन्हीं कोसी में नियुक्ति होतू विचार किया बाएना चिनके लिये वे बरीयता निर्दिश्य कार्य हैं अन्य कोर्स (कोर्सी) में नियुक्ति होतू नहीं।

उम्मीक्कार व्यारा अवने आयोषन पत्र में पहले निर्विष्ट वरीय-साओं में बृष्ध/परिवर्तन होत् अनुरोध की आयोग व्यारा स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु भारतीय सैन्य बकावमी और नीसेना/वायुसेना बकाविमयों में उम्मीवनारों को कमी हो बाने पर ही अधिकारी प्रविक्षणवाला की पहली पसन्द रखने वाले और भारतीय सैन्य बकावमी तथा नीसेना/वायु सेना अकाविमयों होतु योग्यताप्राप्त उम्माववारों के मामले में उनके बन्यका पात्र होने पर उक्त कोसीं में प्रवेश पर विचार किया का सकता है।

विषये भ्यान—(।।) स्थामी कमीशन प्रवान करने के लिए भान सैन्य अकादमी/नी सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्स के इस परीक्षा से क्ये हुए उम्मीव-बार यदि बाव में अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकों) कोर्स के लिए विचार किए बाने के इच्छ क हैं तो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकों) प्रवान करने के निए विचारण योग्य हो सकते हैं। बाहें उन्होंने अपने आवेदन-पत्रों में इस कोर्स के लिए अपनी पसंद नहीं बताई हैं :

> यि अस्पकालीन सेवा कमीक्षन (गैर तक-नीकी कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को लेने के बाद भी कमी हैं, और

> को उम्मीवनार अल्पकालीन सेना कमीशन (गैर तक्सीका) होता वरीयता व्यक्त न करणे पर स्मे कमिक्स के लिए भेषे वाते हैं", उन्हें योग्यता सूची को कम में उस वित्त उम्मीवनार के बाद रहा। आएगा जिन्होंने इस कार्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्वोंकि ये उम्मीवनार उस कार्स में प्रवेश पा आएगा जिन्हों तिए वे व्यक्ति वरीयता के अनुसार हकवार नहीं है"।

ा—एन. सी. सी. (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरीष्ठ प्रभाग) / (नौसेना स्कन्ध) के ''सी'' प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार अल्पकालिक सेवा क्रमीशन (गैर तकनीकी) कोसों को रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई बारक्षण नहीं है। जतः इस कोर्स में रिक्तियों को भरने से लिए उन्हें सामान्य उम्मीववारों की तरह समभा वाएवा। जिल उम्मीववारों को अभी इन सी. सी. में ''सी'' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) / (वायु सेना स्कन्ध का बरिष्ठ प्रभाग) (नीसेना स्कन्ध) की परीका उत्तीर्णकरनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी बाबेदन कर सकते है किन्त उन्हों एन . सी . सी . ''सी'' प्रशाण-पत्र (सेना स्कन्ध) / '(बायु सेना स्कल्ध)/(नौ सेना स्कल्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तत करना होता जो कि आई. एम. ए./एस. एस. ती. (एन. टी.) प्रथम निकल्प वाले उम्मीदवारी के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस. पी.) (ई.) नई विस्ली-110022 तथा नौसेना को प्रथम विकल्प वाले उम्मी बवारों के मामले में नी सेना नृष्याल्य जार ु एण्ड जार ु, सेना भवन, नृहा

विल्ली-110011 को जौर वार्य सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले भें वार्य सेना मृक्यालय पी. जो.-3 वार्य सेना भवन, नई विल्ली-110011 को पहली जुलाई, 1986 तक पहुंच जाए।

आरिक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पात्रता होतू उम्मीववार ने राष्ट्रीय करिट कार में जो सेवा की हो वह सीनियर विवीचन सेना स्कल्ध में 2 धैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर विवीचन वायू सेना/नौ सेना स्कल्ध में 3 धैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सामाग के कार्यालयों में आवेदनों की प्राप्ति की बंतिम तारीब को उसे राष्ट्रीय करिट कोए से मुक्त हुए भारतीय सैन्य अकादमी/नौसेना अकादमी/वायुसेना बकादमी कोर्स के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों।

आयोग व्यारा आयों जिल होने वासी लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोडें द्वारा लिखित परीक्षा बोडें में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के काधार पर उपर्युक्त कोसों में प्रवेश विया जाएगा 🖰

(क) परीक्षा की योजना स्तर और पाठ्यज्यां, (ब) अकावमी/ साला में प्रवेश होतू कारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकावमी ना सेना अकावमी अधिकारी प्रसिक्षणसाला और नाम सेना अकावमी में प्रवेश पाने नासे उम्मीवनारों अने सेना आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्षमणा परिक्षिष्ट :,!! और [11] में विस्तार से समकाया गया है।

टिप्पणी हा परीक्षा को समस्त विश्ववाँ को प्रक्रम पत्रों में कोजल वस्तुपरक प्रक्रम पृष्ठ वाएंगे। नसून को प्रक्रमों सहित विस्तुत विवरण कृपशा परिश्विष्ट ।। पर ''उप्मीहर-वारों को स्थनार्थ विवरणिका'' में, वाँचए।'

2. परिक्षा के केन्द्र नगरतमा, बहमवाबाद, एंबस, इलाहाबाद, बंगलीर, अपाल, बम्बई, कलकता, बन्दीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विश्वपुर (गोहाडी), हर्क्सवाद, इन्मल, इटानगर, जयपुर, जन्दू, जोरहाड, कोहिमा, लखनखर, मदास, नगप्र, पण्डी (गोवा), पटना, पोटंक्सेयर, रायपुर, विलोग, विमला, श्रीनगर, तिरूपति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विश्वादा-पत्तनम।

जागांग यदि बाहे तो उक्त परीक्षा के उपगुक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उक्की क्लब्स के केन्द्र बोगे के सभी प्रकास किए बाए वे तो भी नायोग परिस्थितिक्य किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दो सकता है। बिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दो दिवा बाता है उन्हें समय सार्गी तथा परीक्षा स्थल(स्थलीं) की वानकारों दो दी पाएमीं (नीच परा 11 दो बिए)) प्र उम्मीक्वार को व्यान रवाम वाह्नि कि केल में परिवर्तन सं सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया वाल्ना। किन्तु अब कोई उम्मीक्वार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन वाल्ता हैं जो उसने उक्त परीक्षा होते अपने आवेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सिचन, संघ लोक संवा आयोग को इस बात का पूरा बॉचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्ट डाक से अवस्थ अवना वाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों वाल्ता हैं। ऐसे अनुरोधों पर गुणवस्ता के आधार पर विचार किया बाह्या किन्तु 27 सित्तम्बर 1985 को बाद प्राप्त बनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया वाएगा।

# 3. पात्रताकी कर्तिः

# (क) राष्ट्रिकता 🛭

उम्मीक्वार या तो---

- (1) भारत का नाप्रिक हो, या
- (2) भृटाय की प्रचाही, या
- (3) नेपाल की प्रकाही, या
- (4) तिब्बती शरणाथीं, जो स्थापी रूप से भारत में सहते के इरादें से 1 जनवरी, 1962 से पहले का गया हो, मा
- (5) भारतीय मूल का स्वितित हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उत्कोष्य से पाकिस्तान, बर्मा, बीलंका, और पृथीं बज्रीकी देश जैसे किनिया, उगांदा तथा संजानिया का संबुक्त गणराज्य (भृतपूर्व टांगानिका और जंजीवार), जास्त्रिया, माशांची, जरे और इथो-पिया और विध्वतनाम से प्रमुखन कर बाया हो।

परम्तु उक्क्यूंक्त वर्ष (3), (4) और (5) के बंदर्गत जाने वाला उम्मीदवार एसा व्यक्ति हाँ जिसकों भारत सरकार में पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो !

लंकिन नेपाल के मोरचा उम्मीक्वारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उपनीवनार के लिए पानता प्रमाण-पत्र बाववयक है उसे उन्त परीक्षा में इस धर्म पर अन्तिम रूप से प्रचेश विधा चा सकता है कि सरकार दुवारा उसे आवश्यक प्रमाण-पत्र सेथ लीक सेवा नायोग बुवारा परिचाम की बोवजा से पहले से दिया बाए।

- (क) आयु-सीमच्हं, विष या वैवाहिक स्थिति प्र
  - (1) भारतीय सैन्य बकावभी के किए हैं क्षेत्रक होसे अवि-वाहित पुरुष जन्मीयवार पात्र ही जिलका जन्म 2 जुलाई 1962 से पहेंचे का तथा 1 जुलाई 1967 के बाद का नहीं
  - (2) न<u>िसेना और वायू सेना अन्यादनी के लिए उ</u>स्तेवल सविवाहित कुलक उल्लेखकार नाम है जिनका 2 बुलाई 1964 को पहले और 1 जुलाई 1967 के बाद न हुना हो।
  - (3) अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए : क्वेंबल कही पुराध उम्मीदवार (विवाहित या जीववाहित) पात्र ही जिनका जन्म 2 जुलकों, 1961 को बहले और 1 जुलाई 1967 को बाब न हुआ हो।

टिप्पणी---जरम की तारींच कैंग्स वहीं अल्य होती जो सींट्र-कुलेशन/हायर सैकेन्यरी या समक्तक परीक्त की प्रभाव-पत्र में सिन्दी गर्द हो। जिन सम्मीदवारों ने भा. सं. अकादमी/ना सेना और नाय सेना के लिए पहली पसन्त्र अलाई है, उन्हें बयन स्टाक द्वारा सत्या-पन के प्रयोजन होता सेवा बयन बोर्ड के समक्ष साक्षारकार के लिए उपस्थित होते समय आया का प्रमाण (मूल रूप में) प्रस्तुत करना है।

- (ग) वीक्षिक सोग्यकार्गः
  - (1) भारतीय संना अकावमी, नौ सेना अकावमी और अभि-कारो पश्चिक शकाला के लिए किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की विश्वी सा समकक्ष योग्यता.
  - (2) बाग् गंगा धवादमी के लिए— किसी मान्यताप्राप्त विकृषिधालय से भौतिकी और /या गणित विषय के साथ डिग्री या समकक्षा जिन उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री परीक्षा भौतिकी और /या गणित के अलावा अन्य विषय लंकर उत्तीर्ण की हाँ व जी पात्र हो किन्तु शर्त यह हो कि उन्होंने हायर संकृष्टरी परीक्षा (पूराना पैटर) या स्कृषी शिक्षा 10 रे 2 पैटर्न के अन्तर्गत 11 वे / 12 वे स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणित और भौतिकी विषयों के भाष उत्तीर्ण की हो।

नौ मेना /वाण सना की पहली पमन्य जान स्नाहकों को ग्रेज्एवन के प्रमाण के रूप में प्रतिकानन मिटिफिलेंट गेंवा चयन बोर्ड पूरा होने के दो सप्तालों के जन्द कमदा: मेना मुख्यालय (रिक्राटिंग) (6 एस. पी.) (इं.)/नौ सेना मृख्यालय (आर. एण्ड आर. संक्शन)/वायु सेना मृख्यालय इाकघर 3 (ए) को प्रस्तृत करना है।

भी अवदेश अभी शिषी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी अवदेश कर सकते हो परन्त उनको विश्वी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण शिष्टं एम ए./एस: एस मी (एन. टी.) प्रथम विकल्ल वालं उभीदिवारों के मामले में मेना मुख्यालय भती 6 (एक. पी.) (हो) नहीं दिल्ली-110022 तथा ना सेना के प्रथम विकल्ल वालं उम्मीदिवारों के मामले में नौसेना मुख्यालय/ आर. एण्ड कार , मेन भयन, नहीं दिल्ली-110011 की बौर बायू सेना के प्रथम विकल्प नाले उम्मीदिवारों के मामले में बायू सेना मुख्यालय पी जो ५, जाए सेना भदन, नहीं दिल्ली-110011 को विकलिप वालोक तक पहींच जाएं जिसके न पहाँचले पर उनकी उम्मीदिवारों रखद हो आएगी।

- (1) भा से अकादमी, नौसेना तथा वायु सेना अकादमी से प्रथंश के लिए । णुलाई, 1986 तक या उससे पहले!
- (2) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मन्नास में प्रवेश के लिए 30 सिशम्बर, 1986 एक या उससे पहले।

जिन उम्मीदशारों के एक आक्रमाणिक स्नौर तकनीकों मोग्यताएं हों जो सरकार द्वार कार्यमाणिक और तकनीकों डिगी के समकक्षा मान्यता प्राप्त हों वे की कराइन ने लिए एव होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में अपयोग किसी एमें उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्ति न होते पर भी, शैकिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास एसी योग्यताएं हों जिसका स्तर आयोग के विकार में, इस परौक्षा में प्रवेश पाने योग्य हों।

टिप्पणी 1--गोम उम्मीदिवार जिन्हों निसी परीक्षा में अभी बहाँता प्राप्त करनी है और जिनका संघ लोक सेवा बायोग की परीक्षा में बैठने की बनुमति वे दो है, उन्हों 9-35GI/85 नोट कर लंना चाहिए कि उनका दी गई यह विशेष छुट हैं, उन्हें जिग्नी परीक्षा उसीर्ण करने का प्रमाण निभित्ति तारीश तक पस्सत करना है और विनियादी अहाँक विश्वविद्यालय परीक्षा के दौर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या कर्ल किसी कारण से इस नारीस का और अग्ने बढ़ाने से मम्बद्ध किसी भी अनुरांध को स्वीकार नहीं विद्या कारणा।

टिप्पणी 2-- जो उम्मीयवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन में अपवर्णित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात नहीं होंगे। अगर प्रवेश विया गया तो उनकी उम्मीदशारी रदद की जाएगी।

टिप्पणी 3—विशोष सेवा नाविकों को ध्योडकर बाकीं नाविक (जिनमों किशोर और कारीगर प्रशिक्ष सम्मिलित हैं), जिनकों अपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी हैं, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशोप सेवा नाविकों की अपने नियत कार्य पूर्ण करने में छह महीने से कम समय बाकी हैं, उनके आरोबन एवं तभी लिए जाएंगे जब बे उनके कमार्रीडग अफसरों के द्वारा निथिरित रूप में अनशंसित हों।

- 4. आवेदन प्रपत्र के साथ देय शुरूक: रा. 28.00 (अट्टाइस रापए) [अनुस्चित जातियों /अनुस्चित जम जातियों) के लिए रा. 7.00 (सात रापए)]। जिन आवेदन-प्रपत्रों के साथ यह निधिरित शुरूक नहीं भेजा जाएगा उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।
- 5. शल्क में छट : बायोग यदि साहों तो निर्धाणित शल्क से छट्ट दो सकता हो जब जरफो इस बात का आश्रासन नो कि एक देक भटान, पूर्वी पाकिस्तान (अब लंगला दोश) में बस्तत: विस्था- पित व्यक्ति हो जो 1-1-64 और 25-3-1071 के बीच को अविध में भारत में प्रवृजन कर राया हो या तन्यालीन पश्चिम पाकिस्तान से बास्तिचक विस्थापित व्यक्ति हो या तन्यालीन पश्चिम पाकिस्तान से बास्तिचक विस्थापित व्यक्ति हो यो नन्यालीन पश्चिम पाकिस्तान से बास्तिचक विस्थापित व्यक्ति हो यो वस्ति अविध्या तैरान प्रवृजन कर भारत आया था या यह अमी में बस्तत: क्रिरांगितित भारतीय मूल का व्यक्ति हो यो १-6-1062 को या उसके बाद भारत में प्रवृजन कर आया हो या वह श्रीलंका से बस्त्त: प्रन्या- वित्त भारतीय मूलक व्यक्ति हो यो अक्तूबर, 1964 को भारत- श्रीलंका समझौत के कल्पति 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत साथा हो या आने बाला हो बीर निर्धारित शुक्क के सकने की स्थिति में नहीं हो।
- 6. बावेबन करेसे किया जाए. केवल सम्मिलिक रक्षा सेवा परीक्षा बक्तूबर, 1985 के लिए निर्मारिक पद्म में हर्ग हुए बावेबन-पद्म ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के गेटिस के साल लगे हुए हैं। शावेदन एक भर कर सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने बाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं ए
  - (1) दो रुपए का मनीआर्टर या संघ लोक संवा आयोग के सिन्ध को नर्ड दिल्ली पधान टाकघर पर दोय रेसांकिश भारतीय पोस्टन आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नर्ड दिल्ली-110011 व्हें यहां से डाक द्वारा।

- (11)दो रूपये नकद दोकर आयोग के कार्यालय के काउन्टर पर।
- (111) निकटतम मिलिटरी श्रीया/स्था-श्रीपा मृह्मालयः, नौसेना तथा वाय् सेना प्रसिष्ठार्ग के यहां से विक्रान्क ।

आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड जम्मीदवार के हाथां ह्यारा स्याही वाली कलम या गालपंत से ही भर जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियां शस्त्रों में होती चाहिए रोबाओं था विन्युओं में नहीं। अधुरा या गलत भर हुला अविवन एक रनद कर दिया आएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही गयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रवि-ष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों, यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भूम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदिवारों को ध्यान रसना साहिए कि लागोग इवारा आवेदन-पन में उनके द्वारा की गर्ड प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोर्ड पन आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा! इसलिए उन्हें आवेदन-पन सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरनती साहिए।

सभी उम्मीदिवारों को, बाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक अपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने बाहिए। जगर किमी उस्मीदिवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से पहुंचे तो उस बाधेदन-पत्र पर विभाग नहीं किया बाएगा, भले ही वह नियोक्ता क्सारा आखिरी टारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो न्यक्ति पहले में ही सरकारी नौकरी में आकसमिक सा वीतक दर कर्मचारी, से इतर स्थायी या अस्थायी होसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हौसियत से काम कर रहे हैं या एसे कर्मचारी जो लोक उद्यमीं में कार्यरत हों, उन्हें यह परिवचन (अन्द्रक्तिकार) प्रस्तृत करना हो कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यश्राम के अध्यक्ष की सचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के जिए आवेदन किया है।

उम्मीत्यारों को ध्यान रहना चाहिए कि यदि आयोग की उनके नियोकता में उनके उक्त परीक्षा के लिए व्यावेदन करने / परीक्षा में बैठने में संबद्ध अनमित रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अम्बीकृत कर दिया जाएगा और उनकी उम्मीदयारी रदद कर दी जाएगी।

सलस्त्र मेना में काम कर रहे उम्मीदेशर अपने आवेदन-पत्र अपने कर्मां डिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तृत करों जो प्रकांकन (दोलिए आवेदन प्रपत्र के भाग 'ल') को भर अस्के आयोग को भेजेगा।

7. भरा हुआ कायदेन-पत्र कावन्यक प्रलेखों के साथ सचिव. संघ लोक संवा जायोंग, धीलपर हाऊस, नह दिल्ली-110011 को 24 जून, 1985 (24 जून, 1985 से पत्रले की किसी तारीन से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश. मिजोरम, मणि-प्र, नागालण्ड, त्रिपरा, सिक्किम, जम्म और कश्मीर राज्य के लददाब प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्थीति जिले सथा चम्बा जिले के पांगी उपमंचल, अंडम्पन और निकोवार द्वीप समह या लक्षववीप और विद्योगें में रहने वाले नम्मीदवारों के और जिल उम्मीदवारों के आह जिल उम्मीदवारों के आह जिल उम्मीदवारों के आह जिल उम्मीदवारों के आहेत उम्मीदवारों होते, उनके मामले में 8 जुलाई, 1985

तक मा उससे पहेले शक द्वारा अध्वय भिष्या दिया पाए या स्वर्ध आयोग को काउन्टर पर आकर जमा करा दिया पाए। निधीरत तारीस के बाद प्राप्त होने गले किसी भी आयेदन-पत्र पर विचार नहीं किया पाएगा।

असम, मेवालथ, अरुण)वल अदीण, मिजोरम, मिणपूर, नागालण्ड, निप्ता, विक्तिम, काल्य, और कम्मीर राज्य बैं लद्दाब प्रभाग, हिमाचल प्रदोश के लाहाँल और स्पीति जिले, तथा चंवा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्षव्वीप और विविधों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यिव चाहों तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 जून, 1985 से पहले की किसी तारीख से असम, मेवालय, अरुणाचल प्रदोश, मिजोरम, मणिपूर, नागालण्ड, त्रिप्ता, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदोश के लाहाँल और सीति जिले तथा चम्बा जिले के पाँगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या लिंदोशों में रहा सहा था।

टिप्पणी (1) : जो उम्मीववार एोसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तृति होत बतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हों आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में बतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, सेमालय, जम्मू तथा करमीर राज्य का लद्वाल प्रभाग) न्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हों अति-रिक्त समय का लाग न मिले।

दिष्णकी (2) अ जन्मीदनारों को ललाह दो जाती हैं कि अपने बाबदेन-पत्र को स्वयं सं. लो से. का . वें काजन्टर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टब बाक ब्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्म-चारी को दिए गए आयदेन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

# प्रलेख जो अत्येदन के साथ क्षेत्रे जाएं :

#### (क) सभी उम्मीदवारा द्वारा :

(1) रा. 28.00 (अट्ठाइँस रापए) [अनुसूचित जातियों/
जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रा. 7.00
(सात रापए) का जानक को अधिक, संज लोक सेवा
आयोग को नहाँ दिल्ली, प्रधान डाक नर पर दोय
रोखांकित भारतीय पोस्टल बार्ड के रूप में हों या
सचित्र, संघ लोक भेटा आयोग के नाम भारतीय स्टेट
बँक, महुष काला, नहाँ दिल्ली पर दोय भारतीय
स्टेट बँक की किमी भी शाला से जारी किए गए
रोखांकित बँक जापट के रूप में हो।

टिप्पणी : अम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र अस्सूत करते समय वैंक क्राफ्ट की पिछली ओर सिरो पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डोरों के मामले में :उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्भारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विवश में रहते वाले उस्तीवसारों को नाष्ट्रिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्चायक या राजवान या विवशि प्रतिनिधि के कार्यालयों में निर्धारित शहक इस एकएर जमा करें जिससे यह "051 लोक लोका कार्याका" पर्यक्षा भारक के बात में अभा हों जाएगा और उसकी रसींद कार्यवन-प्रकृषी साथ होंक हैं। आये का प्रमाण पत्रः — आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार भूरतः हे जा मीट्रिक जेशन या माध्य-छोड्ने क् प्रमाण-पत्र मिक विद्यालय किसी भारताय विश्वविद्यालय द्वारा मेद्रिकालंड क्षन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय ध्वारा अन्तरिक्षत मीट्रकालटों के रिख-स्टर म बम् की गर्द हो और बहु उबुधरण दिक्वन विद्यालय के सम्भित प्राधिकार्ती दुवारा प्रमाणित हों। उम्मीबबारों की पूर्वांक्स में द्रिक लंशन या समक्स प्रमाण-पत्र की दा अनुप्रमाणित/प्रभाभित अवस्य प्रस्तृत करनी आहिए।, किन्तृ जिस उम्मीद-बार ने हायर संकण्डरी पराक्षा था कोई समक्क पर्रोक्षा उत्तीर्ण कड़ ही है वह शमड़ संक्लेड्सी पर्रोक्षा प्रमाण पत्र या समक्का समाण तर की प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिया प्रस्तुत कड सक्ता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य इस्ताओं और अन्यक्तुन्वसी । शपथपत्रु नगर निगम के संगा अभिनेष संभापत अन्य सम्बन्धी स्कुषद्रम्य तथा अन्य पुरेस ही प्रमाण स्थीकाद नहीं कियु आपुणि।

मनुष्या के इस भाग में बाप हुए ''मेंद्रिकुन्यान/उच्चतर साध्यां तक पडीका प्रमाण पर्' बाक्यांक अन्तर्गत उपयुक्त वैक्रास्पक प्रमाण पत्र साम्मालित हों।

कभी-कभी भेट्रिक लंशन/उष्णतर माध्यमिक पद्धोंका प्रमाण पत्र में जन्म की ताड़ीक नहीं होती या आयु के केनल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही विष् हात हैं। एसे मामलों में उम्मीदनारों को मेट्रिक लंशन/उष्णतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनुप्रमा-णत/प्रमाणित प्रतिलिपि के नितिरक्त उस संस्थान के हैंड मास्टर/प्रिंसिपट से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि अंगनी खाहिए यहां से उसने मेंट्रिक लंशन/ उष्णतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था क सांबल रिजस्टड में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीक या वास्तिनिक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदनारों की अंतावनी दी जाती है कि यदि आवंदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निधारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं क्षेत्रा गया सो आवंदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी(1), :-- जिस उम्मीदवाद को पास पृक्षाई पूर्व करने के बाव प्राप्त माध्यमिक विश्वालय प्रमाण-पत्र हो,, उसं केवल आयू से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनू-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी जाहिए।

टिप्पणी(2) - उम्मीदिवार यह ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदिवार की जन्म की उसी तारींच को स्वीकार करोगा को कि आवेदन-पत्र प्रस्तृत करने की तारींच को मैट्रि- कुलंशन/उफ्धतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज हैं और इसके बाद उसम परिवर्तन को किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उस स्वीकार किया जाएगा।

टिप्प्णी (3) -- उम्मीदवार यह भी नोट कर ले कि उनके ब्बारा किसी परीक्षा में प्रवंश के लिए जन्म भी तारीक एक बार भोषित कर दोने और आयोग दुवारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं वी जाएगी।

(iii) श्रीक्षिक योगता के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य के प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास परा 3(क) मे विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार अजित कर लेने की सम्भावना है कि परा 3(ग) मे विहित तारोख तक इसको उत्तीण करने का प्रमाण दिया जा सके। जी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए, वह नहीं हो जो योग्यता विशेष को बेने वाले प्राधिकरण (अर्थात्) विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकास द्वारा जारी किया गया हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह बतानी चाहिए और एसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए औ एसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए औ वह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। वायाग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करोगा पर इसे प्रयोग्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

वाय सेना अकादमी के वास्ते प्रतियोगिता में बैठ रहे उम्मीद-वार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यता के समर्थन में प्रस्त्त डिग्री या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में यदि परीक्षा विषयों का उल्लेख न हो तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति के साथ-साथ प्रधानाचार्य/विभाग के प्रधान के प्रमाण पत्र की अन्प्रमाणित/प्रभाणित प्रति अवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें दर्शाया गया हो कि उसने भौतिकी और/या गणित परीक्षा विषय के रूप में लेकर अहांक परीक्षा उत्तीर्ण की है। किन्त यदि उम्मीदवार ने अपनी डिग्री या समकक्ष परीक्षा भौतिकी और/या गणित के अलावा अन्य विषयों के साथ उत्तीर्ण को है तो उस डिग्री या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साथ-साथ विश्वविद्यालय/बोर्ड की हायर सीकेन्डरी परीक्षा पैटर्न) या स्कृली शिक्षा 10 $\pm$ 2 पैटर्न के अंतर्गत 11वें/12वें स्तर की परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। एसे मामले में य**ि हायर सँकेन्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) /स्क**ृली शिक्षा के 10+2 पैटर्न के अंतर्गत 11वें/12वें स्तर की परीका उत्तीर्ण करने के विद्वविद्यालय /बोर्ड के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमा∹ णिक्ष /प्रमाणित प्रति में परीक्षा विषयों का उल्लेख न हो तो संबद्ध हौडमास्टर/प्रिंसिपल के प्रमाण-पत्र की अन्प्रमाणित/प्रमा-णिर्त प्रति अवध्य प्रस्तुत की जाए जिसमें यह दर्शाया गया हो कि उम्मीदवार ने उक्त परीक्षा गणित और भौतिकी परीक्षा विषय को रूप में लेकर उत्तीर्ण की है।

- (4) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिन वत् भरा हुआ।
- (5) अम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लग-भग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के कोटो की एक औरी को प्रतियां जिनके उत्परी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिया अंकित हों।

फोटों की एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पूछ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में दिए गए निधारित स्थान पुर चिष्का दोनी चाहिए।

- (6) लगभग 11.5 सें. मी. × 27.5 सें. मी. बाकार के बिना टिकट लगे 3 लिफाफे, ज़िस पर अर्थिका पता लिखा हो।
- (स) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीद-वारों द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के होने के दावे के समर्थन में यहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों उस जिले के सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) से परिशिष्ट 4 में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमा-णित प्रतिलिप।
  - (ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा
    - (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संघ या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निधारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावृतित व्यक्त होने के दावें के समर्थन में निम्नलिश्वित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि ।

- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति ह
  - (i) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों के शिविर कमांडेट।

#### मध्या

(2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेंट जहां पर वह फिल-हाल रह रहा हो।

#### अथवा

(3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वोंस का प्रभारी खित-रिक्त जिला मजिस्ट्रेंट।

#### संधवा

(4) सब-डिवीजनल बफसर अपनी अधीनस्थ सब-डिवीजन की सीमा तक।

#### मधवा

- (5) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निव शक (पुनर्वसन):, कलकता।
- (स) श्रीलंका संप्रत्यावर्तितः :---श्रीलंका में भारत का उच्चायक्त।
- (ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :---

भारतीय राजदूतावास रंगून, या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मुजिस्ट्रेट।

- (भ) तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति व
  - (1) विभिन्न राज्यों के ट्रांजिट केन्द्रों तथा राहत शिविरों के कीम्प कमांडेट।

#### अथवा

(2) उस इलाक का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह, फिलहास रहता हो।

#### मधना

(3) अपने जिले के शरणाथीं पुनर्वास के प्रभारी अति-रिक्स जिला मजिस्ट्रेट।

#### अथवा

(4) अपने प्रभार में सब-डिबीजन के अंदर सब-डिबीजनल अधिकारी।

#### अधदा

- (5) सन्पार्थी पुनर्वास उपायुक्त।
- (भ) भा. संना अकादमी और वायु संना अकादमी और ना सेना अकादमी कोर्स में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लंने वाले एन. सी. सी. (सी.) प्रभाण-पत्र। (सेना स्कन्ध/(वायु सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग/(ना सेना स्कन्ध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा !:

यह दिसाने के लिये कि उनके पास एन. सी. सी. 'सीं' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना/नो सेना स्कन्ध का विरिष्ठ प्रभाग है अथवा वह एन. सी. सी. 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध/नो सेना स्कन्ध का विरिष्ठ प्रभाग परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अनुमानित/प्रमाणित प्रसिलिय।

टिप्पणी — उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ भेजे गए सभी प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां पर हस्साक्षर करके तारीं सिखनी हैं।

- 9. शुल्क की वापसी '— आवेदन के साथ आयोग को जदा-किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न बह किसी दूसरी परोक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :—
  - (1) जिसं उम्मीदवार ने निर्धारित बुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया उसकी रु. 15.00 (पन्द्रह रुपए) अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के मामलों में रु. 4.00 (बार रुपए)] वापस कर दिया जाएगा परन्तु यदि कोई आयेवन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुसीण हुआ है या डिग्री परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण निर्धारित सारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
  - (2) जो उम्मीदिवार अक्तूबर, 1984 या मह, 1985 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उनमें से किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए असका नाम अनुशासित हुआ हो तो उसके मामले में रु. 28.00 (अट्ठाइ स रुपए), [अनुसूचित जातियों /अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु. 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है, कि अक्तूबर, 1985 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदिवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदिवार का अनुरोध आयोग के कार्यान्तय में 1 अप्रैल, 1986 को या उससे पहले पहुंच जाए।
- 10. आवेदन-पत्र की पावती :— आयोग के कार्यालय में देर से प्राप्त प्रावेदन-पत्रों सहित प्रत्येक आवेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आवेदन-पत्र की रिजस्ट्रेशन सं जारी कर दी जाती है। यिद

किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवर्त-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अंदर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती होतू संपर्क करना भाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीववार को आवेदन-पत्र की रिजस्ट्रोचन संख्या जारी कर दी गई ही अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवयन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण ही और आयाग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. आवंदन का परिणाम :---अगर किसी उम्मीदवार कां अपने आवंदन के परिणाम का सूचना परीक्षा शुरू हान की तारीख से एक महीन पहले तक आयाग से प्राप्त न हुई ता उसे परिणाम की जानकारों के लिए आयोग से तत्काल संपक्ष करना चाहिए। अगर इस आत का पालन नहीं हुआ ता उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वैचित हो जाएगा।
- 12 परीक्षा में प्रवेश :-- किसी उम्मीववार की पात्रता या अपात्रता के सबध में सथ लोक संया आयाश का निर्णय अतिम हागा। आयाग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीववार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 13. कदाचार के बांधी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्यवाहूं उम्मीदवारों का खेलावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण नद और न ही किसी महत्वपूण सूचना का छिपाए। उम्मीदवारों को यह भी खेलावनी दी जाती है कि उनके ख्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह की सशाधन या परिवर्तन या काई फेर-बदल न करों और न हो फर-बदल किए गए गढ़े हुए प्रलख को प्रस्तुत करो। अगर इस प्रकार के दो या इससे अधिक प्रलखों में या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियाँ में काई अशुद्ध या असगित हो तो इस असगित के बारा में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

भो उम्मीक्ष्यार आयोग क्ष्यारा निम्नांकित कदाचार को दोधी शोषित होता है या हो चुका है :---

- (1) किसी प्रकार सं अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करनाः या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसर की प्रस्तुत करना; या
- (4) जाली प्रलंख या फोरं-बदल किए गए प्रलंख अस्तुत करना; या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य दोना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुधित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित सरीके अपनाए हों; या
- (8) उत्तर पृस्तिका (ओ) पर असंगत बातें लिखी हों ओ . अवलील भाषा या अभद्र आश्रय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का बुर्व्यवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्म-चारियों को परोक्षान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या

- (11) उम्मीदवारों को परिक्षा दोने की अनुमति दोती हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदोश का उस्लोधन किया हों; या
- (12) उत्पर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की और प्रवृत्त हाना या एैसा करने के लिए किसी का उत्तीजत करना।

वह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार धनाने के अति-रिक्त:----

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए नायांग द्वारा नयोग्य ठहराया जा सकता है; अथवा
- (स) (1) भायोग व्वारा उनकी किसी भी परीक्षा का स्थन के लिए।
  - (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके सधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अविध कें लिए।

## अपर्वाजित किया जा सकता है, और

- (ग) अगर यह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक काराँबाइ" का पात्र हांगा। किन्तु धर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोइं शास्ति तक तक नहीं वो जाएगी अब तक :---
  - (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्या-धंदन, जो वह दोना चाही, प्रस्तृत करने का अवसर दिया गया हो; और
  - (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तृत अभ्यावदेन यदि कोई हो, पर विचार न कर लिया गया हो।
- 14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरणः—संवा धयन बांड के साक्षारकार में अहांता प्राप्त करने वाल उम्मीदवारों में से, आहां. एम.ए./एस.एस.सी. (एन.टी.) प्रथम विकल्प वाल उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/भतीं 6 (एस.पी.) (हीं), नहीं दिल्ली-110022 को तथा नी सेना के प्रथम विकल्प बाले उम्मीदवारों के मामले में नी सेना मुख्यालय/आर. एण्ड आर.ा सेना भवन, नहीं दिल्ली-110011 को या वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पी.ा ओ.-3, वायु सेना भवना, नहीं दिल्ली-110011 को अपनी विकल्प वायु सेना भवना, नहीं दिल्ली-110011 को अपनी विकल्प वायु सेना भवना, नहीं दिल्ली-110011 को अपनी विकल्प वायु सेना कि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्रों को सामलों में 30 सितम्बर, 1986 एस. एस. सी. (एम. टी.) के मामलों में 30 सितम्बर, 1986 प्रसन्त करने हाँगे। उक्त प्रमाण-पत्रों को सत्य अनुप्रमाणित प्रतिलिपियों या फोटो-स्टेट प्रतियां किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं को आयोगी।
- 15. ''आवेदन को सम्बन्ध में पत्र व्यवहार'':—आवेदन को सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउत्तस, नई दिल्ली-110011 को पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नोकित विवरण अवदय होना चाहिए।
  - (1) परीक्षा का नाम।
  - (2) परीका का वर्ष और महीना।

- (3) आगदन-पत्र की रिजस्दोशन संक्या/रोल नम्बर, या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर नहीं मिला हैं)।
- (4) उमीववारों का नाम (पूरा और साफ लिखा हुना)।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता जैसा आवेषन पत्र में विया है।
- िवशेष भ्यान—(1) जिन पत्रों को साथ उत्पर का क्याँरा नहीं होगा, हो सकता है, उस पड़ कोई कार-वार्डन हो।
  - (2) यदि किसी परीक्षा की समाण्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र/पृत्तिदि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम बार बन्-कमांक नहीं दिया गया है तो उस पर भ्यान नहीं दिया आएगा। और उस पर कोई कार्यवाई नहीं की आएगी।
- 16. पते में परिवर्तनः उम्मीववाद को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेषन पत्र में विष् पते पर भेचे चाने वाले पत्र आविष्य होने पर उनके नए पते पद्र भिणवा विष् आयों। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे उत्पर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीज सृष्यित कर देना नाहिए।

सेवा चयन बोर्ड साक्षातकार के लिए आयोग व्वारा अनुशंसित उम्मीक्वारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल दिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम धोषित हो जाते ही अपना नाम, पता तत्काल सेना मृख्यालय, ए. जी. बांच, रिक्ट्रिंग 6 (एस.पी.) (इं.) (11) वेस्ट ब्लाक 3, थिंग 1 रामाकृष्णापुरम, नह दिल्ली-110022 और वायु सेना मृख्यालय (पी. ओ.-3), नह दिल्ली-110011 को स्चित कर देना थाहिए। जो उम्मीक्यार इन बादेशों का पालन नहीं करोग यह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दाने से विचार हा जाएगा।

यश्चिप प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पुरा-पुरा भ्यान वेते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने उत्पर कोई जिम्मेवारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षास्कार के सम्बन्ध में पृष्ठसाछ:— जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षास्कार के लिए अनुशंसित है उनको चपने साक्षास्कार के सम्बन्ध में सभी पृष्ठ-ताछ बीर अनुशंध सीध सेना मृक्यालय, ए. जी. बांच, रिफ्ट्रिंग ६ (एस. पी.) (इं.) (11) बेस्ट क्लांक 3, विंग 1, रामाकृष्णाप्रम, नहाँ दिल्ली-110022 बीर बाय सेना उम्मीदवारों के लिए वाय सेना मृक्यालय (पी. जो.) वाय सेना भवन, नहाँ दिल्ली-110011 के पते पर सिचने चाहिए।

उम्मीववारों को साकारकार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्र बुवारा सृचिक की गई तारींच को सेवा ख़्यम बोडें को समझ साझात्कार होतू रिपोटें करनी हैं। साकात्कार को स्थागित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर क्रेयल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक मृविधा को ध्यान में रखकर ही विखार किया जाएगा जिसको लिए निर्धा-धक श्रीध्वरण भेना मृथ्यालय/वाय् सेना मृथ्यालय होगा। विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षा-रकार हत्तृ बुलाए गुए अम्मीदवार भपने साथ निम्नलिकित बृस्तुए भाषांगी:—

- (क) सफ्दे कमीज में पासपोर्ट आकार फोटो की 6 प्रतिया।
- (ख) बिस्तर और कम्बल (मौसम के अनुसार)।
- (ग) सफेर कमीओं भीर हाफ पेन्टों से दो बोड़ें।
- (ष) एक जोड़ी पी. टी. के सफेद जूदी और दो जोड़े सफेंद शक्ता
- (क) गींटर्स सारि कामीको और वर्ग कांद्री ।)
- (भ) फाउन्टोन पेन, स्याही और पेटिसल।
- (छ) बुट पालिक और स्फेट ब्लॅकों।
- (ज) एक मण्डरदानी।

विषये ज्यान :— सिंद किसी उम्मीवबार को भारतीय सैन्य अकावमी होतू, अत्रैल, 1986 के पहले सप्ताह सक और अधिकारी प्रशिक्षणधाला होतू जूलाई, 1986 के चौथे सप्ताह तक सेवा ज्यान योड के साकारकार के लिए साकारकार पत्र प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना मुख्यालय/भर्त 6 (एस. पी.) (ई.), वेस्ट ब्लाक 3, रामाकृष्णापुरम, नई विख्ली-110066 को साकारकार पत्र न मिलन के बारों में लिखना चाहिए।

18 जिल्लिक परिका के परिचाम की बोबचा, योग्यता प्राप्त उम्मीववारों का साकारकार, अन्तिम परिचाम की धोबचा बार बन्तिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीववारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश :---

संभ लोक सेवा आयोग अपनी विवका से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित व्यनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करोगा। वे उम्मीदवार उनसे भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अहाँक प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाचिर होंगे।

जो उम्मीदवार आह. एम. ए. (डी. हाँ.) कोर्स और/या नौ सोना (एस. हाँ.) कोर्स और/या वायु सेना बकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में बहुता प्राप्त करते हाँ, बाहु वे एस. एस. सी. (एन.टी.) कोर्स के लिए अहाता प्राप्त करते हाँ या नहीं उनको मार्च/अप्रैल, 1986 में सेव। चयन बोर्ड के प्रीक्षण के लिए भेजा आएशा और जो उम्मीदवार केवल एस. एस. सी. (एल. टी.) कोर्स के लिए बहुता प्राप्त करते हाँ, उनको जून/जूलाहाँ, 1986 में सेवा चयन बोर्ड के प्रीक्षणों के लिए भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा षयन बोर्ड के सामने हाजिर हाकर अपनी ही जोखिम पर बड़ा परीक्षणों में शासिल होंगे, और सेवा बार्ड में उनका जो परोक्षण हाता है, उनके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई पोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की बौर से कोई कोतिए ति था सहायसा पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहें वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या वृसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस काक्ष्य के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति होते उम्मीदवारों को (१) लिखिल परीक्षा तथा (१।) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम बहु के बंक प्राप्त करने होंगे जोकि वायोग इसरा निर्णय के बनुसार निष्यत किए आएंगे। लिखिल परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम बहु के बंक प्राप्त करने होंगे जोकि वायोग इसरा निर्णय के बनुसार निष्यत किए आएंगे। लिखिल परीक्षणों में प्राप्त कुल लंकों के बाधार पर उम्मीदवारों को योग्यता कम में रखा जाएगा। वलग-कलग उन्मीदवारों को परीक्षण कम में रखा जाएगा। वलग-कलग उन्मीदवारों को परीक्षण के बायोग कपने बाप प्रमार सुचित किए जाये इस बात का निर्णय बायोग कपने बाप

करोगा श्रीर वरिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवन

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अकादमी, त्रायु सेना अकादमी या छित्रकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम जयन शारीरिक क्षमता और अन्य यभी वालों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को इष्टि में रखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा।

टिप्पणी:—वायू सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मीववार की पायलट सम्बन्धी अभिराचि का परीक्षण केंग्ल एक बार किया जाता है। अतः पहले परीक्षण में उसने जो ग्रेंड प्राप्त किया है उसकी वायू सेना अयन बीट में लिए जाने वाले जह के पत्र में साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो नश्यीवनार पायलट मंबंधी जभिराचि के पहले परीक्षण में फैल ही जाता है वह भारतीय वायू सेना की (एफ.पी.) शाखा नौसेना विमानन होतू प्रवेश के लिए आवेटन नहीं कर सकता।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अर्थताएं:——जो उम्मीद-बार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय मेना अकादमी, वायु सेना उक्कयन महा विद्यालय, नो सेना अकादमी कोषीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला मदास में पहले प्रवंश पा जुई है पर अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए हुँ उनको भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना, अकादमी, यायु अना अकादमी या थल सेना अकादमी में अल्पकालीन सेना कमीशन में प्रवेश डोने को बात पर विचार नहीं किया आएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित सक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकाउमी में वापस किया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रकेण नहीं दिया आएगा।

जिन उम्मीदनारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल की होहस के रूप में पहले चून लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारों में अपे-क्षित लक्षणों के अभाव के कारण शास्त्रीय रका अकादमी या नौसेना पतिष्ठानों से अपस लिया गया हो वे भारतीय से मेना में प्रवेश के पात नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अविक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रिशिक्षण-शाला, एन.सीं.सी. तथा स्नातक कोर्स से वापस लिया गया हों उनके बारों में थल सेना में अल्पकालिक रोवा कमीशन दोने कीं बात पर विचार नहीं किया आएगा।

जिन जम्मीदवारों को एक अधिकारों मों अपोक्षित लक्षणों के अभाव की कारण एन सी.सी. तथा स्नातक कोई से पहले बापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया आएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या ता सेना अकादमी या वाय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विलाह पर प्रतिबन्ध:—भारतीय सेना अकादमी और नी सेना अकादमी या याय सेना अकादमी और नी सेना अकादमी या याय सेना अकादमी और को इस बात का बचन होना है कि अब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे बादी नहीं करीं। जो उम्मीदनार अपने आवेदन की तारील के बाद भावीं कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए चना नहीं आएए। चाही वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भने ही सफल हो। जो उम्मीदयार प्रशिक्षण काल में आवीं एक अगा उभे वापस भेजा

शाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा कर्चा कह सब उसस ससूल किया जाएगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन.टी.) के पाठ्यकम का कोई उम्मीदवार ∵

- (क) जिसने किसी एसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो, जिसकी पहले से कोई जीवित पति/पत्नी है या था।
- (क) जिसने पहले से जीवित पति /पत्नी होते हुए भी जिसी व्यक्ति से शावी की हो या शावी के लिए संविदा कर ली हो।

किश्वकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कर्मीश्रा की प्राप्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यवि कैन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तृष्ट हो कि इस तरह की शादी एसे व्यक्तियों के लिए और शादी की दासरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तियत कान्न के अनुसार अनुमादिनीय है और एसा करने के अन्या ठांस कारण है तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में छुट दें सकती हैं।

21. भारतीय सेना अकावमी या नौ सेना अकावमी या वाय् सेना अकावमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकावमी, नौ सेना अकावमी या वाय् सेना अकावमी, में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकावमी या नौ सेने अकावमी या वाय् सेना अकावमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप में उनका चयन हो जाने के बाव उनको और किसी भी साकारकार या परीक्षा में उपस्थित होने की अन्मित नहीं ती अग्रागी।

जो उम्मीदवार भारतीय सैन्य अकादमी /नी सेना अकादमी /नाथ् सेना अकादमी से त्याग पत्र दोते हैं उन्हें उनकी योग्यना के आधार पर अधिकारी प्रशिक्षणशाला में लेने होत दिखार किया जा सकता है बशतें कि उस कोर्स विशेष में स्थान खाली हो।

22. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेना आयोग की यस्तुपरक परीक्षाओं होत् उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य प्रितका छापी हो। इसका डिजाइन ऐमा हो जिससे सं. लो.से.आ. की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों का सहायता मिल सके। यह प्रितका प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, केहली-110054 के पास बिकी के लिए स्लभ हो और इसे उनसे सीधे मेल आर्डर दुराग पा नक दभ्गतान पर प्राप्त किया जा सकता ही। इन्हों केवल नकत भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सायरे एम्पोरिया बिल्बिंग, "सी" लाक. वाबा बड़ग सिंग मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) उच्चोप भवन, नई दिल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का विकरी काउन्टर और (3) गवर्नमेंट आफ इंडिया बक डिपो, 8-के. एस. राय रोड, कलकता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुकल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एकोंटों से भी उपलब्ध हैं।

एग कालाकुरणन, उप गक्कि

#### परिशिष्ट—।

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य विवरण)

#### क. परीक्षाकी योजना

- 1. प्रतियाँगिसा परीक्षा में निम्नालिकित सम्मिलित होगा:-
  - (क) नीचे के पैरा 2 में निर्विष्ट रीति से लिखिल परीक्षा,

- (क्ष) उन उम्मीदनारों का बृद्धि और व्यक्तिगत परिक्षण (इस पीरिशष्ट के भाग क के अनुसार) के लिए साक्षा-त्कार जिन्हें किसी भी एक सर्थिसंज सलेक्शन सेन्टर में माक्षात्कार के लिए बुलाया जाए।
- 2. लिखित परीका के निषय, जनके लिए विया जाने बाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियन अधिकतम झेंक निम्न-लिखित होंगे—

(क) भारतीय सेना सकावसी में प्रवेश के लिए

विषय अ	<b>श</b> क्षां ह	स्रविकतम संब	
१. धरेबी	2 घन्टे	100	
2. सुप्तारेग स्राप्त	2 घन्टे	100	
g. छापक्रिकक र <sup>ुक्</sup> राण	2 घन्टे	100	
( <b>क) गी</b> क्षेत्रा सकावती में प्रवेश	ग के लिए	,	
<b>विव</b> य	निश्य समझ	श्वतिकातम संक	
≱तिवार्थ ।			
् करेंदी	६ वर्षे	100	
■ 2. अरमान्य अरक	इ. <b>श</b> च्चे	100	
किम्पक			
₹3, ध्रारुविक्रम गणित या			
ब्रारम्बक भौतिकी .	2 थण्डे	100	
<ul> <li>4. गणित या भौतिकी .</li> </ul>	2 प्रको	150	

\*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक पणित लोगें उन्ह<sup>र</sup> जीथे प्रध्न पत्र में भौतिका विषय लोग होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लोगें उन्ह<sup>र्ग</sup> चौथे प्रदन-पत्र में गणित विषा लोग होगा।

(ग) प्रतिकारी प्रशिक्षणणाला में प्रवेश में लिए

ाय			<b>प्र</b> वि	ĭ	द्धविकतम अंक्
		<del> </del>	2	बण्टे	100
सामान्य शान			2	<b>च</b> ण्डे	100
	<b>मंग्रेजीः</b>	भंग्रेजीः .	द्यंग्रेजी:	मंग्रेजीः 2	ग्रंग्रेजी: 2 वण्टे

िषय	प्रविष्ट	अ विकतम अंक
। संग्रेजी	 2 बच्हे	100
2 सामान्य कात .	३ बन्हें	100
3. प्रारम्भिक पणित	2 वयव	100

लिकित परीक्षा और साकात्कार की लिए को विधिकतम बंक हैमयल किए गए हैं, वे प्रत्येक त्रिवय के लिए समान होंगे वर्धात् शरतीय सेना बकादमी, नौसेना अकादमी, अफसर ट्रॉनिंग स्कूल, और काय सेना अकादमी में भती के लिए लिकित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए नियत अधिकतम अंक क्रमशं 300, 450 और 200 और 300 होंगे।

- 3. समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केशल वस्तपरक प्रश्न पृक्त आयोंगे। नमने के प्रश्नों महित विस्तृत विवरण कृपया गरिशिक्ट 5 पर समीदकारों को सचनार्थ विवरणिका में बोलिए।
- 4. प्रवन पत्रों में जहां भी कावष्यक होगा केवल तील और याप की मीटरी पद्धित से सम्बन्धित प्रवनों को ही पृष्ठा जायेगा।

- 5. उम्मीदवारों का प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सूलभ नहीं की जाएगी।
- 6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के बहुक अंकों का निर्धा-रण आयोग की विश्वका पर है।
- 7. उम्मीदवारों की वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (प्रश्न पुस्तिकाओं) जिस्स दोने को लिए कौनक लेटर का प्रयोग केरने की अनुमति नहीं ही। अतः वे उसे परीक्षा भवन में न लायें।

#### छ. परीक्षा का स्तर् और पाठ्य विवर्ग

#### स्तर %

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मेंद्रिका लेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्रों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी. विषय में प्रायोगिकी परीक्षा नहीं होगी।

# पाठ्य विवरण

# अंग्रेजी (कोड सं. 01)

प्रथम पत्र इस प्रकार होगा कि जिससे उस्मीववार की संग्रेजी कौर संग्रेजी के सक्यों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

# सामान्य ज्ञान (क्रोड सं. 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घंटनाओं और दिन प्रतिविन देखे और अनुभन किए जाने वाले इसी तरह के मामले के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी जिसकी किसी एसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती हैं, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का जिज्ञों अध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित एसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीद-वारों को उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना दोना जाहिए।

#### प्रारम्भिक गणित (क्येष्ट सं. 03)

#### लॉक गणित

संख्या पद्धतियां :— धनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तिवक संक्रियायों, मल संक्रियायों — ओक घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ष मूल-दशमलक भिन्न।

एकिक विधि :—समय, तथा धारी, समय तथा कार्य प्रति-शतता, साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज, में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत — विभाजन की कलनः विधि अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2,3,4,5,9 और 11 वृवारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्तत्य और गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लवृत्तम समापवर्तक, युक्तिक की कलन विधि।

बाधार 10 सक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोगः

#### बीज स्थान

व्याधारभ्त संक्रियाओं । साधारण गुणत सब्द 1 शोव फल प्रसैय, बहु पर्यों का बहुत्तम समापवर्तक और लबुत्तम समापवर्तम सिव्धति। दिवध समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणाकों के बीच सम्बन्ध (केबल वास्तिवक भूल पर विचार किया थाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत रेखिक समीकरण-विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो बरों में युगपत रेखिक बसिमिकायों और उनके हल प्रायोगिक प्रदन्न जिनसे दो बरों में दो युगपत, रेखिक समीकरण या बसि-मिकायों बनती है या एक घर में द्विषात, समीकरण तथा उनके हल, समुख्यय भाषा तथा समुख्यय अंकन पष्धति, परिमेय व्याकक तथा प्रतिबन्ध तस्मक पातांक नियम।

#### ■ कोणमिति

#### **ज्योगित**ः

रेखा और करेण, समतल और समतल आकृति : निम्नलिखित पर प्रमेग हैं—(1) किसी बिन्दा पर करेगों के गृण धर्म, (2) समोतर रेखाएं, (3) किसी विश्व की भूजाएं और करेग, (4) त्रिभूज की सर्वगसमता समस्य विभूज, माध्यिकाओं और भीवं लम्बों का संगमन, (7) समान्तर बत्भूंजों, नायात और वर्ग के करेगों भूजानों के विकल्पों के गृण धर्म, (8) ज्ला और उनके गृण धर्म जिसमें, स्पर्क रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (9) स्थानिल संगक।

#### विस्तार कलन 😮

वर्गी, आयतो, समानांतर चतुभू चो, त्रिभु चो और वृत्तों के क्षेत्रफल। उम आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्र वहीं) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन लम्ब वृत्तीय शंक को बौर बेलनों का पादर्व-पृठाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

# सांस्थिकी :

सांस्थिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभूज आयात चित्र पालाका चार्ट, पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रोबाओं के बीच कोण।

# प्रारम्भिक भौतिकी (कोंब र्च. 05)

- (क) विस्तार कलन: मापन के मात्रक, सी. जी. एस. बीर एम. के एस. मात्रक। आदेश और मंदिश। बल और वेल का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरखीय गति। न्यूटन का शित नियम। बल की संकल्पन बल. के मात्रक। मात्रा और भार।
- (का) पिण्ड का बल बिजान : -- ग्रास्य को अधीन/समानान्त-रण बल। वुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनंत समतल/पेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मशीनेंं/ घर्षण, घर्षणकोण, घर्षण, गुणांक कार्य शनित और उन्न्जी/ स्थितिज और गतिज उन्नी।
- (ग) तरल गुणधर्म:—-दाब और प्रणोद/पास्कल का नियम। अनिक्रिमडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिंडों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिए आर्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग/प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोगि में लागे गये दाव का भागनः शोली नियम/वाय पम्प।

- (ग) नाप ः—-पिंडरे का रॉकिक शिक्तार और दृष्यों का धना-कार विस्तार। दृष्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। दृष्याल्स नियम परम शृन्य वायल और चार्ल्स नियम, पिंडों और दृष्यों का विधिष्ट साप, कलोरोमित/साप का संचरण, धातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संजयन और बाष्यन की गृप्त उष्मा। एस.पी.की.की. नमी (आर्क्षत औसांक आपेक्षित आर्क्षता)।
- (क) प्रकाश: -- ऋष्ररोत्तीय संबरणः परिवर्तन के नियम गोलीय वर्णण, अपवर्तन के नियम, लैस्स, प्रकाशित यंत्र कैमरा प्रक्रोंपित, पारापार चित्रवशी ब्रुप्तीन, सुक्ष्मवशी, बाइनीक्यूलर तथा परिदर्शी। जिल्ला, प्रकीण के माध्यम से अपवर्तन।
- (छ) मुस्मकाह तथा विद्युत १ पृथ्यकात के नियम, पृथ्यकाम कीम क्षेत्र, क्ष्यकाम कर रोकार्ये. पार्थिक क्ष्यकातकः वालक कीप रोधी। कोमनियम, पी.की. प्रतिरोधकः विद्युत क्ष्यकाप अल, होती पाएक में धितरोधकः। विश्वमापी विद्युत क्ष्यकाप अल की तृजना। विद्युत धारा का ब्रम्थकीय प्रधान, क्ष्यकाय को से संवाहकारः। फलिमा का बाम हस्तिगमः। प्रापकायन-धारामापी एथीटर, धारूर/बीटर, बाटमीटर, किस्त भारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत लगन, किस्तुत क्ष्यकाय प्रेरण फरावे नियम, विद्युत स्था की. सी. क्षा का समन्तः।

# भौतिकी (कोंच सं. 06)

# 1 पवार्थ के सामान्य मुण और योजिकीं 🛦

यूनिट और विभागें, स्केलर और बेक्टर, मात्रायें, जहरूब, आदर्ण, कार्य उन्जों और संबंग। यात्रिकी के मूल नियम, जूणों गिति, गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गिति, सरल और असरल लोलक; प्रत्यास्थता प्रष्ठ तनाव, इब की स्यानता, रोटरी प्रस्थ।

#### 2. ध्वनि 🕸

अवसंदित, प्रणोदित और मृक्त कम्पन, तरंग-गति, बाप्तर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर वाब, तापमान और/वार्क्ता का प्रभाव, होरियों, किल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अननाद विस्पंद, स्थिर तरंगे। ध्वनि का आवृति बेग तथा तीवृता। पराश्रव्य के मृल तस्व। ग्रामोफोन, टाकीण और लाउक स्पीकरों के प्रारम्भिक सिव्धात।

# ३ - उज्ब्या **और गतिविज्ञा**न 🔅

त्रापमान और उसका भाषन; ताषीय प्रसार, गैसी में समताषी तथा रज्वाच्य परिवर्तन। विशिष्ट उज्वास और उज्वास परिवर्तन। विशिष्ट उज्वास और उज्वास परिवर्तन। विशिष्ट उज्वास और उज्वास परिवर्त नियम का भौतिक बीभ, सांबरवाल का अवस्था समीकरण, जल भाम्पसन प्रभाय, गैसों का व्रवण; उज्वास इन्धन; कार्नेट्प्रेमेय, उज्वासिक विकरण।

#### 4 प्रकार

ज्यामितीय प्रकाशिकाः। प्रकाश का वेग, समत्तल और गौलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परिवर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिक्नों में गौलीय और विशिक्ष दोष और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशित यंत्र। प्रकाश का तरंग सिष्धांत, व्यक्तिकरण।

#### विद्युत और चुम्बकत्व :

विद्युत क्षेत्र के कारण उर्जा, कृष्य के विद्युत करि चृष्यकीय गृण धर्म. हिस्टोरिसस, जुम्बकशीलता और चृम्यकीय प्रवित्तः विद्युत भारा सं उत्पन्न भुम्बकीय क्षेत्र; मूजिंग मंग्नट एण्ड मूभिंग क्याइल गलबेनो मीटर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिब सर्किट एलिमेन्टस के गुण और धर्म और उनका निवारणः लाप विद्युत प्रभाव, विद्युत, चुम्बकीय प्ररेण प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन/ट्रांसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रानिक वाल्व और उनका सरल बन्प्रयोग।

# · 6 : वाभूनिक भौतिक<u>ी</u> 🛭

बार के परमाणु सिव्धात के तस्य, इलेक्ट्रांस गैसाँ व्वारा विश्वृत का विसंजन, कथांडर्। राडियां एक्टियता, कृत्रिय राडियां एक्टि-कता बाइसोरीप विश्वंडन और संलयन की प्रारम्भिक भारणाः

# गणित (कोड सं. 04)

# 🗔 बीज गणित 🛭

स्मुज्ययों का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रति-लोभ, युक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमयस्चकांक के लिए व-मीयवर का प्रेमय और उसका सरल अनुप्रयोग।

# 2 महिसंस व

मीट्रिसेस की बीजिक्या, सारिषक सारिणकों के सरल गुण, सारिणकों के गुणनफल, सहसण्डजनाच्यूह; मीट्रिसेसों का प्रति-सोभन, मीट्रिक्स की जाति। रोसिक समीकरण के हल निकालने के लिए मीट्रिसेसा का अनुप्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में)।

#### 3. विश्लेषिक ज्यामिती

दिनियम की विश्लेषिक ज्यामिति, सरल रेखायें, सरल रेखाओं की ओड़ी, यृत्त निकाय, परिक्लय दीर्घवृत्त अतिपरिक्लय (मृख्य अंशों के सन्वर्भ में) दिवतीय बंश समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्शरेखायें और अभिलम्ब।

# त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामितिः

समतल, सीधी रेखाएं और गालक (केवल कांतींय निद्योगांक)।

#### 4. कलन (क लक ुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमांत की संकल्पना, बास्तिवक पर फलन का सातत्व और अवकलियता, धानक 'प्रतम का अवकलिन, उत्तरांत्तर अवकलियता, धानक 'प्रतम का अवकलिन, उत्तरांत्तर अवकलिन रोल का प्रमेष म्प्रान प्रेमप् मेकलिश कार टालर सिरिक (प्रमाण आवश्यक नहीं ही आहे उनका अवश्यक नहीं ही आहे उनका अवश्यक मही ही आहे उनका अवश्यक मही सिर्मा कार्यक कार्यक कार्यक मार अति परिकलिक फलन। अनिधिति रूप। एकल चर फलन का उच्चिक सीर अवलिक, स्पर्शी कार्यका, अविनय कार्योग निवाधिक जनका (केवल कार्योग निवाधिक) पर्स प्रामितीय अनुप्रयोग। एनकलेप आंधिक अवकलन। समांगी फलनों के संबंधित आयलर-प्रमेय।

समाफलन-गणित : समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन की निश्चित समाकलन की रीमान-परिभाषा। समाकलन गणित % का हल निकालना। नियम्ब, गुणांक को साथ्य द्वितीय और उप्प-बनाकृति का पृथ्ठीय क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन को बारों में सिम्प्समन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कांटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। निगम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्च-तर कोटि के रोकक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्ष्म्य की समस्याओं का सरल बनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपांतरण। साधारण पेन्डलम और समीविषाः 5. यांत्रिक (थक्टर पर्वात का उपयाग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान : समतलीय तथा सगामी बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र। स्थैतिक घर्षण, साम्यचर्षण, और सीमांत अर्थ आवर्षण कोण। स्थावानत समतल पर के कण की साम्यावस्था कल्पित कार्य (को बायामी में)।

गति विज्ञान : शृद्ध और विज्ञान-कण का त्वरण, वंग, बाल जीर विस्थापन, आपंक्षिक वंग। निरन्तर त्वरण को अवस्था में सीधी रखा की गति। न्यूटन गति संबंधी सिद्धान्त। केन्द्र कका। सरल प्रस्वा गति (नियास में) गृरुवावस्था में गति। आर्था कार्य वीर उज्जी र सिक संबंध और उज्जी का सरक्षण। समान वर्तल गति।

6. सांस्थिकी प्राधिकता : प्राधिकतो की शास्त्रीय और सांस्थ-कीय परिभाषा, अवात्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलन, याग एवं गणन प्रमेय, अप्रतिबंध प्राधिकता। यादिन्छक अर (विविक्त और अविरत) धनस्य, फलन, गणितीय प्रत्याशाः

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा. माध्यम । बार असरण वेषम्य सीमांत रूप सरल अनुप्रयोग। व्यासों वितरण परिभाषा-मध्य और प्रतरण योज्यता, उपलब्ध वाकड़ों में व्यासों बटन का समजन। सामान्य वितरण, सरल समान्यात और सरल बनु-प्रयोग, उपलब्ध, बांकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य । वहन का समजन।

्वितरण : यह संबंध दो घरों का रेखिक समाधवण, सीधी रेखा का समंजन, परिवलियक और चल बातांकी, वक्र, सह संबंधित गुंगोंक के गुंग।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, याडिन्छक प्रतिदर्श (सांस्थिकी, प्रतिदर्श बंदन और मानक भूटि) मध्य पर्यों के अंतर की अर्थकता के परीक्षण में प्रसामान्य टी., सी. एच. आई., (CH1, और प्रक. का सरल वितरण।

टिप्पणी : -- उम्मीदवारों को वो विषयों -- सं. 5 यांत्रिकी और सं. 6 सांस्थिको -- में से किसी विषय पर प्रश्नों के उत्तर किसन का विकल्प होगा।

#### मृद्धिम सभा भ्याभिरात्म प्रशीकाण

वध्नीरवारों की वृष्टिमवादी वृद्धिम को बीच बदर्ग की किन्न लोकांत्र तर्न के की रिम्म भी विकास तका लिखिल पृष्टिक पर्देश ली बाएगी। उनकी पूर्व वर्षेश्वर की किए बाएगे, की बूर्य वर्षेश्वर की किए बाएगे, की बूर्य वर्षेश्वर विकास पर संविध्य व्याख्यान वर्षे की लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उद्मीदिवारों की मेचा शक्ति की बांच के लिए हैं। मोटे ती पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बीदिशक गुणों की बांच के लिए हैं अपित इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिल्लास्पी का भी पता चलेगा।

#### परिकाष्ट II

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक

मानक

टिप्पणी ः उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनु-सार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिए जाते हैं।

बहुत से अहीता प्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके मपने हित में सलाह की जानी है कि ने अंतिम अवस्था पर निराधा स बचन के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जान करा लें।

- 1. सेवा षयन बोर्ड ष्वारा अनुशंसित उम्मीदिवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा. करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदिवारों को प्रवेश दिया जाएगा जोिक चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ छोषित कर दिए जाते हुँ। चिकित्सा बोर्ड को कार्यवाही गोपनीय होती हैं। चिकित्सा बोर्ड को कार्यवाही गोपनीय होती हैं। जिसे किमी को नहीं दिसाया जाएगा। किन्त अयोग्य/ अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदिवारों को उनके परिणाम की जानकारी झिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी। तथा उम्मीदिवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुराध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदिवारों के लिए नीचे संक्षिप्त रूप में दिए गए निर्धारित आरिप्तिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक हैं:—
  - (क) उम्मीदवार का शारीिरक सथा मानिसक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए सथा उन्हें एसी बीमारी/अञ्चलता से मृक्त होना चाहिए जिससे उनके के शलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
  - (स) उनमें कमजोर शारीरिक गठन /दैहिक दोष या म्थ्लता नहीं होनी चाहिए।
  - (ग) कद कम भे कम 157.5 में मी. का हां (नीसना के लिए 157 में मी. तथा वायू सेना के लिए 162.5 से मी.)। गोरका और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कामायू के व्यक्तियों को 5 से मी. कम कद म्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें मी. की कमी भी स्वीकार की जा सकती हैं। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं:——

कद भौर बजन के मानक

सर्टीमीटरों में कर	•		किसोग्राम में वजन		
(बिना जुता)		-	18 वर्ष	20 यर्षे	22 वर्ष
152			44	46	47
155	-		46	48	49
157			47	19	50
160			48	50	81
162			50	5.2	53
165			52	ōθ	55
168	•		53	55	. 57
170			5.5	57	58
173	•	•	57	59	60
175	•		59	61	62
178			61	62	63
180	•		63	64	65
183	•		65	67	62
185	•		67	69	70
188	•	•	70	71	72
190	•	•	72	73	74
193			74	76	77
195			77	78	78

उपयुक्त सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 कि. ग्रा. कम-ज्यादा (नी सेना के लिए 6 कि. ग्रा. कम-ज्यादा) अजन सामान्य सीमा के बंदर माना जाएगा; किन्तु भारी हिड्डियों वाले लंबे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों औं मामले में गूणवित्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

- (भ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फीलाब 5 सें. मी. होना चाहिए माप इस तरह फीता लगाकर की आएगी कि इसका निचला किनारा सामने चूचक से लगा रहें और फीते का उत्परी भाग पीछे स्कन्ध फलक (शीस्डर ब्लेट) के निम्न कोण (लोजर एन्गिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।
- (क) शरीर में हिड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के मंबंध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।
- (छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सकी। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें. मी. की दूरी से जोर की कानाफ सी सुन सकी। कर्ण नासिका कण्ठ की पिछली या अब की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (ज) हृदय गा रक्त वाहिकाओं के संबंध में को**र्ड किया**-त्मक या आंगिक रांग नहीं होना चा**हिए। रक्त दाव** सामान्य हो।
- (क्त) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई वीमारी होने पर उम्मीदधार अस्थीकृक कर दिया जाएगा।
- (अ) यदि किसी उम्मीदवार को हाँ निया है और उसकों शब्य चिकित्सा न की गई हो सो वह उम्मीदबार अनुप्रयुक्त होगा। यदि हाँ निया की शब्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जरूम पूरी तरह ठिक हो चुका हो।
- (ट) हाइड्रोसील वेरिकोसील या पाइल्स का रोगं नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मृत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्बी-कृत हो जाएगा।
- (ह) उम्मीदवार को दूर दिल्ट चार्ट में प्रत्येक आंख से एनेक सहित या एनेक बिना (ना सेना तथा वायू सेना के लिए केवल एनेक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 डी तथा हाइ-परमंद्रोपिया 3.5 डी (एस्टिंगमंटिंग्म्) सहित से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोर्ड रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा औपथल मोस्काप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दिल्ट अच्छी होनी चाहिए। वल

हिष्ट का मानक सी. पी. -- 3 होगा। उम्मीदबार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौ सेना हेतु उम्मीदवारों का वृष्टि-स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए:---

दूरदृष्टि . 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9

निकटबृद्धि . , एन-5 प्रत्येक भांख

बणंद्ष्टि . . एन० एच० बी० द्वारा बी० पी०-1

मायोपिया 0.5 टायोप्ट्रेस से अधिक न हो भीर हाइपरमेट्रीपिया प्रकृति भीवा में 1.50 डायोप्ट्रेस से नथा बुरी आंख में ,2.50 डायोप्ट्रेस से प्रधिक न हो:-

### नेत्र-पेशी संतुलन

मेडोक्स रोड़ टैस्ट के साथ होट्रोफोरिया निम्नलिखित से जिल्काल अधिक न हों:—

- (i) 6 मीटर पर एक्सीफोरिया 8 प्रिज्म कायोप्ट्रस ऐसीफोरिया 8 प्रिज्म कायोप्ट्रेस हाक्र्यरफोरिया 1 प्रिज्म कायोप्ट्रस
- (ii) 30 सें० मीटर पर ऐक्सीफोरिया 16 प्रिजम बायोप्ट्रेस्। ऐसीफोरिया ं 06 प्रिजम बायोप्ट्रेस ् हाइपरफोरिया प्रिजम बायोप्ट्रेस
  - (क) उम्मीवभार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए । कम से कम 14 दांत बिन्धु वाले उम्मीवचार स्वीक है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 22 दांत बिन्धु होते हैं उम्मीदवार को श्रीक पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए ।
  - (ण) छाती का एक्सरे परीक्षा में प्रेश पशुका की उपस्थित हैतु ग्रेश मेवदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेक्दण्ड के अध्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की आध्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की आध्य भागों के
- 2. केवल बायु सेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ-साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे ;---
  - (क) बायु सेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है:—

कव . . . 162.5 **सें**० मी०।

होग की सम्बार्द . कम से कम 99 से ० मी ० भीर

मधिक से मधिक 120 सें० मी०।

धरू की लम्बार्थ . . अधिक से अविक 64 सें**० मी०**।

बैंडकर जेंबाई . . कम से कम 81.5 सें० मी० ग्रीर प्रविक से ग्रीधिक 96 सें० मी० ।

- (ख) मेक्ट ज एक्स-रे कटिकिक किया जाएगा । एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित गर्वे प्रतहेंक होंगी :--
  - (i) मेथवण्ड का कणिकागुल्मीय रीग
  - (ii) प्राचाइटिस/स्पीडिसीसिस
  - (iii) मव से अपेकाकृत अधिक कायफीसिस/लखोसिस स्की-लियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्वी-कृति का कारण बनेगा ।
  - (iv) स्पोंबीलोलिसिस पैसिस/स्पोंबीलोलिसिस
  - (v) हनिएटिड म्यूकलियस पलपोसस
  - (vi) कशेवका का सम्पीवन ग्रस्थिमग

- (vii) म्लेसर मेश का रोग
- (viii) प्रवर्शनीय तंत्रिकीय या परिसंतरणीय भ्रमाव के साम भ्रेव प्रमुका ।
- (ix) कोई भन्य भ्रवसामान्यता जिसे कोई विशेषज्ञ ऐसा ठहराए।
- (ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।
- (ष) दृष्टि

दूर की दृष्टि . . 6/6, 6/6 तक

सुधारयोग्य 6/9

पास की दुष्टि . . प्रस्येक आंख की एम० 5

वर्णद्ष्टि . . बी० सी०-1 (एम० प्राई० ए५०)

मेनीफेस्ट हाइपरमेद्रीपिया--2.00 डी० सी० से अधिक न हो । नेब-पेगी सन्युलग

मबीक्स रोड टैस्ट के साथ हट्टीफोरिया निस्तिविक्त से ग्रसिक न हो :---

- (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (ii) 33 में मी ७ पर एक्सोफीरिया 16 प्रिज्म बायोप्ट्रेस एक्सोफीरिया 6 प्रिज्म बायोप्ट्रेस हाईपरफीरिया 1 प्रिज्म बायोप्ट्रेस मायोपिया, बहुछ नहीं एव्टिंगमेंटिज्म 0.75डी सिर्फ

. ब्रिनेती दृष्टि:--भण्डी ब्रिनेती दृष्टिका होना अनिवार्य है। प्रमूजन तथा स्टरबोसिस तथा साथ में भण्डा ग्राथम व गहनता।

(अर) मानक

- (i) वाकवरीकण: प्रत्येक काम स 610 सें० मी० से काना फूसी सुनाई वे ।
- (ii) श्रव्यतामितिक: 250 एच० एस० तथा 4000 एच० श्रीदानों श्रीच की श्रावतियों में व्यक्षिमत। कमी 10 श्री० श्री० से अधिक नहीं।
- (च) रुटीन हैं, सी. जी. तथा हैं हैं जी. सामान्य सीमा में हो।
- नौसीनिक विमानन शाखा के उम्मीववार होत् स्वास्थ्य मानक वहीं होंगे जो वागुसेना के उड़ान इयुटी होत् उम्मीदवार के ही।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी अक्षमता का पता जलता है तो 'मेडिकल बोर्ड ब्वारा अन्ह क ठहराए जाने की स्थिति में यह अक्षमता उम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाऑ) के लिए भी अयोग्य ठहरा सकती है।

#### परिकाष्ट-।।।

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे विए गए हैं :-भारतीय सेना अकावमी दहराब न में प्रवेश लेने वाले उम्मीववारों के लिए :--

- 1. भारतीय सेना अकादमी में भती करने से पूर्व :---
  - (क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समभता है कि किसी प्रशिक्षण के बौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि कोई बोट लग आए उत्पर निर्विष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सिजिकल आपरेशन या संबेदना हरण देवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी

मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैद्ध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवर्ज या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

- (ख) उसके माता पिता या संरक्षक को इस आशा के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी एसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समभे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यकम पूरा होने से पहले वापिस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर दोता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र और किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भन्ने की कृत राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित कर उसे वापिस करनी होगी।
- 2. अंतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन ''जेंटलमैन कौडेट'' के रूप में दर्ज किये जायों। ''जेंटलमैन कौडेट'' पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयो-जनों के लिए भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम सागृ होंगे।
- 3. यचिप आवास, पुस्तक, वर्दी, बोर्डिंग, और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के सर्च का भार सरकार वहन करेगी, लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीवनार अपना सर्च ख्व बर्दाश्त करेगे। भौरतीय सेना अकावमी में (उम्मीववार का न्यूनतम मासिक व्यय 90.00 रु. से अधिक होने की मंभावना नहीं हैं)। यिव किसी कर्डिंट के माता पिता वा संरक्षक इस सर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जाती है। लेकिन जिन उम्मीदनारों की माता-पिता या मंरक्षक की मासिक आय 500.00 रु. वा इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्मित्यों और सभी साधनों में होने वाली आय का भी ध्यान रक्षा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता संरक्षक किसी प्रकार की विवतीय सहायता प्राप्त करने के इच्छु कहाँ तो उन्हें अपने पृत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तूरन्त बाद अपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र दोना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुषंसा सहित भारतीय सेना अकादमी दोहरादून के कमांडेट को अग्रेपित कर दोगा।

4. भारतीय सोना अकावमी मों प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेंट के पास निम्नलिखित राशि जभा करानी होगी :---

(क) प्रतिमास, इ० 90.00 के हिसाब से 5 मही ने की जीव सार्च 450.00
(ख) पंत्र तथा उपस्कर की मदों के लिए 800.00
योग 1250.00

उम्मीदवारों को विसीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी :--

- 90.00 रु. प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च 450.00रु.
- 5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं ---
  - (1) परकाराम भाउः पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र सथा कर्नाटक को कौडोटों को दी जाती है।

- इस छात्रवृत्ति की राणि अधिक से अधिक 500.00 कि. प्रति वर्ष है जो कि कैंड टॉ को भारतीय सेना अकाधमी मे रहने की अवधि के दौरान दी जाती है, बशतें कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीद्भवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी विश्वीय सहायता के हकदार न होंगे।
- (2) कर्नल कथल फ्रेंक मेमोरियल छात्रवृत्ति :—इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपए प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराटा कै डेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।
- 6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक केश्वेट के लिए सामान्य शर्ती के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भक्ता बकावमी के कमांश्वेट को सौंप दिया आएगा। इस भत्ते की जो रकम सर्च होगी वह:
  - (क) कौडोट को कमीशन दो दिये जाने पर दो दी जाएगी।
  - (स) यदि कडेंट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य का वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खरीवे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक जीजें कैडिट की व्यक्तिगत सम्पत्ति जन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडिट त्यागपत्र वे वे या कमी-शन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए शो उपयुक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दिख्यत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 7. सामान्यतः किसी उम्मीदिवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जेटिलमैंन कैंडटे को थल सेना मूख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दो जानी चाहिए। उनके प्रस्थार से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाली खर्च उनसे बसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदिवारों को भती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/अभिभाकों को इस आध्य के एक बार्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेटलमैंन कैंडटे को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समका जाएगा उसे सेना गूख्यालय की अनुमित्त से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में चैनिक उम्मीदिवारों को अपनी रोजिमेंट या कोर में वापिस भेज दिया जाएगा।
- 8 यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही विया जाएगा। कमीशन दोने की तारील प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारील से अगले दिन से शुरु होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।
- 3. कमीशन दोने के बाद उन्हाँ सेना के नियमित अफसरों के समान बेतन और भन्ने पेन्शन और छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तों भी बही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

#### (।) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना अकाषमी में आर्मी कौडट को "जोटलमैन कौडित" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा मैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इफेंट्री के उप-यूनिटों का नेतन्त्र करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक प्रा करने वै उपरांत जोंटलमैंन कौडोटों को सैकिण्ड लॉफ्टिनेंट के रूप मों कमीशन प्रदान किया जाता ही बशतों कि एस एउ. ए. पी डॉ. बाभीरिक रूप में स्वस्थ हों।

# II संताकी शतें :

(i) वेशन	
<del></del>	<b>बेतनगाम</b>
सेकिःक संक्टिनेंट	750-790
लं पिटनें ध	830-950
क्रैप्टन	1 ) 0 0-1 55 0
मे अर	450-1800
मैजर (वैताका चयन ग्रड)	1800-50-1900
सेपिटनट-कर्नल (चयन द्वारा)	1730 - 1950
लेपिटनट मनल (चयन गेड वेतन)	2000-50-2400
लेपिटर्नेट 🕶 तैल (समय वेतनमान)	1900 नियन
का में स्प	1950-2175
<b>वि</b> ग्रेडिथर	2210-2400
मेजर अभरा	2500-125/2-2750
क्षेप्टिनेंड अनरल	3000 प्रदिमास
लेफिटनेंट ३तरल (आर्मी कमारडर)	3250 प्रतिमास

# (2) याय्यता, वेतन और अनुदान

लं पिटलेट कर्नल और उसे तीचे के रॉक के कुछ निधारित योग्यता रखने बाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु., 2400 रु., 4500 रु. अधवा 6000 रु. के एक मुक्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') रु. 70 की दर पर योग्यता वेक्षन के अधिकारी होंगे।

#### 3. भक्त

- (क) क्तन के अतिरिक्त अफलरों को इस समय निम्नलिखित भटों मिन्छों हो ---
  - (२) सिजिलियन राजपत्रित अफसरो पर समय-समय पर लागु दरों और शति के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महागाई भक्ते दिये जाते हैं।
  - (स) 75 रु. प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
  - (ग) निर्वासन भत्ता भारत से बाहर सेवा करने पर ही दोय है, इसके भुगतान की दर्र उपयुक्त विदेश भत्ते की गंगत एकल दर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रति-शत राशि तक अलग-अलग है।
  - (६) वियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को एमे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तब वे अफसर 140/- रु. प्रति-मास की दर में वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
  - (ङ) सज्जा भरता:--प्रारिभिक संज्जा भरता रहे. 2100 है। पथ्म कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 रहे. नये संज्जा भरते का दावा किया जा सकता है।
  - (चं) थल भोना में बिगोडियर के स्तर तक मूफ्त राशन दिया जाता है।

#### 4. तैनाती

थल सोना अफसर भारत मों या विरोध मों कड़ीं भी तैनात किये जा सकते हैं:--- V. वदीन्नक्षि

(क) स्यायी पदील्निति

जुडचनर रेंचों पर स्थापी पडोन्नलि वि लिए निम्तलिखित सेवा सीमाएं

ण्यून **वे**त्समात्रात

समिरभंद 2 वर्षे असीशन प्राप्त सेवा केंग्ने ह उ वर्ष भागी शन प्राप्त लेखा मेगर 11 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा लेपिटनॅस्ट कर्नल 21 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा श्रयन दुवरा 16 वर्षं कभी शन प्राप्त सेवा भी पटन द सर्वेल कार्नल 20 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा विम डिथ 23 वर्ष कमी भन प्राप्त सेवा मेजर वनरल 🕖 2.5 वर्ष कमी शन प्राप्त सेवा लेफ्टिनेंट जनरल 28 वर्ग कमी भन प्राप्त सेवा धनरस कोई प्रतिबन्ध नहीं

(क्षा) कार्यकारी पदोल्नतिः

निभ्नप्तिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर भ्रफसर जब्बतर रेंकों पर कार्यकारी पदोन्नित के लिए पत्त होंगे बणर्ते कि रिक्तियाँ उपलक्ष्य हों—

क्षेप्टन	3 वर्ष
मेज्ः	5 वर्ष
सोपिटचें ट कर्नल	6∳ वर्ष
कर्ने अ	s <u>∄</u> वर्ष
ग्रि <b>गेडिय</b> र	12 वर्ष
भेत्र जनरल	20 व्य
लेफ्टिनेट अनरल	25 वर्ष

- (ध) <u>नौसेना अकाबमी, कोचीन में भर्ती होने वाले</u> उम्मीव-धारों के लिए
- 1 (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से भून लिए जाएंगे, उन्हों निलेना कार्यकारी आका में कौडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि, जमा करानी होगी।
- (1) जिन अम्मीदवारों न सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आयंदन रच नहीं विया हो :---
  - (1) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जेब खर्च 225.00 रु.
  - (2) कपड़ों आगार साज्जा-सामग्री के लिए. <u>460.00</u> रु. जोड़ <u>685.00</u>रु.
- (2) जिन उम्मीदवारों दे सरकारी वित्तीय सहायता के लिये जाबेदन पत्र दिया हो :---
  - (1) 45.00 रु. प्रति मौस की दर से दो मास के लिए जेब धर्म 90.00 रु.
  - (2) कपड़ों और संज्ञा-साशग्री के लिए <u>460.00 र</u>ु. **जोड़** 550.00 रु.
- (स) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडिटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हों शैंसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे किया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:—
  - (क) की डोट प्रशिक्षण तथा 6 माम का नीकाएं पशिक्षण
  - (ल) भिड़शिएमीन नौकाए प्रशिक्षण

6 मास

1 वर्ष

- (ग) कार्यकारी सब-लंपिटनंट तकनीकी कोर्स 12 मास
- (ब) सब-लेफ्टिनेट

उपयुक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अभिकारियां को नौबहन निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण-पत्र लेने के लिये भारतीय नौसीनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम सं कम 6 मास की अवधि आंब्रियक है।

- (ii) नौसेना अकादमी में कडिटों के लिए शिक्सन, आधास और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोषन तथा डाक्टरी इलाज का जर्च सरकार वहन कर गो। किन्त् कडिटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जब खर्ज और निजी खर्च बहुत करना होगा। यदि की डोट कं भाता-पिता/अभिभावकों की पासिक आय 500 🖘 से कम हो बौर वह कौड़ दे का जैब वर्ष पूर्णतमः अभवा अधिक रूप से पूरा न कर सकत हो हा सरकार कडिट के लिए 55 फ. प्रति सास विलीय संशायता स्वीकार कर सकती है। बिस्तीय सहायता लेने का **इच्छ**ुक उम्मीदबार अपने खुनं कानं की बाद सीम् हर्द अपनं जिला मिनस्ट्रांट के माध्यम से बाददन-पत्र दें सकता है। जिला मजिस्ट्रेंट उस मार्थदन-पन को अपनी अनुशंसा के साथ निर्देशक, कार्मिक सका, नौसंना मुख्यालय, नद्र दिल्ली की पास भेज देगाः यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथना उसर् अधिक एप या वाश्रित नौसेना जहाजौं/प्रतिकाना में साथ साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहाँ हाँ तो उन तभी क्ष साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अधिक के लिए उपयुक्ति विसीय सहायता दी वा सकती है बशते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 600/-रः. संअभिकन्हा।
- (ii बाद का प्रशिक्षण भारतीय नांसेना के अहाकों और हैं। अकादमी को की उन्हों सरकारी क्षण पर दिया जाता हैं। अकादमी को को के बाद उनसे पहले छह मास के प्रशिक्षण के दाँरान उन्हों उपयुंक्त पर (11) के अम्सार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली विसीय सहायता के सभान महायता दी जाएगी। भारतीय नांसेना के जहाजां और उनके प्रतिकानों के छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने को बाद जिसे कर दो जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने कार्यंग, तव उनके माता-पिता को उनका कोई वर्ष नहीं दोना होगा।
- (iv) काँडोटों को सरकार से निःशुल्क बहीं सिलंगा किन्तु उन्हों इसके बलावा कुछ और कपड़े भी लोगे होंगे। इन कपड़ों को सही नमूने उनकी एकहमता को जीनिश्यत करने के लिए, ये कपड़े नौसेना बकावमी में तैयार किये जायोंगे तथा उनका खर्च काँडोटों को माला-पिता/बिभ-भावकों को बहन करना हांगा। वित्तीय सहायता के लिए बावेदन-पत्र दोने वाले काँडोटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार विए जा सकते ही। उन्हों कुछ विशेष कपड़े ही करदिने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सिविंस कौडंटों को अपने मूल राक को वही वितन और वहीं भत्ते मिलेंगे जा कौडेटों की चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रोटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहीं होंगे। यदि

- ् उत् राम में बंतन मृद्ध दो आती हां ता व अख नतन मृद्धि को पान के भी हकशार हामें बढि जनकी यूल रोक का बेतन और भन्ने सीचे मतीं होने वाखं कींड दो को मिलन गाले। मित्तीय सहावता सं कान हो तथा वे उस सहायता को जाप्त करने के पान हों सा उन्हें उपसृक्ति दाना राशियों के बच्चर की राखि भी सिलेगी।
- (मा) सामान्यतः किसी कियेट को प्रशिक्षण के दौरान स्थापपथ दोने की अनुसति नहीं ही चाएगी। जिस केयेट
  का भारतीय नीयेना वहाजों और प्रतिकानों में की दें
  पूरा करन के योग्य नहीं समझा चाएगा उसे सरकार
  के अनुमोदन से प्रक्रिक्षण से बापस बुलाया का सकता
  है सभा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी का सकता है। इस
  परिस्कितियाँ में किसी सर्वित केयेंट का उनकी
  मूल सर्विस पर बापस भेण दिया चाएगा। विशे
  करिंद को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा था
  मूल सर्विस पर बापस भेण बाएगा, वह पर्वां
  कोसे में दुबारा दाखिल होने का पात नहीं रहेगा।
  किस्तु जिन केयेंटों को कुछ करणाजन्य कारणों के
  आधार पर त्याग-पश दन की अनुमति दी जाती हैं
  उनकी मामलों पर गृणावगृण के जाधार पर विचार किया
  जाता है।
- 2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेंट चुने जाने स पूर्व माला-पिता/अभिभागक को :
  - (क) इस नाश्य के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यह भली-भारित समझता है कि यदि उसके पूत्र वा आधित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई बोट लग जाए या शारीरिक दुर्वेजता हो बाए था उप- यूंक्स कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर विषय गयं नापरोशन से या नापरोशन के दौरान यूं कि करने की जीविंश के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हा बाए तो उस या उसके पूत्र या आधिश को सरकार से मुवाबचा प्रांशने के दावे या सरकार में जन्य सहायता मांगने की अधि हरू नहीं सुर्गा।
  - (क) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी एमें कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उस्मीदनार प्रिक्षण पूरा होने से पहले नापस आज़ा जाल या पदि कमीशन वियो जाने पर खीकार न कर के दिखा, ज्ञानक, माजन, वस्त्र, नियं प्राप्त होंगे दे प्राप्त किये हीं, उनका पूल्य मा उनका पह अंश औ सरकार निर्णय करें, चूकाने की जिम्मवारी वह लेता हो।

**उ बेतन** तथः अत (का) भेतन रेन बेतवम् । न भा**नास्य संबा** (1)मिक्सिप सेन ₹• 560.00 ए विकास सम-स्रोपितने ह 756.04 सब-के क्टिमें ह 876.00--876.60 'अधिववेट क्षेक्टबेंड कर्नाडर से फिटर्नेट के मास्टर (यदन ग्रेंग थे अभ) T- 1860.40~-1960.66

1	2
भगीहर (भवग हारा))	▼• 1750.00-1950.00
श्रमोडर (समय बतनमान द्वारा)	वर 1900.00 विकास
कनाक्षर (भयन जेथ बेतन)	W. 2000,00-2100.00
<del>चै</del> रकत	<ul> <li>प्रकाश कर केल करा है</li> <li>(क्ष्मोकीर कर केल करा है</li> <li>क्ष्मका कर केल केल केल केल कर केल कर केल करा केल करा केल करा है</li> </ul>
रियर एकमिरल	₹) ₹• 25€0.00-125.00/
बाइस एडॉमरल बाइस एडॉमरल (बी • सी • एम० एम	2-2759.00 %• 3000.00
एक आं∙ सं।० अन-सं)∙)	₹ • 325 €. ●0

#### (ਵ) ਮਦੀ

बेतन के बीतरिक्त बफसरों को जिम्मीसिवत भत्ते मिससे हैं:-

- (i) सिनिसियम राजंपितित अफसरों पर समय-सजय पर सागृ वरों और भरतों जो अनुसार खन्हें भी नगर प्रातिकर तथा महागाडों भसा मिलता है।
- (ii) 75/- रा. प्रतिसास की दर से किट बनुरक्षण भक्ता (कमोडोर रीक के तथा उनसे नीचे के रीक के बकसरों को)।
- (iii) वान अफसर भारत के नाहर संगा कर रहा हो, तभ भारित रीक के ननुसार 50/- रापये से 250/- रापये दे दक प्रतिमास पंगास भरा।
- (iv) 140/- रु. प्रीप्तमास के हिमाब से इन वफसरों को निमृक्ति भक्ता मिलेगा :---
  - (क) जिन निवाहित जफतरों को ए ते स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां ने परिवार सहित नहीं रह सकते।
  - (क) जिन यिवाहित अफसरों को आहाँ. एन. अझाओं पर तैनास किया काएगा अथवा जिलमी बवीध के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहांचा पर रहाँगे।
- (ए) (क) परिसण्या भत्ताः प्रारम्भिक परिसण्या भत्ता 2400/- क. है।
  - (स) वास्तिविक सेवा के प्रीत सात वर्ष बाष, नवी- करण परिसण्या भत्ता रु. 2100/- ही।
- (vi) निसेना में कमोकार (भारतीय निसेना) के स्तर तक मूपत राशन दिया जाता है।
- ाटिष्यणी 1: जपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनकुकी भरता, पनकुकी/चेरियट चेतन, पनाइंग बेतन सर्वेक्षण, आन्तांकिक/वहीता वेतन/अनुवान तकनीकी वेतन गोताकोरी केतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी बफसरों को दी चा सकती है।
- टिप्पणी 2:—अफसर पगड्ज्जी तथा विमानम संवाबों के जिए मपनी सेवायें अपित कर सकते हैं। इन संवाबों में सेवा के सिये चूने गये अफसर बढ़े हुए बेतम तथा भत्तों को पाने के हुकबार होते हैं।

#### 4. पदीस्ति :

(क) समय वैवनसान हारा सिवक्रियजैंग के एक्टिंग सय-लैपिटनेंट तक

} 🗝

ए बिंदग संब-वी फिटनेंट से	
सब-लेविटनेंड तक	१ वर्ष
सब-लैपिडबँट से	
<b>लेपिड</b> नेंड तक	ऐश्डिग मोर स्थामी सब-लैक्टिनेंड (वरिक्टला के नाम/समपहरण के सथीत) रूप मं 3 वर्ष
मैपिक्वेंस के मैपिटमट	,
क्रमोकीर तक	सी भिक्त में डिवर्ग हो। वरिष्कतः
विषयों व कनोडोर से	
कमोडीर तक (य <b>वि च</b> म्पन द्वारा पद्योग्नति न हुई हुरे)	24 वर्षकी संगी क्रमीशन प्राप्त सेवा
(क्ष) चयन द्वारा वैपिटर्नेड कनोडोर से	
क्रमोडोर तक	नैपिटनंड समोद्योर ने कप में 2-8 यस हो वेरिकता
क्षमोतीर देवीप्टन तक	क्रमोकोर के कप में 4 वर्ष की वरिष्ठता
कंप्टन से रियर एकमिरन	
मीर उनसे ऊपर तन	को दैसे वा प्रतियग्ध महीं।

## 5 देगती

क्रफसर भारत और विवोक्त में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणों:--- यदि किसी बार शुक्रवा की जावक्ष्यकता हो तो वह गियोगक कार्मिक तेना गीसेना मुख्यालय, नई विल्ली-110011 ते प्राप्त की पा सकती है।

- (श) बफबार ट्रॉनिंग स्कूस में अती होने नासे उम्मीदवारों के सिए:---
- इससे पूर्व कि उम्मीवनाय अफसर ट्रॉनिंग स्कूल मद्वास, मदास में भर्ती हों :---
  - (क) उसे इस जाक्य से प्रमाण पण पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समभता है कि उसे मा उसके पैथ वारिसों को सरकार से मुजानचा या अन्य किसी सहायता के बावे का काहें हुक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के वारान कोहें बोट या शीरीरिक वृज्ञिता हो जाए या मृत्यु हो चाए या उपन्तित कारणों से बोट सगने पर किए गए आपरोशन या आपरोशन के वारान मृण्डित करने की आविधि के प्रयोग के कलस्वरूप एसा हो जाए।
  - (क) हासके माता-चिता या अधिभावक को एक बाच्च पर इस्ताकर करने होंगे कि किसी कारण से को छसके प्रियं-वर्ण के बचीन मान सिया चाए यदि उन्मीदवार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिखें वाने पर कानीकन स्त्रीकार न करों वा अपसार ट्रेनिंग स्कृत में प्रीकाण प्राप्त करते हुए शांची कर से तो किसा, बाना, वस्त्र और बेतन तथा भरता जो सत्तर्ग प्राप्त किसे हैं, उपकी बागत वा उनका वह संस् बो बरकार निर्णय कर कुन्नने के जिन्नोदार होंगे।
- 2. यो एम्मीदवार विक्रिया सुन् ते कृते वाएंगः उन्हाँ वकसर इतिया स्कृत में लगभन 9 महीने का प्रतिकाण कोई पूरा सरना

होगा। इन उम्मीदवारों को ''सेना अधिनियम'' को अन्तर्गत अध्दल-सैन कीडिट को रूप में नामांकित किया जायेगा। सामान्य अनुशासन की टिटट से या जैन्टलमैन कोडिट अफसर ट्रॉनिंग स्काल के नियमों सेथा जिनियमों को अन्तर्गत रहेंगे।

- 3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकों, वर्षी ह भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल हो सरकार बहन करोगी **मीर उम्मीदवारों को अपना चेब चर्च स्वयं बहु**न वास्ताः श्रीकाः। कमीशन पूर्व प्रक्रिकाण के दौरान न्यूनतम 90,00 रह प्रक्रिकास में अधिक सर्च की संभावना नहीं हैं। किन्तु गदि उम्मीयवार कोई फोटो प्राफी, शिकार चेलना, मैरसपाटा इत्यादि का शौक रकता हो तथ उसे असिरिकन धन की आवस्यकता होगी। यदि कोई कों डोट यह न्युनतम व्यय भी पूर्ण या अंशिक रूप से बहुन नहीं कर संके तो असे समज-समय पर परिवर्तनीय दरौं पर इस होता वि<mark>त्तीय</mark> सहायता की जा सकती **है वशतों कि कौ**ढेंट और उसके माता-पिता/ अभिभावक की आय 500 रह. प्रति साम से कम हो। बर्तमान आदेशों के अनुसार नित्तीय सहायता की दर 90.00 राज्ये पतिसाय है। जो उम्मीदवार विसीय सहायता प्राप्त करने का इच्छाक हैं उसे प्रक्रिक्षण के लिए अंतिम रूप से चूने जाने के बाद निर्णारित प्रपत्र पर एक बाबेदन अपने जिले के जिला मीजिस्ट्रोट को भोदका होगा जो जपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ बाबवन-पत्र करे कश्रीकट ज्यान प्रतिगस्काल, मदास को भेज दोगा।
- 4. अफसर ट्रॉनिंग स्कृत में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए पूर्व गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचन पर कमांबंट के पास विकान-विकास भन गाँव जमा करनी होगी:—
  - (क) 90.00 रु. प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जेव कर्ज 900.00 रुपए
  - (स) वस्त्र तथा उपकरण के लिये 500 00 रुपए योग 1400 00 रुपए

पवि कौडोटों की विसीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपमुक्त राशि में से (स) के सामने वी गर्ब राशि वायस कर वी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किये गये आहेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भन्ते से खरीवे गये वस्त्र तथा जन्य जावश्यक जीजें स्टैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन प्रायोंगे। यदि कौंडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्र दो दो या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया आए सो इन वस्तुओं को उसगे वापिस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्ताम हित को इच्टिगत रचते हुए निपटान कर दिशा जाएगा।

- 6. सामान्यतः किमी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्वाग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण शरम्भ होने के आद त्याग-पत्र दोने वाले जैक्टलमैन की होटों को अस सेना मृख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र म्वीकृत होने नक अस वाने की जाता दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण मौजन तथा सम्बद्ध स्वाजों पर होने वाला खर्च तम्स किया जायेगा। अफसर प्रशिक्षण स्कृत में उम्मीदयारों की भती किये जाने से पूर्व जन्हें तथा उनके माना-पिता/त्रीभभावकों को इस आलग का एक बांड भरना होगा।
- 7 जिन्न / जिंग्टलमीन आडिट को प्रशिक्षण आ तंपूण कोर्स करने चें योग गहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमीन से पश्चिक्षण वें हटाया जा सकता है। इन परिस्थिकियों में सैनिक गक्सीकवारों की उसकी रोजिसेंट कोर में वापिस भेज दिया जाएगा! 71—36GI/85

 त मध्यान प्रदान कर दिया जाने के बाद करन तथा भला, पाँचन छाड़ाड़ी तथा अन्य सेवा जाने निस्न प्रकार होंगी :----

# 9 - স**হিচ্**ল :

! बूल गए उपमीदमारों को सेना मधिनियम के संवर्धत लैक्टब-मैंन करियों। तो एन माँ नामांकित किया अधिया नथा के अध्यान द्वींचिम स्कृत मीं लेगभग प्रमास तथा प्रशिक्षण होए हार करियों। प्रशिक्षण स्कलतापृत्रेक करने के उपरास्त जीक्ट्रसमें न हिंडोट की प्रशिक्षण के सफलतापृत्रेक पूरा असने की मार्गीय में मैंकोक लेपिटनींट के पद पर अल्पका किया कामा कमीगन प्रदान किया जाता है।

# 1(). मेवा की शती

## · (का) परिजीक्ताकी जनसि

कमीशन प्राप्त करने की तारील में अफतर 6 मास की अविध लक्ष परिकीशाधीन रहोगा। विध उसे परिकीशा की अविध के घरिष कशीशान भारण करने के अन्पज्ञत बताया गया तब उपकी परिकीशा सविध के सभाप्त होने से पूर्व था असके बाद किसी भी समय उसका कशीशन गणाया किया जा सकता है।

# (स) सैनाती

अल्पकारिक भीश कमीकान शाप्त करने पर उन्हों भारत का निवास मं कहीं भी नौकारी पर तैनात किया जा सकता है।

# (ग) नियक्ति की अवधि तथा पदान्नित

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अविध के लिये प्रदान किया जावेगा जो कफसर रेना में पांच वर्ष को अल्पकालिक सेवा कमीशन की बयिथ के बाद सेना में जोबा अरने के इच्छाक होंगे यदि हुए प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए हों संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रवान किये जाने पर विचार किया आएगा। जो पांच वर्ष की अविध के दरिान स्थावी कमीशन प्रदान किये जाने की अहाँना प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें संख वर्ष की अविध परी हाने पर निर्मृत्त कर दिया आएगा।

# (च) देतन और भत्ते

कल्पकालिक सेश कमीयन शाप्त अफनर वहीं नेतन और भर्ते प्राप्त करोंथे जो सेना के नियमित अफनरों को प्राप्त होता है।

सँक्षेण्य सीपिटरोंट **जारे** लॉपिटरोंट को बंतन की घर इस प्रकार

गैकेन्द्र मेरिस्टनेंट ---750-790 रा. प्रति मारा वैभिटनेंट ---830-950-रा. प्रीकृमास तथा वन्य भन्ने जो नियमित अफसरों को जिलने हो।

# (४) छाड़री •

हाराटी की संतंध में १ अफसर अस्पकास्तिक सवा दिशीमार अफन नगे की लिए लागू नियमों में शासिस होंगे जो सेना अधकाड़ नियम्बानी लेटना थस मेना, को अध्यक्ष पांच में उल्लिखित हों। व अधामर गानित स्कान के पासिंग आउट करने पर प्रथा उपाटी जिला करणे में पूर्व निवास 91 में जी गई अपनस्थाओं के उम्मीदनार को अक्की रोजिमेंट कोर में वाषिस भेज दिना जाएगा।

# (प) ननीवन की सनाएत

जल्पकारिक सेवा कजीशन प्राप्त अफत्तर को गोच वर्ष खेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्निसिखत कारणों ते किती भी तनम उसका कमीधन समाप्त कर तकती हैं :---

अवचार करने या संतोचजनक रूप से नेवा न करने पर;

स्वास्थ्य की डॉब्ट से अयोग्य होने बरः

उसकी भेवाओं की और जीभक आभवनकता न होने पर;

उसके कियी निर्धारित परीक्षण वा कोर्ध में अहाँवा प्राप्त करने में असफल रहने १र।

लीन महीनें का नोटिस दोने पर किसी अफतर की करूनाजन कारणों को जाधार वर कमीकान से त्याग-पत्र दोने की बनुनति दी णासकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्मावक भारत **तरकार** ही होगी। करूपाजस्य कारणों के बाभार पर कनीयन चे त्याग-वच दोने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई वकतर सर्वात उप-दान पाने का पात्र नहीं होगा।

## (स्क) योचान लाम

- (I) वे जभी विवासभीत है।
- (II) अल्पकालिक लेवा कनीवान अकतर 5 वर्ष की लेवा कूरी करने पर 5000.00 का तेवांत उपवास पाने के हकवार हॉने।

# (ज) रिषर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की बल्पकालिक तेवा कशीवन तेवा वा बढ़ाई नई कमीकन लेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की वयशि के सिए बा 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिषर्थ में रहींगे।

# (ল) বিলি**ণ** —

तीया तीर्वभी जन्म सभी सहीं जब तक उपका उपवृक्ता अप-े बच्चों को ताथ अंद नहीं होता है वहीं होंगी जो नियंत्रिक जकतरों की सिए सागृही।

्(अ) बाब हुना समादबी में प्रबंध तेने वाले उस्मीदवारों भी विए।

# 1 चैमन

भारतीय बाब् सेना की उड़ान शाबा (बाइबट) में यो प्रकार बे अती की जाती है। अर्थात् तंत्र जोक बेना नायोग के नाध्यन वे बाबरोक्ट एन्ट्री और एन. सी. ती. नागु लेगा स्कांभ वरिष्ठ प्रभाग के नाध्यम से।

- (क) डामरेक्ट-एन्ट्री---जामोग सिशिस परीका के बाबार पर भवन करता है, वे परीक्षाएं एक वर्ष में सामा-स्यतः को नार मई भार ननम्बर में सी पाती है। सफल उम्मीदनारों को वायु सेना भयन बोडी के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।
- (स) एन. सी. सी. के आध्यम से प्रवेश---राष्ट्रीय करेंडेंट कोर महार्नियोक्षक द्वारा विभिन्न एन. सी. सी. युनिटों के माध्यम से एन सी. सी. अम्मीदवारों से बाबदेन-पर्मों को बामंत्रित करके उन्हें वाय् सेना मुक्यालय का अग्रतारित कर विया जाता है। पात्र उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिए बाब् सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तृत हाने का निबंध दिया नाता है।

- 2. प्रकारम पुर गुप्तम् । १८ वटा भवन बार्ड सुवारा सन्-बाहित जोर उपयुक्त चिक्तिया प्रतिभक्तरण वृक्तरा शारीरिक स्व से स्वस्थ पाए जान नालं उम्मीदवारों का वर्धिता तथा अपसम्ब रिक्तिकों की राज्या थे उन्तर पर प्रक्षिकाण के लिए भेजा जाता **है। बाइर**ंक्ट-एण्ट्री उम्मीववारी की वरीयका मुची संब्र्य लाक रा**वा बागोग द्**वारा वंगार की जाती है। और एन. सी. सी. उम्मीप-नारों की वर्षवता-सूची अलग सं तंत्रार की जाती है। डाइरोक्ट-एष्ट्री उड़ान (बाइलट) उम्मीदवार्डा की बराधवा सूची सं. स्रो. ते. वा. वुवार। विभिन्न परीक्षण मो उप्यीदवारों के प्राप्तांकों हवा **बाब् सेना अवन नोर्ड में प्राप्त बंकों को जोड़कर तैयार की जाती** हो। राष्ट्रीय कोडेंट कारि के अम्मीटवारों की वरीयता सूची उनके वुकारा मानू नेता चठन कोर्ड में प्रायत अंकों के आधार पर तैनार की बाली हैं।
- प्रक्रिकण : बाब सेना प्रकादमी में उद्यान शास्त्र (पाइसट). के लिए प्रसिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

# विसीय सहायता कर लागू होने वाली भूते ----

- (1) बद्धपि जगह, पुस्तक, वर्षी, उहरते और चिकिस्ता उपचार तहित , प्रशिक्षण का वर्ष सरकार बुवारा वहन किया जाएगा तों भी उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे अपना जेव वर्ष स्वयं वहन करो। वायु सेना प्रशासनिक कालिक में प्रतिमास कम बी कत 90 रुपए ते अधिक **लर्च** होने की संभावना नहीं ह**ै। यदि** किती कडिट के अभिभावक था संरक्षक उत वर्ष को भी पूर्ण रूप था जांक्सिक रूप में वहन करने में असमर्थ हैं तो उसे सरकार द्वारा विश्वीय नहायता प्रवान की जा सकती हैं। जिस कडेट के बीभभोवक वा संरक्षक की शासिक जाम 500 रुपए या इसज़ें अधिक है नह विसीय जहायता प्रदान किए जाने का पात्र नहीं होगा। विक्तिम सहायका की पात्रता निधारित करने के लिए जयत सम्मीत कथा अन्य परिजिम्भियों और सभी सोतों से होने वासी नाव को भी भ्वान में रखा जाता है। वितीय सहायता प्राप्त करने के इच्छाक अम्मीदवार के कमिनावक/संरक्षक को अपने प्रा/ वण्ये के नाम जेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण होत् **संतित** रूप से पुन सिए जाने को तुरन्त बाद अपना बाबवन अपने पिले की जिलाभीय के माध्यम ने प्रस्तृत कर दोना वाहिए। जिलाभीय उस भानेदन का अपनी अनुशंना पहित क्यांडट, भायसना प्रधा-बनिक कालिज, रोड फील्डस, करंपस्त्रदार को अग्रीवन कर देंगे।
- (2) बाबु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण होता अंतिक रूप से चुने गए उम्मीदनारों को जाने पर निम्नलिखित रकम कमां-बंदि के गल जमा करनी हैं:---
  - (क) 90 वर्ष असि माध को ६२ के 5 मान के जिल्लामा असाह

450 44Q

(भा) वस्ताप्रीर अनस्कर सर्वो के लिए

525 WY 7

मांग

#75 WTQ

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रक्षम कीश्वट का किस्तीय सहाबता प्रदान किए जाने की स्थिति में बापस दाय है।

90 रहपए प्रीत भाग की दर भें ( मान

के लिए अनि भता 450 रापए

4. भौडिष्य में पदोन्निति की संभावनाय --- प्रशिक्षण की **क्षफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट अफसर** का रीक दिया जाता ही जारे वे उसी रीक के वेतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाबे हैं। वर्तमान दरों के आभार पर, **ज्यान गाला के विधिकारियों को लगभग रु. 2450/- प्रति माह्**  भिन्त ६ जिल्ममें उड़ान ४६० र 750/- प्रति भाष्ट्र भी सम्मिलित हैं। वाय् सेना का भिन्य बहुत उज्जवन होता है यद्यि विभिन्त भाषाओं में एक प्रकार की संभावनाएं अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वागु संना मं त प्रकार स पदानित होती है अर्थाद् कार्यकारी रॉक प्रदान कर के और स्थायी रॉक प्रदान करके। प्रत्येक उच्च रॉक के लिए आंतरिकत परिलिख्यां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर अंशिक्ति हर एक को उच्च कार्यकारी रॉक मी पदानितित प्राप्त करके के जन्म अवसर मिलते हैं। स्ववंद्र लीडर और विक लमंडर के बंक मी समय वेतनमान पदानितित उद्दान (पाइल्ट) कर के बाद की जाती हैं। विंग कमांडर की रिजय अपने के अवदि की जाती हैं। विंग कमांडर कीर उपस अपने के उच्चति पद्दीनिति विधिवत गठित पद्दीनिति बांडिंग इवार क्षेत्र के अवहि पर की जाती हैं। उद्दीयनमान अधिकारियों के लिए पद्मानित के अच्छा अवसर होते हैं।

वंशन सथा भर्त :--

·—  —	सङ्गम शासा
, , , , , ,	v.
<b>पाई</b> लट अकार	1 1 15 86B
प ताह्ंग अफरार	910010
भलाइंग लैफ्टिनेन्ट	1150 1550
स्ववेड्डन लोडर	. 14501800
थिग क्षमांडर	1500 (950
मृप कैप्टन	19502175
ए <b>यर क</b> मीडस्र	22002400
एषर बाहल सारसन	25002750
एयर मारस्य -	, 3000

महानाम् त्यः पतिकर वस - आप्रिआरियो क्री यं भत्ते भारत सरकार के एसिविविव कमराप्रियो हम लोग हार्ग वाली सती के अन्तर्गत की गर्हों पर पिश्ला हो।

फिट अगूरकाम भरा --- 6. 15/- प्रति माह; उड़ान बेतन; उड़ान धारा। क्षे अधिकारी जिल्लालिखत दरी पर उड़ान बेतन प्राप्त करने को हकदार होते हैं

निंग कमांडर और उसस नीचं क. 750.00 प्रति मास प्रमुख की ता बीर एथर कमाकार ६ 666 00 प्रतिसाह एयर शहर प्राथाल कार उसस उत्पर रहा 600.00 प्रतिसाह

यां प्राप्ता शंतन : क्यां शय स्वा को या था सो स सिध्क वर्ष पूरा करने बाले विश्व क्यां श्रीर उससे नीच के एक को अधिकारियों को निधिष्ट शांग्यताओं को लिए निर्धारित दरों पूर शांग्यता बेतन/अनुवान श्रवान किया जाता है। योग्यता बेतन की दर रु. 70/- श्रीर रु. 100/-, रु. 6000/-, रु. 4500/-, रु. 1400/- है।

प्रकाश भाषा ... ना ह न दुरेश सामित्यारियां का दुकावियों की हम मी देवा अला अविधान कुर ते हैं उन देशों में निमुक्त एक दुवाम अधिकार, किंग्सर सामित अधिकार अधिकार अधिकार का विधान आप अधिकार सम्बद्ध अपने उन्हें हमाने की सामित के मिल्यार की सामित की साम

वियुष्यित भत्ता :--एमे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में हाती हो। और परिशार स्टाबा सिथत/सरकार स्वारा परिभाशाधित हुई अधिकारियों के परिवार के साथ

रखनें की अनुमति नहीं होती हैं उन्हें रु. 140/- प्रतिमाह की वर से वियुक्ति भक्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता: --- नवीं / उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारों को नवहर रखनी पड़ती हैं उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता रा. 2100/- हैं (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता हैं) गवीकरण के लिए हर साल के बाद रा. 1800/- दिए जाएगा। कीम्पिकट कमीशन प्रदान करते समय मुप्त दी जाती हैं।

बाय सेना में एयर कमोडोर के स्तर तक मृफ्त राशन दिया जाता है।

# 6. छुट्टी अरि अवकाश यात्रा रियायस भत्ता

वार्षिक अवकाश वर्ष में 60 विन आकस्मिक अवकाश वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं।

कर्माशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाब अब भी अधिकारी वार्षिक आकर्मिक अवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सबस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे चाहे अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हों। जनवरों 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षी के ब्लाक में एक बार अधिकारी अपने अपूर्टी स्थान (यूनिट) से घर तक आने के लिए नि:शूल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 965 कि. मी. के रास्ते के लिए आने और जाने बोनों तरफ की सुविधा पाने के हकदीर होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाला के अधिकारियों की, जो प्राधि ?' कृत स्थापना में ''रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तैनात होते हं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार बारेंट पर अपने, पत्नी तथा आश्रित बच्चों के वास्ते प्रत्येक बार से 1450 कि मी. की दूरी को तय करने के लिए रोल द्वारा उपयुक्त कलास में मुफ्त यात्रा करने की सृषिधा होगी।

जाँ अधिकारी छुट्टी लेकर अपने सर्च से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे कलण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रोल द्वारा प्रथम अणी के किराये का 60 प्रतिकात भगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूर' परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दो जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिक कारी पर पूर्णतथा आधित माता-पिता, बहन और नाबालिंग भाइं शामिल होंगे।

#### 🤈 पेंसन साथ .

रेका-निवृत्ति के समय रैक (कावी)	भईष नेवा जो	निवृत्ति वैश्वव <b>र्ण</b> सारक कर		
CD (MIAI)	• पुष्कतः त सम्बद्धः	ग । यन्त्र	<b>e</b> t	
1	2		3	,
		60	वति	माह
17美國軍 指揮在4. 计超级数据 电电阻	20 4 l	eon	11	44
रा <b>ब्रा</b> स ले निश् <b>मेन्स</b>	३० कर्च	624	,,	<b>#</b> .
ररवेषुक की वर	22 वर्ष	9 3 0	*	н
वित भगावप (बाग्य वेत्रमानाय)	३० वर्ष	1014	<b>31</b>	M
विष असोवर (वर्षेक्षिक)	त्र वर्ष	1055	,,,	,, H
सूध झेल्डब	48 वर्षे	1178	**	P# ##

1	1	3
एयर समोहोर	28 वर्ष	1375 ४० मति माह
एयर वाहस माशंल	31) 4N	. 475
एयर मार्गल	30 वर्ष)	सरकारी पद्म जामी
प्यर मार्गल बी० सी० ए० एस०	३०३ आहर्ष (	पद्म जारी
ग्रीर ए० भो० एस० सी० इन सी०	(	ै होते वाला है
एयर भीक मार्गल	30 4% ∫	

#### 8 सेवा-निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति भी विविक्षा पर संवानंत्रवित उपदान निग्नाल खित है ---

- (क) 10 बर्षकी पदा के लिए के 12 000/- जिसमें से पिछले रका के क्षेक्र महीने के बेसन घटाकर ।
- (ख) प्रस्येक ग्रसिरिक्त वर्ष है। लिए to (200/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का घेतन घटाकर ।

वेंशन या उपदान के प्रतिरिक्त ए येक छ महीने की प्रजाध भी धर्मत मेवा के लिए कूल परिक्ष स्थियों के मौधाई के वशवर मृत्यू कौर क्षेत्रा-निवत्ति उपदान देव है ओकि परिलब्धियों का 16र गुणा होगा और १० 36,000/- से प्रधिक नहीं होगा ।

सेवा वे रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपवान निस्त्रलिखित रूप से होंगे :--

- (का) संघा से पहले वर्ष यवि मृत्यु हाजाए तो वा महोने का वतन ,
- (स्ता) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तक। यांच पर्छ की सेवा स पहले पदि मृथ्यु हो जाए । छः महीने का वेतन; भोर
- (ग) यांच वर्ष की सेवा के बाव मृत्यु हो जाए ता कम स कम 12 महीने का बनन ।

विकलांगतः पेंशन ग्रीर विच्ली चीर साधिती (माता, पिता, बहिन सथा भाई) की विशेष परिवार पेंगन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के धनुसार देय है।

#### धाय मृतिघाए

1951@

मधिकारी तथा उनके परिकार निःशृहक विकित्सा सहायता, रियायसी दर पर भावास, २प भीमा योजना, पुप भावास योजना, परिधार सहायता योजना, कैंटीन सुविधाधो भादि के हकदार हैं।

#### परिशिष्ट~∐V

भारतसरकार के प्रधीन पदों पर नियुक्ति हेतु प्रावेदन करने काले अनुसूचित जातियों भीर अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्म :---प्रमाणित किया जाता है कि भी . . . . . . . . . . . . . . . . . क्षुपूर्ण स्त्री , . . . , , , . . . . . . , जी ाांग/क∈द्या \* . . . . . . . . . الجالوا فالوافقين رجالا الجالوا والوراوا والمراسي राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* . . . . . . . के निवासी . . . . . है जाति/जनजाति\* के हैं जिसे निम्नः लिखित के अधीन अनुसुनित जाति/अनुसुचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई हैं:--संविधान (अनुस्चित जातियाँ) आवेश, 1950 🌯 संविधान (अनुसुचित जनजातियां) आदशे, 1950@ संविधान (अन्स्चित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) सं<sup>भ्</sup>विधान (अनुस्चित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) लाखेक.

अिनुस्चित करिस्यां और अन्**स्चित जन जातियं स्चियां (संशो**-धन) आदशि, 1956, बम्बई पूनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पूर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्र**देश राज्य अधि** नियम, 1970 और उत्तर पृत्री क्षेत्र (पूनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुस्चित जातियां तथा अनुस्चित जन जातियां आदोश (संगं।धन) आधिनियम, 1976 द्वारा यथा संगोधिती

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदोश, 1956

संविधान (लंडमान और निकाबार द्वीप सम्ह) अनुस्चित जनजातियां आवेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदोश (संक्षोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित ।

मंविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962<sup>@</sup>

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962@

संविधान (पांडिचरी) अनुसृचित जातियां आदशे, 1964@ संविधान (अनुसूचित जनजातियां) उत्तर प्रवेश, 1967@

रांविधान (गोआ, दमन और दीव), अनुसूचित जातियां आवश ( 1968@

मंजिधान (गोंआ, दमन और दीव), अनुसूचित जनजातियां यादोश , 1968<sup>@</sup>

भैविधान (नागालैण्ड) अनुस्चित जनजातियाँ आवेश, 1970 $^{@}$ संविधान (सिविकम) अनुमुचित जाति आवोश, 1978@ संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदश, 1978@

 $rac{\%}{2}$ . अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित अनजातियाँ के उन

उम्मीदवारों के मामलों में लागू जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से प्रवृजन कर चुके हैं।

यह प्रमाणपत्र श्री/श्रीमती/कृमारी\* . . . . . . . . के पिता/भाता\* श्री/श्रीमसी\* गांव/कस्बा\* . . . . . . . . . . . . २ १ १० १० १० १० १० १० को जारी अनुसूचित आति/अनुसूचित जनकाति अधागपत्र 🛋 आधार पर जारी किया गया है जो . . . . . . . . . . अनुसूचित जाति/जनजाति\* के ही जिसं . . . . . . . राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अनुस्चित जाति/अनुस्चित जनजाति कं रूप में मान्यता पाप्त है . . . . . . . . . द्वारा आरी। दिनांक . . . . . . . .

%° 3. श्री∙ and a feet factor of the factor of the factor of आॅर/या उनका परिवार आमतौर गांव/कस्बा\* . . इ.स. १८ १८ १८ १८ ५ <u>८ ८</u> **णिला/मंडल\*** ह्या इ<sub>.स. १८ १८ ४४</sub> राज्य/सघ\* राज्य क्षेत्र \*
रहता है।
हस्ताक्षर
\*\*पदनाम
(जार्यालय की मूहर के साथ)
राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हों कृपमा काट दां। राष्ट्रपति का विशिष्ट आदोश निर्मिष्ट कर्यं। %न्तो पैश लागू नहीं हो उसे काट दो।

टिप्पणी :--वहां ''आमरौर से रहता है'' का अर्थ वही होगा जो ''रिप्रोजेन्टोशन आफ ष पीपूल एक्ट. 1950'' की धारा 20 में हैं।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करनं के लिए सक्षम प्राधि-कारियों की सुची

> (1) जिला मजिस्ट्रंट, बिलिरिक्त जिला मजिस्ट्रंट/ कलेक्टर, डिप्टी कमिशनर/एंडीशनल डिप्टी किम-इनर/डिप्टी/कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइएँडरी मजिस्ट्रंट/सिटी मजिस्ट्रंट/सब-डिवीजनल मजिस्ट्रंट/ ताल्लुक मजिस्ट्रंट/एग्डीक्य क्रिक् मजिस्ट्रंट/एक्स्ट्रा असिस्ट्रंट कमिश्नर।

 (ऽथम श्रेणी स्टाइपेण्डरो मिजिस्ट्टे के ब्रोहद सं कम नहीं)।

- (2) चीफ प्रसिद्धंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिङ्सी मजिस्ट्रेट/प्रेसिङ्सी मजिस्ट्रेट।
- (3) रवेन्य अफसर जिसका आह्रदा तहसीलदार से कम न होगा।
- (4) उस इलाके का सब-िडवीजनल अफसर जहां उम्मीद-बार और/या उसका परिवार आमर्तार से रहता है।
- (5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफसर, लक्षच्वीप।

# परिशिष्ट-

# संघ लोक सेवा आयोग

#### उम्मीदवारों की स्चनार्थ विवरणिका

#### (क) वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परिक्षा में बैठने वाले हैं वह ''वस्तुपरक परीक्षण'' होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नाश कहा जाएगा) के लिए कर्ड स्काए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर जून लेना हैं।

इस विवरणिका का उव्देष्ट्य आपको इस परीक्षा के वारे में कारू जानकारी दोना ही जिससे कि परीक्षा के स्वक्ष्य से परिचित्त संहोंने के कारण आपको कोई हानि न हो।

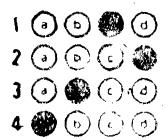
# (स) परीक्षा का स्थापन

प्रदन-पत्र परीक्षण 'पृस्तिका' के रूप में होंगे। इस पृस्तिका में फम संख्या 1,2,3 सादि के फम से प्रदनांश होंगे। हर प्रदनांश के नीचे ए.बी,सी,डी चिन्ह के साथ मुकाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सर्श लगे तो उनमें से सर्वेत्तिम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रदनांशक देख लें।) किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रदनांश के लिए आपको सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रत्युत्तर खुन लेते हैं सो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

#### (ग) उत्तर दोने की विधि

परीक्षा भवन में अपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया आएगा। बापको अपने प्रत्यृत्तर इस उत्तर पत्रक से लिखने होंगे। परीक्षण पृस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखें गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक (जिसकी एक नम्ना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भंजी जाएगी) से प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक जार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी, सी, डी जिन्ह वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है इसको इस प्रत्युत्तर के अक्षर बाले वृत्त को पेंसिल से पूरी सरह काला बना कर उसे अक्षित कर बेना है जैसा कि (आपका उत्तर वर्शाने के लिए) नीचे विश्वाया गया है। उत्तर पत्रक के बृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी हैं कि ∁——

- 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए क्षेत्रल अच्छी किस्म की एच , बी. (पेंसिल) (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड भी लाए।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एंसी असाव-धानी नहीं बरतनी चाहिए जिससे यह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या सराब हो जाए।

#### (म) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- 1. आपका परीक्षा आएम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी भी परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- े पर्राक्षा शरू हु। ने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भक्षा छोड़ने की अनुमति नहीं फ्लिगी।

- 4. परीक्षा समाप्त हांनं के बाद, परीक्षण पुरिन्तका और उत्तरं-पत्र निरीक्षक/पर्यविक्षक को सौंप दे। बापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा देख दिया जाएगा।
- 5. बापको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा, आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कुटबर्घ भी करता होगा। इसको बार में बापको पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जाएगे।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिए सभी अनुदोध आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदोधों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविष्ध हैं, तो उस प्रकांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवंधक के अनुदोशों का पालन करों। जब पर्यवंधक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कही तो उनके अनुदोशों का तत्काल पालन करो।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रभाण-पत्र साथ लाए, आपको अपने साथ एक एष. बी. पेंसिल, एक रखड़, एक पेंसिल शार्षनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किलप बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कड़ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोर्ड खाली कागज या कागज का टकड़ा था पैपान या आग-खण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी अरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की नारील लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दी।

# (छ) विशेष अनुबंध

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने को बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपिक्षत सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रकृत पूरितका देंगे। प्रकृत पूरितका मिलने पर आप यह अवस्य देख ले कि उस पर पूरितका को सस्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे अदलवा ले। प्रकृत प्रस्तका को खंगलन से पहले उसके पहले पृथ्ठ पर अपना अन्कर्माक लिखे। आपको प्रकृत पुरितका तब तक खोलने की अनुमित नहीं है जब तक पर्यवेक्षक एसा करने के लिए न कहा।

# (भ) कुछ उपयोगी सुभाव

यश्चिष इस पराक्षण का उद्देश्य आपकी गांत की अपक्षा शृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का मुखासंभव यक्षता स उपयोग करो। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते है करो, पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो जिल्ता न करों। आपका जो प्रश्न अत्यन्त कठिन माल्म पड़ा उन पर समय व्यर्थ न करों। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करों।

सभी प्रश्नाकों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दी आपके द्वारा अंकिंग मही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं कार्ट जाएंगे।

#### (छ) परीक्षण का सम्भापन

जैसे ही पर्यवंक्षक आप्नां लिखाई बन्द करने को कहैं, आपं लिखना बन्द कर दां। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक बस्तुएं सों जायों और आपको हाल छोड़ने की अनुमित दो। आपको परी-क्षण पुस्तिका और उत्तर-पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीका। भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है।

#### नमूने के प्रश्नोश (प्रश्न)

(नोट--- असही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निविध्व करता है)।

#### 1. सामाण्य प्रक्रययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्निसिकित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है :---

- (a) रक्तका दाय वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाख वायुमण्डल के दाझ से प्रशिक होता है।
- (c) रक्स वाहिकाभों की धन्धकती तथा बाहरी शिराभों पर दाव समान होता है।
- (d) रवन का दान गायुमण्डल के दान के प्रमुख्य कटता बढ़ता है।

#### Ł. (Raipieli)

(Vocabulary - Symmymes)

There was a reverse correcte of voters of the municipal elections

- (a) cancily known
- (b) only those registered
- \*(d) largest some

#### 3. (ৡছি)

अरहर में फूलों का शाइना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जासकता है ?

- \*(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा क्रिइया#
- (b) दूर-दूर पौधे लगाना
- (c) सभी ऋशु में पौधे लगाना
- (d) बोड़े-थोड़े फासले पर पौछे संगाना

#### 4. (रसायन विकासन)

H3VO4 का एनहांब्राइड निम्नतिश्चित में संक्या शोला है है

- (a) VO3
- (b) **VO**4
- (c) V2O3
- \*(d) V2O5

#### 5. भर्षे गा<del>रक</del>

स्त्रम का एकाधिकारी भाषक निश्वलि**क्षित में के किया क्यित** में होता है ?

- (a) भीमान्त राजस्य उत्पाद के मणदूरी कम हो ।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राषश्य उत्पादन वीवी वरावर हो।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य सम्पाद संअधिक हो । ]
- (d) मजदूरी सीमान्ध भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

#### 0. (बैचुत इंजीनियरी)

्णसमाध्य रखा को प्रपेकित वैश्वेष्ट्रतांक । के वंशवेष्ट्रत के वे बन्द्रित विभाग समाध्य है। यथि 😂 मुक्त करतराख विभाग के व्यवस्थ वेन व्यक्ति। वृश्वे कावस्थ विभाग के व

- (a) 3C
- (b) C
- •(c) C/3
- (d) C/0

# 7. (भू-विकान)

बेसाल्ड में प्लेजिकोक्लेस क्या होता है ?

- (a) मालिगोक्लें ज
- (b) वैबटेबोराइट
- (c) एस्थाइट
- (d) एनायदिव

# 8. (गणित)

मूख बिग्तु से गुक्ररने बाला धौर 
$$\dfrac{d^2y}{dx^2} = \dfrac{dy}{dz} = 0$$
 सनीकरण को

संगत रखने वाला वक-परिवार निम्निलिखिन में में किसमे निर्विष्ट है?

- (a) y=ax+b
- (b) y-ax
- (c) y=aex +be-\*
- \*(d) y=ae\* -a

## 9. (भौतिकी)

एक भावरों उद्मा इंजन े 100° K \$300° K तापकम के मध्य कार्य करता है। इसकी असता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (3) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (सांच्यिकी)

यविदिषय विवार का माध्यम 5 है तो इसका प्रवरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
- (c) ∞
- (d) 5

#### 11. (मृगीस)

वर्माकं दक्षिणी भाग की भ्रत्याधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित मैंक्या है ?

- (a) यहां पर खानिज साधनों का विपूल भश्डार है।
- \*(b) बर्माकी प्रधिकांन निवर्षों का ग्रेस्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है। .
- (d).बेम के पिछिकांस तेल क्षेत्र इसी माग में है।

#### 12. भारतीय इतिहास

द्राह्मणयाद के सम्बन्ध भ निम्नांलिखत मे स क्या मरय नही है ?

- (a) बीक्ष्यमं के उत्कर्त काल में भी बाह्यणवाद के मनुयायियों की भक्ष्या बहुत आधार थीं ।
- (b) आद्याशयोद अहल श्रायिण कर्मकाण्य क्यीर धाकस्थर पूर्ण धर्म यः ।
- \*(०) क्राह्मणयात्र क श्राध्यवय के साथ बिल सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्त्व कम हो गया ।
  - (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दणाओं को प्रकट करने के संस्कार विविधित थे।

## 13. (दर्शन शास्त्र)

िनिम्नलिखित में से निरीप्रवरवाधी वर्शन समूह कौन साहै ?

- (a) बौद्ध, स्थाय, धार्वाक, मीर्गासा
- (b) स्थाय, धेशेषिक, जैन श्रोर मोडः चावांक
- (८) श्रद्धेत, वेदास्त, भाष्य, घाविक, बीम
- 🔸(🖒) बीह्न, सांस्य, मीमांमा, वार्वाक

# 14. (राजनीति विज्ञान)

ब्लियत प्रतिनिधान का प्रयं निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) क्यवसाय के भाषार पर विधानमंडल में प्रतिनिश्चियों का निर्वाचन ।
- \*(b) किसी समृष्ट या किसी ब्यावरायिक समुदार के पक्षका समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी मंगठन में प्रसिनिधियों का चनाव:
- (d) श्रमिक संयों द्वार! अप्रत्यक्ष प्रतिनिधि :

#### 15. (मनोविशान)

लक्य की प्राप्ति निम्तिशिक्षित में से किल को निर्वेक्षित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी बावश्यकता में वृद्धि
- (b) भावारमक ग्रवस्था में न्यनसा
- (c) व्यावहारिक प्रक्षिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण सम्निगम

#### 18. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निय्न में से कीन सी उपलब्धि है ?

- \*(३) ग्राम सरकार में महिलाश्रांितथा कमजोर बगों को श्रीपचारिक प्रतिनिधिस्य प्राप्त हुन्ना है।
- (b) स्थाङ्तकम हर्द है।
- (C) वंचित वर्गी के लोगों को भूस्वासित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में जिल्ला की प्रसार हुआ। है।

टिएक्फी:---उम्मीदवारों को यह स्थान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नसूने के प्रश्मांश (प्रथम) केवन उदाहरण के लिए दिए शए हैं भीर यह अकरी नहीं कि ये इस परीक्षा की पाठ्यकर्या के प्रमुसार हों। -----

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 1st April 1985

No. F. 6/85-SCA (1).—The following officers have retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of March 31, 1985:—

- 1. Shri Mahesh Prasad, Addl. Registrar.
- 2. Shri C. Balasubrahmanian, Deputy Registrar,
- 3. Shii Brii Mohan Sharma, Assistant Registrar.

No. F. 6/85-SCA (1).→I. The Hon'ble the Chief Justice of India has permitted Shri H. S. Munjrol to continue to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of April 1, 1985, until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. N. Joshi, Assistant Registrar, to officiate as Deputy Registrar in the Registry of Supreme Court of India with effect from the forenoon of April 1, 1985 until further orders.

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed S/Shri G. K. Batra and I. J. Sachdeva, Court Masters and R. C. Gaudhi, Private Secretary to Hon'ble Judge to officiate as Assistant Registrars on ad hoc basis for a period of one month with effect from the forenoon of April 1, 1985 upto April 30, 1985, until further orders.

IV. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri R. K. Bit, Assistant, to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of April 1, 1985, until further orders.

V. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed S/Shri S. K. Pahuja and Raj Pal Arora. Officiating Stenographers to officiate as Court Master (Shorthand knowing) and Private Secretary to Hon'ble Judge, respectively with effect from the forenoon of April 1, 1985 for a period of one month i.e. upto April 30, 1985, until further orders.

R. SUBBA RAO Registrar Supreme Court of India

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

or and a large transfer of the contract of the

New Delhi-110011, the 13th March 1985

No. A. 32014/1/85-Admn.II(ii).—The Secretary, Union Public Service Commission hereby reverts Smt. T. G. Marykutty, Supdt. (DP) in the office of Union Public Service Commission to the post of Investigator (DP) in the Commission's Office with effect from 1st March, 1985 (FN) on the basis of the recommendations of the review DPC held in accordance with DOP & AR OM No. 22011/6/75-Estt. (D) dated 30-12-1976.

S. BANERJEE Under Secy. (Admu.)

for Secy.

#### New Delhi-110011, the 1st April 1985

No. A. 38013/5/83-Admin. II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st March, 1985 (Afternoon), Shri Brahma Nand, a permanent Assistant and officiating as Assistant Director (Official Language) on deputation terms has relinquished the Charge of the office of the Service Commission.

M. P. JAIN Under Secv. (Admn.) Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF PERSONNEL & AP

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd April 1985

No. 3/20/85-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Gupta, Deputy Superintendent of Police/Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment to officiate as Suprintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the foreness of 28th March, 1985 and until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

#### DIRECTORATI GENERAL, CRP FORCE

New Dilhi-J10003, the 27th March 1985

No. O. II-1774/83-Estt.—The Director General, C.R.P.F., is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th January, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 29th March 1985

No. O. II-1846/83-1 stt.—Shri Padam Singh, Dy. S. P. of 31st Bn. CRPF expired on 24-2-1985. He is accordingly struck off the strength of the force from 25-2-1985 (FN).

#### The 31st March 1985

No. D. I-9/83-Estt-I.—The services of Shri K. C. S. Negi, Dy. S. P., 73 Bn.-CRPF are placed at the disposal of Civil Aviation Security, on deputation basis with effect from 2-3-85 (Afternoon).

#### The 2nd April 1985

- No. O. II-1102/73-Estt.—Consequent on their retirement from service on superannuation, the following officers relinquished the charge of their posts from the dates as shown against their names:—
  - (1) Shri Ran Singh—28-2-1985 (AN). Assistant Commandant, 18th Bn. CRFP.
  - (2) Shri M. A. Belliappa--28-2-1985 (AN). Assistant Commandant, 28th Bn, CRPF.

#### The 4th April 1985

No. O. II-546/69-Estt.---As a result of departmental proceeddings against him, the President has dismissed Shri C. P. Paul, Dy. S. P. of 36 Rn. CRPF, from service with effect from the forenoon of 18-3-1985.

> ASHOK RAJ MAHFEPATHI Assistant Director (Fstt)

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th March 1985

No. E-16016(3)/2/84-Pers-I.—On reversion to the grade of Assistant Shri S. N. Arora, Section Officer (al hoe) CISF HQrs New Delhi relinquished charge of the post of Section Officer (ad-hoe) with effect from the forenoon of 11th February 1985.

#### The 4th April 1985

No. E 32015(4)/133/84-Pers.L.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Sharma, on promotion as Assistant

Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 26th February 1985.

Director General/CISE

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT : CENTRAL REVENUES

CONTRACTOR AND STREET TO THE STATE OF THE ST

New Delhi-110002, the 2nd April 1985

No. Admn.I/O.O. No. 86.—The Director of Andit, Central Revenues, New Delhi hereby appoints Shri Ripu Daman Bali, a permanent Section Officer (nov. Assistant Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 1st April, 1985 until further orders.

Sd. ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS New Delhi-110066, the 30th March 1985

No. AN-I/II50/I/Vol. V—On the basis of the results of the Civil Services (Main) Examination, 1983 held by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service, with effect from the dates shown against their names:

Sl. No.	Name		~ 17	 ~-	Date of Appointment
1. 5	Shri Sanjiv Mittal				· 21-12-84 (FN)
2. I	Cum. Anuradha Mitra			٠.	30-08-84 (AN)
3. S	hrı Ashok Kumar Dh	amij	a		20-12-84 (FN)
4. 8	hri Rajnish Kumar				01-01-85 (FN)
5. S	hr! V#Venu Gopal			-	22-02-85 (FN)
6. S	hri Swaraj Bir Singh	÷			24-08-84 (FN)
7. S	hri Jamkhongam Lhui	ngdir	m	•	31-12-84 (FN)

A. K. GHOSH

Additional Controller General of Defence Accounts
(AN)

#### MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C) New Delhi, the 25th March 1985

No. Adm.1/4(12) 84(1).—Consequent upon his selection for deputation in N.L.I., New Delhi, Shri M. R. Dash relinquished charge of the office of the LEO(C), Barbil on 29-9-84 (AN).

No. Adm.I/4(12):#84(2).—On transfer Shri S. N. Mukherjee relinquished charge of the office of the LEO(C) Pakur on 17-8-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Madras on 31-10-84 (FN) after availing of joining time & leave etc.

No. Adm.I/4(12) /84(3).—On attaining the age of super-annuation Shri T. Venkatesan relinquished charge of the office of the I FO(C) Madras on 30-9-84 (AN).

No. Adm.I/4(12) /84(4).—On transfer Shri D. Pradhan relinquished charge of the office of the LEO(C) Bhubaneswar on 16-10-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Barbil on 30-10-84 (FN).

No. Adm.I/4(12) \*84(5).—On promotion to the post of Al.C(C) Shri O. P. Sharma relinquished the charge of the office of the LEO(C) Jaipur on 5-10-84 (AN). 72—36 GI/85

No. Adm.I/4(12) 84(6).—On promotion to the post of ALC(C) Shri S. K. Mitra relinquished charge of the office of the 1FO(C) Calcutta on 26-11-84 (FN).

No. Adm.1/4(12) 484(7).—On transfer Shri K. L. Kushwaha relinquished charge of the office of the LEO(C) Jhansicamp at Kanpur on 16-11-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Kanpur on 16-11-84 (AN).

No. Adm. 1/4(12) 84(8).—On transfer Shri R. N. Ojha, relinquished charge of the office of the LEO(C) Bhagalpur on 4-12-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Jaipur on 15-12-84 (FN).

No. Adm.1/4(12)/84(9).—On attaining the age of surerannuation, Shri R. V. Tayade relinquished charge of the office of the LFO(C) Bombay on 30-11-84 (AN).

No. Adm.1/4(12)/84(10).—On transfer Shri S. N. Ojha relinquished the charge of the office of the LEO(C) Chaibasa on 4-12-84 (AN) and assumed charge in the same capacity of Bhubaneswar on 7-1-85 (FN) after availing joining time & leave.

No. Adm.1/4(12)/84(11).—On transfer Shri R. Prasad relinquished charge of the pffice of the LEO(C) Lumding on 12-12-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Titilagarh on 23-1-85 (FN).

No. Adm.1/4(12)/84(12).—On reversion Shri M. T. Tarade relinquished charge of the office of the ALC (C) Vasco-da-gama on 26-11-84 (FN).

No. Adm.I/4(12)/84(13).—On transfer Shri V. T. Malhe relinquished charge of the office of the LEO(C) Jabalpur on 15-12-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Bombay on 17-12-84 (FN).

No. Adm.I/4(12)/84(14).—On transfer Shri Shantilal relinquished charge of the office of the LEO(C) Kanpur on 16-11-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Jhansi on 18-12-84 (FN).

No. Adm I/4(12)/84(15).—On transfer Shii I, J S. Bhatia relinquished charge of the office of the LEO(C) Delhi-II on 10-12-84 (AN) and assumed charge as LEO(C) Delhi-III on 10-12-84 (AN).

No. Adm./4(12)/84(16).—On transfer Shri A. K. Singh relinquished charge of the office of the LEO (C) Delhi-III on 10-12-84 (AN) and assumed charge as I EO(C) Delhi-II on 10-12-84 (AN).

NAND LAL Administrative Officer

# MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

# OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 30th March 1985

No. 2(29)/Est.I/84/1185.—Shri P. B. Jethani. Assistant Enforcement Officer, Gr. I in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on Superannuation from the afternoon of 28-2-1985.

No. 2(27)/Est.I/84/1189—Kum. B. Ignatius, Assistant Director, Grade II (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bornbay retired from service on Superinnuation from the afternoon of 28-2-1985,

R. K. KULKARNI Joint Textile Commissioner

#### MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 8th April 1985

No. A-19018(214)/75-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Guha Roy, Asstt. Director (Gr. I)

(Leather/Footwear), Small Industries Service Institute, Extension Centre, Meerut under Small Industries Service Institute, Agra as Deputy Director (Leather/Footwear) at PPD Centre, Meerut with effect from the foreneon of 17-12-1984 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE CEMENT CONTROLLER

New Delhi-110 008, the 18th March 1985

No. 1(61)/81-Admn.I/2360.—Consequent upon the redesignation of the posts of Accounts Officers (Scale Rs. 840-40-1000-EB-40-1200) as Assistant Cement Controller (Accounts & Finance), in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 vide Ministry of Industry, Department of Industrial Development Order No. 16-16/79-Cem dated 23-12-1920, the following Accounts Officers are appointed to the post of Assistant Cement Controller (Accounts & Finance) in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on regular basis in the order given below, with the approval of the Union Public Service Commission vide their letter No. F. No. 4/1(1)/85-A.U.I. dated 11-3-1985 with effect from the dates indicated against each:—

- 1. Shri K. M Gupta-23-12-1980.
- 2. Shrl O. P. Nayyar--23-12-1980.
- 3. Shri L. S. Keswani-1-2-1983.

K. R. ARAVAMUDHAN Joint Cement Controller

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A6)

New Delhi, the 30th March 1985

- No. A. 17011/290/85-A6.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Krishna Kohli, a candidate nominated by the Union Public Service Commission to officiate in Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) with effect from the forenoon of 15th February, 1985, and until further orders.
- 2. Dr. (Mrs.) Krishna Kohli, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 15th February. 1985.
- 3, Dr. (Mrs.) Krishna Kohli, will be on probation for two years w.e.f. 15th February, 1985.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL Calcutta-20, the 2nd April, 1985

No. El 2(2)/85(.)—The undersigned hereby appoints Shri P. L. Mondal, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 1-4-1985 (FN) on temporary basis.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th March 1985

No. 4/8/84-SII.—In continuation of the Directorate General, All India Radio's Notification No. 4/8/84-SII dated the 26-3-1984 Directorate General, All India Radio is pleased to extend the appointment of Shri R. D. Nalage, Hindi Translator, AIR Sangli and working as Hindi Officer, AIR. Pune on deputation in the ray scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-889-46-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a further period

of one year with effect from 6-3-1985 on the same terms and conditions.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 2nd April 1985

No. 6(11)/63-SI.—Shri S. R. More, Programme Executhe, All India Radio, Vadodra expired on 4th March, 1985.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th March 1985

No. A-31013/7/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. G. K. Biswas to the post of Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Scruces in a substantive capacity with effect from the 18th July, 1983.

P. N. THAKUR Deputy Director of Administration (C&B)

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

#### DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 2nd April 1985

No. A. 19025/4/85-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri Rama Chandra Panda has been appointed to officiate as AMO (Gr. I) in this Directorate from 20-2-1985 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

J. KRISHNA

Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th March 1985

No, A. 35018/6/79-EI.—In continuation of this Office Notification No. A. 35018/6/79-EI dated the 14th Dec., 1984, the President is pleased to approve the extension of deputation of Shri K. K. Nagar, an Officer of the Intelligence Bureau, to the post of Assistant Director of Civil Aviation Security (Psyscale Rs. 1200-1800 plus Rs. 300/- Special Pay per mon h) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for the period from 1-1-1985 to 28-2-1985. Shri K. K. Nagar stands repatriated to Intelligence Bureau (MHA) on 28-2-1985 (AN).

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

# New Delhi, the 1st April 1985

No. A. 32013/1/75-ES.—The President is pleased to accord ex-post facto sanction to the appointment of Sh. D. D. Sansi, Assistant Aircraft Inspector to the grade of Aircraft Inspector (now Airworthiness Officer) with effect from the date his junior Sh. N. John was promoted (w.e.f. 24-11-1975).

G. B. LAL. Asstt. Director of Admn,

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 1st April 1985

No. A-19012/1024/82-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri B. B. Haldar, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Figineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 26-3-1983 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.
Central Water Commission

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th March 1985

No. 1/345/69-EC.IX.—Shri J. P. Saxena, Architect of this Department will retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-3-1985 (AN).

M. M. DAS Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shree Banshi Industries Limited.

Patna, the 4th April 1985

No. 598/560/52.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shree Banshi Industries Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar, Patna.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1985 .

#### **CORRIGENDUM**

No. IAC. Acq. I/SR-III/5-84/170.—In the notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) published under reference No. IAC/Acq.J/SR-III/5-84/170 dt. 7-1-1985, in line No. 14 from the top and also in The Schedule" to the above notice for property bearing "No. E-8, Gica'et Kailash-2, New Delhi" read "Plot No. M-77, Greater Kailash-Part-I, New Delhi measuring 500 Sq. yards'.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1727/Acq. R-HI 81-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 2 situated at Lalbazar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at JAC Acqn. R-III, Calcutta on 18-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the conties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect, of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Todi Tea Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Binod Engineering & Mechancial Works.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that office space No. 216 in the 2nd floor in the premises of 2, Lalbazar Street, Calcutta registered u/s 269AB before IAC Acqn. R-III on 18-7-1984, Area-521 Sq. ft.

SANKAR K. BANERJUS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JI
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-700 016.

Date: 14-3-1985

Seal:

FORM ITMS-

(1) M/s. Todi Tea Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s, Vidya & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1728/Acq. R-II/84-85 -- Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. and bearing

No. 2, situated at Lalbazar, Culcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqu. R-III Calcutta on 21-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that office space No. 213/214 in 2nd floor in the premises of 2, Lalbazar St., Calcutta registered u/s 269AB of I.T. Act 68 before IAC Acqn. R-III, Calcutta on 21-7-1984.

Area-690 Sq. ft.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
A cquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016.

Date: 14-3-1985

Scal :

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Todi Tea Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1935

Ref. No. 1729/Acqn. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, situated at Lalbarzar Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 20-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not teen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that office space No. 218, in the premises of 2, Labbazar Street, be registered u/s. 269AB of I.T. Act '61 before IAC., Acqn. R-III Calcutta on 20-7-1984, Area—662 Sq. ft.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 14-3-1985

Seal :

#### FORM ITNS-

(1) Renu Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Manabendra Bannerjee.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1730/Acqn, R-III/84-85.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and heaving

situated at Sunny Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property in the premises of 11-A Sunny Park, Calcutta registered at Calcutta vide Deed No. I 8632 dated 24-7-1984.

2 Stories Bldgs-Land area 15 K-9Ch-3 sq. ft.

SANKAR K. BANERJEH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Çalcutta-700 016.

Date: 14-3-1985

Scal :

----

FORM ITNS-

(1) M/s. Amrit Commercial Co. (P) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferer)

((2) Shri Ashok Kumar Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1731/ Acqn. R-III/84-85.-- Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/c and bearing

25,000/- and bearing
No. 32/1 situated at Gariahat Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961
1908) in the Office of the Registering Officer
at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 1-7-1984

at JAC, Acqn. R-III, Calcutta on 1-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property being flat No. 'D' in the 4th floor at 32/1 Garihat Road, Calcutta registered u/s 269AB of IT Act '61 m 21st July '84. Area 600 Sq. ft.

SANKAR K. BANER'E!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-790 016.

Now, therefore, 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

Scal:

### (1) Vasundhara Properties (P) Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Hibiscuss Project (P) Ltd.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# CFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1732/Acqn. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section '269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at JAC., Acqn. R-III, Calcutta on 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—73—36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property in the premises of 2/7 Sarat Bose Road, Calcutta registered u/s. 269AB of IT Act '61 before IAC Acqn. R-III, Calcutta on 4-7-1984 (1986 Sq. ft.).

SANKAR K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1733/Acqn. R-III/84 85,---Whereas, L.

SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/7 situated at Smrat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. R-III, Calcutta on 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Vasundhara Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Hibiscuss Projects (P) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

All that property in the premises of 2/7 Sarat Bose Road, Calcutta registered u/s 269AB of IT Act '61 before IAC Acqn. R-III, Calcutta on 4-7-1984. Area 955 sq. ft.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-3-1985

#### PORM TINE

(1) Anuradha Chowdhury.

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mrs. Anima Guha.

(Transferor)

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref: No. 1734/Acqn, R-III/84-85.--Whereas, I, SANKAR BANERJEĖ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the framewable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing
No. 11/3 situated at Old Ballygunge 2nd Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 28-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or officer assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the follow ing persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 26 in 5th floor at 11/3 old Ballygunge, 2nd Lane, was registered before LAC, Acquisition Range-III, Cal. on 28-7-1984 u/s 269AB of IT Act '61.

SANKAR BANERJEE Compétent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Date: 14-3-1985

(1) Lake Place Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(2) S. Mahadeyan.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1735/Acqn. R-III/84-85.--Whereas, I. SANKAR BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

ead/or

No. 1/1 situated at Lake Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule sanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acqn R-III, Calcutta on 16-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument with the object of:of transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein as EXPLANATION: The terms and expressions are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

All that flat No. 21, at 'Prasanti' in 1/1 Lake Avenue, Cal. registered u/s 269AB on 16-7-1984 before IAC., Acqn. R-III, Calcutta.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1985

(1) K. N. Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Satyanarain Khandelwal & Others.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1736/ACq. R-III/84-85.- Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and benaring No. 11A situated at Palam Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 7-7-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAG., Acqn. R-III, Calcutta on 7-7-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that flat No. 5C at Ashok Towers at 11A Palm Avenue, Calcutta registered before IAC., Acqn. R-III, Calcutta by filing Form No. 37EE on 7-7-1984.

SANKAR BANFRIFE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 14-3-1985

(1) Smt. Parul Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arun Bikash Sen.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1737/Acqn. R-III/84-85.—Whereas, I. SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act5) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

and bearing No. 9/8C situated at Moore Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acqu. R-III on 28-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that property in the premises of 9/8C Moore Avenue, Tallygunge, Calcutta registered before IAC. Acqn. R-III, Cal. on 28-7-1984 u/s. 269AB of IT Act '61.

SANKAR BANERJFE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rfi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1738/Acq. R-111/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
No. 1/C situated at B C. Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the collice of Registering Officer at IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 28-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely: ing persons, namely :-

(1) Pradeepraj Bakshi.

(Transferor)

(2) Cummins Diesel Sales & Service (I) Ltd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that flat No. 94 in Bl. 'A' at Tivoli Court in 1/C B.C. Road, registered on 28-7-1984 before IAC., Acqn. R-III, Cal. by filing Form No. 37EE (1800 Sq. ft. more or less).

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 14-3-1985

(1) Veekay Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hindustan Lever Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1739/Acgn. R-III/84-85.-Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 18/2 situated at Goriahat Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 31-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have eason to believe that the fair market value of the procerty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 9B and one garage in the premises of 18/2 Gariahat Road, Calcutta registered u/s 269AB before IAC. Acqn. R-III, Calcutta on 30-7-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 14-3-1985

1(1) Veekay Properties (P) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Hindustan Lever Ltd

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1740/Acqn. R-111/84-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 30-7-1984

at IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 30-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that flat No. 9-A and one garage in the premises of 18/2 Gariahat Road, Calcutta, registered u/s 269AB before IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 31-7-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rasi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-74-36 GI/85

Date 14-3-1985

# FORM ITNS----

(1) Anujit Ganguly and others.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE GOVERNMENT OF INDIA

(2) Arvind Kumar Garach (HUF).

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Rof. No. 1741/Acqn R-III. 84-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinneter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, situated a: Ashutosh Mokhorjee Road, Calcutta (and r ree fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) the Office of Registering Officer at IAC, A qu. Range-III, Calcutta on 30-" 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason market cause of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that flat to be constructed on 5th floor at 2, Ashutosh Mukherjee Road Calcutta-23, area being 800 sq. ft. Registered before I.A.C. Acqn. Range-III, Calcutta under section 269AB of I.T. Act, 1961 on 13-7-84.

> SANKAR BANNERJEE mapeoting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 14-3-1985

Scall:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, armely :--

(1) Shymal Kumar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Kumar Dutta & Other.

(Tenneferne)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1742/Acqu. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No. 186A situated at Rash Behari Avenue exceeding

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 31-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by anore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oughs to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that 6K-10ch, of land together with a two storied building at 186A, Rash Behari Avenue, Calcutta registered at Calcutta vide Deed No. I-8788 dated 31-7-84.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 14-3-1985

(1) Ajanta Credit Corporation.

(Transferor)

(2) M.'s, Motilal Naresh Kumar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. 1743/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1, situated at Croocked Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Office space measuring 6053 sq. ft. in 1st floor at the premises of 1, Croocked Lane, Calcutta was registered under section 269AB of J.T. Act, 1961 on 27-7-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date : 14-3-1985

(1) Smt. Maya Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Uma Devi Parasramka.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Rcf. No. 1744/Acqn. R-III/84-85.—Whereas, J, SANKAR BANNERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/1E situated at Palm Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that 2K—8ch, of land together with a two storied building thereon at 8/1E Palm Avenue registered at Calcutta vide Decd No. I-8151 dated July, 1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 14-3-1985

#### FORM ITNS-

(1) Shri Anujit Ganguly & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1985

Ref. No. 1745/Acqn. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No.2, situated at Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC, Acqn. Range-III, Calcutta

under registration No. 305/37EF/Acq. R-III dated 14-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Ramesh Kumar Garach (HUF).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 'n that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that flat of 800 sq. ft. covered area on 5th floor at 2, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta-20 registered before the I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/84-85 dated 14-7-84.

SANKAR BANNERJFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-3-1985

(1) Bidyutpasna Bhattacharjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rathindranatha Bhattacharya.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JU, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1985

Ref. No. 1746/Acqn.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEF,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and benoing

No. — situated at Mauza-Kasba Jadarpur, 24 Pargana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta under registration No.

TRF 542/Acq. R-III/84-85 dated for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid success the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land measuring 5 Kottahs 3 chittacks at Mauza Kasba, P.S. Jadavpur Distt. 24 Pargana.

SANKAR BANNERIEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-III,
And Ahmed Kidwa Road,
Calcutta

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) Shymal Kumar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Profulla Kanti Ghosh & Others.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1985

Ref. No. 1747/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, beving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 15B situated at Bhabanath Sen Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No.—dated—for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that two storied building having an area of one cottah one chittack being the premises of 15B, Bhavanath Sen Street, Calcutta.

SANKAR BANNERILE:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ill,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 15-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Haripada Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pabitra Kumar Das Bhowmik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersugated:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th March 1985

Ref. No. 1748/Acqn,R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, r being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 242/1 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. — dated — for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. P 2 in 1st floor having an area of 500 sq. ft. being the premise: No. 242/1 Prince Anwar Shah Rd., Calcutta registered vide E of No. 3127 dated 3-7-84.

SANKAR BANNERJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 15-3-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—75—36 GI/85

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. MADRAS

Madras-600006, the 20th February 1985

Ref. No. 1/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair makeet value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 383 situated at 383, Pudbuvijayakarkoli Street,

Kankevanallur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of Registering Officer at S.R. Katpadi (Doc. No. 2195/84) on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald property as a foresald property as a foresald

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mouses or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: Scal :

(1) Shri T. R. Purushothaman, S/o Rongasamy Reddy, 3/279, Saraswathy Street, G.C. Colony, Velur-6.

(Transferor)

(2) Shri T. T. Palani, S/o Thatching Muadliyar, Puduveethi, Kangoyanallur.

(Transfere,c)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at 383, Puduxijayakarkoil veethi, Kangoyanallur--- (Doc. No. 2195/84).

> PREMA MALINI MASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-i, Madras (0) 005

Date: 20-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 443 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# (2) Shri B. Amuthaganesan, and others. 10-3-71 Seshabiran Street, Sithur.

Kanthi Nagar.

(1) Shri S. Kanagatabapathi Aiyer, S/o T. K. Sootha Ramiah,

41, 8th East Main Road,

(Transferor)

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 21st February 1985

Ref. No. 2/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinatter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Survey No. 185/1 situated at Kalinjur

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at S.R. Katpadi (Doc. No. 2210, 2211, 2212 and 2213/84)

on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Building at Survey No. 185/1, Kalinjur—(Doc. No. 2210, 2211, 2212 and 2213/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Comntissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely :---

Date: 21-2-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 21st February 1985

Ref. No. 4/July/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 bearing
Survey No. 42/1 situated at Virupatchipuram village,
Velur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the R gistration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at J.S.R. I/Vellore (Doc. 180, 2551/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than force that the second of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beth truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the ender the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concealment or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri A.S.A. Paramasivam, S/o A. S. Arunchalaur Pillai, 105/1, Koodalur Sengalvaraya Mudali Street, Velur. (Transferor)

(2) Shri V. Selvaraj, S/o Venkatesapillai, 1/81, Central Street, Palavanjathu, Velur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Virupatchipuram village, Velur Taluk, Survey No. 42/1 → (Doc. No. 2567/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 21-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1. MADRAS

Madras-600006, the 28th January 1985

Ref. No. 8/July/84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

T.S. No. 310/7 situated at Ward No. 1, Block No. 12, Thirupathur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Tirupathur (Doc. No. 2267/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :--,

(1) Shri P.S. Gopalan, S/o P. Srinivasagan, Door No. 652, 8th Main Road, 3rd Block, Bangalore-79.

(Transferor)

(2) Shri Patel Navab Sahib, \$/o Abdul Kabur Sahib, Velagalnatham, Mohamathiyapuram.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 1, Block No. 12, Thirupathur. T.S. No. 310—(Doc. No. 2267/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 28-1-1985

### FORM I.T.N.S .--

 Shii T. A. Padmanabhan, S/o T. P. Arunachalam, No. 7, Katcheri Sircet, Thirupathur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rathina Mudaliar and others, No. 114, Katcheri Street, Thirupathur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 20th February 1985

Ref. No. 9/July/84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,00/-and bearing

and bearing
No. 7, Kathbory Road, Thirupathur Town
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Thirupathur (Doc. No. 2326/84) on July 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
belive that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building at No. 7, Katchery Street, Thirupathur-(Doc. No. 2327/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—.

Date: 20-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madres-600006, the 20th February 1985

Ref. No. 10/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ks. 100,000/- and bearing No. Survey No. 61. situated at Thottamudayampatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tensferred under the Registration Act 1908 (16 of '1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Erum, ipatti (Doc. No. 1128/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;

(1) Smt. Pangaru w/o Shri Krishnasamy Reddiar, Nallapalayam Village and P.O. Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Pappathi W/o Nallappa Gownder, Thottamudiyampatti Village, Pownthithamputhur P.O., Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 61, Thottamudiyampatti village, Erumaipatti, Namakkal—(Doc. No. 1128/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta .
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 20-2-1985

FORM TNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 20th February 1985

Ref. No. 64/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,06,096, and bearing No. Survey No. 64 situated at Thottamudiyampatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Erumaipatti (Ooc. No. 1049/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trajy stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herebe induce proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pankaru W/o Krishnasamy Chettiar Nallipalayam Village & P.O. Namakkal Taluk,

(Transferor)

(2) Shri Nallappa Gownder S/o Senogoda Gownder, Thattamudiyampatti Village, Ponthiramputhur P.O. Namakkal Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Thottamudalyampatti village Survey No. 61--(Doc. No. 1049/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom. -tax Acquisition Range-1.

Madras-600006

Date: 20-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 20th February 1985

Ref. No. 12/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter returned to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 10 situated at Thevarayapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Erumainatti (Doc. No. 1129/84 and 1139/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following response, namely:—

 Shii Varatharajulu Naidu, S/o Rengasamy Naidu,
 Vijayaraju and others Ganthi Nagar, Duriyur,

(Transferor)

(2) Smt. Manonmani, W/o Nallu Gownder, Erumaipatti P.O. Namakkal Taluk.

Triday.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Thevarayapuram village. Survey No. 10—(Doc. No. 1129/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 20-2-1985

Seal:

76-36 GI/85

# FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Nachammal, W/o.Kalianna Gownder, Vasanthapuram village, Sinnaveppanatham, Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri R. Balasamy, and others Kadai street, Namakkal Taluk.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 25, July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 25,000/- and hearing No. Survey No. 25/I situated at Vagurampatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at J. S. R.H. Namakkal (Doc. No. 1339/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer as agreed to between

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person incrested in the said immovmble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Vagurampatti village. Survey No. 25/1, (Doc. No. 1339/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the abresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1). OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th Febuary 1985

Ref. No. 30/July/84.Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 160/2 situated at Mousee village, thiruchengodu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, Namakkah (Doc. No. 1017/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— (1) Shri C. Sundaram, S/o. Sinnusamy, Karukkankadu, Mousi, Thiruchengodu Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Nadarajan, Smt. Saraswathi, W/o. Nadarajan, Veppampattipudur P.O. Elur village, Namakkal Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Mousee village, Thiruchengodu village. (Doc. No. 1017/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Madras-600 006.

Date: 20-2-1985

# FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Thangammal, W/o. Late K. P. Ramasami, Kondalampatti village, Namakkal Taluk and others.

(Transferor)

(2) St. Nallammal, W/o. Malaiappan, Vellala palayam, Pamathi village, Namakkal Taluk.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 28th January 1985

Ref. No. 31 July 1984.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Survey No. 161/1 situated at Velur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Namakkal (Doc. No. 1013/84) in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any increase arising from the transfer.

(k) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same speaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 161/1, Velur village, Namakkal.

(Doc. No. 1013/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 28-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th Febuary 1985

Ref. No. 32/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and bearing No. Survey No. 254/1, 254/2 situated at Thirumalagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Senthamangalam (Doc. No. 1090/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanthaswamy Gowndor, S/o. Karuppa Gowndor, Thirumalaikuttukottai, Kalappanaickenpatti P.O. 637404.

(Transferor)

(2) Mrs. Sabiya Begam, D/o. T.Λ.K. Abdul Rahman, 61A, Mosque Street, SenthamanGalam-637 409.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land and building at Thirumakegiri, Survey No. 254/1. (Doc. No. 1090/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f
Madras-600 006.

Date : 20-1-1985 Sen1 :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th Febuary 1985

Ref. No. 34/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 47/1 situated at Annathanapatti village, Selam Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tadagapatti (Doc. No. 1931/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri S. Natesam Pillai, S/o. Shunmugam Pillai.
 N. Shunmugam and others Door No. 39, Car Street, Selem Town.

(Transferor)

(2) Smt. Perumaye Ammal, W/o. K. Kanthasamy, Door No. 129C, Sankagiri Main Road, Annathanapatti, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inherested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Annathanapatti village, Selam Taluk, Survey No. 47/1.
(Doc. No. 1931/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1985

See

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Natesam Pillani S/o. Shunmugam Pilloi and 5 other, Door No. 39, Car Street, Selam Town.

(Transferor)

(2) Shri Minor Nanthakumar, S/o, muthu Gowndor, Kanthappa Colony, Annathanapatti, Solam Town.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th Febuary 1985

Ref. No. 35/July/84.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/-1,00,000/- and bearing

No. Survey No. 47/1 situated at Annathanapatti village, Solam (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tadagapatty (Doc. No. 1932/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Annathanapatti villagt, Sclam, Survey No. 47/1. (Doc. No. 1932/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 20-2-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 28th January 1985

Ref. No. 36/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Annathanapatti village, Selam Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tadagapatti (Doc. No. 1933/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nallammal, W/o. Arumuga Gowndor, Vaikalkooraimadu, Jarikondalampatti, Selam Taluk, and others.

(Transferor)

(2) Shri G. Rengaraju, S/o. Govindaraju, 362, Silk Seri Bazzar, Kondalampatti, Selam 10 and nine others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 88/5, Annathanapatti village, Selam Taluk.

(Doc. No. 1933/85)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 28-1-1985

 Shri N. Ramakrishnan and 3 others, S/o. Nallasivan Pillai, Pulltomple Road, Mahand Lay out, Bangalore-18.

(2) Shri S.A.P. Varadharajan, S/o. Palanichamy Pandaram, 2. T. Ramanathan,

Dhanakodi Chettiar, Kugaimariyammankoil street,

Selam Town.

(Transferor)

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th Febuary 1985

Re. No. 37/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1.00.000/- and bearing No. T.S.No. 369. situated at Annathanapatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at S.R. Tadagapatti. (Doc. No. 2139/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77-36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on "the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Annathanapatti village. (Doc. No. 2139/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006.

Date: 20-2-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 38/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No. T.S. No. 1,2, & 3 situated at Ammapottai village, Salam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at S.R. Salam least (Doc. No. 1805/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in musuance of Section 269C of the said A t. I wreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:—

 Smt. S. Naseem, W/o. A. Sithik,
 Vellaikuttai Eri Main Road, Selam Town.

(Transferor)

(2) Shri K. Ganesan, S/o, N. S. Krishnasamy Aiyer, 10, Ampaiyeeram chavadi street, Selam Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Ammapettai village, (Doc N.o. 1805/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 005.

Date: 25-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Lakshmikanthammal, W/o Shri P. V. Venkatram Chettiar, 2. P. V. Sundaram and others Selam-2.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Kandasamy, S/o Sengoda Gownder, Vellakalpatti.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 42/July/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Survey No. 158/34 situated at Namagiripet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R. I. Solam (Doc. No. 1697/84), 1698 and 1699/84) in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Namagiripet village, Survey No. 158/34(Doc. No. 1697/84, 698 and 1699/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Anthority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 20-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th 1-ebruary 1985

Ref. No. 45/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 12 situated at Ward No. 7, Asthampatti village, Selam (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. I, Selam (Doc. No. 1639/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lifebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following

 Shri S. Muthu, S/o Sengodan,
 Lakshmi and others
 Raguram Colony, Gandhi Road, Selam-7.

(Transferor)

(2) Shri S. G. Gangadaran, S/o. Savadi Ganapathi Mudaliyar, 587B, Kottai Main Road, Sevaipettai, Selam-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at ward B, Block-I, Asthampatti village, Selam. T.S. No. 12.

(Doc. No. 1639/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006.

Date : 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th January 1985

Ref. No. 47/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. R.S. No. 21/2A situated at Yercaud Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LS.R.-I, Selam (Doc. No. 1576/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the libelity of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purusance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Titta Domenice Simonelli, S/o Late Luigi Simonelli, 2. Mrs. Colleen Wilhelmina Valentine, Simonelli, Brookside, Lady Seat Road, Yercaud.

(Transferor)

 Mrs. J. Parvathi Raman, W/o. S. Janaki Raman, 41. Swarnambigai Street, Selam-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Yercaud village. R.S. No. 21/2A. (Doc. No. 1576/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 28-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 52/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. T.S. No. 13 situated at Asthampatti, Selam Town, Ward B, Block I (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at L.S.R.I. Selam (Doc. No. 1530/84) in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any incesse arising from the transfer: and/ar;
- (b) facilitating the concealment of any income or any name or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nirmala, W/o Duwarakanathan, 15,16 Sakadevapuram, Selam-7.

(Transferor)

(2) Smt. Chinnababu, W/o. Gopaldass, Thiperumpettai, Thiperum Control Pudukudi Post Via. Tanjore Dist.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at ward B, Block I, Asthampatti, Selam Town.

(Doc. No. 1530/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006.

Date : 21-2-1985

## 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 /43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 55/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ks. 1,60,000/- and bearing No. T. S. No. 1134 situated at Selam Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. I., Selam (Doc. No. 1463/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS (1) Shei Samynathan Chettiar, S/o. Arunachalam Chettiar,Shri Arunachalam and othersShunmuganathapuram, Thiruvadanai, Ramanathapuram Dist.

(Transferor)

(2) Shri V. Obuli Chettiar, S/o. M.K.P. Venkatesa Chettiar, Vanavasi Metur Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Mettutheru, Venkatram Road, Sclam Town.

(Doc. No. 1463/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 20-2-1985

#### FORM ITNS----

 Shri Abdul Azeez, S/o, K. Atham Sahib, 160, Cherry Road, Selam-1.

(2) Shmt. R. Rajan, W/o. C. Rajaratnam, 183, Main Road,

Annathanapatti,

Sclam-2.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 56/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. T.S. No. 98/1 situated at Selam Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registerine Officer at J.S.R. I. Selam (Doc. No. 1730/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Selam Town. (Doc. No. 1730/84) T.S. No. 98/1.

THE SCHEDULE

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1985

#### FORM ITNS....

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Shri K. V. Venugopalaiah and two others, 11. Sottipalli village, Donkanikota Taluk, Dharmapuri Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Granite Monument (India) Exports. Bangulore-560 034.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd February 1985

Ref. No .61/July/84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

S. No. 77/1 situated at Kundumaravappalli Village Denkani-

kota Taluk, Hosur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Hosur (Doc. No. 2119/84) on July. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and building at Kundumarayapalli village, Denkanikota Taluk ,Hosur.

(Doc. No. 2119/84).

Date: 23-2-1985.

Seal:

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

72 36 GI/85

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-F MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 62/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

Survey No. 314 situated at Sembiyanur village, Arur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at J.S.R.I. Dharmapuri (Doc. No. 464/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason (b) believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sitheswaran, S/o Athiyappa Gownder, Pappathi Ammal, Palanivelu, Sembiyanur, Now at Rasipuram.

(Transferor)

(2) Shri Ramasamy Gownder, C/o Sri Sitheswaran, Rasipuram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Sembiyanur village, Arur Taluk. (Doc. No. 464/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date : 20-2-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd February 1985

Ref. No. 64/Juyl/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

S. No. 12/6 situated at Varunatheertham village, Arur Taluk Dharmapuri Dist,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Arur (Doc. No. 1393/84), on July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri T. Krishnasamy Naldu, S/o Thirumalaisamy Naidu, V. T. Gesten. Arur P.O. Dharmapuri Dist.

(Transferor)

(2) Shr Si. Manjulamaniyam, S/o S. Subramaniyam, Kadai street, Arur P.O. Arur Taluk Arur Taluk, Dharamapuri Dist.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Varunatheertham village, Arur Taluk Dharmapuri District. (Doc. No. 1393/84).

> PREMA MALINE VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I Jereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 23-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 65/July/84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43. of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Survey No. 764/14 situated at Denkanikottah
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16,
of 1908) in the office of the Registration Officer
at S. R. Tonganikottah (Doc. No. 1495/84) on July 1984.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and the the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. R. Venkasriyappa, S/o Ramiah, Santhi Road,

(Transferor)

Shri Venkatappa,
 S/o Ramiah,
 No. 16, High School Road,
 Tenganikottah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons' whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Tenganikottah, (Doc. No. 1495/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 20-2-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd February 1985

Ref. No. 67/July/84.—Wheeras, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing. Survey No. 35 situated at Sombampalayam village, Tikuchengodu Taluk.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto)

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nallasamuthrana (Doc. No. 893/84) on July, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Smt. Maheswari W/o Late Sengodan, Sombampalayam village, Karumannur Group, Namakkal,

(Transferor)

(2) Sri Kanthasamy 2. Sengoda Gownder, 2. Sengoda Gownder, S/o Athiyappa Gownder, Kasumanur Group, Sempalayam village, Trichengodu Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Sembampalayam village, Karummanur Group, Namakkal, Salem Dist. (Doc. No. 893/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 23-2-1985.

(2) Dr. S. A. Chinnaraju, 24, South Street, V.P. Colony, Madras-600 023.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri A. Palaniappan, Raja Medicals, Uthangaral, Dharmapuri Dist.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 101/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing

S. No. 38/1 situated at Sunnalampatty vilalge, Udhangarai,

Dharamapuri Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doc. No. 1945/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Sunalampatty village, Uthangarai, Dharampuri Dist. (Doc. No. 1945/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t-x
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 102/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. No. 4946 situated at Singanna Naicken Street, Madras-1. (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doc. No. 1848/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Mrs. Shivisein, 226, Lingichetty, street, Madras-1.

(2) Mr. Thaizabha Yusuf Bohara, 59, Lingichetti Street. Madras-1.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as some defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Singanna Naicken street, Madras-1; (Doc. No. 1848/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1985

Ref. No. 103/July/84,—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

repusier with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 6 situated at Bank street, Alagappa Nagar, Kilpauk,

Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, Madras North (Doc. No. 1928/84) on July 1984 for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

(1) Shri K. Ramachandran, 6. Bank Street, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor) it. Sarojini Sreetharan,

(2) Smt. Sarojini Sreetharan, 36, Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 6, Bank street, Alagappa Nagar, Kilpauk, Madras-10.

(Doc. No. 1928/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 9-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 104/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act. 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 57/1 situated at Komarapalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer the Competent Authority at J.S.R.L., Madras North (Doc. No. 2018/84) on July 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

79-36 GI/85

 Smt. V. Seethalakshmi, W/o Mr. Viswanathan, Anna Nagar, Bhavani, Periyar Dist. and 7 others.

(Transferor)

 Smt. V. Seethalakshmi, W/o Mr. Viswanathan, Anna Nagar, Bhavani, Periyar Dist. and 7 others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within, 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands at Kumarapalayam Agraharam village. (Doc. No. 2018/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-2-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,** 

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd February 1985

Ref. No. 105/July/84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 59 situated at Broadway (Prakasann sualai)
Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North (Doc. No. 2050/84) on July, 84 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the taid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Z. Hameedullah, 59, Broadway, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. M. Abdul Wahid, 53, New Magazine Road, Viyasarpadi, Madras-39.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 59, Broadway (Prakasam Salai) Madras.

(Doc. No. 2050/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 23-2-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madray-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 107/July/84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 488 situated at No. 21, Errabalu Chetty Street.

Madras-1

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at J.S.R.H., Madras-North (Doc. No. 1904/84) on July, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri V. R. Sivalingam and others, No. 47, Post Office Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Srcewastav. No. 26. Raman Street. T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 21, Errabalu Chetty Street. Madras-1. R.S. No. 488 (Doc. No. 1904/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 20-2-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Rcf. No. 116/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

R.S. No. 525 situated at Door No. 69, West Mada Church Road, Royapuram, Madras-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Royapuram (Doc. No. 1243/84) on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as attoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri F. A. Nathan, 1, Lin Peraia Street, Santhome, Madras-4.

(Transferor)

Shri K. R. Appavoo,
 Brindavan Street,
 Mylapore,
 Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land at 69, West Mada Church Road, Royapuram, Madras-13. R.S. No. 525 (Doc. No. 1243/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 6-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd February 1985

Ref. No. 119/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to 'ng the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

R.S. No. 3034/2 situated at No. 623/2, T. H. Road, Tandiarpet, Madras-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rayapuram /(Doc. No. 1188/84) on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri D. Bangaru Chetty, 2, B. Hurali, 3. B. Thukkaram No. 609, T. H. Road, Tandiarpet, Madras-81.

(Transferor)

(2) Shri S. E. Raman, No. 295, T. H. Road, Old Washermanpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-(ax Act, 1922) (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at No. 623/2, T. H. Road, Tandiarpet, Madras-81. (Doc. No. 1188/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-2-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, 21st February 1985

Rcf. No. 122/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

R.S. No. 386 situated at Madras, 41, Kattur Sadayayppan Street.

(and more fully described in the schedule anuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at R.S. Periamot (Doc. No. 724/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. K. Madhavan, S/o M. Kuppuswamy, Pillai, 50, Taylors Road, Klipauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. Shamoomunniss, W/o V. M. Faz Uz Rahman, 29, Kattusadayappan street, Periamot, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Periamot village, Madras-3. (Doc. No. 724/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-2-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1985

Ref. No. 123/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 91/180, Block No. 9 situated at Egmore village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Doc. No. 720/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishore Gokaldas alias Kishorekumar Gokaldas,
 Hanumantharayan Koil Lane, Madras-3.

(Transferor)

Shri Bansilal Dwarkadas,
 Smt. Poonam Bansilal,
 Erulappan Street,
 Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Egmore village, H. S. No. 91/180. (Doc. No. 720/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-1-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 124/July/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing.

No. R.S. No. 1632/1 situated at Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereb), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Doc. No. 718/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  M/s, Vashdev Sanjakumar, rep. by its sole Pro, Vashdev Ramchand and others, 26, Pees Gardens Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) M/s 20th Century Finance Corporation, rep. by its Partner Ramchand Asrani, 27, Audiappa Street, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Egmore, Madras-8, R.S. No. 1632/1, (Doc. No. 718/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE I MADRAS-500 006

Madras-600 006, the 23rd February 1985

Ref. No. 125/July/\$4.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 1110/4 situated at D. No. 118, Swami Naicken

Street, Chintadripet, Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Ooc, No. 709/84) on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--80-36 GI/85

(1) Mrs. Visalakshmi Vedagiri, 1, Manohar Avenue, Casa Major Road Madras-8.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Ramachandran, 118, Swami Naicker Street, Madurai-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 118, Swami Naicken Street, Chintadripet, Madras 2.

(Doc. No. 709/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-690 006

Date: 23-2-1985

 Lakshmi Devi Ammal and six others, No. 38, Iyah Mudali Street, Chintadripet. Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 005

Madras-600 006, the 29th January 1985

Ref. No. 132/July/84... Whereas, I, FRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 88, Iyah Mudali Street, Chintadiripet, Madras-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 679/84) in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

(2) Sri D. R. S. Radhakrishna Sah, D.R.S. Kushal Sah and D.R.S. Koti Sah, 112. Iyah Mudali Street, Chintadripet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 75 (New No. 88) Jyahmudali Street. Chintadripet, Madras-2.

(Doc. No. 679/84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 29-1-1985

#### PORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th February 1985

Ref. No. 133/July/84.-Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. I, Dr. T. V. Neidu Road, Chetpet, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 681 84) in July, 1984 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. G. Tara, No. 1, Corporation High School Road, 1st Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri Goginoni Venkateswara Rao, 7th Lane, Chandra Mouli Nagar, Guntur, Andhra Pradesh State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Door No. 1, Dr. T. V. Naidu Road, Chetpet, Madras-31.

(Doc. No. 681/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5 2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 134/July/84 -- Whereas, I. PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. R.S. No. 450/23 situated at No. 4, Venkatasamy Naidu Street, Pandaradi, Egmore, (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Doc. No. 666/84) in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. S. Krishna Iyer, Mrs. Lakshmi,
 P. K. Venkatachalam,
 P. K. Sivasubramaniam, and
 Venkatesan Naidu Street,
 Pandaradi,
 Egmore, Madras.

(Transferor)

(2) Fredrick Vincent, No. 4, Second Avenue Harynkton Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 4, Venkatasamy Naidu Dt., Pandaradl, Egmore. R.S. No. 450/23. (Doc. No. 666/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 20-2-1983

Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th February 1985

Ref. No. 135/July/84. - Whereas, I. FREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000/- and bearing No. Door No. 4 situated at Casa Major Road, Second

Lanc, Madras-8.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Doc. No. 667/84) in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri S. D. Rajil, 4, Casa Major Road, 2nd Lanc. Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) K. Sellam,14, Habibullah Road,T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same menning as given in shall that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 4, Casa Major Road, Second Lane, Madras-8.

(Dod. No. 667/84).

PREMA, MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 26-2-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Kishore Kumar Gohuldas, S/o Gohuldas,
 Hamnathray Koil Lane, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. Leela George, S/o Late T. K. George, 26, Lady Madhavan Road, Madras-34.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-T MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 137/fuly/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. R.S. No. 91, 97, 93, 94 & 96 situated at Alagappa Nagar, Hallis Road, Madray-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Doc. No. 651/84) in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeshid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at Door No. 141, Alagappa Nagar, Halls Road, Madras-10.

(Duc. No. 651/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1985

Scal:

 Mr. Percy James and Mrs. Hilda James alias. Dr. (Mrs.) Leela Ramachandran, 47, I Main Road, R.A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Subbusundaram, No. 20, Perianna Maistry Street, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1985

Ref. No. 140/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Door No. 11 situated at Perianna Maistry Street, Periamet, Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamot (Doc. No. 633/84) in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Perianna Maistry Street, Periamet, Madras-3,

(Doc. No. 633).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Mr. Percy James and Mrs. Hildu James alias, Dr. (Mrs.) Leela Ramachandran, No. 47, I Main Road, R.A. Purum, Madvas 28.

(Transferor)

(2) Shri S. Muthusundaram, No. 20, Perianna Maistry Street, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 11. Perianna Mainstry Street, Periannet, Madras-3.

(Doc. No. 532/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-500 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 142/Iuly/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. R.S. No. 77/1 situated at Flat 9. Door No. 8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 626/84) in July. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---81-36GI/85

(1) Sint. Bhanumathi, Flat No. 9, Door No. 9, Flot No. 8, New Avadi Street, Kilmank Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri K. Sundareswaran, 5. Kandan Street. Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Flat No. 9, Door No. 8, Egmore. R.S. No. 77/1.

(Doc. No. 626/84),

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Madras-600 006

Date: 21-2-1985

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. A. Nandagopal, 94, 1Vth Avenue, Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) M/s S. Rajagopal and others, State Bank Officer. Madras.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Midras-600 006, the 9th January 1985

Ref. No. 143/July, 84. - Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Door No. 18, Plot No. 35 surated at Halls Road, Kilpauk, Madias-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (Doc. No. 719'84) in July 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 18, 21ot no. 35, Halls Road, Kilpauk, Madras-10.

(Doc. No 719/84),

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Dax Act, 1957 (27 of 1957);

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1985

Porambur,

Madras-11.

#### FORM ITNS---

 Smt. Kalpakam Rangachari, & others, W/o Late V. Rangachari, No. 44, Third Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(2) Shri M. Chelladurai, S/o Sri Mukbiah Nadar, No. 1, Thirunavukkarasu Mudali Street,

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIÓNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 145/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. R.S. No. 109, Plot No. 50 situated at Porambur, Purasaiwakkam Taluk, Madtas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Sombium (Doc. No. 2304/84) in July 1934, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of united the said instrument of united with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 50, Perambur, Purasaiwakkam Taluk, (Doc. No. 2304/84).

PREMA MATINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri S. Khaja Mohideen, Sikkauthar Stores, Malayaperumal Street, Madras-1.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Yasmine Hamced, No. 3, Post Office Street, Madras-1.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 147/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

No. R.S. No. 11282/1 situated at New No. 46, Malayaperu-

mal street, G.T. Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 333/84) in July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - ansfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at 46, Malayaperumal street, G.T., Madras-1, R.S. No. 11282/1, (Doc. No. 333/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 148/July/84.—Whereas, I FREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Door No. 45 situated at Poddunaickonpet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Sawcarper (Doc. No. 229, 84) in July 1984

of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet. (Doc. No. 279, 84) in July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tutly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Radha Bai and Shri Murugosan alias Suresh, No. 45, Vanamalai Maistry Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Padma and Smt. Ambika, No. 48, Narayana Muistry Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 45, Vadamalai Maistry Street, Poddunaickenpet, Madras.

(Doc. No. 299 '84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 21-2-1985

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri N. Thayamanasundaram, No. 100, Narayana Mudali Street, Madras-79.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal and three others, No. 100, Narayana Mudali Street,

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 150/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 100, R.S. No. 6857, O.S. No. 4412 situated at Naravana Mudali Street, Madras-79, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowearpet (Doc. No. 305/84) in July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 100, Narayana Mudali Street, Madras-79. (Doc. No. 305/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L Madras-600 006

Date: 21-2-1985

## (1) Shri T. Venkatasubramaniam, 289, Mnit Street, Madras-79.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri P. A. Subramania Thevar, S/o P. R. Arumuga Thevar, 474, Mint Street, G.T. Madras-79.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th February 1985

Ref. No. 151/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. Door No. 289 situated at Mint Road, Madras-79 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Sowcarpet (Doc. No. 297/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the 'said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Door No. 289, (New No. 14), Mint Street, G.T., Madras-79.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-2-1985

Scal;

(1) Arunachala Gurukal and others, Thirupachur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. Ashok Kumar, and S. Ramesh Kumar, 14, Krishna Iyer Street, Madras-79.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras, the 21st February 1985

Ref. No. 152/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 231, Mint Street, situated at Madras-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet (Doc. No. 287/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 23 I Mint Street, Madras-3 (Doc. No. 296/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 21st February 1985

Ref. No. 153/July/84,--Whereas, I PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. House No. 70 situated at Paramananda Mudeli street, Madras-1

has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sowcarpet (Doc. No. 287/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri P. Doraiswamy, No. 70, Paramananda Mudali street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri P. D. Solvarajan, No. 70, Paramananda Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 70, Paramananda Mudali street, Madras-1. (Doc. No. 287/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madres

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:— 82-36GI/85

Date: 21-2-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri S. A. Shaik Ali and others, C/o. P.M.S. Mohideen Abdul Cader, 12, Umpharan Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri P. A. M. Zahira, Thaika Street, Kayalpatnam-628 204.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 19th February 1985

Ref. No. 154/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing No. situated at No. 28, Zinda Schib Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet, (Doc. No. 289/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parent of such apparent consideration and that the

said exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 28, Ainda Sahib Street, Madras-1. (Doc. No. 289/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Apspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1985

#### FORM ITNB-

 Sh. Mukkidiyappa and others, Bommanda Palli Village, Kothakonda Palli, Hosur Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gajanana Enterprises, No. 88, VI Block Koramangala Layout, Bangalore-560 034. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 155/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 2098 or as Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100000/2 and bearing

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 572 etc. situated at Kothakondaralli, Hosur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Hosur (Doc No. 2290/84) in July 1984

at S.R. Hosur (Doc No. 2290/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by treaferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section ASC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ea are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Kothakondapalli Villege Bommagalapalli Hosur Taluk. (Doc. No. 2290/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 20-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madres-600 006, the 27th February 1985

Madras, the 27th February 1985

Ref. No. 156/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Survey No. 562/2 situated at Thesavilakku village, Omalur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tharamangalam (Doc. No. 651 and 652/84) in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Rajammal, W/o Rajagopal, Erangattuvalavu, Mattaiyampatti, Thesavilakku village, Omalur Taluk.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Rajamanickam, S/o A. V. Kaliapillai, R. Balachandran, R. Rameshchandar and Minor Jeyachandar, No. 1, Gandhi Road, Selam-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land and building at Thesavilakku village. Comnalur Taluk, Survey No. 562/2 (Doc. No. 681/84).

PREMA MALINI VASAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 21st February 1985

Ref. No. 159/July/84.—Whereas, I PREMA MILINI VĀSAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.S. No. 629 situated at Ramasamy Street, Kichipalayam,

Selam Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Selam (Doc. No. 1767/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri D. Peer Mohamed Rawthor. S/o. P. C. Thivan Mohideen Rawthor, Old market street, Sciam-1.

(Transferor)

(2) Shri A. Perumal, 2. A. Kathivel, 3. A. Kamaraj, S/o. M. K. Arthanari Mudaliar, 39F, Anna Street, Selam Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Ramasamy street, Kichipalayam. (Doc. No. 1767/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date: 21-2-1985

#### to the foliate the large of the measurements are the many the foliation of the same of the FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th February 1985

Ref. No. 160/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN.

VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Door No. 36 situated at Door No. 4, Montleth Road, Montieth Lane, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 762/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri G. Suresh Power of Attorney, 17, Jani John Khan Street, Madras-14. (Transferor)

(2) M/s, 1. Suman G. Buxani, 2. Namrata G. Buxani, 36, Owners Court Montieth Land, Madras-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPTANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 36, Montieth Lane, Egmore, Madras-8. (Doc. No. 762/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date: 26-2-1985

(1) Smt. Vidya Hydari, B/43, Panch Sheel Enclave, New Delhi-110017.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Sree Ruyalaseema Papu, Mills Ltd., T.G.L. Road, Adoni, Kurnool, Andrapradesh. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 13th February 1985

Ref. No. 161/July/84.--Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 1633/16 situated at Block 32, Egmore village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 747/84) on July 1984

at Madras Central (Doc. No. 747/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at Block No. 52, Egmore village, Madras. R.S. No. 1633/16. (Doc. No. 747/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 13-2-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-60 006, the 1st March 1985

Ref. No. 167/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Plot No. 3465 situated at Mullam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 2485 and 2486/84) on July 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Dr. Mrs. Jayeshee Krishnan, T-90, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Master M. S. Ramachandran, S/o Dr. M. R. Subramanian, T-90, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3465, Mullan. (Doc. No. 2485 & 2486/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 1-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

#### NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st March 1985

Ref. No. 170/July/84.-Whereas, I PREMA MALINI **V**ΛSΛΝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. T.S. No. 100. Block No. 3 situated at Periakudal village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 2415/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely :---

83---36 G1/85

(1) Shri T. A. Zareisya Mohammed, 165/2, F. Block, Anna Nagar, Madras-102,

(Transferor)

(2) Mr. G. Mathews

Anakarakonam Street, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (A) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given it that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Perinkudal village T.S. No. 100, (Doc. No. 2415/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date: 1-3-1985

#### FORM ITNS-

(1) S. Narayana Iyengar, 21-C, Owners' Court, Egmore, Madras-8.

(2) Dr. V. M. Venkatesan, 116, Gengu Reddy Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

#### ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st March 1985

Ref. No. 171/July/84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 1843 situated at Aringar Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S. R. Annanagar (Doc. No. 2406/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair the consideration for such transfer as agreed to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land and building at Plot No. 1843, Aringar Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2406/84).

> PRFMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, to the following perons, namely :---

Date: 1-3-1985

。 工工的企业工作,1887年1988年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年,1987年

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st March 1985

Ref. No. 172/July/84.--Whereas, 1 PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000/- and bearing No. No. R.S. Ni. 238 situated at High Court Colony, II Street, Villivakkam, Madras-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the Registration Act 1908, (16-of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 2346/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insirtument of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reducation or overless of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frees the transfers ALC: AR

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kasthuri Bai, W/o Jagadesan, No. 13, Gajapathy Lala Lane, Krishnampet, Madras-5.

(Transferor)

(2) Smt. A. Shanthi Devi, No. 10, High Court Colony IInd street, Villivakkam, Madras-49.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used never as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE.

Land and building at High Court Colony, II Street, Villivakkam, Madras-40. (Doc. No. 2346/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras

Date: 1-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Medias, the 1st March 1985

Ref. No. 176/July/84.-Whereas, I PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7.8. No. 3/L simulated at Ayan waran villag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Arna Nagar (Doc. No. 2608/84 on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer adh the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons. namely :aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said to the following Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) Smt. Krishnaveni Rathuam, W/o T.V. Rathnam, 70, Kumaran Nagar, Madras-82.

(Transferor)

(2) Shri P. Hanumanchand, S/o. P. Pukhraj, 183, M.S. Koil street, Royapuram, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Ayanavaram village, T.S. No. 3/1. (Doc. No. 2608/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date: 1-3-1985 Seal:

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Shri C. T. Ethirajulu, 31, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Şhri M. V. Subramaniam, 80-C. Shanthi Colony, Madras-40.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st March 1985

Ref. No. 178/July/84.--Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

First No. 80C, situated at Shanthii Colony, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Døc. No. 2580/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than uffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act., in respect of any income arising from the transfer; and /or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLARATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Flat No. 80C, Shanthi Colony, Madras-40. (Doc. No. 2580/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 1-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1985

Ref. No. 179/July/84. -Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing T.S. No. 392 situated at Madam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 542/84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the master;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri P. J. Pinto, Power Agent, 20-B, 11, Mahali Caves Road, Andheri East, Bombay-93.

(Transferor)

(2) Dr. S. Natesan, Sengada Gounder, K-86, Anna Nagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Mullam village. T.S. No. 392. (Doc. No. 542/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 1-3-1985.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 5th March 1985

Ref. No. 182/July/84.--Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ward C, Block 6, T.S. No. 161 situated at Alagapuram

puthur village, Selam Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer S.R. Sulamangalam (Doc. No. 1590/84) on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to-pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other spects which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 Mrs. Dr. Prasanna Vijayaraghavan, W/o T. C. Vijayaraghavan, Advocate, 4, Narayanan Street, Selam-7.

(Transferor)

 M. R. Sanalingam, Fugineer, Rayavaram. Pudukkottai District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the solid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officil Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Alagapuramputhur village. (Doc. No. 1590/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 5-3-1985.

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Rajamanickam, S/o Arumchala Gounder, Thukkuyampalayam, Selam Taluk.

#### (Transferor)

(2) Shi Chandrasekaran, S/o Manicka Chettiar, Athanur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 21st February 1985

Rcf. No. 19/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

valar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'auid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Survey No. 36/3 situated at Avadipatti village, Sclam Taluk

Survey No. 36/3 situated at Avadipatti village, Sclam Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Revistering Office.

1908) in the office of the Registering Officer S.R. Valapadi (Doc. No. 1789/84) on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Avadipatti village. Survey No. \$36/3.

(Doc. No. 1789/84)

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006.

nubplng Date: 21-2-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM TINS.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-500 006.

Madras-600 006, the 20th February 1985

Ref. No. 33/July/84,-Whereas, I, PREMA MALINI VĀSAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. situated at Rajampalayam village, Paramathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. I aramathi (Doc. No. 642, 643, 644, 648, 652 and 656)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than step per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrument of uncoder with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84---36 GI/85

(1) Karuppa Naickar. S/o Thirumalaikubantha, Devaraju. Namakkal Taluk and others, Kirambur village, P.O.

(Transferor)

(2) Namakkal Kingunattu Valalar Sangam, Namakkal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

·Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Paramathi. Nagampalayam village. Survey No. 85/1. (Doc. No. 642, 643, 644, 648, 652 & 656/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 20-2-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1985

C.R. No. 62/43765/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000/- and bearing No. 7/4, situate 1 at XII Cross, VI Main Road, Malleswaram,

Bangalore

(and more fully described in the Schedu'e annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bangalore on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfac; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri K. D. Sheshadri, No. 25, Narayana Krupa, Thiruvengadam Street, Nandavalli, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri J. Ramesh, No. 33, VI Main Road, XI Cross, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2211/84-85, Dated Aug. 84]

Site No. 7/4, situated at XII Cross, VI Main Road Malleswaram, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1985

C.R. No. 62/43782/84-85/ACQ/B.—Whereas, f, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 254, situated at Karkala Kasba village, Karkala, D.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karkala on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati K. Radha Bai, Ganesh Niyas, Auttoor Church Road, Labhu-Salmen, P.O. Karkala (S.K.)

(Transferor)

(2) Shri Jakri Beary, Kabhu of Karkala Kasba village, Post-Karkala-574104.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 341/84-85, Dated 28-8-84]

Property No. 254, Kurkala Kasba Village, Karkala, (D.K.)

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1985.

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITECOMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Baugalore-360 001, the 8th February 1985

C.R. No. '62/45433/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
40, situated at Chr\kakadırappa Garden, Thomas Town.
Bangalore-84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bangalore-84, at Shivajinagar on 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26 PC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shrimathi A. N. Indira, No. 94-A, I-A-Cross, VII Main, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) M/s Happy Construction, Pr. Mr. V. V. John, 134, Madhavaraya Mudaliar Road, Fraser Town, Bangalore-5.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2399/84-85, Dated 19-11-84]

Site M No. 40 at Chikkakadirappa Garden, Thomas Town, Bangalore-84.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-2-85.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-360 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1985

C.R. No. 62/45190/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

15/15, situated at Main Road, Kempapura Agrahara,

Marenahalli, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Sriiampuram on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: #6370r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. C. Krishnappa, No. 1, XX Main Road, Kempapura Agrahara, Marenahalli, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shii K. S. Nagaraj, No. 1654, III Stage, Rajajinagar, Prakashnagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2824/84-85, Dated Nov. 84]

Property No. 15/15, II Main Road, Kempapura Agrahata, Marenahalli, Bàngalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shrimathi S. Sribhagya, 296, 26-Cross, IX Main, II Stage, Banashankari Extn., Bangalore.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1985

C.R. No. 62/45635/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
2323, situated at II Stage, Banashankari Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 5-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(2) Kumari R. N. Sudha, D/o R. B. N. Murthy, 219, Cottonpet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3107/84-85. Dated 5-11-84]

Site bearing No. 2323, II Stage, Banashankari Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 14-2-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th February 1985

C.R. No. 62/43711/84-85/ACQ/B.--Whereas, J. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 661, situated at II Phase, Sarakki, Uttarhalli Hobli, Bangalore South Tq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore South Tq. on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer sad / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shrimathi V. Puttamanni. No. 1, Yediyur Police Lane, 24th Cross, VI Block, Јауаладаг, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri C. Krishnappa, No. 1461 38-Cross, JV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that' Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2892/84-85 dated 6-8-84]

Site bearing No. 661, situated at Sanakki II Phase, Utfarhalli Hobli, Bangalore South Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-2-85.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

vilia il martina di martina di <u>l'acceptante del proprie de la martina di l'acceptante di l'acceptante di l'accep</u>

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1985

C.R. No. 62/43786/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. 57-7, 57/9 & 57/11 situated at Yedthare Village,

Kundaoura Tq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Byndoer, S.K. Dt. on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) recilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. M. Laxminaravana Shetty. Sharada Consultation, Rooms, Byndoor (S.K.).

(Transferor)

(2) Shri Mulla Mohd. Mcera Saheb, Shirur Village, Kundapura Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 116/84-85, Dated 16-8-84]

Property bearing No. 57/7, 57/9 and 57/11, situated at Yedathane village, Kundapura Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore

Date: 19-2-85.

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1985

C.R. No. 62/43770/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 234 to 241 (old No. 201), situated at K. Kamraj Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereta). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on Aug 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tenaster: which ought to be disclosed by the transferee for and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

85-36 GI/85

(1) Shri H. Fatheychand, No. 191/210, K. Kamraj Road, Bangalore.

Transferor(s)

(1) Sinimathi G. Pushpavathi Thayar, C/o A. K. Sarangapani Chetty & Sons, General Merchants, Sevapet, Salem, (2) Smt. P. Ramalakshmanna, Erahim, St., Chittoor (A.P.), (3) Smt. C. Vasantha Kumari Ibrahim Sahib Street, Bangalore (4) Smt. G. Kokila, Kerosene Dealers, Perikulam, Madrax (5) Smt. K. Kasturi, Main Bazaar, Karur (6) Smt. G. S. Hemalatha, III, Dharmaraja Koil Street, Bangalore. Stret, Bangalore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1442/84-85, Dated Aug. 84] Property bearing Nos. 234 to 241 (old No. 201), situated at K. Kamaraj Road, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 13-2-85

SenI:

FORM NO. ITNS----

(1) Shri Gaverchand, No. 383/383, Avenue Road, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shrimathi Sua Bai, H.A.R. Mohd, Bldg., Bangalore-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1985

C.R. No. 62/43755/84-85/ACQ/B.--Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

78/40, situated at XII Cross, Magadi Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on Aug 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisit in of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interest d in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1718/84-85. Dated Aug 84] Property No. 78/40, XII Cross, Magadi Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 19-2-1985

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-500 001, the 20th February 1985

C.R. No. 62/43835/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAÍ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 605|2, 605|K-2, 605|K-2, 605|K-2|3, situated at VIII Cross Kshetraiah Road, K.R. Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri S. K. Srinivasan @ Murali, 2. Mr. S. K. Lakshminarasimhan @ S. K. Sundar, 3. Mr. B. K. Govindarajan, 4. S. K. Padmasiri @ Veena Rani repd. by Mr. S. Krishnaswamy @ Kannau No, F-8. II Cross, Shankarmutt Road, Fort Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Dr. R. Lalitha, Chamundeswari Maternity & Nursing Home, Devamba Agrahana, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2218/84-85. Dated 13-8-84] Premises bearing D. Nos. 605/2, 605/K-2, 605/K-2|2, 605/K-2/3, situated in VIII Cross, Kshetrariah Road, K. R. Mohalla, Mysore-4.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 20-2-85.

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1985

C.R. No. 62/43586/84-85/ACQ/B.-Whereas, I. R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No.

Sy. 79-2 (Northern Portion), situated at Kadri Village,

Mangalore Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 9-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pny moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26 to the said Act, to the following paragraphs approach to the said Act, to the following paragraphs. ing persons, namely:~

- (1) 1. Seethamma W/o Late Ugrani Anantha and
  - daughter of Mahalaxmi, aged about 65 years; Sharada D/o Seethamma, aged 45 years; Sunanda D/o Seethamma, aged 35 years;
  - Vasantha S/o Seethamma, aged 38 5. Vanamala D/o Seethamma, aged 31 years;
     6. Sadananda, aged 30 years
     7. Suthisha, aged 27 years Grandchildren of

  - 8. Prema D/o Saraswathi, aged 45 years;
    9. Sarojini D/o Saraswathi, aged 40 years;
    0. Shaskara aged 40 years
  - 10. Bhaskara, aged 40 years Children of 11. Scethamma, agod 36 years | Children of Sarasvathi 13. Rajecvi, D/o Late Shiva Muddaledar aged 32
  - years;

  - 14. Narayana, aged 29 years
    15. Srinivasa, aged 26 years
    16. Shivarama, aged 23 years
    17. Ammu, aged 21 years Children of Prema

  - 17. Ammu, aged 21 years
    18. Jaganmohan ,aged 26 years
    19. Sulochana, aged 24 years
    20. Maiiesh, aged 21 years
    21. Vasanthi w/o Raghuchandra aged 43 years.
    22. Hema D/o Parvathi aged 42 years.
    All tepresented by their P.A. Holder Sti K. Raghava Rao S/o K. Puttanuayya Kadri Temple Road. Mangalore Road, Mangalore.

(Transferors)

(2) Shri B. Rama Somayaja, 8-Hemavathi building, Babuatta, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 514/84-85 Dated 9-7-84]

Property bearing S. No. 79-2, (Northern portion), simusted at Kadri Village, Mangalore Tq.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-2-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1985

CR. No. 62/43581/84-85/ACQ/B.--Whereas, I. R BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act.), have reason to believe that the inunovacie property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. 179-1, 'TS No. 22-1, situated at Attawar Village, Milagres Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of the Pacitation Officer of the Pacitation of the Pa of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 6-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the conceshment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

(1) Shri K. Narendra Alva & others Consulting Engineer,

Lower Bendore, Mangalore.

1. K. Rukmini Shetiy, Wdlo Mr. Achanna Shetty, aged about 68 years, residing at Pollachi,

Coimbatore Dist.
2. Sulochana Alva, W/o Dr. K. S. Alva, aged 42 years, residing at Vettaikkaranpudur, via Pollachi, Coimbatore Dist.

3. Mundyakke T. Alva, Wd/o K. Thimmanna Alva,

aged about 60 years residing at Gokulam, III stage, Mysore.

4. K. Suvasini D. Hegde W/o K. Divakar Hegde aged about 48 years, residing at Gokulam, III stage Mysore.

 Dr. K. Subbayya Alva S/o Late K. Thimmanna Alva, aged about 46 years residing at Vettaikaranpudur, Coimbatore Dist.

6. K. Jagadeesh Alva, S/o K. Thimmanna Alva, aged about 44 years residing at Sheshadripuram, Bangalore.

 K. Narendra Alva S/o K. Thimmanna Alva, aged about 42 years residing at Bendoor, Mangalore.

8. Mallika V. Shetty, W/o B. V. Shetty aged about

36 years, residing at R. S. Puram, Coimbatore. 9. K. Ganesh Alva, S/o. K. Thimmanna Alva aged about 33 years residing at West of Chord Road, Bangalore. All represented by their Power of Attorney Holder No. 7: K. Narendra Alva, S/o K. Thimmanna Alva, residing at Bendoor, Manga-

(Transferor)

(2) Mrs. Khatheejawa, near Rosario Church, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 505/84-85 Dated 6-7-84) Property bearing RS. No. 179-1, TS No. 22-1, situated at Attawar Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1985

CR. No. 62/43786/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1008, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore

No. 1008, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 23-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Narayanappa, Nambisau, 2995, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Mrs. Sathye Radhakrishnan, No. 10/A, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1576/84-85 dated 23-8-84)
Site No. 1008, situated at HAL II Stage, Indiranagar,
Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersous, namely:——

Date: 19-2-1985

(1) Shri H. V. Prasanna Kumar, No. 414, XIV Muin Road, Lakkasandra Extn. Bangalore-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) H. Ramachandra Reddy. Yarandahally, Jigni Hobli, Anekal Tq.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1985

CR. No. 62/45617/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWÁJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. 414, situated at XIV Main Road, Lakkasandra Francision, Bangalore-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 23-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have re-seon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: red/er

.(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2113/84-85

dated 23-8-84)

House No. 414, situated at XIV Main Road, Lakkasandra Extension, Bangadore-30.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-2-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1985

CR. No. 62/43662/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 84-A situated at Kawkanady Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as afreced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. N. Bugene Suvatna, S/o Late N. N. Suvatna, aged about 67 years. Retd. Deputy Superintendent of Police, residing at A.A. 79, Anna Nagar, Modras 40.
  - N. Dinakar Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 66 years, Retd. Regional Manager, Wockhardt Pyt. Ltd., residing at Lower Bendoor Managalore-2.
  - 3. N. Rustum Suvarna, S/o Late (N. N. Suvarna, aged about 64 years Retd. IG. of Police residing at 1-71, Anna Nagar, Madras-40.
  - 4. Hemalatha Ashok, D/o Late N. N. Suvarna, aged about 621 years, residing at A.A. 139, Shanthi Colony, Anna Nagar, Madras-40.

Pramila Bhagwandas, D/o Late N. N. Suvarna, nged about 60 years, residing at 'Prem Bagh', Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.
 N. Sadashiva Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged 58 years, Manager, N. S. Suvarna & Conesiding at 'Suvarna Vilas', Meenakshi Nagar, Madurai-625018.

7. Nalini Prasanna Kumar D/o Late N. N. Suvarna, aged about 56 years, residing at No. 6, 29th cross. Induanagar, Madras-20.

 N. Tharanath Suvarna, S/o Late N.N. Suvarna, aged about 54 years, Stores Superintendent, re-siding at 7, Meghdooth, Pestam Sagar, Bombay-400089.

Dr. Malathi Yeshavanth, D/o Late N. N. Suvarna, aged about 51 years, Doctor, residing at 4/1, Saunders Road, Bangalore-5.
 N. Ranjan Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 50 years, Senior Executive Shaw Wallace, residing at HIG 122-B Justice Rajamannar, Salai, K.K. Nagar, Madras-78.
 N. Rajan Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 48 years, service, Surgical Instruments Pvt. Ltd., residing at C 122, SIP Colony, Nandambakkam, Madras-89.

bakkam, Madras-89.

12. N. Manu Suvarna. S/o Late N. N. Suvarna, aged 45 years, service, Mysore Sales International Ltd., residing at No. 81, Narayanappa Bolck, RT Nagar, Bangalore-32.

 N. Roshan Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 43 years, Manager, Canara Bank, Ranchi, residing at Ranchi, Bihar.
 No. (2) for self and as Power of Attorney Holder of No. 1 and (3) to (13).

(Transfeçor)

(2) B. Moideen Hossan, Judge's Cottage, Someshwar Village, Mangalore Tq.

(3) Transferors.

(Transferee)

(Person in occupation of the property) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 622/84-85 dated 27-7-1984) Property bearing No. 84-A, situated at Kanakanady Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

CR. No. 62/45427/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable poreprty, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

No. 283, situated at Sarakki II phase, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

86-36 GI/85

(1) Shri R. Srinivasan, 200/F, 27-Cross III Block, Jayanagai, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. P. R. Swamy, 340, 36-A Cross, 1X Main Road, V Block, Jayanagar, Mangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5413/84-85 dated Nov. 84) Vacant Site 283, Sarakki II Phase, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-1985

#### FORM LT.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1984

CR. No. 62/45615/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 44 (17), situated at Visveswariah Block, Byrasandra, IV Block East, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, on 10.8-1984

Jayanagar en 10-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I hav. reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the there have Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri B. G. Kancharangappa, No. 989, 36th Cross, IV T. Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Smt. Syeda Tasneem Sultana GPA:—Smt. Shanadibi, No. 54, Ideal Housing Society, LIC Colony, III Block East, Jayanagai, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1911/84-85

dated 10-8-84)

Site No. M. 44 (old No. 17), situated at Visweswariah Block, Byrasandra, IV Block East, Jayanagar, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangulore

Date: 15-2-1985.

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th February 1985

CR. No. 62/43574/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. 31/2, situated at Annaswamy Mudaliar Road, Osborne Road. Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed bereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the unbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Saraswathi. No. 31/2, Kodandarama Layout, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) Smt. G. Bhananama (2) Sri V. Kannappa, (3) Smt. G. Gnanamba, No. 3/4, 1V Cross, Basavanna Temple Street, Anchept, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

#### THE SCHEDULI

(Registered Document No. 1061/84-85 dated July 84) Property bearing No. 31/2, situated at Annaswamy Mudaliar Road, Osborne Road, Bangulore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore

Date: 18-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 15th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45610/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. 104, situated Banashaukari II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 3-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. K. R. Chandra Prakash, No. 1, 2, 38th Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-II.

(Transferor)

(2) Dr. Gajanan Ramanath Shanbhag, No. 28, Mountain Street, I Block, Near Madvan Park, East Jayanagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fr mothe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1789/84-85 Dated 3-8-1984). Site No. 104, situated at Banashankari II Stage, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45666/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 59/3, situated at 21st Cross, VI Block, Jayanagar, Bantaler 37.

galore-82

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Sharada, 59/3, 21st Cross, VI Block, Jayanagar, Bangalore.

(2) Mrs. Shahzaaz Begum, 289, Masjid Mohalla, Kanakapura.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document 2339/84-85 Dated 10-9-1984] House No. 59/3, 21st Cross, VI block, Jayanagar, Blore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bengalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45628/84-85/ACQB.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. 1796, situated at BSK II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. S. Shanthamani, No. 1595, East End Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Sulochana Jindal, No. 10/1, I Floor, Lalbagh Road, 1 Cross, S. G. M. Layoul, Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from... the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 2309/84-85 Dated 6-9-1984 Property bearing No. 1796 of B.S.K. II Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/44372/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RS. No. 101/BI, TS. No. 749/1A, situated at Kadri-A-

Village, Bendur ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City on 27-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shantha A Gersappe, GpA Mr. N. Subbau Shiva Rao, Shiva Bhag, Mercara Hill, Kadri, Mangalore. -

(Transferor)

(2) Smt. G. Lathika Shenoy, Pintio's Lane, Kodialbail, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 966/84-85 Dated 27-9-19841 Property R. S. No. 101/B1, TS No. 749/1A, Kadri-A-Village, Bendur Ward, Mangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaloro

Date: 20-2-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/44504/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 11, situated at 12th Block, Shopping St., K. P. West Extn., Bangalore-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, '1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. N. Nagu Bai Panwar, No. 48, XV Cross, West Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

S. P. C. Venkateshaiah,
 No. 9, Serpentine Road, I Floor,
 K. P. West Extn., Bangalore-20.

(Transferee)

(3) Muralidhar, Tenant.

(Person in occupation of the property).

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1792/84-85 Dated 5-9-1984]

Property bearing No. 11, situated in 12th Block, Shopping Street, K. P. West Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43663/84-85/ACQ/B.—Whereas, J. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 84-A situated at Kankanady Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: #nd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following paraons, namely :---

\$7---36 GI/85

(1) Name & Address of transferor:

N. Eugene Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 67 years, Retd. Deputy Superintendent of Police residing at A.A. 79, Anna Nagar, Madvas-40;

Police residing at A.A. 79, Anna Nagar, Madvas-40;
 N. Dinakar Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 66 years, Retd. Regional Manager, Wockhardt Pvt. Ltd., residing at Lower Bendoor Mangalore-2;
 N. Rustum Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged about 64 years Retd. I.G. of Police residing at 1-71, Anna Nagar, Madras-40;
 Hemalatha Ashok, D/o Late N. N. Suvarna, aged about 62 years, residing at A.A. 139, Shanthi Colong, Anna Nagar, Madras-40;
 Pramila Bhagwandas, D/o Late N. N. Suvarna aged

5. Pramila Bhagwandas, D/o Late N. N. Suvarna aged about 60 years, residing at 'Prem Bagh', Road No 12, Banjara Hills, Hyderabad;

N. Sadashiva Suvarna, S/o Late N. N. Suvarna, aged 58 years. Monager, N. S. Suvarna & Co., residing at Suvarna Vilas, Meenakshi Nagar, Madurai-625018;
 Nalini Prasanna Kumar D/o Late N. N. Suvarna, aged about 56 years, residing at No. 6, 29th cross, Indiranagar, Madras-20;
 N. Theorette Suvarna, aged

Indiranagar, Madras-20;
 N. Tharanath Savarna, S/o I ate N. N. Savarna, aged about 54 years, Stores Superintendent, residing at 7. Mechdooth, Pestam Sagar, Bombay-400089.
 Dr. Malathi Yeshavanth, D/o Late N. N. Savarna aged about 51 years. Doctor, residing at 4/1 Saunders Road, Bangalore-5.
 N. Rarjan Savarna, S/o I ate N. N. Savarna, aged about 50 years. Schiot Executive, Shaw Wallace, residing at HIG 122-B Justice Rajamannar, Salai, K. K. Nagar, Madras-28;

K. K. Nagar, Madras-78:
11. N. Rajan Suvarna, S/o Lete N. N. Suvarna, aged about 48 years, service, Surgical Instruments Pvt. Ltd., residing at C 122, SIP Colony, Nandambakkam.

12. M. Manu Suvarna, S/o Late N. N., Suvarna, aged about 45 years, service, Mysore, Sal's International Ltd., residing at No. 81, Naravanappa Block, R. T. Nagar, Bangalore-32;

13. N. Rohan Suvarna S/o Late N. N. Suvarna, aged about 43 years, Manager, Canara Rank, Ranchi, residing at Ranchi, Bihar.
No. (2) for self and as Power of Attorney Holder of No. (1) and (3) to (13).

(Trunsferor)

(2) B. Kunhi Ahmed, Badriya III Cross Road. Kandak. Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in EXPLANATION: The terms and that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Dated July, 1984]. [Registered Document No. 623/84-85 Property bearing No. 84-A situated at Kanakanady village. Mangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Eangalore

Date: 15-2-1985

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/44814/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immersible property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. 657, situated at Sarakki III Phase, Bangalore (and more fully described in the Schedule managed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than often per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercesis property by the issue of this Notice under expection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Rangaswamy, No. 257, V. Main, \_ VIII Cross, Jayanagar, Mysore-14.

(Transferor)

(2) Dr. Syed Ubaidullah Hussainy, 2. Mrs. Maher Hussainy, No. 466, HAL II Stage, Bangalore. GPA holder No. I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4722/84-85, Dated 29-10-1984] Vacant site No. 657, Sanakki III Phase, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1985

#### FORM LINS -

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45751/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAI.

Deing the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No.

No. 2033 situated at III floor, in M. No. 45 & 45/2, Palace Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concedent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhopinder Silanichia, Flat No. 7, Narendra Bhavan, III floor Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

Transferor)

(2) Mrs. Madhulika Mehta, "Rajhans", 36 VII Cross, Vasanthanagar, Bangalore-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3040/84-85 Dated 10-9-1984]
Apartment No. 2033 in III floor in M. No. 45 & 45/2,
Palace Road, Bangalore-I.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 20-2-1985

#### FORM 1.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA-

 Smt. Shantha A. Gersappe, GPA holder Mr. N. Subban Shiva Rao, Shiva Bhagh, Mercana Hill, Kadri, Mangalore

(Transferor)

Shri G. Anandaraya Shenoy, Pinto Lane, Codialbail, Mangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/44369/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

and bearing
No. RS. 101/B, T.S. No. 749/1A, situated at Kadri A Village, Bendur Ward, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Mangalore on 27-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
helious that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than littern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 967/84-85] Dated 27-9-19841 Property bearing No. RS. 101/B, T.S. Kadri 'A' Village, Bendur Ward, Mangalore, No. 749/4A.

R. BHARDWAJ Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-2-1985 Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/44361/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000/- and bearing No. 44/1, situated at Nardidurg Road, Bangalore

No. 44/1, situated at Nandidurg Road, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

has been transferred under the Registration and 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-9-1984 for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Tonay Martis, Repd. by Mr. P. Dayananda Pai of No. 2, III Cross, Vasanthanagar West, Bangalore-52.

(Transferor)

(2) 1. Prof. M. N. Srinivas,
2. Miss Lakshmi Srinivas,
No. 78/A, Benson Cross Road,
Bangalore,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1907/84-85 Dated 17-9-1984]
Property No. 44/1, Nandidurg Road, Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 15-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/4563-/84-85/ACQ/B.---Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. 2429 situated at B.S.K. II Stage, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 S. V. Ramaiah Setty, No. 30/Λ, Narayana Pillai Street, Shiyajinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) R. Chitra Kala, No. 421, BSK II Stage, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Unical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2992/84-85 Dated 22-10-1984] Site No. 2429, Banashankari II Stage, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Barigalore

Date: 14-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45363/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

182, (New No. 182/4) situated I Main Road, Maha-

lakshmi Layout, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay at Rajajinagar on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mereons, namely:--

(1) B. L. Gowda. No. 37, Nandidurga Road Extn., Bangalore.

(Transfero.)

(2) N. Prasad Kumar (Minor), Mother Smt. R. Lakshmi, No. 200, Mahalakshmi Layout, Bangalore-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3662/84-85 dated 28-11-1984] Site No. 182, New No. 482/4, 1 Main Road, Mahalakshwi Layout, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 7-2-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45696/84-85/ACQ/B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 210, situated at Defence Colony, HAL II Stage, Binnamangala, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

tne Competent Authority at Shivajinagar on 31-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to paratax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Admiral (Retd.) P. R. K. Nair, No. 69, Defence Colony, Indiranagar. Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Dr. Budiyappa F. Gowda, M.D., Hosahalli, Hounali Tq., Shimoga District.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2930/84-85 Dated 31-12-1984] Site No. 210, Defence Colony, HAL II Stage, Binnamangala, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 19-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43689/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 296, situated Sarakki III Stage Layout, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Jayanagar on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
88—36 G1/85

(1) Shri K. P. Shenoy, No. 353/29, No. 6 Ashuain, Vallababaug Road, Ghatkopar East, Bombay-77.

(Transferor)

(2) Mrs. Deepa Sridhar, No. 59/6 Ashirwad, VI Main Road, Tata Silk Farm, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2554/84-85 Dated July, 1984] Site No. 296, at Sarakki III Stage Layout, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-2-1985

#### FORM ITNS ----

(1) Smt, Kashibal Damji Vaity & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mulund Kavita Kiran C. H. S. Ltd.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 12th March 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR.III/37G/2496/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land S. No. 19, Hissa No. 2, CTS No. 19 and S. No. 19, Hissa No. 3, CTS No. 20 at Muland Fast, Gavanpad Village. Mulund Bombny situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 6-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. dated 6-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

#### FORM ITMS ....

(1) Shri P. V. Amrute Gahye,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri A. B. Chikop & Ors.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR.III/37G.2508/84-85.—Whereas, J, -

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Plot No. 62-A, CTS No. 139 (P) Survey No. 7, Hissa No. 1 (1) at Mauja Kurar Kerivli, Taluka, Thane Dst.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

Bombay on 31-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alorssaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the soncealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Rombay vide scrial No. AR. 111/37G/S. 2970 dated 31-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-3-1985

(1) Shri Mohamed Yusuf Khan Pathan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. Z. Devikar.

Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref., No. AR.111/37G/2518/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

as the same Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of lat at Poyleepada Village Turbhe (Trombay) 3 rooms in a chawl Tika No. 46, CTS No. s 247/12, 247/13, 14 and 15. Bombay, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the order of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. S-2162 dated 11-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. Khatizabai Mohamad Ebrahim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Stone Henge Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARJII/37G/2509/84-85,-Whereas, I,

A. PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece or parcel of land with structure Hakaria Road, Malad, Taluka Barivii Rombay

Taluka, Borivli, Bombay, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

Bombay on 20-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial No. S-1787/83 dated 20-7-1984.

> A. PRASAD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/1345/83-84.—Whereas, I, A. LAHIR),

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Room No. 406, Gogul Bldg. situated at Baroda Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. M. Kothari.

(Transferor)

(2) Sh. Kanhaiyalal Dungarmal.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 406, on 4th floor, Gokul, 80-A Baroda Street. Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2658/84-85 on 26-7-1984.

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 14-3-1985

(1) Master Chandru Vikyomal C/o Smt, Laxmibai Vokyomal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Venu Graphics.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bonibay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2037/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having affair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Industrial Unit No. 238-B, 2nd floor, Adhyaru Ind. Estate

Situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 11-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 238-B on 2nd floor, Adhyaru Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/2550/84-85 on 11-7-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2352/84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5/A-1, Giriraj Building situated at Altamount Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Hosang Soli Shroff.

(Transferor)

(2) Dr. Kewal P. Jain, Smt. Manjula K. Jain,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazefte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5/A-1, 5th floor, Giriraj, 11, Altamount Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2561/84-85 on 19-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-J/37EE/2356/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe the law immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
Flat No. 40, Dnyaneshwar Nagar
situated at Wadala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so she following persons, namely '---89---36 GI/85

(1) Shri Sadashiv Jagannath Desai.

(Transferor)

(2) Shri Madhukar Ramchandra Kawale.

(Transferee)

(3) Transferce,

(Person in occupation of the property)

(4) Dnyaneshwar Nagar CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 40, Building No. A/2, 4th floor, Dnyaneshwar Nagar, Wadala, Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2653/84-85 on 26-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 15-3-1985

ford:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2362/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and heaving

and bearing
Flat No. 52, Jimmy Lodge

situated at Dadar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gandhi Charitable Trust.

(Transferor)

(2) Mrs. Faranak Dinyar Kabir & Mr. Dinyar Phiroze Kabir.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4). Transferces.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Jimmy Lodge Bldg., Plot No. 618 of Dadar Matunga Estate, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2661/84-85 on 26-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/2379/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Store No. 10, Raheja Centre situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269Ali of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, a: Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Fortupe Hotels & Estates P. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Mahadeo Gangaprasad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Store No. 10 in the basement of the building Raheja Centre', 214 Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under serial No. AR-I/2662/84-85 on 26-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2416/84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 202-A/202-B, Anjali Bldg. situated at Chowpatty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Raja Builders & Investments Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Rajul R. Dalal (HUF) & Dr. Dhiron L. Shah.

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202-A/202-B, 2nd floor, 'Anjali' Building, French Bridge, Chowpatty, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3400/84-85 on 25-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commiss oner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985 Seal:

(1) Mrs. Tehmi Minoo Bhagat

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Paresh Hiralal Shah & Mrs. Nirmala Hiralal Shah

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2425/84-85.—Whereas, I,  $\Lambda$ . LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value

exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

Flat No. 19 Building No. 12, Navjivan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Lamington Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Hat No. 1, 1st floor, Building No. 12, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2663/84-85 on 26-7-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

#### FORM LT.N.S.-

(1) Shri Kewal Krishan Mehra

(Transferor)

(2) Smt. Bilkis Zubair Hawa & Shri Zubair Umarbhai Hawa

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferecs

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2460/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed ng Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 21, Central Court situated at Motlibai St.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 6th floor, Central Court, 18. Motlibai Street, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/2664/84-85 on 26-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 14-3-1985

(1) M/s. Shah & Nahar Associates

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Sh. Manu Hari Mistry

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3190/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 37, Gr. floor, Shah & Nahar Ind. Estate A-2

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 3-7-1984

at Bombay on 3-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the concealment of any income or an of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arism; from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 37, Ground floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3048/84-85 on 3-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1985

(1) M/s. Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Colostar

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EF/3191/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair-market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Industrial Unit No. 209, Shah & Nahar Ind. Estate A-1

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

nt Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the eald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 209, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3049/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforem 1 property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persor namely:—

Date: 12-3-1985

Soal:

#### FORM ITNS----

#### (1) Shri Subash M. Anand

(Transferor)

(2) Shri Vinod C. Srivastava

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-J/37EE/3194/84-85.—Whereas, I, -A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 20B, Lands-End Bldg, situated at Malabar Hill
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 20B, Lands-End, 29 Dungersi Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3050/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

90-36 G1/85

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EF/3199/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Promises No. 112 & 112A Marine Chambers situated at New Marine Lines

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority, at Hombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Natvarlal Hiralal Agarwal

(Transferor)

(2) M/s. Narayanprasad N. Jajedia (HUF)

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 112 & 112A, Marine Chambers, 1st floor, 43, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3053/84-85 on 3-7-84,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3204/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tair Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inanovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 93, Maker Tower 'B' situated at Cuffe Parade

Flat No. 93, Maker Tower 'B' situated at Cuffe Parade (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Kaushalya Birendra Agarwal

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Agarwal

(Transferec)

(3) Mrs. Rani V. Agarwal

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 93, 9th floor, Maker Tower B, Custe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2987/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Dat. : 15-3-1985

Ser'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-J/37EE/3205/84-85.—Whereas, I,

A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 22, Sunflower Bldg, situated at Cuffe Parade (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Vijay Agarwal

(Transferor)

(2) Mrs. Kaushalya Birendra Agarwal

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 22, Sunflower Building, Cuffe Parade, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3058/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985

····

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE ')F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3206/84-85.--Whereas, J. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. D/403, Poonam Apartments situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax outler the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (\*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be "disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Manoharlal Tayal, & Laxmidevi Tayal (Transferor)
- (2) Mr. Chandrakant H. Parikh & Mrs. Bharati C. Parikh

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D/403, 4th floor, 'Poonam Apartments' Sagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-490.018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2819/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3207/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LATIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D/307, Poonam Apartments situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act,' I hereby initiate proceedings, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahindra J. Thakkar

(Transferor)

(2) Mrs. Veena J. Jhaveri

(Transferce)

(3) Transferec

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-307 on 3rd floor, Poonam Apartments, D Block, Shivasagar Estate, Dr. Annie Basaut Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/2905/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Date: 14-3-1985

### (1) Smt. Motia Rani G. Oberoi.

(Transferor)

(2) Shri R. Shyam & Shri P. N. Ramaswami.

(Transferee)

(Transferee)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

(4) Hari-Om Niwas CHSL. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

NÒTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Bomby, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3213/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Hari-Om Niwas CHSL situated at Sion East

Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following -persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, 3rd floor, Hari-Om Niwas Co-operative Housing Society Ltd., 163, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3061/84-85 on 3-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f, Bombay

Date: 15-3-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3220/84-85.-Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 109, Chandralok B Building situated at Manav Mandir Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Shreyas Kantilal Jhaveri & Smt, Prema Surayas Jhaveri.

(Transferor)

(2) Smt. Chetana Kishorekumar Shah & Shri Kishorekumar Chandulal Shah.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 109, Chandralok Building, 'B'. 12 Manay Mandir

Road, Bombay-400006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Bombay, under Serial No. AR-I/ 3064/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 11-3-1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR.I/37EE/3226/84-85,---Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 14-F. Malabar Apartment Co-operative Housing Society, (Napeansea Road) L.J. Marg, Opp. Simla House, Baroda Palace, Bombay-400036.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-7-1984

an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now; therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:--

91-36 GI/85

(1) Mrs. Pratibha V. Gupta.

(Transferor)

(2) Mrs. Satoj Devi Ruia & Mrs. Asha Ruia,

(Transferec)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14-F, Malabar Apartment Co-operative Housing Society, (Napeansea Road) L.J. Marg, Opp. Simla House, Baroda Palace, Bombay-400036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Bombav, under Serial No. AR-I/3016/84-85 on 7-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3227/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the ins-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20 and terrace, Ram Prasad Bldg. situated at Bhaudaji Road, Matunga (and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Corportest. Authority the Competent Authority at Bernbay on 7-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as expedite between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Add, in respect of any income arising from the tetrafor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amon which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, washiy :--

(1) Smt. Ratanben Bachubhai Shah & Shri Pravinchandra Bachubhai Shah.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Bhikhalal Modi, Smt. Prafulla Chandrakant Modi.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20 alongwith terrace, 'Shri Ram Prasad', 3rd floor, Plot No. 75, Bhaudaji Road, Matunga, Bombay-400019.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Bombay, under Serial No. AR-I/3017/84-85 on 7-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1985

(1) Mrs. FTCFIA J. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. K. Natesan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Mr. K. Nutesan, (Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISMONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomby, the 15th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3236/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 18, IRIS Apartment situated at Cuffe Parade, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said not, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monaya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 18, IRIS Apartment, Cuffe Parade, Bombay-400005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Bombay, under Serial No. AR-I/3018/84-85 on 7-7-84.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-1,
Bombay

Date: 15-3-1985

Soni :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref., No. AR-I/37EE/3241/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Portion of undivided Plot No. 4 of Scheme No. 52, situated at Worli Estate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The New Fastern Spg. & Wvg. Co. Ltd. (Transferor)

(2) New India Exports Private Ltd.

(Transferee)

(3) Shri K. K. Kanoria, Temple Garment Mrg. Co. Pvt. Ltd, --Sound Investment Co. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing portion of the undivided Plot No. 4 of Scheme No. 52 of Worll Estate admeasuring 750 sq. yards.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Bombay, under Serial No. AR-I/ 2887/84-85 on 6-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1985

## **PORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Annapurna Shamrao Vaidya.

(Transferor)

(2) Mr. Bhushan Tarkar.

(Transferec)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3250/84-85.—Whereas. I. A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2-A, Ground floor, 'Suyog' College Co-operative Henrica Section I to attent of the Product

Housing Society Ltd., situated at North Dadar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 2-A, Ground floor, 'Suyog' College Co-operative Housing Society Ltd., Gokhale Road, North Dadar, Bombay-400028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3021/84-85 on 3-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

Date: 15-3-1985

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Perin Jamshed Vazifdar & Dr. Jamshed Nowroji Vazifdar.

(Transferor)

(2) Shri Devichand Kushalral & Smt. Vimladevi Devichand.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3218/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing Flat No. 19. Beach View Building situated at Bhulabai Desni

Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evision of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 19, Beach View, 93, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3047 on 3-7-1984.

A. LAHIRT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 15-3-1985

## (1) Mr. J. A. D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Teresa D'Souza & Mr. Ronald D'Souza.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3251/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 2693 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 35, Salvation Co-operative Housing Society Ltd.,

situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 25, 7th floor, Salvation Co-operative Housing Society, Flat No. 857/B, N. M. Kale Marg, Dadar, Bombay-400028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.-1/AR-1/3022/84-85 on 3-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marnely:~

Date: 15-3-1985

(1) M/s. Mistry Investment Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Shetty Garments Private Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3255/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Unit No. 231, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate
A-1, Dhanraj Mill Compound Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 231 on 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. No. AR-1/3026/84-85 on 7-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Mistry Investment Corporation.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shetty Garments Private Ltd.

(Transferee

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EH/3256/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 100.000/- and bearing

Unit No. 230, Ground floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed here's

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ary defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Unit No. 230, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-40013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.-1/3026/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI Competen' Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely — 92—36 GI/85

Date: 12-3-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) Ms. M.K.M. Industries.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Murlidhar Jayantilal Doshi. (Transferor)

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3257/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of. 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Industrial Unit No. 255, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial

Estate A-1, Lower Parel

Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less ban the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclored by the transferrer for the purposes of the International Res. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 255 on 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel. Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.-1/3027/84-85 on 3-7-1984.

A. LAHIR\ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition .Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mrs. Indra T. Chhabria

(Transferor)

(2) Mrs. Dosan B. Bhathena, Mr. Jehangir B. Bhathena Mrs. Vira J. Bhathena.

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3258/84-85.--Whereas, I A. LAHIRT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43) of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 65, Venus CHSL, Bldg. No. G-50 situated at Worli Seaface (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred at Bombay on 3-7-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 3-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or

any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Building No. G-50, Flat No. 65, 17th floor, Dr. R. G. Thadani Marg Worli Sea Face Bombay-18,
The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3028/84-85 on 3/7/84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Janak Bhanusbankar Trivedi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijay Kantilal Shah & Nina Vijay Shah (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 15th March 1985

(b) by any other person interested in the said immovpublication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/3259/84-85.—Whereas, I A. I.AHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

able property, within 45 days from the date of the

No. Flat No. 406, 4th floor, Mangal Kunj Bldg. Bombay-6

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traffefor: and /ou

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 406, 4th floor, Mangal Kunj B, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3029/84-85 on 3-7-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Detroins Mainely:----

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-J/37EE/3261/84-85.--Whereas, I A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,00/- and bearing No. Flat No. 105, Mongal Kunj situated at Mount Pleasant Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; vad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Shri Nitin Jayantilal Ratilal Mehta

(Transferor)

- (2) Shri Janak B. Trivedi & Damyanti J. Trivedi
- (3) Shri Jaonak B. Trivedi
- (4) Shri Damyanti J. Trivedi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Manga; Kunj, 2 Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-13033/84-85 on 3-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, annely:-

Date: 15-3-1985

Seal ::

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Sadiqali Ahmedali & Muhammad Husain Ahmedali

(2) Shri Mohamed Ishaqe Mohamed Ismail Shaikh.

(Transferor)

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3268/84-85.—Whereas, I A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

No. Flat No. 501, Imran Apartment

situated at Agripand cand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Imran Apartment, Y.M.C.A. Road, Agripada, Bombay-400 008,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/2850/84-85 in 12-7-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: ---

Date: 15-3-1985

Set1:

# (1) Smt. Chandrabai Joharilal Jhanjaria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Dalichand Sharma

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 14th March 1985

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/3288/84-85.-Whereas, J A.

LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Office No. 29, 2nd floor, Tardeo Air-conditioned Market situated at Tardeo Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1984

at Hombay on 10-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 9, 2nd floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3108/84-85 on 10/7/84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date: 14-3-1985

FORM ITNS - - - --

(1) M/s. A, R. Chadha & Co.

(Transferor)

(2) M/s. Super Parts Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

AR-I/37F/3292/84-85.--Whereas, I. Ref. No.

A. LAFIIRI, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office Premises No. 403, Embassy Centre situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the last of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Dersons massely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 403, 4th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3069/84-85 on 10-7-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-3-1985

Scal;

(1) Mr. Hiro Hotchand Navani & Mrs. Sajni Hiro Navani

(Transferor)

(2) M/s. Concorde International

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCUME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-1/37FE/3299/84-85.—Whereas, I. A. LAIRRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing

Office No. 41, Nirmal Tower

situated at Nariman Point Bombay (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombuy on 10-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given o that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 41, 4th floor, Mittal Tower, Plot No. 210, Block III, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3075/84-85 on 10-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:---

93-36GI/85

Date: 15-3-1985 Seal:

(1) Dhanrai Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3314/84-85.—Whereas, I, A. I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gala No. 124, 1st floor, A-2 bldg., Shah & Nahar Industrial Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the 1.25°. 3 of the Income-tax Act, 1951, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tables with the object of the

- call to direction of the ion is not found of the liability of the transform to pay fax under the said Act, in respect of any memory arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ancient or other assets which have not been or which outly to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1923) or the mid Act, or the Wasith-tax Act, 1937 1977 of 1957);

Now, incretor: in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Hemchand Jain, Smt. Sushila Vinodkumar Master Arpitkumar Bothra (Minor) Guardian Shri Hemchand Jain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the mid grounty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 124 on the 1st floor, A-2 building, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3084/84-85 on 16-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1985

## FORM NO. I.T.N.S.

and the second of the second o (1) Sinh & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Shri Dalkrishnan ha'la.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, LOMBAY

Bombay, the 14th March '1985

AR-I/37EF/3323/84-85.—Whereas,

Reg. No. AR-1/5/EE/5525/67 53.

A. I.AFIIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinaiter referred
to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing No.
No. Industrial Unit No. 206, 2nd floor, Shah & Nehar
Industrial Estate A-2

at Lower Parel Bombay at Bombay on 16-7-1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days notice in the office on the respective persons. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 26 given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 206, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Usiate A-2, S.J. Marg, Tower Parel, Bombay-400 013.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/3086/84-85 on 16-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1985

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. A. LAHIRI, AR-I/37EE/5333/84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Part of Unit No. 402, Vikas Bldg.

situated at Fort Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be developed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. Luxminarayan Enterprises

(Transferor)

(2) M/s. Victor Transport Co.

(Transferce)

(3) Victor Transport Co. (Person in occupation of the property)

(4) Victor Transport Co. (Person in occupation of the property) to interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Par tof Unit No. 402, top floor, Vikas Building, 11 Bank Street, Fort, Bombay-23.

The Statement has been registered by the Competent-Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I3093/84-85 on 16-7-84. Competent#

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-3-1985

#### (1) Mr. Hameed Zubair

(Transferor)

(2) Mr. Chhabilbhai Bayabhai Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

No. AR-1/37EE/3334/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 29. Geeta Bhavan C, Bldg.

situated at Bhulabhai Desai Road Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1984 for an apparent consideration, which is less than the fein

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Flat No. 29, 3rd floor, Geeta Bhavan 'C' Building, 93, Ehulabhai Desai Road, Bombay-36.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/2665/84-85 on 10-7-1984.

> a. Lahiri Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 13-3-1985

## FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Build Quick

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Aloke Kumar Basu

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Rcf. No. AR-1/37EE/3338/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 8.15% share of undivided share in Plot No. 772 D.M. Estate South at Tilak Road, Parsi Colony

situated at Dadar Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Ast, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8.15% share of undivided share in Plot No. 772, D.M. Estate South at Tilak Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400 014.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3111/84-85 on 16-7-84.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1985

### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Printopack.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s G.T. Enterprises.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONR OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No AR-1/37EE/3333/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

thereinafter referred to as the 'said Act')

have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No Industrial Unit No. 216, Shah & Nahar Indl. Estate A-I, situated at Lower Parel. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred.

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 16-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons anichevel period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 216 on 2nd floor, 'Shah & Nahar Industrial Estate' A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay 400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombny, under Serial No. AR-1/3112/84-85 on 15-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(1) M/s S. P. Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Latika R Seth,

(Transferec)

(3) M/a S. P. Builders (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 1 BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-I 37EE 3343/84-85.- Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 22, Heera Panna situated at Junction of Bhulabhai Desai Road & Tardeo Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority, at Bembay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, unbiasely and the contraction between the persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 22, Ground floor, HEERA PANNA, Junction Bhulabhai Desai Road and Tardeo Road, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3116/84-85 on 16-7-1984.

4. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1985

(1) M/s S. P. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dineshkumar Nancekchaudji Kothari. (Transferce)

(3) M/s S. P. Builders. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGET BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3344/84-85.--Whereas, I Λ. LAHIRI,

being the Competent Authorit yunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/ and bearing

No. Snop No. 23. Heata Panna Bldg, situated at Junction of Bhulabhai Desai Road & Tardeo Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 16-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA A the said Act, shall have the same me\_aing as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 23, Heera Pauna, function of Bhalabhai Desai Road and Tardeo Road, Bombay-400034.

. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3117/84-85 on 16-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

94-36GI/85

Date: 14-3-1985

Seal ·

(1) Saah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tokershi A Lalka,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombeay, the 14th Much 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3345/84-85,--Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to be the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 317 on 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Fatate A-1 situated at Lower Parel, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authori v. at

Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 317, 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhay Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/3118/84-85 on 16-7-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l, Bombay

Date: 14-3-1985

FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. D. Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I **ЗОМВА**Ү

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3346/84-85.---Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Unit No. 240, 2nd floor, Shah & Nahar Ind. Estate A-1 situated at Lower Parel.
(and more fully described in the Schedule annexed herety),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Component

Authority, at Bombay on 16-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Aca shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 240, 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanrai Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3119/84-85, on 16-7-1934,

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

## (1) Taideo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh P Choksy & Smt. Shakuntala M.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

# (Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR I/37EE/3347/84-85.--Whereas, J A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market lavue exceeding Rs. 100,000/-

and bearing Flat No. 1001, Shirin Apartments situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of has been transferred

the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Eumbay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- 'a) facilitating the reduction or, evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the . respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

. Flat No. 1901, Shirin Apartments, C.S. No. 1/315 of lardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, hombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/3120/84-85 on 16-7-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3349/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000/- and bearing

No Flat No. 503. Anurang CHSL situated at Walkeshwar, (and more fully described in the Schedule annexed pereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Rumbay on 16-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of unnit; with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sant. Induben Bakulbhai Dhami. Smt. Manjuben Subodhbhai Dhami.

(Transferor)

(2) Smt. Magubai Otermal Jain & Arunkumar Otarmal Jain.

(Transferce)

(3) Purchasers,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Anuraag, Banganga Anurag Coep. Housing Soc. Ltd., 9, Bangamga Road, Walkeshwar, Bombay-400 606.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3122/84-85 on 16-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.—

#### (1) Mrs. Zarinabai Abdul Karim

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abbas Ebrahim Unwala & Mrs. Rashida Abbas Unwala.

'Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3362/84-85.—Whereas, [, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00.000/- and bearing

No. Flat No. 20, Roshni CHSL situated at Clare Road.

Byculla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of has been transferred

the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority, at Bombay on 16-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 20, 4th floor, Roshni Co-op. Housing Society Ltd., Clare Road, Byculla, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3135/84-85 on 16-7-1984.

A. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-3-1985

Soal:

## (1) Smt. Bhanumati Hashmukhlal Shah. Sri Hashmukhlal Gulabchand Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961-(43 OF 1961)

(2) Janam Diamonds Private Ltd.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombav, the 15th March 1985

Ref. No AR-I/37EE/3392/84-85.—Whereas, I, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Unit No. 235, Panchraina Bldg, situated at

Opera House

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 16-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaki property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 235, 2nd floor, Panchiatna Bldg. Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4058/84-85 on 16-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-3-1985

#### FORM TINS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3379/34-85.--Whereas, 1. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 24,

Nirmal Nivas No. 2 bldg. situated at

August Kranti Marg, (and more fully described in schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 16-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bansilal Babubhai Shah & Hasumati Bansilal Shah.

(2) Harshadiai Chabildus Sheth & Bharati Harshadrai Sheth.

(Transferec)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever person expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Nirmal Nivas No. 2, 79, August Kranti Marg Bombay 400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/4047/84-85 on 16-7-1984

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th March 135

Ref. No. AR-1/37EE/3380/34-85 - Whoteas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 101, Veena Beena Apts situated at

Sewri (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-fax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 16-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as arote-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--95-36GI/85

(1) Shri Gordhandas Shivehandrai Garodia, (Transferor)

(2) Smt. Rukminibai Rambilas Lahoti.

(3) Shri Haribhai V. Patel.

(Transferce)

(Person is accupation of the property)
(4) Shri Haribhai V Patel.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor in Wing F, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (W) Bombay-400 015. The statement has been registered by the Compacent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4048/84-85 on 16-7-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1985

Scal .

(1) M/s Jay Bharat Steel Agency.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Annie Enterprises.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3384/84-85 - Whereas, 1,

LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating

No. Office No. D/3, Ambe Bhuvan situated at Dana Bandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 260 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Authority, at

Bombay on 16-7-1984.

For an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) farilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 

b) fa flitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. D/3, Ambe Bhuvan, 4th floor, Devji Ratanshi Marg, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/4051/84-85 on 16-7-1984.

1. I.AHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-3-1985

# <u>all viilles de Silles de Control de la control de Cont</u> FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3403/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing -

Flat No. 25, Amita Building situated at Monut Pleasant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the axid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Meera L Chatrath.

(Transferor)

- (2) Smt. Savitaben M Sanghavi & Mrs. Puja K Sanghavi. (Transforce)
- (3) Transferces. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 25, 2nd floor in the building known as 'ANTTA'. Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The statemen has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3189/84-85 on 20-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-3-1985

#### FORM ITNS----

- (1) 1. Shri C. J. Shroff & 2. Smt. S. J. Shroff.
  (Transferor)
- (2) 1. Srnt. S. R. Shah & 2. Shri D. R. Shah. (Transferee)
- (3) Transferees.
  (Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3408/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 43, Gold Coin A Bldg. situated at Tardeo Road

Flat No. 43, Gold Coin A Bldg, situated at Tardeo Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1984

at Bolinday on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said anstrument of transfer with the object of:—

- (a) ricellitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 43, Gold Coil 'A' Building, 35/35A, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3194/84-85 on 25-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1985

#### (1) Mrs. Indra J. Raheja.

(Transferor)

(2) Shri Kuntilal C Muthiyan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bolmbay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3409/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 2nd floor, Prem Court Bldg. situated at Peddar

Road

(and more fully described in the schedule annexed here o), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd floor, Prem Court Bldg., Peddar Road,

The statement has been registered by the competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under serial No. AR-I/3195/84-85 on 25-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-3-1985

FORM I.T.N.S.———

(2) Smt. Gobindibai H Robera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijaykumar G. Joshi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3416/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Auuthority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 21, Hargun House CHSL situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

at Bombay on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any momeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 3rd floor, Hargun House Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 148, Scheme No. 52, near Worli DD Chawl, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/3203/84-85 on 25-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-3-1985 Seal:

Norm, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persour namely :-

(1) Shri H. V. Shah.

(Transferor)

(2)Smt. Sheela N. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(3) Shri H. V. Shah. (Person in occupation of the property)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3421/84-85.—Whereas. I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 404, Vimal Society situated at Banganga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mo. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the saki instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a perion of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Vimal Society, 91-L, Banganga, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay under AR-I/3206/84-85 on 25-7-84. Competent Scrial No.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Seal :

Date : 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3434'84 85,—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Unit No. 5/R. No. 305, Trapinex House situated at elphinstone Estate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pushkar Dutt Rameshwar Dutt Sharma.
(Transferor)

(2) Shri Jaikumar Gajanand Gupta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this sotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X'(A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 5, Room No. 305, 3rd floor, Trapinex House Premises Co-op. Soc. Ltd., 16, Sholapur Street, Elphinstone Estate, Bombay-400009,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Seriai No. AR-I/3217/84-85 on 25-7-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Bombay.

Date: 13-3-1985

(1) Mrs. Radha K. Bondani

(Transferor)

(2) Mrs. Shanti R. Gurbani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3439/84-85,--Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 102, Building 'A' Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bhagnari Co-op, Housing Society Ltd., Bldg. No. A, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I/3222/84-85 on 25-7-1984.

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomhay.

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--96-36G1/85

Date: 13-3-1985

#### FORM ITNS———

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th March 1985

Ref. No. AR-1/3/EE/3399/84-85.--Whereas 1.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 6, Avanti Apartments situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Narharibhai Premjibhai Batolia.

(Transferor)

(2) Smt. Manji A. Agarwal.

(Transferec)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 10th floor, Avanti Apartment, B-Wing, Flank Road, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR I/1063/84-85 on 16-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 16-3-1985

(1) Shri Rustom Burior Hakim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3438/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,-

and beating
Flat No. 7, Colaba Land & CHSL situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(2) L. Shri Dinesh Bahil. 2. Smt. Poonam Bahl & Shri Rajiv Bahl.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bullding No. 5, Colaba J and & Co-op. Housing Society Ltd., Sohrab Bharucha Road, Colaba, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/3221/84-85 on 25-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (hereby initiate proceedings for the acquisition of the arrorsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

Date 16-3-1985

(1) Mr. B. C. Lord & Mrs. K. B. Lord.

(Tanaferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indra T Chhabria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 16th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3265/84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 15, Kavi Apartments situated at Worli Seaface

Flat No. 15, Kavi Apartments situated at Worli Seaface (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that, the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(11 of 1922) or the said Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 1st floor, Kavi Apartments, Worli Seaface, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3038/84-85 on 3-7-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 16-3-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Lalji M Popat.

Manish Trust.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 16th March 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3273/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 323, Verma Chambers situated at Homji

Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 10-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Asha R Reshamwala & Mias Manali R Reshamwala and Mr. Avniash K Gandhi, Trustee of Manali

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same assening as given used herein 20 EXPLANATION :in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

Office Premises No. 323, Verma Chambers, 3rd floor, 11 Homji Street, Fort, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3096/84-85 on 10-7-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date: 16-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Sheena K Poojari.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Prasad & Lawrence.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th March 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3264/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. R. No. 603, Auto Commerce House situated at Nana Chowk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(3) Mr. K. Vishwaprasad Shetty & Mr. Lawrence P Rodriques. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

R-No. 603, Auto Commerce House, 6th floor, Nana Chowk, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/3037/84-85 on 3-7-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 16-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th March 1985

Ref. No. AR-I 37EE/5093 84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as (he 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No. C.S. No. 1356 of Girgaum Division situated at Benam

Hall, Cross Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority
at Bornbay on 26-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Raghunath Shivshankar Worlikar.

(Transferor)

(2) Banhan Saraswat Bhuvan Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Members

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madd in writing to the unersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Born. 984/80 and registered on 26-7-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomb.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shabanali Ibrahim Allimohamed & Others.

(Transferor)

(2) Karnataka Baitul Hujjaj Trust.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37G/5094/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI, Ref. No. AR-I/37G/5094/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1779 of Mandvi Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Complem Authority

the Compteent Authority at Bombay on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2080/80 and registered on 23-7-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Hirabai Ramdas.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR-I/37G/5097/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1889 of Bhuleshwar Division situated at

Gaiwadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27.of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :- --97--36 G1/85

(2) Kanak Rashmi Kumar & Rashmikumar Mulraj, Trustees of Kanak Rashmikumar Trust. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovi able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chiefer.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 945/82 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 26-7-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I, Bomba.

Date: 13-3-1985.

#### FORM ITNS----

(1) Shri Prakashbhai Ramanlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patel Vashram Davrajbhai Vanparia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/11126/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 3, Ground floor, Devidas Read, Borivali (West), Bombay-92.

A. PRASAD,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

ut Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Ground floor, Neeldhara, Devidas Rond, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11126/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of hereby notice under subsection (1) of Section 269D and hereby the following persons, namely; ---

Date: 12-3-1985

(1) Jay Peli Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri/Smt. Smitha Sashikant Bhosle.

(Transferce)

Jay Pali Hill,

# GOVERNMENT OF INDIA

HE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-IV, OFFICE OF THE BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11050/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 329, 4th floor, "Govind Apartment",

Jay Pali Hill

Near Shanti Ashram, Borivali (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 427 of 1957);

· Flat No. 329, 4th floor, 'Govind Apartment', Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11050/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s, Ramesh Construction Co. (Bombay). (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Naresh Kumar Jayantilal Shah, and Shri Dhirajlal Virji Shah. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11295/84 85.—Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 7, Ground floor, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S. V.

Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and los
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S. V. Road, Borivli' (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11295/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-3-1985

(1) M/s, Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) Shri M. S. Ramnathan,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/12401H/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 2, Ground floor, Bldg. No. A-28, bearing Survey No. 222, Hissa No. 1 to 5, Ruttan Nagar, Borivii (E), Bombay-66, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall be a name of the said in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Building A-28, Bearing Survey No. 222, Hissa No. 1, to 5, Ratton Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EF/12401-H/84-85 on 2-7-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Poonam A. A.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR.IV/37-FE/11035/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, Ground floor, Bldg. No. B-2, Rattan Nagar, Near Bombay-66.

Premii Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivli (E), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2.7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Bldg. No. B-2, Rattan Nagar, Near Premji Nagar & Daulat Nagar, S. V. Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authomity, Bombay under No. AR-IV/11035/84-85 on 2-7-1984.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Scal ;

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11331/84-85.—Whereas, I, ...A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Shop No. 6, Om Sundaram Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Simpoli Road, Boriyli (W), Bombay.

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, massely:—

(1) Rajeshwai Raghunathsingh Thakur.

(Transferor)

(2) Ajit Manilal Singh.

(Transferee)

- (3) Transferor & Ramsevak Jaghari Gond.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor and Ramsevak Jugdhari Gond.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6, Om Sundram Co-op. Hsg. Society Ltd., Simpoli Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11331/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acmquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Raghuvanshi Developers,

(Transferor)

Dungarohi M. Rambhiya.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11403/84-85,---Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Ground Floor, Rughani Park, Ma Krupa Simpoli Road, Borivli (W), Bombay-400-092

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground Floor, Ma Kripa, Rughani Park, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11303/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 12-3-1985

Scal ·

(1) M/s. Vijay Nagar Corporation.

(Transferor)

(2) Mr Jabal Ahmed Shaikh Ahmed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1V, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11118/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 10, Bldg, No. E-20, Yogi Nagar, Eskar Road, Borivli (West), Bombay-400 092

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ev which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-98-36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, Building No. E-20, Yogi Nagar, Eskar Road,

Borivli (West), Bombay-400 092.
The agreement has been re been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-IV/37-EE/11118/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acmqui ition Range IV Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Keshay Narayan Thakut & Ors.

(Transferor)

(2) M/s Sahakar Builders.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 12th March 1985 -

Ref. No. AR-IV/37EE/10878/83-84.-- Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing Survey No. 203; H. No. 2 (P) C.T.S. No. 1439 Village Eksar, Devidas Lane, Opp: Vayu Devta Mandir Off. S. V. P. Foad,

Borivli (W), Bombay-400 092 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than officers per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer, as agreed to between the par-es has not been truly stated in the said instrument of trans-Ar with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immed able property, within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

# THE SCHEDULE

Survey No. 203, H. No. 2, C.T.S. No. 1439, Devidas Lane, Opp: Vayu Devta Mandir, Off. S. V. P. Road, Eksar Village, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/10878/83-84 Authority, Bombay on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following normons, namely:--

Date: 12-3-1985

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Sushila S. Pawaskar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26927(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Mohanlal Narsi Patel & Smt. Manjula Mohanlal. Patel.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-LV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1983

Ref. 150. AR-IV/37-EE/11365/84-85 - Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having, a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 101, Bldg. No. D/24, Yogi Nagar, M/s, Yogi Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Eskar Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay

attuated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or, other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, Bldg. No. D/24, Yogi Nagar, M/s. Yoginagar Co-op, Hsg. Sco. Ltd., Eskar Road, Borivali (W), Bomaby-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11365/84-85 on 2-7-4984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

be interested in the property)

#### FORM ITNS-

(1) To'shee Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harshad Jagmohandas Jariwala.

(Transferee)

(3) Smt. Hemanti H. Jariwala. (Person whom the undersigned knows to

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/10850/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. A-1, Vrishabh Villa, Rokadia Cross Lane, Borivli (West), Bombay-400 092.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, I any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires jater,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-1, Vrishabh Villa, Rokadia Cross Lane, Borivli\_(West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10850/83-84 on. 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

(1) M/s, K. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Jayantilal Mathuradas Thakkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11246/83-84.---Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

shop No. 2, Shrijee Apartment, Ground Floor, Eskar Village, Kandarpada Road, Borivl<sub>1</sub> (W), Bombay-400 092.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Shrijee Apartment, Ground Flood, Eskar Village, Kandarpada Road, Borivli (West), Bombay-400 092. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11246/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Seal

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. Correa Builders Pyt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Rose Maria Fernandas.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11256/43-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 10, Ground Floor, El-plaza, Survey No. 155, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-400 103

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as eagreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground Floor, El-Plaza, bearing C. T. S. No. 1086, Survey No. 155, I. C. Colony, Borivli (West), Bornes 400103,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11256/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

#### FORM I.T.N.S .--

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX' ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Manohar Kalwalkar,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11061/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Ground floor, "Ramchandra Apartments", 'B' Bldg., Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram. Borivli (West),

Bombay-92

situated at Borivli (W) and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor "Ramchandra Apartments, Bldg., Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-1V/37-EE/11061/84-85 dt. 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Sky-Build Pyt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Udav K, Parab & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE, OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. MR-IV/37-EE/11370/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 10-B, Kasturbaug, Plot No. 24, B/1, T.P.S. I. Borivli (W), Bombay-400 092. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 10-B, 'Kasturbaug', Plot No. 24, B/1 T.P.S.I., Berivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11370/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV **B**ombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersors, namely ; --

Date: 12-3-1985

(1) Sky Build Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Shah Dairy Farm.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the .12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11371/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 10-A, Kasturbaug, Plot No. 24, B/1 T.P.S.I. Borivli (West), Bombay-400 092, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

99-36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 10-A, Kasturbaug, Plot No. 24. B/1, T.P.S. I. Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11371/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-3-1985

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Ekvira Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhavi Madhusudan Wakde.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11027/83-84.—Whereas, I, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 206, 2nd Floor, Ekvira Nagar, Bldg. No. 2, Near Yogi Nagar, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered, and are

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd Floor, Ekvira Nagar, Bldg. No. 2, Near Yoginagar, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11027/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

FORM ITNS—

(1) Ekvira Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1861)

(2) Mrs. Shalaka Laxmikant Tedulkar.

(Transferoe)

#### GOVERNMENT OF DEDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11026/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 204, 2nd Floor, Ekvira Nagar, Bldg. No. 2, Near Yogi Nagar, Borivli (West), Bombay-400 092 (and more fully described in the schedule annexed hereio), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the thirmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

suid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hall of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, Ekvira Nagar, Bldg. No. 2, near Yogi Nagar, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11026/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstr. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the is Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Seed :

FORM I.T.N.S.-

(1) Gosalia Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anilkumar Manohar Sanaf.

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11018/83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impact of the competence of the c movable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

Flat No. 301, 3rd Floor, Ankur Building, Mandpeshwar Road, Borivli (West), Bombay-400 092

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) raculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Ankur Building, Mandpeshwar Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/11018/83-84 on 27 1084. 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely :---

Date: 12-3-1985

Seel:

#### FORM ITNE

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Mr. P. Parsuottamdas Pariekh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

`Ref. No. AR-IV/37EE/11333/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing.

and bearing
Flat No. 84, First Floor, Bldg. No. 8, 9, 10 of Rattan
Nagar, Scheme Borivli (E), Bombay-400 066
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter?
- (b) by any other person interested in the said imms, able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 84, 1st Floor, Bldg. No. 8, 9, 10 Rattan Nagar Scheme, Borivli (E), Bombay-400066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11333/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 12-3-1985

#### FORM ITHE

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Dinkar Shankar Shinde.

(Transferse)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11335/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinstter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1, Ground Floor, Building No. B-4, Rattan Nagar Scheme at Borivli (E), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other seems which have most been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the ceruics of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flatt No. 1, Ground Floor, Bldg. No. B-4, Rattan Nagar Scheme, Borivli (E), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11335/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Ratnadeep Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Baloo Bandivdekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV 37EE/11170/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13. Borivli Ratnadeep Apartment, 4th Floor, Vazira Naka, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400092 (and more fully described in the Scheduled amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any knowne arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13, Borivli Ratnadeep Apartment, Vazira Naka. L. T. Road, Borivli (W), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11170/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bomba-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dato: 12-3-1985

Soal :

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandrakant Laxman Khambaswadkar. (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12401-I/83-84.--Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 22, 4th Floor, Bldg, No. A-28, Ratan Nagar,
Borivii (East), Bombay-400 066
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 2-7-1984

at Bombay on 2-7-1984 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid asceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Flat No. 22, 4th Floor, Bldg. No. A-28, Ratan Nagar, Borivli (E), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/12401/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAP Impecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Demona, Damoly :-

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Pandit S. Chunilal & Rakesh S. Pandit.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/11037/83-84,--Whereas J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, 1st floor Bldg. B-5 in Rattan Nagar Scheme, Borivli (E)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the vaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Borivli, (E). Bombay-66. 1st floor, Bldg. B-5, Rattan Nagar Scheme,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11037/83-84 on 2-7-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

100--36GI/85

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

# (1) Shri L. J. Fernandes.

(Transferor)

(2) Mrs. N. L. Sahesaxbudhe.

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11360/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. Yogita Co-op. Hsg. Society Ltd., Flat No. 23, 3rd floor, Daulat Nagar, Road No. 6, Borivli (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, Yogita · Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Daulat Nagar, Road No. 6, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JV/11360 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. E. Mathew.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11049/83-84.—Whereus, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000'- and bearing No. Flat No. 327, 4th floor in Govind Apartments, Jay Pali Hill near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule approved bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovsible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Fla No. 327, 4th Iloor, Govind Apartments, Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11049 on 2-7-1984.

A. PRASA()
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bomboy.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) M/s, Bhushan Construction Co.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Namdev Rajaram Shivalkar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10841/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 22, 2 Road, Borivli (W)

2nd Floor, Bhushan Apariments, Shimpoli

(sad more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ressen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd Floor, Bhushan Apartments, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/10841 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Umesh Krishna Vishvikar.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10884/83-84.—Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. Flat No. 32, 2nd floor, Bhusben Apartments, Shimpoli Road, Borivli (W) Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichover period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 32, 2nd floor, Bhushan Apartments, Shimpoli Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/10844 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date : 12-3-1985

(1) M/s. S. A. Contractor & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxmichand V. Shah.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11284/83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000,- and bearing No. Shop No. 6, Ground floor, Samarpan Bldg., Daulat Nagar, Borivi (W). Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or apperiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Samarpan Building. Daulat Nagar, Borivli (W), Bombay-66,
The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR-IV/11284 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date : 12-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Perjandar Singh Amrak Singh Call

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. K. C. Kunder & Mrs. L. K. Kunder. (Fransferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref, No. Δ Λ. PRASAD, ΔR-IV/37EE/11182/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 11, pr. floor, bldg. B-1, Premanavar, Neelkumal Co-op, Hsg. Society Ltd. 10th Road, Daulat Nagar, Borivh (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the earld instrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Bldg, B-I, Premiinagar, Neelkamal Co-op, Hsg. Society Ltd., 10th Road, Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11182 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 12-3-1985

# FORM TINS-

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. Raut.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10843/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. P. S. III, F.P. No. 631B, Bhushan Aptts., Shimpoli Road, Borivli (W) Bo phay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

Benton 257AB of the the consecutive at Rei, 1967 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/cr (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :-

- (a) by any of the afor dependent within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

T.P.S. III, F.P. No. 631 B, Bhushan Appartment, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/10843 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Date: 12-3-1985

#### (1) Mrs. Preetam Prabhakar Thakur.

(3) Transferor with her family.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Snebalata Vishwanath Rajure,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10832/84-85,-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing and bearing
Flat No. D/50, Cm Shri Gokul Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
Municipal Stall Colony, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. D/50, Om Shri Gokul Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Municipal Stafi Colony, S.V. Road, Borivli (West), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10832/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-3-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persens, namely :--

101-36 GI/85

#### FORM ITNS-

(1) Shri Ramanlal Harjivandas Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maganbhai P. Patel and Jivrajbhai Z. Patel. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10912/84-85.-Whereas, J. A. PRASAD,
heing the Competent Authority under Sec.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Shop No. 28, Survey No. 94, P. No. 4 and 5 and also 89
P. No. 3 and 4, Chandavarkar Lane, Borivli, Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the ends Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usests which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslib-bux Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 28, Survey No. 94, P. No. 4 and 5 and also 89, P. No. 3 and 4, Chandayarkar Lane, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-IV/37EE/10912/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Seal

#### FORM ITNS- -

(1) M/s. Rajlaxmi Const. Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Smt. J. V. Doshi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AR-IV/37EE/11041/84-85.--Whereus, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 34, 3rd floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 8-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that the apparent for but that the consideration that th and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor, Shivam Bldg. S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Compétent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/11041/84-85 dt. 8-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 12-3-1985

(1) Smt. Prabhavati Nagindas Sanghavi,

(2) Shri Durlabhji N. Palan &

Smt. V. O. Durlabhji Palan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11414/84-85.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair malket value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 5, Uday Apts. Plot No. 37 of Sanghvi Pvt. Scheme bearing survey No. 85 (pt) & 86, Hissa No. 1 & 2 (Pt)

l'oisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under enhancement (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Açt, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, Uday Apartment, Plot No. 37, Sanghvi Pvt. Scheme benring Survey No. 85 (pt) & 86 Hissa No. 1 and 2 (pt), Poisar.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11414 on 28-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s Rajlaxmi Construction,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Y. N. Desai,

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11097/84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plat No. 21, Ist floor, Shivam Bldg, Fatchbaug, S.V. Road,

Kandivli (W)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 21, 1st floor, Shivam Bldg, Fatehbaug, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/11097/83-84 dt. 9-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 12-3-1985.

FORM ITNS———

(1) Dr. Bhargav M. Desai & others.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11022/83-84.— Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing

and ocaring Flat No. 3, Gr. floor, Ashok Anand Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Ashok Nagar, Akruli Rd., Kandivli (E), Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-7-84

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mohd, Usman Hussein Gogda. Fatimabai U. Gogda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. floor, Ashok Anand Co-op. Hsg. Scty Ltd., Ashok Nagar, Akruli Rd., Kandivli (E), Bombay-101. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11022 on 6-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-3-1985.

(1) Mrs. Sarojben Dilipkumar Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahendrakumar M. Tanna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11129/83-84.---Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Block No. 6, Let floor, 1-18, Mahavir nagar Co-op. Hsg. Scty. Ltd.. Near Dahanukarwadi, Kandiyli (W), Bombay-67 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by name than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: .-. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sale Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Block No. 6, Ist floor, 1-18, Mahavirnagar Co-op. Hag. Scty Ltd., Near Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/11129/83-84 on Authority, 10-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -

Date: 12-3-1985

#### FORM 1.T.N.S.----

(1) Smt, Rasila R. Vora.

·(Transferor)

(2) Shri S. H. Randeria.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1 COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. 37EF/11336/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

J/25/24, Mahavir Nagar, C.H.S. Ltd. Dahanukarwadi
Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaint consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Inden Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

J/24-25, Mahavir Nagar Co-op. Hsg. Scty Ltd., Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent utbority, Bombay under No. AR-IV/11336/83-84 on Authority, 22-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Dated: 12-3-1985.

FORM ITNS----

(1) S. V. Nagranalli.

the same programment of the second programment of the second seco

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rojni Balkrishna Chapheka:

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11167/83-84.--

Wherens, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

poperty, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, ground floor Vinect Co-op. Hsg. Sety, I (d. Dhanukar di, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have 10200n to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-102--36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property mey be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said munova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, The Vincet Co-op. Hsg. Sciy. Ltd., Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR-IV/11167/83-84 on Authority, 13-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 12-3-1985.

#### FORM ITNS----

(1) M/s Rajlaxnii Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Kantalaxmi P. Valia.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 19885

Ref. No. AR-IV/37EE/2292/83-84.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, 1st floor, Shivam Bldg. S.V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W) signated at Rombay-58

situated at Bombay-58

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat Nc. 12, 1st floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/2292/84-85 cm Authority, 13-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 12-3-1985.

(1) M/s Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

# NOMICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri J. N. Mehta & Smt. D. J. Mehta.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10868/83-84.— Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No 36, 3rd floor, Shivam Bldg, S.V. Road Fatchbaug, Kandivli (W) Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority in Bombay on 1-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 36, 3rd floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/10868 on 1-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 12-3-1985.

(1) Mrs. Srivani J. Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Bhargav M. Desai & Mrs. J. B. Desai.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/JJ194/83-84.---Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 106, 1st floor, Saraswati Bldg, plot bearing C.T.S. No. 19, 20 & 93 of Village Wadhwan, Kandivli (W), Sahakar Cram, Bombay 1

persons, namely :-

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Benday on 13-7-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) familitating the reduction or evanous of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FREINNATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 106, Ist floor Saraswati Bldg. C.T.S. No. 19, 20 95 of Village Wadhwan, Kandivli (E), Sahakar Gram, Rombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11194 on 13-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12 3-1985 Scal

(1) Shri Ajit P. Kapadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. C. J. Shah & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/11289/\$\square\$-84.\to-\text{Whereas, I, A. PRASAD,}

transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 1065. Meurin Street, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB or the Income-ax Act, 1961, in the Office of

the Competen! Authority for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and i have the son to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as, agreed to between the parses has not been truly stated in the and instrument of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax inst. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1065, Meurin Street, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV. 37-EE/11289/83-84 dt. 21-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
luspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 12-3-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. J. H. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nayana R. Madani & H. V. Madani,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/11286/84-85.—

Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

and bearing C.T.S. No. 1065, Meurin St., M.G. Road, Kandivli (W),

Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Borabay on 21-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tai market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax rict, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ac are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1065, Maruin St, M.G. Road, Kandivli (W), Bomaby-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/11286/84-85 dt 21-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) Smt. S. S. Gokhale.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. S. Deshpande.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11251/84-85. --

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

and/or

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flet No. C-3, Anamik Co-op. Hsg. Sety. Ltd. Arya Chanakyanagar, Akruli Read, Kandivli (E), Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparen, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or essaion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the mansfer,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saic Act, shall have the same meaning as given in that Chapter in that Chapter,

THE SCHEDULE

Black C3, Anamik Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Arya Chanakyanagar, Akruli Read, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/11251/84-85 dt. 20-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date . 12-3-1985 Soul 1

#### FORM ITNS-----

(1) M/s. Trilok Const. Co.

(Transferor)

(2) Smt. Sujata R. Joshi & Shri R. V. P. Joshi

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-FE/11242/83-84.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Flat No. 67, 4.h floor, Satyam Bldg., S.V. Road, Fatchbawg, Kandivli (W), Bombay situated at and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed transferred and the agreement is registered under the schedule of the schedule annexed the schedule annexed to the schedule of the schedule annexed to the schedule of the schedule annexed to the schedule annexed to the schedule of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 67, 4th floor, Satyam Bldg., S. V. Road, Fatenbaug, Kandivii (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV. 37-EE/11242/83-84 dt. 20-7-84.

A. PRASAD Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh H. Moni

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Kef. No. ARIV/37-EE/11227/83-84.--Whereas 1, A, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremaker referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 29, 2nd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W). Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arming from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the vaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 103--36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoved property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

PARIANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the stone meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 29, 2nd floor, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide seriai No. ARIV/37/11227/83-84 dt, 18-7-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Unte : 12-3-1985

Soal :

# FORM ITNS\_\_\_\_

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Prabhudas K. Mandavtya

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11224/83-84.--Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>S</sub>, 1,00,000/- and bearing

Flat No. 20, 1st floor, Shivam Bldg, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Rombay situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 17-7-84

for an apparent consideration which is less, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of other respective persons, whichever period expares later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 20, 1st floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kundivli, (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11224/83-784 dt. 17-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Date: 12-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

# (1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri R. N. Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/11401/83-84.— Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 43, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W) situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 28-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of:

- (iii) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 43, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivil (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. A.R.-IV/11401/83-84 on 28-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

### FORM ITNS----

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri & Sm., L. V. Kalyani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. AR-IV/37EE/11380/83-84,---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing

Flat No. 19, 1st floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 19, 1st floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/11380/on 27-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

AND THE SECOND ASSESSMENT OF THE PROPERTY OF T FORM NO. ITNS----

(1) Smt. Salma A. Halai

(Transferor)

(2) Mrs. P. V. Sawant & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11328/83-84. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Flat No. 37, Dattani Gram Bldg. No. 1, Hemukalani Cross
Road, Kandivli (W) situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 24-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any nacineting the conceanient of any income or any nacineys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Olficial Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 37, 3rd floor, Dattani, Gram Bldg. No. 1, Hemu Kalani Cross Road, Kandiyli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Eombay under No. AR-IV/11323 on 24-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Shri S. C. Bafna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. A. Soni & Ors.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

AR-JV/37EE/11422/83-84.--Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, Tirupati Apartment, 5th floor, Akruli village

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a great to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Tirupati Apertment, 5th floor, Akruli village Kandivli (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11422 on 28-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-JI Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

FORM ITNS——

(1) Mrs. Jyoti J. Paun.

(Transferor)

(2) Mr. S. A. Mateen & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11329/83-84.—Whereas, I, A, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

Unit No. 3, ground floor, Akansha Arcade, 60 Trikamdas Road, Kandivli (W).

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Unit No. 3, ground floor, Akansha Arcade, 60 Trikamdas Road, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-[V/11329 on 24-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bembay

Date: 12-3-1985

Scal 1

(1) Shri P. R. Upadhya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri R. C. Hegde.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,

### **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11123/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 15, ground floor, Gurunanik Apartments, Shankar Lane, situated at Kandivli (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian become tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor, Garunanik Apartments, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/11123 83-84 dated 10-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Suryaraj Builders.

(Transferor)

(2) Banu M. Painter.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11159/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Ground floor, Aakruti Apartments, Mathuradas Road, Kandivlj (W), Bombay-67.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incomptax 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the labelity of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the motice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-104-36 GI/85

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Aakruti Apartments, Mathuradas Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11159 on 13-7-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS ---

(1) Ms. Yashodhan Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri P. R. Upadhya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/11145/83-84.--Whereas, I,

Ret. 180. A. PRASAD, the Competent being the Competent Authority under Section 296B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair most believe that the fair most believ

able property, having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and bearing Shop No. 6, ground floor, Chintamani building, Sa Vallabhai Patel Road, Off Shankar Lane, Kandivli (W). Sardar

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 13-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Chintamani, S.V.P. Road, Off Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/11145/83-84 dated 13-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

#### FORM ITNS-

(1) Bonaza Industrial Estate P. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Madanlal Mehra.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11130/84-85.--Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 1961) as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. 26 & 27, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 10-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transf as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- '(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 26 & 27, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/11130/8384 dated 10-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Mrs. P. W. Jethwani.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Indian Heaters.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11445/83-84,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 26, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate, D-Wing, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E).

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 30-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 26, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate, D-Wing, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11445 on 30-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, **Bombay** 

Data: 12-3-1985 Seal:

(1) Mrs. P. W. Jethwani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. K. Nacra & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11350/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. 25, D-Wing, Bonaza Industrial Estate,

Kandivli (E).

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent . Authority

Bombay on 24-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 25, D-Wing, Bonaza Industriai Estate, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11350 on 24-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date · 12-3-1985

(1) Bonaza Industrial Estate P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rolex Artificial Jewellery.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF UNCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11282/83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having ai fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 16, 2nd floor, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E), Bombay-101. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been der which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 16, 2nd floor, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli

(E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority (E), Bombay3on55 cmfwyp shdrlu cmfwyp cmfw Authority, Bombay under No. AR-IV/11282 on 21-7-84.

 PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3- 1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14446/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 27, 2nd floor, D-Wing, Bond Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E).

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-7-1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Pushpa W. Jethwani.

(Transferor)

- (2) Shri K. R. Desai Dr. S. R. Desai Trustees of the trust.
  - 1. Spruha Benefit Trust,
  - 2. Kshiti Benefit Trust, &
  - 3. Ruchi Benefit Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 27, 2nd floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IV/11446 on 30-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Shri P. C. Khilnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. P. Merchant.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12401F.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to ea the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. 21, ist floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). situated at Bombay.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been training the said instrument of transfer with the effect of the said instrument of th Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to the

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATEGM:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; d/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Unit No. 21, 1st floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12401-F on 16-7-84.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing ing persons, muchy :---

Date: 12-3-1985

(1) Mr. Kapil R. Agarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Venus Flectro Mechani.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12401-D/84-85.--Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Industrial Unit No. C-10, 1st floor, Bonaza Industrial Fstate, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under action of the control of the control

section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax trader the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
105—36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C-10, 1st floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/12401-D on 16-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) M/s. A. H. Engineering Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Simplicon

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 17th March 1985

Ref. No.  $AR-I\sqrt{37-EE}/113J4/83-84$ .—Whereas, I, A.

PRAS 2, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the fail Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market-value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit D. 40. 1st floor, D-Wing Bonaza Industrial Estate, A hok Chakrasarthy Rd., Kandidi (E), Bombay-67 fund in se fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the aprenaint is registered under

has been transferred and the acceptant is registered under tection 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at the interpretation of the Competent Authority at the interpretation of the interpretation of the interpretation of the aforesald property and I have small a believe that the fair market value of the propert as aforesald exceeds the apparent consideration that the last the consideration for such apparent consideration in and that the consideration for such apparent consideration in and that the consideration for such transfer as not been truly stated in the cold instrument of transfer with the object of: said instrument of transfer with the object of:

- to facilitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unfor the said Act, in and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 40, 1st floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarthy Rd., Kandivii (E), Bombay-67
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-IV/37-EE/11314/83-8† dt. 23-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons namely ;--

Date: 12-3-1985

### (1) Shat M. V. Doshi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. M. Bairagra

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11405/83-84.-Whereas, I. A.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Industrial Gala No. C/3, 2nd floor, Bonaza Indl. Estate, Kandivli (E).

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 28-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Gaia No. C '3, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate Kandivli (E), Bombay-101. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV (1405 on 28-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombou

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :--

Date: 12-3-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri Shashikant Vinayak Tuckley & others. (Transferor)

(2) M/s. D. K. & Associates

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10917/84-85.—Whereas, I, A.

prasad being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 37, Dahanukar Wadi, Guru Krupa, Gokhale Road, bearing Nos. 966, 966/1, to 4 Kandivli (W), Bombay-400 067

Bombay-400 067

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the omee of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 37, Dahanukar Wadi, Gurukrupa, Gokhale Road, bearing No. 966, 966/1, to 4. Kandivli (W), Bombay-400 067.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10917/84-85 on 3-7-1984.

A PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

Sen::

(1) Shri Amershi Madhavji Thakkar Alias Mangaldas Madbavji Thakkar

(Trunsferor)

(2) M/s. Pratik Development Cornn. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. AR-IV/37EE/11452/83-84.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. piece of land adm. 2722 smt. at Subush Lane, Kandivli (W) C.T.S. No. 104,/1 to 13 331, 331/1 to 12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)t

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: .- The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land at Subash Lane, C.T.S. No. 104/1 to 13 and 331, 331/1 to 12, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11452 on 24-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-3-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Rosie Sabina Lowrence

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narendra J. Shah

(Transferee)

(3) Dr. Ramesh Pandit, Mr. T. Andrade & Mr. Vessi R. Shah All Tenants.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. ARIV/37-G/63/84-85.—Whereas, I A. PRASAD being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. C.T.S. No. 1324, (S. No. 26A) Mt. Posur, Borlvli,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-7-1984

at Bombay on 19-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration to parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee. for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule As mentioned in the Registered Deed No. 535/ 1980 and registered on 19-7-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 15-3-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) Shri Dhaklubai M. Keni & 40 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Om Shree Alkapuri Co.op. Hsg. Scty Ltd. (Transferee)

### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX' ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. ARIV/37-G/66, 83-84.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

No. piece & parcel of land, at village Borivit, C.T.S. No. 260, 60 ft. vide D. P. Road, Serial No. 47(p) C.S. No. 270 (P) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby mainte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedulo as mentioned in the Registered No. S-1675/84 and registered with the sub-registrar, Bombay on 17-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, E- imbay

Date: 13-3-1985

(1) Shri Harbanslal Jain,

(Transferor)

(2) Shri Najendrakumar Amichand Jain & others. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11212/83-84. -Whereas, I. A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovas the Said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 106, Building Prasanath Apartments, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-400 092
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106, Building Parasnath Apartments, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV\_37EE/11212/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Nilambari Dushyant Jogish

(Transferor)

(2) Shri Raitlal Gokaldas Gohil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11334/83-84,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Sagar Nivas, 5th Kasturba Road, Borivli (E),

No. Sagar Nive Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Stogar Nivas. 5th Kasturba Road, Borivli (E), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11334/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons. / melv 106-36 GI/85

Date: 12-3-1985

#### FORM ITNS—

(1) M/s. Vakharia & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1.

(2) Mr. Bankim Jayantilal Shah & others. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11223/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000 /- and beging

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, Second Floor, Survey No. 61, Hissa No. 5 C.T. S. No. 262 262/- to 262/9, Datta Pada Cross Road, Borivli (E), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule samexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter—XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Second Floor, Survey No. 61, Hissa No. 5 & C.T.S. No. 262, 262/1, to 262/9 Datta Pada Cross Road, Borivli (E), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11223/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Daten: 12-3-1985

#### FORM ITNS ---

### (1) Shri Premji Mulji Vira

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss C. Sylvia Pinto & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No.  $\Lambda R-iV/37 EE/11113/83-84$ .—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Yogi Nagar Co-op. Housing Society Ltd., D-8 Yoginagar, Eskar Road, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Isx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Yogi Prabhat Co-op. Housing Society Ltd., D-8 Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-400 092. D-8 Yogi

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-V/11113/83-84 on 2-7-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1985 Soal :

(1) Shri D. N. Enterprise

(Transferor)

(2) Shri John Edward D'Souza & Others.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11248/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Sfflection 260B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, Wing A, 3rd Floor, Dream Land, 120 Link Road, Borivli (West); Bombay-400 092.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Offic: of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION':-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd Floor, A Wing, Dream aLnd, 120 Link Road, Borivii (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11248/84-85 Authority. on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Vakharia & Associates.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11222/84-85.—Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 12, 3rd Floor, Dattapada Cross Road No. 2,

Borivii (E), Bombay-400 066 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Shri Dinesh B. Parikh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by 'any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein s. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same numbing as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Third Floor, Dattapad Cross Road No. 2, Borivli (E) Bomaby, 400 066.

The agreement has been registered by the AuthorityBombay under No. AR-IV/37EE/11222/84-85 on 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

Scal:

(1) M/s. Goyal Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) M/s. Dinesh Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10914/84-83.--Wheras, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act ), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-701, 7th Flor, Ashoka Tower, Kulupwadi Road, Boriyk (E), Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by anore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-- '

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-701, 7th Floor, Ashoka Tower, Kulupwadi Road, Borivli (E), Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10914/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

Soul :

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Nipa Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shantaben Champalal Jain.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10925/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 504, 5th Floor, Wing B, Paresh Apartments, S. V. Patel Road, Borivli (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is receivered up in

has been transferred and the agreement is registered unto Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

is) facilitating the reduction of evening of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income unising from the transfer:

(b) facilitating the concealment or any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, Wing B, Paresh A. S. V. Patel Road, Borivli (W), Bombay-400 092. Apartments,

The Egreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/37EE/10925/84-85 on 2-7-1<u>9</u>84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following results: ing persons, namely :-

Date: 12-3-1985

(1) Smt, R. R. Khandhar

(Transferor)

(2) Mr. T. P. Samant,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11399/83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovible property having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing

No. C-13 Mardavi, Davidas Lane, Borivli Bombay-400 092 (West),

cand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Domboy on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the adviesable property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after the consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the mansferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C-13 Mandavi, Davidas Lane, Borivli (W), Bombay-400 103.

The egreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11399/83-849 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-3-1985 Seal :

FORM ITNS ------

(1) Shri Chandrakant M. Ajmeera

(Transferor)

(2) Dr. Sudhir V. Ashar & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

New Delhi, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10856/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Shop No. 1, Ground Floor, Building No. 2, Krishna
Factory Lane, Borivli (W), Bombay-400 092
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inspine-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

107-36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Floor, Building No. 2, Krishna Kutir, Factory Lane, Borivli (West), Bombay-400 092,

The tagir ment has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/10856/83-84 on 2-7-1564.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

Scal:

### FORM ITNS

(1) Mr. A. Santhanam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISTTION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/371/E/11448, 83-84.--Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 1, C-14, Bluck, Borivli Emeralad Co-op.
Housing Soc. Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivli (W),
Bombay-400 103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Open of the Competent Authority at

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. C. Jacob & Others.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45-days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1—Block No. C-14, Borivli Emerald Co-op. Housing Society Itd., Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay-400 003.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11448/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Rita Prakash Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gopal Kantilal Thakkar.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11254, 83-85.--Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter related to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Hat No. 108, Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. B, Saibaba
Nagar, Borivli (W), Bombay-400 092
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 108, Flat No. 303, 3rd Floor, Building No. B. Saibaba Nagar, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/11254/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

### FORM FINS-

(1) M/s Western India Builders.

(Transferor)

(2) Noorali Vali Maredia.

(Transferee)

Transferors.

(Person in occupation of property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11031/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Flat No. 12, 2nd floor, E' Wing, Gulistan Apartments, Plat CTS No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay, situated at Dahisar (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competenn Authority

Bombay on 7-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-tics has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer? and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, 'E' Wing, Gulistan Apartments, Plot C.T.S. No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Dahisar (East),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11031/83-84 dated 7-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

### (1) Shri Vasant Laxman Kurte.

(Transferor)

(2) Dr. G. B. Chavan.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11168/83-84.--Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

no Flat No. 2. Nisarz Co-op. Housing Society Ltd., Pathare Wadi, Dahisar (West), Bombay 400 068 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the Competent Authority at Rombay on 13-7-1981

Bombay on 13-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the scrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION: -- The terms \ and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Nisarg Co-op Housing Society Ltd., Pathare Wadi, Dahisar (West), Rombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/1:168/83-84 dated 13-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-3-1985

Scal:

(1) Mr. Bhaskar R. Patil & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s B. R. Enterprises.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARTV/37-EE/11053/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Survey No. 15, H. No. 3, C.T.S. No. 1353, Village Dahisar, Bombay situated at Dahisar, (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 Bombay on 7-7-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property sa aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 15, H. No. 3, C.T.S. No. 1353, Village Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11053/ 83-84 dated 7-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/11059/83-64.--Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Agricultural piece of land being Survey Nos. 189 & 185, Hissa No. 8, Shiva Vullabh Road, Near Ashok Van, Dahisar (Fost), Bombay situated at Dahisar (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Janabai Dahyabhai Desai & Ors. (Transferor)

(2) Shree Bahubali Co-op Housing Sey. (Proposed). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural piece of land being Survey Nos. 189 & 185, Ilissa No. 8, Shiva Valiabh Road, Near Asok Van, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11059/83-84 dated 7-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) Anant Construction Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Paradise Metals.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11030/83-84.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot of land with 3 tenanted structures bearing S. No. 141, H. No. 1 (P) and S. No. 142, H. No. 7(P). CTS. S. No. 786 (1 to 14), of Eksar Village, Dahisar (W), situated at Dahisar (West), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons namely :---

(3) Transferee.

(Person in occupation of property)

(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land with 3 tenanted sructures bearing S. No. 141, H. No. 1 (P) and S. No. 142, H. No. 7(P), C.T.S. No. 786 (I to 14) of Eksar Village, Dahisar (West), Bombay-68. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11080/83-84 dated 9-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

HURM ITNS-----

\_\_\_\_

(1) Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Habibbhai Samshuddin, Manjiyani & Mohammedali Samsuddin Manjiyani. (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARTV 37 LE. 11033 83 84 -Whereas, T. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Flat No. 2 Ground floot. D' Wing, Culisian Apartment, Plot boung e.i.; No. 1053/1 to 7, 8 V. Road, Dahisar (E), Bomba, superted at Dahisar (E), (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 7-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

108-36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, '8' Wing, Gulistan Apartment, S.V. Road, Plot bearing C.T.S. No. 1053/1 to 7, Dahigar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37-FF/11033/ 83-84 dated 7-7-1984,

> 4. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date > 12-3-1985

(1) M/s Delite Esterprises.

(Transferor)

(2) M/s V. R. Kadam & Co.

(Transferce)

(3) Ramchandra Rajaram Tawde & Ors.

(Person in occupation of property)

(4) Ramchandra Rajaram Tawde & Ors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV 37 EE/2291/83-84.—Whereas, I,  $\Lambda$ . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

No. Shop No. 3, Plot No. 18, C.T.S. No. 897, L.T. Road, Opp. Dahisar Rly Station; Dahisar (West), Bombay-400 068

situated at Dahisar (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

Section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Eembay on 13-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; atul/in

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Plot No. 18, C.T.S. No. 397, L.T. Road, Opp. Dahisar Rly Station, Dahisar (West), Bombay 68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide seiral No. ARIV/37-EE/2291/83-84 dated 13-7-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

### FORM 1.T.N.S.-

### \_\_\_\_ (1) C. P. Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Mala Arjandas Keswani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11044/83-84.—-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Shop No. 5, Ground floor, Harishankar Ioshi Road, Dahisar (East), Bombay-400 068 situated at Dahisar (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 7-7-1984. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Harishankar Joshi Road, Dahisar (East), Bombay 400 068.

The agreement has been projected.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serail No. ARIV/37-EE/11044/83-84 dated 9-7-1984,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bembay

Date 12-3 1985

Scal:

### (1) M/s Western India Bulklers.

(Transferor)

(2) Mr. Rahim Vali Maredia.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (3) Transferor.

(Person in occupation of property)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-1:E/11029/83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.4- and bearing

No. Flat No. 11, 2nd floor, 'D' Wing, Guistan Apartment, Plot bearing CTS No. 1053/1 to 7, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay situated at Dahisar (E),

tand more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to he undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the simbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Plat No. 11, 2nd floor, 'D' Wine, Golistan Apartment, Plot bearing CIS No. 1053/1 to 7. S.V. Road, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV, 37-EF/11029/83-84 doted  $7_{\rm f}$ 7-1984.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1935

FORM ITNE

(1) Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Chandra B. Dharod.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV, 37-UE/11196/83-84.--Whereas, 1, A. PRASAD, heing the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. A-1, A-2 6, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dahisar (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. A-1, A-2/6, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11196/83-84 dated 13-7-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12/3/1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s Happy Home Housing Agency,

(Transferor)

(2) Mr. Karsanbhai K. Mistry & Mrs. Bhanumati K. Mistry.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11424/83-84.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Shop No. 4, Ground floor, Bldg. No. 8 'A', Sector II,
Anand Nagar, Layout, Dahisar (East), Taluka-Salsette,
Bombay situated at Dahisar (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Building No. 8 'A', Sector II, Anand Nagar, Layout, Dahisar (East), Taluka-Satsette, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11424/83-84 dated 28-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/10963/83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Shop No. 2. Ground floor, Bldg. No. 8. Sector II,

No. Shop No. 2. Ground floor, Bldg. No. 8, Sector II, Anand Nagar, Layout, Dahisar (E), Faluka-Salsette, Bombay situated at Dahisar (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) M/s Happy Home, Housing Agency.

(Transferor)

(2) Shri Dhirajlal Nathu Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Bldg. No. 8, Sector II, Apand Nagar, Luyout, Dahisar (East), Taluka-Salsette, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/10963/83-84 dated 6-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1985

(1) M/s Happy Home Housing Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mansukhlal Devehand Dodhia & Shri Shantilal Devehand Dodhia. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11423/83-84.-- Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. 11, Ground floor Building No. 3, Sector II,
Anand Nagar, Layout, Dahisar (East), Taluka-Salsette,
Bombay situated at Dahisar (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bembay on 28-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 11, Ground floor, Bldg. No. 8, Sector II, Anand Nagar, Layout, Dahisar (East). Bombay, Taluka-Salsette. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11423/83-84 dated 28-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority
> Acquisition Range-IV, Bornbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

Scal:

(1) M/s Thakar Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhuri Vithal Prabhugaonkar.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ,\CQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. AR-IV/37EE 11397/34-85 -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, 6th floor, Anartment, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay-68,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incoments Act 1961, in the office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Bombay on 28-7-1984,
or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madee in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Radbakrishna Apartment, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR-IV/37-EE/11397/84-85 on 28-7-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following oersons, namely ;---109-36 GI/85

Date: 12-3-1985

FORM ITNS...

(1) M/s Thakar Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vithal Raghunath Prabhugaonkar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Boloboy the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11398/84-85.—Whereas, I.

PRASAD.

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 1,00,000/- and bearing a fair market value exceeding

Fiat No. 601, 6th floor, Radhakrashna Apartments, S.V. Road, Dahisar (East). Bombay-400 068, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 28-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION 8—The term and expressions used heren at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, 5th floor, Radhaktishna Apartments, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent

Bombay under No. AR-IV/37-EE/11398/84-85 Authority, Book 28-7-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

### .

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Rcf. No. AR-IV/37-EE/10920/83-84.--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 206, Radhakrishna Apartment, CTS No. 1182
and 1182/1, S.V. Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated
at Dahisar (E)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Thaker Construction.

(Transferor)

(2) 1. Azizbhai Dharmshibhai Varteji &2. Dadruddin Dharmshibhai Varteji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 206, Radhakrishna Apartment, CTS No. 1182 and 1182/1, S.V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10920/83-84 dt. 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/10880/83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing a fair market value executing ks. 100,000/and bearing No. Plat No. 406, CTS No. 1182 & 1182/1, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an appearant consideration, which is less than the true.

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Thaker Construction.

(Transletor)

(2) Anjana Lalit Kakuiya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 406, CTS No. 1182 & 1182/1, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10880/83-84

A. PRASAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bomboy

Date: 12-3-1985

### FORM ITNS -----

### (1) Shri Haresh G. Parekh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/97-EE/11205/83-84,-Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and boaring No. Flat No. A-33, 3rd floor, Chandralok, Survey No. 260, Hissa No. 2, J. Road, Dahisar (W), Bombay-68 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competens Authority at Bombay on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Mr. Prakash Vasudev, Shri Govekar & Mrs. Anjali Prakash Govekar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-33, 3rd floor, Chandralok, Survey No. 260, Hissa No. 2, J.S. Road, Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/11205/83-84 dt. 13-7-1984.

A. PRASA! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V, Bomb.

Date: 12-3-1985

(1) Shri Dhirajlal, V. Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K. Narandas & Smt. T. K. Pravin. (Transferes)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11375/83-84,---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1. ground floor, Jay Vijay, 111, 112, L.T. Road, Borivli (W.) Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires latter:
- (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Jay Vijay, 'A' 111-112, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11375 on 2-7-1984.

A. PRASATT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1985

(1) Raghuvanshi Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Vasant Anant Khatav.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10873/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000/- and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing C.T.S. No. 1097 S. No. 152, Raghuvanshi Apartments, Bldg. C. F. 301, 3rd floor, Chandavarkar Road, Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

respect of any income arising from the transfers

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

---

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Aa shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C.T.S No. 1097 S. No. 152 Raghuvanshi Apartment, Bldg. Cr. F-301, 3rd floor, Chandavarkar Road, Borivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/10873/on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1985

(1) M/5, Vinaja Nagar Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Manhar G, Jobanputra & Mrs. D. G. Jobanputra (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

(b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV/37EE/11115/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. No. E-21, Flat No. 201, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schodule analysis hards.)

(and more fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

at Bombay on 2-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to be the property as a foresaid to the pr

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with object of :-

(a) facilitating the respection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in fespect of any income arising from the transfer; and/or

Borivii (W), Bombay-92.

The agreement has been a

The agreement has been registered by the Competente Authority, Bombay under No. AR-IV/11115 on 2-7-1984.

Bldg. No. E-21, Flat No. 201, Yogi Nagar, Eksar Road,

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Manohar Maruti Pol.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBΔΥ

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AP-IV/37EE/10842/83-84.—Wherens, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 021, 2nd Floor, Bhushan Apartment, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-400 092

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions namely:—
110—36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 021, 2nd Floor, Bhushan Apartment, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10842/83-84, on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Mohan Constructions.

! Transferor)

(2) Dr. (Smt.) Urvashi R. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10927/84-85.—Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 203, Alak Nanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 203, Alak Nanda-B, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10927/84-85, on 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

PART III—SEC. 1

FORM ITNS----

(1) Mohan Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Arvind J. Satridkar & Others.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11219/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Flat No. 304, 3rd Floor, B-Building, Alaknanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W). Bombay-400092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, B-Building, Alaknanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11219/84-85 on 2-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(1) Smt. Savita Gulabrai Mehta & Others.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Anil Mistry.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Rcf. No. AR-IV/37EE/11283/83-84.---Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. A-17, Madhu Jeevan Jyoti, Co-op Housing Soc. Ltd., Kasturba Cross Road No. 1, Borivli (E), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the soul Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-17, Madhu Jeevan Jyoti Co-op. Housing Society Ltd., Kasturba Cross Road No. 1, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11283/83-84 on 2-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) M/s, Param Anand Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. Atmaram Shobrai.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11036/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 4, Ground Floor, Building No. B-2, Rattan Nagar Scheme, Borivli (West), Bombay-400092 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground Floor. Building No. B-2, Rattan Nagar Scheme, Borivli (West), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11036/83-84 on

2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authorit; Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-3-1985

(1) Mrs. P. Punyavati,

(Transferor)

(2) Mr. S. V. Lad & Mrs. A. S. Lad,

(Transferce)

## N(ATICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11444/83-84,---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Prasanna Prabha Housing Society Ltd., A-6/5, Jeevan Bimo Nagar, Borivli (W), Bombay-400 092

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Prassanna Prabha Co-op. Housing Society Ltd., A-6/5, Jeevan Bima Nagar, Borivli (West), Bombay-400 092. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11444/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaiad property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

Date: 12-3-1985

### FORM ITNS----

- (1) Shri Mukesh Lallubhai Patel.
- (Transferor)
- (2) Shri Maheshkumar Roshanlal Dalmia.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/10944/83-84,---Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 405, 4th Floor, Building No. D-30, Yogi Nagar,
Eksar Road, Borivli (W) Bombay-400 092

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th Floor Building No. D-30, Yoginagar,

Eksar Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10994/83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section \$69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1985

(1) Mrs. Mandakani Madhukar Padhye.

may be made in writing to the undersigned...

(Transferor)

(2) Shri Madhusudən V. Joshi, .

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1691)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the Property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11431/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing

No. Flat No. 12, 3rd Floor, Om Lami Govind Co-op. Housing Soc. Ltd., Rammandir Road, Borivli (West), Bombay-

400 092 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- Act, 1957 (27 of 1957)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

etions, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Flat No. 12, 3rd Floor, Om Lami Govind Co-op. Housing Society Ltd., Rammandir Road, Borivli (West). Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11431/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

csow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

FORM NO. ITNS---

(1) M/s. Mohan Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Anthony R. Fehrnandes.

(Trausferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3). Transferor.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGERY, DOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11188/84-86 --- Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000% pearing No.
Flat No 3. B-Wing Alka-Nanda, Village Elser, I.T. Road,
Borivii (W), Bombay-400 092 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is regsitered under
Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to perween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, B-Wing, Alak-Nanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11186/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely := -111 -36G1'85

Date: 12-3-1985

FORM ITNS-----

(1) M/s. Mohan Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anupama Umakaut Shenoy,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 12th March 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. AR-IV/37EE/10929/84-85.--Mercas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

> EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

B-4. Ground Floor Alak-Nanda, Village Eksar, I.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

THE SCHEDULE

Ground Floor, B-4, Alak-Nanda, Village Eksar, Borivli (West). Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EI-20929/84-85 on 2 - 7 - 1984

or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely; -

Act, 1957 (27 of 1957);

Dated: 12-3-1985.

(1) M/s Mohan Associates.

(Trensferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961) (2) Smt. M. Jayantilal Shukla.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11187/84-85,----Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, B Wing, Alak-Nanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201, B Wing, Alak-Nanda, Eksar Village, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11187/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Dated: 12-3-1985.

Seal

### FORM ITNS ----

(1) M/s Mohan Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Chrantan M. Sukla & Others.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11188/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Flat No. 202, 2nd floo. B Wing, Alak-Nanda, Village Eksar,

Flat No. 202, 2nd floo. B Wing, Alak-Nanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092 situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed acreto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Second Floor, B Wing, Alak-Nanda, Village Eksar, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11188/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD

Supported Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Dated: 12-3-1985.

- (1) M/s. Nipa Constructions.
- (Transferor)
- (2) Shri Jayantilal Babulal Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EL/10926/84-85.— Whereas, I. A. PRASAD,

whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the introvable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Wing B, Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-400 092 situated at Fombay fand mare fully described in the Schedule innexed hereto) has been transferred and the agreement is registered.

has been transferred and the agreement is registered and Section 209 AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair modet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Wing B, Paresh Apartment, S. V. Patel Road, Boelvli (Wesse), Bombey 400 092.

The agreement his been registered by the Competent Authority, Bombay under Ne. AR-IV/37FL/10926/84-85 on

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 12-3-1985.

(1) M/s. Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Dinesh Enterprises.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. AR-IV/37EE/10915/84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable in the income and property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating No.
Flat No. A-705, 7th Floor, Ashoka Tower, Kulupwadi Road, Bortli (E), Bombay-400 056 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Road, Borivli (West), Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10915/84-85 on

Flat No. A-705, 7th Floor, Ashoka Tower, Kulupwadi

2-7-1984,

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 12-3-1985.

### FORM ITNS----

(1) Gadiyar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V.R.A. Kamath.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-1V, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th March 1985

Ref. AR-IV/37EE/11432-A/84-85,-

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 9, 2nd Floor, Sai Niketan, 236 Madona Colony, Mandapeshwar Road, Borivli (W), Bombay-400 103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pergons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 9, 2nd Floor, Sai Niketan, 236, Madona Colony, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-400 103,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11432-A/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV,

Dated: 12-3-1985.

### FORM ITNS----

(1) Mr. Ratilal Mookhand Tailor.

(Transferor)

(2) Shii Naresh T. Achiqual & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11240/84-85.--

Whereas, f. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No. Flat No. 13, 1st Floor Kesar Niketan, Co-op. Housing Society Ltd., Career Road No. 4, Borivli (E), Bombay-400 066 situat-

ed at Bombay

bis been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tracky stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the "undersugged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarvice of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/ot

"lat No. 13, 1st floor, Kesar Niketan, Co-op. Housing Society 1 td., Cartor Road No. 4, Boriyli (E), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11240/84-85 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Instructor.
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-1985.

(1) Panchratna Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Kokilaben Ramchandra Pandya & Others. (Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. AR-IV/37EE/11217/84-85. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 14, Ground Floor, Ratna Deep Apartment, Kasturba Road, No. 1, Borivli (E), Bombay-400 066 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-19884

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons maniely to---

112--36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground Floor, Ratna Deep Apartment Kasturba Road No. 1, Borivli (F), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11217/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rombay

Dated: 14-3-1985.

FORM ITNS----

(1) Mis Raj Kumari Chhebra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Divraj Deoraj Patil and Others,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 14th March 1985

Ref. AR-IV/37EE/10967/84-85.-

Ref. AR-IV/3/EE/1090/04-03.—
Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market valuq exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Flat No. 1, 1st Floor, Chikhal Apartments B, 99 L.T. Road, Borvli (W), Bombay-400.092 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein au are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Flat No. 1, 1st Floor, Chikhal Apartments, B 99 L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombuy under No. AR-IV/37EE/10967/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-1985,

(1) Mr. Kantilal Butalal Shah,

(Transferor)

(2) Sambhaji Mahadev Palav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Rel. No. AR-IV/37FE/11149/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o. 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Hat No. 24B, Dattani Apartment No. 1, Co-op, Housing Society Ltd., L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-19884

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (24 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 24B, Dattani Apartment No. 1, Co-op. Housing Society Ltd., L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11149/84-85 on 2 7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Dated: 14-3-1985.

- (1) Smt. Amratben Jethelal Mehta.
- (Transferor)
- (2) Basantlal Bhurmal Jain & Others,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/11213/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 1, Sabarmati Co-operative Housing Society Ltd., 10th Road, Daulat Nagar, Borivli (West), Bombay-400 066

situated at Bombay

gand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered, under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that-Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Sabarmati Co-operative Housing Society Ltd., 10th Road, Daulat Nagar, Borivli (West), Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JV/37EF/11213/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-3-1985

(1) M/s. Kavita Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Şanjay H. Modi & Others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th Match 1985

Ref. AR-JV/37EE/11104/84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinneter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

anie property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A/4, Kavita Apartments, 4th Floor, Natakwala Lane, Borivii (W), Bombay-400 092 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bouten 27, 1994 on 2-7-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

A/9. Kavita Apartments, 4th Floor, Natakwala Lane, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Computent

Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11104/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 14-3-1985. Seal:

(1) Ueman Kumai Mukundrai Desai & Others. (Trensferor)

(2) Vinodkumar Prahladbhai Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

R.G. AR-IV/37FE/10995/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Yogi Nayar, Flat No. 304, Building No. B-40, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-400 092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-'said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No 104, 3rd floor, Building No. B-40, Yogi Nagar, Eksai Road, Borivli (We.t), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/10995/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, **Lombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Dated: 14-3-1985.

Soul:

(1) M/s. New Bharat Engineers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11474/84-85.---

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immortant property and the competent of the competent o able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Ground floor, Plot No. 9, 275 (Part). Hissa No. 1, C.S. No. 787 Kashtriya Maratha Colony, Dahisar (W),

Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating

(2) Shri Prabhulai Dalchand Joshi & Others. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Plot No. 9, S. No. 275 (Part), Hissa No. 1, CTS No. 787, Kashtriya Maratha Colony, Dahisar (West), Bombay-400/068.

The agreement has been registered by the Competent Au hority Rombay under No AR-IV/37EE/11474/84-85 or 31-7-1984.

> A. PRASAD Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Flange-IV, Bombay

Now, ther forc in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:--

Dute: 15-3-1985

(1) M/s. Nattani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Jolly Austin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11469/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the indiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Hat No. 75, on 7th floor, Dinanath Apartment, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bonibay on 31-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 75, 7th floor, Dinanuth Apartment, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay vide serial No. ARIV/37EE/11469/83-84 dt. 31-7-84

> A. PRASAD Competent Authority Imprecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Dated: 14-3-1985.

Seal .

(1) Shri A. M. Chawdhry.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. T. V. Desai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10836/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. B-53, Shrevas Apartments, Off. Manchubhai Rd. Malad (E), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between partis has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the remarker; and/or

Flat No. B/53, Shreyas Apartments, Off. Manchubhal Rd. Malad (E), Bombay-64.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/10836/84-85 dated 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-113—36GI/85

Date : 11-3-1985

(1) Mr. Bansilal Ramchand Chhabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mary Irene Borges.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11232/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and bearing No.

Flat No. 1-6, Haridwar Bldg. I, Off. Marve Rd. Malad (W),

Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. I-6, Haridwar Bldg. Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11232 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Miss. Shermila Lal Punjabi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. ΛR.III/37-EE/11240/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

perty, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Shop No. 10, Gr. Fl. Manali Bldg., No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valanai Village, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

at Shivajinagar under document No. 1419/84-85 on 3-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot No. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11240 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-3-1985

FORM ITNS-

(1) Shri P. R. Khatkhate.

(Transferor)

(2) Shri Narayan J. Dhond.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-JII. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ret. No. AR.III/37-EE/11262/84-85,---Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') liave reason to believe that the immovable property, aving a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. D/11. Sankalp, New Liberty C. H. S. Ltd., Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porsons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

D/11, Sankalp, New Liberty Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Malad (West), Bombay-64:

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11262 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

# FORM ITNS ...

- (1) Shangrila Const. Co.
- (Transferor)

# (2) Shri Baldevsing Bariana.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

AR-III/37EE/11174/83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 7, 1st fl. Plot No. 6, Samrat Bldg. Janakalyan
Nagar, Malad, Bombay-68.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st fl. Plot No. 6, Samrat Bldg. Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

The agreement has been registered with the" Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/1117483-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Glendale Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francisco A. J. Dacosta Campos.

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11509/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Gr. Plot No. 16-A, Village Valnai, Orlem, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-cald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground fl. Plot No. 16-A, CTS No. 432 Village Valnai, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11509 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-3-1985

- Shri Ajitsingh Harisingh.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mrs. Shalini B. S. Narula.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10904/84-85.---Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. L/8, 2nd fl. Bldg. Haridwar-1. Off. Marve Rd.
Village Valnai, Malad (West), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule affiexed (hereto,

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immox-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. L/8, 2nd Fl. Bldg. Haridwar-I, Off Marve Road, Villago Valnai, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10904 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following hersons namely:-

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Archana Land Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mangaram L. Lohani. & Ore. -

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR III/37-EE/10785/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 16, 4th fl. Archana Apartments, S. V. Rd. Opp. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective. tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald improvable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 16, 4th fl. Archans Apartments, S. V. Road. Opp. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority B, ombay vide serial No. AR.III/37-EE/10785/83-84 dated 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-las Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 11-3-1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Javeshree Ashok Cheulkar.

(Transfered)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11499/84-85,--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of (961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 309, 3rd fl. Ajit Park-B', Somwar Bazar Road. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 309, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road. Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EF 11499/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. : amely ;---114-36GI/85

Date: 11-3-1985

Seal

FORM ITNS----

(1) M/s. R. G. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Maruit Prabhu.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10909/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 1-A, Ground Fl. 'A' Wing in "Atlanta", Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1951, in the office of of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ?---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1-A, Ground Fl. A-Wing Atlanta Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10909/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 11-3-1985

Seal ;

FORM ITNS-

(1) M/s. Baf-Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francis Fernandas.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-UI, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10948/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B/25, Bldg. No. 3, 3rd fl. Daf-Hira-Nagar, Marvo Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or eventure of the limitity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 = 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, sensely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressons used hereis as are defined in Chapter XXV of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-25, Bldg. No. 3, 3rd fl. Baf-Hira-Nagar, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10948/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

FORM NO. ITNS-

(1) Mrs. Bhagwatibai B. Chugh.

(Transfecor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shashi Kanth Narsu Shetty.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.111/37-EE/10937/34-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C/205, 2nd fl. Bldg. La-Chapelle, Plot No. 51, village Valuai Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in 'that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C/205, 2nd fl. La-Chapelle Plot No. 51, Village Valnai Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10937 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date 1 11-3-1985

FORM ITNS----

(1) Chandravijay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maniban Khimji.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11187.84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Hat No. B-602, 6th fl. Shestal Chhhaya Bldg, CTS No. 652, 77, S. V Rd. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-602, 6th fl. Shectal Chhaya Bldg. CTS No. 652, 77, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11187/83-84 dated 2-7-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dato: 11-3-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF IHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jose Cresencio Ferrao and Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11389/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. F-1, 1st fl. "Shriram Bhawan Malwani Opp. Municipal Colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under relevant (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. F-1, 1st-fl. Shriram Bhawan Malwani Municipal Colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11380/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

#### FORM ITNS----

(1) Surject Singh and Harbajan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Raj Kaul.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10987/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/1 and bearing No.

1/12th share in vacant land at Kedarmal Rd. CTS No. 442 (P), Malad (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the contract of the language of the lang Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12th undivided share in vacant land at Kedarmal Rd. CTS No. 442 (P), Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10987/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 no the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1985

(1) Surject Singh and Harbajan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10989/84-83.--Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and becaring

I/12th undivided share in vacant land at Kedarmai Rd. CTS No. 442 (P), Malad East, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Scc. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Kawaljeet Kaur Sachdev.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12th undivided share in vacant land at Kedarmal Road, Malad (E), CTS No. 442 (P), Malad, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII/37-EE/10989/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-Ill Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :-

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Surject Singh and Harbhajan Singh (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10988/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property havin ga fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

1/12th share in undivided property of vacant land at Kedarmal Road, Malad (E), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ALC: OF
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiritien of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--115---36G1/85

(Transferee)

(2) Ranjit Singh Sachdev

Objections, if any, to the acquisition of the said property arey be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12th undivided share in vacant land at Kedarmal Road, CTS No. 442, (P); Malad East, Bembay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. JII/37-EE/10988/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

### FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Surject Singh and Harbhajan Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandrika & Maheshkumar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10985/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No

1/12th share in vacant land at Kedarmal Road, CTS No. 442 (p), Malad (E), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12th share in vacant land at Kedarmal Road, CTS No. 442 (p), Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10985/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroward property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Archana Land Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Inderson Thakurdas Kapoor & Ors. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11399/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 2, 1st Fl. Archana Apartments, S.V. Road, Malad

(W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

tot an apparent consideration which to less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as grant in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Archana Apartments, Flat No. 2, 1st fl. S. V. Road, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11399/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

(1) M/s, Surject Singh and Harbajan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Awat s/o Mirchoomal. & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME.TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE/10990/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

1/12th share undivided in vacant land at Kedarmal Road, Malad (F), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration are the consideration are the consideration and that the consideration are the con

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12th Undivided share in vacant land at Kedarmal Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10990/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. George K. Verghese

(Cransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. N. Nayak & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISATION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR, 111 37-EE/11260/84-85.- - Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rt. 1.00,000/- and bearing No. Plat No. 25, Moramal Mansion, Bachani Nagar Road Malad (E), Bombay 97 structed at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), her bear transferred to the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is regis ared under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of conster with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (A) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, hy respect of any income arising from the transfer; عد/ اعدد

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Morumal Mansion, Bachani Nagar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11260/83 84 dated 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inconie-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesuld property by the issue of this notice under section (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1985

(1) Shri Madhukar G. Mantri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Udvadia Engineering Works,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE/11161/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A Gala booked in Malad Indl. Units Co-operative Society Ltd.

Ramchandra Lane Extension, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is cless than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

A Gala in Malad Industrial Units Co-operative Society Ltd. Ramchandra Lane Extension, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11161/183-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) Mts. Gulshan Sahni & Miss Gunita Sahni -(Transferor)

'NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 11th March 1985

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Ref. No. AR. 111/37-HE/11310/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/

and bearing Shop No. 2, 'Nigrel' Bldg. Village Valnai Orlem, Marve Road,

Malad, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Ashok N. Sanwalani

(Transfer et

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Nigrel Bldg. Village Valnai, Orlem, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11310/83-84 dated 2-7-1984.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :-

Date: 11-3-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Surject Singh and Harbhajan Singh (Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dilipkumar, S. Avalani & Ors.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. 11I/37-EE/10992/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

1/12th undivided share in vacant land a Kedarmal Road, Malad (E), CTS No. 442 (p), Malad, Bombay

Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/12(h undivided share in vacant land at Kedarmal Road CTS No. 442 (p), Maland (f), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EF/10992/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authorny
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Surject Singh and Harbajan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajinder Kaur

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10986/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

1/12th share in vacant land at Kedarmal Road, CTS. No. 442

(p), Malad (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property by be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEFFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/12th undivided share in Vacant land at Kedarmal Road, CTS. No. 442 (P), Malad East, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10986/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, reasony:

116-36GI/85

Date: 11-3-1985

(1) Shri V. K. Khemka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. J. Selarka (Parekh)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10850/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing Flat No. 20, Archana, 5th fl. S.V. Road, Malad (W), Bombay-

64 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aloresal property and I have teason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Archana, 5th fl. S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10850/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1985

(1) Sh. Sureshwarsing Kishorsing Gohil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Rof. No. AR. III/37-EE/11409/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat. No. 303, 3rd fl. B-Building, NaInda Usha Colony, C-H.S. Ltd., Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the (manfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Shamji Khimji Chheda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Hat No. 303, 3rd fl. B' Bldg. Plot No. B-1, Nalanda Usha Colony, C.H.S. Ltd. Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11409/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

FORM ITNS.

(1) Shri Surjeet Singh & Harbajan Singh.

(Transferor)

(2) Shri Harkishan C. Seth

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMESIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10991/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/12th undivided share in vacant land at Kedarmal Road, ATALIN undivided share in vacant land at Kedarmal Road, CTS, No. 442 (p), Malad East, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Rombay on 2.7-1984

Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

1/12th undivided share in vacant land at Kedarmal Road, CTS No. 442 (p), Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10991/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Urmila Grover & Raj Grover

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manju Hisaria

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11224/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 701, 'A' Wing, 7th fl. La-Chappele C.H.S. Ltd. Near
Evershin Nagar, Mith Chowky, Off Marve Road, Malad (W)
Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-T. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 701, 'A' Wing 7th fl. La-Chapple C.H.S. Ltd. Near Evershin Nagar, Mith Chowky, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11224/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Rahul Trading Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramkumar G. Gupta

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11202/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 5, Gr. Fl. Dhiraj Bldg. CTS. No. 347 Podar Park, Malad (E), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration and the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consid

ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AB4 /OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 5, Gr. Fl. Dhiraj Bldg. CTS. No. 347, Podar Park, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Sorial No. AR. III/37-EE/11202/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy :---

Date: 11-3-1985

# (1) M/s. Archana Land Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. L. Lohani & H. L. Lohani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-RE/10965/4-85.—Whereas, I. PRASAD.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10 4th fl. Archana, S.V. Road Malad (W), Sunder

Nagar, Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any increas arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given it that Chapter.

# THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-sax Act,

Flat No. 10, 4th fl. Opp. Sunder Nagar, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10965/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, semely:-

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Manali Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Indru H. Mirchandani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11241/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and

bearing No. Shop No. 3, Gr. Fl. Manali Bldg, No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot No. 48, 49 & 50 Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11241/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) Smt. Sarla Bala Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravindra C. Ponda & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10843/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the state 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 2, Malad Chandra Kore C.H.S. Ltd. Liberty Garden X Road, No. 4, Malad (W), Bombay-69 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the Paus for, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought 'to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
117—36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EMPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Malad Chadra Kore Co-op. Hsg. Soct. Ltd. 1 iberty Garden, X Road, Malad (W), Bombay-69.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10843/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Baf-Hira Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Premnath R. Kirti

(Transferæ)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11226/83-84.-Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Actic 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing

Flat No. 3/B/122, Bafhira Nagar Kharodi, Marve Road, Malad, Bombay-95

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, and the office of the Connectent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov, therefore in pursuance of Section 269C of the said Am, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section .1) of Section 269D of the said Act, to the followve persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3/B122, Baf Hija Nagar, Kharodi Marve Road, Malad, Bombay-95.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11226/ 83-84 duted 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) U. K. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Stanislaus Mascarenhas.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION: RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11303/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Gr. Floor, Peter Apartments CTS No. 497 & 499 (Pt) Village Valani, Orlem, Malad (West), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 'mn---able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Floor, Peter Apartments, CTS No. 497 & 499 (Pt), Village Valani, Orlem, Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11303/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of locome-ta Acquisition Range-111 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue if his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy "

Date: 11-3-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. ΛR-III/37-EE/10784/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1 00 000 to and heaving

Flat No. 301 3rd Floor E Wing Atlanta, Plat No. 38, Off Valani Village, Marve Road, (Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the ansideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section A94, b. the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ram Prasad Vishwakarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor 'E' Wing, "Atlanta" Plot No. 38, Off Valani Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10784/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Shangrila Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. F. Warghese. &Mrs. S. K. Vergheso.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11173/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Gr. Floor, Plot No. 4, Shalimar Bldg.

Janakalyan Nagar, Malad-Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authorize Park office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

tot an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laur;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. plot No. 4, Shalimar Bldg. Janakalyan Nagar, Malad-Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent uthority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11173/ Authority, Bombay 83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

Seal

FORM NO. ITNS-----

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. P. S. D'Costa.

(Transferce)

# OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/10783/83-84.—Whereas, I, A. FRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 401, 'E' Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valani Village, Marve Road, Bombay-64 (and more fully described in the Schedula appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, 'E' Wing", "Atlanta", Plot No. 38, Off Marve Road, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay vide serial No. AR-III/37-EE/10783/83-84 on 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the analysis of the fine transferee for the analysis of the fine transfer of the first of t (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Miss Violet D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11375/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 402, 4th floor. F-Wing Atlanta Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961; in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

on 2-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which boxs not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 402, 4th floor, F-Wing, Atlanta, Plot No. 38, O Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.I(I/37-EE/11375/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 11-3-1985

(1) M/s. R. G. Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vincent Bendict & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No AR.III/37-EE/10910/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 501. 'E' Wing "Atlanta", Plot No. 38,
Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority, Bombay
on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as cloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501, 'F' Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Fombay vide serial No. AR.III/37-EE/10910/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following rons, namely .—

Date: 11-3-1985

FORM ITNS----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Balwant Patil.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11102/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings. 1,00,000/- and bearing Flat No. 210. Gr. floor Ajit Park-B, Somwar Bazar Road Malad (W), Bombay-64 exceeding

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay in the on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

118-36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 210 Second Floor, Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37-EE/11102/ 83-84 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

Scal:

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION, RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/11104/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 2, 2nd floor, Ajit Park-B, Somwar Bazar Road,

Malad (W), Bombay-64

situated at I cross, wheelar road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely:—

(2) Shri Shirish Vyankatesh Deshmukh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. floor, Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bembay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11104/83-84 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

#### FORM TINS-

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Madhukar N. Salvi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11103/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 202, 2nd floor Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or E\_ moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Ajit Park-B Somwar Bazar, Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11103/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

Deepak R. Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gyanchand Rajmal Jain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11049/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Flat No. 8, Bldg. No. N-3, Four Enus Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Sunder Nagar, & V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay office of the Competent Authority, in the on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 # 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Bldg. No. 3 Four-Enns C.H. Nagar, & V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomba 84-85 on 2-7-1984. Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11049/

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Lubin Enterprises.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Vincent Alexander Monteiro.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Boinbay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10907/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/1, Gr. Floor, Part A, Village Valnai, Arlem, Malad (W), Bombav-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961; in the office of the Competent Authority, Rombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B/1, Gr. Floor, Part "A", CTS No. 397, 397/1 to 6 Village Valnai, Orlem, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10907/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. P. R. Narasimhan.

(2) Mrs. Mainadevi Agarwal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-I E/11271/84-85.—Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00.000/ and hearing No.

property, having a fair market value exceeding
Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 504, 'b' Wing 5th floor, I a-Chappele CHS Ltd.
Near Evershine Nagar, Mith Chowky, Off Marve Road,
Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transterred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any money or other assets which hafe not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income (ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aferencial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 504, B-Wing 5th floor La-Chappele CHSL Near. Evershine Nagar, Mith Chowky, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been negistered by the Competent Authority, Bombay vide senal No. AR III/37-EE/11,271/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

# (1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

# (2) Shri Philip Lobo.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11379/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Flat No. F-4, 4th floor, Shriram Bhawan, Malwani Opp.
Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority, Bombay
on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. F-4, 4th floor, Shriram Bhawan Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11,379/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting 'Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namly:—
111—26 GI/85

Date: 11-3-1985

#### FORM TINS-

(1) Gayatri Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Radha Narayanan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11338/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD;

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No. Flat No 2, 'A' Building, Ciba Industrial Workers Co-op. Society Ltd., Amrut Nagar, Ghatkopar (West) Bombay-86 (and more fully described in the Schedule anneyed bereto)

Flat No 2, 'A' Building, Ciba Industrial Workers Co-op. Society Ltd., Amrut Nagar, Ghatkopar (West) Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, 'A' Bldg., Ciba Industrial Workers Co-op Hsg. Society Ltd., Amrut Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37-EE/11338/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

# (1) Gayatri Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Kareem Mahboob S. Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11373/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 /- and bearing
Flat No. 10, 'A Bldg. Ciba Industrial Workers Co-op. Hsg
Society 1.td., Amrut Nagar, Ghatkopar (West) Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Flat No. 10, 'A' Bldg., Ciba Industrial Workers Co-oi' Hsg. Society Ltd., Amrut Nagar, Ghatkopar (West) Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. under Serial No. AR-III/37EE/11373/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-119-36GI/85

Date: 11-3-1985

(1) Gayatri Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME T.XX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Krishnappa Adka.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11429/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Fiat No. 58, A-1 Bldg., Ciba I.W. Co-op Hsg. Ltd.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 58, A-1 Bldg., Ciba I.W. Co-op Hsg. Ltd.
Annut Nagar, Ghatkopar (West), Bombay-86
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority, Bombay
on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 58, A-1 Building, Ciba I.W. Co-op. Hsg. Ltd., Amrut Nagar, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent, Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11429/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) M/s. J. H. Enterprise.

(2) Smt. Savita Madhavrao Pawar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37FF/11081/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No.
Flat No. 3, Ground floor, "Madhav Kutir" Bldg. Plot No. 3
Survey No. 92, Off 7th Road, Rajawadi, Vidhya Vihar,

Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, samely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, "Madhav Kutir" Bldg., Plot No. 3, Survey No. 92, Off 7th Road, Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-400 077.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11081/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Jain Builders.

(Tansferor)

(2) Mr. C. S. Krishnamoorthy & Mrs. Parvathi Krishnamoorthy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37LE/10949/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immer-

as the said Act.), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 10, 'B' Wing, 1st floor, Navre Baug Apartment, Survey No. 231 (P), Near Rly. Station,, (CTS No. 4, 4/1, to 4/45 and S. No. 231 part and CTS No. 5, 5/1, and 5/2 Kurla (East), Bombay-24

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the base of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEELUD

Flat No. 10, 'B' Wing, 1st floor, Navre Baug Aprt, Survey No. 231 (Part), Near Rly Station, (CTS No. 4, 4/1 to 4/45 and No. 231 Part and CTS No. 5, 5/1 and 5/2), Kurla (East), Bombay-24.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10949/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abhay Y. Bandekar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11245/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. 1, 3rd floor, in Wing 'F', Building No. 2, "Damodar Park", L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the comealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor, in Wing 'F', Building No. 2, "Damodar Park", L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11245/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

FORM TINS-

(1) M/s. Khimya Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Kamaljitsingh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10966/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 4961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and redring Flat No. 204, A-Wing, 2nd floor, Hitesh Apartment, Asalphe village, Ghatkopar (W).

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of .1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 204, A-Wing, 2nd floor, Hitesh Apartment, Asalphe village, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10966/ 84-85 on 2-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 11-3-1985

Seal.

#### FORM ITNS----

#### (1) Smt. Pavan Shantilal Ranka.

----

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Attarsingh T. Malik.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10834/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Flat No. 104, 1st floor, B-Wing, Hitesh Apartments, Asalphe Village, Near Home Guards Pavillion, Ghatkopat, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

at hombay on 2-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, B-Wing, Hitzsh America, "Ashiphe Village, Near Home Guards Product Company," Ashiphed Bombay.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10834/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) Parul Enterprise,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joseph Charles Andrade & Smt. Rosaline Joseph Andrade.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11074/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Wing 'A', Building No. 3, 'Damodar Park', L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-

86.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Wing 'A', Building No. 3, 'Damodar Park', L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11074/84-85- on 2-7-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yusuf Usman Merchant.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11343/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 005, Ground floor, Building No. 12, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla, Bombay-70. situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
120—36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 005, Ground floor, Building No. 12, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11343/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Ranjan J. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Muliibhai Jasraji Purohit.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10938/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Shop No. 6, Sushial Apartment, S. N. Road, Mulund (West), Bombay.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent and apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

> Shop No. 5, Sushial Apartment, S. N. Road, Mulund (West), Bombay.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serila No. AR III/37EE/10938/84-85 on 1-7-1984,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1985

#### FORM ITNS....

(1) Shri Mahendra H. Gandhi.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Shyamsunder Halwai,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.IH/37EE/10886/84 85 - Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 27, Neelkamal Building, Jn. of Govind
Nagar Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said . immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Shop No. 27, Neelkamal Building, In. of Govind Nagar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide ceril No. AR.III/37EE/10886/84-85 on 1-7-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

FORM LT.N.S.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nasim Abdul Rashid Shaikh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10999/84-85.—Whereas. I. A. PRASAD,

A: PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Building No. 14, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70, situated at Bombay (and wors fully described in the schedule angust hereta)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in tht Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Building No. 14, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10999/ 84-85- on 78-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rafique Usman Suman.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11344/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 002, Ground floor, Building No. 12, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Offict of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 002, Ground floor, Bldg. No. 12, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has seen registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11344 84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

~(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Abdul Hamid Dawood Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11231/84-85.--Whereas, , A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd deor. Building No. 17, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West). Bembay 70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trainsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not seen truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Building No. 17, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11231/84-85 on 2-7-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1985

(1) Mrs. Mehrunissa M. Vakil.

(Transferor)

(2) Mrs. Zubeda Mohammed Hanif Surti.

(Transferee)

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11050/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Building No. 9, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203, Building No. 9, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11050/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1).OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Taherbhai A. Ali Makasarwala & Mohamed Taher Makasarwala.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10787/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 407, 4th floor, Building No. 8, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla, Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-98-26 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Building No. 8, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10787/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Suyog Enterprise.

(Transferor)

(2) Scube Techno Sales.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11282/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 36, 1st floor, Suyog Industrial Estate, Plot bearing C.T.S. No. 108/3, Village Hariyali, L.B.S. Road, Vikhroli, Bombay-83.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on \$\mathbb{e}\$-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 121—36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be saide in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 36, 1st floor, Suyog Industrial Estate, Plot bearing C.T.S. No. 108/3, Village Hariyali, L.B.S. Road, Vikharoli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11282/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Bharat S. Bhatt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mrs. Sunita Bhatnagar & Mr. Avinash Kumar Bhatnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. A. A. PRASAD, AR-III/37EE/11389/84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, Building No. 3-A, Damodar Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86. eithered at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Building No. 3-A, Damodar Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11389/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. K. S. Krishnan.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Srinivasan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10823/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Plot No. 76, 1st floor "Sangeet" Building, Ghatkopar, Sangeet Co-operative Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77. situated at Bombay (Condense followed by the Schoduled appeared by the state of the state

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 76, 1st floor "Sangeet" Building, Ghat-kopar, Sangeet Co-operative Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10823/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Bansilal H. Oberoi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shanker Devshi Gajra (Bhanushali).

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10802/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 18, 4th floor, Building A, Plot Survey No. 183,
183-1/70, Shri Raj Rajeswari Apartments, Narayan Nagar,
L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.
situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said Act, if respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, Building A, Plot Survey No. 183, 183-1/70, Shri Raj Rajeswari Apartments, Narayan Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10802/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Rajnikant Vrajlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlaben Vanmalidas Tanna & Shri Vanmalidas Vithal das Tanna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

. Ref. No. AR-III/37EE/10907/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Bombay Sargam, Plot No. 24, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to eblieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than efifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Bombay Sargam, Plot No. 24, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10907/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. S.M.P. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Bansi Lal H. Oberoi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10820/84-85.—Whereas, I, -A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property: having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and bearing
Unit No. 411, 4th floor, Hill View Industrial Estate,

L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein às are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitati ng the reduction or evasion of the liability of the ti ansrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the i concealment of any income or any smoneys or oth or assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) ( we the said Act or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Unit No. 411, 4th floor, Hill View Industrial Estate. L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The Agreement has been registered by the Competent, Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10820784-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pur suance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proseceding for the acquisition of the aforesaid property by that issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 11-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Suyog Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishore B. Vengsarkar & Dilip B. Vengsarkar.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11279/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Unit No. 40, 1st floor, Suyog Indl Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli (West), Bembay-83 (and more fully described in the Schedule annexed bereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

For anapparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 40, 1st floor, Suyog Industrial Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli (West), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11279/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 11-3-1985

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Aboo Mohiddin & Smt. Aysha A. Mohiddin. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11391/84-85.--

Ref. No. AR-III/37EE/11391/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No 10, Ground floor, Wing-'B', Building No. 6, 'Damodar Park', I B.S. Marg, Ghatkopar (West). Bombay 86 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, Wing 'B', Bldg. No. 'Damodar Park' L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EF/11391/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-3-1985.

at Bombay on 2-7-1984

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Neelam Developers.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Amritlal Mehta Karia & Manager of his H.U.F. Account.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref No AR-III/37EE/11484/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herefrafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing lat No. 101, 4th floor, 'B' Wing, Bldg. No 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Chatkopar (E), Bombav (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, 'B' Wing, Bldg, No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bomba/.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11484/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqu'sition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
122—36GI/85

Date: 11-3-1985

-----

#### FORM ITNS-

(1) M/s. SMP Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2, M/s. Consales Inc.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Pombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10841/84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
Unit No. 412, 4th floor, Hill View Industrial Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

at Bombay on 2-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market vaule of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective—persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 412, 4th floor, Hill View Industrial Estate, L.B.S. Marg. Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bon bay under Serial No. AR-III/37EE/10841/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitic age-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Rae and Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX'ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raymond Didorio Coutinho.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Pombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11284/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Shop No. 7, Ground floor, 'A' Wing, in the Bldg. under construction, Kadam Wadi, "Gajanan Niwis", Vakola Village

Road, Santacruz (East), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, 'A' Wing in the Bldg. under construction. Kadam Wadi, "Gajanan Niwas", Vak la village Road, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11284/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

15132

(1) Smt. Taramati Mugatlal Parekh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/.. Parul Enterprise.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11390/84-85.— Whereas, I, A. J RASAD, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. I, 5th flooi, Wing-A, Bldg. No. 3, "Damodar Park", L.B.S. Mark, Ghatkopar (West), Bombay-86 (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on '2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough: to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, Wing-A, Bldg. c. 3, "Damodar Park", L B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11390/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid Moperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons na nely:—

Date: 11-3-1985

FORM ITNS----(1) Mr. Prakash P. Pathak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indu Bhatnagar & Mr. Mahesh Kumar Bhatnagar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11388/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 2608 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immediable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 4th floor, Building No. 3-A, Damodar Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registated, under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been 6: which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :--

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 4th floor, Building No. 3-A, Damodar Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Scrial No. AR-III/37EE/11388/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11392/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 3rd floor, Building 3/C, Damodar Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Fombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Officthe Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfere as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Messrs Ashok Commercial Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Shirvan Kumar Rohra & Mr. Ashok Hundraj Rohra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period \$\circ{a}{2}\$ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, Building 3/C, Damodar Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11392/ 34-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 11-3-1985

---

FORM ITNS-

(1) Mrs. Lakshmi Harihar.

(Transferor)

(2) Mr. Hemraj Khiyshi Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11482/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the Sata Rety, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 6, Dev Ashish Co-op. Housing Society, Netaji Palkar Road, Asalphe, Ghatkopar (East), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6. Dev Ashish Co-op. Housing Society, Netaji Palkar Road, Asalphe, Ghatkopar (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-Hartel/11482/84-85 of 2-7-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III, Bombay.

Dute: 11-3-1984

#### FORM ITNS----

(1) Gayatri Construction Co. Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. S. Natarajan.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF NCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11431/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 'A' Bldg. Ciba Indl. Workers Co-op. Hsg. Society Ltd. Amrut Nagar, Ghatkopar (West), Bombuy-86

society Ltd. Amout Nagar, Ghatkopar (west), Bohnbay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 57 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'A' Bldg., Ciba Indl. Workers Co-op. Hsg Socy. Ltd. Amrut Nagar, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomony under Serial No. AR-III/37EE/11431/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1984

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maherafroz Mohd, Hussain Surti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11342/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 002, Ground floor, Bldg. No. 5, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazetta

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 002, Ground floor, Bldg. No. 5, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-UI/37EE/11342/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-123-36GI/85

Date: 11-3-1984

#### FORM UTNS---

(1) Shri Sayed Ali Nawab Ali.

(Transferor)

(2) Shaikh Bader Alam.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10788/84-85.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immev-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 206, 2nd floor, Bldg. No. 11, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: Saff/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, Bldg. No. 11, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10788/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-3-1985

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Mr. M. F. Imani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamad Umar Sheikh, S/o Mohamad Usman.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11419/84-85,--Whereas, L. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 2nd floor, Building No. 3/C, Damodar Park, Lal Bahaduur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86. situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No| 3, 2nd floor, Building No. 3/C, Damodar Park, Lal Bahaduur Shastri Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11419/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-3-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Francis Viz.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

AR-III/37EE/11478|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, inest/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Bldg. No. 24, CST Road, Kurla (West), Bombay-70. Kapadia Nagar,

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11478/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 11-3-1985

#### FORM ITNS----

### (1) Shri B. Kumar S/o Shri R. K. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaushilia M. Nachnani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/10864/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Plot No. 38, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay 77.

bay-77.

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Plot No. 38, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/10864/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspetting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 11-3-1985

Soal:

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prema Devdas Andoorkar,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11000/84-85.--Wheraes. 1. A. PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla, Bombay-70. situated at Rombay

triangle below the state of the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of hite said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, CTS Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-III/37EE/11000/84-85 on 2-7-1984. registered by the Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :-

Dated: 11-3-1985

#### FORM ITNE-

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-II[/37EE/11167/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereignafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 2nd floor, Bldg. 'Saketh' Eskeyan Co-op. Housing Society Ltd., 165. Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombny-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26)AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Shri N. Ramesh & Shri N. Gangadhar.
  - (Transferor)
- (2) M. Kumaraswamy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Bldg. 'Saketh' Eskeyan Co-op. Housing Society Ltd., 165, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11167/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 11-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-11I, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11177/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

and bearing No. Flat No. 7, 3rd floor, Plot No. 108, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. R. Easwaran, and Smt. Lalitha Easwaran.
  (Transferor)
- (2) Shri Narendra D. Shroff and Smt. Minaxi M. Shroff. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Plot No. 108, Garodia Nagar, Ghat-kopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-HI/37EE/11177/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 11-3-1985

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11335/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Theometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9th floor, Wing 'D' Building No. 6, 'Damodar Park'

L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of he Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than liftsen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -- 124-36GI/85

(1) Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita B. Ghelani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 9th floor, Wing 'D', Building No. 6, 'Damodar Park', L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11335/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Anilkumar Jayantilal & Sobha Anilkumar.

(Transferor)

(2) M. V. Paul, M. P. Rajan and Mrs. M. Paul.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,

#### BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

AR-III/37EE/11113/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Building No. 6, A-Wing. Damoda, Park, 1 B.S.

Marg, Ghatkopar, Bombay-86.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under mh-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. 6, A-Wing, Damodar Park, L.B.S Marg, Ghatkopar, Bombay-86.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-JII/37EE/11113/84-85 on 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-3-1985

----

#### FORM I.T.N.S. ———

(1) Parul Enterprises.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shardaben Dhirajlal Maskaria & Sari Dhirajlal Kasturchand Maskaria,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11145/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 7th floor, Wing C, Bldg. No. 3, "Damodar Park" L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

situated at Bombay and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the other of the Competent Authority, by Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income spining from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in mirrorance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sauid Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said humanovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 7th floor, Wing-C, Bldg. No. 3, "Damodar Park", L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent. Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11145/84-85 on 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-3-1985

(1) Shri Bharat N. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. M. Jain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.IJI/37EE/11054/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Shri Dhanvanti C.H.S. Ltd. Shop No. 20, Peru Baug, Aarcy Road, Goregoan (E), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (') facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shree Dhanvanti C. H. S. Ltd. Shop No. 20, Peru Baug, Aarey Road, Goregaon (E), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11054/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

(1) Smt. Site Dharamdas Asnani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohan D. Chulani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11053/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1, Kamlesh Bhavan Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 176, B, 4th Rd. Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Kamlesh Bhavan Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 176, 4th Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/11053/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

#### FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Parekh Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kamal A. Aroral.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III,

#### BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11347/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 5, Gr. Fl. Vaman Apartment, Plot CTS 642, 642/1 C-34, In. of V. N. Purav Marg and Ghatla Village Rd. Chembur, Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the saus Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Waman Apartment, CTS No. 642, 642/1, to Jun of V.N. Purav Marg and Ghatla Village Rd 34 Jun of

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11347 83 84 dated 2-7-1984.

A. PRASAI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Prema J. Mally

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. B. Hegde & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10779/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and No. Flat at M.H.B. Shastri Nagar, Goregaon (W), Bombay-104

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the followign persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at New L.I.G. Bldg. Maharashtra Housing Board, Shashtri Nagar, Gorcgaon (W), Bombay-104.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/10779 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-3-1985

(1) M/s. Parekh Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Madanlal Chimonial Sonni

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11348/84-85.—Whereas, I, A.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing No. Shop No. 8, Ground Fl. Waman Apartment, In.

Waman Apartment, Jn. of V.N. Purav Marg, Ghatla Village Rd. Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 8, Gr. F. Waman Apartments, Plot CTS No. 642, 642/1, to 642/34, Jn. of V.N. Purav Marg & Ghatla Village Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/11348/83-84 dated 2-7-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Author. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11510/84-85.-Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat at Village Chincholi and Dindoshi, Survey Nos.

34 & 51 in Taluka Borivli, Goregaon Mulund Link Rd.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent at Bombay on 2-7-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-125-36GI/85

(1) Mr. Nina J. Shah

(Transferor)

(2) Mrs. Manju S. Mehta & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Village Chincholi and Dindhoshi Survey Nos. 34 & 51 in Taluka Borivli, Goreguon Mulund Link Rd. Goreguon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11510 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-III, Rombay

Date: 11-3-1985 Seal

#### FORM ITNS----

(1) Shri Gordhandas B. Wazirani

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1941 (43 OF 1941) (2) Smt. Laxmi Uttamchand Vasandeni.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR,III/37EE/11096/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding the Competent Authority

No. Flat on Gr. Fl. Plot 22-C, Sindhl Society, Chembur,

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat on Gr. Fl Plot No. 22-C in Sindhi Society, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11096 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11214/81-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Re. 100,000 and bearing

No. Plot No. 369, Suburban Scheme III CTS No. 1371 6th Rr. Village Chembur, Taluka Kurla, Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Ellis Simon Reuben

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Pravin Sethma

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 369, CTS No. 1371 at 6th Rd. Village Chembur, Taluka Kurla Dist. Bombay.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/1121/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 11-3-1985 Seal:

Seal

(1) Smt. Lalita S. Manian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitendra Laxmichand Vora. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11383/84-85.--Whereas, I, A.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Flat No. 12, Amar Kunj, 67/68, Pestom Sagar

Chembur, Bombay-89

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Amar Kunj, 67/68, Pestom Sagar, Chembur Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11383 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Reshma P. Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vasat J. Naik.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11469/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. C-21, Jevan Bhahar C.H.S. Td. Gavandi Road, Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-21, Jewan Bahahr C.H.S.T. Gavahdi Road. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11,469/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 11-3-1985

(1) Shri G. S. Parthasarthy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. N. Siva Ramkrishnan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11504/84-85.-Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 4, Gr. floor Bldg. No. 136, Ambal C.H.S. Ltd. 16th Road, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— fhe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gr. floor Bldg. No. 136, Ambal C.H.S. Ltd. 16th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11504-A/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1985

Seel :

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. S. A. Gupta.

(Transferor)

(2) Mr. S. C. Chaudhary.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. ARJII/47-EE/11526/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 13, 4th fl. Wuman Apartment CTS No. 642, Jn. of V.N. Purav Marg, Ghatla Village Road, Chembur, Bombay-71

Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and the aforesaid the apparent consideration therefore. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in any income arising from the transfer; respect of and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13, 4th fl. Waman Apartment Plot CTS No.642/1 to 642/34 Jn. of V.N. Purav Marg Ghatla Village Road Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay 83-84 dated 2-7-1984 vide serial No. AR.III/37-EE/11526/

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Smt. M. K. Chawla.

(Transferor)

(2) Shri Sadanand Shridhar Masurkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/47-EE/10853/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ganpati Niwas C.H.S. Bldg. No. 10/7, Plot No. 12B

Bangar Nagar, Goregaon (W), Bombay-90

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ganpati Niwas C.H.S. Ltd. Bldg. No. 10/7, Plot No. 12B Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10853/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

#### FORM TINS.

(1) Mr. J. H. Dhoshi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. N. Lcle,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. ARJII/37-EF/11470/84-85,--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 15, New Vishwas C.H.S. Ltd. Plot No. 422
Station Road. D.K. Sandu Marg, Chembur, Bombay-71
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the gaid Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, New Vishwas C.H.S. Ltd. Plot No. 422, Station Road D K. Sanov Marg, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARJII/37-EE/11470 83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

Seal:

. GI/5

(1) Shri Keshar Krishna Limaye.

(Transferor)

(2) Mr. Vishwas D. Deshpande.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/10911/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd floor Krishna-Mai Apartment 107-108,

Flat No. 31, 3rd floor Krishna-Mai Apartment 107-108, Jaiprakash Nagar, Goregaon (E), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons: namely:—

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 31, floor Krishna-Mai Apartment, 107-108 Jai prakash Nagar, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EÉ/10911/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

#### (1) Mrs. Jyoti J. Vaswani.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) K. P. Vijayshanker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Rcf. No. AR.III/47-EE/11119/84-85,—Whereas, 1. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 15, Bldg. No. 2, Kamal Phool C.H.S. Ltd. Chembur Colony, Eombay-74 and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective powers, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, Bldg. No. 2, Kamal Phool C.H.S. Ltd. Chem-

bur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11119/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1985

(1) M/s Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Shah Ambalal Jagjiwandas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11514/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Service Industrial Gala No. 43, Ground floor Kiran Industrial Estate M.G. Road, Goregaon (W) Bombay-62 has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fatteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Industrial Gala No. 45, Ground Floor Kiran Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11514/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Loynmoon & Mr. M. Y. Loynmoon.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11518/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Service Indul Gala No. 44, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the consideration which is less than the consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 44, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11518/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

#### (1) M/s Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Daulat F. Nagpal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10931/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Service Indl. Gala No. 27, 1st floor Kiran Indl Estate,
M.G. Road, Goregoon (E), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the We-1th-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 27, 1st floor Klran Indl. Estate M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/10931/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Usha Silk Mills.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Ohri.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. ΛR-III/37-EF/11481/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 125-C, 1st floor, Shreyas Indl. Estate, B1/H2, Nathani Estate of Western Express Highway,

Goregaon (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 125-C, first floor Shreyas Indl. Estate B1/B2, Nathani Estate of Western Express Highway Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11481/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Smt. Premilata R. Goel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Viral Engineers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/10968/84-85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. A-74, Veervani Indl. Estate, Western Express High way, 3rd floor Goregaon (East), Bombay has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomestar Act, 1961, in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A-74, Virwani Indl. Estate, Western Express Highway, 3rd fl. Goregaon (E), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/1096/ 83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. A. Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/11517/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000/- and bearing Service Indl. Gala No. 49, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons. namely :----127--36GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 49, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11517/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III БОМВАУ

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR III/37-EE/11366/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/s and bearing No. Hat No. 1106. 11th theor Bhagnari Co-op. Hsg. Soct. Ltd.

Duncan Causeway Rd. Chunabhatti, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tested in the said instru ween the parties has not been truly stated in the said instruevent of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Dhagwanti Mulchand Budhrani.

(Transferor)

(2) Mr. M. M. Tejwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experies later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1106, Bhagnari Co.op Hsg. Soct. Ltd. Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Application. Proceedings of the Application of the Competent and Application. vide serial No. AR.III/37-EE/11366/ Authority, Bombay 83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-II/ Bombay

Date: 11-3-1985

#### PORM ITEM-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME.

# .....

(1) Shri Shaikh Abdul Razak.

(Transferor)

(2) M/s. National Marketing Agencies;

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10825/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Ground Floor Bldg, No. 5/B, Tolaram Nagar, Chembur, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor Bldg. No. 5/B, Tolaram Nagar, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10825/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II;
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mrs. Lena T. Colaso.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Mahindar Kaur Arora.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10003/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a tair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Bldg, No. 36 Tolaram Nagar, Chembur Colony; Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Schedule annexed hereto). office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 36, Tolaram Nagar, Chembur Colony, Bombay-74,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37-EE/10003/ 83-84 dated 2-7-1984

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/ Bombay

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Dimple Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Paralab Pvt. Ltd.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/10882/84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Unit No. 307, Trimuph Indl. Estate, Village Dindhoshi, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Actuable shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 307, Triumph Indl. Estate, Village Dindhoshi, Western Express Highway, Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authorit, Bombay vide serial No. AR.III/37-EEE/10882/83-84 dated 2-7-1984

A., PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/
Bombay

Date: 11-3-1985

#### FORM ITNS-

(1) Essken Engg. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. S. Gokul.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10973/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. H-14. Chambur Govandi Road,

Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) !scilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any success or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. H-14, Chembur Govandi Road, Shree Saraswati C.H.S. Ltd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EF/10973/83-84 dated 2-7-1984

A., PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/
Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Vasant Janardan Naik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vinodini Yeshwant Sule.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11114/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the hocome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, first floor, "E" Bldg. Shree Saraswati C.H.S. Ltd. N. G. Acharya Marg, Chembur, Bombay-71.

N. G. Acharya Marg, Chembur, Bombay-71.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by innote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent segment to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, first floor 'E' Bldg, of Shree Saraswati C.H.S. Ltd. N. G. Aharya Marg, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37FE/111/14/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1985

(1) Shri Motumal B. Talreja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Razmira Neol Claudius.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10827/84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act5) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. 2, Ground Floor Kanta Apartments, Mouje Wad-

havli, Taluka, Kurla, Chembur, Bombay-74; (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Fl. Kanta Apartments, Mouje Wadhavll, Taluka Kurla, Chembur, Bombay-74. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10827/83-84, dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Dato: 11-3-1985 Scal :

(1) Kantaben B. Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manju S. Mehta & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11515/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat at Village Chincholi & Dindoshi Survey Nos. 34 & 51 in Taluka Borivli, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon

(E), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

128-36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat at Village chincholi and Dindoshi, Survey No. 34 & 51, in Taluka Borivli, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11515/83-84, dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Jivrambhai U. Patel & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Hirabhai K. Patel & ()rs.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.111/37EE/11052/84-85.-Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub> 1,00,000/- and bearing Gala No. 23 Surat Service Indl. Estate, Pahadi Village, Sona-

wala Road, Goregaon (E), Bombay-63, fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the norties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following narsons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sar**d** Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Gala No. 23, Surat Service Indl. Estate, Pahadi Village, Sonawala Road, Goregaon (E), Bombay-63.

the Competent The agreement has been registered with Authority, Bombay vide seral No. AR.III/37EE/11052/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Shri Chandrakant K. Bist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gulab G. Khole.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-11I, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11441/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat n New Geetanjali Society, Opp. Old Police Station. Sidharatha Nagar, Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in New Geetanjali Society. Opp. Old Police Station, Sidharath Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11141/83-84, dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) Bobby Pandurang Nayak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. C. D. Cada.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11227/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, S. No. 38, H. No. 13(p), Borla Village Chembur Govandi, Bombay-80.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property, and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, S, No. 38, H. No. 13 (p), Borla Village, Chembur, Govandi, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11227/83-84, dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10969/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.11/5/EE/10505/04-65.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 203, 2nd floor Pooja Bldg. Mahul Road, Chembur,

Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Harcharansingh Gurmukh Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma M. Ghosh & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor Pooja Bldg, Mahul Road, Chembur Bombay-71.

The agreemnt has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10969/83-84, dated 1-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date ; 11-3-1985 Seal ;

FORM ITNS----

(1) N. Subramanian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madanraj Manrup Chandji Jain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10876/84-85.-Whereas. I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 16, 2nd floor Gajanam C.H.S. Ltd., 10th Road,

Chembur, Bombay-71.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

ot Bombay on 1-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the ankl instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the preposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever persod expires later;

Objection, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd floor Gajanam C. H. S. Ltd., 10th Road. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10876/83-84 dated 1-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

ieal :

FORM ITNS----

(1) Mr. M. A. Acharya.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Mr. Gopaldas B. Bangur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11333/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.III/37EE/11333/84-85.—Wherens, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing No. Flat No. 19, Bldg. No. N9, 4th floor S. No. 161 Part, Plot No. 1213, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1984. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (71 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 19, Bldg. No. N4 Bangur Nagar, Ganpati Niwas C.H.S. Ltd. S. No. 161 part Plot No. 1213 Gotegaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11333/83-84 dated 1-7-1984.

> A, PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

Seal ;

(1) N. D. Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. M. Mehta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11367/84-85.-Whereas, I,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flathon, 706, Bagnari C.H.S.L., Duncan Causeway Road, Churabatti Banbay 22

Chunabatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person issurested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein 88 Explanation:—The terms and expressions are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 706, Bagnari C.H.S. Ltd. Duncan Causeway Road Chunabatti, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11367/83-84 dated 2-7-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. H. Nensey Land Development Corporation. (Transferor)

(2) Shii Me'chend Chuoilalji HUF.

be made in writing to the undersigned);

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10790/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 34, 3rd floor Unit No. 3, S. V. Road, Goregaon (W)

Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
129—'36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of said property may

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person means at t in, the said in movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANALION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor Unit No. 3, S. V. Road, Goregaon Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Rombay ylde serial No. AR III/37EF/10790/83-84 dated 1 7-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Shri Mulchand B. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prabhulal U. Vira.

(Transfereo)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.II/37EE/11087/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Priya Mohan C.H.S. Ltd. Shop No. 1, Devi Dayal Scheme, Mulund (W), Bombay-80.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, Devi Dayal Scheme, Priya Mohana Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/11087/83-84 dated 2-7-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

Seal ;

(1) Patel Bhanji Karamshi & Co.

may be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Poovapa Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11454/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

the Incompetent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, (Aryavarata) P. No. 2, S. No. 94, H. No. 1(p) CTS No. 1071 Mithagar Road, Mulund (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, (Aryavarta) P. No. S. No. 94, H. No. 1(p), CTS No. 1071, Mithagar Road, Mulund (£), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11454/83-84 dated 1-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Budhilal Velji Thakker & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramji H. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGEAR, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. Nol ARJII/37EE/11022/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and braring Shop No. 2, Chandra Daschau Rumii Kherei Bldg. No. M.

G. Road, Mulund (W), Bombag-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

ot Bombay on 1-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in i facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ramji Kheraj Bldg. (Chandra Darshan), M. G. Road, Mulund West, Bombay-80,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11022/83-84 dattd 1-7-1984.

> A, PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1985

- (1) M/s. Hiranandani Indl. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) M/s. Super Circlips Ind.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11420/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. market Unit No. 131, 1st floor Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg

Station, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent - Authority at Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wintin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 131, 1st floor, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg Station, Bombay.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/83/84 dated 1-6-1984.

> A, PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 12-3-1985

Scal ;

(1) M/s. Laxmi Metal Indl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kunj Metal Industries

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11233/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Gala No. 25, Rambopal Indl. Estate, Dr. R. P. Rd., Mulund

(W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen parents of the property and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 25, Rambopal Indl. Estate, Dr. R. P. Rd., Mulund (W) Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.HJ/37EE/11233/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-3-1985

(1) Mr. Bhagwan S. Israni.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rani M. Valecha.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/10356/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 228, Ram Gopal Indl. Estate, Dr. R. P. Road,
Mulund (W), Bombay-80
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arting from the transfers الله أخذ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Unit No. 228, Ram Gopel Indl. Estate, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80

Authority, Bombay vide Scrial No. AR.III/37EE/10356/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Dated: 11-3-1985

(1) Sint. Indra Ramchandia (2) Mr. L. C. Daswani.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref., No. AR.III/37EE/10970/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing R. 1,00,0007-and bearing R. 1,00,0007-and bearing Flat No. 4, 1st floor, Moti Sagar Ganesh Gavda Road, Mulund West, Bombay-80.
(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Moti Sagar Ganesh Gavda Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR. 83-84 dated 2-7-1984. Competent AR.III/37EE/10970/

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 11-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Daljit Kaur Amarjitsingh Azad.

(Transferor)

(2) M/s. Allied Industries.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EF/11283/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. init No. 24, Gr. Floor, Ramgopal Indl. Fstate, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

130-36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPERNATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 24, Gr. Floor, Ramgopal Indl. Estate, Dr. R. P. Road Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.HI/37EE/11283/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 11-3-1987

(1) Shri Arvind S. Thakker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vasant R. Thacker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11288/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Flat No. D/3, 3rd fl. Maheshwari Apartments, J. S. D. Road,

Mulund (West), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other 23sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian-Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. D/3 3rd fl. Maheshwari Apartments, J. S. D. Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.HI/37EE/11288/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 11-3-1985

#### FORM 1TNS-

#### (1) Smt. Bhagwanti Devi R. Kaushal.

(Transferoi)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Govindsingh Basantiam.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11185/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, -1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Building situated at 24, S. Naidu Rd., S. No. 2, H. No. 1

(P) Kaushal Kunj, Mulund, Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Building situated at 24, S. Naidu Rd., S. No. 2, H. No. 1 (P) Kaushal Kunj, Mulund. Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11185/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 11-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Suresh Ravji Ganatra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhukanta J. Parekh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III. 37EE/11222/84-85.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4. Gr. Floor Mayur Pankh Netaji Subhash Rd Mulund (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferry to the first trent is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7:1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any laccore arising from the transfer end/or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person intersected in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Floor Mayur Pankh, Netaji Subhash Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.HI/37EE/11222/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 11-3-1985

FORM ITMS-

(1) M/s, Raja Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti Surendra Khandhar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11194/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Unit No. 70, first floor Raja Indl. Estate, Mulund (W),

Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction  $o_T$  evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. '70, first floor Raja Indl. Estate, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.1II/37EE/11194/83-84 dated 1-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 11-3-1985

Scal:

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS \_\_\_\_

(1) Hiranandani Indi. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shriram Plastics.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE 10857 84-85.—Whereas, I. A. RRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 132 on 1st fil. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur

Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is tens than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evenion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in most of any knowne arising from the transfer;

Unit No. 132, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other smets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10857/83-84 Bombay on 1-7-1984

> Competent Authority, impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformula property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, minely :--

Dated: 11-3-1985.

#### (1) Shri E. K. K. Nair,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Edakadan Kan Iy Jagdish Kumar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11263/84-85.—Whereas, I, A. RRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Unit No. 55, 1st Fl. Vishal Indl. Estate (Near Ceat Tyres) Village Road, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the interesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 55, 1st fl. Vishal Indl. Estate (Near Ceat Tyres) Village Rd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11263/83-84 dated 1-7-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bomby

Dated: 11-3-1985.

<del>-----</del>

FORM ITNS

(1) Shri Jethalal V, Savla.

(Transferor)

(2) M/s. Neela Controls.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III|37.FE|11144|84-85,---Whereas, I, A. RRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 32, Ground Fl. Raja Indl. Estate, Purushottam Kheroj Road, (Extn.) Muland (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 32, Ground Fl. Raja Indl. Estate, Purushottam Kheraj Road Extension Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37.FE]11144[83-84 dated 1-7-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Dated: 11-3-1985. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Eknath Ramii Gaware.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11442/84-85.--Whereas, I, A. RRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 3, Ground Fl. Rushabh Darshau S. No. 74, CTS No. 564 Off. (O. Wide D. P. Road, Mulund (E). Bombay-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1984

Bombay on 1-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Fl. Rushab Darshan Plot S. No. 74, CTS No. 564, Off. 90 Wide D. P. Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III|37.EE|11442|83-84 dated 1-7-1984.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons. namely :-131-36GI/85

Scal:

Dated: 11-3-1985.

(1) Shri Laxmichand Bhanji Nagda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shah Processors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11248/84-85.--Whereas, I, A. RRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 3, Gr. Fl. Vishal Indl. Estate, Village Road, Opp.

Cent Tyres, Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of te-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not teen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 3, Gr. Fl. Vishal Indl. Estate, Village Road, Opp. Ceat Tyres, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11248/84-85 dated 1-7-1984.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.

Dated: 11-3-1985.

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

# MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shrì Lallan Singh.

#### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March, 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/10877/84-85.-Whereas, I, A RRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, A-Wing, first fl. Neclima Apartments, S.P.S. Marc. Rhandun, Rombay. 78

S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ar given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14 A-Wing first fl. Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/10877-84-85 dated 1-7-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-3-1985.

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/10998/84-85.—Whereas, I. A. RRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 23, B-Wing, Second fl. Neelima Apartment,

S.P. Marg, Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) inciditating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Shri Sudhakar R. Bhagat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 23, B-Wing Second fl. Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/10998/84-85\_dated 1-7-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.

Dated: 11-3-1985.

(1) Ajay Building.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. S. Chandrasekaran,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11443/84-85.—Whereas, I . A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gr. F. Rushabh Ashish, Plot S. No. 74, CTS No. 564 Off. 90' Wide D. P. Rd. Mulund (E), Bombay-81.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1984.

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

Ground floor Rushab Ashish Plot No. 74 CTS No. 564, Off 90' Wide D.P. Rd. Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11443/84-85 dated 1-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-3-1985

FORM ITNS .....

(1) Radheshyam Plastic Industries.

(Transferor)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Deora Silk Mills Pvt. Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.HI/37EE/11497/84-85.—Whereas, I.

Ref. No. AR.III/5/EE/1149//04-05.—whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or pacel of land with factory shed village Nahur, Mulund, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece or parce of land together with factory at Village Nahur S. No. 115(p) H. No. Nil S. No. 127 H. No. 7(p) Mulund, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11497/83-84- dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1985

Scal:

(1) Raja Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Tarachand S. Punjabi,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11158/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the Incrovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 6, First floor Raja Indl. Estate, P. K. Rd. Extn. Nahur, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; endior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the imme of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 6, first floor Raja Indl. Estate P. K. Rd. Extn. Nahur Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.111/37EE/11158/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 11-3-1985

### FORM ITN9

(1) Raja Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinod T. Punjabi,

(Transferce)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11157/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-Unit No. 7, First floor Raja Indl. Estate, P. K. Rd. Extn., Nahur Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority at

the Competent Authority, at at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 7 first floor Raja Indl. Estate, P. K. Road Extn. Nahur Mulund (W), Bombay-80.
The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,III/37.EE/11157/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

(1) Raja Builders.

\* \* ia (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Poly Plast.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/10896/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 69, First floor Raja Indl. Estate, Purushottam Khar

Road, Fixth. Nahur, Mulund (W), Bombay-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair morket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. In respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning its about in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 69, First floor Raja Indl. Estaet, Purushotam Kheraj Read, Extn. Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10896/83-84 dated 2-7-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
132—36GI/85

Date: 11-3-1985

Scal:

(1) M/s Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Haresh N. Panchal & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37FFI11242/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /-

and bearing No.
Flat No. R-53, 5th floor, Manali Bldg, No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 30 Valnai Village, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority, at at Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any microcys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B-53, 5th floor, Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49, 50 Valanai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11242/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay.

Date: 11-3-1985

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transforor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shiban K. Bhan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE|11070|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 35, 2nd fl. Hemal Apartment on plot CS No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad(W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed heretg), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbflity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 35, 2nd fl. Hemal Apartment plot No. CS No. 19, 41 No. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad(W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide series No. AP COMPANION COMPA Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE[11070]83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 12-3-1983

(1) Manali Corporation

(Transferor)

(2) Shri Shashi Mehra & Ors.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE|11239|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. 42, 4th fl. Manali Bldg. No. 5, on Plot No. 48, 49
& 50 at Valnai Village, Malad(W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at
Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th fl. Manali Bldg. No. 5, on Plot No. 48, 49 & 50 at Valnai Village, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE|11239|83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 13-3-1985

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Mahabal Vilas Krishna

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

'Ref. No. AR.III|37.EE/11069|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 32, 2nd fl. of Hemal Apartment on plot bearing CS No. 19/41 Nos. 85/5, 96, 1 Village Malwani, Malad (W),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 32, 2nd fl. Hemal Apartment on plot bearing CS No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Majad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37.EE 11069 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date 12-3-1985 Seal:

### FORM ITNS----

(1) Span Builders & H. S. Rohela

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jitendra V. Mehta (HUF) & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

**BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR, III 37.EE 11056/84-85.—Whereas, L. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 1, 1st fl. Sabhalaxmi Shopping Centre Quarry Rd. Malad(E), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office No. 1, 1st fl. Sabhalaxmi Shopping Centre Quarry Rd. Malad(E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|11056|83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-3-1985

### FORM ITNS ----

# (1) Pragati Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maharnesh K. Hakim.

<del>en la calata de la calata del calata de la calata del calata de la calata del calata de la cala</del>

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|10815|84-85.--Whereas, L A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 3. Guru Krip, Behind Linking Rd. Near Evershine Nagar, Mith Chowki, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the content of the co the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in their Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Guru Kripa, Behind Linking Rd. Near Evershine Nagar, Mith Chowki, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR. III/37.EE/10815/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Pragati Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Mathew Paul Dantes

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III]37.EE|10813|84-85.-Whereas, I, PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 11, Gurukripa, Behind Linking Road, Near Evershin Nagar, Mith Chowki, Off Marve Road, Malad (W), Rombay.64

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regstered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo. such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No. 11, Gurukripa, Behind Linking Road, Near Evershin Nagar, Mith Chowki, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37.EE|10813|83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sa Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 11-3-1985 Seal ·

(1) M/s. Swastik Chemical Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Emaraj Enterprises.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/1/1054/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 14, 1st floor, Shramlaxmi Udyog Bhavan, Ram-chandra Lane, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

133---36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 14, 1st floor, Shramlaxmi Udyog Bhavan, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/11054/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-3-199 "

(1) Miss R. G. Bathija.

(Transferor)

Mr. Rahul Talwar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

AR.III/37F1/10873 '84-85.-Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. A-24, 2nd floor Manali No. 1 at Malad, Plot Nos.
43, 49, & 50, Village Valnai, Marve Road, Malad (W),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961) in the office of the Competenn Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-24, 2nd floor Manali No. 1 at Malad, Plot Nos. 43, 49, & 50, Village Valnai, Marve Road, Malad (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE 10873/

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill Bombay

Date: 13-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10816/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 6, Guru Kripa, Linking Road (Behind) Near Evershine Nagar, Mith Chowki, Off Marve Road, Malad (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961( in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salk Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s, Pragati Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Manohar P. Shroff & Ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 6, Guru Kripa, Linking Road (Behind) Near Evershine Nagar, Mith Chowki, Off Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, JJI/37EE/10816/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-3-1985

Scal;

(1) Hari Kripa No. II Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Achyut Prabhu.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11009/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 6, Building Ganga, Survey No. 40, Hissa No. 3, Survey No. 91, Hissa No. 1, Deonar and Barla Village, Gavandi, Bombay-88.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(ii) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Building Ganga, Survey No. 40, Hissa No. 3, Survey No. 91, Hissa No. 1, Doonar and Borla, Village, Gayandi, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11009/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1985

Scal:

(1) Mr. R. J. Dave.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chalakuzhi Mathai Mathews.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bornbay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11488/84-85,-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 2, Ground floor No. 7, CTS No. 112/7, Village Chincholi, Goregaon (I.). Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor No. 7, CTS No. 112/7, village Chincholi, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11488/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Gopal Krishan Tandon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. H. Naik,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10917/84-85,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shed No. 56-A on second floor of Sidhpura Industrial Estate, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereip are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

56-A on second floor of Sidhpura Industrial Shed No. Shed No. 56-A on second floor of Sign Estate, S.V. Road, Goreguon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE '10917/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 13-3-1985

Scal :

(1) M. B. Thadani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Winfit Manufacturing Co.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. ΛR.III/37EE/11506/84-85,—Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

212, Satguru Nanik Industrial Estate, W tern Express Highway, Goregaon (F), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

at Bdmbay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edical of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

212, Satguru Nanik Industrial Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Nombay-63.

The agreement has been registered with the Comperent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11506/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 13-3-1985

Scal:

(1) Smt. Janki V. Khatri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. Rama Krishna Reddy.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR. III/37FE/10791/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Building No. 10-C, Nityanand Baug, Chembur Colony, Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-7-1984

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer مر/متد
- (b) facilitating the concealment of any income or pny moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Building No. 10-C, Nityanand Baug, Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10791/83-84 dated 1-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act, to the following persons namely:~

Date: 11-3-1985

Scal:

### FORM PINS-

(1) Ashok Hotchand Bachani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrasekhar R. Singh & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.JII/37EE/11434/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovrible property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 16, Leela Shankar Co-operative Housing Society,
103/3, Tilak Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 16, Leela Shankar Co-operative Housing Society, 102/3, Tilak Nagar, Goregaon (W), Nombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11434/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

Scal ::

.(1) Mr. Kewal Kishan Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Savitri Naravan & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITIOIN RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37FE/11162/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Bungalow called Gurdas Bhawan, 11th Road, Chembur,

Bombay-71.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority
Bombay on 2-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bungalow called Gurdas Bhawan, 14th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11162/83-84 dated 2-7-1984

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1985

Setl:

(1) M/s. Ratilal & Co.

(Transferor)

(2) R. Kalyana Sundaram & Ors.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITIOIN RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10923/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

rand bearing Flat No. B-33, on the 5th floor Mahavir Mansion, Plot No. 16, Garodia Nagar, Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-33, on the floor Mahavir Mnasion Plot No. Garodia Nagar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.1II/37EE/10923/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-3-1985

(1) Umesh Dwarkadas Gotecha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Laxmidevi Kabra & Ci.

(Transfere.

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11467/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, 2nd floor, Saket, Junction of School Road, and Dadi Seth Road, Malad (W), Bombay-65.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said provemay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Saket, Junction of School Road and Dadi Seth Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11467/83-84 dated 2-7-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 11-3-1985

(1) Anthony Flelecian Rebello,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) M/s La'Bilde Constructions.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersited:—

### OFFICE OF THE, INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11449/84-85.—Whereas, 1,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Piece or parcel of land & premises bearing S. N. 17, H. No. 1 (p) Village Malad (Valnai), Malad, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

# THE SCHEDULE

Piece or parcel of land & premises bearing S. No. 17, H. No. 1 (pt. B) village Malad Valuai, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11449/83-84 dated 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax:
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1985

Scal:

(1) Mrs. Malti A. Agarwal.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. C. Adathakkar.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11080/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. C/606 6th fl. La-Chapella C.H. S. Plot No. 51, Village Valnai Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating lite reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C/606, 6th fl. Plot No. 51, La Chappel Co-op. Society, Viliage Valnai Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11080/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

#### FORM IINS ....

(1) M/s Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. M. V. Krishna,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11068/84-85.--Whereas, I, PRASAD.

being the Compotent Authority under Section 269H or use Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 31 2nd floor, Hemal Apartment, Village Malwani Malad (W) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly ented in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BENLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given be that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reducion or evasion of the lability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 31, 2nd floor, Hernal Apartment, Village Malwani Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11068/ 83-84 dated 2-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transcree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 14-3-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. S. I.. Mehta.

(Transferor)

(2) U. K. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11015/84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot of I and together with the structure situated at Orlem Sorvey No. 147/2 and 147/3 Malad 'W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land together with the structure situated at Orlem Survey No. 147/2 and 147/3 Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11015/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Ulhas Ramchandra Prabhu.

(Transferor)

(2) Shri Roopehand T. Gianani.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### NEQUILITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/10892/84-85.--Whereas, I:

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 4961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable poreprty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Shop No. 69, Gr. F). Malad shopping Centre. Off Swami Vivekanaud Rd. Madad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered und r Sec. 269AB of the Lacome-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

135--36 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 69, Gr. Fl. Malad Shopping Centre, Off Swami Vivekanand Rd. Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/10892/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III; Bombay

Date': 13-3-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shii Amrit Mal Cnatur.

(Transferor)

(2) Smt. Lila Devi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11413/84-85 —Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 14, Gr. Fl. Beelkamal Bldg. Gov'ndnagar Rd. Malad 'W). Bombay-64.

(an) more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Incometax 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2.7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground Fl. Neell amal Bldg. Govindnagar Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR, III/37, EE/11413/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-3-1984

(1) Shri Ram Swaroop & Sons.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Anjana Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.HI.'37.EF/11415/84-85.--Whereus, J.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 10, Gr. Fl. Neel Kamal Bldg G.N. Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the saint menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Fl. Neel Kamal Bailding G.N. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11415/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inco 20-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Vanita I. Shah & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri D. R. Agarwal,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/10887/84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR. III/37. EU/10887/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and, bearing
No. Shop No. 7-A. Ground Fl. Sasita,
Apartment Poodar Circle Midad (F), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comeptent Authority

at Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later; (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7-A, Ground Fl. Sasita Apartment, Poddar Circle Mulad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.IIL/37.EE/10887/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1984

(1) Smt. Dipika Jyantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Devikabai N. Dharod,

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III/ BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11372/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. A-4. The Malad Rajhans C.H.S. Ltd., Plot No. 19, Developed intender Road, Malad (E), Bombay-97, (and more fully described in the schedule annexed here 6), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Anthority

Itombay on 2-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Acf, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-4, Malad Rajhans Co-op Hsg. Set. Ltd. Plot No. 19, Develand litendra Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII/37.FE/11372/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1984

FURM ITNS

(1) Shri Kantilal Vasanji.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11320/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Shop No. 6, Ground floor, Jaharam Co-operative Housing Ltd., Plot No. 44, M.G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bembay on 2-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) M/s Pramanik General Stores.

(Transferce)

(3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Jalanam Co.op Housing Seciety Ltd., Plot No. 44, TPS No. III, M.G. Road, Ghatkopar (E) Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11320/84-85/83-84 dated 2-7-1934.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-3-1984

Soal:

(1) Chittaranjan Shurma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. k. Nair.

(Transferes)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1985,

Ref. No. ARJII/37.EE/11458/34-85,--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Land at Village Tirandaz, Durga Nivas Premises CTS No. 32 Pt. Bhawani Fowers & idlat on the 6th floor, near LLF. Petrol Pump. Bombay 76 situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-rax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 2-7-1984.

nominary on 2-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as accreed to be transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

hand at Village Tirandaz, Durga Nivas Premises CTS No. 32 Pt. Bhawani Towers and Flat on the 6th floor, near J.I.T. Petrol Pump, Bombay-76.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. ARJII/37.EE/.1458/84-85 & 83-34 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1985

Scal ·

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2

(1) Smt. Marjadivei Turanthi Sharma.

(Transferor)

(2) Shri Rizvanullah I. Choudhary.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bonibay, the 15th March 1985

Ref. No. AR.III 37.EE/10874/84-85 --- Whereas, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. S. No. 295, H. No. 4, CS No. S 4050B & 4950 B/1 at Kolek ilyan Kalina, Santaeruz (Fact), Bombay-98,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Eombay on 2-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S. No. 295, Hissa No. 4 (Part) CS Nos. 4050B & 49 0B/1, at Kolekalyan Kalma, Saatzeruz (E) Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/10874/84-85 & 83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

wing Date: 15-3-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Tejinder Singh Aroia.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s Geeta Agencies

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11477/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act'), have reason to believe that the inmovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

No. Unit No. 5, Ground Fl. 'E' Bldg. Ansa Indl. Estate,
Saki Vihar Rd. Saki Naka. Bombay-72.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under

Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Ecombay on 2-7-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mo.e. fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 5, Ground Fl, 'E' Bldg. Ansa Indl. Estate, Saki Vihar Rd. Saki Naka, Bombay-72.

The percentent has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR III 37.FE/11477/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bom' ay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

136-36GI/85

Date: 15-3-1985

(1) M/s Ashwin Arts.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE WECOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rosily C.A. Thomas.

(Transferge)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR.111/37.EE/11028/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Unit No. 101, is: il. Darnji Shamji Indl. Fstate
L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1951, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-7-1984,

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he not been truly stated in the said instrument of iran for with the object of :--

(a) farilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

b) facilitating the concealment of any income or any muneys or other sasets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 101, 1st fl. Damji Shamil Indl. Estate, L.B.S. Marg. Vikhorli, Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.FF/11028/83-84 dated 2-7-1984.

Λ. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-3-1985 Seal:

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intime proceedings for the acquisition of the grocestid property by the resue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

#### FORM ITNS ---

(1) M/s Anil Interior Decorators.

(Transferor)

(2) M/s Dilip Enterprises.

(Transferce)

NÓTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. ARJII/37.EE, 11213/84-85.-Whereas, I,

leting the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gala No. 11, 1st 3, Rupal Indl. Estate, Bhatwadi, Ghatkopar (W), Bombay 84, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

flombay on 2-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; man / ca

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from th. date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 11 1st il Rupal Indl Estate, Bhatwadi, Ghatkopar. (W), Dombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bornbay vide seiral No. ARJII/37.EE/11218/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Gembay

Date: 15-3-1985

# FORM ITNS ----

(1) Mrs. Heroo S. Vaswani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eagle Rubber Ind.

Gazette.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11272/84-85.--Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No. 137, 1st fl. 'B' Block Gatkopar Indl. Estate, L.B.S.

Mang, Ghatkopar, Rombay-86 si nated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than tuleer, per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been 'ruly stated in the said instrument of transfer with the oject of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) fixilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ruspect of any income arising from the transfer; ∗und /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Unit No. 137, 1st fl. "B" Block Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11272/ 83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11530/84-85.--Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat at Village Dindoshi and Chincholi in Borivali Taluka Survey Nos. 34 & 51 Goregaon Mulund Link Road B,ombay-400063 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Sucheta Ananl Khandwala

(Transferor)

15245

(2) Radhika Sanat Mehta & M.S. Mchta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Village Dindoshi and Chincholi in Borivali Taluka Survey Nos. 34 & 51 Goregaon Mulund Link Road, Bombay-400063.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR .HI/37-EE/11530/84-85 dated 27-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-3-1985

FORM 11NS----

(1) Shrec Sai Baba Builder's Pvt. Ltd.

(Transferor)

MOTHER UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Sanjeev Shesha Naik

(Transferce)

# GOVFRNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11570/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. 63, Shlv Kirti Co, Op. Housing Society Ltd., B Building, Chinefioli and dir Road, Malad (West), Bombay-400 064 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Ast, 1861, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immogable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 63, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. Choncholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11570/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-3-1985

FORM NO. 1.T.N.S.----

(1) Mrs. Punam Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

DANAGE ST. 15 1 F. AL. AND TOU ... IN THE SECURE THE ST. 1.00 P. F. L.

(2) Mr. P. V. Adappa & Others

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE IMSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

AR-III/37EE/11529/84-85,---Whereas, I, Ref. No. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) theremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

Flat No. 11, 1st Floor, Chembur Venus Co-Op. Housing Society Ltd., A. Soares Marg, Chembur, Bombay-400 071 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 27-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oblect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tar under the said Act, in respect of any income arising from the trnasfer; which ought to be disclosed by the transferce for 12/17/4 1.3

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income hix. Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-is Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st Floor, Chembur Venus Co-Op. Housing Society Ltd., A. Soares Marg, Chembur, Bombay-400 071.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11529/84-85 dated 27-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Date: 15-3-1985

(1) Shree Saibaba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dilip Rugheji Rane

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11569/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (47 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, Shiv Kirti Co-Op. Housing Socie'y Ltd., B Building, Choncholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064

situa'ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 51, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., B Building, Chincholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11569/84-85 on 27-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquimition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 15-3-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shrikant Vasantrao Surve

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11568/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 47, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., B Bullding, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-400 064

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ary defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesltb-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 47, Shiv Kirtl Co-Op. Housing Society Ltd., B Building, Chincholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11568/84-85 on 27-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

137—36 GI/85

Date: 15-3-1985

Scal:

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd

(Transferor) (Transferee)

(2) Mr. Arun Krishna Rane

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11567/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 46, Shiv Kirtl Co-Op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064 situated at Bombay on 27-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 46, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Building, Chincholi Bunder Road, Malad (West) Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11567/84-85 on 27-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Imspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-3-1985

Scal:

(1) M/s. Sona Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahendrakumar Bhatilal Shoth

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR. 1II/37-EE/11545/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanjay Rane Cottage, Flat No. 1, Manchubhai Road Malad (E), Bombay-97, situated at

Bombay on 2-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent contherefor by mor than fifteen per cent of such consideration apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in arising from the transfer; respect of any income andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Sanjay Rane Cottage Flat No. 1, Manchubhai Road Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11545/83-84 dated 2-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 15-3-1985

(1) M/s. K. R. Metal Ind. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Thakerbhai Desai & Associates

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11543/84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Plot No. 5 & 6, Ashok Nagar Layout CTS. No. 56, Village Malad Taluka Borivali, Malad, Bombay situated at Bombay on 2-7-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fr mothe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 and 6 Ashok Nagar Layout CTS No. 56 Village

Malad Taluka, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/11543/83-84 dated 2-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date : 15-3-1985

FORM TINS-

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.,

(2) Mrs. Winnie Noronha

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11566/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., Flat No. 23, B Building, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Borivli

(W), situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Arx, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any maneys or caher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 23, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., B Building Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11566/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-3-1985

Seak :

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Padmakar Madhavrao Desai

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11558/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 64, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any agoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Building Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Målad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11558/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the notice under subsection (1) of Section 269D of the notice under subsection (1) of section 269D of the n

Date: 15-3-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil S. Jadhav

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11559/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 42, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., Building Survey No. 397 Chinchavli Runder Road Moled

Building, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property pa aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

The second secon

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 42, Shiv Kirti Co-Op. Housing Society Ltd., B Building Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11559/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-3-1985

Scal:

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Malti Madhav Kulkarni.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 15th March 1985.

Ref. No. AR-III/37EE/11560/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovas the Sala Act), have reason to believe that the minovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fint No. 21, Shix Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason waster value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as unforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11560/84-85 on 27-7-1984

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 15-3-1985.

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(2) Balkishar, M. Goenka & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-IJI/37EE/11571/84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 79. Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., Building B, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability ed the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/ex
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-138-36GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 79, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. 397. Chinchavli Bunder Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11571/84-85 on 27-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 15-3-1985

(1) Shice Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Geetanja'i Subodhchandra Vagal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11572/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/

and bearing
Flat No. 80, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B
Building, Chinchavli Bunder Road, Malad (W),

Bombay-490 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority, at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !--The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 80, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11572/84-85 on 27-7-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lame of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 15-3-1985.

Scal:

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Ragunath Shrinagap urc.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR.JII/37EF/11573/84-85.— Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under. Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 75, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Chinchavli Bunder Road, Malad (W), Bombay-

400 064

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 75, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Chinchavli Bunder Road, Malad (W), Bombay-400064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11573/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, **Bombay** 

Dated: 15-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/3/10/11574/84-85,---

Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
Flat No. 70 Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B
Building, Chinchavali Bunder Road, Malad (West) Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

nt Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sincec Sai Baba Builders Pvt. Ltd.
- (2) Atul Vinayak Soudagar.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 70, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Survey No. 397, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-400064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11574/84-85 on

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated :15-3-1985. Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Kumari Suman Gulati.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11562/84-85.-

Whereas, I. A. PRASAD, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the image-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 41, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd.,
Chinchavli Bunder Rd., Malad (West), Bombay 100 064
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) decilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: M/er
- (b) facilitating the conceniment of any income or any gnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manualy :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Chinchavli Bunder Road, Malad (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR-III/37EE/11562/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-III, Bombay

Dated 15-3-1985.

(1) Shree Sai Baba Bullders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Bharati T. Sawant & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III.

#### BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11561/84-85.—Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act | have reason to defleve that the limitorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 28, Shiv Kirti Co-op. Housing Society I.td., B Building, Chinchavli, Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-7-1984

Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration interest of the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 28, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Chinchvali Bunder Road, Malad (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11561/84-85 on 27-7-1984.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III; Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :--

Date: 15-3-1985.

Scal:

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Sunildutta T. Baudekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-Ш, ВОМВАҮ

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/14563/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value creeding

as the 'said' Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value creeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-400 064 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby laitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this meties in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respestive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B. Building, Chincholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11563/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 15-3-1983.

#### FORM NO. ITNS-

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok K. Bhandare,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11564/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-400 064 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of of the Competent Authority at. Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is ion than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisit in of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interests d in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein he are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B. Building, Chincholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay Under No. AR-IV/37EE/11564/84-85 on 27-7-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1985.

FORM NO. ITNS----

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Bhatambrekar.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11565/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 5, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd., B Building, Chinchaoli, Bunder Road, Malad (West), Bombay-400.064

400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, nam dr: --139-36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have that Chapter. have the same meaning as given in

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, Shiv Kirti Co-op. Housing Society Ltd.,. Building, Chincholi Bunder Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent the agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11565/84-85 on 27-7-1984.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 15-3-1985.

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Usha S. Khandwala,

(Transferor)

(2) Shri R. S. Mehta and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s. Karunder Associated.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11531/84-85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

No. Flat in Village Dindoshi and Chincholi in Borivali Taluka S. No. 34 and 51, Goregaon, Mulund Link Road, Goregaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely ;-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

AAType Flat in Village Dindeshi Taluka, Borivali Goregoan Mulund Link Road, S. No. 34651 Goregoon(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11531/83-84 dated 2-7-1985.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 15-3-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-11, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1985

Ref. No. AC-74/Acqn. B-IV/Cal/84-85.—Whereas, I,

SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 107-F situated at B.T. Road, 24-Paganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ttax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Calcutta on 6-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Gobindalal Daga. 26 Kali Krishna Tagore Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. J. M. Industries. 16, Bonfield Lane, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 47 cottahs, 3 chittaks 2 sq. ft. with building. Address: 107-F-B.T. Road, Agarpara, P. S. Khardah, 24-Parganas.

Deed No.: 7810 of 1984.

SANKAR K. BANERIEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-700 016.

Date: 18-3-1985

49

33

3

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

# COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION OCTOBER, 1985

New Delhi, the 27th April, 1985

No. F.8/9/84-EI(B).—A Combined Defence Services Bramination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 27th October, 1985, for admission to the undermentioned courses:

Name of the Course and Approximate No. of Vocancies

- (1) Indian Military Academy, Dehra Dun (81st Course commencing in July, 1986) [Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' [Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in July, 1986.
  - (a) General Service
    [Including 6 reserved for NCC 'C'
    Certificate (Naval Wing) holders.]
  - (b) Naval-Aviation.
- (3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore [Pre-Flying Training Course for 140th F(P) Course commencing in July, 1986] [Includes 1 reserved for NCC 'C' Certificate (Air Wing) holders].
- (4) Officers' Training School, Madras [44th SSC (NT) Course commencing in October, 1986]

N.B.(i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

However, only in case of shortfall on IMA/Naval/Air Force Academies, candidates having OTS as their first choice and also qualified for IMA/Navy/AF can be considered for induction into these courses in order of their choices if otherwise eligible.

- N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—
  - (i) There is a shortfall after detailing all the candidate who competed for the SSC (NT) Course; and
  - (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/ Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena

ithawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 1st July, 1986.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the senior Division Army Wing/3 academic years in the Seminar Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

Note II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Nava! Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Milliary Academy Course/Air Force Academy Course/Nava! Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I. II and III respectively.

- NOTE:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDLY V.
- 2. CENTRES OF EXAMINATION,—Agartala, Ahmedabad, Aizawi, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gaubati), Hyderabad, Imphal, Isanagar, Jaipur, Janmu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED AROVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILF EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must bend a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification

as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th September, 1985, will not be entertained under any circumstances.

- 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY
- (a) Nationality:
  - A candidate must either be-
    - (i) a citizen of India, or
    - (ii) a subject of Bhutan, or
    - (iii) a subject of Nepal, or
    - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
    - (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar). Zambia, Malawi, Zairo and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a cortificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibity is necessary may be admitted to the examination previsionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, sex and marital status:-
  - For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1962 and not later than 1st July, 1967 only are eligible.
  - (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July 1964 and not later than 1st July, 1967 are only eligible.
  - (ili) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1961 and not later than 1st July, 1967 are only eligible.
- Note:—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of iMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview, for the purposes of verification by the Selection Staff.

- (c) Educational qualifications:
  - For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
  - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th/12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NI) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 1st July 1986.
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 30th September, 1986.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this

as only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results or any other ground whatso-

- Note II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- NOTE III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagement will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to faudia on or after 1st November, 1964 or is a prespective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination October, 1985 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
  - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur, Heuse, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.

- (ii) On cash payment of Rs 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office
- (iii) Free of Charge from nearest Military Area/Sub-Area Headquarters, Naval and Air Force Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear, and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination their application shall be rejected candidature shall be cancelled

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (viz Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 24th June, 1985 (8th July, 1985, in the case of candidates residing in Assam Mechalaya, Arunachal Predesh, Mizoram Manipur Nagaland Tripura, Sikkim Ladakh, Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pang.

Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candiddates residing abroad from a date prior to 24th June, 1985, and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahaul and Spitl District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spitl District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 24th June, 1985

- NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam. Meghalaya, Ladakh Division of I&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be respossible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.
- (A) By all candidates:-
  - (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/(Rupees Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Order payable
    to the Secretary Union Public Service Commission
    at New Delhi General Post Office or crossed
    Bank Draft from any branch of the State Bank of
    India payable to the Secretary, Union Public Service
    Commission at the State Bank of India. Main
    Branch, New Delhi
- Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner. Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head 1051 Public Service Commission—examination feel and the receipt attached with the application.

#### (ii) Certificate of age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of a certificate from the Hendmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age is recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION. AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO

AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other exmaining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualification does not indicate the subjects of the examination, he must submit in addition to the attested/certified copy of University certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/ Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with Physics and/or Mathematics, as subjects of examinations. If however, the candidate has passed his degree or equivalent examination with subjects other than Physics and/or Mathematics, he must, in addition to attested/ certified copy of degree or equivalent certificate, submit an attested/certified copy of the University/Board certificate passing the Higher Secondary Examination (old pattern the 11th/12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education) or an equivalent examination. In such a case, if the attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination old pattern of 11th/12th Standard Examination (under the 10+2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certifled copy of a certificate from the Headmaster/Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must also be submitted.

- (iv) Attendance sheet (attached with the application Form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm, approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities, (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
  - (C) By candidates claiming remission of fee:-
    - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
    - (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—
  - (a) Displaced persons from erstwhile East Pakistan.
    - Camp Commandant of the Transit Cent es of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma:

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

- (d) Displaced persons from erstwhile West Pakistan:
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Pefugee Petablitation in his district

140-36GI/85

OR

(iv) Sub-Divisional Office: within the sub-division in his charge

OR

- (1) Deputy Refugee Rebabilitation Commissioner.
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) [(Senior Division Air Wing] Naval Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.A.M., Air Force Academy Course and Naval Academy Course,

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

NOTE:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 9. REFUND OF PEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection;—
  - (i) A refund of Rs. 15/- (Rupees fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date no refund of fee will be made to that candidate.
  - (ii) A refund of Rs 28/- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belong to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in October, 1984 or in May, 1985, and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination October, 1985 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 1st April, 1986.
- Every application including late one, received in the Commission's Office, is acknowledged and Application Registration No is second to the candidate in token of receipt of his application if a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a mouth from the last date

prescribed for receipt of application for the examination, he should at once or that the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No, has been issued to the candidates does not, ipro-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. It there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-

- obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricating documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vil) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination

- (x) harassing or doing hodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination. To
- (xi) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
    - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules,

Provided that no penalty under his paragraph shall be imposed except after-

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him. into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualification etc to Army HQ Rtg. 6(SP)(c), New Delbi-110022; in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R. Sena Bhawan, New Delbi-110011; in case of New first choice candidates and Air HQ/PO-3. Vayu Bhawan, New Delbi-110011; in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB Interview and not later than 1st July, 1986 [30th September, 1986 in case of SSC (NT) only]. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.
- 15. Communications Regarding Applications—ALI COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE II: THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) RAME OF CANDIDATE (IN TELL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.
- N.B. (1) COMMUNICATIONS NUT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (II)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, it necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the paraculars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BUARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES OF ESCEPTION FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.U.S BRANCH REGOSPICOTOR, WEST BLUCK S, WING, T, RAMMARISHNAPURAM, NEW DELHITHOUZE AND AIR HQ (POS) VAYO BHAWAN, NEW DIREST TOUTT. FARDURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DERRIVE THE CARBILATE OF ANY CLAIM TO CONSTRUCTION IN THE BYENT OF HIS NOT DECENTION THE SUMMERS SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP)(e)(ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3) Vavu Bhawan. New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB intervew on the date intimated to the or in one will only better not interview. Request for postponing interview will only be considered in

very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/An Headquarters will be the sole deciding authority.

the candidates called to, 558 interview at determ, 54 vices Selection Centres will bring with them the following middes.

- (a) Parsport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankers (according to reason).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts
- (d) A pair of white P1 shoes and two pairs or white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain pen, ink and pencile.
- (a) Boot polish and white planco.
- (h) One mosquito net.
- PLB. :--In case a candidate does not get the interview call for SSE interview for IMA by 1st week of Ap.c., 1986 and by 4th week of July 1986 for O1S, an ahould write to Army Headquarters Rig. 6(SP)(c) West block III, K. K. Puram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call up letter.

17. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WIGITEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who sound the number of qualifying makes to the winder examination as used by tot countriesing in the other candidates, what provides the candidates what the post below the desire of the other candidates. But the candidates what the post below the candidates what the contribution of the candidates what the contribution of the candidates when the can

Called the state speaking in the control of the manufactor and for Navy (6.6), course and for Air Frank Academy Course irrespective of whether they have also quantited for SSC (NT) Course or not, will be detailed for SSB, it tests in March/April, 1986 and candidates who quantified SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June July, 1986.

Cardidates will appear before the Service & Section Bearts and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may already in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether he is no negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this officer of the remains appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualitying merks scrarately in (i) written examination and (ii) small, tests at 1930 by the Commission in their discretion. The syndicates will be placed in the order of meta-

on the basis of the total marks secured by them to the written examination and in the S.S.P. test. The some and monner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination conters no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Avademy, Air Force, Academy or the officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available

Note: Every candidate for the Air Ferce and bleval Aviation is given Pilot Aptitude Tea only once. The Grade secured by him as the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails the first Pilot Aptitude Teat cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Cundidates who were admitted to an earlier course at the National Defeuce Academy, Indian Military Academy Air Force Flying College, Naval Academy Cechin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawan from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdraws from the maner. Academy of from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for tack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN-THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIP FORCE 4CADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of he application though successful at this or any subsequent examination will no be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expendence incurved on him by the Government.

No. candidate for the Short Service Commission (N.T.)

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officer's Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Control Consequent rear, if notified that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this tule

21. OTHER RESTRICTIONS ESTIMATE TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL. ACADEMY OR IN THE NAVAL. ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indiar Military Academy or the Naval Academy or the Air Fines Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been draine reformed for training in the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NA/AFA may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shoulfall on the particular course.

22. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C Objective type Examination". The Publication is designed to be of assistance to prespective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selection. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This is also be obtained culv against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cineva, Emporia Building, C. Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-11000; and (ii) Sele counter of the Publications Bisnoth at Udvo. The day see Delhi-110011 and (iii) The Government of finite Book Depay, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various moreosal toware.

M. BALAKRISHNAN Dv. Secv.

#### APPENDIX 1

(The scheme standard and syllabus of the xumination)

A. SCHEME OF THE ENAMINATION

The Competitive enagmation comprises ---

(a) written examination as shown in para 2 below;

- Part 'B' of this Appendux) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
- (a) For Admission to Indian Military Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks
l. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematic	9 2 Hours	. 100

# (b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time: allowed	Maximum Marks
COMPULSORY	•	
I. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 His.	. 100
OPTIONAL  *3. Elementary Mathematics of Elementary Physics .	or 2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics .	*2 Hrs. *Candidates mentary take 4th par dates mentary	offering Ele- Mathematics will Physics as their er and Candi- offering Ele- Physics will take es as their 4th

Subject	 Tir alle	ЩĊ		Maximum Marks
1. English		2	Hours.	100
2. General Knowledge	_	2	Hours.	100

# (d) For Admission to Air Force Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	 2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics .	2 Hows	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and An Force Academy.

- J THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF DEJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS. PLEASE SEP CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination half
- B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINA-, TION.

#### STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers is other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University

There will be no practical examination in any of the subjects,

#### SYLLABUS

#### ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

# GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience to their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

# ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

# Arithmetic

Number System—Natural numbers. Integers. Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions. subtraction, multiplication, division. Square roots. Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

# Algebra

Basic Operations simple factors. Remainder Theorem. H.C.P., L.C.M. Theory of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients

equations in two unknowns—analytical and araphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

#### Trigonometry

Sine X, Cocine X, Tangent X when  $0 \le \times \le 90^\circ$ 

Values of  $\sin x$ ,  $\cos x$  and  $\tan x$ , for  $x = 0^{\circ}$ ,  $30^{\circ}$ ,  $45^{\circ}$ ,  $60^{\circ}$  and  $90^{\circ}$ 

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

#### Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems of (1) Properties of angles at a point, (it) Parallel lines, (it) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangle. (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and alimudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangents and normals, (ix) Loci

## Mensuration

Areas of squeres, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circuitar cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

#### · Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bas charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

## ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Monogration.—Units of measurement; Clib and takes units, scalars and vectors, Composition and resolution of torces and vestorates. Children acceleration, Rectiffs and the composition of the compositi
- (b) Mechanics of Solids.—Adollor ander gitting, Painder forces, Concre of Gravity. States of equalibrium. States and facilities placed plane Screw and Gears, Friction angle of frictions coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal s Law, Archimedies principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedies principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law, Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids Charles Law, Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vapouzzation. SVP immistry devicement and relative humidity.

- (c) Ligar -- Reculturear propagation. Laws of reflection. Spherical matrons; ket action taws of refrection Lenses. Optical instruments, camera, projector, epidiascope telescope. Microscope, binocular & Veriscope, Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.--Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism; Magnetism in Magnetism is the field. Magnetic ilnes or force, I orrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohms Law, P.D., Resistances of the field in the comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter. Volumeter. Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

## PHYSICS (Code No. 06)

1. General properties of matter and mechanics,

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Momens of Inertia, Work; energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

#### 2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, memberanes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Flements of outra sources. Flementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

## 3. Beat and Thermodynamics

It in person and in an alternative thermal expansion, becomes and address the general transfer and address to person the and and address to address the angle of the angle of

## 4. Light

Geometrica optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

# 3. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Maxing magnet and moving coil galvanemeters. Measurement or cerrent and resignation, Properties of the circuit elements and their determination thermoelectric effect; Electromagnetic induction.

Production of afternating currence Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

## 6. Modern Physics

Elements of Bohn's theory of ston. Electrons, Discharge of Electricity through gases: Cathode Roys and X-rays. Radioactivity, Artificial radioactivity Isotopes, Elementary ideas of fission and fusion

## MATHEMATICS (Code No. 04)

#### 1. Algebra

Algebra of Sets, relations, and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moiver's theorm for rational index and its simple applications.

#### 2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matricesto the solution of linear equations (in three dimensions).

### 3. Analytical Geometry

Adalytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles elipse, potabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

## 4. Calculus and Differential Equation

Differential Calculus.—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, succesive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmia trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such a tangent, normal, subtangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only) Envelope: Partial, differentiation. Fullers theorem for homogeneous functions.

Integral calculus.—Standard methods of integration Relmann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature volumes and surface area of solids of evolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential equations.—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like

# 5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, counles Centre of gravity of simple bodies. Friction Static and limiting friction angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane vertical work (two dimensions).

Dynamics,—Rinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under pacity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics,—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and nuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution.—binomial Distribution, definition mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error, Simple application of the normal, t, chi<sup>2</sup> and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

# INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence. Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

# APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE.--CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE RE-LECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
  - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties
  - (b) There should be no evidence of weak constitution, bedily defects or over-weight.
  - (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region, India, Garwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms. less.. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

Height und Weight Standards

#**		<b>- -</b> -//		wei	ght in kgs
	Centi hoes)	metres	18 years	20 years	22 year
			44	46	47
			46	48	49
		•	47	49	30
			48	50	51
			50	52	53
	•		52	53	55
			53	55	5
		L	55	57	58
			57	59	60
			59	61	62
			61	62	52
			63	64	65
			65	67	67
	_		67	69	70
			70	71	72
			72	73	74
			74	76	77
			77	78	78

A+10% (± 6 kg. for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal timit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but officewise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape to adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, note and throat.
- (h) There should be no signs or function or organic disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.
- (i) The musciles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and heeling is completed.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (1) Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eve with or without glasses (For Navy and Air Force without classes only) Myopia should not be more than 3.5 D including Astigmatism. Intenal examination of the eye will be done by means of aphthalmoscope to rule out any disease of the eye A candidate must have

good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:—

Distant Vision . . . 6/6, 6/9 Correctable to 6/6.

0/6.

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occulate Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 metres . . . . Exophoria 8 prism dioptres, Esophoria 8 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.

- (ii) at 30 cm . . . Exoporia 16 prism diopties, Esophoria 6 pris a diopties, Hyperphoria 1 prism diopties.
- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—
  - (a) Antropmetric measurements acceptable for Air Force are as follows:

Thigh Length Sitting Max. 64 cms.
Height Min. 81 -5 cms. & Max.
96 cms.

- (b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:
  - (i) Granulomatous disease of Spine
  - (ii) Arthritis/spondylosis
  - (iii) More than mild kyphosis/Lordosis, Scoliosis More than 15° by Cobb's method will be cause for rejection.
  - (iv) Spondylolisthesis/spondylolysis.
  - (v) Herniated Nuclums Pulposis
  - (vi) Compression fracture of Vertebra
  - (vii) Scheuemanns Disease
  - (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
  - (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.

141-36 GI/85

- (c) X-Ray Chest is compulsory
- (d) Vision

Distant Vision . . 6/6 6/9 Correctable to 6/6.

Maoifest Hypermetropia . must not exceed 2 00D

## Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed a

(i) at 6 metres . Exophoria 6 prism dioptres.

Esophoria 6 prism dioptres.

Hyperphoria 1 prism dioptres

(ii) at 33 cms. . . Exophoria 16 prism

dioptres
Fsophoria 6 prism

dioptres Hyperphoria i prism

dioptres. Myopia Nil

Astigmatism +0.75D only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and storwepsis with good amplitude and depth)

- (0) Hearing Standards
  - (i) Speech test . . Whispered hearing 610 cms each ear
  - (ii) Audiometric test

    . Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 HZ and 4000 Hz
- (f) Routine ECG and EEG should be within normal
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

## APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy—
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a

result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen' cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward the application to the Commandant. Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidate finally selected for training at the Indian Milatry Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs, 450.00
  - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00 Total: Rs. 1250.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month Rs. 450.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for

the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Militay Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—
  - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
  - (b) if he is not granted a commission refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and accessories purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these oircumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training, Commission will be permanent.
- 9 Pay and allowances pensions leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the prov

Training

10 At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenous Military training for a period of 18 months aimed at turning out officers canable of leading infantry sub-units. On successful

completion of training Gentlemen Cadess are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

#### 11. Terms and Conditions of Service

Rank Pay Scale		Pay Scale	Rank	Pay Scale		
		Rs.	<u></u>	Rs.		
2nd Lieut	•	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	. 1900 fixed		
Lieut .		830-950	Colonel .	. 1950-2175		
Captain		11001550	Brigadier	22002400		
Major .		14501800	Maj, General ,	2500—125/ 2—2750		
Major (Selection Grade Pay)		1800—50—19	900	2 3.30		
Lt. Colonel			Lt. General	3000 p.m.		
(By Selection	n)	17501950	2	5000 P.III.		
• •	•	2	Lt. General (Army Comma	3250 p. m., nders)		
Lt. Colonel (Selection G	rade	2000-50-2100 Pay)		,		

# (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 24,00/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay Rs. 70/- p.m.

#### (III) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p. m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving Fx-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p. m.
- (e) Outfit Allowance:—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

# (iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad,

# (v) PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt. . . . 2 years of Commissioned Service
Capt. . . . 5 years of Commissioned Service
Major . . . 11 years of Commissioned Service
Lt. Col. . . . . 21 years of Commissioned Service

## by Selection

Lt. Col. . . 16 years of Commissioned Service
Col. . 20 years of Commissioned Service
Brigadier . 23 years of Commissioned Service
Major Gen. . 25 years of Commissioned Service
Lt. Gen. . . 28 years of Commissioned Service
General . . No restriction.

# (b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies.;

Captaio				3 усага
Major .				5 years
Lt. Colonel	_		,	6 1/2 years.
Colonel .				g 1/2 yours
Brigadier .	•	٠	_	12 years.
Major General				20 yours.
Lt. General,				25 years.

#### (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACA-DEMY, COCHIN

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy, Cochis.

(1) Candidates not applying for government financial aid;
(i) Pocket allowance for five months

#Rs. 45 00 per month ...

Rs.225 -00

(2) Candidates applying for Government financial aid:

(i) Pocket allowance for two months
(c) Rs. 45:00 per month 4. . Rs. 90:00

(b)(1) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Navat Ships and Establishment as under:

- (a) Cadets Training including a float training for 6 months . . 1 year
- (b) Midshipmon a float Fraining . 6 months

- (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Navai Ships for obtaining full Navai Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, meeting and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service. Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval Ships/establishments, financial assistance as atoresaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time

of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—
  - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any yinjury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

# 3. PAY AND ALLOWANCES

# (a) PAY

Rank				Pay Scale General Services
1	 	<i>-</i>		2
Midshipman .			-	Rs. 560-00
Ag. Sub. Lieut				Rs. 750 ·00
Sub. Lieut				Rs. 830 -00 870 -00
Lieut	•	•		Rs. 1100 -001450 -00
Lieut. Cdr				Rs. 1450-00—1800-00

1	1
Lieut. Cdr. (Selection Grade Pay) .	. Rs 1800 00 -1900 00
Commander (By Selection)	. Rs. 1770-67 1050 70
Commander (By Time scale).	. Rs 1900-00 fixed
Commander (Selection Grade Pay) Captain	Rs 2000 (X)-2100-00- Rs 1250—2400-00 (Commodore, receives pay to which en- titled according to seniority as Captain)
Rear Admiral	, R+ 2500 -00-125 -00/ 2750 -00
Vice-Admiral	. P.s. 3000:00
Vice-Admiral (VCNS/FOC-IN-C).	. Rs. 3250-00

## (b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allow-

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (lii) When officers are serving outside India expatitation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible to—
  - (a) married officers serving in non-family station; and
  - (b) married officers serving on board LN Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance: Initial Outfit Allowance is Rs. 2.400/-;
  - (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100/-, after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commodore (IN) in the Navy.
- Nors I:—In addition certain special concessions like hardlying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualification pay/grant, Technical Pay and diving pay are admissible to officers.
- Note II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

# 4. PROMOTION

# (a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut, . 1/2 year Amy Sub. Lieut, . 1 year 142—36 GI/85

Sub Lieut, to Lieut,	•	٠		3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority).
Lieuf, to Lieut, Cdr.				8 years seniority as Lieut.
Lieut Cdr. to Cdr. (if	not p	prome	ted	
by selection) ,	•	•	•	24 years (reckonably com- missioned service)
(b) By Selection				
Lieut. Cdr. to Cdr.	•	•	•	2—8 years seniority as Liout Cdr;
Cdr. to Capt. ,				4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admire	al and	l abov	70. Ì	No service restriction.

#### 5 POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Services, Naval Headquarters, New Delhi-110011.

# (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' FRAINING SCHOOL, MADRAS

- 1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras—
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal helps shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesis administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
  - (b) his parent or guardian will be requised to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 mouths. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

A While the cost of training including accommodations books, uniforms, boarding and modical treatment will be burns by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Ra. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such he photography, Shikar, hiking etc. they may require ad.). though money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of auditance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A madidate desirous of having financial assistance should framediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers' Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and accounties purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No. candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadeta resigning after the commoncement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ Cost of training, mossing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. All Army candidate under these chromatances will be reverted to bis Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

#### 9. Training

- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a source of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.
  - 10. Terms and conditions of Service
  - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is repetited on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

## (b) Posting

Personnel granted Short Service Commission and liable to serve anywhere in India and abroad.

# (c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fall to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

# (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay of 2/Lt. and Lieut are -

- (e) Leave: For leave, these officers will be coveraed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of the Rule 91 Ibid.

- (1) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
  - (i) for misconduct or if services are found to be uneatisfactory; or
  - (ii) on account of medical unfitness or
  - (III) If his services are no longer required; or
  - (iv) if he falls to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

# (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs 5,000,00.

## (b) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability or a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(1) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

# (D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
  - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.
  - (b) NCC Entry.—Applications from NCC conditates are invited by Director General NCC through respective NCC patts and forwarded to rais Mr.A. No policy conditates are directed by report to APAESE for 1981s and interviews.

- 2. Denotive for Latine vi-standidates recommended by the AFS32 and too if medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of medical establishment are detailed for training strictly on the basis of medical establishment are detailed for training strictly on the basis of medical establishment are detailed for vacancies. Separate medical lists are prepared for Direct interpolation and for NCC candidates in the medical for Direct Entry Phying (Phot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The medical for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.
- 3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Porce Academy will be 75 weeks.

# Conditions governing Financial Assistance

- (i) While the cost of training including accommodations. books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure. financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per monsem or above would be eligible for the grant of the inancial assistance. The immovable property and other assets and income from all Sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College Red Fields, Coimbatore.
- (ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival:
  - (a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00,
  - (b) Pos stems of clothing and equipment Ra. 525.00 Fotal: Ra. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being canctioned:—

Profits allowance for the five months at Re. 99 % per month—its, 450.00.

# A. Carabi Frenzama

of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers speed career prospects though it varies from branch to branch

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

#### 5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Ra	nk			Flying Branch
Pit. Offr.	•	•		Rs. . 825—865
Fig. Offr.		٠		. 910—1930
Flt. Lt.	•		•	. 1150→1550
Squ Ldr.	•		•	, 14501800
Wg. Cdr.		•	•	. 15501950
Gp. Capt.	•	•	•	1950 — 2175
Air Comde.		•		. 2200—2400
Air Vice Mars	ha)	•		. 2500 – 2750
Air Marshal				. 3000

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India,

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

W. Cdr. and below	. Rs. 750.00 P.M.
Gp. Capt. and Alr Comde	. Rs. 660.00 P.M.
Air Vice Marshal and above	. Rs. 600.00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay, grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/-, and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expairiation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second

Secretary/First Accretary/Counsellor, serving in the security where tas Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowances.—Married Officers posted to Units/ Formations located at non-family stations/areas notified as such by Gevernment for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning

Free rations are provided upto the level of Air Commoders in the Air Force.

# 6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave-60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wife and dependent children.

Officers when travelling leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wite and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Rank substantive		Minimum leng of qualifying service	
1		2	. 3
Plt. Offr./Fg. Offr.		. 20 years	600,00 P M.
Ft. Lt.	•	. 20 years	825-00 P.M.
Sqn. Ldr		. 22 years	950 00 P. M.
Wg. Cdr. (Time Sca	alo)	. 26 years	1025 00 P. M.
Wg. Cdr. (Selective	) .	. 24 years	1025 00 P. M.
Gp. Capt.		. 26 year:	1175-00 P.M.
Air Comde.		. 28 year	ns 1275 00 P.M

, 2	.,	τ.
Air Vice Marshal	30 STOUR	1475-00 P.M
Air Marshal Air Marshal VCAS and	. 30 years	Goyt, letter under
AOSC-in-C. Air Chief Marsha	30 years	iesue.

# 8. Retiring Gratulty

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under:-

- (a) For 10 years service...Rs. 12,000/- less 13 month's pay of rank last hald
- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less i month's pay of rank last beid.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 161 times of the emoluments not exceeding Rs. 36,000/- h admissible. In case of death while in service the amount of death-cum retirement gratuity will be as follows:—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service,
- (b) bix months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

# 9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

# APPENDIX IV

(a) The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri-son of Shri-of village/town*
in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the
Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@.
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1953@.

the Constitution Order, 1951.	(Scheduled	Castes)	(Union	Territories)
the Constitution Order, 1951/4	(Scheduled	Tribes)	(Unless	Territories)
las amended by lists (Modification Act 1960 the of Himachal Pr (Reorganisation) Scheduled Tribes	the Scheduled n) Order, 19 Punjab Reorg adesh Act, 1 Act, 1971 a	l Castes a 56 the Banisation 970; the	and Sched ombay Ro Act, 196 North Ed Scheduled	uled Tribes sorganisation 6 the State ustern Areas Caston and
the Constitution Order, 1956@.	(Jammu and	Kashm	ir) Schei	duled Castes
the Constitution Tribes Order, 19 Scheduled Tribe	59 as amende	ed by the	Schodule	d Castes and
the Constitution Order, 1962@.	(Dadra and )	Nagar Ha	veli) Scho	eduled Castes
the Constitution Order, 1962@.	(Dadra and	Nagar Ha	veli) Schr	eduled Tribes
the Constitution 1964@.	(Pondicher	ry), Sch	eduled (	Castes Order,
the Constitution 1967@.	(Uttar Pmad	leah) Sch	oduled T	ribes Order,
the Constitution Order, 1968@.	(Goa, Dan	an and	Diu) Sch	eduled Castes
the Constitution Order, 1968(4).	(Goa, Dang	nan and l	Diu) Sch	
the Constitution	(Naguland	) Sched	uled Tr	lbes, Order,
the Constitution	(Sikkim) S	heduled (	Cestes Or	
the Constitution			_	
Tribes persons Territory Admir	who have m nistration.	neamped t	JOHO OHO	
Caste/Scheduled Shri/Shrimati , Father/mother	I Tribe certif of Shri/Shrim	icato issum nati/Kuma	nd to	
of village/tow in District/Div of the State/U who belong to	n	т :у ,		************
caste/tribe wi Scheduled frib issued by the dated	nich is recognic in the Sta	mised as te/Union	a Sche	duled Create/
%3. Shri ordinarily resid District Divisio	c(s) in village n of the St	ate/Union	Territory	/ Of
	State		orritory*	eas of office)
Place			( tr +> 10 )	PER WE WILLIAM!
Date				

Date . .....

- \*Please delete the words which are not applicable,
- @Please quote the specific Presidential Order.
- %Delete the paragraph which is not applicable.
- Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 80 of the representation of the People Act, 1950.
- \*\*List of authorities empowered to issue Caste/Tribes
  - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/@ Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
    - @ not below the rank of let Class Stipendlary Magistrate.
  - (ii) Chief Presidency MagIstrate/Additional Chief Presidency MagIstrate/Presidency MagIstrate.
  - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tebsildar.
  - (av) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
  - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

# APPENDIX V

# CANDIDATES INFORMATION MANUAL

# A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an OBJECTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one asswer to each item.

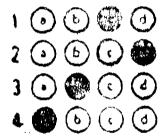
This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unformiliarity with the type of examination.

## B. NATURE OF THE TEST

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your responses on the answer sheet. Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Bookiet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



# IT IS IMPORTANT THAT--

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, crase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet, in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to till in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may loose marks if you do not follow the instructions meticuleasly. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instruction given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you, You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrucent into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on degrand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your Answer Sheet at the end of the test.

#### **E SPECIAL INSTRUCTIONS**

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the savigulator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the the questions. Do not waste time on questions which are let. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

# F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer the questions. Do not waste time on questing which are too difficult for you. Go on to the other questions and some back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

# G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collect all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the master sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: \*denotes the correct/best answer/option).

1. (General Studies).

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

# 2, (English)

(Vocabulary---Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known.
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far.

#### 3. (Agriculture).

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- \*(a) spraying with growth regulators.
- (b) planting wider apart.
- (c) planting in the correct season.
- (d) planting in the correct season.

# 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>2</sub>VO<sub>4</sub> is

- (a) VO<sub>1</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub>O<sub>2</sub>
- •(d) V<sub>2</sub>O<sub>2</sub>

## 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs v.

- (a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue products are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product,
- (d) wage is equal to marginal physical product.

# 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitibility 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be:

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) -C/9

#### 7. (Geology)

Plagicolase in a basalt is :

- (a) Oligociase
- \*(b) Labradorite
- ic) Albiu
- (d) Anorthine

# L. (Mathematics)

The femily of curve causing through the origin and satisfact fying the equation .

- dx2
- (a) y-a1+
- (b) y-a\*
- (c) Y=a++100-+
- \*(d) y=acx-d

## 9 (Physica)

An ideal back engine works between temperatures 4(Y)° K cm4 300° K. Inc efficiency is :

- (a) 3/4
- \*(ħ) **(4**---31/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

## 10. (Statistica)

The mean of a binomial variage is 5. The variance can be;

- (a) 4\*
- \*(h) 3
- (c) B
- (d) -5

# 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because :

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) It is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) Most of the off resources are found in part of the COURTLY.

#### (2 (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism 7

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism!
- (b) Brahmanism was highly formalised and pretentions religion.
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

## 13 (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimmsa
- (b) Nyaya Vaisesika, Janism and Buddhism Carvaka
- (c) Advalta, Vedanta, Samkhya, Carvaka, Yoga
- \*(d) Buddhism, Samkhya, Mimamsa Carvaka

# 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Union.

## 15. (Psychology)

## Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

## 16. (Sociology)

Penchayati Raj Institutions in India hale brought about one of the following:

- "(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (3) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.
- Fig. : -- Candidates should note that the sorve sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination,